श्रीगणेशाय नमः ।

रामगुलामशब्दकोष ।

जमोर जिला गयानिवासी बाबू रामगुलामरामविरचित ।

जिसमें

अकारादिक्रमसे संस्कृत, भाषा तथा सदाके व्यवहारमें आनेवाले अंगरेजी, फारसी आदि शब्दोंका आशय, धातु, धात्वर्थ, अनेकार्थ आदि उत्तम रूपसे दर्शाया गया है ।

इसको

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदासने

अपने "लक्ष्मीवेंकटेश्वर" छापेखानेमें

छापकर प्रसिद्ध किया.

संवत् १९६७, शके १८३२.

कल्याण. (जि० ठाणा.)



तुच्छ सेवक,

रामगुलाम राम,

जमोर जिला गया.

श्रीसीतारामाभ्यां नमः ।

भूमिका ।

प्रथम मैं सर्वशक्तिमान, करुणानिधान, घट २ व्यापी, जगदीश्वर, परमेश्वरको कोटानुकोटि धन्यवाद देता हूं कि जिनकी अनिर्वचनीय कृपा और दयासे मुझे साहित्यप्रेमियोंके सन्मुख यह एक हिन्दीभाषाका नूतन शब्दकोष लेकर उपस्थित होनेका सुअवसर प्राप्त हुआ है । इसके अनन्तर इसकी उत्पत्तिकी कुछ संक्षिप्त कथा लिखता हूं । एक तो हिन्दीभाषामें नाममात्रके गिने चुने शब्दकोष वर्तमान हैं, उनमेंभी बहुतही कम ऐसे निकलेंगे कि जिनसे पूरी सहायता लोगोंको मिलती हो । भाषाके तत्व जाननेके लिये उत्तम शब्दकोषका होना बहुतही प्रयोजनीय है इसी बातकी फिक्रमें मैं बहुत दिनोंसे था । और आजतक जितने शब्दकोष दृष्टिगोचर होते गये, उनके उपयोगी आशयोंका संग्रह करता रहा । उन्हीं सबको एकत्रित कर आज एक शब्दकोष निर्माण किया है । इसमें किसी प्रकारकी त्रुटि नहीं रही यह कहना बाहुल्य है । यदि पाठकगण एक बार अभिनिवेश चित्तसे इसे आद्योपान्त अवलोकन करेंगे तो उन्हें स्वयं भला बुरा मालूम हो जायगा । अपनी वस्तुको कोई बुरा नहीं कहता यह सृष्टिका नियम है । इसलिये ज्यादा तारीफ लिखकर मियाँ मिट्ठू बनना मुझे पशंद नहीं । यदि इससे पाठकोंका कुछभी उपकार होगा तो मैं अपने परिश्रमको सफल समझूंगा । सहृदय पाठकोंसे मेरी यह प्रार्थना है कि यदि इसमें कहीं भूल चूक रह गई हो तो कृपा करके मुझे सूचित करेंगे कि पुनः दूसरी आवृत्तिमें वे बातें सुधार दी जाँयगी । मैं कोई ग्रन्थकार वा नामी लेखक नहीं हूं केवल एक छोटासा साहित्यका सेवक हूं इसी नाते मेरा आप लोगोंसे संबंध है ।

जमोर

फाल्गुन शुक्ल १५

सम्वत् १९६९.

सज्जनोंका कृपापात्र साहित्यका एक
तुच्छ सेवक
रामगुलाम राम,
जमोर जिला गयानिवासी.

सांकेतिक शब्दोंका विचार।

संकेत	शब्द.	संकेत	शब्द.
सं.	संस्कृत.	सर्वना.	सर्वनाम.
हि.	हिन्दी.	क्रि. स.	क्रिया सकर्मक.
अ.	अरबी.	क्रि. अ.	क्रिया अकर्मक.
फा.	फारसी.	क्रि. वि.	क्रियाविशेषण.
अं.	अंगरेजी.	उपस.	उपसर्ग.
( )	शब्दोत्पत्ति वा माद्दा.	वि. बो.	विस्मयादि बोधक.
पु.	पुँल्लिङ्ग	मुहा.	मुहावरा.
स्त्री.	स्त्रीलिङ्ग.	अव्य.	अव्यय.
गु.	गुणवाचक.	समुच्चा.	समुच्चाय अव्यय.

पु.—जिस शब्दसे पुरुषत्वका ज्ञान हो उसे पुँल्लिङ्ग कहते हैं जैसे घोडा, बकरा, लडका आदि.

स्त्री.—जिस शब्दसे स्त्रीत्वका ज्ञान हो उसे स्त्रीलिङ्ग कहते हैं जैसे घोडी, बकरी, लडकी आदि.

वचन—संख्याको कहते हैं और वे दो हैं:—एक वचन और बहुवचन. जिस शब्दसे एकका बोध हो उसे एक वचन कहते हैं जैसे लडका, घोडा आदि. जिस शब्दके कहनेसे एकसे अधिकका बोध हो उसे बहुवचन कहते हैं जैसे लडके, घोडे आदि.

गुणवाचक—गुणवाचक संज्ञा वह है जो पदार्थके गुण अथवा धर्मको बतलाता है जैसे मीठा आम, खट्टा नींबू, काला कपडा आदि. हिन्दीभाषामें गुणवाचक शब्द प्रायः संज्ञा और कर्तादिके विशेषण होते हैं.

सर्वनाम—सर्वनाम उसे कहते हैं जो संज्ञाके बदलेमें बोला जाय और मुख्य संज्ञा बोलनेका काम न पडे जैसे केशव लालने कहा कि मैं नहीं जाऊंगा यहां " मैं " सर्वनाम हुआ.

क्रिया—क्रिया कामके करने वा होनेको कहते हैं जैसे मोहन खाता है, गाडी चलती है. क्रिया दो प्रकारकी होती है सकर्मक और अकर्मक. जिस क्रियाके कर्ताका फल और व्यापार दूसरेमें देख पडे उसे सकर्मक कहते हैं जैसे धोबी धोता है. और जिसके कर्ताका फल और व्यापार उसीमें देख पडे उसे अकर्मक कहते हैं जैसे सूरज डूबता है.

अव्यय—अव्यय उसे कहते हैं जिसमें लिङ्ग, वचन, कारकके कारण विकार न हो जैसे अब, तब, यहां, वहां आदि.

पुस्तक मिलनेका ठिकाना—गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
" लक्ष्मीवेंकटेश्वर " छापाखाना,
कल्याण (जि॰ ठाणा).

श्रीगणेशाय नमः ।

रामगुलामशब्दकोष ।

अ देवनागरी वर्णमालाका पहला अक्षर, यह जिस शब्दके आदिमें आता है उसका अर्थ पलट जाता है जैसे सुर, असुर; धर्म, अधर्म इत्यादि.

अ (सं. पु.) विष्णु, रक्षक, पिता, गुरु, अधिपति, मालिक.

अऊत (हि. पु.) निर्वंश, मूर्ख, जाहिल.

अंश (सं. पु.) टुकडा, हिस्सा, भाग, बांट.

अंशक (सं. पु.) हिस्सेदार, बांटनेवाला.

अंशांश (सं. पु.) भागका भाग.

अंशु (सं. पु.) तेज, प्रकाश, सूर्यकी किरण, उजियाला.

अंशुक (सं. पु.) रेशमी कपडा, टसर.

अकथ (हि. स्त्री.) कहने योग्य नहीं.

अकड (हि. गु.) ऐंठ, टेढापन.

अकण्टक-(सं. गु.) शत्रुहीन, निरुपाधि.

अकरा (सं. गु.) कीमती, बढिया.

अकर्म (सं. पु.) बुरा काम, पाप, कुकर्म, बुराई.

अकर्मक (सं. गु.) जिसमें कर्म न हो.

अँकवार (हि. स्त्री.) गोद, गोदी, छाती.

अकस (अ.) परछाँई, विरोध, वैर.

अकसर (गु.) बहुधा, तनहा, अकेला.

अकस्मात् (सं..) अचानक, एकाएक, संयोगसे, दैवात्.

अकाज (सं. पु.) घटी, नुकसान, हानि.

अकारथ (सं. गु.) निष्फल, बेफायदे.

अकाल (सं. पु.) दुर्भिक्ष, कुसमय.

अकिञ्चन (सं. गु.) निर्धन, मुफलिस.

अकीरति (हि. स्त्री.) अपयश, दुर्नामी.

अकुण्ठा (हि. गु.) नाशहीन, तेज.

अकुलीन (सं. गु.) नीच, कुजात, कुलहीन.

अक्रूर (सं. गु.) कोमलचित्त, नम्र, श्रीकृष्णका चचा.

अक्षत (सं. पु.) वह चावल जो पूजाके काममें आता है, विना टूटा चावल.

अक्षय (सं. गु.) नाशहीन, चिरञ्जीव.

अक्षर (सं. पु.) (अ=नहीं, क्षर=नाश होना) अकारादि वर्णमाला, आखर, हरूफ.

अक्षांश (सं. पु.) (अक्ष=पृथ्वीकील, अंश=भाग) पृथ्वीके उत्तर वा दक्षिण केन्द्रतक नव्वे २ अंशपर रेखा.

अक्षौहिणी (सं. पु.) सेनाका प्रमाण अर्थात् जिसमें १०९३५० पैदल, ६५६१० घोडे, २१८७० रथ और २१८७० हाथी हों.

अखण्ड (सं. गु.) (अ=नहीं खण्ड=टुकडा) पूरा, समूचा, सम्पूर्ण, विन टूटा.

अखण्डित (सं. गु.) पूरा. सब, सारा.

अखाडा (हि. पु.) पहलवानोंके कुश्ती करनेकी जगह, सभा.

अखिल (सं. गु.)(अ=नहीं, खिल=नाश, कण) पूरा, सब, सम्पूर्ण.

अखैवृक्ष } अक्षयवृक्ष } (सं पु.) (अ=नहीं, क्षय=नाश होना) ऐसा पेड जिसका कभी नाश न हो, वा अमरवृक्ष.

अग (सं. पु.) (अ=नहीं, ग=जाना वा चलना) पहाड, वृक्ष.

अगणित (सं. गु.) (अ = नहीं, गण= गिनना) जिसकी गिनती न हो सके, बेप्रमाण, बेशुमार, अनगिनत.

अगद (सं. पु.) (अ=नहीं, गद= बोलना) गूँगा, नीरोग, दवा.

अगम (हि. गु.) (अ=नहीं, गम=जाना) जाने योग्य नहीं, दुर्गम, विकट.

अगर (हिं. पु.) एक प्रकारकी सुगंधित लकडी, जो दवा आदिमें काम आती है.

अगरवाला (हि. पु.) (अगरोहा एक जगह दिल्लीके पास है) वहांसे निकले हुए बनियोंकी एक जाति.

अगला (हि. गु.) आगेका, पहलेका, मुखिया, प्रधान.

अगवा }
अगुआ } (हि. पु.) आगे चलनेवाला, राह बतानेवाला, मुखिया, ब्याह शादीका ठीक करनेवाला.

अगस्ति (सं. पु.) (अग=पहाड, अस= फेंकना) १ एक ऋषिका नाम जिसने विंध्याचल पर्वतको गिरा दिया था. ये घडेसे पैदा हुए थे और क्रोधकर समुद्रको पी गये थे, २ एक वृक्षका नाम, ३ एक तारेका नाम.

अगहन (हि. पु.) (सं. में अग्रहायण) मंगसर, बरसका आठवां महीना.

अगाऊ (हि. क्रि. वि.) आगे, अगाडी, पहले, सामने, पेशगी.

अगाडी (हि. क्रि. वि.) आगे, सामने, अगाडी पिछाडी घोडेके बांधनेकी रस्सी.

अगाध (सं. पु.) (अ=नहीं, गाध=थाह) अथाह, बहुत गहरा.

अगिया (हि. पु.) एक पक्षीका नाम.

अगुण (सं. गु.) (अ=नहीं, गुण=हुनर) बेहुनर, जिसमें कुछ गुण न हो, निर्गुण.

अगेन्द्र (सं. पु.) (अग=पहाड, इन्द्र= राजा) पहाडोंका राजा अर्थात् हिमालयपहाड.

अगोचर (सं. गु.) (अ=नहीं, गोचर=इंद्रियोंके सामने) जो देखनेमें नहीं आवे, अलख, छिपा हुआ.

अगौनी (हि. स्त्री.) (सं. अग्रगमन अग्र=आगे, गम=जाना) मिलनेके लिये आगे जाना, पेशवाई करना.

अग्नि (सं. स्त्री.) (अगि=जाना जो ऊपर जाता है) आग, आगी, रसम.

अग्निकोण (सं. स्त्री.) (अग्नि=आग, कोण=खूंट)पूर्व दक्षिणके बीचवाला कोन.

अग्निचूर्ण (सं. पु.) बारूद.

अग्निसंस्कार (सं. पु.) (अग्नि=आग, संस्कार=पवित्रता) मुर्देको जलाना, आग देना.

अग्निहोत्री (सं. पु.) (अग्नि+होत्री=होम करनेवाला) होमकरनेवाला, सदा आग रखनेवाला वा पूजनेवाला.

अग्र (सं. गु.) आगे, पहिले, मुख्य.

अग्रगण्य (सं. गु.) (अग्र=आगे, गण्य= गिनाजाना) सबसे प्रधान, मुखिया, श्रेष्ठ.

अग्रगामी (सं. पु.) (अग्र=आगे, गामी= जानेवाला) सबसे आगे जानेवाला, प्रधान, मुखिया, पेशवा, नायक.

अग्रज (सं. पु.) (अग्र=आगे, ज=पैदा होना) बडा भाई.

अग्रदूत (सं. पु.) (अग्र=आगे, दूत=चलनेवाला) जो आगे सवारीकी तारीफ करता चलता है.

अग्रसर (सं. गु.) (अग्र=आगे, सृ= जाना) आगे चलनेवाला, अगुआ.

अग्रिम (सं. गु.) अगाऊ, पेशगी, पहले.

अघ (सं. पु.) (अघ=पाप करना) पाप, अपराध, अधर्म, गुनाह.

अघखानि (सं. गु.) (अघ=पाप, खानि= उत्पत्तिस्थान) पापकी खानि, पापी, गुनहगार.

अघटित (सं. गु.) (अ=नहीं, घट=होना) अनहोनी, अयोग्य, नाशुदनी.

अघमर्षण (सं. पु.) (अघ=पाप, मृष= छुड़ाना) पापनाशक वह मन्त्र जो सन्ध्योपासनमें पढा जाता है.

अघाई (हि. स्त्री.) (अघाना) आसूदगी, तृप्ति, पेटभराव.

अघाना (हि. क्रि. अ.) पेट भर जाना, छकना, भरपूर होना, आसूदा होना.

अघासुर (सं. पु.) (अघ=पाप, असुर=राक्षस) एक राक्षसका नाम जिसको कंसने श्रीकृष्णके मारनेके लिये भेजा था.

अघोर (सं. पु.) (अ=नहीं, घोर=डरावना) शांत वा जिससे अधिक कोई डरावना नहीं, शिव, भयानक.

अघोरी (हि. गु.) अघोरपन्थी, जो घृणित पदार्थोंका भक्षण करता है.

अंक (सं. पु.) (अंक=चिह्न करना, गिनना) चिह्न, संख्या, संकेत.

अंकना (हि. क्रि. स.) छापना, मुहर देना, जाचना.

अंकविद्या (सं. स्त्री.) (अंक=संख्या विद्या) गणितविद्या, हिसाब.

अंकाना (हि. क्रि. स.) (अंक=चिह्न करना) मोल ठहराना, परखाना.

अंकित (सं. गु.) (अंक=चिह्न करना) चिह्न किया हुआ, लिखा हुआ.

अंकुर (सं. पु.) अँखुआ, कोपल, गाछी, फुनगी.

अंकुश (सं. पु.) लोहेका कांटा जिससे हाथीको चलाते हैं, आँकुश, आँकडी,

अंकोर (सं. पु.) घूस, रिशवत.

अंखियां (हि. स्त्री.) (सं. अक्षि) आँखें.

अङ्ग (सं. पु.) (अङ्ग=चिह्न करना) शरीर, देह, शरीरका एक भाग.

अङ्गजनित (सं. पु.) (अङ्ग=शरीर, जनित=उत्पन्न) देहसे पैदा.

अङ्गड़ाई (हि. स्त्री.) देह मरोड़ना, जम्हाई.

अङ्गण (सं. पु.) (अगि=जाना) आङ्गन, अगनाई, सहन, चौक.

अङ्गद (सं. पु.) (अङ्ग=शरीर, दै= देना वा शुद्ध करना) बहूँटा, भुजबन्द, बाजूबन्द, बालीका पुत्र.

अङ्गना (सं. स्त्री.) (अङ्ग=शरीर, सुन्दर शरीरवाली) सुन्दर स्त्री, कामिनी, लुगाई, सुन्दरी.

अङ्गन्यास (सं. पु.) (अङ्ग=शरीर, न्यास=धरना) मन्त्र पढकर अङ्ग स्पर्श करना.

अङ्गपक्ष (सं. पु.) सहायक, मददगार.

अङ्गरखा (हि. पु.) (सं. अङ्गरक्षा) चपकन, पहननेका एक कपड़ा.

अङ्गरी (हि. स्त्री.) कवच, बख्तर.

अंगली, अंगुरी, अंगुली (हि. स्त्री.) हाथ वा पाँवकी अंगुली.

अंगुली काटना (हि. मु.) ताज्जुब करना, अचम्भेमें आना.

अंगवनिहारा (हि. गु.) सहनेवाला, बरदास्त करनेवाला.

अंगा (हि. पु.) अंगरखा, कुरता, कुरती.

अङ्गार (सं. पु.) जलता हुआ कोयला.

अङ्गिया (हि. स्त्री.) चोली, कंचुकी.

अङ्गिरा (सं. पु.) एक ऋषिका नाम जो ब्रह्माके मुखसे पैदा हुए थे.
अङ्गी (सं. पु.) (अंग×ई) शरीरवाला.
अङ्गीकार (सं. पु.) (अङ्ग=स्वीकार, कृ=करना) कबूल करना, मानना, मंजूर.
अङ्गीठी (हि. स्त्री.) आग रखनेका वर्तन.
अंगुल (सं. पु.) आठ जौका नाप, एक गिरहका तीसरा हिस्सा.
अंगुलित्राण (सं. पु.) हाथका मोजा, दस्ताना.
अंगूठा (हि. पु.) मोटी अंगुली.
अंगूठी (हि. स्त्री.) मुंदरी, छल्ला, अंगुलीमें पहननेका गहना.
अंगोछा (हि. पु.) गमछा, शरीर पोंछनेका कपडा.
अच (सं. पु.)(अच=गुप्त करना) छिपाकर करना.
अचगरी (हि. स्त्री.) अनुचित काम, अत्याचार.
अचंचल (सं. गु.) (अ=नहीं, चंचल=चलायमान) स्थिर, कायम.
अचरज } अचंभा } (हि. पु.) आश्चर्य, ताज्जुब.
अचर (सं. गु.) (अ=नहीं, चर=चलनेवाला) स्थावर, नहीं चलनेवाला, अचल, अटल.
अचला (सं. स्त्री.) (अ×चला) पृथ्वी, भूमि, धरती, जमीन.
अचानक } अचानचक } (हि. क्रि. वि.) संयोगसे, एकाएकी, विनकारण, दैवयोगसे.
अचाना } अंचवाना } (हि. क्रि. स.) (सं. आचमन) आचमन करना, खानेके बाद मुख साफ करना, जूठा मुँह धोना.
अचार (हि. पु.) (सं. आचार) चालचलन, रीतिभाँति, व्यवहार, तरीका.
अचिन्त (सं. गु.) (अ=नहीं, चिन्त=सोचना) बेसुधि, अचेत, निर्बुद्धि.
अचिर (सं.) (अ=नहीं, चिर=देर) तुरन्त, शीघ्र, देरतक नहीं.
अचीता (हि. गु.) बिनसोचा, विना चित्र वा वेलबूटाके.
अचेत (हि. गु.) बेसुध, बेहोश, निर्बुद्धि.
अचैन (हि. गु.) (अ=नहीं, चैन=सुख) व्याकुल, बेकल, दुःखी, बेचैन.
अच्युत (सं. गु.) (अ=नहीं, च्युत=गिरना) अचल, अटल, अमर, विष्णु भगवान्‌का नाम.
अच्छना } अछना } (हि. क्रि. अ.) होना, रहना.
अच्छर (हि. पु.) (सं. अक्षर) हरूफ, आखर, वर्ण, नाशरहित.
अच्छा (हि. गु.) भला, उत्तम, सुन्दर.
अच्छा करना (हि. मुहा.) चंगा करना.
अछूता (हि. गु.) पवित्र, बेछूआ.
अज } आज } (हि. क्रि. वि.) (सं. अद्य, इदम्) आजका दिन, वर्तमानदिवस.
अज (सं. पु.) (अ=नहीं, ज=पैदा हुआ) ब्रह्मा, दशरथ राजाके पिताका नाम.
अज (सं. पु.) (अज=चलना) बकरा, मेषराशि.
अजा (सं. स्त्री.) बकरी, माया.
अजगर (सं. पु.) (अज=बकरा, गर=निगलनेवाला) बडा सर्प, अजदहा.
अजगव (सं. पु.) शिवजीका धनुष.
अजय (सं. गु.) (अ=नहीं, जय=जीत) हार, अजीत, जिसकी जीत न हो.

अजर (सं. गु.) (अ=नहीं, जरा=बुढापा) जो बुढा न हो सदा जवान रहे.

अजहूँ } (हि. क्रि. वि.) (अज=आज,
अजों } हूँ=भी) अभी, अबतक.

अजान } (सं. अज्ञान) (हि. गु.)
अनजान } मूर्ख, बेबूझ, बेसमझ.

अजामिल (सं. पु.) एक पापी ब्राह्मणका नाम जो मरते समय अपने बेटे नारायणके नाम लेनेसे मुक्ति पाया.

अजित (सं. गु.) जो जीता न जाय.

अजिन (सं. पु.) मृगछाला.

अजिर (सं. पु.) आंगन, चौक, अँगना.

अजीर्ण (अ=नहीं, जीर्ण=पुराना वा पचना) अपच, नहीं पचना.

अजोध्या (हि. स्त्री.) (अ=नहीं, युद्ध=लडाई, जहां कोई लडनेको न आ सके) अवध, सूर्यवंशियोंकी राजधानी.

अज्ञ (सं. गु.) (अ=नहीं, ज्ञा=जानना) अनजान, अबूझ, मूर्ख, बेवकूफ.

अज्ञात (सं. गु.) बेजाना, बेबूझा.

अज्ञान (सं. गु.) मूर्ख, बेसमझ, गँवार.

अज्ञानता (सं. स्त्री.) मूर्खता, बेसमझी.

अज्ञानी (सं. गु.) अजान, अबूझ, मूर्ख.

अञ्चल (सं. पु.) आंचल, कपडेका किनारा, अँचला.

अञ्जन (सं. पु.) सुरमा, काजल.

अञ्जनी (सं. स्त्री.) हनुमानजीकी माता.

अञ्जली (सं. स्त्री.) (अञ्ज=मिलाना) दोनों हाथोंको इस तरहसे मिलाना कि बीचमें जगह खाली रहे.

अञ्जसा (सं.) शीघ्र, सारा.

अञ्जुमन (फा. स्त्री.) सभा, मण्डली.

अञ्झा (हि.) छुट्टी, तातील, फुरसत.

अटक (हि. स्त्री.) रोक, रुकावट, एक शहरका नाम.

अटकना (हि. क्रि. स.) रोकना, बंद करना. (क्रि. अ.) रुकना, बन्द रहना.

अटकल (हि. स्त्री.) अनुमान, अन्दाजा, कूत, थाह.

अटकलपच्चू (हि. मुहा.) बेहिसाब, अन्दाजी, बेठिकाने.

अटका (हि. पु.) श्रीजगन्नाथजीके प्रसादके लिये मिट्टीका बर्तन.

अटकाना (हि. क्रि. स.) रोकना, ठहराना.

अटकाव (हि. पु.) रोक, रुकाव.

अटखेल } (हि. गु.) खिलाड, खिलाडी,
अठखेल } शोख, चंचल.

अटन (सं. पु.) (अट=फिरना) फिरना, चलना, घूमना, सफर करना.

अटना (हि. क्रि. अ.) समाना, भर जाना.

अटपट }
अटपटांग } (हि. गु.) टेढा, बांका, कठोर.

अटल (सं. गु.) जो टले नहीं, दृढ.

अटवि }
अटवी } (सं. स्त्री.) वन, जंगल.

अटा } (हि. स्त्री.) (सं. अट्ट=ऊँचा
अटारी } होना) ऊपरकी कोठरी.

अटाला (हि.) ढेर, सामान, सामग्री.

अटूट (हि. गु.) बहुत, समूचा, पूरा.

अटेरन (हि. स्त्री.) घोडेकी चाल.

अट्टहास (सं. पु.) (अट्ट=बहुत, हास=हँसी) बहुत हँसना, कहकहा करना.

अट्टालिका (सं. स्त्री.) अटारी, ऊँची ऊपरकी कोठरी.

अडतालीस (हि. गु.) चालीस और आठ.

अडतीस (हि. गु.) तीस और आठ.

अठवाडा (हि. पु.) आठवां दिन, हफ्ता.

अडसठ (हि. गु.) साठ और आठ.

अठहत्तर (हि. गु.) सत्तर और आठ.

अठाईस (हि. गु.) बीस और आठ.

अठानवे (हि. गु.) नब्बे और आठ.

ठारह (हि. गु.) दश और आठ.

ठावन (हि. गु.) पचास और आठ.

ठासी (हि. गु.) अस्सी और आठ.

ठोत्तरसौ (हि. गु.) एक सौ आठ.

ड (हि. स्त्री.) झगडा, विरोध.

डंग (हि. स्त्री.) मंडी, उतारा, जिद्द.

डना (हि. क्रि. अ.) रुकना, ठहरना.

डूसा (हि. पु.) औषधिका नाम, वासा.

डोल (हि. गु.) अचल जो डिगे नहीं.

डोसपडोस (हि. मुहा.) पासवाला.

ड्डा (हि. स्त्री.) ठहरनेकी जगह.

ढाई (हि. गु.) दो और आधा.

णि } (सं. स्त्री) धार, नोक, तीखी

णी } धार, तेज नोक.

णिमा (सं. स्त्री.) आठ सिद्धियोंमें एक सिद्धिका नाम है.

णु (सं. गु.) कन, छोटा, बारीक.

णुमात्र (सं. गु.) छोटासा, जरासा.

ण्टा (हि. पु.) खेलनेकी गोली.

ण्ड (सं. पु.) अण्डा, जिसमेंसे बच्चा निकलता है.

ण्डकटाह (सं. पु.) ब्रह्माण्ड.

ण्डज (सं. पु.) अण्डेसे पैदा होनेवाले जीव, जैसे सांप, पखेरू.

तः (सं. क्रि. वि.) इससे, इसलिये.

तएव (सं. क्रि. वि.) इसीलिये, पस.

तसी (सं. स्त्री.) तीसी, सन.

तत्वज्ञ (सं. पु.) वेसमझ, मूलका नहीं जाननेवाला.

तन } (सं. गु.) (अ=नहीं, तनु=

ततु } शरीर) विना शरीरके, कामदेव.

तन्द्रित (सं. गु.) आलस्यरहित.

तल (सं गु.) अथाह, सात लोकोंमेंसे पहला लोक.

ाई (हि. पु.) गवैया, बजवैया.

अति (सं. गु.) अधिक, वहुत, बडा.

अतिकाय (सं. पु.) वडाशरीर, रावणका पुत्र जिसे लक्ष्मणजीने मारा था.

अतिक्रम (सं. पु.) (अति=पार क्रम=जाना) पार जाना, अपराध.

अतिक्रान्त (सं. पु.) पार गया हुआ, बहुत बढा.

अतिथि (सं. पु.) पाहुना, अभ्यागत.

अतिथिभक्त (सं. पु.) अतिथिपूजक, मेहमान, परस्त.

अतिरिक्त (सं. गु.) सिवाय, छूटा हुआ.

अतिरेक (सं. पु.) अधिकता, बहुतायत.

अतिशय (सं. गु.) बहुत, निहायत.

अतिसार (सं. पु.) दस्तकी, बीमारी.

अतीत (सं. पु.) बीता हुआ, होचुका.

अतुल } (सं. गु.) (अ=नहीं, तुल=

अतुलित } तौलना) जिसका तौल न हो, अप्रमाण, बेतौल, अपार.

अत्यन्त (सं. गु.) बहुत, अधिक, बेठिकाव.

अत्यय (सं. पु.) समाप्ति, नाश, अपराध.

अत्याचार (सं. पु.) (अति=विरुद्ध, आचार=चलन) अन्याय, जुर्म.

अत्युक्ति (सं. स्त्री.) झूठी सराहना करना, बढावा देना, एक अलंकारका नाम.

अत्र (सं. क्रि. वि.) यहां, इस जगह.

अत्रि (सं. पु.) सात ऋषियोंमें एक ऋषि.

अथ (सं.) आरम्भ, शुरू, उपरांत.

अथवा (सं.) या, वा, किंवा.

अथाई (हि. स्त्री.) बैठक, सभा, वह स्थान जहां लोग गप्प करनेको बैठे.

अथाह (हि. गु.) गहरा, वेथाह, गम्भीर.

अद } (हि. गु.) (सं. अर्द्ध) आधा.

अध }

अदन (सं. पु.) भोजन, खाना.

अदनीय (सं. पु.) खाने लायक.

अदभ्र (सं. गु.) बहुत, पूर्ण.

अधमूआ } (हि. गु.) आधा मरा
अधमरा } हुआ, बहुत सुस्त, अशक्त.

अदलबदल (हि. गु.) हेरफेर, उलट पलट.

अदहन (हि. पु.) रसोंईके लिये गर्म पानी.

अदार (सं. पु.) (अ=नहीं, दार=स्त्री) रंडुआ.

अदिति (सं. स्त्री.) देवताओंकी मा, यक्षकी पुत्री, कश्यप मुनीकी स्त्री.

अदिन (सं. पु.) बुरा दिन, बुरी दशा.

अदूरदर्शी (सं. पु.) अल्पदृष्टि, कोताह नजर.

अदृश्य (सं. गु.) (अ=नहीं, दृश्य= देखना) अलख, अदेख, भाग्य, प्रारब्ध.

अदेय (सं. गु.) नहीं देने योग्य.

अद्धी (हि. स्त्री.) आधी पाई, बढिया मलमल वा तनजेब.

अद्भुत (सं. गु.) अनोखा, अजीब.

अद्यापि (सं. क्रि. वि.) (अद्य×अपि) आजतक, अबतक.

अद्यावधि (सं. क्रि. वि.) अभीतक, इस समयतक.

अद्रक (हि. पु.) आदी, अदरक.

अद्रि (सं. पु.) पहाड, पर्वत, वृक्ष.

अद्वितीय (सं. गु.) (अ=नहीं, द्वितीय= दूसरा) केवल, अनूठा, एकही.

अद्वैत (सं. गु.) जिसके समान दूसरा नहीं.

अधकपाली (हि. स्त्री.) अधसीसी, आधे शिरमें पीडा.

अधवर (हि. गु.) आधी दूर, दर्म्यान.

अधम (सं. गु.) नीचा, कमीना.

अधमर्ण (सं. पु.) ऋणी, कर्जदार.

अधर (सं. पु.) होंठ, नीचेका होठ.

अधरामृत (सं. पु.) होठोंमेंका अमृत.

अधर्म (सं. पु.) पाप, अन्याय.

अधवाड (हि. पु.) आधा हिस्सा.

अधस् } (सं.) नीचे, तले.
अधः }

अधार (हि.) (सं. आधार) आसरा, आड, भोजन, आहार.

अधार्मिक (सं. पु.) दुष्ट, पापी.

अधि (सं. उप.) ऊपर, ऊंचा, मुख्य, प्रधान, अधिक.

अधिक (सं. गु.) बहुत, विशेष, जादे.

अधिकरण (सं. पु.) आधार, आश्रय, सप्तमकारक.

अधिकाई (हि. स्त्री.) बहुतायत, बढती.

अधिकार (सं. पु.) योग्यता, अखतियार.

अधिकृत (सं. पु.) अधिकार पाया.

अधित्यका (सं. स्त्री.) (अधि=त्यकर) टीला, तराई, दामनकोह.

अधिप } (सं. पु.) (अधि=ऊपर,
अधिपति } पा=पालना) मालिक, स्वामी, राजा, प्रभु.

अधिमास (सं. पु.) लौंदका महीना.

अधिराज (सं. पु.) महाराज,राजाधिराज.

अधिरूढ (सं. पु.) सवार, आरूढ.

अधिवास (सं. पु.) सकूनत, रहनेकी जगह.

अधिवेशन (सं.) बैठक, दरबार.

अधिष्ठाता (सं. पु.) स्वामी, मालिक.

अधीत (सं. पु.) पढा हुआ.

अधीति (सं. स्त्री.) पढना, अध्ययन.

अधीन (सं. गु.) आज्ञाकारी, वशमें.

अधीर (सं. गु.) चञ्चल, उतावला.
अधीरता (सं. स्त्री.) चञ्चलता, घबराहट, हड़बड़ी, चटपटी.
अधीश } (सं. पु.) राजाधिराज,
अधीश्वर } महाराज, शाहनशाह.
अधुना (सं. क्रि. वि.) अब, इस समय.
अधूरा (हि. गु.) पूरा नहीं, अधेड़.
अधेड़ (हि. गु.) जिसकी आधी उमर बीत गई हो.
अधेन (हि. पु.) (सं. अध्ययन) पढ़ना.
अधेला (हि. पु.) आधा पैसा.
अधेली (हि. स्त्री.) आठ आना, अठन्नी.
अधोमुख (सं. गु.) नीचे मुँह किये हुये.
अध्यक्ष (सं. पु.) मालिक, स्वामी.
अध्ययन (सं. पु.) पढ़ना.
अध्यवसाय (सं. पु.) रोजगार.
अध्यापक (सं. पु.) पढ़ानेवाला, गुरु.
अध्यापन (सं. पु.) पढ़ाना.
अध्याय (सं. पु.) पाठ, सर्ग, प्रकरण.
अध्यासीन (सं. पु.) बैठा हुआ.
अध्वर (सं. पु.) यज्ञ, होम.
अध्वा (सं. स्त्री.) राह, रास्ता.
अन् (सं. निषेधवाचक अव्यय.) जिस शब्दके पहले आता है, उसका अर्थ पलट जाता है. जैसे भल, अनभल.
अनख (हि. स्त्री.) क्रोध, ईर्षा, डाह.
अनखाना (हि. क्रि. अ.) क्रोध करना, डाह करना, चीढ़ना.
अनगढ़ } (हि. गु.) अनबना,
अनगढा } अनसीखा, बेगढा.
अनगढी बात (हि. मुहा.) बेमेल बात, बेठिकाने बात, अढंगी बात.
अनगणित } (हि. गु.) (सं. अ=नहीं,
अनगिणत } गण्=गिनना) बेशुमार, बेहिसाब, बेगिना, अपार.
अनघ (सं. गु.) (अ=नहीं, अघ=पाप) निर्दोष, शुद्ध, सीधासादा.
अनङ्ग (सं. पु.) (अ=नहीं, अंग=शरीर) कामदेव, जब शिवजीने कामदेवको जला दिया तभीसे उसका नाम अनङ्ग हुआ.
अनचाहत (हि. गु.) बेचाहा हुआ.
अनचित (हि. गु.) अचानक, एकाएक.
अनजाना (हि. गु.) नहीं जाना हुआ.
अनत (हि. क्रि. वि.) दूसरी जगह.
अनदेखा (हि. गु.) अलख, बिना देखा.
अनन्त (सं. गु.) (अन्=नहीं, अन्त=पार) अपार, जिसका अन्त नहीं, विष्णु भगवानका नाम, हिंदुओंके "अनन्त चौदस" व्रतमें बांधनेका पवित्र धागा जिसमें चौदह गांठ होते हैं.
अनन्य (सं. गु.) (अ=नहीं, अन्य=दूसरा) एकही, जिसको दूसरेपर विश्वास न हो.
अनपढा (हि. गु.) (अन=नहीं पढा=पढा हुआ) मूर्ख, बेपढा हुआ.
अनबनाव (हि. पु.) (अन=नहीं बनाव=मेल) बिगाड, फूट.
अनबेधा (हि. गु.) बेछेदा, अनछेदा.
अनबोल (हि. गु.) (अ=नहीं, बोल=बोलना) चुपचाप, अवाक.
अनभल (हि. पु.) बुरा, दुःख.
अनमना (हि. गु.) (सं. अन्यमनस्) उदास, चिन्तित, फिकरमन्द.
अनमोल (हि. गु.) (अ=नहीं, मोल=कीमत) बढिया, उत्तम.

अनरस (हि. पु.) (अन=नहीं, रस=स्वाद) अनबनाव, बेस्वाद, बिगाड.

अनरीति (हि. स्त्री.) (अन=नहीं, रीति=चाल) कुचाल, बुरी बात.

अनर्थ (सं. गु.) (अ=नहीं, अर्थ=लाभ) वृथा, निष्फल, अनुचित.

अनल (सं. स्त्री.) आग, आगी.

अनवट (हि. पु.) पैरके अंगूठेमें पाहिरनेका गहना.

अनवद्य (सं. गु.) (अ=नहीं, अवद्य=दोष) निर्दोष, बेगुनाह.

अनसिख } (हि. गु.) (सं. अशिक्षित)
अनसीखा } अनपढा, मूर्ख, गँवार.

अनसुना (हि. गु.) नहीं सुना, ध्यान नहीं दिया, अनकानी.

अनसुनी करना (हि. मुहा.) किसी बातपर ध्यान नहीं देना.

अनहित (हि. गु.) (अ=नहीं, हित=भला) बैरी, बुराई करनेवाला.

अनहोना (हि. गु.) नहीं होने लायक.

अनाचार (सं. पु.) (अ=नहीं आचार=चलन) बुरी चाल, कुरीति.

अनाज } (हि. पु.) (सं. अन्न) अनाज.
नाज }

अनाडी (हि. गु.) गँवार, भोंदू, मूर्ख.

अनाथ (सं. गु.) (अ=नहीं, नाथ=मालिक) विना मालिक, विना स्वामीके स्त्री.

अनादर (सं. पु.) अपमान, बेइज्जती.

अनादि (सं. गु.) जिसका शुरू न हो, सदा रहनेवाला, अविनाशी.

अनामय (सं. पु.) (अ=नहीं, आमय=रोग) नीरोग, भला, चंगा.

अनायास (सं. गु.) (अ=नहीं, आयास=परिश्रम) सुगम, बेमिहनत.

अनाहार (सं. पु.) भूखा रहना, उपास.

अनित्य (सं. गु.) (अ=नहीं, नित्य=हमेशा) जो सदा नहीं रहे, नाशवान.

अनिरुद्ध (सं. पु.) (अ=नहीं, निरुद्ध=रोका हुआ) प्रद्युम्नका पुत्र और श्रीकृष्णका पोता.

अनिल (सं. पु.) (अन्=जीना) हवा.

अणी (सं. स्त्री.) नोक, तीखी धार.

अनीक (सं. स्त्री.) सेना, फौज, कटक.

अनीति (सं. स्त्री.) कुचाल, अन्याय.

अनीह (सं. गु.) निर्गुण, आलसी, योदा.

अनु (सं. उप.) पीछे, साथ, बरोबर, पास.

अनुकरण (सं. पु.) नकल करना.

अनुकूल (सं. गु.) (अनु=साथ, कूल=घेरना) सहाय करनेवाला, दयावान.

अनुगामी (सं. पु.) (अनु=पीछे, गामी=चलनेवाला) पीछे चलनेवाला, दास.

अनुग्रह (सं. पु.) कृपा, मिहरबानी.

अनुचर (सं. पु.) (अनु=पीछे, चर=चलनेवाला) नौकर, सेवक, दास.

अनुचरी (सं. स्त्री.) दासी, लौंडी, बांदी.

अनुचित (सं. गु.) (अ=नहीं, उचित=ठीक) ठीक नहीं, अयोग्य.

अनुज (सं. पु.) (अनु=पीछे, ज=पैदा होना) छोटा भाई.

अनुजा (सं. स्त्री.) छोटी बहिन.

अनुजीवी (सं. पु.) नौकर, दास, सेवक.

अनुज्ञा (सं. स्त्री.) (अनु=पीछे, ज्ञा=जानना) हुक्म, चिताना.

अनुदिन (सं. क्रि. वि.) दिन दिन, सदा, प्रतिदिन, हरएक दिन.

अनुनासिक (सं. गु.) (अनु=पीछे, नासिक=नाक) सानुनासिक, जो अक्षर मुँह और नाकसे बोले जाय.

अनुपम (सं. गु.) (अन्=नहीं, उपमा=बराबरी) जिसकी बराबरी न हो सके.
अनुपल (सं. पु.) पलका साठवां भाग.
अनुपात (सं. पु.) बराबर सम्बन्ध, त्रैराशिक.
अनुभव (सं. पु.) (अनु=पीछे, भू=होना) विचार: ज्ञान, समझना, बूझना.
अनुमान (सं. पु.) अटकल, अन्दाजा.
अनुयायी (सं. गु.) (अनु=पीछे, यायी=जानेवाला) पीछे जानेवाला, दास.
अनुराग (सं. पु.) स्नेह, प्रेम, प्रीति.
अनुराधा (सं. स्त्री.) सत्रहवां नक्षत्र.
अनुरूप (सं. गु.) (अनु=बराबर, रूप=डौल) समान, बराबर, एकसा, अनुसार.
अनुशासन (सं. पु.) आज्ञा, हुक्म, शिक्षा.
अनुसन्धान (सं. पु.) (अनु=पीछे, सम=अच्छी तरहसे, धा=रखना) खोज, पता, तलाश, अन्वेषण.
अनुसरना } अनुहरना (सं. क्रि. अ.)(सं. अनुसरण) पीछे चलना, साथ चलना.
अनुसार (सं. पु.) (अनु=पीछे, सृ=जाना) मुताबिक, बराबर, समान.
अनुस्वार (सं. पु.) स्वरके ऊपरकी बिंदी.
अनूठा (हि. गु.) अनोखा, नया.
अनूप (हि. गु.) (सं. अनुपम) जिसकी बराबरी न हो सके, श्रेष्ठ.
अनृत (सं. गु.) (अन्=नहीं, ऋत=सांच) झूठा, स्त्री, झूठ.
अनेक (सं. गु.) बहुत, अधिक, ढेर.
अनोखा (हि. गु.) अनूठा, अद्भुत.
अन्त (सं. पु.) (अम्=जाना) सीमा, आखिर, समाप्ति, नाश होना.
अन्तःकरण (सं. पु.) (अन्तर्=भीतर, करण=इन्द्री) मन, चित्त, हृदय.
अन्तकाल (सं. पु.) (अन्त=पिछला, काल=समय) मरनेका समय.
अन्तड़ी (हि. स्त्री.) आंत, अन्तरी.
अन्तर (सं. पु.) भीतर, बीचकी जगह, भेद, फरक.
अन्तरकथा (सं. स्त्री.) बीचकी बात.
अन्तरा (हि. पु.) भजन वा गीत आदिका चरण, पद, बीचका.
अन्तरिया (हि. पु.) तिजारी, वह ज्वर जो तीसरे दिन आता है.
अन्तरिक्ष } अन्तरीक्ष (सं. पु.) आकाश, शून्य, अधर.
अन्तरी (हि. स्त्री.) आंतें.
अन्तरियां जलना (हि. मुहा.) बहुत भूख लगना.
अन्तरीप (सं. पु.) जमीनका वह टुकडा जो समुद्रमें दूरतक चला गया हो.
अन्तर्यामी (सं. गु.) (अन्तर्=भीतर, यामी=जाननेवाला) मनकी बात जाननेवाला, परमेश्वर.
अन्तर्ध्यान होना (हि. क्रि. अ.) छिप जाना, अलख होना.
अन्तर्पट (सं. पु.) (अन्तर्=बीचमें, पट=कपडा) परदा, टट्टी.
अन्तर्हित (सं. गु.) छिपा, अलख.
अन्त्रावलि (सं. स्त्री.) अँतड़ियोंकी पांत.
अन्ध (सं. गु.) अन्धा, विना आंखका, सूरदास.
अन्धकार (सं. पु.) (अन्ध=अन्धा, कार=करनेवाला) अँधिआरा.
अन्धकूप (सं. पु.) अन्धा कूआं, ऐसा कूआं जिसमें घासपात जमा हो.
अन्धड (हि. पु.) आंधी, तूफान.
अँधरा } अन्धा (हि. गु.) विना आंखका, सूरदास, नेत्रविहीन.
अन्धाधुन्ध (हि. मुहा.) बेहिसाब.
अन्धा काम (हि. मुहा.) विना सोचे विचारे काम करना.

अन्धसुत (सं. पु.) अन्धेका बेटा, दुर्योधन.
अन्धेर (हि. पु.) अन्धेरा, अन्याय.
अन्धेर करना (हि. मुहा.) उपद्रव करना, अन्याय करना, अनीति करना.
अन्धेरी कोठरी (हि. मुहा.) ऐसी कोठरी जिसमें अन्धेरा हो, पेट.
अन्न (सं. पु.) अनाज, नाज.
अन्नकूट (सं. पु.) एक पर्व होता है जिसमें देवताओंको अनेक प्रकारके भोग चढाये जाते हैं.
अन्नजल } अन्नपानी } (सं. मुहा.) दानापानी, संयोग, आबदाना.
अन्नदाता (सं. मुहा.) पालनेवाला, स्वामी, मालिक, उपकारी.
अन्नपूर्णा (सं. स्त्री.) (अन्न=भोजन, पूर्णा=भरनेवाली) दुर्गाका नाम.
अन्नप्राशन (सं. पु.) (अन्न=अनाज, प्राशन=पहले पहल खिलाना) लडकोंको पहले पहल अनाज देना.
अन्य (सं. गु.) दूसरा, और, दिगर.
अन्यथा (सं. क्रि. वि.) और तरहसे, नहीं तो, और प्रकारसे.
अन्याय (सं. पु.) अधर्म्म, उपद्रव.
अन्यायी (सं. गु.) बेइन्साफी, अधर्म्मी.
अन्यान्य (सं. गु.) (अन्य=अन्य) एक दूसरेको, परस्पर.
अन्वय (सं. पु.) (अनु=पीछे इण=जाना) कुल, पदसंदर्भ.
अन्वेषण (सं. पु.) (अनु=पीछे, इष=जाना) खोजना, ढूंढना, पता लागना.
अन्हवाना (हि. क्रि. स.) नहलाना, धोना.
अन्हान (हि. पु.) स्नान, नाहना.
अप (सं उप.) उलटा, से, अलग, भिन्न.
अपकार (सं. पु.) बुरा करना, हानि.
अपकीर्ति (सं. स्त्री.) (अप=बुरा, कीर्ति=यश) बदनामी, अपयश, बुराई.
अपना (हि. सर्व.) निजका, आपका.
अपनी गाना (हि. मुहा.) अपनी तारीफ करना.
अपनाना (हि. क्रि. स.) अपना करके मानना.
अपनायत (हि. स्त्री.) नाता, सम्बन्ध.
अपभ्रंश (सं. पु.) बिगडा हुआ.
अपमान (सं. पु.) (अप=उलटा, मान=आदर) अनादर, बेइज्जती.
अपयश (सं. पु.) बदनामी, बुराई.
अपर (सं. गु.) और, दूसरा, दूसरा कोई.
अपरम्पार (सं. गु.) जिसका पार नहीं.
अपराध (सं. पु.) (अप=बुरी तरहसे, राध=पूरा करना) पाप, अधर्म्म, दोष.
अपराधी (सं. पु.) पापी, अधर्म्मी.
अपवर्ग (सं. पु.) (अप=अलग, वर्ग=दर्जा) मुक्ति, परमगति, छुटकारा.
अपवाद (सं. पु.) निंदा, गाली, बुराई.
अपवित्र (सं. गु.) (अ=नहीं, पवित्र=शुद्ध) अशुद्ध, मैला, नापाक.
अपशकुन (सं. पु.)(अप=बुरा, शकुन=सगुन) बुरा सगुन, बुरा जतानेवाला.
अपशब्द (सं. पु.) बुरा शब्द, गोज करना.
अपादान (सं. पु.) (अप=से, आदान=लेना) जुदा करना, पांचवां कारक.
अपाय (सं. पु.) नाश, बिगाड, हानि.
अपार (सं. गु.) (अ=नहीं, पार=अन्त) अनन्त, अथाह, बेठिकाना.

अपावन (सं. गु.) (अ=नहीं, पावन=पवित्र) अशुद्ध, मैला, नापाक.
अपाहज (हि. गु.) लूला, लंगड़ा, सुस्त.
अपि (सं. उप.) भी, तिस परभी, तौभी, यहांतक, औरभी, मिला हुआ.
अपूत (हि. गु.) (सं. अपुत्र) विना लड़केके, निर्वंश, कुपूत.
अपूर्ण (सं. गु) पूरा नहीं, अधूरा.
अपूर्व (सं. गु.) (अ=नहीं, पूर्व=पहिले) अनूठा, उत्तम, नया, अनोखा.
अपेक्षा (सं. स्त्री.) आशा, इच्छा, सम्बन्ध.
अपेल (हि. गु.) अटल, बहुत.
अप्रतिष्ठा (सं. स्त्री.) (अ=नहीं, प्रतिष्ठा=बड़ाई) बदनामी, बेइज्जती.
अप्रधान (सं गु.) (अ=नहीं, प्रधान=मुख्य) अमुख्य, आधीन.
अप्रमेय (सं. गु.) (अ=नहीं, प्रमेय=नापने योग्य) अपार, बेशुमार.
अप्रसन्न (सं. गु.) (अ=नहीं, प्रसन्न=खुश) दुःखी, उदास, नाराज.
अप्सरा (सं. स्त्री.) (अप=पानी, सृ=चलना अर्थात् जो समुद्रसे पैदा हुई हो वा जिसे नहानेकी बहुत रुचि हो) स्वर्गकी स्त्री, इन्द्रकी सभामें नाचनेवाली रम्भा आदि.
अफल (हि. गु.) (अ=नहीं, फल=लाभ) वृथा, बेफायदे.
अब (हि. क्रि. वि.) (सं. अद्य.) इस घड़ी, इस समय, इसके पीछे.
अबका / अबकी } (हि. मुहा.) इस बार, इस बरस.
अबतक / अबतलक } (हि. मुहा.) इस समय तक.
अबतव (हि. मुहा.) मरने योग्य होना.
अबन्धित (सं. पु.) बन्धनरहित.
अबल (सं. गु.) कमजोर, दुबला.
अबला (सं. गु. स्त्री.) लुगाई, स्त्री, दुबली नारी.
अबाक (सं. गु.) (अ=नहीं, वाक=बोलना) मौन, चुप, गूंगा.
अबुध (सं. गु.) (अ=नहीं, बुध=पण्डित) मूर्ख, बेसमझ, गँवार, जाहिल.
अबूझ (हि. गु.) मूर्ख, गँवार बेवकूफ.
अबेर (हि. स्त्री.) देरी, विलम्ब, कुवेला.
अबोल (हि. गु.) चुपचाप, मौन.
अब्ज (सं. पु.) कमल, पद्म.
अब्द (सं. पु.) बादल, साल, बरस.
अब्धि (सं. पु.) समुद्र, सातकी गिनती.
अभय (सं. गु.) बेडर, निर्भय, बेखौफ.
अभयदान (सं. पु.) शरण देना, पनाह देना.
अभाग (हि. पु.) बदनसीबी, दुर्दशा.
अभाव (सं. पु.) नहीं होना, कमती.
अभि (सं. उप.) चारों ओर, पास, को, बारबार, ऊपर, सामने, अधिक.
अभिख्या (सं. स्त्री.) सुन्दरता, खूबसूरती.
अभिगमन (सं. पु.) नजदीक जाना.
अभिजित (सं. पु.) जीतनेवाला.
अभिधान (सं. पु.) कोष, शब्दसंग्रह.
अभिनय (सं. पुं.) नाटकका तमाशा.
अभिप्राय (सं. पु.) मतलब, अर्थ, इच्छा, चाह, आशय, विचार.
अभिप्रेत (सं. पुं.) वाञ्छित, मुराद, मकसूद.
अभिमत (सं. पु.) (अभि=बहुत, मन=मानना) पसंद किया हुआ, चाहा हुआ.
अभिमर्षण (सं. पु.) (अभि+मृष=छूना) परस्त्रीगमन, छूना, सम्भोग.

अभिमान (सं. पु.) (अभि=अधिक, मन्=जानना) घमण्ड, शेखी.
अभियुक्त (सं. पु.) (अभि=सामने, युज= जोड़ना) प्रतिवादी, मुद्दाअलेह.
अभियोग (सं. पु.) नालिश, मुकद्दमा.
अभियोगी } (सं. पु.) वादी, मुद्दई.
अभियोजक
अभिमुख (सं. अव्य.) (अभि=सामने मुख=मुँह) सामने, रूबरू.
अभिराम (सं. गु.) प्यारा, सुन्दर.
अभिलाषा (सं. स्त्री.) इच्छा, चाहना.
अभिलाषी (सं. पु.) चाहनेवाला, इच्छुक.
अभिवादन (सं.) (अभि+वद्=कहना) स्तुति, नमस्कार, बन्दगी.
अभिषिक्त (सं. पु.) तिलक दिया गया.
अभिषेक (सं. पु.) राजातिलकके समयका स्नान, शान्तिस्नान.
अभिसन्धान (सं. पु.) मिलाप, कपट.
अभिसन्धि (सं स्त्री.) खूबमेल, धोखा.
अभिसम्पात (सं. पु.) युद्ध, नाश.
अभी (हि. क्रि. वि.) इसी समय, इसी घड़ी, तुरन्त.
अभीरू (सं. गु.) (अ=नहीं, भीरू= डर) निडर, निर्भय, महादेव.
अभीष्ट (सं. पु.) (अभि=बहुत, इष्ट= चाहा हुआ) मनमाना, पसंद.
अभूतपूर्व (सं. पु.) जैसा कभी पहले न हुआ, अजीब, अनूठा.
अभ्यन्तर (सं. पु.) भीतरी, अंदरूनी.
अभेद (सं. गु.) जिसका भेद न जाना जाय, जो नहीं टूट सके.
अभ्यर्थना (सं. स्त्री.) (अभि=सामने अर्थ=मांगना) दरखास्त, प्रार्थना.
अभ्यस्त (सं. पु.) आदी, खूगर.

अभ्यागत (सं. पु.) (अभि=पास, आगत=आया हुआ) पाहुना, अतिथि, मेहमान.
अभ्यास (सं. पु.) साधन, मश्क.
अभ्युदय (सं. पु.) ऐश्वर्य, उन्नति.
अभ्र (सं. पु.) बादल, मेघ, आकाश.
अमङ्गल (सं. गु.) बुरा, अशुभ.
अमत (सं. गु.) धर्म्महीन, भ्रष्ट.
अमर (सं. गु.) जो कभी मरे नहीं, अर्थात् देवता.
अमरपति (सं. पु.) देवताओंका राजा, इन्द्र.
अमरलोक (सं पु.) स्वर्ग, बिहिश्त.
अमराई (हि. स्त्री.) आमका बाग.
अमरावती (सं. स्त्री.) देवताओंका वास- स्थान, स्वर्ग, एक शहरका नाम.
अमरेश (सं. पु.) इन्द्र.
अमर्याद } (सं. स्त्री.) (अ=नहीं. मर्याद=इज्जत) बेइज्जत, अना- दर.
अमर्यादा
अमर्ष (सं. पु.) क्रोध, गुस्सा.
अमात्य (सं. पु.) भूमिका, मन्त्री.
अमल (सं. गु.) निर्मल, साफ, शुद्ध.
अमलतास (हि. पु.) औषधीका नाम.
अमान (सं. गु.) मानरहित, निरहंकार.
अमाना (हि. क्रि. अ.) अँटना, समाना.
अमाय (सं. गु.) कपटरहित, निछल.
अमाया (सं. स्त्री.) सचाई, इमानदारी.
अमावस } (सं. स्त्री.) कृष्णपक्षकी पन्द्रहवीं तिथि.
अमावस्या
अमित (सं. गु.) अपार, बेहद.
अमिय } (हि. पु.) अमृत, सुधा.
अमी
अमुक (सं. गु.) वह, यह, कोई.
अमूलक (सं.) बेजड, निर्मूल.

अमृत (सं. पु.) सुधा, अमी.
अमोघ (सं. गु.) सच्चा, सफल.
अमोल (सं. गु.) बढिया, अनोखा.
अम्ब }
आम } (हि. पु.) आमका पेड वा आमका फल.
अम्बक (सं. पु.) लोचन, आंख.
अम्बर (सं. पु.) आकाश, कपडा, सुगन्धित वस्तु, अभ्रक धातु.
अम्बा }
अम्बिका } (सं. स्त्री.) मा, माता, दुर्गा, देवी, भगवती, पार्वती.
अम्बु (सं. पु.) पानी, जल.
अम्बुकण (सं. पु.) ओस, सवनम.
अम्बुज (सं. पु.) (अम्बु=जल, ज=पैदा हुआ.) कमल, चन्द्रमा.
अम्बुधि }
अम्बुनीधि } (सं. पु.) (अम्बु=जल, धृ=धारण करना) समुद्र, सागर.
अम्बुनाथ (सं. पु.) समुद्र.
अम्बुवाह (सं. पु.) (अम्बु=जल, वाह=ले जानेवाला) बादल.
अम्भस् (सं. पु.) पानी, जल.
अम्भोज (सं. पु.) कमल, जलज.
अम्भोद (सं. पु.) बादल, मेघ.
अम्मा (हि. स्त्री.) मा, माता.
अम्ल (सं. गु.) खट्टा.
अम्लि (हि. स्त्री.) इमली, अमली.
अय (हि. पु.) पुकारनेका सम्बोधन.
अयन (सं. पु.) घर, स्थान, मार्ग.
अयश (सं. पु.) बदनामी, बुराई.
अयशी (सं. गु.) बदनाम.
अयाना (हि. गु.) मूर्ख, बेबूझ.
अयुक्त (सं. गु.) अनुचित, अयोग्य.
अयुत (सं. गु.) दशहजार.
अयोग्य (सं. गु.) नामुनासिब.
अयोध्या (सं.) सूर्य्यवंशकी राजधानी.
अरई }
अरवी } (हि. स्त्री.) कन्दा, एक किस्मके तरकारीका नाम.
अरगजा (हि. पु.) एक सुगंधित चीज.
अरगाई }
अलगाई } (हि. गु.) अलग. चुप.
अरझना (हि. क्रि. अ.) उलझना.
अरणा (हि. पु.) जंगली भैंसा.
अरणि (सं. स्त्री.) एक तरहकी लकडी.
अरण्य (सं. पु.) जंगल, वन.
अरविन्द (सं. पु.) कमल, पद्म.
अरहट (हि. पु.) रहट, पानीकी कल.
अरहर (हि. पु.) एक किस्मका नाज.
अराति (सं. पु.) वैरी, दुश्मन.
अराधना (हि. क्रि. स.) पूजा करना.
अरि (सं. पु.) दुश्मन, वैरी.
अरिष्ट (सं. पु.) विघ्न, निंबवृक्ष.
अरहू (हि. स्त्री.) भृकुटी.
अरु (हि.) और, फिर.
अरुचि (सं. स्त्री.) नफरत, अनिच्छा.
अरुण (सं. पु.) सूर्य, लाल, सिंदूर.
अरुणचूड }
अरुणशिखा } (सं पु.) कुक्कुट, मुर्गा.
अरुणाई (हि. स्त्री.) ललाई, सुर्खी.
अरुणोदय (सं. पु.) सुबह, भोर.
अरुणोपल (सं. पु.) लाल पत्थर.
अरुन्तुद (सं. पु.) क्लेशकारक.
अरुन्धती (सं. स्त्री.) वशिष्ठमुनिकी स्त्री.
अरूप (सं. गु.) कुरूप, बेडौल.
अरोग (सं. गु.) भला चंगा.
अर्क (सं. पु.) सूर्य, अकवन, आक, मदार.
अर्गल (सं. पु.) विलाई, जंजीर.

अर्घ (सं. पु.) सूर्यको पानी देना.
अर्घा (हि. पु.) अर्घ देनेका बरतन जो नावसा रहता है.
अर्चक (सं. पु.) पूजनेवाला, पुजारी, सेवक.
अर्चना (हि. क्रि. स.) पूजा करना.
अर्चा (सं. स्त्री.) पूजा, सेवा.
अर्चित (सं. पु.) पूजा किया हुआ.
अर्जन (सं. पु.) (अर्ज=इकट्ठा करना) कमाई, संग्रह, संचय.
अर्जुन (सं. पु.) युधिष्ठिरका भाई.
अर्णव (सं. पु.) समुद्र, सागर.
अर्थ (सं. पु.) मतलब, आशय, अभिप्राय, धन, मुनाफा.
अर्थकारी (सं. पु.) उपयोगी.
अर्थशास्त्र (सं. पु.) राजनीति.
अर्थात् (सं. अव्य.) याने.
अर्थी (सं. गु.) धनी, याचक, मतलबी, रथी.
अर्दावा (हि. पु.) मोटा आटा.
अर्दित (सं. पु.) (अर्द=पीडित होना) दुःखित, पीडित,
अर्द्ध (सं. गु.) आधा, नीम.
अर्द्धनिमेष (सं. पु.) आधा पल.
अर्द्धांग (सं. पु.) (अर्द्ध=आधा, अंग=शरीर) आधा शरीर, एक बीमारी, जिसमें आधा शरीर सूख जाता है.
अर्द्धांगी (सं. स्त्री.) लुगाई, नारी.
अर्पण (सं. पु.) भेंट, दान, नजर.
अर्व (हि. पु.) सौ करोड.
अर्वखर्व (हि. मुहा.) अपार, बेशुमार.
अर्भ / अर्भक } (सं. पु.) (ऋ=जाना) लडका पुत्र, बालक.
अर्राटा (हि. पु.) भारी शब्द
अर्वाचीन (सं. गु.) नया, जदीद.
अर्हन्त (सं. पु.) (अर्ह=पूजना) बौद्धमती, जैन, जैनियोंके एक मुनिका नाम.
अलक (सं. स्त्री.) (अल्=सँवारना) जुल्फ, घुंघरवाले बाल, अँगुठिये बाल.
अलका (सं. स्त्री.) दश वर्षकी कन्या.
अलकावलि (सं. स्त्री.) वेणी, घुंघरारे बाल.
अलक्षि (हि. गु.) दरिद्री, कंगाल, निर्धन.
अलक्ष्य (सं. पु.) (अ=नहीं, लक्ष=देखना) अलख, जो देख नहीं पडे.
अलख (हि. गु.) जो देखनेमें न आवे.
अलखित (हि. पु.) जो देखा हुआ न हो.
अलभ्य (सं. पु.) (अ=नहीं, लभ=मिलना) जो मिल नहीं सके, दुर्लभ.
अलान (हि. स्त्री.) हाथीके बांधनेकी रस्सी.
अलाप (हि. पु.) राग, तान, बातचीत.
अलापना (हि. क्रि. अ.) राग छेडना, बातचीत करना.
अलापी (हि. पु.) कहनेवाला, ज्यादे बोलनेवाला.
अलाव (हि. पु.) धूनी.
अलि / अली } (सं. पु.) भौंरा, कोयल, बिच्छू, काग, मदिरा.
अलिनि (सं. स्त्री.) भौंरी, कोयल्नी.
अलीक (सं. गु.) (अल्=रोकना) झूठा असत्य, असार.
अलीन (सं. गु.) अयोग्य, नाजायज.
अलीह (हि. गु.) झूठा, मिथ्या.
अलैया बलैया (हि. स्त्री.) निछावर.
अलोना (हि. गु.) बिना नमकके, फीका.

अलोभ (सं. गु.) निर्लोभ, सन्तुष्ट.
अलोला (हि. गु.) नासमझ, मूर्ख.
अलौकिक (सं. गु.) लोकसे बाहर, अद्भुत.
अल्प (सं. गु.) थोडा, कुछ, कमती.
अल्पबुद्धि (सं. गु.) मूर्ख, कमसमझ.
अल्लहड (हि. मुहा.) गँवार, अनाडी.
अव (सं. उप.) से, दूर, बीचमें, बुरा.
अवकाश (सं. पु.) फुर्सत, सुबीता.
अवगाहना (हि. क्रि. स.) थाह पाना, मथना, नहाना.
अवगुण (सं. पु.) दोष, खोट.
अवग्रह (सं. पु.) रोक. हाथियोंका झुंड.
अवज्ञा (सं. स्त्री.) अपमान, नफरत.
अवतंस (सं. पु.) (अव=निश्चय, तसि=शोभना) गहना, भूषण.
अवतरना (हि. क्रि. अ.) अवतार, लेना.
अवतार (सं. पु.) (अव=नीचे, तृ=पार होना) उत्पन्न, जन्म, प्रगट,
अवदान (सं. पु.) मारना, वध.
अवदीच (हि. पु.) ब्राह्मणोंकी एक जाति.
अवद्य. (पु.) पाप, दोष. (गु.) नहीं कहने योग्य, पापी, निन्द्य.
अवध (हि. स्त्री.) वचन, सीमा, अवध देश, नहीं मारने योग्य.
अवधान (सं. पु.) दया, तवज्जुह.
अवधारी (हि. पु.) निश्चय किया गया.
अवधीर्य (सं. अव्य) सोचकर.
अवधीरति (सं. पु.) अपमानित.
अवनति (सं. स्त्री.) (अव=नीचे, नति=झुकना) तनज्जुली. घटती, उतार.

अवनि, अवनी (सं. स्त्री.) धरती, पृथ्वी, भूमी.
अवनिकुमारी (सं. स्त्री.) सीताजी.
अवनिप (सं. पु.) राजा, बादशाह.
अवनिपरमाणि (सं. स्त्री.) रानी.
अवनीत (सं. पु.) बदचलन, कुमार्गी.
अवनीश (सं. पु.) राजा, महाराजा.
अवन्ति (सं. स्त्री.) मालवा प्रदेश.
अवयव (सं. पु.) शरीरका कोई भाग, अंग.
अवराधक (सं. पु.) (अव=निश्चय, राध=पूरा करना) सेवक. आराधना करने वाला.
अवरेख (हि. स्त्री.) लकीर, गिन्ती.
अवरोध (सं. पु.) रुकावट, रनिवास.
अवर्त (हि. पु.) चक्कर, गिर्दाब.
अवलम्ब, अवलम्बन (सं. पु.) सहारा, आधार.
अवली (हि. स्त्री.) पांव, लकीर.
अवलेह (सं. पु.) चटनी, किमाम.
अवलोकन (सं. पु.) देखना, दर्शन.
अवश (सं.) बेकाबू, बेइख्तियार.
अवशिष्ट (सं. पु.) शेष, बाकी.
अवशेष (सं. पु.) बाकी.
अवश्य (सं. क्रि. वि.) जरूर, निश्चय.
अवसर (सं. पु.) समय, मौका.
अवसन्न (सं. पु.) थका हुआ, गिरा हुआ, उदास, हारा हुआ, समाप्त.
अवसान (सं. पु.) अन्त, समाप्त.
अवसेरी (हि. स्त्री.) देर, इन्तजारी.
अवस्था (सं. स्त्री.) दशा, उमर, हालत.
अवस्थित (सं. पु.) ठहरा हुआ, मुकीम.
अवहित (सं.) सावधान, मशहूर.

अवाई (हि. स्त्री.) आनेकी खबर.
अविकारी (सं. पु.) विकाररहित, बेऐब.
अविगत (सं. पु.) व्यापक, सब जगह मौजूद.
अविचल (सं. पु.) (अ=नहीं, विचल= चलना) जो नहीं चले, अचल.
अविद्या (सं. स्त्री.) (अ=नहीं, विद्या= इल्म) मूर्खपन, माया.
अविनय (सं. पु.) ढिठाई, शोखी.
अविनाशी (सं. गु.) (अ=नहीं, विनाशी= नाश होनेवाला) जिसका कभी नाश न हो, परमेश्वर.
अविरल (सं. गु.) (अ=नहीं, विरल= महीन) गाढा, मोटा, निरन्तर.
अविरोध (सं. पु.) मेल. सम्मति.
अविवेक (सं. पु.) (अ=नहीं, विवेक= विचार) अज्ञान, मूर्खपन.
अव्यक्त (सं. पु.) (अ=नहीं, व्यक्त=प्रगट) अलख, छिपा हुआ, परमेश्वर.
अव्यय (सं. पु.) (अ=नहीं, व्यय= खर्च) व्याकरणका ऐसा शब्द जो किसी प्रकार बदलता नहीं जैसे अथवा, और, पुनि, आदि.
अव्यवस्थित (सं. गु.) (अ=नहीं, व्यवस्थित=अचल) चंचल, अचेत, बेहोश, अनुचित.
अव्याहत (सं. पु.) जो रोका नहीं जाय.
अशकुन (सं. पु.) बुरा सगुन.
अशक्त (सं. पु.) (अ=नहीं, शक्त= समर्थ) कमजोर, दुबला.
अशक्य (सं.) असम्भव जो नहीं होसके.
अशंक (सं. गु.) निडर, वेखौफ.
अशन (सं. पु.) भोजन, आहार, खाना.
अशनि (सं. पु.) बिजली, वज्र.
अशिक्षित (सं. गु.) अनसीखा, मूर्ख.
अशित (सं. पु.) खाया हुआ.
अशिव (सं. गु.) (अ=नहीं, शिव=शुभ) अशुभ, अमङ्गल.
अशुद्ध (सं. गु.) अपवित्र, गलत.
अशुभ (सं. गु.) बुरा, अमङ्गल.
अशुभचिन्तकता (सं. स्त्री.) बुरा सोचना.
अशोक (सं. पु.) सुख, चैन, एक वृक्षका नाम.
अश्म / अश्मन् } (सं. पु.) पत्थर.
अश्व (सं. पु.) घोडा, तुरंग.
अश्वतर (सं. पु.) खच्चर.
अश्वपति (सं. पु.) घोडेका मालिक, सवार, घुडचढा.
अश्वमेध (सं. पु.) (अश्व=घोडा, मेध= यज्ञ) एक प्रकारका यज्ञ जिसमें घोडा छोडा जाता है.
अश्विनी (सं. स्त्री.) एक नक्षत्रका नाम.
अश्विनीकुमार (सं. पु.) देवताओंके वैद्य.
अषाढ (सं. पु.) एक महीनेका नाम.
अष्टधातु (सं. स्त्री.) आठ तरहकी धातु जैसे १ सोना, २ रूपा, ३ लोहा, ४ तांबा, ५ पीतल, ६ रांगा, ७ सीसा, ८ कांसा.
अष्टधाती (हि. गु.) आठ धातुका बना हुआ.
अष्टमी (सं. स्त्री.) आठवीं तिथि.
अष्टसिद्धि (सं. स्त्री.) आठ प्रकारकी सिद्धि, १ अणिमा, २ महिमा, ३ लघिमा, ४ प्राप्ति, ५ प्राकाम्य, ६ ईशित्व, ७ वशित्व, ८ कामावसायिता.
अष्टाङ्गप्रणाम (सं. पु.) आठ अङ्गोंसे दण्डवत् करना, अर्थात् १ हाथों, २ पैरों, ३ जांघ, ४ हृदय, ५ आंखों, ६ शिर, ७ वचन, ८ मनसे.

असंख्य (सं. गु.) बेशुमार, बेठिकान.
असंग्रह (सं. गु.) जो लेने योग्य न हो.
अस (हि. गु.) ऐसा, ऐसी.
असत्य (सं. गु.) झूठा, मिथ्या.
असत्यसंध (सं. गु.) दगाबाज.
असफल (सं. गु.) फलरहित, बेकाम.
असभ्य (सं. गु.) (अ=नहीं, सभ्य=सभाके योग्य) गँवार, अनाडी.
असमंजस (सं. पु.) संदेह, दुविधा.
असमर्थ (सं. गु.) कमजोर, अयोग्य.
असमय (सं. गु.) बेवक्त, कुसमय.
असमशर (सं. पु.) (असम=विषम, शर=तीर) कामदेव.
असम्भव (सं. गु.) अनहोनी, गैर मुमकिन.
असत्यवादी (सं. पु.) झूठ बोलनेवाला.
असह्य (सं. गु.) (अ=नहीं, सह्य=सहने योग्य) जो सहा नहीं जाय, कठोर, कडुआ.
असवार } (हि. पु.) घुडचढा.
सवार }
असाधु (सं. गु.) अधर्मी, पापी.
असाध्य (सं. गु.) कठिन, असंभव जिसकी दवा न हो सके.
असार (सं. गु.) छूछा, पोला, सूखा, बेफायदा, निष्फल.
असावधान (सं. गु.) बेसुध, बेखबर.
असि (सं. स्त्री.) तलवार, शमशेर.
असित (सं. गु.) काला, कृष्णपक्ष.
असिद्ध (सं. गु.) अधूरा, विनपका, झूठ, झूठा.
असीस } (हि. स्त्री.) आशीर्वाद, दुआ.
आसीस }
असु (सं. पु.) प्राण, जान, रूह.
असुर (सं. पु.) राक्षस, दानव.
असुरसेन (सं.) गयातीर्थ.
असूयक (सं. पु.) चुगलखोर, निन्दक.
असूया (सं. स्त्री.) निन्दा करना.
असोसियेशन (अं.) सभा, समाज, मेल.
अस्खलित (सं. पु.) अपतित, अच्युत.
अस्त (सं. पु.) सूर्यका डूबना.
अस्तव्यस्त (सं. गु.) तितरवितर, उलट पुलट, इधर उधर, तीन तेरह.
अस्ताचल (सं. पु.) (अस्त=सूर्य डूबना, अचल=पहाड) वह पहाड जहां सूर्य डूबते हैं.
अस्ति (सं. स्त्री.) विद्यमान, मौजूद.
अस्तुत } (हि. स्त्री.) तारीफ, प्रशंसा, भजन, सराह.
अस्तुति }
अस्त्र (सं. पु.) (अस्=फेकना.) ऐसा हथियार जिसको फेंककर मारे जैसे बाण आदि.
अस्थि (सं. पु.) हड्डी, हाड.
अस्सी (हि. गु.) चार बीस, ८०.
अहमिति (सं. स्त्री.) अभिमान, अहंकार, गरूर.
अहंकार (सं. पु.) घमण्ड, शेखी, गर्व.
अहर (सं. पु.) दिन, रोज.
अहर्निशि (सं. स्त्री.) रातदिन, हमेशा.
अहल्या (सं. स्त्री.) गौतम मुनिकी स्त्री.
अहार (सं. पु.) भोजन, खाना.
अहाहा } (हि.) अचम्भा, दुःख और सुखके जतानेवाला शब्द.
अहह }
अहहिं (हि. क्रि. अ.) है, मौजूद है.
अहिंसा (सं. स्त्री.) किसीको नहीं मारना.
अहि (सं. पु.) सर्प, साँप, नाग.
अहिगति (सं. स्त्री.) साँपकी चाल.
अहिक्षार (हि. पु.) साँपका विष.
अहित (सं. पु.) दुश्मन, विरोध.

आहिनी (सं. स्त्री.) साँपिन.
अहिपति (सं. पु.) शेषजी, वासुकी.
अहिफेन (सं. पु.) अफीम.
अहिवात (हि. पु.) पतिके जीनेका चिह्न.
अहीन (सं. पु.) साँपोंका राजा.
अहीश (सं. पु.) साँपोंका राजा
अहीर (हि. पु.) ग्वाला.
अहीरणी } (हि. स्त्री.) ग्वालन.
अहीरी }
अहे } (सं.) शोक, दुःख, दया
अहो } अचंभा सूचक सम्बोधनका चिह्न.
अहेर (हि. पु.) शिकार, आखेट.
अहेरिया } (हि. पु.) बहेलिया,
अहेरी } शिकारी.
अहोरात्रि (सं. क्रि. वि.) दिनरात.

आ.

आ (सं.) हाय, दुःख, वा दयाके जतानेवाला शब्द. (उप.) से, तक, तलक.
आ (सं. पु.) महादेव, ब्रह्मा.
आँक (हि. पु.) अङ्क, संख्या, रकम, निशान.
आँकना (हि. क्रि. स.) चिह्न देना.
आँकुश (हि. पु.) अँकुश, हाथी चलानेका लोहेका काँटा.
आँखमिचौली (हि. स्त्री.) आँख मूँदना, एक खेलका नाम.
आँख लगाना (हि. मुहा.) प्यारसे देखना, दोस्ती करना.
आँग (हि. पु.) शरीर, देह.
आँगन } (हि. पु.) अँगनाई, सहेन.
आँगना }
आँच (हि. स्त्री.) गर्मी.
आँचर } (हि. पु.) लुगाईके कपडेका किनारा, अँचला.
आँचल }
आँजना (हि. क्रि. स.) (सं. अञ्जन) सुरमा लगाना, काजल लगाना.
आँट (हि. स्त्री.) गाँठ, विरोध, वैर.
आँत (हि. स्त्री.) अँतडी.
आँधी (हि. स्त्री.) तेज हवा, तूफान.
आँव (हि. स्त्री.) (सं. आम) पेटमें एक प्रकारका रोग.
आँसू (हि. पु.) (सं. अश्रु) आँखका जल.
आँसू भरना (हि. मुहा.) रोती सूरत बनाना, आँख डबडबाना.
आक (हि. पु.) एक पेडका नाम, अकवन, मदार.
आकर (सं. स्त्री.) खान, खानि.
आकर्णित (सं. पु.) सुना गया.
आकर्ण्य (सं. अव्यय) सुनके.
आकर्ष (सं. पु.) (आ+कृष=खींचना) बटोरना.
आकर्षक (सं. पु.) खींचनेवाला.
आकर्षण (सं. पु.) खिंचाव.
आकर्षित (सं. पु.) खींचा गया.
आकांक्षा (सं. स्त्री.) (आ=चारों तरफ, कांक्ष=चाहना) इच्छा, चाहना, ख्वाहिश, वाञ्छा.
आकांक्षी (सं. पु.) चाहनेवाला.
आकार (सं. पु.) डौल, सूरत, निशान.
आकाश (सं. पु.) (आ=चारों तरफसे, काश=चमकना) आसमान.
आकाशवृत्ति (सं. स्त्री.) जो जीविका नियत नहीं है.
आकाशवाणी (सं. स्त्री.) आसमानसे जो कुछ बात सुनी जाय.
आकीर्ण (सं. पु.) परिपूर्ण, पूरा.

आकुञ्चन (सं. पु.) सिमटना, सिकुड़ना.
आकुल (सं. गु.) घबराया, परेशान.
आकुलित (सं. गु.) दुःखित, क्लेशित.
आकृति (सं. स्त्री.) रूप, डौल, सूरत.
आकृष्ट (सं. पु.) खींचा हुआ.
आकृष्टि (सं. पु.) आकर्षण.
आक्रमक (सं. पु.) घेरनेवाला.
आक्रमण (सं. पु.) घेरना, हमला करना.
आक्रम्य (सं. अव्य.) घेरके.
आक्रान्त (सं. पु.) घेरा हुआ, थका हुआ.
आक्रीड (सं. पु.) राजाका बाग.
आक्रोश (सं. पु.) क्रोध, रोना, गुस्सा.
आक्षेप (सं. पु.) बुरी बात, निन्दा, एक अर्थालंकारका नाम.
आखर (हि. पु.) अक्षर, हर्फ.
आखु (सं.) मूसा, चूहा.
आखुभुक (सं. पु.) बिलार, मार्जार.
आखेट (सं. स्त्री.) (आ=से, खिट=सताना) शिकार, अहेर.
आख्य } (सं. पु.) नाम, संज्ञा.
आख्या
आख्यात (सं.) उक्त; कहा हुआ.
अख्यायिका (सं. स्त्री.) कहानी.
आख्यान (स. पु.) कथा, इतिहास.
आग (हि. स्त्री.) आगी, अनल.
आग उठाना (हि. मुहा.) क्रोधित होना.
आग देना (हि. मुहा.) मुर्दा जलाना.
आगत (सं. पु.) आया हुआ, पहुँचा.
आगन्ता } (सं. पु.) आनेवाला. अजनबी.
आगन्तुक
आगम (सं. पु.) तन्त्रशास्त्र, आया.
आगम भापना (सं. क्रि. स.) होनेवाली बातको पहले कहना.
आगमन (सं. पु.) आना, अवाई.
आगा (हि. पु.) अगवाड़ा, सामना.
आगा पीछा करना (हि. मुहा.) सन्देह करना, दुविधामें होना.
आगामी (सं. पु.) जो आगे होनेवाला है.
आगार (सं. पु.) घर, स्थान, जगह.
आगुल्फ (सं. गु.) ठिहुनातक.
आगे (हि. क्रि. वि.) पहले, सामने.
आग्रह (सं. पु.) मिहरबानी, कोशिश, जिद्द, छेडछाड.
आघात (सं. पु.) चोट, मारनेकी जगह.
आघातित (सं. पु.) मारा हुआ.
आघूर्णन (सं. पु.) देखना, घूमना.
आघूर्णित (सं. पु.) देखा गया.
आघ्राण (सं. पु.) सूँघना.
आघ्रात (सं. पु.) सूँघा हुआ.
आघ्रेय (सं. पु.) सूँघने योग्य.
आचमन (सं. पु.) भोजनके बाद पानीसे हाथ मुँह साफ करना.
आचरण (सं. पु.) चालचलन.
आचरित (सं. पु.) मान ली जाय.
आचार (सं. पु.) रीति, चलन, सफाई.
आचारी (सं. पु.) आचार रखनेवाला.
आचार्य्य (सं. पु.) उपदेश करनेवाला, शिक्षक.
आच्छादक (सं. पु.) ढाँकनेवाला.
आच्छादन (सं. पु.) ढकना.
आच्छादित (सं. पु.) ढका हुआ.
आछे (हि. गु.) अच्छा.
आज (हि.) आजका दिन.

आजकल (हि. गु.) कुछ दिनासे.
आजा (हि. पु.) दादा, पितामह.
आजीव (सं.) रोजगार, पेशा.
आजीविका (सं. स्त्री.) जीविका, जीनेका उपाय.
आज्ञा (सं. स्त्री.) हुक्म, आदेश.
आज्ञाकारी (सं. गु.) हुक्म माननेवाला
आज्ञानुवर्ती (सं. पु.) आज्ञाकारी, फर्मांबरदार, आधीन.
आज्ञापक (सं. पु.) हुक्म करनेवाला.
आज्ञापन (सं. पु.) चिताना, विज्ञापन.
आज्ञप्त (सं. पु.) हुक्म पाया हुआ.
आज्ञापत्र (सं. पु.) हुक्मनामा.
आज्य (सं. पु.) घी, घीव.
आटोप (सं. पु.) अभिमान, घमंड.
आठ (हि. गु.) सात और एक.
आठ पहर (हि. गु.) रातदिन, हरघडी.
आड (हि. स्त्री.) परदा, रोक.
आडम्बर (सं. पु.) घमंड, मेघ, तुरहीका शब्द, बनावट.
आडा (हि. गु.) तिरछा, टेढा.
आडी (हि. गु.) रक्षक, मुहाफिज.
आढक (सं. पु.) अढैया, द्रोणका चौथा भाग.
आढकी (सं. स्त्री.) अरहर.
आढत (हि. स्त्री.) मालका अड्डा.
आढतिया } अढतिया } (हि. पु.) व्योपारी, दलाल.
आतंक (सं. पु.) डर, भय, रोग.
आतप (सं. पु.) धूप, घाम.
आतपत्र (सं. पु.) छाता, छतरी.
आतर (सं. पु.) अन्तर, बीच, फर्क.
आतिथेय (सं. पु.) अतिथिके लिये भोजन आदि देनेवाला, मेजवान.
आतिथ्य (सं. पु.) अतिथिसेवा.
आतुर (सं. गु.) जल्दी, घबराया हुआ.
आत्मघात (सं. पु.) अपने तईं मारडालना, खुदकुशी.
आत्मज (सं. पु.) बेटा, सन्तान.
आत्महत्या (सं. स्त्री.) अपने तईं मारडालना, खुदकुशी.
आत्महन (सं. पु.) आत्मघाती, वायुरोग, आधमान.
आत्मा (सं. स्त्री.) जीव, प्राण, मन.
आदअन्त (हि. गु.) पहलेसे पीछेतक, शुरूसे आखिरतक.
आदर (सं. पु.) प्रतिष्ठा, खातिर.
आदरनीय (सं. पु.) खातिरके लायक.
आदा (हि. पु.) अदरक, कच्ची सोंठ.
आदान (सं. पु.) लेना, स्वीकार, मंजूर.
आदानप्रदान (सं. पु.) लेनदेन.
आदि (सं. गु.) पहला, प्रथम, आरम्भ, और, इत्यादि, वगैरह.
आदिकवि (सं. पु.) पहला कवि, ब्रह्मा, वाल्मीकि.
आदित्य (सं. पु.) सूर्य्य, रवि, देवता.
आदित्यवार (सं. पु.) एतवार.
आदि पुरुष (सं. पु.) पहला पुरुष विष्णु.
आदिष्ट (सं. पु.) अनुमत, आज्ञा पाया, हुआ.
आदेश (सं. पु.) आज्ञा, हुक्म.
आदेशी } आदेष्टा } (सं. पु.) आज्ञा देनेवाला, हाकिम.

आद्योपान्त (सं. गु.) शुरूसे आखिर तक.
आद्रित (सं. पु.) इज्जत किया गया.
आधान (सं. पु.) गर्भ, गाभ, हमल.
आधार (सं. पु.) आसरा, पालनेवाला, आहार, पात्र, अधिकरण.
आधाशीशी (हि. स्त्री.) अधकपाली, आधे शिरमें पीडा.
आधि (सं. स्त्री.) मनकी पीडा, उदासी.
आधिक्य } (सं. स्त्री.) बहुतायत.
आधिक्यता } बढती, कसरत.
आधिपत्य (सं. पु.) प्रधान, अधिकार.
आधीन (हि. गु.) आज्ञाकारी, तावेदार.
आधेय (सं. गु.) धरने लायक.
आन (हि. स्त्री.) कान, लाज, संकोच.
आन (हि. गु.) और, दूसरा.
आन (हि. स्त्री.) आज्ञा, सौगंद.
आनक (सं. पु.) नगारा, वा नकारा.
आनन (सं. पु.) मुँह, मुख.
आनन्द (हि. पु.) हर्ष, सुख, खुशी.
आनन्ददायी (हि. पु.) सुख देनेवाला.
आनन्दी (सं. गु.) प्रसन्न.
आनना (हि. क्रि. स.) लाना.
आनरेबल (अं.) प्रतिष्ठित.
आनीत (सं. पु.) लाया हुआ.
आनेता (सं. पु.) लानेवाला.
आन्दोलन (सं. पु.) चलन, हरकत देना, ध्यान, झूलना, अनुसंधान.
आप (हि. सर्वना.) अपने, तुम, खुद, अपना.
आप (सं. पु.) पानी, जल.
आपकाजी (हि. गु.) स्वार्थी.
अपक्व (सं. पु.) थोडा पका हुआ.
आपण (सं.) दूकान, हाट.
आपणिक (सं. पु.) वनिया, दूकानदार.
आपत्ति } (सं. स्त्री.) (आ+पद्=
आपद् } जाना) विपत्ति, अभाग,
आपदा } बुरे दिन, दुःख.
आपन्न (सं. पु.) अभागा, दुःखी, शरणमें आया हुआ, शरणागत.
आपस (हि. सर्वना.) परस्पर, एक दूसरेको, भाईबन्ध.
आप्त (सं. पु.) (आप=फैलना, लाभ) विश्वासित, लब्ध, यथार्थ.
आपाक (सं. पु.) आवा, पजावा.
आपान (सं.) शरावकी दूकान.
आफिस (अं. पु.) कार्यालय, कचहरी.
आफू (हि. पु.) अमल, अफीम.
आफूक (सं. पु.) अफीम.
आभरण (सं. पु.) गहना, अलंकार.
आभा (सं. स्त्री.) शोभा, चमक.
आभाष (सं. पु.) भूमिका, मुखबन्ध.
आभाषण (सं. पु.) कथन, कहना.
आभूषण (सं. पु.) गहना, जेवर.
आभास (सं. पु.) प्रकाश, रोशन होना.
आभिज्ञ (सं. पु.) ज्ञाता, आगाह.
आभीर (सं. पु.) अहीर, ग्वाल.
आम (हि. पु.) एक फलका नाम.
आम (सं. पु.) एक प्रकारका पेटका रोग, अजीर्ण.
आमय (सं. पु.) रोग, बीमारी, पीडा.
आमर्ष (सं. पु.) क्रोध. गुस्सा, डाह.
आमला } (हि. पु.) (सं. आमलक.)
आंवला } एक पेड और फलका नाम, आंवरा.
आमाशय (सं. पु.) (आम=आंव, आशय=जगह) ओझरी, पचौनी.
आमिष (सं. पु.) मांस, खानेकी चीज.
आमिषाशी (सं. पु.) मांसभक्षी.

आमोद (सं. पु.) आनन्द, हर्ष, सुवास.
आमोदित (सं. पु.) हर्षित, खुश.
आम्र (सं. पु.) आमका फल वा पेड.
आमंत्रण (सं. पु.) न्योता, दावत.
आय (सं. पु.) लाभ, आमदनी.
आयत (सं. गु.) लंबा, चौडा, फैला हुआ, ऐसी खेत जिसकी आमने सामनेकी भुजा बराबर हो और कोने सम कोन हों.
आयतन (सं. पु.) घर, जगह, स्थान.
आयसु (हि. स्त्री.) आज्ञा, हुक्म.
आयात (सं. पु.) आया, पहुँचा.
आयास (सं. स्त्री.) मिहनत, परिश्रम.
आयु (सं. स्त्री.) उमर, जीवन, काल.
आयुध (सं. पु.) हथियार, शस्त्र.
आर (हि. पु.) आंकुश, मंगल, शनैश्वर, लोहार, चमार.
आरण्य (सं गु.) जंगली, वनैला.
आरज (हि. गु.) (सं. आर्य) बडा, पूज्य, श्रेष्ठ, ससुर.
आरत (हि. गु.) पीडित, व्याकुल.
आरति (हि. स्त्री.) दुःख, पीडा, रोग.
आरती (हि. स्त्री.) }
आरता (हि. पु.) } पूजामें देवताके सामने दीपक दिखलाना, व्याहकी एक रीति.
आरब्ध (सं. पु.) उपक्रान्त, शुरू किया गया, आरंभित.
आरम्भ (सं. पु.) शुरू, आरम्भ.
आरा (सं. स्त्री.) करांत, छेदनी, सूजा.
आरात् (सं. अव्य.) दूर, समीप.
आराति (सं. पु.) वैरि, दुश्मन.
आराधक (सं. पु.) पूजनेवाला, सेवक.
आराधन (सं. पु.) }
आराधना (सं. स्त्री.) } पूजा, सेवा, भक्ति, इबादत.
आराम (सं. पु.) बगीचा, उपवन.
आरूढ (सं. गु.) चढा हुआ, सवार.
आरोग्य (सं. पु.) निरोगता, आराम.
आरोप }
आरोपन } (सं. पु.) जमाना, स्थापन करना.
आरोपित (सं. पु.) रोपा हुआ, बोया हुआ, रखा हुआ, बदला हुआ.
आर्द्र (सं. गु.) गीला, भीगा.
आर्य (सं. गु.) बडा, श्रेष्ठ, हिन्दू.
आर्यावर्त्त (सं. पु.) हिन्दुस्तानकी वह पवित्र भूमि जो पूर्व समुद्रसे पश्चिम समुद्रतक फैली हुई है तथा हिमालय और विन्ध्याचलसे घिरी हुई है.
आलम्ब }
आलम्बन } (सं. पु.) आसरा, सहारा.
आलय (सं. पु.) घर, जगह, स्थान.
आलवाल (सं. पु.) घेरा, थाला, पेडकी जडके आसपासका घेरा.
आलस्य }
आलस } (सं. पु.) सुस्ती, आसकत, ढील.
आलसी (हि. गु.) सुस्त, काहिल.
आला (हि. पु.) ताक, ताखा.
आलान (सं. पु.) हाथीके बाँधनेका रस्सा, जंजीर.
आलाप (सं. पु.) बातचीत.
आलापनीय (सं. पु.) कहने लायक.
आलिङ्गन (सं. पु.) गले लगाना, मिलना, छातीसे लगाना.
आली (हि. स्त्री.) सखी, सहेली.
आलीढ (सं. पु.) चाटा, स्वाद लिया.
आलेख्य (सं. पु.) लिखा.
आलोक (सं. पु.) दर्शन, चमक, ज्योति.
आलोकन (सं. पु.) देखना, दर्शन.
आलोचना (सं. पु.) विचारना, शुद्ध करना, नजरसानी करना.

आलोच्य (सं. अव्य.) विचारकर.
आलोडन (सं. पु.) मथना, खोजना.
आलोल (सं. गु.) चञ्चल.
आल्हा (हिं. पु.) एक कविका नाम जिसके नामसे आल्हा छन्द बना है.
आवरण (सं. पु.) ढकना, पर्दा.
आवभक्ति } आवभगत } (हि. स्त्री.) आदर, सत्कार.
आवर्जन (सं.) मना करना, रोकना.
आवर्त्त (सं. पु.) घुमाव, फेर.
आवलि (सं. स्त्री.) पाँत, श्रेणि,
आवश्यक. (सं. गु.) जरूरी.
आवर्दा } आव } (हि. स्त्री.) उमर, अवस्था.
आवागमन } आवागवन } (हि. पु.) आना जाना, आमदरफ्त.
आवाहन (सं. पु.) बुलाना, देवताको मन्त्रोंसे बुलाना.
आविर्भाव (सं. पु.) जाहिर होना, प्रगट होना.
आविर्भूत (सं. गु.) जाहिर, प्रत्यक्ष.
आविष्कार } आविष्कृत } (सं. पु.) निकला हुआ.
आविष्ट (सं. पु.) बैठा, घुसा.
आवृत्त (सं. पु.) घेरा हुआ, ढका हुआ.
आवृत्ति (सं. पु.) अभ्यास, बार २ कहना.
आवेदन (सं. पु.) निवेदन, गुजारिश.
आवेद्यसंग्रह (सं. पु.) वह पत्र जिसमें जमींदार अपना स्वत्व सरकारमें दाखिल करते हैं.
आवेश (सं. पु.) घुसना, घमंड, क्रोध.
आवेशन (सं.) प्रवेश; शिल्पशाला.
आशंसा (सं. स्त्री.) चाह, इच्छा, अभिलाष.
आसक्त (सं. पु.) लगा हुआ, लीन, आशिक.
आशंका (सं. स्त्री.) डर, भय, संदेह.
आशय (सं. पु.) मतलब, अभिप्राय, स्थान.
आशा (सं. स्त्री.) भरोसा, आसरा.
आशातीत (सं. गु.) उम्मेदसे अधिक.
आशिस् (सं. स्त्री.) आशीर्वाद, आसीस, दुआ, वर.
आशीर्वचन } आशीर्वाद } (सं. पु.) आसीस, दुआ.
आशु (सं. क्रि. वि.) (अश्=फैलना) झटपट, जल्द, शीघ्र.
आशुतोष (सं. पु.) महादेव, शिव.
आश्चर्य (सं. पु.) आचम्भा, अचरज.
आश्रम (सं. पु.) ऋषियोंके रहनेकी जगह, अवस्थाके चार भेद १ ब्रह्मचर्य २ गृहस्थ ३ वानप्रस्थ ४ संन्यास.
आश्रय (सं. पु.) आसरा, अवलम्ब, घर, जगह.
आश्रयभूत (सं. गु.) आसरागीर.
आश्रयस्थान (सं. पु.) शरणकी जगह, उम्मेदगाह.
आश्रित (सं. पु.) शरणागत, आधीन.
आश्लेश (सं. पु.) जुडना, मिलना.
आश्वासन (सं. पु.) भरोसा देना, सिखापन करना.
आश्वास्य (सं. अव्य.) समझाकर.
आश्विन (सं. पु.) कुआर, छठा महीना.
आषर (हिं. पु.) हर्फ, चिह्न.
आषाढ (सं. पु.) असाढ, तीसरा महीना.
आस (हि. स्त्री.) भरोसा, आसरा.
आसन (सं. पु.) बिछावन, ऊनकी बनी हुई चीज जिसपर लोग संध्या पूजाके समय बैठते हैं.

आसन्न (सं. गु.) पास, निकट.
आसव (सं. स्त्री.) मदिरा, शराब.
आसिख (हि. स्त्री.) आसीस.
आसिन (हि. पु.) कुआर महीना.
आसीन (हि. गु.) बैठा हुआ.
आस्तिक (सं. पु.) जो ईश्वर और परलोकको मानता है.
आस्पद (सं. पु.) पद, उहदा, स्थान.
आस्य (सं. पु.) मुँह, मुख.
आस्वाद / आस्वादन (सं. पु.) रस, स्वाद, चाट.
आस्वादक (सं. पु.) स्वाद लेनेवाला.
आहट (हि. पु.) आवाज, शब्द.
आहार (सं. पु.) भोजन, खाना.
आहि (हि. क्रि. अ.) है.
आहुति (सं. स्त्री.) होमकी सामग्री.
आह्निक (सं. पु.) हरएक दिनका धर्मसम्बन्धी काम.
आह्लाद (सं. पु.) आनन्द, हर्ष, खुशी, हुलास.
आह्वान (सं.) (आ+ह्वे=बुलाना) बुलाना, आवाहन.

इ.

इ (सं. पु.) कामदेवका नाम, विस्मय, निन्दा, सम्बोधन, खेद.
ईंदारा (हि. पु.) कुँआ.
इक (हि. गु.) एक.
इकछत राज (हि. पु.) चक्रवर्ती राज, सारे संसारका राज.
इकटक (हि. पु.) एकताक, टकटकी.
इकलौता (हि. गु.) एकही, केवल.
इकसार (हि. गु.) बराबर, सरीखा.
इकसंग (हि. गु.) एक साथ.
इक्का (हि. गु.) अकेला, अनूठा. (पु.) एक घोडेकी एक तरहकी हल्की गाडी.
इक्षु (सं. स्त्री.) ऊख, केतारी.
इक्षुरस (सं. पु.) केतारीका रस.
इक्ष्वाकुवंशी (सं. गु.) इक्ष्वाकुराजाके वंशमें, सूर्यवंशी.
इच्छा (सं. स्त्री.) चाहना, कामना, इरादा, ख्वाहिश.
इच्छुक (सं. पु.) अभिलाषी, ख्वाहिशमन्द.
इज्या (सं. स्त्री.) पूजा, सेवा.
इडा (सं. स्त्री.) पृथ्वी, नाडी, स्वर्ग, वाणी, वामनालिका.
इत (हि. क्रि. वि.) यहाँ, इधर.
इतर (सं. अव्य.) अन्य, भिन्न, नीच.
इति (सं. क्रि. वि.) इस प्रकार, ऐसे, यहांतक, पूरा, समाप्त.
इतिहास (सं. पु.) पुरानी कथा, तवारीख.
इत्थम् (सं. क्रि. वि.) इस तरह, इस प्रकार.
इत्यादि (सं. क्रि. वि.) इसके सिवाय, औरभी, वगैरह.
इदानीं (सं. क्रि. वि.) अभी, इसी वक्त.
इन (सं. पु.) सूर्य, समर्थ, राजा, पति.
इन्कम्टेक्स (अं.) आमदनीपर महसूल.
इङ्ग (सं.) चेष्टा, ज्ञान, चिह्न करना.
इङ्गित (सं. पु.) (इङ्ग+इत) इशारा, चिह्न.
इन्दिरा (सं. स्त्री.) (इदि=ऐश्वर्य रखना) लक्ष्मी.
इन्दीवर (सं. पु.) नील कमल.
इन्दु (सं. पु.) चाँद, चन्द्रमा, कपूर.
इन्दुर (सं. पु.) चूहा.

इन्द्र (सं. पु.) देवताओंका राजा.
इन्द्रजाल (सं. पु.) मन्त्रादिसे चीजें और तरहसे दिखाना, बाजीगिरी, छल-कपट, धोखा.
इन्द्रजित् (सं. पु.) मेघनाद, रावणका बेटा.
इन्द्रधनुष (सं. पु.) पनसूखा, बरसातके दिनोंमें मेहके कणोंपर सूर्यकी किरण पडनेसे जो धनुषके आकारसा देख पडता है.
इन्द्रप्रस्थ (सं. पुं.) दिल्ली, देहली.
इन्द्रवधू (सं. स्त्री.) इन्द्राणी, लाल कीडा, बीरबहूटी.
इन्द्राणी (सं. स्त्री.) इन्द्रकी स्त्री, शची, एक प्रकारकी दवा.
इन्द्रासन (सं. पु.) राजा इन्द्रका सिंहासन
इन्द्रिय (सं.) } जिनसे रूप, रस,
इन्द्री (हि.) } अथवा करना, चलना, आदिका ज्ञान होता है.
इन्धन (सं.) } (इन्धू=जलाना) जला,
ईंधन (हि.) } वन, लकडी.
इम्ली (हि. स्त्री.) अमली, एक पेडका नाम.
इमि (हि. क्रि. वि.) ऐसे, इस तरहसे.
इमरती } (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी
इमरती } मिठाई.
इलायची (हि. स्त्री.) एलाची, एक प्रकारका गर्म मशाला.
इव (सं. क्रि. वि.) समान, बराबर, जैसे.
इषु (सं. पु.) बाण, शर.
इषुधि (सं. पु.) तरकस, तूण.
इष्ट (सं. पु.) चाहा हुआ, माना हुआ, प्यारा, पूजने योग्य, अपना देवता
इष्टदेव (सं. पु.) माना हुआ देवता, अपना देवता, पूजनीय.
इहि (हि. क्रि. वि.) इस तरह, यहां, इसमें, इस जगह.

ई.

ई (सं. पु) कामदेव. (स्त्री.) लक्ष्मी.
ईंट (हि. स्त्री.) मिट्टीकी बनाई वस्तु, जिससे मकानादि बनाये जाते हैं.
ईक्षक (सं. पु.) दिखैया, देखनेवाला.
ईक्षण (सं. पु.) आँख, दर्शन, देखना.
ईक्षित (सं.) देखा हुआ.
ईख (हि. स्त्री.) ऊख, केतारी.
ईठ (हि. पु.) चाहा हुआ.
ईडा (सं. स्त्री.) बडाई करना, तारीफ करना.
ईति (सं. स्त्री.) उपद्रव, आपदा.
ईदृश } (सं. गु.) ऐसा, इस भाँतिका
ईदृक्ष } इस प्रकारका.
ईप्सा (सं. स्त्री.) पानेकी इच्छा.
ईप्सित (सं. पु.) चाहा हुआ, वांछित.
ईर्ष्या (सं.) } डाह, द्रोह किसीकी,
ईर्षा (हि.) } बढती देखकर जलना, हसद.
ईर्षी (सं. पु.) द्रोही, डाही.
ईश (सं. पु.) ईश्वर, शिव, राजा, मालिक, प्रभु.
ईशान (सं. पु.) महादेव, पूर्व और उत्तरके बीचका कोन.
ईशिता (सं. स्त्री.) } बडाई, बडप्पन.
ईशित्व (सं. पु.) } एक सिद्धिका नाम,
ईश्वर (सं. पु.) परमेश्वर, मालिक.
ईश्वरता (सं. स्त्री.) प्रभुता.
ईश्वरकृत (सं. पु.) परमेश्वरका बनाया हुआ.
ईश्वरोक्त (सं. पु.) परमेश्वरका कहा हुआ.
ईषत् (सं. क्रि. वि.) थोडा, किञ्चित्.
ईस (हि. पु.) परमेश्वर, महादेव.
ईहा (सं. स्त्री.) यत्न, चेष्टा, उपाय.

उ.

उ (सं. पु.) महादेव, कोपवचन.
उकटना (हि. क्रि. स.) उखाडना, भेद लेना, छिपी बातको खोलना.
उकसना (हि. क्रि. अ.) ऊँचा होना, उठना.
उक्त (सं. पु.) कहा हुआ, बोला हुआ.
उक्ति (सं. स्त्री.) कहना, बोलना, कलाम, दलील.
उकताना (हि. क्रि. अ.) घबराना, उदास होना, थकना.
उखडाना } (हि. क्रि. स.) जडसे तोड डालना, उजाडना, नाश करना.
उखाडना }
उखल (हि. पु.) } ओखली, जिसमें चावल वगैरह कूटते हैं.
उखली (हि. स्त्री.) }
उगना (हि. क्रि. अ.) पैदा होना, निकलना.
उगलना (हि. क्रि. स.) मुँहमें कोई चीज लेकर निकाल देना, वमन करना, कय करना.
उगाहना (हि. क्रि. स.) जमा करना, बटोरना, तहशील करना.
उग्र (सं. गु.) कठोर, भयंकर, डरावना, (पु.) महादेवका नाम.
उग्रता (सं. स्त्री.) कठोरता, तेजी.
उग्रसेन (सं. पु.) मथुराका राजा, आहुक राजाका बेटा.
उघडना } (हि. क्रि. अ.) खुल जाना, प्रगट होना, नंगा होना.
उघरना }
उघाडना } (हि. क्रि. स.) खोलना, जाहिर करना, नंगा करना.
उघारना }
उचकना (हि. क्रि. अ.) कूदना, उछलना.
उचक्का (हि. पु.) ठग, छली, पाखंडी.
उचटना (हि. क्रि. अ.) अलग २ होना, उखडना, उदास होना.
उचरना } (हि. क्रि. स.) बोलना, कहना, शब्दोंका उच्चारण करना.
उच्चरना }
उचाटना (हि. क्रि. स.) (उत्=ऊपर, चट्=तोडना) जुदा जुदा करना, अलग अलग करना.
उचित (सं. पु.) योग्य, मुनासिब, ठीक.
उच्च (सं. गु.) ऊँचा, लम्बा, उन्नत.
उच्चस्वर (सं. पु.) बडा शब्द, बुलंद आवाज.
उच्चार (सं. पु.) कथन, वर्णन, उच्चारना.
उच्चरित (सं. पु.) कहा हुआ, कथित.
उच्छिन्न (सं. पु.) कटा हुआ, उखडा हुआ.
उच्छिन्नता (सं. स्त्री.) नाश, खराबी.
उच्छिष्ट (सं. पु.) जूठा, खानेके पीछे बचा हुआ खाना.
उच्छेद (सं. पु.) विनाश, खराबी, काटना.
उच्छेदी (सं. पु.) नाशक, काटनेवाला.
उछंग (हि. स्त्री.) गोदा, गोद.
उछरना } (हि. क्रि. अ.) कूदना, कूद उठना, ऊपर उठना.
उछलना }
उछाह (हि. पु.) आनन्द, खुशी.
उजागर (हि. गु.) नामवर, प्रतापी, मशहूर.
उजाला } (हि. पु.) प्रकाश, तेज, चमक.
उजियारा }
उज्ज्वल (सं. पु.) साफ, निर्मल, चमकीला.
उझकना (हि. क्रि. स.) ताकना, झांकना.
उझड } (हि. गु.) गंवार, अनगढ मूर्ख, अखड.
उज्झंड }
उझलना (हि. क्रि. स.) एक बरतनसे दूसरेमें रखना.
उट (सं. पु.) तिनका, पत्ता, घास.
उटज (सं. पु.) पत्तोंका घर, पर्णशाला,

उन्नत (सं. गु.) ऊँचा, बढा हुआ.
उन्नति (सं. स्त्री.) ऊँचाई, बढती.
उन्नमित (सं. पु.) झुकाया गया.
उन्मत } (सं. पु.) मतवाला, पागल,
उन्मद } बौड़हा, नशेबाज.
उन्माद (सं. पु.) पागलपन, बौडही.
उन्मान (सं.) तराजूकी तौल.
उन्मीलन (सं. पु.) फूलना, खिलना.
उन्मुख (सं.) सामने, उत्सुक.
उन्मूलन (सं. पु.) उखाडना.
उप (सं. उपस.) समीप, बराबर, छोटा, अधिक, आरंभ, नाश.
उपकार (सं. पु.) भलाई, सहायता.
उपकारी (सं. पु.) भला करनेवाला, सहायक.
उपकारिणी (सं. स्त्री.) भला करनेवाली.
उपक्रम(सं. पु.) आरम्भ, सूचना, भूमिका.
उपखान (हि.पु.) कथा, इतिहास.
उपगम (सं. पु.) यात्रा, प्राप्ति, उदय.
उपगुरु (सं. पु.) छोटा मास्टर.
उपचार (सं. पु.) सेवा, उपाय, इलाज.
उपज (हि. स्त्री.) विना सोचे जो कुछ बात उसी दम कही जाय.
उपजीवी (सं. पु.) आसरागीर.
उपडना (हि. क्रि. अ.) उखडना.
उपदंश (सं. पु.) गर्मीका रोग, सांपका काटना.
उपदा (सं. स्त्री.) भेंट.
उपदेश (सं. पु.) शिक्षा, सिखापन, सलाह, मंत्र देना.
उपदेशक } (सं. पु.) उपदेश देनेवाला,
उपदेशी } शिक्षक, गुरु, आचार्य.
उपदेष्टा }
उपद्रव (सं. पु.) उपाध, बखेडा, अन्धेर.
उपद्वीप (सं. पु.) टापू, छोटा टापू.
उपधान (सं. पु.) तकिया.
उपनयन (सं. पु.) यज्ञोपवीत, जनेऊ.
उपनिषद् (सं. पु.) वेदका अङ्ग, वेदान्त शास्त्र.
उपनेत्र (सं. पु.) चश्मा.
उपन्यास (सं. पु.) कथन, कहानी, स्थापन, त्याग, रखना.
उपपत्ति (सं. स्त्री.) (उप=पास, पद्=जाना) योग्यता, युक्ति, सबूत, प्रमाण.
उपपातक (सं. पु.) (उप=छोटा, पातक=पाप) छोटा पाप.
उभयपक्षीय (सं. गु.) दोनों तरफके.
उपमा (सं. स्त्री.) बराबरी, समानता, मिसाल, एक अलंकारका नाम.
उपमान (सं. पु.) पूरा गुणवाला.
उपमेय (सं. पु.) कम गुणवाला.
उपयुक्त (सं. गु.) योग्य, ठीक, उचित.
उपयोग (सं. पु.) इस्तेमाल, व्यवहार.
उपयोगी (सं. गु.) ठीक, योग्य, सहायक, इस्तेमाल करने लायक.
उपरना (हि. पु.) दुपट्टा, ओढनी, अँचला,
उपराग (सं. पु.) गहन, ग्रहण.
उपरान्त (हि. क्रि. वि.) इसके पीछे, फिर.
उपरोक्त (सं. पु.) ऊपर कहा हुआ.
उपरोहित (हि. पु.) पुरोधा, पुरोहित.
उपल (सं. पु.) पत्थर, पाषाण.
उपलब्धि (सं. स्त्री.) प्राप्ति, मिलना.
उपलसित (सं. पु.) संगमर्मर.
उपवन (सं. पु.) बाग, फुलवारी.
उपवास (सं. पु.) उपास, भूखा रहना.
उपवीत (सं. पु.) जनेऊ.
उपवेद (सं. पु.) १ आयुस्, २ गन्धर्व, ३ धनुष, ४ स्थापत्य इन्हीं चार विद्याओंको उपवेद कहते हैं.

उपवेष्टन (सं. पु.) लपेटना, बसना, जामा.
उपशम (सं. पु.) शान्ति, समता, निग्रह.
उपसर्ग (सं. पु.) अव्यय, जो क्रियाके साथ लगाये जाते हैं जैसे प्र, परा आदि.
उपस्थान (सं. पु.) नजदीकी, मौजूदगी, हाजरी, सेवा, स्तुति.
उपस्थित (सं. गु.) हाजिर, सामने, तैयार.
उपहार (सं. पु.) भेंट, पूजा.
उपहास (सं. पु.) हँसी, निन्दा.
उपहासक (सं. पु.) हँसनेवाला, मसखरा.
उपहास्य (सं. पु.) हँसने लायक, निन्दनीय.
उपाख्यान (सं. पु.) पुरानी कथा, इतिहास.
उपाडना (हि. क्रि. स.) उखाडना.
उपाध (हि. स्त्री.) उपद्रव, बिगाड.
उपाधान (सं.) तकिया.
उपाधि (सं. स्त्री.) पदवी, विशेषण.
उपाधिकारक (सं. पु.) झगडाऊ, फसादी.
उपाध्याय (सं. पु.) पढानेवाला, गुरु.
उपानह् (सं. पु.) जूता, पनहीं.
उपाना (हि. क्रि. स.) पैदा करना, कमाना.
उपाय (सं. पु.) तदबीर, साधन.
उपायी (सं. पु.) तदबीर करनेवाला.
उपायन (सं. पु.) भेंट, नजर, उपहार.
उपार्जन (सं. पु.) कमाई, संग्रह.
उपार्जित (सं.) कमाया हुआ.
उपार्जनीय (सं. पु.) इकट्ठा करने लायक, संग्रहयोग्य.
उपालम्भ (सं. पु.) शिकायत, निन्दा, उरहना, वार्ता.
उपालम्भन (सं. पु.) मलामत, झिडकी.
उपासक (सं. पु.) पूजनेवाला, दास.
उपासना (सं. स्त्री.) सेवा, पूजा, भक्ति.
उपास (हि. पु.) लंघन, विना भोजन.
उपासनीय (सं. गु.) सेवायोग्य, सेव्य, खिदमतके लायक.
उपास्य (सं.) पूजने लायक.
उपेक्षा (सं. स्त्री.) गफलत, ढील.
उपेक्षित (सं. पु.) छोडा गया.
उपेत (सं.) शामिल.
उपेन्द्र (सं. पु.) वामन, इन्द्रका छोटा भाई.
उफनना (हि. क्रि. अ.) बाहर निकलना.
उबटन (हि. पु.) शरीरके मैल दूर करनेके लिये मशाला लगाना.
उबलना (हि. क्रि. अ.) खौलना.
उबारना (हि. क्रि. स.) बचाना, छुडाना.
उभय (सं. गु.) दो, दोनों.
उभरना (हि. क्रि. अ.) बढना, उमडना, निकलना, उठना.
उभारना (हि. क्रि. स.) भडकाना, फुलाना, खडा करना.
उमंग (हि. स्त्री.) बहुत आनन्द, खुशी, अभिलाष, इच्छा.
उमडना (हि. क्रि. अ.) छलकना, बहुत भरनेसे फूट निकलना.
उमा (सं. स्त्री.) पार्वती, भवानी, गिरिजा.
उमापति (सं. पु.) महादेव, शिव.
उमासुत (सं. पु.) कार्तिकेय, देवताओंका सेनापति.

उमेश (सं. पु.) महादेव, शिव.
उर (हि. पु.) छाती, हृदय.
उरग (सं. पु.) (उरस्=छाती, गम्=चलना) साँप, सर्प, भुजंग.
उरगाद (सं. पु.) (उरग=साँप, अद्=खाना) गरुड, विष्णुका वाहन.
उरगारि (सं. पु.) गरुड, विष्णुका वाहन.
उरू (सं. गु.) चौडा, विशाल, (स्त्री.) जाँघ.
उरिण (हि. गु.) कर्जसे छूटना, उतरन.
उर्वरा (सं. स्त्री.) उपजाऊ धरती.
उर्वशी (सं. स्त्री.) एक अप्सराका नाम.
उर्वी (सं. स्त्री.) धरती, पृथ्वी.
उर्विजा (सं. स्त्री.) सीताजी, जानकीजी.
उलझना (हि. क्रि. अ.) फँसना, झगडना.
उलटना (हि. क्रि. स.) फेरना, पलटना, नीचे ऊपर करना, औंधना.
उलटपुलट (हि. मुहा.) तले ऊपर, गडबड.
उलथा (हि. पु.) तर्जुमा, अनुवाद.
उलहना (हि. पु.) शिकायत, निन्दा.
उलहना देना (हि. मुहा.) शिकायत करना, निन्दा करना, दोष लगाना.
उलीचना (हि. क्रि. स.) पानी लेना.
उलूक (सं. पु.) उल्लू, घुघुआ.
उल्का (सं. स्त्री.) तारा जो आकाशसे गिरती है.
उल्लंघन (सं. पु.) उलटा करना, रीति तोडना, लाँघना.
उल्लास (सं. पु.) (उद्=ऊपर, लस=खेलना) खुशी, प्रसन्नता, अध्याय, परिच्छेद.
उल्लंघन (सं. पु.) पार होना, फाँद जाना.
उल्लू (हि. पु.) घुघुआ, पेचा, मूर्ख, गँवार.
उल्लेख (सं. पु.) वर्णन, बखान, एक अलंकारका नाम.
उशना (सं. पु.) शुक्राचार्य.
उषा (सं. पु.) भोर, प्रभात. (स्त्री.) बाणासुरकी बेटी और अनिरुद्धकी स्त्री.
उष्ट्र (सं. पु.) ऊँट.
उष्ण (सं. गु.) गर्म.
उष्णिक् (सं.) पगडी, शिरबन्द.
उष्णता (सं. स्त्री.) गरमी.
उष्मा (सं. स्त्री.) (उष्=जलाना) गरमी, धूप, ताप.
उसरना (हि. क्रि. अ.) टलना, पीठ देना.
उसारा (हि. पु.) ओसारा, बरामदा.
उसास (हि. पु.) ऊपरको साँस लेना.
उसीसा (हि. पु.) (सं. उच्छीर्षक) उद्=ऊपर, शीर्ष=शिर) सिरहाना, तकिया.

ऊ.

ऊ (सं. पु.) (अव्=बचाना) महादेव, बन्धन, चांद.
ऊँघना (हि. क्रि. अ.) आँख लगना, निद्रालु होना, झपकी लेना.
ऊँच } ऊँचा } (हि. गु.) (सं. उच्च) लम्बा, ऊपर.
ऊँचा बोल बोलना (हि. मुहा.) अभिमानसे बोलना.
ऊँचा सुनना (हि. मुहा.) कम सुनना.
ऊँचाकानी (हि. मुहा.) बहरापन.
ऊँट (हि. पु.) (सं. उष्ट्र) ऊँट, एक जानवरका नाम.
ऊँटकटारा (हि. पु.) एक तरहके पौधेका नाम, जिसको ऊँट चरते हैं.

ऊख (हि. स्त्री.) (सं. इक्षु) ईख, केतारी.

ऊद / ऊदबिलाव } (हि. पु.) (सं. उद्र) एक पानीके जानवरका नाम.

ऊदा (हि. गु.) भूरा, धूँधला.

ऊधो (हि. पु.) (सं. उद्धव) श्रीकृष्णजीके मित्र और चचा.

ऊन (हि. स्त्री.) पशम, भेडी वा बकरीके पीठपरका बाल.

ऊन (सं.) / ऊना (हि.) } (ऊन=कम होना) (गु.) कमती, थोडा, हीन.

ऊपरी (हि. गु.) परदेशी, ऊपरका.

ऊघट (हि. पु.) विकट रास्ता.

ऊरु (सं. पु.) जंघा, जाँघ.

ऊर्ध्व (सं. गु.) ऊपर, ऊँचा, लम्बा.

ऊर्ध्वपुण्ड्र (हि. पु.) लम्बा तिलक.

ऊर्ध्वबाहु (सं. गु.) ऊँचा हाथ रखनेवाला, तपस्वी.

ऊर्ध्वसाँस (हि. पु.) ऊपरका दम.

ऊर्म्मि (सं. स्त्री.) लहर, तरंग.

ऊपर (सं. गु.) (ऊप=बीमार होना) ऐसी धरती जिसमें बोनेसे कुछ नहीं उपजता.

ऊषा (सं. स्त्री.) बाणासुरकी बेटी.

ऊषाकाल (सं. पु.) भोरका समय, प्रभातकाल.

ऊहा (सं. स्त्री.) तर्क, वितर्क, दलील.

ऋ.

ऋ (सं. स्त्री.) अदिति, देवताओंकी माता. (पु.) सूर्य, गणेश, विष्णु.

ऋक् (सं. पु.) (ऋच=सराहना) पहला वेद, ऋग्वेद.

ऋचा (सं. स्त्री.) वेदका मन्त्र.

ऋच्छेश (हि. पु.) भालुओंका राजा, जाम्बवन्त.

ऋजु (सं. गु.) सीधा, सरल, सूधा.

ऋण (सं. पु.) उधार, कर्ज देना, घटाव.

ऋणपत्र (सं. पु.) तमस्सुक.

ऋणमुक्तपत्र (सं. पु.) फारिगखती.

ऋणी (सं. गु.) कर्जदार, देनदार.

ऋत (सं. पु.) (ऋत=जाना) सत्य, मोक्ष, पूजन, कटे खेतसे बाली बीनना.

ऋतु (सं. स्त्री.) मौसिम २ स्त्रियोंके कपडेसे होनेका समय. सालमें ६ ऋतु होते हैं जैसे चैत वैशाख वसन्त प्रमाना। ग्रीष्म जेठ आषाढहि जाना॥ वर्षा सावन भादो माना। आश्विन कातिक शरद बखाना॥ अगहन पूस हेमन्तहि गाई। माघहिं फागुन शिशिर सुहाई॥

ऋतुमती (सं. स्त्री.) रजस्वला, हैजसे.

ऋतुराज (सं. पु.) वसन्तऋतु, मौसमबहार.

ऋतुस्नान (सं. पु.) स्त्रियोंके कपडेसे होनेके पीछे चौथे दिनका स्नान.

ऋत्विज (सं. पु.) यज्ञ करानेवाला, पुरोहित, याचक.

ऋद्धि (सं. स्त्री.) सम्पदा, धन, दौलत, बढती, एक औषधीका नाम, पार्वती.

ऋषि (सं. पु.) मुनि, तपस्वी, ऋषि सात प्रकारके होते हैं १ श्रुतर्षि जिससे पवित्र कथा सुनी हो, २ काण्डर्षि जो वेदका कोई मुख्य काण्ड सिखलाता हो, ३ परमर्षि जिसमें मुनि भेल आदि हैं, ४ महर्षि जिसमें व्यास आदि हैं, ५ राजर्षि जैसे विश्वामित्र, ६ ब्रह्मर्षि जिसमें वशिष्ठजी हैं, ७ देवर्षि जिसमें नारद आदि हैं.

ऋषीश (सं. पु.) ऋषियोंमें श्रेष्ठ.

ऋष्यमूक (सं. पु.) एक पहाडका नाम जो किष्किन्धापुरीमें है.

ॠ.

ॠ (सं. स्त्री.) देवताओंकी मा, दानवोंकी मा. (पु.) शिव, भैरव, राक्षस.

ए.

ए (सं. पु.) विष्णु.

एक (सं. गु.) गिनतीका पहला अंक, मुख्य, पहला, सिर्फ, केवल.

एकआध (हि. मुहा.) कुछ, थोडा.

एकचित्त (सं. गु.) एकमन, जिसका ध्यान एकही चीजपर हो.

एकत्र (सं. क्रि. वि.) एक जगह, इकट्ठा, एक ठौर.

एकत्रित (सं. पु.) इकट्ठा किया.

एकदा (सं. क्रि. वि.) एक समय.

एकधा (सं. क्रि. वि.) एक तरह.

एक न एक (हि. मुहा.) एक या दूसरा.

एकरत्ती (हि. मुहा.) बहुत थोडा.

एकरस (सं. पु.) जो एकसा रहे.

एकरूप (सं. पु.) एकसा, बराबर.

एकलौता (हि. गु.) एकही.

एकसर (सं. क्रि. वि.) एक साथ.

एका (हि. पु.) मेल, मिलाप.

एकाएकी (हि. क्रि. वि.) अचानक.

एकाक्ष (सं. पु.) काना, एक आंखका.

एकाग्र (सं. गु.) एकाचित्त, एकदिल.

एकादशी (सं. स्त्री.) ग्यारहवीं तिथि.

एकाधिपति (सं. पु.) चक्रवर्ती राजा.

एकान्त (सं. गु.) निराला, सूनसान.

एञ्जिनीयर (अं.) इमारत बनानेवाला.

एड (हि. स्त्री.) एडी.

एड मारना (हि. मुहा.) घोडेको एडीसे मारना.

एतत् (सं. सर्वना.) यह.

एतदर्थ (स.) इसलिये.

एतवार (हि. पु॰) (सं. आदित्यवार) इतवार, रविवार.

एतादृश (सं. गु.) इसी तरहसे, ऐसाही.

एतावत् (सं. गु.) इतना, इतनी.

एरण्ड (सं. पु.) रेंड, एक पेडका नाम.

एला (सं. स्त्री.) इलायची.

एवम् (सं.) इस तरह, इस भाँति.

ऐ.

ऐ (सं. पु.) शिव, बुलाना, सम्बोधन.

ऐक्ट (अं.) नियम, कानून.

ऐक्यता (सं. पु.) मेल, एकमत.

ऐंचना (हि. क्रि. स.) खेंचना.

ऐंठ (हि. स्त्री.) मरोड, अकड.

ऐंठना (हि. क्रि. स.) कसना, खींचना.

ऐड्रस (अं.) अभिनन्दनपत्र, पत्ता, शिरनामा.

ऐरावत (सं. पु॰) इन्द्रका हाथी.

ऐरावती (सं. स्त्री.) ब्रह्मादेशके एक नदीका नाम.

ऐरेय (सं.) अंगुरका मदिरा.

ऐश्वर्य्य (सं. पु.) प्रताप, बडाई, विभव.

ऐसा (हि. गु.) इस प्रकारका.

ऐसा तैसा (हि. मुहा.) कुछ योंही, साधारण, न भला न बुरा.

ऐहैं (हि. क्रि. अ.) आवेंगे.

ओ.

ओ (सं. पु.) ब्रह्मा, विष्णु, शिव, आहा, सम्बोधनका चिह्न.

ओं (सं. पु.) प्रणव.

ओंठ (हि. पु.) (सं. ओष्ठ) होंठ, अधर, लब.

ओंडा (हि. गु.) गंभीर, गहरा.

ओंधा / औंधा (हि. गु.) उलटा, तले ऊपर.

ओखली (हि. स्त्री.) (सं. उलूखल) उखली.
ओघ (सं. पु.) इकट्ठा, समूह.
ओछा (हि. गु.) हल्का, छोटा, नीच.
ओज } (सं. पु.) बल, तेज, प्रकाश,
ओजस् } विषम.
ओङ्कार (सं. पु.) बीजमंत्र, ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों देवताओंका नाम.
ओझल (हि. स्त्री.) ओट, आड.
ओट (हि. स्त्री.) छिपाव, आड, परदा.
ओट करना (हि. मुहा.) छिपाना.
ओट होना (हि. मुहा.) छिपना.
ओडम (हि. स्त्री.) ढाल, फरी.
ओडा (हि. पु.) ठोकरा, खांचा.
ओढना (हि. क्रि. स.) पहरना, ओढना.
ओढनी (हि. स्त्री.) स्त्रियोंके ओढनेका कपडा.
ओदन (सं. पु.) भात.
ओदा (हि. गु.) भींगा हुआ.
ओप (हि. स्त्री.) चमक, झलक.
ओप देना (हि. मुहा.) साफ करना, चमकीला बनाना.
ओम् (सं. पु.) तीनों देवताओंका मंत्र, ओंकारका बीजमंत्र, प्रणव.
ओर (हि. स्त्री.) तरफ, अलग, रस्ता, हद्द, सीमा.
ओल (फा.) बदला, एवज.
ओला (हि. पु.) पानीके बने हुये पत्थर, चीनीकी बनी हुई मिठाई जिसको गर्मीके दिनोंमें घोलकर पीते हैं.
ओला होजाना (हि. मुहा.) खूब ठंडा हो जाना.
ओषधि } (सं. स्त्री.) (ओष=गर्मी धा=
औषधि } रखना) दवा, दारू, रोग दूर करनेकी चीज.
ओषधालय } (सं. पु.) दवाखाना, हा-
औषधालय } स्पिटल.
ओष्ठ (सं. पु.) होंठ, ओंठ, अधर.
ओस (हि. पु.) शीत, सबनम.
ओसरा (हि. पु.) बारी, पारी.
ओसीसा (हि. पु.) तकिया.
ओहो (हि.) वाहवाह, आहा.

औ.

औ (सं. पु.) अनन्त, ओह, आहा.
औंगी (हि.) चुप, मौन, गूँगापन.
औगुन (हि. पु.) दोष, कलंक, बुराई.
औघट (हि. गु.) खराब रास्ता.
औतार (हि. पु.) जन्म, पैदाइश.
औदात (हि. गु.) सफेद, धौला.
औनेपौने (हि. मुहा.) कमती बढती.
औबट (हि. गु.) बुरा रास्ता, दुर्गम.
और (हि. गु.) फिर, भी, अधिक, दूसरा.
और एक (हि. मुहा.) दूसरा कोई, औरभी.
औरही (हि. मुहा.) एकदम दूसरा, अनूठा, जुदा.
औरस (सं. पु.) व्याही स्त्रीसे पैदा हुआ लडका.
और्ध्वदेहिक क्रिया (सं. स्त्री.) दशगात्र.
और्व (सं. पु.) दावानल, बडवानल.
औसर (सं. पु.) (सं. अवसर) समय, मौका, अवकाश, फुरसत.
औसान (हि. पु.) चेत, सुरत, हिम्मत, होशियारी.
औसेर (हि. स्त्री.) खटका, चिन्ता.

क.

क (सं. पु.) ब्रह्मा, सूर्य, पवन, आग, यम, आत्मा, पानी, विष्णु, कामदेव, गरुड, दक्ष, शिर.
कङ्क (सं. पु.) कौआ, कपट, ब्राह्मण, युधिष्ठिर, देशविशेष.

कंकर (हि. पु.) पत्थरके छोटे २ टुकडे, रोडा.
कंकरेला (हि. गु.) पथरैल, किरकिरा.
कङ्गन (हि. पु.) (सं. कङ्कण) स्त्रियोंके हाथमें पहरनेका गहना.
कङ्गनी (हि. स्त्री.) एक प्रकारका नाज, ककनी.
कङ्गाल (हि. गु.) दीन, दरिद्र.
कङ्गालता (हि. स्त्री.) गरीबी.
कंघी (हि. स्त्री.) बाल झाडनेकी चीज, केशमार्जनी, कंघा.
कंघी करना (हि. मुहा.) बाल सँवारना.
कंजूस (हि. पु.) सूम, बखील.
कंठी (हि. स्त्री.) छोटी माला.
कँवल (हि. पु.) कमल, पद्म,
कंस (सं. पु.) मथुराके राजा, उग्रसेनका बेटा.
कंसकार (सं. पु.) कांसेकी वस्तु बनानेवाला.
ककडी (हि.) एक प्रकारका फल.
ककरेंजा (हि. पु.) बैंगनी रंग.
ककहरा (हि. पु.) वर्णमाला.
कखौरी (सं. स्त्री.) कांखका फोडा.
कक्षा (सं. स्त्री.) कटिबन्ध, ज्योतिषचक्र, दफअ.
कङ्कण (सं. पु.) कङ्गन, कडा.
कच (सं. पु.) केश, बाल.
कचनार (हि. स्त्री.) एक पेडका नाम.
कच्छप (सं. पु.) कछुआ, कमठ, कूर्म.
कछनी (हि. स्त्री.) जांघिया.
कछवाहा (हि. पु.) राजपूतोंकी एक जाति.
कछु (हि. गु.) कुछ, थोडा.
कछौटी (हि. स्त्री.) लँगोटी, कोपीन.
कजरा (हि. पु.) काजल, अंजन.
कंचन (हि. पु.) सोना, सुवर्ण.
कञ्चु } (हि. स्त्री.) चोली, अँगिया
कञ्चुकी } कुरती.
कञ्ज (सं. पु.) कमल, ब्रह्मा, बाल.
कट (सं.) झाँप काठकी.
कटक (सं. पु.) सेना, फौज.
कटना (हि. क्रि. अ.) कटजाना, बीतना.
कटनी (हि. स्त्री.) कटाई, अनाज काटनेका समय.
कटरा (हि. पु.) शहरका बीच, चौक.
कटहल (हि. पु.) एक फलका नाम, कटहर.
कटाक्ष (सं. पु.) तिरछी चितवन.
कटार (हि. पु.) खंजर, कटारी.
कटि (सं. स्त्री.) कमर.
कटिबन्ध (सं. पु.) कमर बन्धे हुये.
कटिबद्ध (सं. पु.) तैयार, मुस्तैद.
कटु (सं. गु.) कडुआ, तीखा, तीता.
कट्टर (हि. गु.) काटनेवाला, पक्का.
कटोल. (सं. पु.) चांडाल, बुरा.
कठिन (सं. गु.) कडा, कठोर, मुश्किल, सख्त.
कठिनता (सं. स्त्री.) कठोरता, कठिनाई.
कठौती (हि. स्त्री.) काठका बर्तन.
कडक (हि. स्त्री.) कड़ाका, गर्ज, चटाका, कड़कडाहट.
कडखा (हि. पु.) लडाईकी गति जिसमें लडनेवालोंकी हिम्मत बढानेके लिये उनका यश गाया जाता है.
कडखैत (हि. पु.) भाट, जो लडाईमें कडखा गाते हैं.
कडा (हि. पु.) एक प्रकारके हाथका गहना.
कडाका (हि. पु.) किसी चीजके टूटनेकी आवाज, उपास, फाका.
कडाह (हि. पु.) लोहेकी बहुत बडी कडाही.

कडुआ (हि. गु.) तीता, तेज.
करोड़ (हि. गु.) सौ लाख.
कढी (हि. स्त्री.) भोजनका पदार्थ.
कण (सं. पु.) अनाजका दाना, कना.
कण्टक (सं. पु.) कांटा, वैरी, नीच.
कण्टकमय (सं. गु.) कांटेसे भरा.
कण्ठ (सं. पु.) गला, गरदन, आवाज.
कण्ठस्थ (सं. गु.) मुखस्थ, जबानी याद.
कण्ठा (हि. पु.) गलेकी सोनेकी माला.
कण्ठाग्र (सं. गु.) कण्ठस्थ, जबानी याद, मुखाग्र.
कण्ठ्य (सं. गु.) जो अक्षर कण्ठसे बोले जांय.
कण्डन (सं. पु.) छरना, कांडना.
कण्डनी (सं. स्त्री.) उखली, कांडी.
कण्डु (सं. स्त्री.) खुजली, खाज.
कत (हि. क्रि. वि.) क्यों, कैसे, कितना.
कतम (सं. गु.) कौनसा.
कतरना (हि. क्रि. स.) छांटना, काटना.
कतरनी (हि. स्त्री.) कैंची.
कतिपय (सं. गु.) कुछ, थोडे.
कतीरा (हि. पु.) एक प्रकारका गोंद.
कत्था (हि. पु.) कत्था जो पानके साथ खाया जाता है.
कत्थक (सं. पु.) एक प्रकारके गानेवाले, पँवरिया.
कथन (सं. पु.) कहना, कथा, वार्त्ता.
कथा (सं. स्त्री.) कहानी, इतिहास.
कथित (सं. पु.) कहा हुआ.
कथनीय (सं. पु.) कहने योग्य.
कथनोपकथन (सं. पु) कहे हुयेको कहना.
कद (हि. क्रि. वि.) कब, किस समय.
कदन (सं. पु.) मारनेवाला, पाप.
कदम } कदम्ब } (सं. पु.) एक वृक्षका नाम, समूह.
कदली (सं. स्त्री.) (क=हवा, दल=फटना, जो हवासे फटता है) केलेका वृक्ष.
कदलीफल (सं. पु.) केलेका फल.
कदाचित् } कदापि } (सं. क्रि. वि.) कभी, कभी कभी, शायद.
कद्रू (सं. स्त्री.) कश्यपमुनिकी स्त्री.
कदराई (हि. स्त्री.) कायरपन.
कदराना (हि. क्रि. अ.) (सं. कातर) हिम्मत हारना, डरपोंक होना.
कदर्थ्य (सं. गु.) डरपोक, निंदित, धूर्त.
कनक (सं. पु.) सोना, सुवर्ण, धतूरा.
कनककशिपु (सं. पु.) हिरण्यकश्यप, प्रह्लादका पिता.
कनकलोचन (सं. पु.) हिरण्याक्ष, एक दैत्यका नाम.
कनकाचल (सं. पु.) सुमेरुपहाड.
कनागत (हि. पु.) श्राद्धपक्ष, पितृपक्ष.
कनिष्ठ (सं. गु.) छोटा भाई.
कनिष्ठा } कनिष्ठिका } (सं. स्त्री.) छोटी अंगुली, छिंगुली.
कनेर (हि. पु.) (सं. करवीर) कनेल, एक प्रकारका फूल.
कनौजिया (हि. पु.) (सं. कान्यकुब्ज) कन्नौजदेशके रहनेवाले ब्राह्मणोंकी एक जाति.
कन्त (हि. पु.) पति, स्वामी, शौहर.
कन्था (सं. स्त्री.) गुदडी, कमरी.
कन्द (सं. पु.) मूल, जड, जैसे प्याज मूली आदि.
कन्दरा (सं. स्त्री.) गुफा, खोह.
कन्दर्प (सं. पु.) कामदेव, काम.
कन्दु (सं. पु.) कंडाही (गु.) रसोइया.
कन्दुक (सं. पु.) गेंद.
कन्ध } कन्धर } (सं.) गला, कंधा, गर्दन, मेघ.

कन्धि (सं. पु.) समुद्र, बादल.
कन्याका (सं. स्त्री.) दश बरसतककी लडकी.
कन्या (सं. स्त्री.) लडकी, पुत्री, कुमारी, बारह राशियोंमें छठी राशि.
कन्हैया (हि. पु.) श्रीकृष्णचन्द्रजी.
कपट (सं. पु.) छल, धोखा, फरेब.
कपटी (सं. गु.) छली, दगाबाज, फरेबी.
कपडा (हि. पु.) वस्त्र, लत्ता.
कपर्द (सं. पु.) महादेवजीकी जटा.
कपर्दी } (सं. पु.) महादेवजी.
कपर्दिन् }
कपर्दिका (सं. स्त्री.) कौडी.
कपाट (सं. पु.) किवाड, किवाडी, द्वार.
कपाल (सं. पु.) शिर, खोपडी, कपार, ललाट, भाग्य, किस्मत.
कपाली (सं. पु.) महादेवजी.
कपास (हि. पु.) रूईका पेड, रूई.
कपि (सं. पु.) बन्दर, बानर.
कपिकुञ्जर (सं. पु.) बन्दरोंका राजा.
कपिन्दा (हि. पु.) वन्दरोंका राजा, सुग्रीव, हनुमान्, अंगद.
कपिपति (सं.पु.) वानरोंका राजा, सुग्रीव.
कपिध्वज (सं. पु.) अर्जुन.
कपिपोत (सं. पु.) बन्दरका बच्चा.
कपिल (सं. पु.) एक मुनिका नाम.
कपिला (सं. स्त्री.) पीली गाय.
कपीश } (सं. पु.) वानरोंका राजा, सुग्रीव, अंगद, हनुमान्.
कपीश्वर }
कपूत (हि. पु.) (सं. कुपुत्र) बुरा लडका.
कपूर (हि. पु.) (सं. कर्पूर) काफूर.
कपोत (सं. पु.) कबूतर.
कपोल (सं. पु.) गाल.
कफ (सं. पु.) खँखार, थूक, बलगम.
कबतलक } (हि. क्रि. वि.) किस समय-तक, कितनी देरतक.
कबलों }
कबड्डी (हि. स्त्री.) लडकोंके एक खेलका नाम.
कबन्ध (सं. पु.) विना शिरका धड, एक राक्षसका नाम.
कबरा (हि. गु.) चितकबरा, रंगरंगका, रंगबरंग.
कमठ (सं. पु.) कछुआ, कच्छप.
कमठा (हि. पु.) बांसका धनुष.
कमण्डल (हि. पु.) साधु संन्यासी लोगोंके पानी रखनेका काष्ठ अथवा मिट्टीका बर्तन.
कमनीय (सं.पु.) सुन्दर, मनोहर, सुहावना.
कमरख (हि. पु.) एक प्रकारका फल.
कमला (सं. स्त्री.) लक्ष्मी.
कमलापति (सं. पु.) नारायण भगवान्.
कमलिनी (सं. स्त्री.) कुमोदनी.
कमाऊ (हि. गु.) मिहनती, परिश्रमी.
कमीशन (अं.) किसी मुख्य बातके लिये चुने हुये मनुष्य अन्य देशमें भेजे जाते हैं, मुखतारनामा, मेहनताना.
कमोदनी (हि. स्त्री.) कमलिनी जो रातको खिलती है और दिनको बन्द हो जाती है.
कमोरी (हि. स्त्री.) मटकी, गगरी.
कम्प } (सं. पु.) थरथराहट, कँपकंपी.
कम्पन }
कम्पित (सं.) कांपता हुआ.
कम्बल (सं. पु.) कामरी, ऊनी कपडा.
कम्बु (सं. पु.) शंख, हस्ती, घोंघा.
कम्बुग्रीवा (सं. गु.) जिसकी गरदन शंख ऐसी हो.
कर (सं. पु.) हाथ, हाथीकी सूंड, महसूल, मालगुजारी, जड, हस्तनक्षत्र,
ककेरा (हि. पु.) खोटा सिक्का, एक पखेरूका नाम. (गु.) कडा, कठोर.

कर गहना (हि. क्रि. स.) व्याह करना, व्याहमें दुलहनका हाथ पकडना.
करकट (सं. पु.) सियार, कलेजा.
करघर्षण (सं. पु.) हाथ मलना.
करज (सं. पु.) नाखून, नख.
करण (सं. पु.) साधन काम सिद्ध करनेका उपाय, हथियार, व्याकरणमें तीसरा कारक, इन्द्री, काया, कामक्षेत्र शरीर.
करणी (हि. स्त्री.) धंधा, काम.
करण्ड (सं. पु.) कौआ, काग, डिबिया, शहदका छत्ता.
करतब (हि. पु.) (सं. कर्त्तव्य) करने योग्य काम, चाल, हुनर, परख.
करतल (सं. पु.) हथेली.
करताल (सं. पु.) एक बाजेका नाम.
करताली (सं. स्त्री.) हाथ बजाना, हाथ बजानेका शब्द.
करतूति (हि. स्त्री.) काम, करतब.
करदपत्र (सं. पु.) खिराजनामा.
करनिकर (सं. गु.) हस्तसमूह.
करपाल (सं. पु.) तलवार, दस्ताना.
करपुट (सं.) हाथ जोडना, दोनों हाथ मिलाना.
करवाल (सं. पु.) तलवार.
करवालिका (सं. स्त्री.) कटारी.
करभ (सं. पु.) हाथीका बच्चा, ऊँट.
करभूषण (सं. पु.) हाथका गहना.
करम (हि. पु.) काम, भाग्य, किस्मत.
करवीर (सं. पु.) कनेलका फूल, तलवार.
करशाला (सं. स्त्री.) चुंगीघर, महसूलघर.
कराल (सं. गु.) डरावना, भयानक, बडा लम्बा.
करालाकृति (सं. स्त्री.) डरावना स्वरूप.
कराहना (हि. क्रि. अ.) कहरना, दुःखके कारण आह मारना.

करिश (सं. पु.) हाथी, गज, मतंग.
करीर (सं. पु.) करील, बांसका अंकुर, एक प्रकारका कटीला वृक्ष जो मरुभूमिमें पैदा होता है.
करुणा (सं. स्त्री.) कृपा, दया, एक वृक्षका नाम, एक रसका नाम.
करुणानिधान (सं. पु.) दयालु, दयाके घर.
करुणामय (सं. गु.) दयामय, दया करनेवाला.
करुणायतन (सं. पु.) दयाके स्थान.
करुणार्द्र (सं. पु.) दयालु, दयामय.
करेणु (सं. पु.) हाथी, गज.
करेला (हि. पु.) एक तरकारीका नाम.
करौंदा (हि. पु.) एक फलका नाम.
कर्क (सं. पु.) केंकडा, एक राशिका नाम.
कर्कट (सं. पु.) केंकडा, गिंगटा.
कर्कश (सं. पु.) कठिन, कडा, लडाका.
कर्कशा (सं. स्त्री.) झगडालू, कलही.
कर्कन्धु (सं. स्त्री.) बेर, बदरीवृक्ष.
कर्ण (सं. पु.) (कृ=करना अर्थात् ज्ञान करना) कान, त्रिभुजकी एक भुजाका नाम, कुंतीका बेटा, पतवार.
कर्णधार (सं. पु.) (कर्ण=पतवार, धृ= धरना) मल्लाह, मांझी, नाविक.
कर्णफूल (सं. पु.) कानमें पहरनेका एक गहना.
कर्णवेध (सं. पु.) कान छेदाना.
कर्णमण्डक (सं. पु.) करनफूल, मीठा वचन.
कर्णाट (सं. पु.) कर्नाटकदेश.
कर्णिका (सं. स्त्री.) हाथकी बीचकी अंगुली, हाथीकी सूंडकी नोक, लेखनी, कलम, कर्णफूल.
कर्त्तन (सं. पु.) (कृत्=काटना) काटना, छांटना, कतरन.

कर्त्तरिका } (सं. स्त्री.) कैंची, कतरनी.
कर्त्तरि }
कर्तव्य (सं. पु.) करने लायक, उचित, वाजिब.
कर्त्ता. (सं. पु.) (कृ=करना) करनेवाला, सृष्टि बनानेवाला, ईश्वर, व्याकरणमें पहला कारक, पुस्तक बनानेवाला-मालिक, अधिकारी.
कर्त्तार (हि. पु.) पैदा करनेवाला, ईश्वर.
कर्द } सं. पु.) कीचड, कादों, चहला.
कर्दम }
कर्धनी (हि. स्त्री.) कमरमें पहरनेका एक गहना.
कर्पूर (सं. पु.) कपूर, काफूर.
कर्बुर (सं. पु.) सोना, हरताल, राक्षस.
कर्म्म (सं. पु.) (कृ=करना) काम, धंधा, धर्म्म कार्य्य, पहले जन्मका काम, व्याकरणमें दूसरा कारक, किस्मत.
कर्म्मकाण्ड (सं. पु.) वेदका एक भाग.
कर्म्मकार (सं. पु.) काम करनेवाला.
कर्म्मनाशा (सं. स्त्री.) एक नदीका नाम जो काशी और विहारके बीचमें है.
कर्म्मनिपुणाई (सं. स्त्री.) कारीगरी, कामकी चतुराई.
कर्म्मभोग (सं. पु.) भले बुरे कामोंका फल भोगना.
कर्म्मेन्द्रिय (सं. स्त्री.) काम करनेकी इन्द्री जैसे हाथ पांव आदि.
कर्ष (सं. पु.) विरोध, वैर, क्रोध.
कर्षक (सं. पु.) किसान, जोतनेवाला.
कर्षण (सं. पु.) खेती करना, जोतना, खैंच, तान.
कल } (हि. पु.) आजका पिछला वा पहला दिन.
काल्ह }
कल (हि. स्त्री.) सुख, चैन, आराम.
कल (हि. स्त्री.) यन्त्र, चाप, दाब, पेंच.
कलकल (सं. पु.) कोलाहल, रकझक.
कलकण्ठ (सं. स्त्री.) कोयल, सुन्दर वा मीठे कण्ठवाली.
कलङ्क (सं. पु.) दोष, दाग, लांछन.
कलत्र (सं. स्त्री.) लुगाई, स्त्री, भार्य्या.
कलधौत (सं. गु.) मलरहित, सोना.
कलन (सं. पु.) (कल=गिनना) गिनना, चिह्न.
कलप (हि. पु.) बालोंके काले करनेका रंग, खिजाब, लेई.
कलपना (हि. क्रि. अ.) पछताना, कुढना, बिलखना.
कलपाना (हि. क्रि. स.) कुढाना, सताना, दुःख देना.
कलभ (सं. पु.) हाथीका बच्चा.
कलम (अ.) लेखनी.
कलश (सं. पु.) घडा, पानी रखनेका पात्र, मन्दिरोंके ऊपरका शिखर.
कलशिरा (हि. गु.) काले शिरवाला.
कलहंस (सं. पु.) राजहंस.
कलह (सं. पु.) झगडा, लडाई. (गु.) झगडालू.
कला (सं. स्त्री.) बहुत छोटा भाग, अंशका साठवां हिस्सा, चन्द्रमण्डलका सोलहवां भाग, छल, कपट, गुण, हुनर, गाना बजाना आदि ६४ कला.
कलाल (हि. पु.) मदिरा वेचनेवाला.
कलाई (हि. स्त्री.) पहुँचा.
कलाधर (सं. पु.) चन्द्रमा, चांद.
कलाप (सं. पु.) संस्कृतभाषाका व्याकरण, मोरकी पूँछ, समूह.
कलापक (सं. पु.) मोर, मयूर.
कलापी (सं. पु.) मोर, मयूर.

कलावत्तून (हि. पु.) सोना चांदीका तार.
कलावंत (हि. पु.) गवैया, गानेवाला.
कलि (सं. पु.) चौथा युग, कलियुग, लडाई, झगडा.
कलिका } कली } (सं. स्त्री.) विना खिला हुआ फूल, कोंपल.
कलिङ्ग (सं पु.) एक देशका नाम जो कटक और मंदराजके बीचमें है.
कलियुग (सं. पु.) चौथा युग, कलिकाल.
कलुप (सं. पु.) पाप, नाराज.
कलेऊ. } कलेवा } (हि. पु.) (सं. कल्याहार) कल्हका बचा हुआ खाना, बासी खाना.
कलेजा (हि. पु.) कलेजा, जिगर, हिम्मत.
कलेजा फटना (हि. मुहा.) दुःख वा डाहसे विकल होना.
कलेजेसे लगाना (हि. मुहा.) गले लगाना, प्यार करना.
कलेवर (सं. पु.) शरीर, देह.
कलेश } कलेस } (हि. पु.) (सं. क्लेश) पीडा, दुःख, झगडा, दंगा.
कलोल (हि. स्त्री.) (सं. कल्लोल) खेल कूद, आनन्द, क्रीडा.
कल्की (सं. पु.) भगवानका दशवां अवतार.
कल्प (सं. पु.) (कृप्=समर्थ होना वा नाश होना) ब्रह्माका एक दिन रात जो हम लोगोंके हजार चौयुगोंके बराबर होता है, प्रलय, सन्देह, मतलब, इच्छा, योग्यता.
कल्पतरु } कल्पवृक्ष } कल्पद्रुम } (सं. पु.) (कल्प=मनोरथ, तरु=पेड) मनमाना वस्तु देनेवाला पेड जो इन्द्रके बागमें है. (स्त्री.) कल्पलता.
कल्पना (सं. स्त्री.) (कृप्=विचारना) विचार, बनावट, युगत, जालसाजी नकल.
कल्पांत (सं. पु.) प्रलय, कल्पका अन्त.
कल्पित (सं. गु.) बनाया हुआ, नकली, झूठा, असत्य.
कल्मप (सं. पु.) पाप, नरक, मैला.
कल्याण (सं. पु.) (कल्य=नीरोग, अण=जीना) कुशल, शुभ, एक रागिणीका नाम.
कल्ल (सं. पु.) बहरा, बधिर.
कल्ला (हि. पु.) जबडा.
कवच (सं. पु.) झिलम, बख्तर.
कवल (सं. पु.) कवर, ग्रास, लुकमा.
कवि (सं. पु.) (कु=शब्द करना) कविताई करनेवाला, बुद्धिमान, पण्डित, भाट, चारण.
कवित्त (हि. पु.) (सं. कवित्व) कविता, काव्य, शैर.
कविताई (हि. स्त्री.) पद्यरचना.
कवीश्वर (सं. पु.) बडा कवि, वाल्मीकि.
कव्य (सं. पु.) पितरोंके लिये अन्न आदि पदार्थ.
कश्य (सं. पु.) घोडेका तंग, मदिरा.
कश्यप (सं. पु.) एक मुनिका नाम.
कष्ट (सं. पु.) दुःख, पीडा, संकट.
कस (हि. पु.) पारख, जांच. (गु.) कैसा.
कसक (हि. स्त्री.) दुःख, पीडा.
कसना (हि. क्रि. स.) खैंचना, जकडना, सोनेको कसौटीपर घिसना.
कसार (हि. पु.) एक तरहकी मिठाई.
कसेरा (हि. पु.) ठठेरा, भरतिया.
कसौटी (हि. स्त्री.) एक पत्थर जिसपर सोना परखा जाता है.
कस्तूरी (सं. स्त्री.) मुश्क, एक सुगंधित चीज जो हरिणकी नाभसे निकलती है.
कहावत (हि. स्त्री.) मसल, दृष्टांत, बात.
कहानी (हि. स्त्री.) किस्सा, कथा.
कहार (हि. पु.) महरा, बेरा वा बहेरा, पालकी उठानेवाला.

कहाँ (हि. क्रि. वि.) किसी जगह.
कहुँ (हि. क्रि. वि.) कहाँ, किसी जगह.
काक (सं. पु.) कौआ, काग.
काकपक्ष (सं. पु.) पट्टा, जुलफी.
काका, कका (हि. पु.) चचा, पिताके भाई.
काकिणी. (सं. स्त्री.) छदाम, दो दमडी.
काकी (हि. स्त्री.) चाची.
काकातूआ (हि. पु.) एक प्रकारका सुग्गा.
काकवधू (हि. स्त्री.) कवथी, मादा कौआ.
काग, कागा (हि. पु.) कौआ.
कागर (हि. पु.) किनारा, सर्पकी कैंचली.
काछ (हि.) धोतीका पल्ला जो पीछे खैंचकर बांधा जाता है, लांग, जांघके ऊपरका भाग.
काछनी (हि. स्त्री.) लँगोटी, जांघिया.
काज (हि. पु.) (सं. कार्य्य) काम, कारज.
काजल (हि. पु.) अंजन, सुरमा.
काञ्चन (सं. पु.) सोना, स्वर्ण, तिल्ला.
काट (हि. पु.) जखम, चीरा, मेल, तेजी, धार.
काट करना (हि. मुहा.) घायल करना.
काटकूट (हि. मुहा.) छेडछाड.
कटाना (हि. क्रि. स.) छेदना, तोडना, खाना, काट खाना, आरेसे चीरना.
काठ (हि. पु.) (सं. काष्ठ) लकडी.
काठ होना (हि. मुहा.) सूख जाना.
काठपुतली, कठपुतली (हि. स्त्री.) लकडीकी वनी हुई मूरत.
काठकीडा (हि. पु.) घुन, एक कीडा जो लकडीको खाता है.
काठडा, कठडा (हि. पु.) लकडीका वर्तन.
काठी (हि. स्त्री.) जीन, शरीर, डौल डौल.
काढना (हि. क्रि. स.) निकालना, बाहर लाना.
काढा (हि. पु.) दवाईका पानी.
काना (हि. पु.) एक आंखवाला आदमी.
काण्ड (सं. पु.) भाग, खण्ड, सर्ग, अध्याय, विभाग, समय, समूह, बाण, घोडा.
कातना (हि. क्रि. स.) सूत कातना.
कातर (सं. गु.) डरपोक, कायर.
कादर (हि. गु.) डरपोक, कायर.
कान (हि. पु.) सुननेकी राह, श्रवण.
कान भरना (हि. मुहा.) बखेडा डालना, चुगली खाकर झगडा खडा करना.
कान फूँकना (हि. मुहा.) भेद कह देना, झगडा उठाना.
कान दे सुनना (हि. मुहा.) ध्यान देकर सुनना
कान काटना (हि. मुहा.) बढ निकलना.
कान खडे होना (हि. मुहा.) चौकन्ना होना.
कानमें तेल डालना (हि. मुहा.) नहीं सुननेका बहाना करना.
कानाफूसी (हि. मुहा.) फुसफुसाहट.
कान (हि. स्त्री.) लाज, मान, परदा.
कान करना (हि. मुहा.) शरमाना.
कान छोडना (हि. मुहा.) निर्लज्ज होना,
कानन (सं. पु.) जंगल, बन, ब्रह्माका मुँह.
कानी (हि. स्त्री.) एक आंखवाली स्त्री.
कानी कौडी (हि. स्त्री.) फूटी कौडी.
कान्त (सं. पु.) स्वामी, पति. (गु.) सुंदर, मनोहर, प्यारा.
कान्ता (सं. स्त्री.) लुगाई, पत्नी, प्यारी, घरवाली, सुन्दरी.
कान्ति (सं. स्त्री.) शोभा, चमक, खूबसूरती, प्रकाश.

कान्यकुब्ज (सं. पु.) ब्राह्मणोंकी एक जाति, कनौजिया.
कान्हर } (हि. पु.) (सं. कृष्ण) श्रीकृ-
कान्ह } ष्णजीका नाम.
कान्हडा (हि. पु.) एक रागिणीका नाम.
कापुरुष (सं. पु.) खोटा मनुष्य.
काम (सं. पु.) चाह, कामना, कामदेव, सुख, शुहवत.
काम (हि. पु.) काज, धन्धा.
कामकाज (हि. मुहा.) कारबार, धंधा.
कामकेलि (सं. स्त्री.) प्यार, दुलार, मैथुन, सुरत, केलि करना.
कामद (सं. गु.) मनमाना फल देनेवाला.
कामदगाई (हि. स्त्री.) कामधेनु,
कामदेव (सं. पु.) मदन, प्यारका देवता.
कामधेनु (सं. स्त्री.) इन्द्रकी गाय.
कामना (सं. स्त्री.) चाहना, इच्छा.
कामरूप (सं. गु.) मनोहर, सुहावना.
कामातुर } (सं. गु.) कामी, मस्त,
कामार्त्त } कामसे पीडित.
कामारि (सं. पु.) महादेव, शिव.
कामिनी (सं. स्त्री.) प्यारी, सुन्दरी.
कामी (सं. पु.) कामके वश.
कामुक (सं.) ऐय्याश, कामी.
काम्य (सं.) सुन्दर, कमनीय.
काय (सं. पु.) } शरीर, देह, तन.
काया (सं. स्त्री.) }
कायफल (हि. पु.) एक दवाका नाम.
कायर (हि. गु.) डरपोक.
कायस्थ (सं. पु.) हिन्दुओंकी एक जाति, कायथ.
कायिक (सं. गु.) शरीरका, देहका.
कारक (सं. पु.) करनेवाला, क्रियासे सम्बन्ध रखनेवाला.
कारण (सं. पु.) सबब, हेतु, लिये.
कारागार (सं. पु.) कैदखाना, बन्दीगृह.
कारी (सं. पु.) करनेवाला.
कारुणीक (सं. पु.) दयालु, दयावान्.
कार्तिक (सं. पु.) कातिक.
कार्पण्य } (सं. स्त्री.) कृपणता, क-
कार्पण्यता } खोळी.
कार्य्याधिकारी (सं. पु.) कारिन्दा.
कार्म्मुक (सं. पु.) धनुष
कार्य्य (सं. पु.) काम, काज.
कार्य्यशाही }
कार्य्यप्रवृत्ति } (सं. स्त्री.) कारगुजारी, कार्रवाई.
कार्य्यकलाप }
कार्य्यदक्ष (सं. गु.) कारगुजार.
कार्य्यदक्षता (सं. स्त्री.) कारगुजारी.
कार्य्यनिष्ट (सं. गु.) काममें लगा हुआ.
काल (सं. गु.) काला, यमराज, मौत-समय.
काल (हि. पु.) महँगी, कहत, सार, कलहका दिन.
कालकूट (सं. पु.) विष, जहर, सांपका विष.
कालक्षेप (सं. पु.) समय बिताना, दिन काटना.
कालनेमि (सं. पु.) एक राक्षसका नाम.
कालरात्रि (सं. स्त्री.) मौतकी रात, प्रलयकी रात, दिवाली.
काला चोर (हि. मुहा.) विना जाना पहचाना हुआ आदमी.
काला मुँह करना (हि. मुहा.) बेइज्जत करना, निकाल देना.
काले कोस (हि. मुहा.) बहुत दूर.
कालिका } (सं. स्त्री.) काली, देवी,
काली } दुर्गा.
कालिदास (सं. पु.) एक प्रसिद्ध कविका नाम है.

कालिन्दी (सं. स्त्री.) यमुना नदी.
कालिन्दीभेदन (सं. पु.) श्रीबलदेवजी.
कालिमन } कालिमा (हि. पु.) स्याही, कारिख, कालापन.
कालिया } काली (हि. पु.) एक सांपका नाम जिसे श्रीकृष्णजीने कालीदहमें नाथा था.
कालीदह (हि. पु.) यमुना नदीमें एक भंवर जिसमें काली रहता था.
कावा देना (हि. मुहा.) घोडेको चक्कर देना.
कावेरी (सं. स्त्री.) हिन्दुस्थानकी एक नदीका नाम.
काव्य (सं. पु.) कविता, छन्दरचना.
काश (सं. पु.) कांस, एक प्रकारकी घास.
काशि (सं. पु.) सूर्य्य.
काशी (सं. स्त्री.) बनारस.
काशीराज } काशीनाथ (सं. पु.) महादेव, शिव, काशीके राजा.
काश्मीर (सं. पु.) (काश्मीर अर्थात् जो काश्मीरसे पैदा हो) केशर.
काष्ठ (सं. पु.) लकडी, काठ, ईंधन.
काहू (हि. पु.) किसीको, कोई.
काहे (हि. सर्वना.) क्यों, किसलिये.
किंवदन्ति (सं. स्त्री.) लोगोंका कहना, गप्प, अफवाहन.
किंशुक (सं. पु.) पलास, टेसू.
किकियाना (हि. क्रि. अ.) चिल्लाना.
किङ्कर (सं. पु.) दास, नौकर, ताबेदार.
किङ्किणी (सं. स्त्री.) कर्धनी, कंदोरा, कटिबन्धन.
किचकिचाना (हि. मुहा.) दांत पीसना.
किचपिच (हि. पु.) कादो, कीचड.
कित (हि. क्रि. वि.) किधर, कितना.
किदारा (हि. पु.) (सं. केदार) एक रागिणीका नाम.
किधर (हि. क्रि. वि.) किस तरफ.
किनारी (हि. स्त्री.) कोर, गोटा.
किन्तु (सं.) पर, लेकिन, परन्तु.
किन्नर (सं. पु.) देवताओंका गवैया, गंधर्व.
किम् (सं. सर्वना.) कौन, क्या, कैसा.
किम्पुरुष (सं. पु.) गंधर्व, किन्नर.
किम्वा (सं.) अथवा.
कियारी } क्यारी (हि. स्त्री.) मेंड, फूलोंका तखता.
किरण (सं. स्त्री.) सूर्य्यका तेज, चन्द्रमाका प्रकाश, रश्मि, शुआ.
किरात (सं. पु.) (कृ=मारना, हिंसा करना) भील, जंगली मनुष्योंकी एक जाति.
किराना (हि. पु.) मसाला, वे चीजें जो पसारी लोग बेचते हैं.
किरिया (हि. स्त्री.) सौगंध, शपथ, कसम.
किरीट (सं. पु.) मुकुट, ताज.
किर्च (हि. स्त्री.) फांस. तलवार.
किल (सं. क्रि. वि.) निश्चयही.
किलकिलाना (हि. क्रि. अ.) चिड-चिडाना.
किल्कारी (हि. स्त्री.) वानरका शब्द, बहुत जोरसे पुकारना.
किल्विष (सं. पु.) अपराध, रोग, पाप.
किशलय (सं. पु.) नये पत्ते, नई डाली.
किशोर (सं. पु.) दश बरससे पन्द्रह बरस तककी उमरका लडका, तरुणावस्था.
किष्किंधा (सं. पु.) एक नगरका नाम जिसका राजा वालि वानर था.
किसान (हि. पु.) खेती करनेवाला.
कीकड (हि. पु.) बबूल, कटीला पेड.
कीचक (सं. पु.) एक दैत्यका नाम.

कीच
कीचड } (हि. पु.) कादो, मैला, पांका.
कीट (सं. पु.) कीडा, पतंग.
कीडा (हि. पु.) कीट, पिलुवा.
कीदृक
कीदृक्ष } (सं. पु.) कैसा, किस प्रकार.
कीना
कीन्हा } (हि. क्रि. स.) किया.
कीर (सं. पु.) तोता, सुगा.
कीर्त्ति (सं. स्त्री.) } सुयश, नामवरी,
कीरति (हि. स्त्री) } सराह.
कीर्त्तन (सं. पु.) गुण, वर्णन, यश, बखानना.
कील (सं. स्त्री.) खूँटी, कीला, मेख.
कीलक (सं. पु.) गौओंके बांधनेका खूँटा.
कीलकांटा (हि. मुहा.) साज समान.
कीलना (हि. क्रि. स.) (सं. कीलन) मन्त्र फूँकना.
कीश (सं. पु.) बन्दर, वानर.
कु (सं. उपस.) बुरा, नीच, अधम, निन्दित, कम, झूठा.
कु (सं. स्त्री.) धरती, पृथ्वी.
कुंगडा (हि. पु.) पहलवान, बलवान.
कुंचकी (हि. स्त्री.) चोली, अँगिया.
कुंजडा (हि. पु.) तरकारी और फल बेंचनेवाला.
कुंजी (हि. स्त्री.) चाभी, ताली.
कुंदी (हि. स्त्री.) कपडोंका घोटना.
कुँअर (हि. पु.) (सं. कुमार) राजाका बेटा, राजकुमार, राजपुत्र.
कुँआरा (हि. पु.) बेव्याहा. कुँआरी (स्त्री.) बेब्याही.
कुकर्म (सं. पु.) बुरा काम, पाप.
कुक्कुट (सं. पु.) मुर्गा.
कुक्कुर (सं. पु.) कुत्ता, श्वान.
कुक्षि (सं. स्त्री.) पेट, कोंख.
कुंकुम (सं. पु.) केशर, रोरी, सुगन्धित द्रव्यविशेष.
कुंकुमा (हि. पु.) गुलाल रखनेका बर्तन.
कुच (सं. पु.) छाती, थन, स्तन, पिस्तां.
कुचन्दन (सं. पु.) लाल चन्दन.
कुचर (हि. पु.) निंदक, दोष ढूंढनेवाला.
कुचलना (हि. क्रि. स.) चूर करना.
कुचला (हि. पु.) एक औषधका नाम.
कुचाल (हि. स्त्री.) बुरा चलन, कुरीति.
कुचाह (हि. स्त्री.) बुरी खबर, न चाहना.
कुचेला (हि. पु.) मैला कपडा पहने हुये.
कुछ (हि. पु.) थोडा, कम, थोडाबहुत.
कुछ और गाना (हि. मुहा.) औरही बात कहना.
कुछेक (हि. मुहा.) थोडा बहुत, कुछ कुछ.
कुज (सं. पु.) मंगल, भौम, पृथ्वीपुत्र.
कुजलीबन }
कजलीबन } (हि. पु.) हाथियोंका बन जिस बनमें हाथी बहुत पाये जाते हों.
कुजाति (सं. पु.) कमीना, नीच जातिका.
कुञ्चित (सं. पु.) टेढा, घुघराला.
कुञ्ज (सं. पु.) वह स्थान जहां सघन पेड और लतादि हों, हाथीकी ठुड्डी.
कुञ्जर (सं. पु.) हाथी, हस्ती, मतंग.
कुटकी (हि. स्त्री.) एक औषधिका नाम.
कुटज (सं. पु.) (कुट्=पहाड. ज=पैदा होना) एक औषधिका नाम.
कुटनी (हि. स्त्री.) दूती, परायी स्त्रीको पराये पुरुषसे मिलानेवाली,
कुटिल (सं. पु.) (कुट्=टेढा होना) टेढा, कपटी, खोटा, कडा.
कुटी
कुटीर } (सं. स्त्री.) झोपडी, मढी.
कुटुम्ब (हि. पु.) परिवार, कुनबा.

कुटुम्बी (सं. पु.) घरबारी, गृहस्थ, घर वाला, खानदानी.
कुटेव (हि. स्त्री.) बुरा चलन, कुचाल.
कुठार (सं. पु.) कुल्हाडी, टांगी.
कुडकना (हि. क्रि. अ.) कुडकुडाना, क्रोधसे बोलना.
कुडव (सं. पु.) चार पल, आधपाव.
कुढना (हि. क्रि. अ.) क्रोध करना, सोंच करना, जलना.
कुण्ठक (सं. पु.) मूर्ख, गँवार, जाहिल.
कुण्ठित (सं. पु.) भोथला, आलसी, लज्जित.
कुण्ड (सं. पु.) होमकी आग रखनेका गडहा, हौज, चश्मा, जलके रहनेकी जगह.
कुण्डल (सं. पु.) कानमें पहरनेका एक गहना, मण्डल, घेरा.
कुण्डलिया (हि. पु.) एक छन्दका नाम जो १४४ मात्राका होता है.
कुण्डली (सं. स्त्री.) जन्मपत्री, घेरा, सांप.
कुण्डी (हि. स्त्री.) दरवाजेकी सिकली या जंजीर.
कुतर्क (सं. स्त्री.) बुरी तर्क, हुज्जत.
कुतूहल (सं. पु.) खेल, कौतुक.
कुत्सा (सं. स्त्री.) बुराई, निन्दा, अपमान.
कुत्सित (सं.) निन्दित, नीच, कमीना.
कुदार } (हि. स्त्री.) मिट्टी खोदनेका
कुदाल } औजार, कुदाली, फडुहा.
कुदृष्टि (सं. स्त्री.) पापसे देखना, बुरी दीठ, बुरी निगाह.
कुधर } (सं. पु.) पहाड, पर्वत.
कुध्र }
कुधातु (हि. स्त्री.) लोहा, लोह.
कुनबा (सं. पु.) घराना, कुटुम्ब, कुल.
कुनारी (सं. स्त्री.) दुष्ट नारी.
कुनीति (सं. स्त्री.) कुचाल, बुरी रीति.
कुन्त (सं. पु.) भाला, बरछी.
कुन्ती (सं. स्त्री.) शूरसेनकी बडी बेटी, पाण्डुकी स्त्री, भीमसेनकी माता.
कुन्द (सं. पु.) एक प्रकारका सफेद फूल, मोगरा.
कुन्दन (हि. पु.) अच्छा सोना.
कुपथ (सं. पु.) बुरी राह, कुपन्थ, बुरा चलन.
कुपात्र (सं. गु.) नालायक, अयोग्य.
कुपित (सं. गु.) क्रोधित, कोपित.
कुपुरुष (सं. गु.) बद आदमी.
कुप्पा (हि. पु.) चमडेका बर्तन जिसमें घी रक्खा जाताहै.
कुप्पा होना (हि. मुहा.) मोटा होना.
कुफल (सं. गु.) खराब नतीजा.
कुब } (हि. पु.) (सं. कौब्ज्य, कुब्ज)
कूब } कूबड, पीठका झुकाव.
कुब्जा (हि. स्त्री.) कुबडी, टेढी पीठका, कंसकी एक दासीका नाम.
कुभार्या (सं. स्त्री.) कुलटा, बुरी स्त्री, कलहिनी.
कुमति (सं. स्त्री.) बुरी समझ, कुबुद्धि.
कुमार (सं. पु.) कुँवर, राजाका लडका विनब्याहा, कुँआरा.
कुमार्ग (सं. पु.) बुरी राह, कुपथ.
कुमार्गगामी (सं. पु.) बुरी राह चलनेवाला.
कुमुद (सं. पु.) कुमोदनी, एक वानरका नाम.
कुमुदबन्धु (सं. पु.) चांद, चन्द्रमा.
कुमुदिनी (सं. स्त्री.) कमलिनी, कमलोंका समूह.
कुम्भ (सं. पु.) घडा, कलशा, हाथीका शिर.

कुम्भकर्ण (सं. पु.) (कुम्भ=घडा, कर्ण=कान) रावणका भाई.
कुम्भकार (सं. पु.) (कुम्भ=घडा, कार=करनेवाला) कुम्हार, कुहार.
कुम्भज (सं. पु.) (कुम्भ=घडा, ज=पैदा होना) अगस्त्य ऋषिका नाम.
कुम्भशाला (सं. स्त्री.) घडा रखनेकी जगह.
कुम्भसंभव (सं. पु.) (भू=होना) अगस्ति ऋषि, वसिष्ठऋषी, द्रोणाचार्य ये मित्रावरुणके पुत्र हैं.
कुम्भिका } (सं. स्त्री.) (कुम्भ=ढकना)
कुम्भी } एक वृक्षका नाम.
कुम्भीपाक (सं. पु.) एक नरकका नाम.
कुम्भीर (सं. पु.) (कुम्भिन्=हाथी, ईर=पीडादेना) ग्राह, घडियाल.
कुयोग (सं. पु.) कुसंगत, बुरा संयोग.
कुर् (सं. पु.) आवाज, शब्द, किशान, जमींदार, राजा.
कुररी (सं. स्त्री.) भेंडी, चील्ह.
कुरंग (सं. पु.) (कु=पृथ्वी, रञ्ज=खुशी करना) हरिन, मृग.
कुरी (हि. पु.) सब लोग, सब जाते.
कुरीर (सं.) मारफत, जिम्मा.
कुरीति (सं. स्त्री.)(कु=बुरी, रीति=चाल) बुरी चाल, कुचाल.
कुरु (सं. पु.) दिल्लीके एक पुराने राजाका नाम.
कुरुक्षेत्र (सं. पु.) दिल्लीके पास एक जगह हे जहा कौरवों और पाण्डवोंसे लडाई हुई थी.
कुरूप (सं. गु.) कुडौल, बदसूरत.
कुर्याल (हि. स्त्री.) सुख, चैन, आराम.
कुरीं (हि. स्त्री.) नरम हड्डी, चबनी.
कुल (सं. पु.) घराना, वंश, जाति, कुनबा.
कुलघाती (सं. पु.) कुलनाशक.
कुलतारण (सं. पु.) कुलको बचानेवाला लडका.
कुलद्रोही (सं. गु.) कुलका नाश करनेवाला, बुरे कामोंसे अपने कुलकी निन्दा करानेवाला.
कुलधर्म (सं. पु.) कुलकी चाल.
कुलपालक (सं. पु.) परिवारपोषक.
कुलपूज्य (सं. गु.) कुलदेवता, अपने घरानेके पुरोहित.
कुलवन्ती (सं. स्त्री.) अच्छे घरानेकी स्त्री, सती, सुशीला.
कुलवान् (सं. गु.) अच्छे घरानेका, श्रेष्ठ, कुलीन.
कुलक्षण (सं. पु.) बुरा चलन, कुचाल.
कुलांच (हि. स्त्री.) कूद, फांद, छलांग.
कुम्हलाता (हि. क्रि. अ.) मुरझाना.
कुलाचार (सं. पु.) कुलव्यवहार, कुलधर्म.
कुलाल (हि. पु.) कुम्हार, मिट्टिके वर्तन बनानेवाला.
कुल्हिया (हि. स्त्री.) कुल्हडी.
कुल्हाडी (हि. स्त्री.) कुदाल, बसूला.
कुलिश (सं. पु.) वज्र, इन्द्रका शस्त्र.
कुलीन (सं. गु.) अच्छे घरानेका, श्रेष्ठ.
कुवलय (सं. पु.) कमल.
कुवलिया (सं. पु.) कंसके हाथीका नाम जिसमें दशहजार हाथियोंका बल था.
कुविहङ्ग (सं. पु.) बाज, जुर्रा, शाहीन.
कुवेर (सं. पु.) धनराज, धनका देवता, यक्षोंका राजा.
कुश (सं. पु.) एक प्रकारकी घास, डाभ, श्रीरामचन्द्रजीके पुत्र.
कुशल (सं. पु.) मंगल, कल्याण, चैन.
कुशलात } (हि. स्त्री.) कुशलक्षेम, चैन-
कुसरात } चान.

कुशाग्रबुद्धि (सं. स्त्री.) तीव्र बुद्धि, तेज अकल.
कुशूला (सं. पु.) कुठिली, डिहरी.
कुष्ठ (सं. पु.) कोढ, एक प्रकारका रोग.
कुष्ठनाशिनी (सं. स्त्री.) कोढको नाश करनेवाली, सोमराजवेली.
कुष्ठी (सं. गु.) कोढी.
कुष्माण्ड (सं. पु.) कोहडेका फल.
कुसंग (सं. पु.) बुरी संगति, बद सोहबत.
कुसुम (सं. पु.) फूल, लाल फूल.
कुसुमशर (सं. पु.) कामदेव.
कुसुमित (सं. गु.) फूला हुआ, खिला हुआ.
कुसुम्भ (सं. पु.) कुसुम, लाल फूल, स्वर्ण, सोना,
कुस्वप्न (सं. पु.) बुरा सपना.
कुहक (सं. पु.) कुठिल, छली, मायावी, इन्द्रजाली.
कुहड } (हि. पु.) कोहडेका फल.
कुम्हड }
कुहराम (हि. पु.) रोना, विलाप.
कुहाव (हि. स्त्री.) रूठना.
कुहासा (हि. पु.) कुहर, धूंध.
कुहुक } (हि. स्त्री.) कोयलकी बोली.
कुहू }
कूंची (हि. स्त्री.) बढनी, झाडनेकी चीज.
कूंडी (हि. स्त्री.) पथरी, भांग आदि पीसनेका वर्तन.
कूंतना } (हि. क्रि. स.) मोल ठहराना,
कूंतना } अन्दाज करना.
कूकना (हि. क्रि. अ.) बोलना, कुहू कुहू करना.
कूकर (हि. पु.) कुत्ता.
कूजना (हि. क्रि. अ.) बोलना, शब्द करना.
कूट (सं. पु.) छल, झूठ, ढेर, पहाडकी चोटी.
कूट (हि. पु.) गला हुआ कागज. (स्त्री.) नकल, भडेती.
कूटना (हि. क्रि. स.) चूरना, टुकडा २ करना.
कूडा (हि. पु.) बुहारन, घासपात, कचर.
कूहि (हि. स्त्री.) लोहेकी टोपी.
कूढ (हि. गु.) मूर्ख, गँवार.
कूदना } (हि. क्रि. अ.) उछलना,
कुदकना } फांदना, खुश होना.
कूप (सं. पु.) इँदारा, कूँआ.
कूर (हि. गु.) कठोर दुष्ट, मूर्ख.
कूर्म्म (सं. पु.) कछुआ, कच्छप.
कूल (सं. पु.) तीर, किनारा, तट.
कूलद्रुम (सं. पु.) नदीके किनारेके वृक्ष.
कूला (हि. पु.) नितम्ब, चूतड.
कृच्छ्र (सं. पु.) कठिनता, सख्ती.
कृत (सं.) किया हुआ, रचित, बनाया हुआ, फल.
कृतकार्य्य (सं. पु.) फलीभूत, कामयाब; काम पूरा हुआ.
कृतकार्य्यता (सं. स्त्री.) कामयाबी, कामकी पूर्णता.
कृतकृत्य (सं. पु.) धन्य २, कृतार्थ, योग्य कामको जिसने किया हो.
कृतघ्न (सं. पु.) } (कृत=किया हुआ
कृतघ्नी (हि. पु.) } हन्=मारना) जो उप. कारको नहीं माने, नमकहराम, नाशुकरा.
कृतघ्नता (सं. स्त्री.) उपकारहन.
कृतज्ञ (सं. पु.) (कृत=किया हुआ, ज्ञा=जानना) जो उपकारको माने, नमक हलाल, गुण माननेवाला.
कृतावेद्य (सं. पु.) धन्यवादित, मशकूर.
कृतवीर्य्य (सं. पु.) पिता, नृपविशेष.

कृतान्त (सं. पु.) मौत, काल, यम.

कृतार्थ (सं. पु.) जिसकी इच्छा पूरी हो गई हो, कामयाब, संतुष्ट.

कृति (सं. स्त्री.) काम, हिंसा, उपकार, कारण.

कृत्ति (सं. स्त्री.) चमडा, भोजपत्र, कृत्तिका नक्षत्र, चमडेकी रस्सी.

कृत्तिकर (सं. पु.) सेवक, उपकारी.

कृत्तिका (सं. स्त्री.) एक नक्षत्रका नाम.

कृतिद } (सं. पु.) पण्डित, लायक,
कृती } निपुण, साधु, कृतार्थ.

कृत्य (सं. पु.) काम, करने योग्य काम.

कृत्रिम (सं. पु.) बनावटका, कल्पित, जो असली न हो.

कृत्रिमपुत्र (सं. पु.) गोद लिया हुआ लडका.

कृत्स्न (सं. गु.) ढका हुआ. (पु.) सम्पूर्ण, जल.

कृत्स्नन (सं. पु.) सम्पूर्ण, जल, कला.

कृपण (सं. पु.) कंजूस, सूम, बखील.

कृपणता (सं. स्त्री.) सूमपना, कंजूसी.

कृपा (सं. स्त्री.) मिहरबानी, दया.

कृपाण (सं. स्त्री.) तलवार, खांडा.

कृपानिधान (सं. पु.) कृपाके घर, दयालु, कृपालु.

कृमि } (सं. पु.) कीडा, मकोडा,
क्रिमि } पतंगा.

कृमिनल (अं.) फौजदारी.

कृश (सं. गु.) (कृश्=पतला होना) दुबला, पतला, क्षीण.

कृशाक्षी (सं. गु.) मन्ददृष्टि.

कृशानु (सं. पु.) आग, अग्नि.

कृषक (सं. पु.) किसान, खेतिहर.

कृषि (सं. पु.) खेती, धरती.

कृषिकर्म्म (सं. पु.) खेतीका काम, काश्तकारी.

कृषिकारक (सं. पु.) किसान, काश्तकार.

कृष्ण (सं. गु.) काला, अँधेरा. (पु०) देवकीपुत्र.

कृष्णपक्ष (सं. पु.) अँधेरा पख, बदि.

कृष्णमय (सं. गु.) कृष्णके ध्यानमें लगा हुआ.

कृष्णसार (सं. पु.) काला मृग.

केंचुआ (हि. पु.) एक प्रकारका कीडा.

केकडा (हि. पु.) एक जानवरका नाम.

केकयी } (सं. स्त्री.) (ककय=एक रा-
केकई } जाका नाम) राजा दशरथजीकी स्त्री, भरतजीकी माता.

केकी (सं. पु.) मोर, मयूर.

केतकी (हि. स्त्री.) एक फूलका नाम.

केता (हि. क्रि. वि.) कितना, कित्ता.

केतिक (हि. गु.) कितनाही, थोडे.

केतन (सं. पु.) काम, कोडा, क्रीडा, ध्वजा, आलस, निमन्त्रण.

केतु (सं. पु.) पताका, झंडा, नवां ग्रह, धूमकेतु.

केन्द्र (सं. पु.) जहांसे पृथ्वीका नाप होता है, वृत्तके बीचकी बिन्दु.

केयूर (सं. पु.) बिजायट, बहूँटा.

केरल (सं. पु.) मालवादेश, देशविद्या.

केला (हि. पु.) एक पेड और उसके फलका नाम, कदली.

केलि (सं. स्त्री.) क्रीडा, खेल.

केवडा (हि. पु.) (सं. केतक) एक फूलका नाम.

केवट (हि. पु.) मल्लाह, नाव चलानेवाला धीवर.

केवल (सं. गु.) एकही, निराला, अकेला, खास, सिर्फ.

केवाड } (हि. पु.) (सं. कपाट) किवा-
किवांड } डी, दरवाजा.

केवान (हि. पु.) कँवल, कमल.
केश (सं. पु.) बाल, रोम, लोम.
केशर (सं. पु.) जाफरान, एक सुगन्धित वस्तु, कुंकुम.
केशरी (सं. पु.) सिंह, शेर, हनुमान्जीके पिताका नाम.
केशव (सं. पु.) (के=पानीमें, शी=सोना) विष्णु, श्रीकृष्णजी.
केशी (सं. पु.) एक राक्षसका नाम.
केसर (सं. स्त्री.) केशर, जाफरान.
केसरिया (हि. पु.) केसरमें रंगा हुआ, पीला.
केहरी (हि. पु.) सिंह, शेर, मृगराज.
केंचली (हि. स्त्री.) सांपकी खोल.
कैटभ (सं. पु.) एक राक्षसका नाम.
कैतव (सं. पु.) कपट, जुआ, धतूरेका फूल.
कैथी (हि. स्त्री.) एक प्रकारके हिन्दी अक्षर जो कायस्थ पटवारियोंसे लिखे जाते हैं.
कैरव (सं. पु.) कमोदनी, सफेद कँवल.
कैरी (हि. स्त्री.) विना पका हुआ छोटा आम.
कैलाश (पु.) महादेवजीके रहनेका स्थान.
कैवर्त्त, कैवर्त्तक (सं. पु.) (के=पानीमें वृत=रहना) मल्लाह, मछुआ, नाव चलानेवाला.
कैवल्य (सं. पु.) मुक्ति, परमगति.
कैसा (हि. क्रि. वि.) किस तरहका.
को (हि. सर्वना.) (सं. कः) कौन, कर्म और सम्प्रदान कारकका चिह्न.
कोई, कोऊ (हि. सर्वना.) (सं. कोपि) कोई आदमी जिसका निश्चय नहीं है.
कोई न कोई (हि. मुहा.) कोई एक.
कोई दममें (हि. मुहा.) तुरन्त, थोडी देरमें.
कोएरी (हि. पु.) एक जात जो खेती करती है.
कोंपल (हि. स्त्री.) अंकुर, कली.
कोक (सं. पु.) चकवा.
कोकिल (सं. स्त्री.) कोयल.
कोख (हि. स्त्री.) पेट, गर्भ.
कोखबन्ध (हि. पु.) बांझ, जिस स्त्रीके लडका न हो.
कोट (हि. पु.) किला, गढ.
कोटर (सं. स्त्री.) खोंदरा, पेडमें खोखली जगह.
कोटि (सं. स्त्री.) करोड, सौ लाख, त्रिभुजकी एक भुजा.
कोठा (हि. पु.) ऊपरका घर, पटा हुआ मकान.
कोठी (हि. स्त्री.) भण्डार, गोदाम, अनाज रखनेकी जगह, महाजनी दूकान, हुंडीवालेकी दूकान.
कोडना (हि. क्रि. स.) खोदना, गडहा करना.
कोडा (हि. पु.) चाबुक.
कोडा मारना (हि.) चाबुक लगाना.
कोडी (हि. स्त्री.) बीस, बीसी.
कोढ (हि. पु.) एक प्रकारका रोग.
कोढी (हि. पु.) कुष्ठी, जिसको कोढ निकला हो.
कोण (सं. पु.) कोन, दो सूधी रेखाओंका झुकाव.
कोतल (हि. पु.) खाली घोडा.
कोथमीर (हि. पु.) कच्ची धानियां.
कोतली (हि. स्त्री.) बटुआ, थैली.
कोदो, कोदौं (हि. स्त्री.) (सं. कोद्रव) एक तरहका अनाज.
कोदण्ड (सं. पु.) (को=बांस, दण्ड=डंडा) धनुष, कमान.

कोप (सं. पु.) (कुप=क्रोध करना) क्रोध, गुस्सा, रोस.
कोपना (हि. क्रि. अ.) गुस्सा होना, क्रोध करना.
कोपर (हि. पु.) कटोरा, प्याला.
कोपि (सं. सर्वना.) कौन.
कोपित (सं. पु.) क्रोधित.
कोपी (सं. गु.) क्रोधी, तामसी.
कोपीन (हि. स्त्री.) लँगोटी.
कोबी (हि. स्त्री.) एक तरकारीका नाम.
कोमल (सं. गु.) मुलायम, नर्म, मृदु.
कोमलता (सं. स्त्री.) नरमाई, मृदुलता.
कोयण } कोये (हि. पु.) (सं. कोन) आँखका सफेद ढेला.
कोयल (हि. स्त्री.) कोकिला, पिक, एक फूलका नाम.
कोर (हि. स्त्री.) किनारा, छोर.
कोरा (हि. गु.) नया, टटका.
कोरे रहना (हि. मुहा.) कुछ नहीं मिलना, निराश होना.
कोल (हि. पु.) जंगली मनुष्योंकी जाति, खाडी, तंग गली.
कोलाहल (सं. पु.) खलबल, धूमधाम, बहुत मनुष्योंका शब्द.
कोल्हू (हि. पु.) तेल निकालनेकी कल.
कोविद (सं. पु.) पण्डित, बुद्धिमान.
कोशना } फोसना (हि. क्रि. स.) (सं. क्रोशन) सरापना.
कोशला (सं. स्त्री.) अयोध्यापुरी, अवध.
कोष (सं. पु.) खजाना, भण्डार, डिक्शनरी, अभिधान, अण्डकोष, मियान.
कोशलाधीश (सं. पु.) श्रीरामचन्द्रजी, अयोध्याके राजा.
कोषाध्यक्ष (सं. पु.) खजांची, भण्डारी.
कोष्ट (सं. पु.) कोठा, खत्ता, जगह.
कोस (हि. पु.) दो मील, ३९२० गजका एक कोस होता है.
कोह (हि. पु.) गुस्सा, क्रोध.
कोहवर (हि. पु.) व्याहका घर, कौतुकघर.
कोही (हि. पु.) क्रोधी, तामसी.
कौंधना (हि. क्रि. अ.) चमकना.
कौंधा (हि. स्त्री.) बिजली.
कौला (हि. पु.) शन्तरा, एक फलका नाम.
कौडियाला (हि. पु.) एक प्रकारका सांप.
कौडी (हि. स्त्री.) (सं. कपर्दिका) छोटा शंख जो लेनदेनमें चलता है, दौलत, धन, कमाई.
कौतुक (सं. पु.) खेल, हँसीखुशी, मनबहलाव, कुतूहल.
कौतुकी (सं. गु.) खिलाडी, हँसमुख, कौतुक करनेवाला.
कौतुकशाला (सं. स्त्री.) तमाशाघर.
कौन (हि.) प्रश्नवाचक सर्वनाम.
कौनसा (हि. मुहा.) कैसा, किस तरहका.
कौंसिल (अं.) दरबार.
कौमार (सं. पु.) लड़कपन, युवावस्था.
कौमुदी (सं. स्त्री.) चांदनी, चन्द्रिका, एक व्याकरणकी पुस्तक.
कौर (हि. पु.) ग्रास, लकमा.
कौरव (सं. पु.) कुरुवंशी, धृतराष्ट्रके पुत्रोंको कौरव कहते हैं.
कौलिक (सं. गु.) कुलका, अपने कुलके धर्ममें चलनेवाला, वाममार्गी.
कौआ (हि. पु.) काग, कागा.
कौशल्या (सं. स्त्री.) कोशल देशके राजाकी पुत्री, श्रीदशरथ महाराजकी पत्नी, श्रीरामचन्द्रजीकी माता.
कौशिक (सं. पु.) (कुशिक=विश्वामित्रके पिता, गाधि.) विश्वामित्र.

कौशिकी (सं. स्त्री.) एक नदीका नाम जो विश्वामित्रकी बहिन कौशिकीके नामसे प्रसिद्ध है.
कौस्तुभ (सं. पु.) विष्णुकी मणि जो समुद्रसे निकली थी.
क्या (हि.) (सं किम्)प्रश्नवाचक अव्यय.
क्यों (हि. क्रि. वि.) किसलिये. काहेको.
क्योंकर (हि. क्रि. वि.) कैसे, किस तरहसे.
क्योंकि (हि. क्रि. वि.) किसलिये कि.
क्यों नहीं (हि. मुहा.) किसलिये नहीं, निश्चयही.
क्रतु (सं. पु.) यज्ञ, योग.
क्रम (सं. पु.) रीति, राह, सिलसिला.
क्रमशः (सं. क्रि. वि.) सिलसिलेवार, क्रमसे, तरकीबसे.
क्रमुकी (सं. स्त्री.) सुपारी, डली, पूंगीफल.
क्रय (सं. पु.) मोल लेना, खरीदना.
क्रयविक्रय (सं. पु.) खरीद बिकरी, लेन-देन, वणिज.
क्रयनीय (सं. गु.) खरीदने लायक
क्रयिक } (सं. पु.) खरीददार, क्रेता.
क्रयी }
क्रय्य (सं.) वस्तु, जिन्स बाजारी.
क्रव्य (सं. पु.) मांस, गोश्त.
क्रव्याद (सं. पु.) मांसभक्षक, राक्षस.
क्रान्ति (हि. स्त्री.) (सं. कान्ति) चमक, प्रकाश.
क्रान्तिमण्डल (सं. पु.) खगोलमें उस वृत्तका नाम जो सूर्यका मार्ग बतलाता है.
क्रामक } (सं.) खरीददार, क्रेता.
क्रायक }
क्रियमाण (सं.) करने योग्य.
क्रिया (सं. स्त्री.) (कृ=करना) काम काज, व्याकरणमें ऐसा शब्द जो धातुसे बना हो, सौगंध, शपथ,
क्रियादक्ष (सं. पु.) काममें चतुर.
क्रीडा } (सं. स्त्री.) (क्रीड=खेलना) खेल, कौतुक, हँसीखुशी.
क्रीडन }
क्रीडक } (सं. पु.) खिलाडी.
क्रीडिन् }
क्रुद्ध (सं. पु.) क्रोधित, गुस्सा किये हुये.
क्रूर (सं. गु.) कठोर, निर्दयी, कडा.
क्रूरता (सं.) निठुराई, कठोरपन.
क्रोडपत्र (सं. पु.) (क्रुड=जोडना) पीछेसे लगाया हुआ पत्र, संयोजित पत्र, जमामा.
क्रोध (सं. पु.) गुस्सा, कोप, रिस.
क्रोधवन्त } (सं. गु.) गुस्सा करनेवाला.
क्रोधवान }
क्रोधी (सं. गु.) कोप करनेवाला.
क्रोधना (सं. स्त्री.) कोप करनेवाली.
क्रोश (सं. पु.) कोस, दो मील.
क्रोष्टा (सं. पु.) सियार, शृगाल.
क्रौञ्च (सं. पु.) बगुला, एक द्वीपका नाम.
क्लान्त (सं. पु.) थकित, थका हुआ.
क्लिन्न (सं. पु.) ओदा, तर, सजल.
क्लिष्ट (सं. पु.) कठिन, सक्त, कडा.
क्लीब (सं. पु.) नपुंसक, नामर्द, हिजडा.
क्लेद (सं. पु.) पीब, मवाद.
क्लेश (सं. पु.) दुःख, पीडा.
क्लेशक (सं. पु.) दुःख देनेवाला.
क्लेशन (सं.) पीडा, दुःख.
क्लेशित (सं. पु.) पीडित, दुःखी.
क्वचित् (सं. क्रि. वि.) कहीं कहीं.
क्वाथ (सं. पु.) निर्यास, गोंद.
क्वथित (सं. पु.) पचाया हुआ.

ख.

ख (सं. पु.) आकाश, स्वर्ग, इन्द्री.
खंघालना (हि. क्रि. स.) (सं. प्रक्षालन) धोना, साफ करना.
खंजर (हि. स्त्री.) कटारी, कटार.

खंजरा (हि. स्त्री.) एक बाजेका नाम.
खंडहर (हि. पु.) टूटा फूटा हुआ मकान.
खग (सं. पु.) पक्षी, पखेरू, ग्रह, तीर, हवा.
खगपति (सं. पु.) पक्षियोंका राजा, गरुड.
खगान्तक (सं. पु.) बाजपक्षी.
खगेन्द्र (सं. पु.) गरुड.
खगेश (सं. पु.) गरुड.
खगोल (सं. पु.) आकाशमण्डल.
खगोलविद्या (सं. स्त्री.) नक्षत्रों और तारा आदिकी चाल जाननेकी विद्या.
खग्ग (हि. पु.) (सं. खड्ग) तलवार.
खचना (हि. क्रि. स.) जडना, मिलाना.
खचित (हि. गु.) जडा हुआ.
खच्चर (हि. पु.) घोडे और गदहेके मेलसे पैदा हुआ जानवर.
खजूर (हि. पु.) छुहारा, एक वृक्ष और उसके फलका नाम.
खञ्जन (सं. पु.) एक पक्षीका नाम.
खटकना (हि. क्रि. अ.) लगना, चुभना, सालना, बाजना.
खटका (हि. स्त्री.) संदेह, डर, दुबधा.
खटखटाना (हि. क्रि. स.) खटखट करना, ठोंकना, ठकठकाना.
खटछप्पर (हि. पु.) सेज, मुसहरीसहित पलंग.
खटपट (हि. स्त्री.) बिगाड, तकरार, खेंचातानी.
खटमल (हि.) खटकीडा, उडीस.
खटमीठा (हि. पु.) खट्टा और मीठा मिला हुआ स्वाद, मनभावन, मजेदार.
खटराग (हि. पु.) फूट, जंजाल अनमेल.
खटापटी (हि. स्त्री.) लडाई, बिगाड, खटपट.
खटिया (हि. स्त्री.) (सं. खट्वा) खाट, चारपाई पलंग.
खटीक (हि. पु.) अहेडी, जिसका काम जानवरोंके मारने और बेचनेका है.
खटोला (हि. पु.) छोटी खाट, पालना.
खट्टा (हि. गु.) तुर्श, चूक, अम्ल.
खट्वा (सं.) खाट, पलंग, चारपाई.
खडक (हि. स्त्री.) गोशाला, आहट.
खडकना (हि. क्रि. अ.) खडखडाना, बाजना.
खडा (हि. गु.) सीधा, ऊँचा, उठा.
खडा करना (हि. मुहा.) उठाना, ऊँचा करना.
खडा होना (हि. मुहा.) उठना, सीधा होना.
खडे खडे (हि. मुहा.) अभी, इसी दम, झटपट.
खडाऊँ (हि. स्त्री.) पादुका.
खडिया (हि. स्त्री.) खडी, खल्ली.
खडी (सं. स्त्री.) खल्ली, खडी मिट्टी.
खड्ग (सं. स्त्री.) तलवार, तरवार.
खण्ड (सं. पु.) (खड्=तोडना) टुकडा, हिस्सा, देश, खांड.
खण्डन (सं. पु.) तोडना, छिन्नभिन्न करना, किसीकी बातको रद्द करना, मात करना.
खण्डन करना (हि. क्रि. स.) तोडना, मात करना.
खण्डित (सं. गु.) टूटा हुआ, छिन्नभिन्न, मात किया हुआ.
खत्ता (हि. पु.) कोठा, अनाज रखनेका खड्डा.
खत्री (हि. पु.) हिन्दुओंकी एक जाति.
खदबदाना (हि. क्रि. अ.) सनसनाना, सीजाना.
खदेडना (हि. क्रि. स.) पीछा करना, रगेदना.

खद्योत (सं. पु.) भगजुगनू, चमकनेवाला कीडा.
खन (हि. पु.) घरका हिस्सा, कमरा.
खनकना (हि. क्रि. अ.) ठनठनाना, बाजना.
खनि (सं. स्त्री.) खान, आकर.
खनित्र (सं. स्त्री.) कुदाली, कुदाल.
खपत (हि. स्त्री.) बिकरी, खर्च.
खपना (हि. क्रि. अ.) बिकना, सूखना, उठना, खर्च होना.
खपरा (हि. पु.) नरिया, पटरी, जिससे मकान छाया जाता है.
खपैरल (हि. स्त्री.) खपरेका मकान.
खपाच (हि. स्त्री.) बाँसका टुकडा, फाँस.
खपाना (हि. क्रि. स.) मार डालना, पूरा करना, नाश करना.
खप्पर (हि. पु.) (सं. खर्प्पर.) खोपरी, योगी लोगोंका मिट्टीका बर्तन.
खम (हि. पु.) (सं. स्तम्भ) ताल, भुजा.
खम ठोकना (हि. मुहा.) ताल ठोंकना.
खमणि (सं. पु.) सूर्य्य.
खम्बा } खम्भ } (हि. पु.) थंभा, खंभा, लाठ, मीनार.
खर (सं. पु.) कठोर, तीखा.
खर (सं. पु.) गदहा, एक राक्षसका नाम.
खर } खढ } (हि. पु.) घास, तिनका.
खरबर (हि. स्त्री.) } खरभर (हि. स्त्री.) } खलबल (हि. स्त्री.) } खभार (हि. पु.) } हलचल, खलबली, खडखड, खडबडी.
खरल (हि. स्त्री.) औषधि पीसनेके लिये पत्थरका बर्तन.
खरहा (हि. पु.) खरगोश.
खरा (हि. गु.) सीधा, सच्चा, उत्तम, चोखा, श्रेष्ठ.
खर्व (सं. गु.) सौ अरब. (गु.) छोटा, नाटा, नीच.
खल (सं. गु.) दुष्ट, नीच, कठोर, निर्दई.
खलबलना (हि. क्रि. अ.) खौलना, उबलना.
खलियान (हि. पु.) खलिहान, वह स्थान जहाँ अनाजमेंसे भूसा निकाला जाता है.
खवा } खंवा } (हि. पु.) कन्धा.
खसकाना (हि. क्रि. स.) सरकाना, दूर करना.
खसखस (हि. पु.) झारकी जड, पोस्तका दाना.
खसना (हि. क्रि. अ.) गिरना.
खसरा (हि. पु.) एक तरहकी वही, खेतके हिसाबकी किताब, खर्रा, खुजली.
खाँड (हि. स्त्री.) (सं. खण्ड) शक्कर.
खाँडा (हि. पु.) तेगा, एक तरहकी तलवार.
खाँसी (हि. स्त्री.) खाँखी, धाँसी.
खाई (हि. स्त्री.) गडहा, खंदक, नाला.
खाऊ (हि. गु.) पेटू, बहुत खानेवाला.
खाग (हि. पु.) गैंडेका सींग.
खाज (हि. स्त्री.) खुजली.
खाजा (हि. पु.) एक प्रकारकी मिठाई.
खाट (हि. स्त्री.) चारपाई, खटिया.
खाता (हि. पु.) लेखावही, खसरा, हिसाब.
खाती (हि. पु.) मिस्तिरी, बढई.
खाद्य (सं. गु.) खाने लायक. (पु.) खानेकी चीज, खाना.
खान } खानी } (हि. स्त्री.) खानि, आकर, ढेर, घर.
खाना (हि. क्रि. स.) (सं. खादन) भोजन करना, खा जाना, उडाना, चोरी करना, हजम कर जाना. (पु.) खानेकी चीज, भोजन.

खाजाना (हि. मुहा.) खा लेना, चट करना, मार खाना, उड़ाना.
खानापीना (हि. मुहा.) भोजन, खुराक.
खानिक (सं. गु.) जो खानसे पैदा हो.
खार (हि. पु.) (सं. क्षार) लौना, एक सफेद खारी चीज जिससे धोबी कपड़ा धोते हैं.
खारा (हि. गु.) नमकीन, लौना.
खारुआ (हि. पु.) एक तरहका मोटा लाल कपड़ा.
खाल (हि. स्त्री.) चमड़ा, धौंकनी, खाड़ी.
खाल खैंचना (हि. मुहा.) देहसे चमड़ा उतार लेना, बहुत दुःख देकर मार डालना.
खिंचना (हि. क्रि. अ.) ऐंठना, तनना.
खिजलाना } खिजाना } (हि. क्रि. स.) (सं. खिद्=दुःख देना) चिढ़ाना, छेड़ना, तकलीफ देना, दुःख देना.
खिड़की (हि. स्त्री.) दरीची, झरोखा.
खिन्न (सं. गु.) दुःखी, थका हुआ, सताया हुआ.
खिरनी (हि. स्त्री.) एक फल और उसके पेड़का नाम.
खिलखिलाना (हि. क्रि. अ.) बहुत जोरसे हँसना.
खिलना (हि. क्रि. अ.) फूलना, प्रसन्न होना.
खिलाड़ } खिलाड़ी } (हि. गु.) चंचल, चपल.
खिलौना (हि. पु.) खेलनेकी चीज.
खिसलना (हि. क्रि. अ.) खिसकना, सरक जाना.
खिसियाना (हि. क्रि. अ.) चिड़चिड़ाना, क्रोध करना.
खीजना (हि. क्रि. अ.) दुःखी होना, क्रोध करना.
खीर (हि. पु.) (सं. क्षीर) दूध और चावलसे बनी हुई एक खानेकी चीज.
खीरा (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी काकड़ी.
खील (हि. स्त्री.) लावा, भूना हुआ चावल.
खीली (हि. स्त्री.) पानकी बीड़ी.
खीसना (हि. क्रि. स.) उजाड़ना, खिसियाना.
खीसा (हि. पु.) जेब, खलीता.
खुजलाना (हि. क्रि. स.) कलकलाना, खरोटना, खरोचना.
खुजलाहट (हि. स्त्री.) खुजली, खुजलाना, सुरसुरी.
खुजली (हि. स्त्री.) खाज, खारिश.
खुदवाना (हि. क्रि. स.) खुदाना.
खुनस (हि. स्त्री.) लाग, बैर, रोस.
खुनसाना (हि. क्रि. अ.) क्रोध करना, खिसियाना, रिसाना.
खुबना } खुभना } (हि. क्रि. अ.) चुभना, बिंधना, असर करना, मनमें जंचजाना.
खुर (सं. पु.) सुम, चौपायोंके पैरका नख.
खुरपा (हि. पु.) घास खोदनेका औजार.
खुरमा (हि. पु.) एक प्रकारकी मिठाई.
खुलना (हि. क्रि. अ.) खुल जाना, प्रगट होना, साफ हो जाना, टूटना, छूट जाना.
खूँट (हि. पु.) कोन, कानका मैल.
खूँदना (हि. क्रि. स.) पैरोंसे भूमिको खोदना, थप मारना.
खेचर (सं. पु.) (खे=आकाश, चर=चलनेवाला) ग्रह, विद्याधर देवता, आकाशमें चलनेवाला.
खेटक (सं. पु.) शिकार, अहर, ढाल.
खेड़ा (हि. पु.) गांव, दिहात.
खेड़ी (हि. स्त्री.) इस्पात, अच्छा लोहा.
खेत (हि. पु.) (सं. क्षेत्र) वह जगह जहां अनाज आदि बोते हैं, धरती, लड़ाईका मैदान.

खेत छोडना (हि. मुहा.) लडाइसे भाग जाना.
खेत रहना (हि. मुहा.) लडाईमें रह जाना, मारा जाना.
खेती (हि. स्त्री.) काश्तकारी, फसल, जिराअत, किसनई.
खेतीबारी (हि. मुहा.) खेतीका काम, काश्तकारी, जिराअत.
खेद (सं. स्त्री.) दुःख, पीडा, पछतावा.
खेदित (सं. गु.) पीडित, दुःखित.
खेप (हि. स्त्री) (सं. क्षेप) सफर, जहाजका बोझा.
खेप हारना (हि. मुहा.) नुकसानी उठाना.
खेल (सं. गु.) तमाशा, कौतुक.
खेवट } (हि. पु.) नाव चलानेवाला,
खेवटिआ } मल्लाह, मांझी.
खेवना (हि. क्रि. स.) नाव चलाना.
खेवा (हि. पु.) उतराई, नदीका पार होना.
खेस (हि. पु.) एक कपडेका नाम.
खैंचना (हि. क्रि. स.) तानना, कसना, तसबीर उतारना.
खैंचाखैंची (हि. मुहा.) खैंचातानी मारामारी.
खैर (हि. पु.) एक वृक्षका नाम.
खोंता (हि. पु.) घोसला, पखेरूका घर.
खोंसना (हि. क्रि. स.) ठांसना, ढोंसना.
खोखला (हि. गु.) पोला, खाली, छूछा.
खोखा (हि. पु.) वह हुंडी जिसके रुपये दिये जा चुके हों.
खोज (हि. पु.) ठिकाना, पता, निशान, चिह्न.
खोट (हि. स्त्री.) भूल, चूक, औगुन.
खोटा (हि. गु.) झूठा, नमकहराम.
खोदना (हि. क्रि. स.) खनना, कुरेदना.
खोना (हि. क्रि. स.) गंवाना, उडाना, हारना.
खोपरा (हि. पु.) (सं. खर्पर) नारियलकी गरी.
खोपरी (हि. स्त्री.) सिरकी हड्डी, खोपडी.
खोह (हि. स्त्री.) गुफा, गडहा.
खौड (हि. स्त्री.) तिलक, त्रिपुंड्र.
खौलना (हि. क्रि. अ.) उबलना, बहुत गर्म होना.
ख्यात (सं. गु.) (ख्या=प्रसिद्ध होना) नामवर, प्रतिष्ठित, उजागर.
ख्याति (सं. स्त्री.) यश, नामवरी, कीर्ति
ख्याल (हि. पु.) तमाशा, खेल, स्वाङ्ग.

ग.

ग (सं. पु.) (गै=गाना) गन्धर्व, गणेशजी.
गंग (हि. स्त्री.) गंगानदी.
गंज (हि. स्त्री.) चाईचूई, बादखोरा.
गंजा (हि. गु.) चँदला, जिसके सिरमें गंज हो.
गंजना (हि. क्रि. स.) नाश करना.
गंठजोडा (हि. पु.) (सं. ग्रन्थिजोड) गांठ बांधना.
गंठजोडा बांधना (हि. मुहा.) ब्याहमें दुलहा दुलहिनके आंचलसे गांठ बांधना.
गंठकटा } (हि. पु.) चुहाड, जेबकतरा.
गठकटा }
गंडा (हि. पु.) घेरा, चार कौडी वा पैसा, गांठ दिया हुआ तागा जो लडकोंके गलेमें बांधा जाता है.
गंडासा (हि. पु.) फरसा, तबल.
गंडेरी (हि. स्त्री.) ऊखका टुकडा. (पु.) एक जातिके मनुष्य जो भेंड चराते हैं.
गंधी (हि. पु.) (सं. गान्धिक) इतर गुलाब वगैरह बेचनेवाला.

गँव } गौं } (हि. पु.) अवसर, दाँव सुभीता, मौका.
गँवाना (हि. क्रि. स.) (सं. गम्=जाना) खोना, फेंकना, खर्च करना.
गँवार (हि. पु.) (सं. ग्राम्य) गांवमें रहनेवाला, मूर्ख, अनपढ.
गँवी } (हि. पु.) दिहाती, गँवैला, गँवई } (पु.) दिहात, गांव.
गगण } गगन } (सं. पु.) आकाश, आसमान.
गगरी } गागरी } (हि. स्त्री.) (सं. गर्गरी) मटकी, कलसी, छोटा घडा, ठिलिया.
गङ्गा (सं. स्त्री.) एक नदीका नाम, भागीरथी, सुरसरी.
गङ्गाजमनी (हि. स्त्री.) कानका गहना, बाली, पीला और काला मिला हुआ रंग.
गङ्गाजल (सं. पु.) गंगाका पानी.
गङ्गाद्वार (सं. पु.) गंगोत्तरी, हरिद्वारमें वह जगह जहाँ गंगा निकलकर बहती है.
गङ्गाधर (सं. पु.) महादेव, शिव.
गङ्गासागर (सं. पु.) वह जगह जहाँ गंगा समुद्रमें गिरती है.
गजपच (हि. मुहा.) भीडभाड, घना.
गज (सं. पु.) हाथी.
गज (फा. पु.) दो हाथका नाप.
गजगमनी (सं. स्त्री.) जिस स्त्रीकी चाल हाथीकी ऐसी हो.
गजगाह (हि. पु.) हाथी घोडोंका गहना.
गजपति (सं. पु.) राजा, हाथीपर चढनेवाला, बडा हाथी.
गजपाल (सं. पु.) हाथीवान, महावत.
गजमोती (हि. पु.) हाथीके सिरका मोती, गजमणि.
गजयूथ (सं. पु.) हाथियोंका झुंड.
गजरा (हि. पु.) गाजर, हाथमें पहरनेका गहना, फूलोंकी बडी माला.
गजराज (सं. पु.) बडा हाथी, गजेन्द्र.
गजवदन (सं. पु) गणेशजी.
गजानन (सं. पु.) गणेशजी.
गजारि (सं. पु.) (गज=हाथी, अरि=दुश्मन) शेर, सिंह.
गजेन्द्र (सं. पु.) हाथियोंका राजा, इन्द्रका हाथी.
गञ्ज (सं. पु.) ढेर, भंडार, हाट, बाजार.
गटपट (हि. क्रि. वि.) मेल, गडबड.
गट्ठा (हि. पु.) (स. ग्रंथि.) गठडी, बस्ता, कट्ठा, लहसुन प्याज आदिकी जड.
गठडी } गठरी } (हि. स्त्री.) (सं. ग्रन्थि.) गांठ, मोटरी.
गठिया (हि. स्त्री.) गठरी, गांठ, एक प्रकारका वातरोग.
गठीला (हि. पु.) गांठवाला, हृष्टपुष्ट.
गडगडाना (हि. क्रि. अ.) गर्जना.
गडगूदड (हि. पु.) पुराना कपडा, चिथडा.
गडबड (हि. क्रि. वि.) उलटपुलट.
गडेरिया (हि. पु.) भेडी बकरीके चरानेवाला, भेषपाल, चरवाहा.
गडहा } गढा } (हि. पु.) (सं. गर्त) खड्डा, गढेला, खन्दक.
गड्डी (हि. स्त्री.) कागजके दस दस्ते.
गढ (हि. पु.) किला, दुर्ग, कोट.
गढना (हि. क्रि. स.) बनाना, ठोंकना.
गढवार (हि. पु.) (सं. गाढ) मोटा, गाढा.
गण (सं. पु.) (गण=गिनना) थोक, समूह, महादेवजीके दूत.
गणक (सं. पु.) ज्योतिषी, गिननेवाला.
गणना (सं. स्त्री.) गिन्ती, संख्या.
गणनाथ (सं. पु.) गणेशजी.

गणनायक (सं. पु.) गणेशजी.
गणपति (सं. पु.) गणेशजी, गजानन.
गणराऊ (हि. पु.) गणेशजी.
गणाधिप (हि. पु.) गणेशजी, गणराज.
गणिका (सं. स्त्री.) (गण=समूह अर्थात् जिसके बहुतसे पति हों) वेश्या, कंचनी, पतुरिया, तवायफ.
गणित (सं पु.) अङ्कविद्या, हिसाब.
गणितज्ञ (सं. पु.) खूब हिसाब जाननेवाला.
गणेश (सं. पु.) गणपति, महादेवजीके पुत्र.
गण्ड (सं. पु.) (गडि=मुँहका एक भाग होना) गाल, हाथीका गाल.
गण्डकी (सं. स्त्री.) (गडि=सींचना) एक नदीका नाम.
गण्य (सं. गु.) (गण=गिनना) गिनने योग्य, प्रतिष्ठित.
गत (सं. गु.) (गम=जाना) गया हुआ, बीता हुआ, जाना हुआ, प्राप्त.
गति (सं. स्त्री.) (गम्=जाना) चाल, चलना, हाल, रीति, दशा, ज्ञान, मुक्ति, उपाय.
गताक्ष (सं. गु.) अंधा, वह मनुष्य जिसकी आँखकी रोशनी चली गई हो.
गताङ्क (सं. पु.) बीती हुई संख्या.
गतानुगतिक (सं. गु.) अनुगामी, एकके पीछे चलनेवाला.
गतायु (सं. गु.) वह मनुष्य जिसकी उमर पूरी हो गई हो.
गदका (हि. पु.) (सं. गदा) पटा.
गदहा } (हि. पु.) (सं. गर्दभ) खर,
गधा } एक जानवरका नाम.
गदा (सं. स्त्री.) (गद्=शब्द करना) एक हथियारका नाम, सोंटा, सोंटा.
गदाधर (सं. पु.) (गदा=सोंटा, धर=धरनेवाला) विष्णुका नाम.
गदेला (हि. पु.) मोटा बिछौना, बच्चा, बालक.
गद्गद (सं. पु.) आनन्दित, प्रफुल्ल, खुशीके मारे पूरा बोल नहीं निकलना.
गद्दी } (हि. स्त्री.) आसन, तख्त, राजा-
गादी } का सिंहासन, बिछौना.
गद्य (सं. पु.) (गद्=बोलना) वतूनी, छन्दरहित वाक्य.
गनना (हि. क्रि. स.) (सं. गणना) गिनना, शुमार करना.
गन्ध (सं. स्त्री.) महक, बू, बास, सौरभ.
गन्धक (सं. पु.) एक पीले रंगकी धातु.
गन्धमादन (सं. पु.) गन्ध=महक, मादन=मस्त करनेवाला) एक पहाडका नाम, बन्दरोंके एक सरदारका नाम.
गन्धराज (सं. पु.) चन्दन, सुगन्धित, फूल.
गन्धर्व (सं. पु.) स्वर्गका गवैया.
गन्धवह } (सं. पु.) (गन्ध=महक, वह=
गन्धवाह } ले जाना) हवा, पवन, नाक, कस्तूरिया हरिन.
गन्धसार (सं. पु.) चन्दन, श्रीखण्ड.
गन्धार (सं. पु.) एक रागका नाम.
गन्धारी (हि. स्त्री.) (सं. गान्धारी) दुर्योधनकी माता, धृतराष्ट्रकी पत्नी, कन्धारदेशके राजाकी पुत्री.
गप (हि. स्त्री.) इधर उधरकी झूठ सच बात, बकबक.
गप मारना (हि. मुहा.) सच्ची झूठी बातें करना.
गम्भीर } (सं. गु.) (गम्=जाना) अथाह,
गँभीर } धीर, भारी, निगूढ.
गमन (सं. पु.) जाना, यात्रा.

म्य (सं. गु.) जाने योग्य, जानने योग्य.
यन्द (हि. पु.) (सं. गजेन्द्र) बडा हार्थी.
या (सं. स्त्री.) (गय=एक राक्षसका नाम) विहारमें एक प्रसिद्ध शहर और हिन्दुओंका बडा तीर्थस्थान है. सच तो यों कि " गया न गया सो कहीं न गया, मातु पिता कुल तारणको. "
यावाल } (हि. पु.) (सं. गयालय.) याल } गयाव'सी पण्डालोग जो यात्रियोंको पिण्ड श्राद्ध आदि कराते हैं.
र (सं. पु.) (गृ=निगलना वा निकाल देना) विप, जहर, एक रोगका नाम.
रल (सं. पु.) विप जहर, हलाहल.
रवा (हि. गु.) (सं. गौरव) गम्भीर, भारी, प्रतिष्ठित, गला.
रिमा (सं. स्त्री.) (गुरु=वडा) बडाई, गरुआई, बोझ, अहंकार.
री (हि. स्त्री.) नारियलका गूदा, खोपरा.
रुआई (हि. स्त्री.) बोझ, भार.
रुड (सं. पु.)(गरुत्=पंख, डी=उडना) पक्षियोंका राजा, विष्णुका वाहन.
रुडध्वज (सं. पु.) जिनकी ध्वजामें गरुडका चिह्न है अर्थात् विष्णु भगवान्.
रुत् (सं. पु.) पंख, पाँख, पर.
र्ग (सं. पु.) एक मुनिका नाम जो ब्रह्माके पुत्र थे.
र्ज } (सं. पु.) (गर्ज=गरजना) बाद- र्जन } लोंका शब्द, सिंहका शब्द.
र्त (सं. पु.) गडहा, खन्दक.
र्दभ (सं. पु.) (गर्द=शब्द करना) गदहा, गधा.
र्व (सं. पु.) घमंड, अभिमान, दर्प.
र्भ (सं. पु.) हमल, गाभ, पेट.

गर्भवती } (सं. स्त्री.) गाभिन, पेटसे, दो गर्भिणी } जीवसे.
गर्भश्राव (सं. पु.) गर्भका गिरना, गर्भपात.
गर्वित (सं. गु.) घमंडी, अभिमानी.
गल (सं. पु.) गला, गर्दन.
गल देना (हि. मुहा.) फाँसी देना.
गलबहियाँ (हि. स्त्री.) (सं. गलबाहु) गलेमें हाथ डालना.
गलना (हि. क्रि. अ.) पिघलना, नर्म होना, सडना, बिगडना.
गला (हि. पु.) गर्दन, कण्ठ, स्वर.(गु.) सडा हुआ, बिगडा हुआ.
गला बैठना (हि. मुहा.) आवाज बैठना, गला घनघनाना.
गला फाँसना (हि. मुहा.) गला दबाना, फाँसी देना.
गला घोंटना (हि. मुहा.) दम बन्द करना.
गलेका हार होना. (हि. मुहा.) सदा मनमें बसना, किसीसे बडी लगनके साथ प्यार करना.
गले लगना (हि. मुहा.) मिलना, छाती, से लगना.
गलाना (हि. क्रि. स.) पिघलाना, सडाना.
गलित (सं. गु.) गला हुआ, सडा हुआ, गिरा हुआ.
गली (हि. स्त्री.) तंग रास्ता.
गली गली (हि. मुहा.) एक गलीसे दूसरी गलीतक, हरगली.
गवन (हि. पु.) (सं. गमन) सफ़र, यात्रा, कूच, जाना.
गवय (सं. पु.) वनकी गाय, गायके ऐसा जानवर, एक बन्दरका नाम.

गवाक्ष (सं. पु.) खिड़की, झरोखा, जाली, गायकी आँख.

गवाश (सं. पु.) (गो=गाय, अश=खाना) कसाई, गायके खानेवाले.

गवैया (हि. पु.) (सं. गायक) गानेवाला

गव्य (सं. पु.) दूध आदि.

गहन (हि. पु.) (सं. ग्रहण) गरहन.

गहन (सं. पु.) वन, झाड़ी. (गु.) गहरा, सघन.

गहना (हि. पु.) जेवर, भूषण, गिरवी.

गहना (हि. क्रि. स.) पकड़ना, लेना.

गहने धरना } (हि. मुहा.) गिरवी रखना,
गहनो धरना } बन्धक रखना.

गहरा (हि. गु.) गंभीर अथाह.

गहरू (हि. स्त्री.) देरी, विलम्ब.

गहुआ (हि. पु.) चिमटा, संडासी.

गह्वर (हि. स्त्री.) गुफा, कंदरा, कुंज.

गाँजा (हि. पु.) एक नशेकी चीज.

गाँठ (हि. स्त्री.) (सं. ग्रन्थि) गिरह, जोड़ा, गठड़ी, गिल्टी.

गाँठ उखड़ना (हि. मुहा.) जोड़का सरक जाना, हड्डीका बिचलना.

गाँठ पड़ना (हि. मुहा.) किसीके मनमें किसीके साथ दुश्मनी अथवा वैर या विरोधका जमना.

गाँठका पूरा (हि मुहा.) धनी, मालदार.

गाँठका खोना (हि. मुहा) अपना नुकसान आप करना.

गाँठ खोलना (हि. मुहा.) बहुत खर्च करना, थैली खोलना, पक्षपातका छोड़ना.

गाँठना (हि. क्रि. स.) (सं. ग्रन्थन) बाँधना, जकड़ना, जोड़ना, वशमें लाना, लुभाना, अपना करना.

गाँडर (हि. पु.) एक प्रकारका घास.

गाँडा (हि. पु.) ऊख, गन्ना.

गाँव } (हि. पु.) (सं. ग्राम) खेड़ा,
गाम } बस्ती.

गाई (हि. स्त्री.) (सं. गौ.) गाय.

गागर } (हि. स्त्री. (सं. गर्गरी) कलसी,
गागरी } घड़ा, गगरा, मटकी.

गाछ (हि. पु.) पेड़, वृक्ष.

गाजना (हि. क्रि. अ.) (सं. गर्जन) सिंह या बादलोंका शब्द, प्रसन्न होना.

गाजर (हि. स्त्री.) (सं. गर्जर) एक प्रकारका कन्दमूल.

गाजाबाजा (हि. मुहा.) कई तरहके बाजोंकी आवाज, खुशी.

गाड़ना (हि. क्रि. स.) (सं. गर्त्तन) जमाना, तोपना, मिट्टी देना, पक्का करना.

गाडर (हि. स्त्री.) भेंड, भेंडी.

गाडरू (हि. पु.) साँपके विष उतारनेका मन्त्र.

गाड़ा (हि. पु.) (सं. गन्त्री) छकड़ा शकट खाई, घात.

गाडी (हि. स्त्री.) रथ, बहल, छकड़ा.

गाडीवान (हि. पु.) सारथी, गाडी हाँकनेवाला.

गाढा (हि. गु.) (सं. गाढ) मोटा, मजबूत, पोढा, पक्का, चतुर.

गाण्डिव (सं. पु.) अर्जुनका धनुष, कोई धनुष.

गात (हि. पु.) (सं. गात्र) शरीर, अंग, कपड़ा, वस्त्र.

गाता (हि. पु.) गत्ता, जिल्द, पुट्ठा.

गात्र (सं. पु.) शरीर देह, तन.

गायक (सं. पु.) गानेवाला, गवैया, कथक.

गाथा (सं. स्त्री.) कथा, गीत छन्द.

गाद (हि. स्त्री.) तलछट, मैल.

गाथना } (हि. क्रि. स.) (सं. ग्रन्थन)
गाँथना } गूँथना, बनाना.

गाधि (सं. पु.) विश्वामित्रमुनिके पिता.
गाधितनय (सं. पु.) विश्वामित्रमुनि.
गाधिसुवन (सं. पु.) विश्वामित्रमुनि.
गान (सं. पु.) गीत, गाना.
गाना (हि. क्रि. स.) (सं. गान) अलापना, राग उच्चारना.
गन्धर्व (सं. पु.) गन्धर्वका गीत, एक प्रकारका ब्याह जो केवल दुलहा दुलहिनकी मर्जीसे ही जाता है.
गान्धार (सं.पु.) एक रागका नाम, कंधरा देश.
गाभ (हि. पु.) गर्भ, पेट.
गाभा (हि. पु.) केलेके पेडका नया पत्ता.
गाभिन (हि. स्त्री.) (सं. गर्भिणी) गर्भवती.
गामी (सं. पु.) जानेवाला, चलनेवाला
गाय (हि. स्त्री.) गाई, गया, धेनु.
गायगोठ } (हि. स्त्री.) गोशाला, गौओंके
गाइगोठ } रहनेका स्थान.
गायक (सं. पु.) गानेवाला.
गायत्री (सं. स्त्री.) (गायन=गानेवालेको त्रै=रक्षा करना) एक प्रकारका मन्त्र, एक छन्दका नाम जिसके प्रत्येक पाद में ६ अक्षर होते हैं.
गार } (हि. स्त्री.) बुरा वचन, गाली.
गारी }
गारूडी (हि. पु.) विष उतारनेवाला.
गाल (हि. पु.) कपोल, आँखोंके नीचेका भाग, चोचला.
गाल करना } (हि. मुहा.) बकवाद कर-
गाल बजाना } ना, चोचला करना.
गालव (सं. पु.) एक ऋषिका नाम.
गाली (हि. स्त्री.) गारी, बुरा वचन.
गलीगलौज (हि. मुहा.) आपसमें गाली देना, लडाई, तकरार.
गावदी (हि. गु.) भोला, गँवार, मूर्ख.
गावघी (सं. पु.) (सं. गोघृत) गायका घी.
गाहक (हि. पु.) खरीददार, मोल लेनेवाला.
गाहना (हि. क्रि. स.) खोजना, तलाश करना, दबाना.
गाहा (हि. स्त्री.) कथा, समूह.
गिडगिडाना (हि. क्रि. अ.) विनती करना, घिघियाना.
गिणती } (हि. स्त्री.) (सं. गणित)
गिन्ती } संख्या, हिसाब, गिनना.
गिणना } (हि. क्रि. स.) गिन्ती करना,
गिनना } शुमार करना, हिसाब करना.
गिद्ध (हि. पु.) (सं. गृध्र) गीध, एक पखेरूका नाम, शकुनी.
गिरगिट (हि. पु.) एक कीडा, छिपकली, टिकटिकी.
गिरते पडते (हि. मुहा.) बहुत कठिनतासे.
गिरा (सं. स्त्री.) वचन, वाणी, सरस्वती, कविताई.
गिरि (सं. पु.) पहाड, पर्वत, संन्यासी. (गु.) प्रतिष्ठित, मान्य.
गिरिजा (सं. स्त्री.) (गिरि=पहाड, जा=पैदा होना) पार्वती, उमा, हिमालयकी बेटी.
गिरिधर } (सं. पु.) (गिरि=पहाड,
गिरिधारी } धर=धरनेवाला) श्रीकृष्णजी.
गिरिन्दा (हि. पु.) (सं. गिरीन्द्र) बडा पहाड, हिमालय पहाड, सुमेरु पहाड.
गिरिराज (सं. पु.) पहाडोंका राजा, हिमालय, गोवर्द्धन.
गिरिवर (सं. पु.) बडा पहाड.
गिरिसुता (सं. स्त्री.) (गिरि=पहाड, सुता=बेटी) पार्वती, गौरी.

गिरीन्द्र (सं. पु.) (गिरि=पहाड; इन्द्र=राजा) हिमालय, सुमरु, गिरीश.
गिरीश (सं. पु.) (गिरि=पहाड, ईश=स्वामी) महादेव, शिव, हिमालय.
गिल्हरी (हि. स्त्री.) एक जानवरका नाम, रूखी.
गिलौरी (हि. स्त्री.) पानकी बीडी.
गीत (हि. पु.) भजन, गान.
गीता (स. स्त्री.) एक पुस्तकका नाम, जिसमें श्रीकृष्णजी और अर्जुनका सम्वाद है उसको भगवद्गीता कहते हैं.
गीदड (हि. पु.) सियार, शृगाल.
गीध (हि. पु.) (सं. गृध्र.) गिद्ध.
गीला (हि. गु.) भींगा, ओदा.
गुजरात (हि. स्त्री.) एक देशका नाम.
गुजराती (हि. गु.) गुजरातका, छोटी इलायची.
गुञ्ज (हि. पु.) } (गुजि=शब्द करना)
गुञ्जा (सं. पु.) } लाल घुगची, एक बेलका नाम.
गुटिका (सं. स्त्री.) दवाईकी गोली, किसी प्रकारकी गोली.
गुड (सं. पु.) मीठा, ऊखके रसकी बनी हुई चीज.
गुडम्बा (हि. पु.) (सं. गुडाम्र) गुडके रसमें पकाया हुआ कच्चा आम.
गुडगुडी (हि. स्त्री.) नेचा, छोटा हुक्का.
गुडिया (हि. स्त्री.) लडकियोंका खिलौना.
गुड्डी (हि. स्त्री.) पतंग, तिलंगी.
गुण (सं. पु.) हुनर, स्वभाव, विशेषण, चतुराई, विद्या, रस्सी, भलाई, वार.
गुण करना (हि. मुहा.) भला करना.
गुण मानना (हि. मुहा.) अहसान मानना, भला मानना.
गुणक (स. पु.) गणितमें वह अंक जिससे गुना किया जाता है.
गुणगाहक (हि. गु.) कदरदान, गुण जाननेवाला.
गुणग्राही } (सं. गु.) (गुण=विद्या,
गुणग्राहक } ग्राही=लेनेवाला) गुणको जाननेवाला, गुणगाहक.
गुणज्ञ (सं. गु.) गुणको जाननेवाला.
गुणन (सं. पु.) गुना करना.
गुणवान् } (सं. गु.) (गुण=विद्या, वत्=
गुणवन्त } वाला) गुनी, पण्डित, चतुर.
गुणित (सं. गु.) गुना हुआ.
गुणी (सं. गु.) गुनवान्, विद्यावान्.
गुण्य (सं. पु.) गणितमें वह अंक जो गुना जाय.
गुनगुना (हि. गु.) कम गर्म.
गुप्त (सं. गु.) छिपा हुआ, ढका हुआ. (पु.) वैश्योंकी उपाधि.
गुप्ती (हि. स्त्री.) लाठीके भीतर छोटी तलवार.
गुफा (हि. स्त्री.) खोह, कन्दरा.
गुरु (सं. पु.) (गृ=उपदेश करना) मंत्र देनेवाला, उपदेशक, पिता वा अपना और कोई बडा पुरुष, पढानेवाला, बृहस्पति, दीर्घस्वर. (गु.) भारी, बडा, पूज्य.
गुरुमुख होना (हि. मुहा.) गुरुसे मंत्र लेना.
गुरुजन (सं. पु.) बडे लोग.
गुरुत्व (सं. पु.) बोझ, बडाई.
गुरुवार (सं. पु.) बृहस्पतिवार, बीफे.
गुर्विणी } (सं. स्त्री.) गर्भिणी, गर्भवती.
गुर्वी }
गुलाई (हि. स्त्री.) गोलाई, गोलापन.
गुलाबजामन (हि. पु.) एक प्रकारकी मिठाई, एक तरहका फल.

गुलेल (हि. स्त्री.) एक तरहका धनुष.
गुह (सं. पु.) निषाद, शृंगवेरपुरका राजा और श्रीरामचन्द्रका मित्र, कार्तिकेय.
गुहना (हि. क्रि. स.) गूंथना, पिरोना.
गुहा (सं. स्त्री.) कन्दरा, खोह.
गुहार (हि. स्त्री.) पुकार, सहाय.
गुह्य (सं. गु.) छिपाने लायक.
गुह्यक (सं. पु.) कुबेरके दूत.
गुसँइ } गोसाइं } (हि. पु.) (सं. गोस्वामी) संन्यासी, स्वामी, मालिक.
गूँजना (हि. क्रि. अ.) (सं. गुञ्जन) भनभनाना, प्रतिध्वनि होना, पीछी आवाज आना, गर्जना.
गूँझा (हि. पु.) एक प्रकारकी मिठाई.
गूँथना (हि. क्रि. स.) (सं. गुम्फन) पिरोना, गुहना.
गूजर (हि. पु.) गोप, ग्वाला, अहीर.
गूजरी (हि. स्त्री.) ग्वालन, गोपी, एक प्रकारका गहना.
गूढ (सं. गु.) कठिन, छिपा हुआ.
गूदा (हि. पु.) सार, भेजा.
गूलर (हि. पु.) एक फलका नाम, डूमर.
गृध्र (सं. पु.) गीध, गिद्ध.
गृध्रराज (सं. पु.) जटायुपक्षी.
गृह (सं. पु.) मकान, घर, वासा, रहनेकी जगह.
गृहस्थ (सं. पु.) घरबारी, घरवाला, किसान.
गृहस्थाश्रम (सं. पु.) गृहस्थका धर्म अथवा काम.
गृहिणी (सं. स्त्री.) लुगाई, घरवाली, जोरू, पत्नी, भार्या.
गृही (सं. पु.) गृहस्थ, घरवाला.
गृहीत (सं. गु.) (गृह=लेना) पकड़ा हुआ, लिया हुआ, ग्रहण किया हुआ.
गेंडा (हि. पु.) एक जानवरका नाम.
गेंद (हि. स्त्री.) (सं. गेण्डु) लड़कोंके खेलनेकी कपडे या चमडेकी गोल चीज, कंदुक.
गेंदतडा खेलना (हि. मुहा.) डंडेसे गेंदको मारके खेलना.
गेंदा (हि. पु.) एक फूलका नाम, गेंद.
गेरू (हि. स्त्री.) पहाडकी लाल मिट्टी.
गेरूआ (हि. गु.) गेरूसे अथवा गेरूके ऐसा रंग हुआ.
गेह (सं. पु.) मकान, घर.
गेहूँ (हि. पु.) (सं. गोधूम) गोहूँ, एक प्रकारका अनाज.
गेहूँआ (हि. पु.) गेहूँका रंग, एक तरहका घास, साँवला, गेहूँके रंग ऐसा.
गैया } गइया } (हि. स्त्री.) (सं. गो) गाय.
गैल (हि. पु.) रास्ता, बाट, मार्ग.
गो (सं. पु. स्त्री.) (गम्=जाना) गाय, स्वर्ग, पृथ्वी, किरण, पानी, वाणी बोली, इन्द्रिय.
गोई (हि. गु.) (सं. गुप्त) छिपा हुआ. (क्रि. स.) छिपाया.
गोकुल (सं. पु.) (गो=गाय, कुल=समूह, घर) मथुराके पास एक गाँव जहां नन्दजी रहते थे, व्रज, गौओंके रहनेकी जगह.
गोचर (सं. पु.) (गो=इन्द्रिय, चर=चलना) इन्द्रियोंके विषय जैसे रूप, रस, गन्ध, शब्द और स्पर्श. (गु.) जो इन्द्रियोंसे जाना जाय.
गोट (हि. स्त्री.) चौपड वा शतरंजकी गोटी, संजाफ, कोर.
गोटा (हि. पु.) किनारी, सोना या चांदीके बने हुये तार, तागतोड.

गोटी (हि. स्त्री.) शीतलाका दाग, चेचकका दाग.
गोड (हि. पु.) पांव, पैर, टांग.
गोडना (हि. क्रि. स.) खोदना, खुदना,
गोण (हि. स्त्री.) (सं. गोणी) थैला, बोरा.
गोत (हि. पु.) (सं. गोत्र) जात, वंश.
गोतम (सं. पु.) एक ऋषिका नाम.
गोतमनारी (सं. स्त्री.) गोतम ऋषिकी स्त्री, अहल्या.
गोतिया } (हि. गु.) जात, भाई, कुटुम्ब
गोती } सम्बन्धी
गोत्र (सं. पु.) कुल, वंश, गोत.
गोत्रज (सं. पु.) गोतिया, एक गोतका.
गोतीत (सं. गु.) (गो=इन्द्रिय, अतीत=परे) जो इन्द्रियोंसे नहीं देखा जाय, अगोचर.
गोद } (हि. स्त्री.) (सं. क्रोड)
गोदी } अँकवार.
गोद पसारना (हि. मुहा.) जांचना, मांगना.
गोद लेना (हि. मुहा.) पोसपूत करना, दूसरेके पुत्रको अपना बेटा करके मानना.
गोदावरी (सं. स्त्री.) (गो=स्वर्ग, दा=देना) एक नदीका नाम जो दक्षिणमें है.
गोधूलि (सं. स्त्री.) सूर्य्य अस्त होनेका समय, संध्या.
गोना } (हि. क्रि. स.) (सं. गोपन)
गोवना } छिपाना, गुप्त रखना.
गोप (सं. पु.) (गो=गाय, प=पालना) ग्वाल, अहीर.
गोप (हि. पु.) गलेमें पहरनेका एक गहना
गोपन (सं. पु.) छिपाव, लुकाव.
गोपनीय (सं. गु.) छिपाने योग्य.
गोपाल } (सं. पु.) (गो=गाय, पाल=
गोपालक } पालना) ग्वाला, अहीर, श्रीकृष्णजी.
गोपी (सं. स्त्री.) ग्वालन, अहीरी.
गोपीनाथ (सं. पु.) श्रीकृष्णजी, गोपियोंका पति.
गोबरगणेश (हि. गु.) मोटा, स्थूल.
गोभी (हि. स्त्री.) एक तरकारीका नाम.
गोमती (सं. स्त्री.) एक नदीका नाम.
गोमय (सं. पु.) गोबर.
गोमायु (सं. पु.) (गो=बुरी बाणी, मा=शब्द करना, वा फेंकना) सियार, शृगाल, गीदड.
गोमुखी (सं. स्त्री.) (गो=गाय, मुख=मुँह) एक प्रकारकी थैली जिसमें माला डालके लोग जपते हैं, हिमालय पहाडमें एक स्थान जहांसे गङ्गा निकली हैं, गंगोत्तरी.
गोमेध (सं. पु.) (गो=गाय, मेध=यज्ञ) गायकी बलि, गोवधयज्ञ.
गोरस (सं. पु.) दूध, दही, मठ्ठा आदि.
गोरा (हि. गु.) (सं. गौर.) उजला, स्वच्छ, गोरे.
गोरू (हि. पु.) बैल, गौ, बछडा, मवेशी.
गोला, (हि. पु.) (सं. गोल) तोपका गोला, घेरा, मण्डल, वृत्त, लोहेका गोल २ पिण्ड, नारियलका गूदा, अनाज रखनेका कोठा, खत्ता.
गोलाकार (सं. पु.) गोलरूप.
गोली (हि. स्त्री.) छोटा गोला.
गोली मारना (हि. मुहा.) बंदूक चलाना, गोली चलाना.
गोवर्द्धन (सं. पु.) (गो=गाय, वर्द्धन=बढानेवाला) एक पहाडका नाम जो

नखपर उठा लिया था.

गोविंद (सं. पु.) (गो-वेदकी भाषा, विद्-पाना अर्थात् जो वेदसे जाने जाते हैं अथवा गो=स्वर्ग, विद्=पाना जिसकी भक्ति करनेसे स्वर्ग पाते हैं) विष्णु, श्रीकृष्णजी, भगवान्.

गोशाला (सं. स्त्री.) गाय बांधनेकी जगह, गायघर.

गोष्ठ (सं. पु.) गोशाला, गायका घर.

गोष्ठी (सं. स्त्री.) सभा, दरबार.

गोसैंयां } (हि. पु.) परमेश्वर, मालिक.
गुसैंयां }

गोह (हि. पु.) एक प्रकारका जानवर.

गोहार (हि. पु.) हुल्लड, शोर.

गोहूँ (हि. पु.) (सं. गोधूम) गेहूँ.

गौं (हि. पु.) दाव, अवसर, घात.

गौड (सं. पु.) एक शहरका नाम, ब्राह्मणोंकी एक जाति.

गौडी (सं. स्त्री.) गुडकी बनी हुई मदिरा.

गौन (हि. पु.) (सं. गमन) जाना, गवन, कूच.

गौना (हि. पु.) रुखसती, व्याहके पीछे दुलहनको घर लाना.

गौर (सं. गु.) गोरा, श्वेत, उजला.

गौरव (सं. पु.) बडाई, मान, प्रतिष्ठा.

गौरिया (हि. स्त्री.) चिडिया, एक प्रकारकी मिट्टीका हुक्का.

गौरी (सं. स्त्री.) पार्वती, गिरिजा, आठ बरसतककी लडकी, एक रागिनीका नाम.

गौरीश (सं. पु.) महादेव, शिव.

ग्यारह (हि. गु.) इग्यारह, दश और एक.

ग्रथित (सं. गु.) बंधा हुआ, गूंथा हुआ.

ग्रन्थ (सं. पु.) पुस्तक, किताब, गुरु नानककी बनाई हुई सिक्खोंकी धर्म-पुस्तक.

ग्रंथकर्त्ता } (सं. पु.) पुस्तक बनानेवाला,
ग्रंथकार } पुस्तकरचयिता.

ग्रंथि (सं. स्त्री.) गांठ, जोड.

ग्रस्त (सं. गु.) (ग्रस्-खाना) खाया हुआ, पकडा हुआ.

ग्रह (सं. पु.) (ग्रह-लेना) राहु, केतु आदि नौ ग्रह, घर.

ग्रहण (सं. पु.) गहन, सूर्य और चंद्रमाको राहुसे ग्रसे जानेका समय, सूर्य और चंद्रमाके बीचमें धरतीके आजानेसे जो धरतीकी छाया चंद्रमा वा सूर्यपर पडती है वही ग्रहण है.

ग्राम (सं. पु.) गांव, बस्ती, घर, समूह, बहुतायत.

ग्राम्य (सं. गु.) गँवार, दिहाती, मूरख.

ग्रास (सं. पु.) कौर, कवल, लुकमा.

ग्राह (सं. पु.) घडियाल, मगरमच्छ.

ग्राहक (सं. पु.) मोल लेनेवाला, गाँहक.

ग्राह्य (सं. गु.) ग्रहण करने योग्य, लेने लायक.

ग्रीवा (सं. स्त्री.) (गृ=निगलना) गरदन, गला, कंठ.

ग्रीष्म (सं. स्त्री.) गर्मीकी ऋतु.

ग्लानि (सं. स्त्री.) (ग्लै=मलीन होना) घृणा, नफरत, थकावट, मांदगी.

ग्वाल } (हि. पु.) (सं. गोपाल) अहीर,
ग्वाला } गोप.

ग्वालिन (हि. स्त्री.) गोपी, अहीरी.

ग्वैंड } (हि. क्रि. वि.) नजदीक, पास,
ग्वैंडे } समीप.

ग्वैंडा (हि. पु.) नगरका आसपास.

घ.

घ (सं. पु.) घटा, घर्घर शब्द.
घघरा (हि. पु.) लहँगा, घाघरा.
घट (सं. पु.) (घट=बनाना) घडा, देह.
घट (हि. पु.) अन्तःकरण, जी, मन.
घटज (सं. पु.) अगस्त्यऋषि.
घटयोनि (सं. पु.) अगस्त्य ऋषि जो घडेमें पैदा हुये थे.
घटती (हि. स्त्री.) कमती, टोटा, घटी.
घटना (हि. क्रि. अ.) कम होना, न्यून होना.
घटा (सं. स्त्री.) (घट्=इकट्ठा होना) बादल, बादलोंका समूह, समूह.
घटाटोप (हि. पु.) पालकी अथवा रथके ढकनेका कपडा.
घटाना (हि. क्रि. स.) कम करना, थोडा कर देना.
घटाव (हि. पु.) कमती, उतार, ऋण, घटानेका चिह्न.
घटिया (हि. गु.) कम कीमती, सस्ता.
घटी (हि. स्त्री.) नुकसानी, घाटा.
घटी } (सं. स्त्री.) (घट्=बनाना)
घटिका } घडी, साठपल,मुहूर्त्त, छोटा घडा.
घट्ट (सं. पु.) घाट, रास्ता.
घडघडाना (हि. क्रि. अ.) गर्जना, शब्द करना.
घडा (हि. पु.) मिट्टीका वर्तन, कलश, कुम्भ.
घडियाल (हि. स्त्री.) घंटा, मगरमच्छ, कुंभीर.
घडी (हि. स्त्री.) समय जतानेकी कल, साठ पलका समय.
घण्टा (सं. पु.) (हन्=मारना) घडियाल, घडी.
घण्टाली (सं. स्त्री.) घंटी, छोटा घंटा जो बैलोंके गलेमें डालते हैं.
घन (सं. पु.) (हन्=मारना) बादल, बादलोंका समूह, निहाई, हथौडा, गणितमें एकही अंकको उसीसे तीन बार गुणनेको घन कहते हैं. (गु.) घना, ठोस, गहरा, निबिड.
घनघोर (सं. पु.) गहरा बादल, डरावना शब्द, घनगर्ज.
घननाद (सं. पु.) (घन=बादल, नाद=शब्द) मेघनाद, रावणका बेटा.
घनमूल (सं. पु.) घनका मूल अर्थात् जिस अंकका घन निकाला जाय जैसे ६४ का घनमूल ४ हैं.
घनश्याम (सं. पु.) श्रीकृष्णजी, काली घटा. (गु.) बादलके ऐसा काला.
घना (हि. गु.) सघन, गहरा, बहुत.
घनेरा (हि. गु.) अधिक. ढेर.
घबराना (हि. क्रि. अ.) व्याकुल होना, हडबडाना.
घबराहट (हि. स्त्री.) व्याकुलता, हडबडी, बेचैनी, हलचल.
घबरि (हि. पु.) गुच्छा.
घमंड (हि. पु.) अभिमान, गरूर, गर्व.
घमंडी (हि. गु.) अभिमानी, अहंकारी.
घमरौल (हि. स्त्री.) हुल्लड, रौला.
घमसान (हि. पु.) (सं. घोर श्मशान) लडाई, युद्ध, भारी लडाई.
घर (हि. पु.) (सं. गृह) मकान, रहनेकी जगह, बासा, डेरा, खाना, खन.
घर घालना (हि. मुहा.) उजाडना, नाशकरना.
घर चलाना (हि. मुहा.) घरका काम चलाना, घरका खर्च चलाना.

घर जाना (हि. मुहा.) उजडना, घरका नाश होना.

घर डुबोना (हि. मुहा.) किसीका घर बिगाडना.

घर डूबना (हि. मुहा.) नाश होना, बिगडना.

घर घर (हि. मुहा.) हर एक घर, एक घरसे दूसरे घरमें.

घर बैठना } (हि. मुहा.) सर्व नाश
घर बैठ जाना } होना, घर डूबना.

घरणी } (हि. स्त्री.) (सं. गृहिणी)
घरनी } लुगाई, स्त्री, पत्नी, घरवाली.

घरनई (हि. स्त्री.) (सं. घटनौका) घडोंसे बनाई हुई नाव, बेडा, चौघडा.

घरबार (हि. पु.) कुनबा, घराना.

घरबारी (हि. पु.) गृहस्थी, कुटुम्बी.

घराना (हि. पु.) घरके लोग, कुटुम्ब.

घरी (हि. स्त्री.) घडी, तह, चुनत.

घरेला (हि. पु.) पालतू, घरका.

घर्म्म (सं. पु.) धूप, गर्मी.

घर्षण (सं. पु.) घिसना, रगडना.

घसना } (हि. क्रि. स.) (सं. घर्षण.)
घिसना } रगडना, घिसना.

घसियारा (हि. पु.) घास काटनेवाला.

घसीटना (हि. क्रि. स.) (घृष=रगडना) खींचना, खींच लेजाना.

घांटी (हि. स्त्री.) नरेटी, टेंटुआ.

घाघ (हि. पु.) बूढा, जिसने बहुत देखा हो

घाघरा (हि. स्त्री.) (सं. घर्घर) सरयू नदीका नाम, लहँगा.

घाट (हि. पु.) (सं. घट्ट) नदी या तालावमें नहाने अथव उतरनेकी जगह.

घाट (हि. पु.) सूरत, डौल, घटी, कमी.

घाटा (हि. स्त्री.) नुकसान, कमी, घटी पहाडका चढाव.

घाटिया (हि.) तीर्थोंमें घाटपर रहनेवाला ब्राह्मण.

घाटी (हि. स्त्री.) पहाडमें तंग रास्ता, दर्रा.

घात (सं. पु.) मारना, चोट, हत्या.

घात करना (हि. मुहा.) मार डालना.

घात (हि. स्त्री.) दांव, पेंच, इरादा.

घात करना (हि. मुहा.) दांव पाना, छिपके बैठना.

घातक (सं. पु.) मारनेवाला, हत्यारा.

घाती (सं. पु.) मारनेवाला, घातिनी. (स्त्री.) मारनेवाली.

घानी (हि. स्त्री.) कोल्हू, ऊखसे रस निकालनेकी कल.

घाम (हि. स्त्री.) धूप, गर्मी.

घामड (हि पु.) भोला, सीधा, गँवार.

घायल (हि. पु.) जखमी, घाव लगा हुआ.

घालक (हि. पु.) मारनेवाला, नाश करनेवाला.

घालना (हि. क्रि. स.) नाश करना, उजाडना.

घाव (हि. पु.) जखम, चोट.

घास (सं. पु.) तृण, फूस, चारा.

घासपात (हि. मुहा.) कूडाकचडा, झाडन बुहारन.

घिघियाना (हि. क्रि.) गिडगिडाना, विनती करना, फुसलाना, तुतलाना.

घिण } (हि. स्त्री.) (सं. घृणा) नफ-
घिन } रत, ग्लानि, घिन्ना.

घिया (हि. स्त्री.) एक तरकारीका नाम.

घिरना (हि. क्रि. अ.) घेरमें आजाना, बादलोंका उमडना.

घिरनी (हि. स्त्री.) (सं. घूर्णी) चरखी, छोटा पहिया, रस्सी बटनेकी कल, लोटन कबूतर.

घी (हि. पु.) (सं. घृत) घीव.
घुण्डी (हि. स्त्री.) बटन, बूताम.
घुटना (हि. पु.) ठेवना, जानु, गोडा.
घुटनों चलना (हि. मुहा.) ठेवनेसे चलना, खिसकना.
घुड (हि. पु.) घोडा, तुरंग.
घुडचढा (हि. पु.) सवार, घोडेपर चढनेवाला.
घुडदौड (हि. स्त्री) घोडोंका दौडना, वह जगह जहां शर्त करके दो दो आदमी घोडा दौडाते हैं.
घुडबहल (हि.) चार पहियोंका रथ जिसमें घोडे जुतते हैं.
घुडमुहा (हि. गु.) जिसका मुँह घोडेके ऐसा हो.
घुडसाल (हि. पु.) इस्तबल, तवेला.
घुण (सं. पु.) (घुण=घूमना) एक प्रकारका कीडा जो लकडी और अनाजको खाकर थोथा कर डालता है.
घुण (हि. गु.) घुणका खाया हुआ, पोला.
घुप (हि. गु.) अँधेरा.
घुमंडना (हि. क्रि. अ.) बादलोंका घिरना.
घुमाना (हि. क्रि. स.) फिराना, गोल गोल फिराना, बहकाना.
घुरकना } घुरकाना } (हि. क्रि. स.) (सं. घुर= डरना) धमकाना, झिडकी देना.
घुरकी (हि. स्त्री.) धमकी, झिडकी.
घुरनाना (हि. क्रि. स.) खर्राटा मारना, नाक खरखराना.
घुसना (हि. क्रि. अ.) पैठना, भीतर जाना.
घूंगर } घूंघर } (हि. पु.) अँगुठिये बाल, लहराये हुए बाल.
घूंघची (हि. स्त्री.) (सं. गुञ्जा) लाल करजनी, रत्ती.
घूंघट (हि. पु.) ओढनीके अँचलेसे मुँह ढांकना.
घूंघट काढना (हि. मुहा.) लाज करना, ओढनीसे मुँह ढांपना.
घूंघरू (हि. पु.) पांवमें पहरनेका एक गहना.
घूंस (हि. स्त्री.) बडा मूसा.
घूंसा (हि. पु.) मुक्का, धप्पा.
घूघू (हि. पु.) एक जानवरका नाम, उल्लू.
घूमना (हि. क्रि. अ.) (सं. घूर्ण=घूमना) फिरना, चक्कर खाना.
सिर घूमना (हि. मुहा.) सिरमें कुछ दर्द होना, सिर चकराना.
घूरना (हि. क्रि. स.) ताकना, कोपकी नजरसे देखना .
घूस (हि. स्त्री.) बडा मूसा, रिशवत, मुँहतोपी.
घृणा (सं. स्त्री.) (घृ=सींचना) घिन, नफरत, अवज्ञा, करुणा, दया.
घृत (सं. पु.) घी, घीउ.
घेंटा (हि. पु.) सूअरका बच्चा.
घेंगा } घेंघा } (हि. पु.) गलेका रोग, गलगंड-रोग.
घेर (हि. पु.) घेरा, मण्डल.
घेरा (हि. पु.) गोलाकार, अहाता, नाकाबन्दी, किलाबंदी.
घेरा डालना (हि. मुहा.) घेर लेना, रोक लेना, चारों ओरसे छेंकना.
घेरेमें पडना (हि. मुहा.) घिर जाना, बन्द हो जाना.
घेवर (हि. पु.) एक प्रकारकी मिठाई.

घोंघा (हि. पु.) एक जानवरका नाम, शंबूक.
घोंटना } (हि. क्रि. स.) रगडना, साफ
घोटना } करना, ओपना, चिकना करना.
घोंसला (हि. पु.) पखेरुओंका घर, खोंता.
घोखना (हि. क्रि. स.) (सं. घुष=शब्द करना) दोहराना, वारवार कहना, चितना.
घोटा (हि. पु.) घोटनेकी लकडी.
घोडा (हि. पु.) (सं. घोटक) एक जानवरका नाम, तुरंग, अश्व, बंदूककी टोटी.
घोर (सं. गु.) भयानक, डरावना, गहरा. (सं. पु.) महादेव, शिव, ढोलका शब्द.
घोरनिद्रा (सं. स्त्री.) गहरी नींद.
घोल (सं. पु.) मट्ठा, छांछ, मही.
घोलघुमाव (हि. पु.) टालमटोल, वहाना, छल.
घोसी (हि. पु.) (सं. घोष) मुसलमानग्वाल.
घ्राण (सं. पु.) सूँघना, गंध, नाक, नासिका.
घ्राणेन्द्रिय (सं. स्त्री.) नाक, नासिका.

च.

च (सं. पु.) चोर, चांद, कछुआ, शिव, दुष्ट, निर्जीव, फिर, पुनि.
चंग (फा. स्त्री.) गुड्डी, पतंग, बीन, मुरचंग, किंगरी.
चंगा (हि. गु.) निरोग, सुखी, भला चंगा.
चंगा करना (हि. मुहा.) अच्छा करना, बीमारीसे अच्छा करना.
चंगेर (हि. पु.) फूल रखनेका बर्तन.
चंगेरा (हि. पु.) खांचा, कठरा.
चंचनाना (हि. क्रि. अ.) टीस मारना, सनसनाना, चनचन ऐसा शब्द करना.
चंडोल (हि. पु.) पालकी, डोला, चौपाला, एक पखेरूका नाम.
चंदला (हि. गु.) गंजा.
चंदवा (हि. पु.) चांदनी, छोटा शामियाना.
चंदा (हि. पु.) (सं. चन्द्र) चांद.
चंदा (हि. पु.) लगान, विहरी, उगाही.
चंदेला (हि. पु.) राजपूतोंकी एक जाति.
चँवर (हि. पु.) (सं. चमर) सुरही गायकी पूँछका बना हुआ चमर जो राजाओंके शिरपर हिलाया जाता है.
चक (हि. पु.) (सं. चक्र) जागीर, इजारा.
चकई (हि. स्त्री.) (सं. चक्रवाकी) चकवी, एक खिलौनेका नाम.
चकनाचूर (हि. पु.) छोटे छोटे टुकडे, कतरन, टूक.
चकमा (हि. पु.) एक प्रकारका ऊनी कपडा, मोजा.
चकरवा (हि. पु.) धामधूम.
चकरवा मचाना (हि. मुहा.) धूमधाम करना.
चकरा (हि. पु.) दालका बडा.
चकराना (हि. क्रि. अ.) अचंभेमें होना.
चकरानी(हि. स्त्री.) (चाकर) दासी, टहलवी.
चकला (हि. पु.) (सं. चक्रल) प्रदेश, देशका एक भाग जिसमें बहुतसे परगने होते हैं.
चकलेदार (हि. पु.) चकलेका हाकिम.
चकवा (हि. पु.) (सं. चक्रवाक) एक पखेरूका नाम.
चकाचौंध } (हि. स्त्री.) तिरमिरी.
चकाचौंधी }

घी (हि. पु.) (सं. घृत) घीव.
घुण्डी (हि. स्त्री.) बटन, बूताम.
घुटना (हि. पु.) ठेवना, जानु, गोडा.
घुटनों चलना (हि. मुहा.) ठेवनेसे चलना, खिसकना.
घुड (हि. पु.) घोडा, तुरंग.
घुडचढा (हि. पु.) सवार, घोडेपर चढनेवाला.
घुडदोड (हि. स्त्री) घोडोंका दोडना, वह जगह जहां शर्त करके दो दो आदमी घोडा दोडाते हैं.
घुडबहल (हि.) चार पहियोंका रथ जिसमें घोडे जुतते हैं.
घुडमुहा (हि. गु.) जिसका मुँह घोडेके ऐसा हो.
घुडसाल (हि. पु.) इस्तबल, तवेला.
घुण (सं. पु.) (घुण=घूमना) एक प्रकारका कीडा जो लकडी और अनाजको खाकर थोथा कर डालता है.
घुण (हि. गु.) घुणका खाया हुआ, पोला.
घुप (हि. गु.) अँधेरा.
घुमंडना (हि. क्रि. अ.) बादलोंका घिरना.
घुमाना (हि. क्रि. स.) फिराना, गोल गोल फिराना, बहकाना.
घुरकना } (हि. क्रि. स.) (सं. घुर=
घुरकाना } डरना) धमकाना, झिडकी देना.
घुरकी (हि. स्त्री.) धमकी, झिडकी.
घुरनाना (हि. क्रि. स.) खराटा मारना, नाक खरखराना.
घुसना (हि. क्रि. अ.) पैठना, भीतर जाना.
घूंगर } (हि. पु.) अँगुठिये बाल, लह-
घूंघर } राये हुए बाल.
घूंघची (हि. स्त्री.) (सं. गुञ्जा) लाल करजनी, रत्ती.
घूंघट (हि. पु.) ओढनीके अँचलेसे मुँह ढांकना.
घूंघट काढना (हि. मुहा.) लाज करना, ओढनीसे मुँह ढांपना.
घूंघरू (हि. पु.) पांवमें पहरनेका एक गहना.
घूंस (हि. स्त्री.) बडा मूसा.
घूंसा (हि. पु.) मुक्का, धप्पा.
घूघू (हि. पु.) एक जानवरका नाम, उल्लू.
घूमना (हि. क्रि. अ.) (सं. घूर्ण=घूमना) फिरना, चक्कर खाना.
सिर घूमना (हि. मुहा.) सिरमें कुछ दर्द होना, सिर चकराना.
घूरना (हि. क्रि. स.) ताकना, कोपकी नजरसे देखना .
घूस (हि. स्त्री.) बडा मूसा, रिशवत, मुँहतोपी.
घृणा (सं. स्त्री.) (घृ=सींचना) घिन, नफरत, अवज्ञा, करुणा, दया.
घृत (सं. पु.) घी, घीउ.
घेंटा (हि. पु.) सूअरका बच्चा.
घेंगा } (हि. पु.) गलेका रोग, गलगंड-
घेंघा } रोग.
घेर (हि. पु.) घेरा, मण्डल.
घेरा (हि. पु.) गोलाकार, अहाता, नाकाबन्दी, किलाबंदी.
घेरा डालना (हि. मुहा.) घेर लेना, रोक लेना, चारों ओरसे छेंकना.
घेरेमें पडना (हि. मुहा.) घिर जाना, बन्द हो जाना.
घेवर (हि. पु.) एक प्रकारकी मिठाई.

घोंघा (हि. पु.) एक जानवरका नाम, शंबूक.
घोंटना } (हि. क्रि. स.) रगडना, साफ
घोटना } करना, ओपना, चिकना करना.
घोंसला (हि. पु.) पखेरुओंका घर, खोंता.
घोखना (हि. क्रि. स.) (सं. घुष=शब्द करना) दोहराना, वारवार कहना, चितना.
घोटा (हि. पु.) घोटनेकी लकडी.
घोडा (हि. पु.) (सं. घोटक) एक जानवरका नाम, तुरंग, अश्व, बंदूकको टोटी.
घोर (सं. गु.) भयानक, डरावना, गहरा. (सं. पु.) महादेव, शिव, ढोलका शब्द.
घोरनिद्रा (सं. स्त्री.) गहरी नींद.
घोल (सं. पु.) मट्ठा, छांछ, मही.
घोलघुमाव (हि. पु.) टालमटोल, वहाना, छल.
घोसी (हि. पु.) (सं. घोष) मुसलमानग्वाल.
घ्राण (सं. पु.) सूँघना, गंध, नाक, नासिका.
घ्राणेन्द्रिय (सं. स्त्री.) नाक, नासिका.

च.

च (सं. पु.) चोर, चांद, कछुआ, शिव, दुष्ट, निर्जीव, फिर, पुनि.
चंग (फा. स्त्री.) गुड्डी, पतंग, बीन, मुरचंग, किंगरी.
चंगा (हि. गु.) निरोग, सुखी, भला चंगा.
चंगा करना (हि. मुहा.) अच्छा करना, बीमारीसे अच्छा करना.
चंगेरे (हि. पु.) फूल रखनेका बर्तन.
चंगेरा (हि. पु.) खांचा, कठरा.
चंचनाना (हि. क्रि. अ.) टीस मारना, सनसनाना, चनचन ऐसा शब्द करना.
चंडोल (हि. पु.) पालकी, डोला, चांपाला, एक पखेरूका नाम.
चंदला (हि. गु.) गंजा.
चंदवा (हि. पु.) चांदनी, छोटा शामियाना.
चंदा (हि. पु.) (सं. चन्द्र) चांद.
चंदा (हि. पु.) लगान, विहरी, उगाही.
चंदेला (हि. पु.) राजपूतोंकी एक जाति.
चँवर (हि. पु.) (सं. चमर) सुरही गायकी पूँछका बना हुआ चमर जो राजाओंके शिरपर हिलाया जाता है.
चक (हि. पु.) (सं. चक्र) जागीर, इजारा.
चकई (हि. स्त्री.) (सं. चक्रवाकी) चकवी, एक खिलौनेका नाम.
चकनाचूर (हि. पु.) छोटे छोटे टुकडे, कतरन, टूक.
चकमा (हि. पु.) एक प्रकारका ऊनी कपडा, मोजा.
चकरवा (हि. पु.) धामघूम.
चकरवा मचाना (हि. मुहा.) घूमधाम करना.
चकरा (हि. पु.) दालका वडा.
चकराना (हि. क्रि. अ.) अचंभेमें होना.
चकरानी (हि. स्त्री.) (चाकर) दासी, टहलवी.
चकला (हि. पु.) (सं. चक्रल) प्रदेश, देशका एक भाग जिसमें वहुतसे परगने होते हैं.
चकलेदार (हि. पु.) चकलेका हाकिम.
चकवा (हि. पु.) (सं. चक्रवाक) एक पखेरूका नाम.
चकाचौंध } (हि. स्त्री.) तिरमिरी.
चकाचौंधी }

चकावी (हि. स्त्री.) भैंसिया दाद.
चकित (सं. गु.) (चक=अचंभा करना) अचंभेमें, विस्मित, व्याकुल.
चकोत्रा (हि. पु.) एक फलका नाम.
चकोर (सं. पु.) एक पखेरूका नाम.
चकौंदा } चकोंड } (हि. पु.) (सं. चक्रमर्द्दक) एक पौधा जो दादकी दवाईमें काम आता है.
चक्का (हि. पु.) (सं. चक्रगोल) गाडीका पहिया, घेरा, गोल.
चक्की (हि. स्त्री.) पाट, जांता, चाकी,
चक्कू (हि. पु.) छुरी, चाकू.
चक्कर (हि. पु.) (सं. चक्र) भँवर, एक गोल शस्त्र जिसको विशेष कर सिक्ख लोग रखते हैं, विपत, जंजाल, घबराहट, दिशा.
चक्कर देना (हि. मुहा.) फिरना, घुमाना, ठगना, छलना.
चक्कर खाना (हि. मुहा.) फिराना, घूमना, धोखेमें आना.
चक्कर मारना (हि. मुहा.) फिराना, गोल गोल घुमाना.
चक्र (सं. पु.) (कृ=करना) पहिया, विष्णुका अस्त्र, घेरा, कुम्हारका चाक, वृत, व्यूहरचना, भीड, सेना, देश, राज, चकवा पक्षी.
चक्रपाणि (सं. पु.) विष्णु जिसका अस्त्र सुदर्शन चक्र है.
चक्रवर्त्ती (सं. पु.) पृथ्वीभरका राजा, बंगालके ब्राह्मणोंकी एक पदवी.
चक्रवाक (सं. पु.) चकवा, एक तरहका पखेरू.
चक्रित (हि. पु.) (सं. चकित) विस्मित, अचंभेमें.

चक्षु (सं. पु.) (चक्ष=देखना) आंख, नेत्र.
चख } चप } (हि. स्त्री.) आंख, लोचन, नयन.
चखना } चाखना } चीखना } (हि. क्रि. स.) (चप=खाना) खाना, स्वाद लेना, रस लेना.
चचा (हि. पु.) काका, बापका छोटा भाई.
चची (हि. स्त्री.) काकी, चचाकी स्त्री.
चचेरा (हि. गु.) चचाका, जैसे चचेरा भाई, चचेरी बहन.
चचोरना (हि. क्रि. स.) चूसना, निचोडना.
चञ्चरीक (सं. पु.) भौंरा, भ्रमर.
चञ्चल (सं. गु.) चपल, उतावला, अस्थिर, खेलवाडी.
चञ्चलाई (हि. स्त्री.) उतावली, चपलता, खेलाडीपन.
चञ्चु (सं. स्त्री.) चोंच, ठोंठ.
चट (हि क्रि. वि.) (सं. झटिति) फौरन, तुरंत, उसी दम. (स्त्री) रगड, घिसाव, तडाका, धडाका.
चट (हि. स्त्री.) (चाट) चाट, स्वाद, खाना.
चट करना (हि. मुहा.) खा जाना, उडा देना.
चटक (हि. स्त्री.) कडक, कडाका, फुर्ती, जल्दी, चमक.
चटकना } चटखना } (हि. क्रि. अ.) तडकना, फटना, टूटना, चिरना.
चटकीला (हि. गु.) चमकीला, झडकीला.
चटपट (हि. क्रि. वि.) जल्दी, झटपट, तुरंत.
चटपटाना (हि. क्रि. अ.) घबराना, तडफडाना.

चटपटी (हि. स्त्री.) उतावली, जल्दी, हड़बड़ी.
चटशाल (हि. स्त्री.) पढनेकी जगह, पाठशाला.
चटाई (हि. स्त्री.) बोरिया, पाटी.
चटाका (हि. पु.) धड़ाका, कड़ाका.
चटान } चट्टान } (हि. स्त्री.) पत्थर, पाषाण.
चटिया (हि. पु.) विद्यार्थी, छात्र, चेला.
चटोरा (हि. गु.) जीभचटा, खाऊ.
चट्टा (हि. पु.) पाठशालाका लडका, विद्यार्थी.
चडचडाना (हि. क्रि. अ.) तडकना, फटना.
चढती (हि. स्त्री.) बढती, उन्नति.
चढना (हि. क्रि. अ.) ऊपर जाना, सवार होना, चढाई करना.
चढनेशर (हि. पु.) चढनेवाला, कर्णधार.
चढाई (हि. स्त्री.) धावा, हमला, चढनेका भाडा.
चढाना (हि. क्रि. स.) सवार कराना, बलिदान करना, ऊँचा करना, खडा करना, कपडेपर रंग चढाना.
चढाव (हि. पु.) ऊँचाई, उठाव, पहाडमें ऊपर रास्ता, चढाई, बढती, धावा.
चणक (सं. पु.) बूट, चना.
चण्ड (सं. गु.) डरावना, तेज, तीखा, गर्म. (पु.) एक दैत्यका नाम.
चण्डाल } चाण्डाल } (सं. पु.) (चण्डि=क्रोध करना) नीच, पापी, दुराचारी, निर्दयी, वर्णसंकर.
चण्डिका } चण्डी } (सं. स्त्री.) काली, दुर्गा, देवी.
चतुर (सं. गु.) निपुण, सियाना, बुद्धिमान्, छली, धूर्त, नटखट.
चतुर (सं. गु.) चार.
चतुराई (हि. स्त्री.) बुद्धिमानी, निपुणता कपट, धूर्तता, नटखटी.
चतुरङ्गिणी (सं. स्त्री.) सेना, जिसमें हाथी, घोडे, रथ और पैदल चारों हों.
चतुरानन (सं. पु.) ब्रह्मा.
चतुर्थ (सं. गु.) चौथा.
चतुर्दशी (सं. स्त्री.) चौदश, चौदहवीं तिथि.
चतुर्भुज (सं. पु.) विष्णु, भगवान्, चार भुजा, चौखूंट खेत, चौकोर. (गु.) चार हाथवाला.
चतुर्मुख } चतुर्वक्त्र } (सं. पु.) (चतुर=चार, मुख वा वक्त्र=मुँह) ब्रह्मा.
चतुष्पद (सं. पु.) चौपाया, पशु.
चतुष्पदी (सं. स्त्री.) चार पादवाला छंद.
चना (हि. पु.) बूट, चणा.
चन्द (हि. पु.) (सं. चन्द्र) चांद.
चन्दन (सं. पु.) (चदि=प्रसन्न होना) एक सुगन्धित लकडी, श्रीखंड.
चन्द्र (सं. पु.) चांद, सोम, कपूर.
चन्द्रकला (हि. स्त्री.) चांदका सोलहवां अंश.
चन्द्रमणी (सं. स्त्री.) एक रत्नका नाम.
चन्द्रमण्डल (सं. पु.) चांदका घेरा, चन्द्रलोक.
चन्द्रमा (सं. पु.) चांद, एक ऋषिका नाम.
चन्द्रमुखी (सं. स्त्री.) } चन्दमुखी (हि. स्त्री.) } (चन्द्र=चांद, मुख मुँह) चन्द्रवदनी, जिस स्त्रीका मुँह चांदके ऐसा हो.
चन्द्रमौलि (सं. पु.) महादेव, शिव.
चन्द्रवंशी (सं. पु.) क्षत्रियोंकी एक जाति.

चन्द्रवदनी (सं. स्त्री.) } (चन्द=चांद;वदन=मुँह) चन्दमुखी सुन्दरी.
चन्दवदनी (हि. स्त्री.) }

चन्द्रशेखर (सं. पु.) (चन्द्र=चांद, शेखर=सिरका गहना) महादेव, शिव.

चन्द्रहार (सं. पु.) गलेमें पहिरनेकी माला.

चन्द्रहास (सं. स्त्री.) तलवार, खड्ग.

चन्द्रिका (सं. स्त्री.) चांदनी, चांदकी जोत, प्रकाश.

चपकन (हि. स्त्री.) एक तरहका अंगरखा.

चपकना (हि. क्रि. अ.) चिपटना, जुडना.

चपटा (हि. गु.) सब ओरसे बराबर चौरस.

चपना (हि. क्रि. अ.) शरमाना, दबना.

चपनी (हि. स्त्री.) ढकनी, ढपनी.

चपराशी (हि. पु.) नौकर, चपरास रखनेवाला.

चपल (सं. गु.) चंचल, उतावला.

चपला (सं. स्त्री.) लक्ष्मी, बिजली.

चपाती (हि. स्त्री.) रोटी, फुलका.

चपाना (हि. क्रि. स.) दबाना, दाबना, लजाना.

चपेट (सं. स्त्री) थप्पड, धौल, थप्पा.

चपेटिका (सं. स्त्री.) थप्पड, धौल, हथेली.

चप्पा (हि. पु.) चार अंगुलका नाप.

चबाना (हि. क्रि. स.) (सं. चर्वण) चाबना, दांतसे कुचलना.

चबूतरा (हि. पु.) चौतरा, बैठक, चौकी.

चभक (हि. पु.) डंक.

चमक (हि. स्त्री.) झलक, दमक, शोभा.

चमगादड } (हि. स्त्री.) बादुर, चमचडख, एक पखेरू जिसको रातको दीखता है दिनको नहीं दीखता.
चमगीदड }
चमगुदडी }

चमचमाहट (हि. स्त्री.) चमक, भडक.

चमडा (हि. पु.) (सं. चर्म) चाम, खाल.

चमडा छुडाना } (हि मुहा.) खाल खेंचना, चमडा खेंचना.
चमडा निकालना }

चमत्कार (सं. पु.) (चमत्=अचम्भा, कार=करनेवाला) अचम्भा, विस्मय, प्रकाश.

चमर } (सं. पु.) चमरीगाय, सुरहीगायकी पूँछ.
चामर }

चमार (हि. पु.) (सं. चर्मकार) मोची, जूता बनानेवाला.

चमू (सं. स्त्री.) सेना, कटक, दल, फौज जिसमें ७२९ हाथी, ७२९ रथ, २१८७ घोडे और ३६४५ पैदल हों.

चमेटा (हि. पु.) थप्पड, चपेटा.

चमोटा (हि. पु.) } चमडेकी पट्टी जिसपर उस्तरा तेज करते हैं.
चमोटी (हि. स्त्री.) }

चम्पक (सं. पु.) चम्पा जिसके फूल पीले और सुगन्धित होते हैं.

चम्पत (हि. क्रि. वि.) छिपा, गायब.

चम्पत होना (हि. मुहा.) छिप जाना, भाग जाना, अलख होना.

चम्पा (हि. पु.) (सं. चम्पक) एक पेडका नाम जिसके फूल पीले और सुगन्धित होते हैं.

चम्पाकली (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी माला जिसके दाने चम्पाकी कलीसे होते हैं.

चम्बू (हि. पु.) एक तरहका पानीका बर्तन.

चम्बेली (हि. स्त्री.) एक तरहका फूल.

चय (सं. पु.) (चि=इकट्ठा करना) ढेर, समूह, राशि।

चर (सं. पु.) (चर=चलना, खाना) दूत, धावन, खाना. (गु.) चलने योग्य, चलनेवाला, जङ्गम.

चरक (सं. पु.) वैद्यकशास्त्रका बनानेवाला, वैद्यक शास्त्रका नाम, कोढ, कुष्ठ.

चरखा (हि. पु.) सूत कातनेकी कल.

चरखी (हि. स्त्री.) धिरनी, रहँटी.

चरचना (हि. क्रि. स.) शरीरमें चन्दन लगाना, चन्दनसे शरीरको लेपना.

चरण (सं. पु.) (चर=चलना) पांव, पैर, श्लोकका एक पद.

चरणपीठ (हि. स्त्री.) खडाऊँ.

चरणामृत (सं. पु.) देवताओंकी मूर्ति अथवा साधुजनके पैरोंका पानी, चरणोदक.

चरणारविंद (सं. पु.) कमलके ऐसे पांव, चरणकमल.

चरणोदक (सं. पु.) चरणामृत, पैरोंका धोया हुआ पानी.

चरना (हि. क्रि. स.) घास खाना, चुगना.

चरपरा (हि. गु.) तीता, कडुआ, तेज, फुर्तीला.

चरवाई (हि. स्त्री.) चराई, चरानेका दाम.

चरवाहा (हि. पु.) भेंड, बकरी अथवा गायका चरानेवाला, गडरिया.

चरस (हि. पु.) एक नशेकी चीज, चमडेकी मोट, चमडेका बडा डोल.

चरसा (हि. पु.) खाल, अधौडी.

चराई (हि. स्त्री.) चरानेकी मजदूरी.

चराचर (सं. पु.) (चर=चलनेवाला, अचर=नहीं चलनेवाला) जीव जन्तु वृक्ष पत्थर आदि सब पदार्थ जो सृष्टिमें हैं, संसार, सृष्टि.

चराना (हि. क्रि. स.) चुगाना, घास खिलाना.

चरित } चरित्र } (सं. पु.) (चर=जाना) कथा-वृत्तान्त, हाल, चालचलन, आचार, लीला.

चरुआ (हि. पु.) भांडा, हांडा.

चर्चा (सं. स्त्री.) (चर्च=बोलना, पढना) बतकहाव, प्रस्ताव, पूजा, तर्क.

चर्चित (सं. गु.) चन्दन लगाया हुआ.

चर्म्म (सं. पु.) चमडा, खाल, ढाल.

चर्म्मकार (सं. पु.) चमार, मोची.

चर्वण (सं. पु.) चाबना, दांतसे पीसना.

चलचित्त (सं. गु.) चंचल, चपल.

चलन (सं. पु.) चलना, चाल, गति, रिवाज, प्रचार, चर्चा.

चलना (हि. क्रि. अ.) जाना, गमन करना, आगे बढना, सरकना, प्रचलित होना, फैलना, बहना, व्यवहार होना.

चल देना (हि. मुहा.) भाग जाना, कूच करना.

चल निकलना (हि. मुहा.) निकल चलना, हद्दसे बाहर निकलना.

चले चलना (हि. मुहा.) चले जाना, आगे बढना.

चलनी (हि. स्त्री.) (सं. चालनी) पीतल लोहे बांस अथवा चमडेकी बनी हुई चीज जिसमें आंटा छानते हैं.

चलित (हि. गु.) चला हुआ, प्रचलित, हिलता हुआ.

चवाई (हि. पु.) निंदक, चुगलीखोर.

चवाव (हि. पु.) (सं. चर्वण) निंदा, झूठा कलंक, चुगली.

चसका (हि. पु.) प्यार, स्वाद, चाट, टेव, चाल.

चहकना (हि. क्रि. अ.) पखेरुओंका बोलना.

चहचहा (हि. गु.) गहरा रंगा हुआ.

चहचहाना (हि. क्रि. अ.) पखेरुओंका बोलना.

चहलपहल (हि. स्त्री.) हंसी खुशी, आनंद, चुहल.

चहला } (हि. पु.) कीचड, पाँका, पंक,
चिहला } दलदल.

चहुं } (हि. गु.) (सं. चतुर) चार,
चहूं } चारों, चहुँ ओर, चारों तरफ.

चहुँचक } (हि. क्रि. वि.) (सं. चतु-
चहुँचक्र } श्चक्र) चारों ओर, सब ओर, चारों खूंटमें.

चहुं दिस (हि. क्रि. वि.) चारों तरफ, सब ओर, चहुँ ओर.

चांकी (हि. स्त्री.) बिजली.

चांद (हि. पु.) (सं. चन्द्र) चन्द्रमा, चंद, महताब, एक गहनेका नाम.

चांदरात (हि. स्त्री.) महीनेका अन्त, पूनौंकी रात.

चांद मारना (हि. मुहा.) निशाना मारना.

चांदना (हि. पु.) प्रकाश, तेज.

चांदना पख (हि. पु.) उजाला पख, शुक्लपक्ष, सुदी.

चांदनी (हि. स्त्री.) (सं. चांद्री) चांदका प्रकाश, अँजोरी, चन्द्रिका, एक फूलका नाम, सफेद कपडा जो दरीपर बिछाया जाता है.

चांदनीचौक (हि. मुहा.) चौडा बाजार, चौक.

चांदी (हि. स्त्री.) अच्छा रूपा, टटरी, टाँट, खोपरी.

चांपना (हि. क्रि. स.) दाबना, दबाना, जोडना.

चा (फा. स्त्री.) एक पौधेकी पत्ती जिसके पीनेसे शरीरमें फुर्ती रहती है.

चाक (हि. पु.) (सं. चक्र) कुम्हारकी चक्की, पाट, चक्की.

चाका (हि. पु.) पहिया.

चाकी (हि. स्त्री.) चक्की, जाता.

चाचा (हि. पु.) चचा, काका.

चाट (हि. स्त्री.) चसका, स्वाद, रस, रुचि. स्वभाव.

चाटना (हि. क्रि. स.) स्वाद लेना, लप लप खाना.

चाड (हि. स्त्री.) चाह, चोट, ढेंकली.

चातक (सं. पु.) पपीहा.

चातुर (सं. गु.) चतुर, प्रवीण, धूर्त.

चातुरी (सं. स्त्री.) चतुराई, प्रवीणता.

चातृक (हि. पु.) पपीहा.

चान्द्रायण (सं. पु.) एक व्रत जिसमें अँधेरे पखमें जब चांदकी कला घटती है हर एक दिन खानेमें एक एक ग्रास घटाते हैं और चांदने पखमें ज्यों २ चन्द्रमाकी कला बढती है तो हर एक दिन एक एक ग्रास बढाते हैं.

चाप (सं. पु.) (चप=बांस) धनुष, कमान.

चाबना (हि. क्रि. स.) चबाना, दांतसे कुचलना.

चाबी (हि. स्त्री.) कुंजी, ताली.

चाम (हि. पु.) (सं. चर्म्म) चमडा, खाल.

चामुण्डा (सं. स्त्री.) दुर्गा, काली, योगिनी, चण्ड मुण्ड राक्षसोंको मारनेवाली देवी.

चार (सं. पु.) दूत, जासूस.

चार (हि. गु.) दोका दुगुना, ४.

चार आंखें (हि. मुहा.) चौनजर, मिलना, भेंट हो जाना.

चार टूक (हि. मुहा.) टुकडे टुकडे, टूक टूक.

चारण (हि. पु.) भाट, यश बखाननेवाला.

चारा (हि. पु.) पशुओंका खाना, घास.
चारु (सं. गु.) सुन्दर, मनोहर, मनभावन.
चाल (हि. स्त्री.) चलना, चलन, गति, रसम, ढंग, राह, चालचलन.
चाल पकडना (हि. मुहा.) फैलना, चलना.
चाल चलना (हि. मुहा.) निबाहना, व्यवहार करना.
चालढाल (हि. मुहा.) चालचलन, रीतभांत.
चालना (हि. क्रि. स.) छानना, मारना, फटकना.
चालनी (हि. स्त्री.) चलनी.
चालीस (हि. पु.) दो बीस, ४०.
चाव } चाय } (हि. पु.) बडी चाह, रुचि, अभिलाष, शौक, चार अंगुल, एक तरहका बांस.
चावचोचला (हि. मुहा.) दुलार, प्यार, अनुराग, प्रेम.
चावल } चांवल } (हि. पु.) एक प्रकारका अनाज.
चासा (हि. पु.) जोतहा, हल चलानेवाला.
चाह (हि. स्त्री.) इच्छा, चाहना, प्रेम, प्यार.
चाहना (हि. क्रि. स.) इच्छा करना, मांगना, प्यार करना, मानना, पसंद करना, प्रयोजन पडना.
चिंघाड (हि. स्त्री.) (सं. चित्कार) हाथीका शब्द.
चिंघाड मारना (हि. मुहा.) चिंघाडना, हाथीका शब्द करना.
चिक (हि. पु.) परदा, यवनिका, कमरमें दर्द.
चिकना (हि. गु.) (सं. चिक्कण) साफ, सुंदर, घोंटा हुआ, तेलसा, निर्लज्ज, बेशरम, चंचल.
चिकना चांदा (हि. मुहा.) सुहावना मनोहर, सुंदर.
चिकनाई (हि. स्त्री.) चिकनाहट, सफाई, ओप, चर्बी, चंचलता.
चिकित्सक (सं.) वैद्य, हकीम.
चिकित्सा (सं. स्त्री.) इलाज, दवा, औषध करना.
चिकुर (सं. पु.) बाल, केश, घूंघर.
चिट (हि. स्त्री.) टुकडा, धज्जी.
चिट्टा (हि. गु.) सफेद, गोरा. (पु.) रुपया, मुद्रा.
चिट्ठी (हि. स्त्री.) खत, पाती, पत्रिका, कागज.
चिट्ठीपत्री (हि. मुहा.) लिखापढी, चिट्ठीका आना जाना, खतकितावत.
चिडचिडा (हि. गु.) रिसाहा, कर्कश, खुन्साहा. (पु.) एक पेडका नाम.
चिढना (हि. क्रि. अ.) खिसियाना, कुढना, झुंझलाना, खनसाना,
चिडिया } चिडी } (हि. स्त्री.) (सं. चटक) पक्षी, पखेरू, गौरिया.
चिडीमार (हि. पु.) बहेलिया, व्याधा, चिडिया पकडने और मारनेवाला.
चित (हि. पु.) (सं. चित्त) मन, हृदय, जी, हिय, अन्तःकरण.
चितचाय (हि. मुहा.) मनभावन, जो मनको अच्छा लगे.
चितचोर (हि. मुहा.) मन हरनेवाला.
चित देना (हि. मुहा.) मन लगाना.
चितलगन (हि. मुहा.) मनभावन, मनोरंजन.

चितलाना (हि. मुहा.) सचेत होना, मन लगाना.

चित (हि. स्त्री.) (सं. चित=जानना) चितवन, दृष्टि, नजर, समझ, ज्ञान. (गु.) पट, सीधा, चितांग.

चित करना (हि. मुहा.) उलटाना, चित गिराना, मात करना, परास्त करना.

चितकबरा (हि. गु.) (सं. चित्रकर्बुर) कबरा, रंगरंगका, चितला.

चितरना (हि. क्रि. स.) (सं. चित्र) रंग देना, चित्र करना, चीतना.

चितला (हि. गु.) चितकबरा.

चितवन (हि. स्त्री.) नजर, अवलोकन, कटाक्ष, झांक.

चितवना } (हि. क्रि. स.) देखना.
चितना }

चिता (सं. स्त्री.) चिताखा, मशान, मरघट, वह जगह जिसपर मुर्दा जलाया जाता है.

चिताना } (हि. क्रि. स.) (सं. चेतन) जताना, खबरदार करना, याद दिलाना, सूचित करना.
चितावना }

चितेरा (हि. पु.) (सं. चित्रकार) चित्र खैंचनेवाला, लकडी अथवा दीवारपर बेलबूटा आदि खैंचनेवाला.

चित्त (सं. पु.) (चित=जानना) मन, अन्तःकरण, हृदय, जी, चित.

चित्र (सं. पु.) तसवीर, बेलबूटे, छवि, मूरत, लेख, यम. (गु.) अद्भुत, अनोखा, भांतभांतका.

चित्रकण्ठ (सं. पु.) कबूतर, कपोत.

चित्रकर } (सं. पु.) चितेरा, तसवीर बनानेवाला.
चित्रकार }

चित्रकारी (सं. स्त्री.) बेलबूटा बनाना, तसवीर बनाना, चित्र खैंचना.

चित्रकूट (सं. पु.) एक पहाडका नाम जहां श्रीरामचन्द्रजी वनवासके समय पहले पहल रहे थे.

चित्रगुप्त (सं. पु.) यमराजका लेखक जो मनुष्योंके पाप पुण्यको लिखता है, कायस्थोंके पुरुषा.

चित्ररेखा } (सं. स्त्री) (चित्र=तसवीर, लिख=लिखना) उषाकी सहेली, बाणासुरके प्रधान कूष्माण्डकी बेटी.
चित्रलेखा }

चित्रलिखित (हि. गु.) तसवीरमें लिखा हुआ.

चित्रविचित्र (सं. गु.) अनेक रंगका, नाना वर्णका, रंगरंगका.

चित्रा (सं. स्त्री.) चौदहवां नक्षत्र, श्रीकृष्णजीकी सखी.

चित्राक्षी } (सं. स्त्री.) (चित्र=रंगरंगकी, अक्ष=आंख, नेत्र, लोचन) मैना पक्षी.
चित्रनेत्रा }
चित्रलोचना }

चित्राङ्ग (सं. पु.) चितकबरा सांप, एक पौधेका नाम, एक प्रकारका रंग. (गु.) चित्रित, चितकबरा.

चित्रिणी (सं. स्त्री.) चार प्रकारकी स्त्रियोंमें एक प्रकारकी स्त्री. (१ पद्मिनी, २ चित्रिणी, ३ हस्तिनी, ४ शंखिनी ये चार प्रकारकी स्त्रियां होती हैं.)

चित्रित (सं. गु.) रंगा हुआ, चित्र किया हुआ, तसवीर खैंचा हुआ, अनोखा, अद्भुत.

चिथडा (हि. पु.) फटा कपडा, गुदडा.

चिदाकाश (सं. पु.) ब्रह्म, शुद्धस्वरूप.

चिदानन्द (सं. पु.) चैतन्य, परमानन्द, परमेश्वर, परमात्मा.

चिनचिनाना (हि. क्रि. अ.) चिल्लाना, चीखना.

चिन्तन (सं. पु.) (चिति=याद करना) स्मरण, सोचना, ध्यान, चिंता.
चिन्ता (सं. स्त्री.) (चिति=याद करना) सोंच, फिकर, भावना, विचार, ध्यान, खटका, संदेह, सोंच.
चिन्तामणि (सं. स्त्री.) पारस, एक प्रकारकी मणि.
चिन्तित (सं. गु.) फिकरमन्द, चिंता करने योग्य, उदास, व्याकुल.
चिह्न (सं. पु.) संकेत, निशान, अंक.
चिबुक (सं. स्त्री.) ठोढी, हुड्डी.
चिमटना (हि. क्रि. अ.) लिपटना, चिपकना.
चिमटा (हि. पु.) स्यूटा, चमटा, मोचना.
चिर } चिरम् } (सं. गु.) (चि=इकट्ठा करना) बहुत दिनका, बहुतकाल, बहुत दिनतक.
चिरंजी (हि. गु.) (सं. चिरंजीवी) दीर्घायु, बहुत समयतक जीनेवाला.
चिरजीवी } चिरञ्जीवी } (सं. गु.) चिरंजी, बहुत समयतक जीनेवाला.
चिरोंजी (हि. स्त्री.) एक प्रकारका मेवा.
चिलकना (हि. क्रि. अ.) चमकना, झलकना.
चिलम (हि. स्त्री.) मिट्टीकी बनी हुई चीज जिसमें तम्बाकू डालके पीते हैं.
चिलमची (हि. स्त्री.) हाथ धोनेका बर्तन.
चिल्लाना (हि. क्रि. अ.) (सं. चित्कार) शोर करना, जोरसे पुकारना.
चींटी } चीवँटा } (हि. स्त्री.) चिउटी, कीडी.
चीखुर (हि. स्त्री.) गिलहरी.
चीतना (हि. क्रि. स.) रंगना, चित्रकारी करना, सोचना, चाहना.
चीतल (हि. पु.) तेंदुआ, चीता.
चीता (हि. पु.) तेंदुआ, चीतल, एक पौधेका नाम, चाह, बुद्धि, विचार, रंगना.
चीन (सं. पु.) एक देशका नाम, एक प्रकारका घास, एक तरहका कपडा.
चीनी (हि. स्त्री.) चीनदेशका, चीन देशसम्बन्धी, बहुत अच्छी और साफ शक्कर.
चिन्हना (हि. क्रि. स.) पहचानना, जानना.
चीर (सं. पु.) वस्त्र, कपडा, साडी.
चीर (हि. पु.) चीरना, फाडना, खींच.
चीरना (हि. क्रि. स.) फाडना, टुकडे २ करना, विदारना.
चीरा (हि. पु.) पगडी, घाव, फाड.
चील (हि. स्त्री.) एक पखेरूका नाम.
चीलर } चील्हड } (हि. स्त्री.) जू, जूँई, ढील.
चुआन (हि. स्त्री.) किलाके आसपासकी गहरी खाई जिसमें पानी होता है.
चुंगी (हि. स्त्री.) एक प्रकारका महसूल जो ब्योपारियोंसे लिया जाता है.
चुकाना (हि. क्रि. स.) पूरा करना, देदेना, मोल ठहराना.
चुगना (हि. क्रि. स.) चोंचसे खाना, चरना, चुनना, बीनना, टूंगना.
चुन लेना (हि. मुहा.) छांटना, बराय लेना, पसंद करना, चुन लेना.
चुटकुला (हि. पु.) चुहल, परिहास, हँसीकी बात, ठठोली, आनंद.
चुडैल (हि. स्त्री.) डाकिनी, डायन, प्रेतिनी, मैली कुचैली स्त्री.
चुनत (हि. स्त्री.) चुनन, परत, घडी, पुट, तह.
चुनरी (हि. स्त्री.) एक तरहका रंगा हुआ कपडा जिसमें कई रंग होते हैं.

चुँधला (हि. गु.) तागभिरा, चकचुंधा.
चुनना (हि. क्रि. स.) चूँगना, इकट्ठा करना, बीनना, छाँटना, पसंद करना, सजाना, ठीकठाक करना, तह जमाना.
चुन्नी (हि. स्त्री.) लाल.
चुप (हि. गु.) मौन, अनबोल, अवाक्, साकूत. (वि. बो.) चुप रहो, मत बोलो.
चुपचाप (हि. मुहा.) चुप, मौन, अनबोल.
चुपड़ना (हि. क्रि. स.) चिकना करना, लपेटना, घी अथवा तेल लगाना.
चुभकी (हि. स्त्री.) गोता, डुबकी.
चुभना (हि. क्रि. अ.) छिदना, घुसना, पैठना, धसना, पार होना.
चुम्बक (सं. पु.) एक प्रकारका पत्थर जो लोहेको खींचता है, चूमनेवाला.
चुम्बन (सं. पु.) (चुंबि=चूमना) चूमना, चूमा, बोसा, चूमा लेना.
चुराना (हि. क्रि. स.) (सं. चोरण) चोरी करना.
चुरी (हि. स्त्री.) चूडी.
चुलबुला (हि. गु.) चंचल, रंगीला.
चुलाना (हि. क्रि. स.) चुआना, टपकाना.
चुल्लू (हि. पु.) (सं. चुलुक) लपभर, मुट्ठीभर, बुक्का.
चुल्लूभर पानीमें डूबना (हि. मुहा.) बहुतही बहुत लजाना.
चुल्लूमें उल्लू होना (हि. मुहा.) चुल्लूभर नशेमें मस्त होना.
चुसकी (हि. स्त्री.) पानीकी घोंट, मुँहभर पानी.
चूहल (हि. स्त्री.) हँसी, ठट्ठा, विनोद.
चूँची } (हि. स्त्री.) स्तन, थन, कुच,
चूची } छाती.
चूक (हि. स्त्री.) भूल, अपराध, दोष, खोट.
चूक (हि. गु) खट्टा.
चूकना (हि. क्रि. अ.) भूलना, बिसरना, अशुद्ध करना.
चूडाकरण (सं. पु.) (चूडा=चोटी, करण=करना) मुंडन.
चूडामणि (सं. स्त्री.) (चूडा=चोटी, मणि=रत्न) स्त्रियोंकी चोटीमें पहननेका गहना, चोटीकी मनी.
चूडी } (हि. स्त्री.) (सं. चूडा) स्त्रियोंके
चूरी } हाथमें पहननेकी काँच आदिकी बनी हुई चीज.
चून (हि. पु.) (सं. चूर्ण) आटा, चूना.
चूना (हि. क्रि. अ.) (सं. च्यवन) टपकना, झरना. (पु.) चून, एक चीज जो मकान आदि बनानेके काममें लाया जाता है.
चूना लगाना (हि. मुहा) बदनाम् करना.
चूमना (हि. क्रि. स.) चूमा लेना.
चूमा (हि. पु.) चुमा, बोसा.
चूमाचाटी (हि. मुहा.) दुलार, प्यार, रावचाव.
चूर (हि. पु.) (सं. चूर्ण) बुकनी, भुरभुरा, रेतन, चूर्ण.
चूरचूर (हि. मुहा.) टूक टूक, खण्ड खण्ड.
चूर रहना (हि. मुहा.) मस्त रहना, डूबा रहना.
चूर करना (हि. मुहा.) टुकडे २ करना.
चूर होना (हि. मुहा.) टुकडे २ होना, किसी व्यापारमें फँसना, थकना.
चूरण } (हि. पु.) (सं. चूर्ण) पाचक
चूरन } औषध जिससे खाना पचता है.
चूरा (हि. पु.) रेतन, चूर.
चूर्ण (सं. पु.) बुकनी, चूर, धूल, चूरन, एक पाचक औषध.

चूर्णा (हि. क्रि. स.) टुकडे २ करना.
चूर्मा (हि. पु.) एक प्रकारका मीठा खाना.
चूल (हि. पु.) लकडीका जोड वा कील जिसपर किवाडी रहती है.
चूल्हा (हि. पु.) (सं. चुल्ली) तन्दूर, आग रखनेकी जगह.
चूसना (हि. क्रि. स.) सोखना, निचोडना, पी लेना.
चूहा (हि. पु.) मूसा, मूषिक.
चेत (हि. पु.) (सं. चेतस्) याद, सुध, स्मरण, ज्ञान, अनुभव, विचार.
चेतन (सं. पु.) आत्मा, प्राण, ज्ञान, विचार. (गु.) सचेत, प्राणी.
चेतना (सं. स्त्री.) बुद्धि, ज्ञान, चेत.
चेतना (हि. क्रि. स.) याद करना, सुध करना, सोचना, होशमें आना.
चेता (हि. पु.) चित, चेत, मन, उपदेशक, ज्ञानदाता.
चेपना (हि. क्रि. स.) साटना, लगाना, चिपकाना.
चेरा (हि. पु.) नौकर, दास, सेवक.
चेरी (हि. स्त्री.) दासी.
चेला (हि. पु.) शिष्य, विद्यार्थी, दास.
चेवली (हि. स्त्री.) एक प्रकारका रेशमी कपडा.
चेष्टा (सं. स्त्री.) (चेष्ट=परिश्रम वा जतन करना) जतन, परिश्रम, उद्योग, काम, शरीरका व्यापार, इरादा.
चैत (हि. पु.) (सं. चैत्र) एक महीनेका नाम.
चैतन्य (सं. पु.) जीव, आत्मा, ब्रह्म, बुद्धि, विचार, चेतना. (गु.) सचेत, चौकस, सज्ञान.
चैत्र (सं. पु.) चैत, हिंदुओंके बरसका बारहवां महीना.
चैन (हि. पु.) सुख, आराम, हर्ष.
चोंगा (हि. पु.) नल, नली.
चोंच (हि. स्त्री.) (सं. चञ्चु) ठोंठ, ठोर, पखेरुओंकी चंचु.
चोंडा (हि. पु.) (सं. चूडा) चोटी, बालका जूडा.
चोंप / चोप (हि. स्त्री.) चाह, रुचि, इच्छा, फुर्ती, स्त्रियोंके दांतोंमें पहननेका सोनेका गहना.
चोआ / चोवा (हि. पु.) अर्गजा, सुगंधित चीज.
चोखा (हि. गु.) साफ, खरा, तीखा, तीक्ष्ण.
चोचला (हि. पु.) भोली बातें, खिलाडपन, नखरा, मीठी बातें.
चोट (हि. पु.) मार, पीट, चपेट, धक्का, आघात, पछाड.
चोटपर चोट (हि. मुहा.) दुःखपर दुःख, एक विपतपर दूसरी विपतका आना.
चोट खाना (हि. मुहा.) पिटना, मार खाना, नुकसान उठाना.
चोटी (हि. स्त्री.) (सं. चूडा) शिखा, शिरके नीचेके बाल, शिखर, पहाडका शृंग.
चोटीकट (हि. मुहा.) दास, चेला.
चोटी कटवाना (हि. मुहा.) चेला होना, दास होना.
चोट्टा (हि. पु.) चोर.
चोर (सं. पु.) चोट्टा, लुटेरा, तस्कर, चोरी करनेवाला.
चोरखाना / चोरघर (हि. मुहा.) छिपा हुआ मकान, गुप्त घर.
चोररास्ता (हि. मुहा.) छिपी राह, पगडंडी, गुप्त राह, लीक.
चोर लगना (हि. मुहा.) बिगाड होना, नुकसान उठाना, हानि होना.

चोरी (हि. स्त्री.)(सं. चौर्य्य) चुरानेका काम, डकैती, ठगी.

चोली (सं. स्त्री.) अँगिया, कांचुली.

चौ (हि. गु.) चार. (पु.) हलका फाल.

चौअन्नी (हि. स्त्री.) सूकी, चार आनी, चार आना.

चौंकना (हि. क्रि. अ.) भडकना, डर उठना, चमकना, नींद उचटना.

चौंक उठना (हि. मुहा.) भडक उठना, चमक उठना.

चौंक पडना (हि. मुहा.) उछल पडना, भडक जाना, चमक जाना.

चौंतरा (हि. पु.) चबूतरा.

चौंतीस (हि. गु.) तीस और चार, ३४.

चौंधियाना (हि. क्रि. अ.) व्याकुल होना, अचंभेमें होना, तिरमिराना.

चौंसर, चौसर (हि. पु.) (सं. चतुश्शारि) चौपड, फूलोंकी माला, एक खेलका नाम जो पासोंसे खेला जाता है.

चौक (हि. पु.) बाजार, हाट, नगरका चौराहा, गुदडी, चौहटा, पेंठ, आंगन, अंगना.

चौकडा (हि. पु.) दो मोतीका बाला.

चौकडी (हि. स्त्री.) उछल, कूद, फलांग,

चौकडी भरना (हि. मुहा.) उछलना, कूदना, फांदना.

चौकडी भूलना (हि. मुहा.) मोहमें आना, भूलासा रह जाना.

चौकडी मार बैठना (हि. मुहा.) निमट बैठना, उकडू बैठना, चार जानू बैठना.

चौकन्ना (हि. गु.) सावधान, सचेत.

चौकस (हि. गु.) सचेत, चालाक, फुर्तीला, सावधान.

चौका (हि. पु.) रसोई, वह जगह जहां हिन्दूलोग खाना पकाते और खाते हैं, चौकोनी चीज, चौकोनी जगह, आगेके चार दांत.

चौकी (हि. स्त्री.) चौकोनी काठकी बनी हुई चीज, कुरसी, पीढा, रखवाली, चौकसी, थाना जहां चौकीदार और पहरादार रहते हैं, एक गहना जिसे गलेमें पहनते हैं.

चौकीदार (हि. गु.) पहरुआ, पहरा देनेवाला, चौकी देनेवाला.

चौकीदारी (हि. स्त्री.) चौकीदारका काम, चौकीदारकी मजदूरी, चाकीदारी टिकस.

चौकी देना (हि. मुहा.) पहरा देना, रखवाली करना.

चौकोना, चौकोर (हि. गु.) (सं. चतुष्कोण) चौखूंटा, चार कोना.

चौखट, चौकट (हि. स्त्री.) (सं. चतुष्काष्ठ) दरवाजेका ढांचा.

चौखूंटा (हि. गु.) चौकोर, चौकोना.

चौगुणा, चौगुना (हि. गु.) (सं. चतुर्गुण) चार गुना, चार बार लिया हुआ.

चौडा (हि. गु.) विशाल, फैलाहुआ.

चौडाचकला (हि. मुहा.) फैला हुआ, चिपटा, चौडा, फैलाऊ.

चौतनी (हि. स्त्री.) चौगोशिया टोपी.

चौतारा (हि. पु.) चार तारका बाजा.

चौताला (हि. स्त्री.) एक रागिणीका नाम.

चौथ (हि. स्त्री.) (सं. चतुर्थी) चौथी तिथि, चौथा हिस्सा, कर अथवा खिराज जो मरहट्टे उगाहा करते थे.

चौथा (हि. गु.) (सं. चतुर्थ) चारहवां, चौथा.

चौथेपन } (हि. पु.) बुढापा, मनुष्यके
चौथपन } उमरका चौथा अथवा सबसे पिछला हिस्सा.

चौदस (हि. स्त्री.) (सं. चतुर्दशी) चौदहवीं तिथि; चतुर्दशी.

चौदह (हि. गु.) (सं. चतुर्दश) दश और चार, १४.

चौदानिया (हि. पु.) } चार मोतीका
चौदानी (हि. स्त्री.) } वाला.

चौधरी (हि. पु.) प्रधान, पञ्च, जमींदारकी पदवी.

चौपट (हि. गु.) उजाड, बरबाद, चपट.

चौपट करना (हि. मुहा.) उजाडना, बरबाद करना, ढहा देना, विनाश करना.

चौपड (हि. स्त्री.) (सं. चतुष्पुटी) पासोंका खेल, कपडा जिसपर यह खेल खेला जाता है.

चौपाई (हि. स्त्री.) (सं. चतुष्पदी) चार पदका छन्द.

चौपाया (हि. पु.) जानवर, पशु, चारपाया.

चौपाला (हि. पु.) पालकी, डोली.

चौबारा (हि. पु.) उसारा, ऊपरका कोठा.

चौबीस (हि. गु.) बीस और चार, २४.

चौबे (हि. पु.) ब्राह्मणोंकी एक जाति.

चौमासा (हि. पु.) बरसात; आषाढसे कुँआरतकके चार महीने.

चौमुखा (हि. पु.) चार मुँहका दीया.

चौमुखी (हि. स्त्री.) देवी, चार मुँहवाली दुर्गा, रुद्राक्षका दाना.

चौरस (हि. गु.) समान, चारों ओरसे बराबर.

चौरानवे (हि. गु.) (सं. गु. चतुर्नवति) नव्वे और चार, ९४.

चौरासी (हि. गु.) अस्सी और चार, ८४.

चौअन } (हि. गु.) पचास और चार,
चव्वन } ५४.

चौवाई (हि. स्त्री.) आँधी, अन्धड, चारों दिशासे हवाका वहना.

चौसठ (हि. गु.) साठ और चार, ६४.

चौहटा } (हि. पु.) चौराहा, चौक.
चौहट्टा }

चौहत्तर (हि. गु.) सत्तर और चार, ७४.

चौहान (हि. पु.) राजपूतोंकी एक जाति.

च्युत (सं. पु.) गिरा हुआ, पतित, नष्ट, टपक पडा.

च्युति (सं. स्त्री.) पतन, हानि, खिन्नता.

छ.

छ (सं. गु.) (छो-काटना) काटनेवाला, निर्मल, छेदक, नाशक.

छः (हि. गु.) (सं. षट्) तीनका दुगुना, ६.

छई (हि. स्त्री.) एक रोगका नाम, नावका छप्पर.

छकडा (हि. पु.) गाडी, रहड़, अरावा.

छकना (हि. क्रि. अ.) सन्तुष्ट होना, अघना व्याकुल होना, मस्त होना.

छकाना (हि. क्रि. स.) संतुष्ट करना, अघाना, ठीक करना.

छक्का (हि. पु.) छःका समूह, एक तरहका पिंजरा.

छक्कापंजा करना (हि. मुहा.) ठगना, धोखा देना, जुआ खेलना.

छक्के छूट जाना (हि. मुहा.) घबराना, हक्कावक्का रह जाना.

छग } (सं. स्त्री.) भेडी, बकरी.
छगल }

छटाँक (हि. स्त्री.) सेरका सोलहवां हिस्सा, कनवाँ.

छायापथ (सं. पु.) आकाश, पोला, आसमान.
छायामृत (सं. पु.) चन्द्रमा.
छार (हि. स्त्री.) (सं. क्षार.) राख, धूल.
छाल (हि. स्त्री.) छिलका, बकला, पोस्त.
छाला (हि. पु.) फुंसी, फफोला.
छालिया (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी सुपारी.
छावनी (हि. स्त्री.) पल्टनके रहनेकी जगह.
छिगुली (हि. स्त्री.) छोटी अंगुली.
छिछला (हि. गु.) उथला, पैतला.
छिछोडा (हि. पु.) हल्का, ओछा.
छिटकना (हि. क्रि. अ.) बिखरना, फैलना, छितरना.
छिति (हि. स्त्री.) धरती, जमीन, पृथ्वी.
छिदना (हि. क्रि. अ.) बिधना, पार होना.
छिद्र (सं. पु.) छेद, गढा, बिल, दोष.
छिद्रान्वेषण (सं. पु.) दोष, ढूँढना, किसीके ऐबको निकालना.
छिद्रित (सं. पु.) बेधित, छेद किया गया.
छिन (हि. स्त्री.) (सं. क्षण) पल, निमेष.
छिनाल (हि. स्त्री.) व्यभिचारिणी, वेश्या.
छिन्न (सं. गु.) टूटा हुआ, खंडित.
छिन्नभिन्न (सं.) तित्तर बित्तर, अलग २.
छिपकली } (हि.) एक जानवरका नाम,
छिपकी } टिकटिकी.
छिपना } (हि. क्रि. अ.) लुकना, अलख
छपना. } होना, दबकना.
छिमा (हि. स्त्री.) (सं. क्षमा) माफी, क्षमा.
छियालीस (हि. गु.) चालीस और छः, ४६.
छियासी (हि. गु.) अस्सी और छः, ८६.
छिलका (हि. पु.) छाल, बकला, पोस्त.
छिहत्तर (हि. गु.) सत्तर और छः, ७६.
छी (हि. वि. बो.) तुच्छ, घिन करनेका शब्द.
छींक (हि. स्त्री.) शब्द जो नाकसे होता है.
छीका (हि. पु.) झूला, बहँगीकी डोरी, सिकहर.
छींट (हि. स्त्री.) एक प्रकारका छापा हुआ कपडा.
छींटना (हि. क्रि. स.) छिडकना, सींचना.
छींटा (हि. पु.) बूँद, टपका, छीटा.
छीजना (हि. क्रि. अ.) घटना, कम होना, सूखना.
छीन (हि. गु.) (सं. क्षीण) दुबला, पतला, मन्द, घटा हुआ.
छीर (हि. पु.) (सं. क्षीर) दूध.
छीलना (हि. क्रि. स.) छिलका उतारना.
छुछूँदर (हि. पु.) एक जानवरका नाम जो दुर्गंध करता है.
छुट (हि. गु.) छोटा, थोडा.
छुटकारा (हि. पु.) रिहाई, मुक्ति, छुडाव, उद्धार.
छुट्टी (हि. स्त्री.) अवकाश, फुरसत.
छुद्र (सं. पु.) आवरण, नीच, तुच्छ, किरण, भूषण.
छुर (सं. पु.) छूरा, उस्तूरा.
छुरिका } (सं. स्त्री.) चाकू, चक्कू.
छुरी }
छुहारा (हि. पु.) एक फलका नाम.
छूछा (हि. गु.) खाली, शून्य, खोखला.
छूट (हि. स्त्री.) छोडना, बट्टा, छुडाव.

छूत (हि. स्त्री.) छूना, किसीसे छूआ जाना.
छृद (सं. पु.) प्रकाश, विमन, विलाप. (गु.) प्रकाशक.
छेंकना (हि. क्रि. स.) रोकना, घेरना.
छेड (हि. स्त्री.) सताना, खिजावट.
छेडछाड } (हि. मुहा.) टोकटाक, टेढी
छेडखानी } बात.
छेद (सं. पु.) काटा हुआ भाग.
छेद (हि. पु.) (सं. छिद्र) गडहा, खड्डा.
छेदना (हि. क्रि. स.) बेधना, पार करना, घसाना.
छेनी (हि. स्त्री.) रुखानी, छेवनी.
छेमण्ड (सं. पु.) अनाथ, मातापितारहित बालक, बेवारिस.
छेरी (हि. स्त्री.) (सं. छागी) बकरी.
छेवा (हि. पु.) लकीर, चिह्न.
छैल } (हि. पु.) बाँका, अकडैत.
छैला }
छोकरा (हि. पु.) लडका, बालक.
छोकरी (हि. स्त्री.) लडकी, कन्या.
छोटा (हि. गु.) (सं. क्षुद्र) लघु, लहुरा, कनिष्ठ.
छोटिका (सं. स्त्री.) (छुट्+इका) उच्छाल, छूना, लंगोटा, कछौटा.
छोर (हि. पु.) किनारा, अन्त.
छोरण (सं. पु.) त्याग, पैना करना, काटना.
छोरंग (सं. पु.) नीबू, खट्टा, चूना, सफेदी, करौंदा.
छोह (हि. पु.) प्यार, प्रीति, मोह.
छोही (हि. गु.) प्रेमी, प्यारा, अनुरागी.
छौना (हि. पु.) जानवरका बच्चा.

ज.

ज (सं. पु.) (जन=पैदा होना) शिव, विष्णु, जन्म, माता, पिता, सुरमा, शेष, राक्षस, जीव.
जक (हि. पु.) गाडा हुआ, धनका रक्षक.
जकडना (हि. क्रि. स.) कसके बांधना, खींचना.
जग (हि. पु.) संसार, जगत, दुनियाँ, यज्ञ, बलि, उत्सव, पर्व.
जगजगाहट (हि. स्त्री.) चमक, प्रकाश.
जगत (सं. पु.) संसार, दुनियाँ.
जगती (सं. स्त्री.) पृथ्वी, धरती.
जगदम्बा (सं. स्त्री.) (जगत=संसार, अम्बा=माता) महामाया, देवी, दुर्गा.
जगदाधार (सं. पु.) (जगत=संसार, आधार=आसरा) अनन्त, शेषजी, संसारका आसरा, हवा, परमेश्वर.
जगदीश (सं. पु.) (जगत=संसार, ईश= मालिक) परमेश्वर, संसारका मालिक, जगन्नाथ.
जगना (हि. क्रि. अ.) नींदसे उठना, सचेत होना, जागना.
जगन्नाथ (सं. पु.) (जगत=संसार, नाथ= मालिक) विष्णु, जगदीश.
जगमगा (हि. गु.) चमकीला, झलाझल.
जगह } (हि. स्त्री.) ठौर, स्थान.
जागह } ठिकाना.
जगाज्योति (हि. स्त्री.) चमक, भडक.
जङ्गम (सं. गु.) (गम्=जाना) जिसमें चलनेकी शक्ति हो.
जंगल (सं. पु.) वन, झाडी.
जंगली (हि. गु.) बनैला, वनवासी.
जग्ध (सं. पु.) खाया गया, भुक्त.
जग्धि (सं. पु.) भोजन.

जघन (सं. पु.) जंघा, स्त्रियोंके कटिका अग्रभाग.
जघन्य (सं. पु.) अधम, नीच.
जघन्यज (सं. पु.) नीच, शूद्र.
जङ्घा (सं. स्त्री.) जांघ, जानू.
जंजाल (हि. पु.) झंझट, घबराहट.
जटा (सं. स्त्री.) मिले हुये बाल, जड.
जटाधारी (सं. पु.) शिव, जटा रखनेवाला.
जटामांसी (हि. स्त्री.) एक औषधका नाम.
जटायु (सं. पु.) एक गीधका नाम जिसका वर्णन रामायणमें है.
जटित (सं. गु.) जडाऊ, जडा हुआ.
जटिल (सं. गु.) जटावाला, शिव, सिंह.
जठर (सं. पु.) पेट, गर्भ, कठोर, बूढा.
जठराग्नि } (सं. स्त्री.) पेटकी आग
जठरानल } जिससे खाना पचता है, भूख, पेटका रोग.
जड (सं. पु.) मूर्ख, सुस्त, अज्ञानी.
जड (हि. स्त्री.) नेंव, ठहराव, मूल.
जडना (हि. क्रि. स.) जोडना, लगाना, साटना, नग बैठाना.
जडमति (सं. स्त्री.) मूर्ख, बेवकूफ.
जडहन (हि. पु.) अगहनी धान.
जडाऊ } (हि. पु.) जडा हुआ, जडित.
जडित }
जडिया (हि. पु.) जडनेवाला, जौहरी.
जडीबूटी (हि. स्त्री.) दवाई, रूखडी, बेली.
जतन (हि. पु.) (सं. यत्न) उपाय, मिहनत, इलाज.
जताना (हि. क्रि. स.) चिताना, बुझाना, प्रगट करना.
जती (हि. पु.) (सं. यति) योगी, भिखारी.
जतुक (सं. पु.) लाख, हींग.
जथा (हि. क्रि. वि.) (सं. यथा) जैसे जिस प्रकारसे.
जथा (हि. पु.) (सं. यूथ) समाज मंडली, झुंड.
जन (सं. पु.) (जन्=पैदा होना) आदमी, मनुष्य, दुष्ट मनुष्य.
जनक (सं. पु.) पिता, बाप, मिथिलाके राजा और श्रीसीताजीके पिता.
जनकतनया } (सं. स्त्री.) (जनक=एक
जनकसुता } राजाका नाम, तनया, सुता=पुत्री) श्रीसीताजी, श्रीजानकीजी, वैदेहीजी.
जनकपुर (सं पु.) तिरहुतमें एक शहरका नाम जो राजा जनककी राजधानी था.
जनता (सं. स्त्री.) मनुष्यका समूह.
जनना (हि. क्रि. अ.) पैदा होना, जन्म होना.
जननी (सं. स्त्री.) मा, माता, महतारी.
जनपद (सं. पु.) ग्राम, देश, लोक, जाति, कौम, जन्मस्थान.
जनप्रवाद (सं. पु.) अफवाह, किंवदन्ती, शुहरत, कलह.
जननीय (सं.) (जन+अनीय) संतान, पैदा किया हुआ.
जनमेजय (सं. पु.) (जन=संसार, एज=चमकना) राजा परीक्षितका बेटा.
जनयिता (सं. पु.) (जन+इ+त) बाप, पिता, जन्मदाता.
जनयत्री (सं. स्त्री.) मा, माता, जननी.
जनवासा (हि. पु.) बारात टिकनेकी जगह.
जनाश्रय (सं. पु.) विश्रामस्थान, अधिकार, मंत्री.
जनश्रुति (सं. स्त्री.) समाचार, खबर, संदेशा, अफवाह.

जनाना (हि. क्रि. स.) पैदा करना, चिताना, जताना.
जनाव (फा.) उच्चपद, अत्रभवान्.
जनार्दन (सं. पु.) (जन=दुष्ट लोग, अर्द=पीडा देना वा नाश करना) भगवान्, विष्णु, नारायण.
जनि } (हि. क्रि. वि.) नहीं, मत.
जिन }
जनि (सं. स्त्री.) उत्पत्ति, पैदायश.
जनित (सं. पु.) पैदा हुआ, जन्मा.
जनुस् (सं. पु.) उत्पत्ति, पैदायश.
जनेऊ (हि. पु.) (सं. यज्ञोपवीत) उपवीत, सूतकी बनी हुई चीज जिसे तीन वर्णके हिन्दूलोग पहरते हैं.
जनेत (हि. पु.) बराती.
जञ्जाल (हि. पु.) बखेडा, झगडा.
जंता (हि. पु.) (सं. यंत्र) तार खींचनेका औजार.
जंतु (सं. पु.) जीवधारी, जानवर, पशु.
जंत्र (हि. पु.) (सं. यंत्र) कल, बाजा, तावीज, जंतर.
जन्म (सं. पु.) पैदायश, उत्पत्ति.
जन्मद (सं. पु.) जन्म देनेवाला, परमेश्वर, माता पिता.
जन्मदिन (सं. पु.) पैदा होनेका दिन, बरसगांठ, सालगिरह.
जन्मपत्री (सं. स्त्री.) जन्मपत्र, लग्नकुंडली, जायचा.
जन्मभूमि (सं. स्त्री.) पैदायशकी जगह, अपना देश, वतन.
जन्मांतर (सं. पु.) दूसरा जन्म, नया जन्म.
जन्मांध (सं. पु.) जनमका अंधा, सूरदास.
जन्माष्टमी (सं. स्त्री.) श्रीकृष्णजीका जन्मदिन, भादों वदि अष्टमी.
जन्मोत्सव (सं. पु.) जन्मदिनका उत्सव.
जन्य (सं. पु.) (जन्=पैदा करना) संग्राम, निंदित बात, तालाव, हद्द, सेवक, ज्ञाति, पिता, दुल्हेके मित्र और साथी आदि.
जप (सं. पु.) परमेश्वरका नाम लेना, माला फेरना.
जपत (हि.) जपता हुआ, माला फेरता हुआ.
जपमाला (सं. पु.) जप करनेकी माला.
जब } (हि. क्रि. वि.) जिस समय,
जद } जिस कालमें.
जबतब (हि. मुहा.) कभी कभी.
जब न तब (हि. मुहा.) कभी न कभी, सदा.
जमकना (हि. क्रि. अ.) ठहरना, सटना, निभना.
जम (हि. पु.) (सं. यम) यमराज, काल, मौत.
जमदूत (हि. पु.) (सं. यमदूत) मौतके दूत.
जमदीया (हि. पु.) जो दीया कातिक वदि १३ को जमके नामसे जलाते हैं.
जमघट (हि. पु.) मण्डली, भीड, झुंड.
जमधर (हि. पु.) कटार.
जमना (हि. क्रि. अ.) उपजना, उगना, पैदा होना, इकट्ठा होना, लगना, सटना.
जमहाई (हि. स्त्री.) (सं. जृंम्भा) आलसमें आकर मुँह खोलना.
जमाई } (हि. पु.) (सं. जामाता)
जँवाई } दामाद, बेटीका पति.
जमलगोटा (हि. पु.) एक दवाका नाम.
जमुना } (हि. स्त्री.) (सं. यमुना)
जमना } एक नदीका नाम.
जम्बु (सं. पु.) जामन, जामुन.

जम्बुक } (सं. पु.) गीदड, सियाल.
जम्बूक

जम्बुद्वीप } (सं. पु.) एक द्वीपका नाम जिसमें भरतखण्ड अर्थात हिंदुस्तान है.
जम्बूद्वीप

जय (सं. स्त्री.) जीत, विजय.

जयपताका (सं. स्त्री.) जीतका झंडा.

जयपत्र (सं. पु.) जीतनेका पत्र.

जयंत (सं. पु.) इंद्रका बेटा.

जयमाल (सं. स्त्री.) जीतकी माला, स्वयंवरमें लडकी जिसे पसंद कर माला देती है वही जयमाल कहलाती है.

जयी (सं. पु.) जीतनेवाला, विजयी.

जर (हि. स्त्री.) (सं. ज्वर) तप, बुखार, जड, मूल.

जरठ (सं. गु.) बूढा, पुराना, कठोर.

जरत } (सं. पु.) बूढा, वृद्ध.
जरी

जरती (सं. स्त्री.) बुढिया, वृद्धा.

जरा (सं. स्त्री.) बुढापा, एक राक्षसीका नाम.

जरासंध (सं. पु.) (जरा=एक राक्षसीका नाम, संध=जोडा हुआ) मगध देशका राजा जो कंसका ससुर और श्रीकृष्णजीका वैरी था.

जरीब (अ. स्त्री.) खेत नापनेकी रस्सी जो ६० गजकी होती है.

जर्जर (सं. गु.) पुराना, निर्बल. (पु.) इंद्रका झंडा, सिवार.

जल (सं. पु.) पानी, आब.

जलकरङ्क (सं. पु.) शंख, घोंघा, सिवार.

जलकाक (सं. पु.) गोताखोर, बत्तक.

जलकुक्कुट (सं. पु.) जलमुर्गा.

जलकूपी (सं. स्त्री.) तडाग, हौज.

जलक्रीडा (सं. स्त्री.) पानीमें खेलना.

जलचर (सं. पु.) जलमें रहनेवाले जानवर जैसे मछली, मकर आदि.

जलचरकेतु (सं. पु.) कामदेव, मकरध्वज.

जलज (सं. पु.) कमल, शंख, मछली, चंद्रमा, मोती.

जलजात (सं. पु.) कमल, कँवल.

जलत्र (सं. पु.) छाता, नौका, नाव.

जलथल (हि. पु.) आधी धरती पानीसे छिपी हुई और आधी सूखी हुई.

जलद (सं. पु.) बादल, घटा, पानी देनेवाला, घडा.

जलधर (सं. पु.) बादल, घटा, मेघ, पानीको रखनेवाला.

जलधारा (सं. स्त्री.) सोता, झरना, प्रवाह.

जलधि (सं. पु.) समुद्र, समंदर.

जलन (हि. स्त्री.) (सं. ज्वलन) जलना, तपन, क्रोध, कुढन.

जलनिर्गम (सं. पु.) पानीका निकास, मोरी.

जलना (हि. क्रि. अ.) बलना, सुलगना, नहरना, क्रोध करना.

जलेपर नोन लगाना (हि. मुहा.) दुःखी मनुष्यको सताना.

जलनिधि (सं. पु.) समुद्र, सागर.

जलनीली (सं. स्त्री.) सिवार, काई.

जलन्दर } (हि. पु.) (सं. जलोदर) एक प्रकारका पेटका रोग, एक दैत्यका नाम.
जलन्धर

जलपति (सं. पु.) वरुणदेवता, समुद्र.

जलपान (सं. पु.) कलेवा, जलखान.

जलयान (सं. पु.) नौका, जहाज.

जलराशि (सं. पु.) समुद्र, सागर.

जलरुह (सं. पु.) कमल, कँवल.

जलवाण (सं. पु.) पानीके तीर.

जलबिंदु (सं. पु.) पानीका बूँद.

जलविहंग (सं. पु.) जलपक्षी.
जलशायिन् (सं. पु.) विष्णु, जलचर.
जलाकर (सं. पु.) सोत, झरना.
जलाश्वल (सं. पु.) नाला, सोता, झरना.
जलाशय (सं. पु.) तालाब, झील, सरोवर.
जलेबी (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी मिठाई.
जलौका (सं. स्त्री.) जोंक, अलिका.
जल्प (सं. पु.) वृथा बकवाद, झूठा झगडा.
जल्पक (सं. पु.) बकवादी, गप्पी, वाचाल.
जल्पना (सं. क्रि. अ.) बकना, बोलना, झूठा झगडा करना.
जल्पित (सं. पु.) बकवाद करते हुए.
जव } (हि. पु.) (सं. यव) एक अनाजका नाम.
जौ
जवनिका (सं. स्त्री.) परदा, कनात.
जवान (हि. पु.) तरुण, सोलह वर्षकी उमरका.
ज्वार (हि. पु.) समुद्रकी बाढ, एक प्रकारका अनाज.
ज्वारभाटा (हि. पु.) समुद्रका उतार चढाव.
जवासा (हि. पु.) एक प्रकारकी घास.
जस (हि. पु.) (सं. यश) नामवरी, कीरति.
जस (हि. क्रि. वि.) जैसे, जिस प्रकारसे.
जसोदा } (हि. स्त्री.) (सं. यशोदा) नंदजीकी स्त्री, श्रीकृष्णजीकी उपमाता.
जसुमति
जस्त } (हि. पु.) एक प्रकारकी धातु.
जस्ता
जहक (सं. पु.) समय, केंचुल. (गु.) त्यागी, छोडनेवाला.

जहँ } (हि. क्रि. वि.) (सं. यत्र) जिस जगह.
जहाँ
जह्नु (सं. पु.) चन्द्रवंशियोंमें एक राजर्षिका नाम जो गंगाको पी गया था.
जह्नुतनया (सं. स्त्री.) (जह्नु + तनया= बेटी) गंगा, जाह्नवी, जह्नुराजा तप करनेके समय गंगाको पी गये थे फिर देवताओंके कहनेसे पेटसे निकाल दिया इसीसे गंगाको उनकी बेटी कहते हैं.
जाई (हि. स्त्री.) बेटी, जनी. (गु.) पैदा हुई.
जाँघिया (हि. पु.) कछनी.
जाँचना (हि. क्रि. स.) परखना, कसना.
जाँता (हि. स्त्री.) चक्की, पाट.
जाकड (हि. पु.) धरोहर, कोई चीज शर्तपर लेना.
जागना (हि. क्रि. अ.) नींदसे उठना, सचेत होना.
जागर } (सं. पु.) रतजगा, रातको जागकर परमेश्वरका ध्यान करना.
जागरण
जागरित } (सं. पु.) जगैया, सचेत, बेदार.
जागरी
जाग्रत्
जाङ्गल (सं. पु.) गौरयापक्षी, गरगीटा.
जाचक (हि. पु.) (सं. याचक) मांगनेवाला, भिखारी.
जाचना (हि. क्रि. स.) मांगना, चाहना.
जाजम (हि. स्त्री.) दरीके ऊपर बिछानेका सफेद कपडा.
जाट (हि. पु.) हिंदुओंमें एक जाति.
जाडा (हि. पु.) शर्दी, शीतकाल.
जात (सं. गु.) जन्मा हुआ, उत्पन्न.
जात (हि. स्त्री.) जाति, वंश, कुल, प्रकार, भेद, वर्ग.
जातक (सं. पु.) बेटा, जातकर्म.

जातरूप (सं. पु.) सोना, चाँदी.
जाति (सं. स्त्री.) जात, वर्ण, गोत्र, उत्पत्ति.
जातकर्म (सं. पु.) नांदीमुख श्राद्धादि.
जाती (सं. स्त्री.) जावित्री, चमेली.
जातीफल (सं. पु.) जायफल.
जातुधान (सं. पु.) राक्षस, असुर.
जात्रा (हि. स्त्री.) (सं. यात्रा) देशाटन, तीरथको जाना, सफर.
जात्री (हि. पु.) (सं. यात्री सफर करनेवाला, तीरथको जानेवाला, मुसाफिर.
जान (फा.) रूह, जीव, आत्मा.
जानकी (सं. स्त्री.) राजा जनकको बेटी, सीता, वैदेही.
जाता रहना (हि. मुहा.) खोया जाना, मर जाना, बिलाय जाना.
जाने देना (हि. मुहा.) छोड देना, कुछ ध्यान नहीं देना.
जानु (सं. पु.) घुटना, टेंवना, जानू.
जाप (सं. पु.) जप, माला फेरना, मंत्र जपना.
जापक (सं. पु.) जप करनेवाला.
जाम (हि. स्त्री.) (सं. याम) पहर, दिन रातका आठवां हिस्सा, तीन घंटा.
जामन (हि. पु.) एक पेड और उसके फलका नाम.
जामाता (सं. पु.) दामाद, जवांई, बेटीका पति.
जामिनी (हि. स्त्री.) रात, रात्री.
जामवंत (हि. पु.) रीछोंका राजा.
जाम्बूनद (सं. पु.) सुवर्ण. (स्त्री.) विवाहिता स्त्री, जाया.
जायफल (हि. पु.) (सं. जातिफल) एक प्रकारका गर्म मशाला.
जाय (हि. क्रि. वि.) वृथा.
जाया (सं. स्त्री.) भार्या, ब्याही हुई स्त्री.
जायानुजीवी (सं. पु.) नट, भडुआ.
जायापति (सं.) दम्पति, स्त्रीपुरुष.
जार (सं. पु.) उपपति, दूसरा पति, यार.
जारज (सं. पु.) जारसे पैदा हुआ लडका.
जाल (सं. स्त्री.) फंदा, पाश, झरोखा, माया, इन्द्रजाल, जादू.
जालक (सं. पु.) फरेबी, मक्कार. (स्त्री.) शिलाजीत, जोंक, रांड, झिल्लम, बहेलिया, मल्लाह.
जालगणिका (सं. स्त्री.) मयनी, रयी.
जाला (हि. पु.) मोतियाबिंद, मकडीका फांदा.
जाली (हि. स्त्री.) एक तरहका कपडा, झंझरी, झरोखा.
जाल्म (सं. पु.) धूर्त, पामर, ढीठ, अधम.
जावक (हि. पु.) महावर, अलता.
जावित्री } (हि. स्त्री.) एक प्रकारका
जायपत्री } गर्म मशाला.
जासु (हि. सर्वना.) जिसका, जिससे.
जाहि (हि. सर्वना.) जिसको.
जाह्नवी (सं. स्त्री.) गंगा, भागीरथी.
जिगमिषा (सं. स्त्री.) जानेका इरादा.
जिगीषा (सं. स्त्री.) जीतनेकी इच्छा.
जिघत्सा (सं. स्त्री.) खानेका इरादा.
जिघत्सु (सं. पु.) खानेकी इच्छा करनेवाला.
जिघांसा (सं. स्त्री.) मारनेकी इच्छा करना.
जिघांसु (सं. पु.) मारनेकी इच्छा करनेवाला.
जिज्ञासा (सं. स्त्री.) पूछना, जाननेकी इच्छा करनेवाला.

जिज्ञासु (सं. पु.) पूछनेवाला,
जिस (हि. क्रि. वि.) जिधर, जहां, जीता गया.
जितेन्द्रिय (सं. गु.) जिसने इन्द्रियोंको वशमें कर लिया हो.
जिन (सं. पु.) जैनियोंका देवता, बुद्ध.
जिन्स (फा.) कौम, जात.
जिमाना (हि. क्रि. स.) भोजन कराना, खिलाना.
जिमि (हि. क्रि. स.) जैसे, जिस तरहसे.
जिय / जियरा } (हि. पु.) जीव, प्राण, रूह.
जिहिं (हि. सर्वना.) जिसको, जिनको.
जिह्वा (सं. स्त्री.) जीभ, रसना.
जी (हि. पु.) जीव, प्राण, आत्मा.
जी बढाना (हि. मुहा.) जीमें उत्साह होना, हौसला बढाना.
जी भर जाना (हि. मुहा.) आसूदा होना, अघा जाना.
जी बहलाना (हि. मुहा.) मन बहलाना.
जी फट जाना (हि. मुहा.) दिल टूट जाना, निराश होना.
जी जलना (हि. मुहा.) कुढना, मनमें दुःख पाना.
जी चाहना (हि. मुहा.) मनमें किसी चीजकी इच्छा होना.
जी चलना (हि. मुहा.) चाहना.
जी दान करना (हि. मुहा.) जान बख्श देना, किसीके प्राण बचाना.
जीसे उतर जाना (हि. मुहा.) नहीं चाहना.
जी लगाना (हि. मुहा.) किसी चीजपर मन लगाना.
जी लेना (हि. मुहा.) मार डालना.
जीमें आना (हि. मुहा.) कोई बात याद पडना,
जी निकलना (हि. मुहा.) मरना.
जी हारना (हि. मुहा.) हिम्मत छोड देना, सहस नहीं रखना.
जी हट जाना (हि. मुहा.) दिल हट जाना.
जी (हि. अव्य.) हां, साहिब, आप.
जीत (हि. स्त्री.) विजय, फतह.
जीतना (हि. क्रि. स.) जय करना, हराना.
जीता (हि. गु.) जीता हुआ, चैतन्य.
जीतेजी (हि. मुहा.) जबतक जीता है.
जीभ (हि. स्त्री.) जबान, रसना.
जीभ चाटना (हि. मुहा.) जी ललचाना, बहुत चाहना.
जीभ निकालना (हि. मुहा.) हाँफना.
जीभी (हि. स्त्री.) जीभ साफ करनेकी चीज.
जीमना / जेंवना } (हि. क्रि. स.) भोजन करना, खाना.
जीमूत (हि. पु.) मेघ, पर्वत, मोथा, धूम.
जीरा (हि. पु.) एक मशालेका नाम.
जीर्ण (सं. पु.) बूढा आदमी, पुराना, मुर्झाया हुआ.
जीर्णोद्धार (सं. पु.) मरम्मत, लेसपोत.
जील (हि. स्त्री.) गानेमें ऊँचा स्वर.
जीव (सं. पु.) प्राण, आत्मा, जीवधारी.
जीवक (सं. पु.) सेवक, कृपण.
जीवन (सं. पु.) जीना, जीविका, पानी, पुत्र, बेटा.
जीवनचर्य्या (सं.) जीवनवृत्तान्त.
जीविका (सं. स्त्री.) जीनेका उपाय.
जीवित / जीवी } (सं. गु.) जीता हुआ, जीता. (पु.) जीवन, वर्तमान.
जीह / जीहा } (हि. स्त्री.) जीभ, रसना.
जुआरी (हि. पु.) जूआ खेलनेवाला.

ज्वलित (सं. पु.) जलता, हुआ प्रकाशित.
ज्वार (हि. स्त्री.) एक प्रकारका अनाज.
ज्वाला (सं. स्त्री.) आंच, लौ, चमक.
ज्वालामुखी (सं. स्त्री.) वह जगह जहांसे आग निकलती है, आगका पहाड, देवी, दुर्गा.

झ.

झ (सं. पु.) बृहस्पति, इन्द्र, शब्द, ध्वनि, मिलाप, झंकोर.
झङ्कार (सं. पु.) झनझनाहट.
झंखना (हि. क्रि. अ.) पछताना, बडबडाना.
झंगा } झगा } (हि. पु.) अंगा, कुरता.
झंझट (हि. पु.) रगडा, घबराहट.
झँझरी (हि. स्त्री.) जाली, झरोखा.
झंडा (हि. पु.) पताका, निशान.
झँय } झँव } (हि. स्त्री.) मूर्छा.
झक (हि. स्त्री.) सनक, क्रोध, रिस.
झक मारना (हि. मुहा.) वृथा काम करना.
झकझोरी (हि. स्त्री.) छीनाछीनी, खैंचाखैंची.
झकोरना (हि. क्रि. स.) हिलाना, झोंका देना.
झक्की (हि. गु.) वृथा बकवाद करनेवाला.
झगडालू (हि. पु.) लडाई करनेवाला.
झगुला (हि. पु.) लडकेके पहरनेका कुरता.
झञ्झा (सं. स्त्री.) वर्षाऋतु, वायु, झाँझ.
झंझानिल (सं. पु.) ग्रीष्मका वायु.
झंझट (हि. पु.) बखेडा, झगडा.
झट (हि. क्रि. वि.) शीघ्र, जल्दी.
झटसे } झटपट } (हि. मुहा.) शीघ्र, उसी दम, फौरन.
झटकना (हि. क्रि. स.) खैंच लेना, (क्रि. अ.) दुबला होना.
झड (हि. स्त्री.) झडी, आंच, एक तरहका ताला.
झडना (हि. क्रि. अ.) गिरना, टपकना.
झडी (हि. स्त्री.) लगातार मेह बरसना.
झपकी (हि. स्त्री.) झपट, पलक लगाना.
झपट (हि. स्त्री.) छीनखसोट, लपक.
झपट लेना (हि. मुहा.) छीन लेना.
झपाझपी (हि. स्त्री.) हडबडी, उतावली.
झपास (हि. स्त्री.) फुहार, झींसी.
झब्बा (हि. पु.) फुंदा, लटकन, गुच्छा.
झम (सं. पु.) खानेवाला, भोजन.
झर (हि. स्त्री.) मेहका लगातार बरसना.
झरना (हि. पु.) सोता, चश्मा, कछनी, (क्रि. अ.) टपकना, बहना, गिरना.
झरोखा (हि. पु.) खिरकी, दरीची, जाली.
झर्झरा (सं. स्त्री.) वेश्या, पतुरिया.
झर्झरी (सं. स्त्री.) खंजरी, डफुली.
झलक (हि. स्त्री.) चमक, जगमगाहट.
झलझलाना (हि. क्रि. अ.) चमकना, क्रोध करना.
झलाझल (हि. गु.) चमकीला, जगमगा.
झष (सं. पु.) बडी मछली, मकरमच्छ.
झषकेतु (सं. पु.) कामदेव, मदन.
झाँकना (हि. क्रि. स.) छिपकर देखना, निहारना.
झाँख (हि. पु.) बारहसिंगा, हरिन.
झांझ (हि. पु.) मजीरा, एक तरहका बाजा.
झाँपना (हि. क्रि. स.) ढकना, तोपना.
झाऊ (हि. पु.) एक पेडका नाम.

झाग (हि. पु.) फेन, गाज.
झाझा (हि. पु.) नशेकी चीज, गाँजा.
झाड (हि. पु.) झाडी, एक प्रकारकी आतिशबाजी, पंजशाखा, झुल्लाब.
झाडखण्ड (हि. पु.) जंगल, बैजनाथ महादेवका बन.
झाडन (हि. स्त्री.) बुहारना, कचरा कूडा असबाब पोछनेका कपडा.
झाडना फूँकना (हि. मुहा.) भूत उतारना.
झाडा (हि. पु.) दस्त, मलका त्यागना.
झाडूकश (फा.) भंगी, मेहतर, हलालखोर.
झावा (हि. पु.) तेल नापनेका बर्तन.
झारी (हि. स्त्री.) सुराही जिसकी नाली लम्बी होती है और उसमें एक टोंटी लगी रहती है.
झाल (हि. स्त्री.) बडा कटोरा, धातुके टूटे बरतनको जोडना.
झालना (हि. क्रि. स.) ओपना, घोंटना.
झालर (हि. स्त्री.) सूत या रेशमकी जाली, किनारा.
झालरा (हि. पु.) पानीका बडा कुण्ड.
झिडकना (हि. क्रि. स.) धमकाना, घुडकना.
झिडकी (हि. स्त्री.) घुरकी, धमकी.
झिनझिनी (हि. स्त्री.) झनझनाहट, सनसनी जो हाथपैरमें होती है.
झिलम (हि. पु.) बक्तर, कवच, लोहेकी कुरती.
झिलमिली (हि. स्त्री.) दरवाजेकी झँझरी, जाली, झिलमिल.
झिल्ली (हि. स्त्री.) पतला चमडा.
झींकना } (हि. क्रि. अ.) पछतावा करना,
झींखना } हाय हाय करना.
झींगा (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी मछली.
झींगुर (हि. पु.) एक प्रकारका कीडा.
झीन } (हि. गु.) (सं. क्षीण) पतला,
झीना } पतील.
झील (हि. स्त्री.) जलाशय, सरोवर.
झीसी (हि. स्त्री.) फुहार, झपास.
झुकना (हि. क्रि. अ.) निहुरना, नवना, नीचा सिर करना, प्रणाम करना.
झुंझलाना (हि. क्रि.) खिसियाना, चिडना.
झुठलाना (हि. क्रि. स.) झूठा ठहराना, कलंक लगाना.
झुंड (हि. पु.) समूह, दल, पेडोंकी कुंज.
झुनझुना (हि. पु.) बालकोंका खिलौना.
झुनझुनी (हि. स्त्री.) घुंघरू, नूपुर.
झुमका } (हि. पु.) कर्णफूल, फूलों वा
झूमका } फलोंका गुच्छा, एक फलका नाम.
झुरना (हि. क्रि. अ.) मुर्झाना, सूखना.
झुलसना (हि. क्रि. अ.) जलना, झुलसना.
झुलाना (हि. क्रि. स.) हिलाना, डोलाना, झूला देना, लटकाना.
झूँझल (हि. स्त्री.) चिडचिडाहट.
झूठ (हि. स्त्री.) असत्य, मिथ्या.
झूठमूठ (हि. मुहा.) मिथ्या, अशुद्ध.
झूठा (हि. गु.) झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी.
झूमना (हि. क्रि. अ.) हिलना, ऊंघना, सिरको ऊँचा नीचा घुमाना.
झूरना (हि. क्रि. स.) कूटना, चूर २ करना, पीसना. (क्रि. अ.) पछताना, कलपना.
झूल (हि. स्त्री.) चौपायोंके शरीरपर ओढनेका कपडा.
झूलना (हि. क्रि. अ.) हिलना, डोलना, लटकना. (पु.) एक प्रकारकी कविता.

झूला (हि. पु.) हिंडोला, पालना, डोला.
झूसी (हि. पु.) फुहार, झींसी, फूही.
झोक (हि. स्त्री.) ढकल, झोंका.
झोकना (हि. क्रि. स.) फेंकना, डालना, घुसेडना.
झोंटा (हि. पु.) चोटी, सिरके पिछले बाल.
झोपडा (हि. पु.) } कुटी, मढिया, मढी.
झोपडी (हि. स्त्री.) }
झोंका (हि. पु.) झकोरा, ठोकर, ठेस.
झोला (हि. पु.) थैला, लकवा, अर्द्धांग.
झोली (हि. स्त्री.) थैली, कोथली.
झौंरा (हि. पु.) सांवला, एकमें गुथा हुआ.
झौंड (हि. पु.) झगडा, बखेडा, टंटा.

ट.

ट. (सं. पु.) वामन, शब्द, ध्वनि, चन्द्रमा, गान, अंकुश, वृद्धावस्था.
टँकना (हि. क्रि. अ.) सिया जाना, लगाना, लटकना.
टँगना (हि. क्रि. अ.) लटकना.
टँगडा } (हि. स्त्री.) गोड, पिंडली, पैरका एक भाग.
टँगरी }
टंटा (हि. पु.) लडाई, झगडा, रगडा.
टक (हि. स्त्री.) ताक, स्वभाव, दृष्टि.
टक बांधना (हि. मुहा.) ताकना, घूरना.
टकटकी (हि. स्त्री.) ताक, घूर, यकटक.
टकराना (हि. क्रि. स.) टक्कर देना.
टकसाल (हि. स्त्री.) वह जगह जहां सिक्का तैयार होता है.
टकसाल चढाना (हि. मुहा.) सिखाया जाना, उपदेश पाना, शिक्षा पाना.
टका (हि. पु.) दो पैसा.
टकोर (हि. स्त्री.) ढोलका शब्द, थाप, चुमकार.
टक्कर (हि. स्त्री.) धक्का, ठोकर, ढकेल.
टक्कर खाना (हि. मुहा.) ठोकर खाना, किसी चीजसे भिड जाना.
टखना (हि. पु.) ठेहना, घूटी.
टङ्क (सं. स्त्री.) टांक, चार मासेका तौल, तलवार, क्रोध, सुहागा, खुरपी.
टङ्कार (सं. पु.) धनुषके चिल्लेका शब्द, नामवरी, अचम्भा.
टटका (हि. पु.) ताजा, नया, तुरंतका.
टटडी (हि. स्त्री.) चांदी, घेरा, मेड.
टटपूंजिया (हि. पु.) थोडी पूंजीवाला.
टटोलना (हि. क्रि. स.) टोआटोई करना, छूनेसे ढूंढना जैसे अंधे लोग करते हैं.
टट्टी (हि. स्त्री.) टटिया, चटाईका बना हुआ छोटा टट्टर, ओट, आड.
टट्टू (हि. पु.) टांगन, पहाडी घोडा.
टपकना (हि. क्रि. अ.) चूना, गिर पडना.
टपका (हि. पु.) पानीकी बूंद, पक्के फलका गिरना.
टपना (हि. क्रि. स.) कूदना, नांघना.
टप्पा (हि. पु.) एक प्रकारकी गीत, डाकखाना, उछाल, कूद.
टरना } (हि. क्रि. अ.) सरकना, हटना, चले जाना, दबक रहना.
टलना }
टर्रा (हि. पु.) बक्की, दुष्ट, जोरावर.
टर्राना (हि. क्रि. स.) बकबक करना, टें टें करना.
टलन (सं. पु.) शोक, चंचल होना.
टसक (हि. स्त्री.) पीडा, टीस.
टसकना (हि. क्रि. अ.) हिलना, चलना, सरकना.
टहनी (हि. स्त्री.) डाली, छोटी डाली.
टहल } (हि. स्त्री.) सेवा, घरका कामकाज, नौकरी.
टहलटिकोरा }

टहलना (हि. क्रि. अ.) फिरना, हवा खानेको बाहर जाना.

टहलनी } (हि. स्त्री.) दासी, लौंडी,
टहलवी } घरका कामकाज करनेवाली.

टहलुवा (हि. पु.) नौकर, दास, घरका कामकाज करनेवाला.

टाँक (हि. स्त्री.) (सं. टङ्क) चार मासेका तौल, एक तरहकी सूई, सीवन.

टाँकना (हि. क्रि. स.) टांका मारना, सीना, तुरपना.

टाँकी (हि. स्त्री.) छेनी, रुखानी, नासूर, फोडा, खर्बूजेका चौकोर टुकडा जो अच्छा बुरा देखनेके लिये काटा जाता है.

टाँग (हि. स्त्री.) गोड, टँगडी.

टाँगन (हि. पु.) पहाडी घोडेकी एक जाति.

टाँगना (हि. क्रि. स.) लटकाना.

टाउनहाल (अं.) (Town-hall) सभा, दरबार, मजलिश.

टाट (हि. पु.) सनका कपडा, अजाड.

टाटी (हि. स्त्री.) टट्टी, टटिया, आड.

टाप (हि. स्त्री.) घोडेके अगले पैरकी आहट, मछली पकडनेके लिये बांसका बना हुआ ढाँचा.

टापू (हि. पु.) धरतीका वह टुकडा जो चारों ओरसे पानीसे घिरा हो, उपद्वीप.

टारना } (हि. क्रि. स.) हटाना, सरका-
टालना } ना, दूर करना, बहाना करना.

टालटोल } (हि. मुहा.) बहाना, छल,
टालमटोल } ढीलढाल, बनावट.

टिकटिकी (हि. स्त्री.) छिपकली, छिपकी.

टिकठी (हि. स्त्री.) तिपाई, तिखूँटी.

टिकना (हि. क्रि. अ.) ठहरना, रहना, बसना.

टिकली (हि. पु.) बेंदी, बिन्दु, पतली रोटी.

टिकाना (हि. क्रि. स.) ठहरना, रखना.

टिकिया (हि. स्त्री.) कोयलेकी गोल २ टिकली, पतली और छोटी रोटी.

टिटिहरी (हि. स्त्री.) (सं. टिट्टिभ) एक पखेरूका नाम.

टिट्टिभ (सं. पु.) एक पखेरूका नाम, टिटिहरी.

टिड्डी (हि. स्त्री.) अनाजको नाश करनेवाला कीडा, शलभ.

टिप्पन (हि. स्त्री.) } (टिप=फेंकना)
टिप्पनी (सं. स्त्री.) } टीका, व्याख्या, अर्थ, टिपनी, शरह.

टीक (हि. स्त्री.) गलेका एक गहना.

टीका (सं. स्त्री.) टिप्पनी, शरह, अर्थ, शब्दोंके गूढ अभिप्रायको अच्छी तरहसे समझाना.

टीका (हि. पु.) (सं. तिलक) तिलक, ललाटपर केशर चंदन आदिका चिह्न, स्त्रियोंके ललाटपर पहरनेका गहना, छापा.

टीका भेजना (हि. मुहा.) व्याहके आरम्भमें दुलहनके घरसे दुल्हेके घरमें वस्त्र रुपया नारियल आदि भेजना.

टीका लेना (हि. मुहा.) व्याहकी भेंटको लेना.

टीप (हि. स्त्री.) टिपनी, गानेमें रागको ऊँची ले जाना, जल्दीमें कोई बात लिख लेना, दबावट.

टीला (हि. पु.) ऊंची धरती, मेंड.

टीस (हि. स्त्री.) पीडा, टपक, व्यथा.

टीस मारना (हि. मुहा.) पीडा होना.

टुक (हि. पु.) (सं. स्तोक) जरासा, थोडा.

टुकडा } (हि. पु.) खण्ड, हिस्सा, भाग,
टूक } चिट, अंश.

टुंड (हि. पु.) काटा हुआ अंग, ठूठा.

टुंडी } (हि. स्त्री.) (सं. तुन्दि) तोंदी,
टूंडी } नाभि. (गु.) विना हाथकी.

टुंडियां कसना } (हि. मुहा.) पीठ पीछे
टुंडिया चढाना } हाथोंको बाँधना, मुसकें बांधना

टुसकना (हि. क्रि. अ.) रोना, बिलकना.

टूट (हि. स्त्री.) (सं. त्रुटि) कमी, टोटा, हानि, नुकशान.

टूटना (हि. क्रि. अ.) टुकडा होना, फटना, चढना, धावा करना.

टूटा (हि. गु.) टूटा हुआ, फूटा हुआ.

टूटाफूटा (हि. मुहा.) टुकडे २, खंडहर.

टूसी (हि. स्त्री.) कोंपल, कली.

टेंट (हि. पु.) करीलका फल, आंखकी फुल्ली.

टेंटुवा (हि. पु.) नरेटी, सांसी.

टेंटें (हि. पु.) चेंचें, किलकिलाहट.

टेक (हि. स्त्री.) अवलम्ब, सहारा, खंभा, प्रतिज्ञा, संकल्प, हठ.

टेकी (हि. गु.) बातका पूरा करनेवाला.

टेकरा (हि. पु.) ऊंची धरती, टीला.

टेढाबेढा (हि. मुहा.) बांका, तिरछा.

टेम (हि. स्त्री.) बत्तीकी जलन वा फूल.

टेर (हि. गु.) पुकार, फर्याद.

टेरना (हि. क्रि. स.) पुकारना, बुलाना, अलापना.

टेव (हि. स्त्री.) रीति, चाल, आदत.

टेवकी (हि. स्त्री.) धूनी, खंभा.

टेवना } (हि. क्रि. स.) चोखा करना,
टेना } धार लगाना, बाढ देना.

टेवा (हि. पु.) जन्मपत्री, चस्का, चाट.

टेसू (हि. पु.) पलासका फूल, एक प्रकारका खेल.

टहला (हि. पु.) व्याहकी एक रीति.

टोंटा (हि. पु.) मुर्रा, पटाखा, बांसकी गांठ, कारतूस. (गु.) जिसका हाथ टूटा हो.

टोंटी (हि. स्त्री.) नली, नल.

टोक (हि. स्त्री.) रोक, अटकाव, नजर, दीठ.

टोकना (हि. क्रि. स.) रोकना, पूछना, बुरी नजरसे देखना.

टोकरा (हि. पु.) खांचा, बडी टोकरी.

टोकरी (हि. स्त्री.) खँचिया, दौरी.

टोटा (हि. पु.) घटी, नुकशान, कमी.

टोडी (हि. स्त्री.) एक रागिणीका नाम.

टोना (हि. पु.) जादू, सेहर, मोहन.

टोप (हि. पु.) बडी टोपी, टांका, सींवन.

टोपी (हि. स्त्री.) सिरताज, सिरका ढकना.

टोल (हिं. पु.) } झुण्ड, सभा, ठट्ट.
टोली (हि. स्त्री.) } झुण्ड, सभा, ठट्ट.

टोला (हि. पु.) मुहल्ला, शहरका एक हिस्सा.

टेम्परेन्स (अं.) (Temperance) जमाअत, परहेजगार.

ट्रेडएसोसियेशन (अं.) (Trade-association) सौदागरीकी कमीटी.

ट्रेन्सलेटर (अं.) (Translator) अनुवादक, उल्था करनेवाला, मुतरज्जिम.

ठ.

ठ (सं. पु.) शिव, मण्डल, शून्य, मूर्ति, जनसमूह.

ठकठक (हि. मुहा.) बखेडा, कठिन काम.

ठकठकाना (हि. क्रि. स.) ठोंकना, खटखट करना,

ठकुराई (हि. स्त्री.) बडप्पन, प्रधानता, ईश्वरता.

ठग (हि. पु.) दगाबाज, छली, बहकानेवाला.

ठगबाजी } (हि. स्त्री.) कपट, छल,
ठगविद्या } ठगनेकी विद्या.
ठग लेना (हि. मुहा.) धोखा देना, छलना.
ठगई (हि. स्त्री.) छल, ठगका काम.
ठगना (हि. क्रि. स.) छलना, धोखा देना.
ठगौरी (हि. स्त्री.) धोखा, छल.
ठट्ट } (हि. पु) झुंड, मंडली, भीड-
ठठ } भाड.
ठट्टा करना (हि. मुहा.) हँसी करना, ठठोली करना.
ठट्टेबाज (हि. गु.) हँसोड, मसखरा.
ठट्टेबाजी (हि. स्त्री.) खेल, दिल्लगी.
ठठरी (हि. स्त्री.) ठट्टर, ठाट, रथी.
ठठकना (हि. क्रि. अ.) रुकना, ठहरना.
ठठेरा (हि. पु.) कसेरा, भांतिया.
ठठोल (हि. गु.) हँसोड, रसिक, ठट्टेबाज.
ठठोली (हि. स्त्री.) हँसी, दिल्लगी.
ठण्ड (हि. स्त्री.) जाडा, शर्दी.
ठण्डक (हि. स्त्री.) शीतलता, ठंडाई.
ठण्डा (हि. गु.) शीतल, शर्द.
ठण्डा करना (हि. मुहा.) शीतल करना, बुझाना, धीरज देना.
ठण्डा होना (हि. मुहा.) शीतल होना, बुझना.
ठंढाई (हि. स्त्री.) ठंडी औषध.
ठण्डी सांस भरना (हि. मुहा.) लम्बी सांस लेना, आह भरना.
ठनकना (हि. क्रि. अ.) टीसना, शिरमें दर्द होना, झनकना.
ठनाक (हि. पु.) झनझनाहट, झनकार.
ठप्पा (हि. पु.) मोहर, छापनेकी चीज.
ठरक } (हि. पु.) खर्राटा, घुर्रा.
ठर्र }
ठवनि (हि. स्त्री.) चाल.
ठस्सा (हि. पु.) सांचा, अहंकार, घमंड.
ठहरना (हि. क्रि. अ.) (सं. स्था=ठहरना) टिकना, बसना, रहना, उतरना.
ठहराना (हि. क्रि. स.) टिकाना, रखना, डेरा देना, निपथना, विचारना, नियत करना, पक्का करना.
ठहराव (हि. पु.) टिकाव, निर्णय, निश्चय.
ठां }
ठांव } (हि. स्त्री.) (सं. स्थान) जगह, ठिकाना, स्थल, स्थान.
ठाम }
ठासना (हि. क्रि. स.) दबाना, घुसेडना.
ठाकुर (हि. पु.) (सं. ठक्कुर) ईश्वर, देवता, मालिक, मुखिया, जमीनदार, नाई.
ठाकुरद्वारा (हि. पु.) मन्दिर, देवालय, श्रीजगन्नाथपुरी.
ठाकुरवाडी (हि. स्त्री.) मन्दिर, देवालय.
ठाठ (हि. पु.) ठठरी, तैयारी, भडक, भीडभाड, धूमधाम.
ठानना (हि. क्रि. स.) मनमें पक्का करना, ठहराना.
ठानी (हि. स्त्री.) विचारी, ठहराई.
ठाला (हि. गु.) बेकार, बिना काम.
ठिकरा (हि. पु.) घडेका टुकडा.
ठिकाना (हि. पु.) जगह, वास, ठौर, पता, सीमा, हद्द.
ठिकाने लगाना (हि. मुहा.) खपाना, मार डालना, पूरा करना.
ठिठकना } (हि. क्रि. अ.) थोडी
ठिठक जाना } देर ठहर जाना, अचम्भेमें होना.
ठिलिया (हि. स्त्री.) गगरी, छोटा घडा.
ठीक (हि. गु.) सही, बराबर, शुद्ध, उचित, जैसा चाहिये.

ठीक करना (हि. मुहा.) सही करना, निश्चय करना.
ठीका (हि. पु.) इजारा, ठहराया हुआ मोल, भाड़ा, कटकना.
ठुड्डी (हि. स्त्री.) ठोढी, चिबुक.
ठुमकना (हि. क्रि. अ.) ऐंठकर चलना, अच्छी चाल चलना.
ठुसकना (हि. क्रि. अ.) धीरे २ रोना.
ठूँठ (हि. पु.) विना पत्तेकी डाल, कटा हुआ हाथ.
ठेउना }
ठेवना } (हि. पु.) घुटना.
ठेंगा (हि. पु.) लाठी, लट्ठ, अँगूठा.
ठेंठी (हि. स्त्री.) कानका मैल, ठेपी, घुटनेतककी धोती.
ठेकाधिकारी (हि. पु.) मुस्ताजिर, मुकातादार.
ठेठ (हि. गु.) खालिस, असल, ठीक.
ठेपी (हि. स्त्री.) डाट, ठेंठी, डट्टा.
ठेलना (हि. क्रि. स.) धक्का देना, ढकेलना.
ठेला (हि. पु.) धक्का, माल लादनेकी गाडी.
ठेलाठेली (हि. मुहा.) धक्कमधक्का.
ठेस. (हि. स्त्री.) ठोकर, चोट.
ठेसना (हि. क्रि. स.) ठोकर देना, वेधना, ठाँसना, ठोकराना.
ठोंकना }
ठोकना } (हि. क्रि. स.) पीटना, मारना, थपथपाना.
ठोंठ (हि.) (सं. त्रोटि) चोंच, ठोर.
ठोकर (हि. स्त्री.) पैरकी मार.
ठोकर खाना (हि. मुहा.) गिर पडना, भूलना, चुकना, घडी सहना.
ठोढी (हि. स्त्री.) चिबुक, ठुड्डी.
ठोर (हि. स्त्री.) चोंच, ठोंठ.
ठोस (हि.) घना, कठोर, कडा, भारी.
ठोसना (हि. क्रि. स.) ठाँसना, दबाना.
ठोसा (हि. पु.) अँगुठा, ठेंगा.
ठौर (हि. स्त्री.) जगह, स्थान, ठिकाना.
ठौर रहना (हि. मुहा.) खेत रहना, मारा जाना.

ड.

ड (सं. पु.) शिव, शब्द, डर.
डकराना (हि. क्रि. अ.) कूक मारके रोना.
डकार (हि. स्त्री.) ढकार, डेकार.
डकारना (हि. क्रि. अ.) डकार लेना, हुँकारना, गर्जना, पचा जाना.
डकार जाना }
डकार बैठना } (हि. मुहा.) खा जाना, उडा जाना, पचा बैठना.
डकैत (हि. पु.) डाकू, लुटेरा, चोर.
डकैती (हि. स्त्री.) डाका, लूट, चोरी.
डकौत }
डकौतिया } (हि. पु.) एक जातिके लोग जो ब्राह्मणसे ग्वालिनके पैदा हुये और ये लोग शनीचरका दान लेते हैं और ज्योतिषविद्यामें पक्के होते हैं.
डग (हि. स्त्री.) फाल, पद, लम्बी, चाल.
डगना (हि. क्रि.) हिलना.
डगर (हि. पु.) राह, रास्ता, मार्ग, सडक.
डगरा (हि. पु.) बाँसका बना हुआ बरतन, सूप.
डङ्क (हि. पु.) (सं. दंश) विच्छूका दाँत जिसमें जहर भरा रहता है, चमक.
डंक मारना (हि. मुहा.) काटना.
डंका (हि. पु.) (सं. ढक्का) धौंसा, नकारा.
डंगर (सं. पु.) खीरा, भूसा, धूर्त, सेवक, स्त्री, बकरी.
डटना (हि. क्रि. अ.) रुकना, थमना.

डट्टा (हि. पु.) ठेपी, डाट.
डढियल (हि. गु.) लम्बी दाढीवाला.
डण्ड (हि. पु.) (सं. दण्ड) भुजा, एक तरहकी कसरत अथवा व्यायाम जिसमें हाथोंको धरतीपर टेकके नीचेको इस तरह झुकना होता है कि छातीसे जमीन छूई जाय. डंडपेल=डंड करनेवाला.
डण्डा (हि. पु.) (सं. दण्ड) सोंटा, छडी.
डण्डिया (हि. पु.) स्त्रियोंके ओढनेका दुपट्टा वा ओढनी, स्त्रियोंका एक प्रकारका कपडा.
डण्डी (हि. स्त्री.) (सं. दण्डी) डंडा, बेंट, पकडनेकी लकडी, तराजूका डण्डा अथवा धारण, लकीर, संन्यासी जो अपने हाथमें दण्ड रखते हैं. पगदण्डी=पदाचिह्न, चोरराह, लीक, गुप्तराह.
डण्डोर (हि. स्त्री.) लीक, धारी, लकीर.
डपटना (हि. क्रि. अ.) झिडकना, डाँटना.
डफ (हि. स्त्री.) (फा. दफ) खंजरी.
डफाली (हि. गु.) एक प्रकारके मुसल्मान फकीर जो डफ बजाकर भीख मांगा करते हैं.
डबगर (हि. पु.) चमडा कमानेवाला.
डबडबाना (हि. क्रि. स.) आंखोंमें आँसू भर लाना.
डबरा (हि. पु.) गदले पानीका छोटा तालाब, ताल, डाबर.
डबोना (हि. क्रि. स.) गोता खिलाना, डुबाना, बोरना, बरबाद करना.
डब्बा (हि. पु.) बडी डिबिया, कुप्पा.
डमरू (सं. पु.) एक प्रकारका बाजा.
डर (हि. पु.) भय, शंका, आतंक, दबदबा.
डरना }
डरपना } (हि. क्रि. अ.) भय खाना.
डरपोकना (हि. गु.) डरनेवाला, कायर, भीरु.
डराऊ (हि. गु.) भयावना, डरावना.
डराना } (हि. क्रि. स.) भय दिखाना.
डरावना } (गु.) भयावना, डराऊ.
डलवा (हि. पु.) टोकरा, छटवा.
डला (हि. पु.) ढेला, ईंटा, टोकरा.
डलिया (हि. स्त्री.) टोकरी, दौरी.
डली (हि. पु.) टुकडा, खण्ड, टूक.
डसना (हि. क्रि. स.) (सं. दंशन) सांपका काटना, डङ्क मारना, चमकना.
डहडहा (हि. गु.) खिला हुआ, हराभरा, फूला हुआ, प्रसन्न.
डहडहाना (हि. क्रि. अ.) खिलना, फूलना.
डांग (हि. स्त्री.) पहाडकी चोटी, लाठी, पगडंडी रास्ता, डाली, टहनी.
डाँटना (हि. क्रि. स.) धमकाना, घुडकना, डपटना.
डाँठी (हि. स्त्री.) डाली, डण्ठा, डाँट, डण्डी.
डाँड (हि. पु.) (सं. दंड) दंड, वाग्दंड, धिग्दंड, जुर्माना या धनदंड, पल्टा, बदला, सजा, नाव खेनेका बाँस, चप्पी, रीढ, पीठकी हड्डी, लकडी, लाठी.
डाँड लेना (हि. मुहा.) जुर्माना लेना, दंड लेना, बदला लेना.
डाँवरू (हि. पु.) बाघका बच्चा.
डाँवाडोल (हि. गु.) (सं. धावन) दोलन, इधर उधर भटकना, तीन तेरह, डगमग.
डाँस (हि. पु.) (सं. दंश) मच्छड, बडी मक्खी, डंक, हूल.
डाक (हि. स्त्री.) चिट्ठी डालनेकी जगह, ठप्पा, चिट्ठी, घोडेकी अथवा पालकीकी चौकी, लगातार गमन करना.
डाका (हि. पु.) लुटेरोंका धावा, छापा.

डाका पडना (हि. मुहा.) लूटा जाना, चोरी होना.
डाका डालना, डाका देना (हि. मुहा.) लूटना, राह मारना, जोरसे छीन लेना.
डाकिनी (हि. स्त्री.) डाइन, चुडैल.
डाकिया (हि. पु.) डाकू, डाकदौडाहा, चिट्ठीरसां.
डाकू (हि. पु.) डकैत, लुटेरा, चोर.
डाटना (हि. क्रि. स.) डपटना, घुडकना.
डाढ (हि. स्त्री.) दाढ, पीसनेके दाँत.
डाना (हि. क्रि. अ.) जलाना, मुँह काला होना.
डाढी (हि. स्त्री.) ठुड्डीपरका बाल, रीश.
डाब (हि. पु.) (सं. दर्भ) डाभ, कुशा.
डाबर (हि. पु.) गोल तालाव, गडहा. (गु.) गदला, मैला.
डाभ (हि. पु.) (सं. दर्भ) डाब, कुशा, जंगल, वन.
डायन (हि. स्त्री.) (सं. डाकिनी) चुडैल, डाकिनी.
डायरी (अं. स्त्री.) (Diary) रोजनामचा, दिनचर्या.
डार (हि. स्त्री.) डाल, टहनी, शाखा, कतार, पाँत, पंक्ति.
डारना, डालना (हि. क्रि. स.) फेंकना, चलाना, उझलना, रख देना, जल्दीसे गिरा देना.
डाल (हि. स्त्री.) शाखा, टहनी, डाली.
डाली (हि. स्त्री.) फल आदिकी भेंट, फलोंकी टोकरी, टहनी, शाखा.
डासना (हि. क्रि. स.) बिछाना.
डासी (हि. स्त्री.) बिछाई.
डाह (हि. स्त्री.) (सं. दाह) वैर, लाग, जलन, द्रोह, कुनस, गाँठ.
डाहना (हि. क्रि. अ.) डाहसे जलना, दुख देना. (क्रि. स.) धातुको गलाना वा तपाना.
डिगना (हि. क्रि. अ.) हिलना, डगमगाना, काँपना, टलना, हटना.
डिण्डिम (सं. पु.) डमरू, डुगडुगी, मनादी, एक पेडका नाम.
डिपार्टमेण्ट (अं. पु.) (Department) मुहकमा, शरिस्ता, विभाग.
डिस्ट्रिक्टबोर्ड (अं.) (District Board) जिल्हाकी कमीटी, खण्डसभा.
डिभ (सं. पु.) संग्राम, पाखण्ड, प्रलय.
डिम (सं.) संग्राम, प्रलय.
डिम्ब (सं. पु.) पाखण्ड, लूटपाट, बेहाथियारकी लडाई, रेंडवृक्ष.
डिम्भ (हि. पु.) पाखण्ड, बालक, मूर्ख.
डिमीअफिशियल (अं.) (Demy-official) आधा सरकारी और आधा निजका लेख जिसमें आधा महशूल देना पडता है.
डिस्ट्रिक्ट (अं.) (District) जिल्हा, विभाग.
डींग (हि. स्त्री.) शेखी, बडाई, घमंड, दर्प.
डींग मारना (हि. मुहा.) शेखी करना.
डीठ (हि. स्त्री.) (सं. दृष्टि) नजर, ताक, देखना, दीठ.
डीन (सं. पु.) उडान, पक्षीकी गति.
डील (हि. पु.) डौल, शरीर, देह.
डुबकी (हि. स्त्री.) चुभकी, गोता.
डुबाना, डुबोना (हि. क्रि. स.) डबोना, गोता खिलाना, डुबकी देना, उजाडना.
डुमरी, डूमर (हि. पु.) (सं. उडुम्बर) गूलरका पेड.
डुरियाना (हि. क्रि. स.) हाथमें लेकर घोडेको खाली ले चलना.
डुलाना, डोलाना (हि. क्रि. स.) (सं. दोलन) हिलाना, झुलाना.

डूबना (हि. क्रि. अ.) डुबकी मारना, गोता खाना, बोरना, बूडना, अस्त होना, उजडना, लय हो जाना, मूर्छित होना.
डेढ (हि. गु.) एक और आधा.
डेढगत (हि. पु.) एक तरहका नाच.
डेरा (हि. पु.) वासा, घर, तम्बू, खीमा. (गु.) टेढा देखनेवाला.
डेवढा (हि. गु.) डेढगुना.
डेवढी } (हि. स्त्री.) दालान, उसारा.
डेहुडी }
डेन (हि. पु.) पांख, पंख, पखेरूका पर.
डोंगा (हि. पु.) छोटी नाव, कठरा.
डोंगी (हि. स्त्री.) छोटी नाव, करछी.
डोंडी (हि. स्त्री.) ढंढोरा, मनाही.
डोकरा (हि. पु.) बूढा, बुड्ढा.
डोकरी (हि. स्त्री.) बुढिया.
डोब (हि. पु.) डुबकी, गोता, डूब.
डोब देना (हि. मुहा.) कपडेको रंगमें डुबोना.
डोम (हि. पु.) एक नीच जाति, मुसलमान जातिके लोग जिनकी स्त्रियां केवल स्त्रियोंहीके सामने गाती और नाचती हैं और मर्द गवैये और बजंत्री होते हैं.
डोमडा (हि. पु.) डोम, अत्यंत नीच जात.
डोमनी (हि. स्त्री.) डोमकी स्त्री.
डोर (हि. स्त्री.) रस्सी, डोरी, सूतली..
डोरा (हि. पु.) तागा, धागा, लीक, तलवारकी धार.
डोरिया (हि. पु.) एक तरहका कपडा.
डोरी (हि. स्त्री.) रस्सी, जेवडी, सूतली.
डोल (हि. पु.) पानी निकालनेका लोहे या चमडेका बरतन.
डोलची (हि. स्त्री.) लोहे या चमडेका छोटा डोल.
डोलना (हि. क्रि. अ.) (सं. दोलन) हिलना, झूलना, फिरना, भटकना.
डोला (हि. पु.) (सं. दोल) एक तरहकी पालकी, नीच घरानेकी रानी जो बडे राजाको ब्याही जाती है और इस रानीका दर्जा बराबर घरानेकी रानियोंसे नीचा होता है.
डोला देना (हि. मुहा.) कुछ लेकर बडेको अथवा बडे राजाको अपनी लडकी ब्याह देना.
डोली (हि. स्त्री.) (सं. दोला) स्त्रियोंकी पालकी, डोला, चौपाला.
डौढी (हि. स्त्री.) डेवढी, उसारा. (गु.) डेढगुनी, गानेमें ऊंचा स्वर.
डौल (हि. पु.) प्रकार, रीति, ढब भांत, रूप.

ढ.

ढ (सं. पु.) बडा ढोल, ध्वनि.
ढंग (हि. पु.) रीत, चलन, चाल, डौल.
ढंढोरा (हि. पु.) (सं. ढुण्ढन) डौंडी.
ढकना (हि. क्रि. स.) ढांपना, तोपना, छिपाना, बंद करना, मढना, बचाना. (पु.) ढकनी, ढकनेकी चीज.
ढकनी (हि. स्त्री.) ढकनेकी चीज, चपनी.
ढकार (हि. स्त्री.) डकार.
ढकेल (हि. पु.) ठेल, पेल, धक्का.
ढकेलना (हि. क्रि. स.) ठेलना, पेलना.
ढटकौआ (हि. पु.) जंगली कौआ.
ढडवा (हि. पु.) मैनाकी जातिका पखेरू.
ढनमनाना (हि. क्रि. अ.) लुढकना, गिरना, डगमगाना, कांपना.
ढपना (हि. क्रि. अ.) ढक जाना, छिपना. (पु.) ढकना, ढकनेकी चीज.
ढब (हि. पु.) डौल, चाल, रीति, बनावट, हथौटी.

ढबुआ (हि. पु.) पैसा.
ढलना (हि. क्रि. अ.) सांचेमें पिघलना, ढलकना, लोटना, लुढना, झुकना, नम-ना. (मुहा.) दिन ढलना, दिनका बीतना.
ढलमलाना (हि. क्रि. अ.) कांपना, डग-मगाना.
ढलाना (हि. क्रि. स.) सांचेमें डालना, बहाना.
ढलइत } ढलैत } (हि. पु.) ढाल तलवार बांधने-वाला, गोडइत.
ढवाना (हि. क्रि. स.) गिरवाना, उजड-वाना, जडसे उखाड डालना.
ढाई (हि. गु.) (सं. सार्द्धद्वय) अढाई, दो और आधा.
ढाँकना (हि. क्रि. स.) छिपाना, बंद कर देना.
ढाँचा (हि. पु.) सांचा, डौल, घर, ठाट.
ढाँपना (हि. क्रि. स.) ढाँकना, छिपाना, बन्द करना
ढाक (हि. पु.) पलाशका पेड.
ढाटा (हि. पु.) दुपट्टा जो पगडी और कानोंपर बांधा जाता है, बडी पगडी जो मारवाड और उदयपूर आदि राज-पूतानेके लोग बांधा करते हैं.
ढाढस } ढाडस } (हि. स्त्री.) (सं. दाढर्च) साहस, भरोसा, मनकी दृढता, दिलासा, धीरज, हिम्मत.
ढाडस देना (हि. मुहा.) दिलासा देना.
ढाढिन (हि. स्त्री.) ढाढीकी स्त्री.
ढाढी (हि. पु.) गाने बजानेवा[illegible] बजंत्री, कलावत.
ढाना } ढहाना } (हि. क्रि. स.[illegible] डना, नेंवसे [illegible]
ढाबर (हि. गु.) मैला.
ढाल (हि. पु.) फरी, उतार, ढलाव, झुकाव.
ढालना (हि. क्रि. स.) सांचेमें उतारना, बहाना, बिगाडना.
ढालवाँ (हि. गु.) ढालू, ढाला हुआ, उतारू.
ढालू (हि. गु.) उतारू, ढालवाँ, बिगाडू.
ढाहा (हि. पु.) नदीका ऊँचा किनारा, करारा.
ढिग (हि. स्त्री.) (सं. दिक्) ओर, तरफ, दिशा. (क्रि. वि.) पास, समीप.
ढिठाई (हि. स्त्री.) (सं. धृष्टता) मग-राई, मचलाई, गुस्ताखी, चंचलता, निर्लज्जता, साहस.
ढिमढिमी (हि. स्त्री.) डमरू, खंजरी.
ढीठ } ढीठा } (हि. गु.) (सं. धृष्ट) मचला, साहसी, निर्लज्ज, निडर, गुस्ताख, मिलाजुला.
ढील (हि. स्त्री.) आस्कत, ढिलाई, सुस्ती, देरी, विलम्ब.
ढीला (हि. पु.) बेकसा हुआ, कुचा, शिथिल, धीमा, अचेत, मंद.
ढीहा (हि. पु.) टीला, डूंगर, पहाडी.
ढुलना (हि. क्रि. अ.) ढलना, गिरना, लुढकना, बहना.
ढूंढना (हि. क्रि. स.) (सं. ढुण्ढन) खोजना, हेरना, तलाश करना.
ढूंढना ढांढना (हि. मुहा.)
ढूंढढांढ क[illegible], हेरना,
ढूंढिया [illegible] नेयोंका
ढूकना [illegible] पैठना,
ना,
ढूसर ([illegible] एक
ढेऊ (हि[illegible]
ढेंकली ([illegible]
नेकी

ढेंका (हि. पु.) कूटनेकी कल.
ढेंढी (हि. स्त्री.) पोस्तका फूल, कर्णफूल, स्त्रियोंके कानमें पहरनेका गहना.
ढेक (हि. पु.) सारस पक्षी.
ढेढी (हि. स्त्री.) एक कानका गहना.
ढेर (हि. पु.) ढेरी, राशि, अटाला, संचय, इकट्ठा किया हुआ.
ढेरी (हि. स्त्री.) राशि, अटाला.
ढेला (हि. पु.) पिंडा, लोंदा, मिट्टीका टुकडा.
ढेला चौथ (हि. स्त्री.) भादों सुदि ४ जिस दिन हिन्दूलोग एक दूसरेके घरमें पत्थर फेंकते हैं और जो कोई गाली देता है उसको अच्छा सगुन मानते हैं.
ढेया (हि. पु.) अढैया, अढाई सेरका तौल.
ढौंचा (हि. गु.) साढेचार, ४॥.
ढोकना (हि. क्रि. स.) पीना, घूटना, निगलना.
ढोका (हि. पु.) पत्थरका टुकडा.
ढोटा (हि. पु.) लडका, बालक, पुत्र.
ढोना (हि. क्रि. स.) ले जाना, वहना.
ढोर (हि. पु.) गाय, भैंस आदि चौपाये, पशु.
ढोल (हि. पु.) एक बाजा.
ढोलक } (हि. स्त्री.) छोटा ढोल.
ढोलकी }
ढोलकिया (हि. पु.) ढोल बजानेवाला.
ढोला (हि. पु.) हिन्दुओंमें एक प्रसिद्ध प्रेमीका नाम, लडका.
ढोली (हि. पु.) ढोल बजानेवाला, दो सौ पानकी आँटी.
ढौंचा (हि. गु.) साढेचार, ४॥.

त.

त (सं. पु.) (तक्=सहना वा हसना) चोर, म्लेच्छ, पूंछ, रत्न, पुण्य, अमृत.

तईं (हि. क्रि. वि.) (सं. स्थाने) तक, तलक, लौं, पर्यंत, को.
तई (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी लोहेकी कडाही.
तकना (हि. क्रि. स.) देखा करना, ताक लगाना, टकटक देखना, चितवना.
तकला (हि. पु.) (सं. तर्कु) टकुआ, फिरकी, सूत कातनेका यंत्र.
तक्र (सं. पु.) छाछ, मट्ठा, मही जिसमें चौथा हिस्सा पानी मिला हो.
तक्षक (सं. पु.) (तक्ष्=काटना) लकडी काटनेवाला, पातालका बडा सांप, विश्वकर्म्मा, सूत्रधार, एक वृक्षका नाम.
तक्षशिला (हि. स्त्री.) एक शहरका नाम जो पंजाबमें था जिसको यूनानी अपने इतिहासमें (Taxila) लिखा है.
तज (हि. पु.) (सं. त्वच्) तेजपातका वृक्ष अथवा उसकी छाल.
तजना } (हि. क्रि. स.) (सं. त्यज=छोडना) छोडना, त्यागना, छोड देना.
त्यजना }
तट (सं. पु.) तीर, किनारा, निकट, पास.
तटस्थ (सं. गु.) तीरपर ठहरनेवाला, तीरवासी, उदासीन.
तड (हि. पु.) पक्ष, दल, टोली, तड ऐसा शब्द.
तडकना (हि. क्रि. अ.) फटना, टूटना, चटकना, दडकना.
तडका (हि. पु.) भोर, प्रभात, सबेर.
तडके (हि. क्रि. वि.) सबेरेके समय, पौह फटे.
तडफ (हि. स्त्री.) व्याकुलता, घबराहट, बेकली, धडधडाहट.
तडफडाना (हि. क्रि. अ.) धडकना, छटपटाना, घबरा जाना, तडपना.

ढबुआ (हि. पु.) पैसा.
ढलना (हि. क्रि. अ.) सांचेमें पिघलना, ढलकना, लोटना, लुढना, झुकना, नम-ना. (मुहा.) दिन ढलना, दिनका बीतना.
ढलमलाना (हि. क्रि. अ.) कांपना, डग-मगाना.
ढलाना (हि. क्रि. स.) सांचेमें ढालना, बहाना.
ढलइत ढलैत } (हि. पु.) ढाल तलवार बांधने-वाला, गोडइत.
ढवाना (हि. क्रि. स.) गिरवाना, उजड-वाना, जडसे उखाड डालना.
ढाई (हि. गु.) (सं. सार्द्धद्वय) अढाई, दो और आधा.
ढाँकना (हि. क्रि. स.) छिपाना, बंद कर देना.
ढाँचा (हि. पु.) सांचा, डौल, घर, ठाट.
ढाँपना (हि. क्रि. स.) ढाँकना, छिपाना, बन्द करना
ढाक (हि. पु.) पलाशका पेड.
ढाटा (हि. पु.) दुपट्टा जो पगडी और कानोंपर बांधा जाता है, बडी पगडी जो मारवाड और उदयपुर आदि राज-पूतानेके लोग बांधा करते हैं.
ढाढस ढाडस } (हि. स्त्री.) (सं. दार्ढ्य) साहस, भरोसा, मनकी दृढता, दिलासा, धीरज, हिम्मत.
ढाडस देना (हि. मुहा.) दिलासा देना.
ढाढिन (हि. स्त्री.) ढाढीकी स्त्री.
ढाढी (हि. पु.) गाने बजानेवाला, बजंत्री, कलावत.
ढाना ढहाना } (हि. क्रि. स.) गिराना, उजा-डना, नेंवसे उखाड डालना.
ढाबर (हि. गु.) मैला.
ढाल (हि. पु.) फरी, उतार, ढलाव, झुकाव.
ढालना (हि. क्रि. स.) सांचेमें उतारना, बहाना, बिगाडना.
ढालवाँ (हि. गु.) ढालू, ढाला हुआ, उतारू.
ढालू (हि. गु.) उतारू, ढालवाँ, बिगाडू.
ढाहा (हि. पु.) नदीका ऊँचा किनारा, करारा.
ढिग (हि. स्त्री.) (सं. दिक्) ओर, तरफ, दिशा. (क्रि. वि.) पास, समीप.
ढिठाई (हि. स्त्री.) (सं. धृष्टता) मग-राई, मचलाई, गुस्ताखी, चंचलता, निर्लज्जता, साहस.
ढिमढिमी (हि. स्त्री.) डमरू, खंजरी.
ढीठ ढीठा } (हि. गु.) (सं. धृष्ट) मचला, साहसी, निर्लज्ज, निडर, गुस्ताख, मिलाजुला.
ढील (हि. स्त्री.) आस्कत, ढिलाई, सुस्ती, देरी, विलम्ब.
ढीला (हि. पु.) बेकसा हुआ, कुश, शिथिल, धीमा, अचेत, मंद.
ढीहा (हि. पु.) टीला, डूंगर, पहाडी.
ढुलना (हि. क्रि. अ.) ढलना, गिरना, लुढकना, बहना.
ढूंढना (हि. क्रि. स.) (सं. ढुण्ढन) खोजना, हेरना, तलाश करना.
ढूंढना ढांढना ढूंढढांढ करना } (हि. मुहा.) तलाश करना, हेरना, खोजना.
ढूंढिया (हि. पु.) जैनियोंका भिखारी.
ढूकना (हि. क्रि. स.) पैठना, पास आ-ना, बंध करना.
ढूसर (हि. पु.) हिन्दुओंमें एक जाति.
ढेऊ (हि. स्त्री.) लहर, तरंग.
ढेंकली (हि. स्त्री.) ढेंकुआ, पानी निका-नेकी कल.

ढंका (हि. पु.) कूटनेकी कल.
ढंडी (हि. स्त्री.) पोस्तका फूल, कर्णफूल, स्त्रियोंके कानमें पहरनेका गहना.
ढेक (हि. पु.) सारस पक्षी.
ढेढी (हि. स्त्री.) एक कानका गहना.
ढेर (हि. पु.) ढेरी, राशि, अटाला, संचय, इकट्ठा किया हुआ.
ढेरी (हि. स्त्री.) राशि, अटाला.
ढेला (हि. पु.) पिंडा, लोंदा, मिट्टीका टुकडा.
ढेला चौथ (हि. स्त्री.) भादों सुदि ४ जिस दिन हिन्दूलोग एक दूसरेके घरमें पत्थर फेंकते हैं और जो कोई गाली देता है उसको अच्छा सगुन मानते हैं.
ढैया (हि. पु.) अढैया, अढाई सेरका तौल.
ढोंचा (हि. पु.) साढेचार, ४॥.
ढोकना (हि. क्रि. स.) पीना, घूटना, निगलना.
ढोका (हि. पु.) पत्थरका टुकडा.
ढोटा (हि. पु.) लडका, बालक, पुत्र.
ढोना (हि. कि. स.) ले जाना, वहना.
ढोर (हि. पु.) गाय, भैंस आदि चौपाये, पशु.
ढोल (हि. पु.) एक बाजा.
ढोलक } ढोलकी } (हि. स्त्री.) छोटा ढोल.
ढोलकिया (हि. पु.) ढोल बजानेवाला.
ढोला (हि. पु.) हिन्दुओंमें एक प्रसिद्ध प्रेमीका नाम, लडका.
ढोली (हि. पु.) ढोल बजानेवाला, दो सौ पानकी आँटी.
ढौंचा (हि. पु.) साढेचार, ४॥.

त.

त (सं. पु.) (तक्=सहना वा हसना) चोर, म्लेच्छ, पूँछ, रत्न, पुण्य, अमृत.

तईं (हि. क्रि. वि.) (सं. स्थाने) तक, तलक, लौं, पर्यंत, को.
तई (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी लोहेकी कढाही.
तकना (हि. क्रि. स.) देखा करना, ताक लगाना, टकटक देखना, चितवना.
तकला (हि. पु.) (सं. तर्कु) तकुआ, फिरकी, सूत कातनेका यंत्र.
तक्र (सं. पु.) छाछ, मट्ठा, मही जिसमें चौथा हिस्सा पानी मिला हो.
तक्षक (सं. पु.) (तक्ष्=काटना) लकडी काटनेवाला, पातालका बडा सांप, विश्वकर्म्मा, सूत्रधार, एक वृक्षका नाम.
तक्षशिला (हि. स्त्री.) एक शहरका नाम जो पंजाबमें था जिसको यूनानी अपने इतिहासमें (Taxila) लिखा है.
तज (हि. पु.) (सं. त्वच्) तेजपातका वृक्ष अथवा उसकी छाल.
तजना } त्यजना } (हि. क्रि. स.) (सं. त्यज=छोडना) छोडना, त्यागना, छोड देना.
तट (सं. पु.) तीर, किनारा, निकट, पास.
तटस्थ (सं. पु.) तीरपर ठहरनेवाला, तीरवासी, उदासीन.
तड (हि. पु.) पक्ष, दल, टोली, तड ऐसा शब्द.
तडकना (हि. क्रि. अ.) फटना, टूटना, चटकना, दडकना.
तडका (हि. पु.) भोर, प्रभात, सबेर.
तडके (हि. क्रि. वि.) सबेरेके समय, पोह फटे.
तडफ (हि. स्त्री.) व्याकुलता, घबराहट, बेकली, घडघडाहट.
तडफडाना (हि. क्रि. अ.) धडकना, छटपटाना, घबरा जाना, तडपना.

तडफडाहट (हि. स्त्री.) धडक, धुकधुकी.
तडफना } (हि. क्रि. अ.) व्याकुल
तडपना } होना, छटपटाना, किसी चीजके लिये बहुत बेकल होना.
तडाका (हि. पु.) आहट, आवाज, मारनेका शब्द.
तडाग (सं. पु.) तालाव, सरोवर, पोखरा.
तडित् (सं. स्त्री.) बिजली, दामिनी, विद्युत.
तण्डुल (सं. पु.) चावल, कूटा हुआ धान.
तत्काल (सं. क्रि. वि.) उसी दम, उसी क्षण.
तत्क्षण (सं. क्रि. वि.) उसी पलमें, उसी समय, तुरंत, उसी क्षण.
तत्ता (हि. गु.) (सं. तप्त) गर्म, उष्ण, क्रोधी.
तत्पर (सं. गु.) किसी काममें लगा हुआ, मुस्तैद, परिश्रमी.
तत्र (सं. क्रि. वि.) वहां, तहां, उस जगह.
तत्व } (सं. पु.) (तत् =वह, त्व=
तत्त्व } भाव अर्थमें प्रत्यय अर्थात् उस परमेश्वरका) सार, मूल, यथार्थ, सत्य, आदिकारण, पंचभूत (जैसे १ मिट्टी २ पानी ३ आग ४ हवा ५ आकाश), परमात्मा, ब्रह्म, सारवस्तु, सांख्यशास्त्रमें प्रकृति आदि पच्चीस पदार्थ.
तत्वज्ञान (सं. पु.) ब्रह्मज्ञान, यथार्थज्ञान, परमेश्वरका ज्ञान.
तथा (सं.) समूचा, तैसा, तिस प्रकार, (क्रि. वि.) वैसाही, उसी तरहसे, वही.
तथापि (सं. क्रि. वि.) (तथा=तैसे अपि=भी) तौभी, तिसपरभी.
तथास्तु (सं. क्रि. वि.) वैसाही हो, हाँ.
तद (हि. क्रि. वि.) तब, उस समय, फिर इसके पीछे, उस दशामें.
तदनन्तर (सं. क्रि. वि.) उसके पीछे, तिसके पीछे.
तदपि (सं.) समुच्चा. तबभी, तौभी.
तदा } (सं. क्रि. वि.) तब, तद, उस
तदानीम् } समय.
तधी (हि. क्रि. वि.) (सं. तदाहि) तभी.
तन (हि. पु.) (सं. तनु) शरीर, देह, काया, अंग, ओर, तरफ.
तनक (हि. गु.) (सं. तनुक) थोडा, अल्प, छोटा.
तनना } (हि. क्रि. अ.) (सं. तन्=फै-
तन्ना } लना) फैलना, खिचना.
तनय (सं. पु.) बेटा, पुत्र, सन्तान.
तनया (सं. स्त्री.) बेटी, कन्या, पुत्री.
तनी (हि. स्त्री.) बेटी, अँगरखेका बन्द.
तनु } (सं. पु.) शरीर, देह, काया. (गु.)
तनू } पतला, थोडा, सूक्ष्म.
तनुज }
तनूज } (सं. पु.) बेटा, पुत्र.
तनुजा } (सं. स्त्री.) (तनु=शरीर,
तनुजाता } जन्=पैदा होना) बेटी, पुत्री,
तनूजा } कन्या.
तनुत्र (सं. पु.) कवच, बक्तर.
तनुरुह (सं. पु.) बाल, केश.
तन्ति (सं. पु.) जुलाहा, ताँती.
तन्तु (सं. पु.) सूत, धागा, वंश, सन्तान.
तन्तुकीट (सं. पु.) रेशमका कीडा, पाटकीट.
तन्तुवाय (सं. पु.) बुननेवाला, जुलाहा, ताँती.
तन्त्र (सं. पु.) (तन्=फैलना) एक शास्त्रका नाम जिसमें महादेव और पार्वतीका सम्वाद है इसलिये तांत्रिक लोगोंके येही दोनों मुख्य देवता हैं। इस

शास्त्रके बहुतसे ग्रन्थ मिलते हैं जैसे रूद्रयामल तन्त्र आदि, मंत्रशास्त्र, टोना, टोटका, सिद्धांत, प्रमाण, प्रधान, आधीन.
तन्द्रा (सं. स्त्री.) (तन्द्र=आलस करना) आलस, थकावट, थकाई, श्रम.
तन्द्रालु (सं. गु.) आलसी, सुस्त, निद्रालु.
तन्वी (सं. स्त्री.) (तनु) जिसका शरीर पतला हो, कृशांगी.
तप (सं. पु.) गर्मी, उष्णता, तपस्या.
तपत (हि. स्त्री.) (सं. तप्त) गर्म, तपा हुआ.
तपन (सं. पु.) एक नरकका नाम, गर्मी, जलन, गर्मीकी ऋतु.
तपना (सं. क्रि. अ.) गर्म होना, दहकना, भागवान् होना, तेजवान् होना.
तपस्या (सं. स्त्री.) तप, योग, कायाको कष्ट देना.
तपस्वी (सं. गु.) तपस्या करनेवाला, योगी.
तपाना (हि. क्रि. स.) गर्म करना, तत्ता करना, गर्माना.
तपी }
तप्सी } (हि. गु.) (सं. तपस्वी) योगी, तापस, तपस्या करनेवाला.
तपोवन (सं. पु.) एक तीर्थका नाम, वह वन जिसमें योगी लोग तपस्या करते हैं, तपस्या करनेका वन.
तप्त (सं. गु.) गर्म, तपा हुआ, तत्ता, उष्ण.
तब (हि. क्रि. वि.) समय, उस समय, तद, फिर, इसके पीछे.
तम (सं. पु.) अँधेरा, अन्धकार, अज्ञान, तमोगुण, राहु, अत्यंत अर्थमें प्रत्यय.
तमक (हि. स्त्री.) अभिमान, क्रोध, घमंड, गुस्सेसे मुँह लाल हो जाना.
तमकना (हि. क्रि. अ.) खिसियाना, क्रोध करना.
तमतमाना (हि. क्रि. अ.) लाल होना, चमकना, मुँह लाल हो जाना.
तमस (सं. पु.) (तम=सताना वा दुःख देना वा अँधेरा होना) अँधेरा, तमोगुण, एक नरकका नाम, राहु.
तमसा (सं. स्त्री.) एक नदीका नाम.
तमारि (सं. पु.) सूरज, भानु.
तमाल (सं. पु.) (तम्=अँधेरा होना वा चाहना) एक वृक्षका नाम जिसकी पत्तियां काली होती हैं, चन्दनका टीका.
तमि }
तमी } (सं. स्त्री.) (तम=अँधेरा) रात, रात्रि, रजनी.
तमीचर (सं. पु.) (तमी=रात, चर=चलनेवाला या खानेवाला) राक्षस, निशाचर.
तमोगुण (सं. पु.) तीसरा गुण, तीन गुणों मेंका एक गुण, क्रोध मोह अज्ञान आदि.
तम्बू (हि.) डेरा, पाल, रावटी, छोलदारी.
तम्बूरा (हि. पु.) एक बाजेका नाम.
तम्बोली (हि. पु.) (सं. ताम्बूली) पान बेचनेवाला.
तरे }
तर } (हि. क्रि. वि.) (सं. तल) नीचे, तले.
तर (सं.) अधिक अर्थमें प्रत्यय जैसे श्रेष्ठतर.
तरई (हि. स्त्री.) तारा, तरैया.
तरकना (हि. क्रि. अ.) कूदना.
तरकारी (हि. स्त्री.) भाजी, साग.
तरङ्ग (सं. स्त्री.) (तृ=पार होना) लहर, ढेऊ, हलोरा, उमंग, ललक.
तरङ्गिणी (सं. स्त्री.) नदी.
तरङ्गी (सं. गु.) लहरी, उछाहवाला, तरल.
तरण (सं. पु.) पार होना, तैरना, उद्धार, बचाव, डोंगा, स्वर्ग. (गु.) पार होनेवाला, मुक्ति पानेवाला.

तरणि (सं. पु.) सूरज. (स्त्री.) नाव, नौका, किरण.
तरना (हि. क्रि. अ.) पार होना, छुटकारा पाना, उद्धार होना.
तरफना (हि. क्रि. अ.) व्याकुल होना.
तरबूज (हि. पु.) एक फलका नाम.
तरल (सं. गु.) चंचल, तरंगी, अस्थिर, ओछा. (पु.) हार, हारके बीचकी मणि.
तरव (हि. पु.) (सं. तरु) पेड, वृक्ष, गाछ.
तरवर (हि. पु.) (सं. तरुवर) बडा वृक्ष.
तरवरिया (हि. पु.) तरवार रखनेवाला, खड्गधारी.
तरवार } तलवार } (हि. स्त्री.) (सं. तरवारि) खांडा, खड्ग.
तरसना (हि. क्रि. अ.) (सं. तर्पण) बहुत चाहना, जी लगा रहना, रटना.
तराई (हि. स्त्री.) दलदल धरती, जलभूमि, चौगान, चरनेकी जगह.
तरि } तरी } (सं. स्त्री.) (तॄ=पार होना) नौका, डोंगी, नाव, तरणि.
तरु (सं. पु.) पेड, गाछ, वृक्ष, दरख्त.
तरुण (सं. गु.) जवान, युवा.
तरुणाई (हि. स्त्री) जवानी, यौवन.
तरुणी (सं. स्त्री.) जवान, युवती, स्त्री.
तरेरना (हि. क्रि. अ.) त्योरी चढाना. घूरना, आँख दिखाना.
तरैया (हि. स्त्री.) तारा, तरैगण.
तर्क (सं. स्त्री.) वाद, विवाद, शास्त्रार्थ, न्यायसम्बन्धी बातचीत, शंका, दलील, न्यायशास्त्र, अनुमान, कल्पना.
तर्कविद्या (सं. स्त्री.) न्यायशास्त्र.
तर्जन (सं. पु.) (तर्ज=धमकाना) कोप, क्रोध, ताडन, धमकी, गर्ज.
तर्जना (हि. क्रि. स.) क्रोध करना, कूदना.
तर्जनी (सं. स्त्री.) दूसरी अँगुली, अँगूठे के पासकी अँगुली.
तर्पण (सं. पु.) सन्तोष, तृप्ति, परिपूर्णता, पितरोंको जल देना.
तर्ष (सं. स्त्री.) (तृष्=प्यासा होना) प्यास, चाह, इच्छा, तृष्णा.
तर्स (हि. स्त्री.) दया, करुणा, कृपा.
तर्स खाना (हि. मुहा.) दया करना.
तर्साना (हि. क्रि. स.) ललचाना.
तर्सों (हि. क्रि. वि.) परसोंके आगेका दिन आजसे पहला वा पिछला तीसरा दिन.
तल (सं. पु.) (तल=ठहरना) नीचा, तला, नीचेकी जगह, थाह, तलवा, तल्ला, तली.
तलछट (हि. स्त्री.) मैल, निचोड, खूद.
तलपना } तलफना } (हि. क्रि. अ.) छटपटाना, तडफना.
तलाव (हि. पु.) (सं. ताल) तालाब, सरोवर, जलाशय.
तलुवा } तलवा } (हि. पु.) पाँवका तला, पगतली.
तले (हि. क्रि. वि.) नीचे, उतरके, घटके.
तले ऊपर (हि. मुहा.) नीचे ऊपर.
तव (सर्वना.) तेरा.
तसर (हि. पु.) एक प्रकारका रेशम.
तस्कर (सं. पु.) चोर, चोट्टा.
तस्म (हि. पु.) चमोटा, चमाटी.
तस्मै (हि. स्त्री.) खीर.
तस्सू (हि. पु.) इंच, एक प्रकारका नाप.
तहसनहस (हि. गु.) नाश, नष्ट, चौपट, तित्तरवित्तर, उजाड.
तहाँ (हि. क्रि. वि.) (सं. तत्र) तिस जगह, वहाँ.

ता (हि. सर्वना.) उसको, उसे, तिसको.
ताँगा (हि. पु.) एक तरहकी गाडी.
ताँत (हि. स्त्री.) (सं. तन्तु) चमडेका तार, चमडेकी डोरी, बाजेका तार, ताँतोंका यन्त्र.
ताँता (हि. पु.) श्रेणी, कतार.
ताँती (हि. पु.) (सं. तान्ति) जुलाहा, बुननेवाला.
ताँबा (हि. पु.) (सं. ताम्र) एक धातुका नाम.
ताइत (हि. पु.) तावीज, गंडा, यन्त्र.
ताई (हि. स्त्री.) बापके बडे भाईकी स्त्री.
ताऊ (हि. पु.) बापका बडा भाई.
ताक (हि. स्त्री.) (सं. तर्क) दीठ, दृष्टि, झाँक, टकटकी.
ताकना (हि. क्रि. स.) झाँकना, देखना.
ताग, तागा (हि. पु.) डोरा, सूत धागा.
तागतोड (हि. पु.) गोटा, किनारी.
ताटङ्क, ताडङ्क (सं. पु.) ढेडी, कर्णभूषण, कानका गहना.
ताड (हि. पु.) तालका वृक्ष. (स्त्री.) पहचान.
ताडका (सं. स्त्री.) एक राक्षसीका नाम.
ताडन (सं. पु.), ताडना (सं. स्त्री.) दंड, झिडकी, सजा, मार, डांट, धमकी.
ताडना (हि. क्रि. स.) पहचानना, जानना.
ताडी (हि. स्त्री.) ताडका रस जिसके पीनेसे नशा होता है.
ताण्डव (सं. पु.) (तण्डु एक ऋषिका नाम जिसने पहले पहल इस नाचको निकाला और सिखलाया) महादेव और उनके गणोंका नाच, पुरुषोंका नाच.
तात (सं. पु.) (तन्=फैलाना अपने वंशको या कुलको) बाप, प्यारा, जैसे "तात प्रणाम तातसन कहेहु" (रामायण) यहां पहले तात शब्दका अर्थ प्यारा और तात शब्दका अर्थ बाप है। प्यारका शब्द जो मा बाप अपने लडकेवालोंके लिये और गुरु अपने शिष्योंके लिये बोलते हैं " जैसे कहहु तात जननी बलिहारी " (रामायण) भाई, मित्र, सखा. (गु.) बडा, पूज्य.
तात, ताता (हि. गु.) (सं. तप्त) गर्म, उष्ण.
तातनी (हि. सर्वना.) उसको.
तातनी (हि. सर्वना.) उसका.
ताते, तातें (हि. सर्वना.) उससे.
तात्कालिक (सं. गु.) उसी समयका, उसी दमका.
तात्पर्य (सं. पु.) अभिप्राय, अर्थ, आशय, मतलब.
तादृश (सं.) वैसाही, उसीके समान.
तान (हि. स्त्री.) स्वर, ताल, राग.
तान तोडना (हि. मुहा.) ठट्ठा मारना.
ताना (हि. पु.) (सं. तन्=फैलाना) कपडा बुननेकी कलपर सूतका फैलाना.
ताना, तावना (हि. क्रि. स.) (सं. तपन) गर्म करना, ताव देना.
तान्त्रिक (सं. पु.) तन्त्र शास्त्रका जाननेवाला पण्डित.
ताप (सं. पु.) गर्मी, दुःख, पीडा, सोच, खेद, उदासी, स्त्री. तप, ज्वर.
तापतिल्ली (हि. स्त्री.) पिलई.
तापस (सं. पु.) तपसी, तप करनेवाला.
तामडा (हि. पु.) (सं. ताम्र) ताँबे ऐसे रंगका, एक हलके मोलका रतन.
तामरस (सं. पु.) कमल, कँवल, सोना, ताँबा.

तरणि (सं. पु.) सूरज. (स्त्री.) नाव, नौका, किरण.
तरना (हि. क्रि. अ.) पार होना, छुटकारा पाना, उद्धार होना.
तरफना (हि. क्रि. अ.) व्याकुल होना.
तरबूज (हि. पु.) एक फलका नाम.
तरल (सं. गु.) चंचल, तरंगी, अस्थिर, ओछा. (पु.) हार, हारके बीचकी मणि.
तरव (हि. पु.) (सं. तरु) पेड, वृक्ष, गाछ.
तरवर (हि. पु.) (सं. तरुवर) बडा वृक्ष.
तरवरिया (हि. पु.) तरवार रखनेवाला, खड्गधारी.
तरवार } (हि. स्त्री.) (सं. तरवारि) खांडा, खड्ग.
तलवार }
तरसना (हि. क्रि. अ.) (सं. तर्पण) बहुत चाहना, जी लगा रहना, रटना.
तराई (हि. स्त्री.) दलदल धरती, जलाभूमि, चौगान, चरनेकी जगह.
तरि } (सं. स्त्री.) (तृ=पार होना) नौका, डोंगी, नाव, तरणि.
तरी }
तरु (सं. पु.) पेड, गाछ, वृक्ष, दरख्त.
तरुण (सं. गु.) जवान, युवा.
तरुणाई (हि. स्त्री) जवानी, यौवन.
तरुणी (सं. स्त्री.) जवान, युवती, स्त्री.
तरेरना (हि. क्रि. अ.) त्योरी चढाना. घूरना, आँख दिखाना.
तरैया (हि. स्त्री.) तारा, तरैगण.
तर्क (सं. स्त्री.) वाद, विवाद, शास्त्रार्थ, न्यायसम्बन्धी बातचीत, शंका, दलील, न्यायशास्त्र, अनुमान, कल्पना.
तर्कविद्या (सं. स्त्री.) न्यायशास्त्र.
तर्जन (सं. पु.) (तर्ज=धमकाना) कोप, क्रोध, ताडन, धमकी, गर्ज.
तर्जना (हि. क्रि. स.) क्रोध करना, कूदना.
तर्जनी (सं. स्त्री.) दूसरी अँगुली, अँगूठेके पासकी अँगुली.
तर्पण (सं. पु.) सन्तोष, तृप्ति, परिपूर्णता, पितरोंको जल देना.
तर्ष (सं. स्त्री.) (तृष्=प्यासा होना) प्यास, चाह, इच्छा, तृष्णा.
तर्स (हि. स्त्री.) दया, करुणा, कृपा.
तर्स खाना (हि. मुहा.) दया करना.
तर्साना (हि. क्रि. स.) ललचाना.
तर्सों (हि. क्रि. वि.) परसोंके आगेका दिन आजसे पहला वा पिछला तीसरा दिन.
तल (सं. पु.) (तल=ठहरना) नीचा, तला, नीचेकी जगह, थाह, तलवा, तला, तली.
तलछट (हि. स्त्री.) मैल, निचोड, खूद.
तलपना } (हि. क्रि. अ.) छटपटाना, तडफना.
तलफना }
तलाव (हि. पु.) (सं. ताल) तालाव, सरोवर, जलाशय.
तलुवा } (हि. पु.) पाँवका तला, पगतली.
तलवा }
तले (हि. क्रि. वि.) नीचे, उतरके, घटके.
तले ऊपर (हि. मुहा.) नीचे ऊपर.
तव (सर्वना.) तेरा.
तसर (हि. पु.) एक प्रकारका रेशम.
तस्कर (सं. पु.) चोर, चोट्टा.
तस्म (हि. पु.) चमोटा, चमाटी.
तस्मै (हि. स्त्री.) खीर.
तस्सू (हि. पु.) इंच, एक प्रकारका नाप.
तहसनहस (हि. गु.) नाश, नष्ट, चौपट, तित्तरबित्तर, उजाड.
तहाँ (हि. क्रि. वि.) (सं. तत्र) तिसे जगह, वहाँ.

ता (हि. सर्वना.) उसको, उसे, तिसको.
ताँगा (हि. पु.) एक तरहकी गाडी.
ताँत (हि. स्त्री.) (सं. तन्तु) चमडेका तार, चमडेकी डोरी, बाजेका तार, ताँतीका यन्त्र.
ताँता (हि. पु.) श्रेणी, कतार.
ताँती (हि. पु.) (सं. तान्ति) जुलाहा, बुननेवाला.
ताँबा (हि. पु.) (सं. ताम्र) एक धातुका नाम.
ताइत (हि. पु.) तावीज, गंडा, यन्त्र.
ताई (हि. स्त्री.) बापके बडे भाईकी स्त्री.
ताऊ (हि. पु.) बापका बडा भाई.
ताक (हि. स्त्री.) (सं. तर्क) दीठ, दृष्टि, झाँक, टकटकी.
ताकना (हि. क्रि. स.) झाँकना, देखना.
ताग, तागा (हि. पु.) डोरा, सूत धागा.
तागतोड (हि. पु.) गोटा, किनारी.
ताटङ्क, ताडङ्क (सं. पु.) ढेडी, कर्णभूषण, कानका गहना.
ताड (हि. पु.) तालका वृक्ष. (स्त्री.) पहचान.
ताडका (सं. स्त्री.) एक राक्षसीका नाम.
ताडन (सं. पु.), ताडना (सं. स्त्री.) दंड, झिडकी, सजा, मार, डांट, धमकी.
ताडना (हि. क्रि. स.) पहचानना, जानना.
ताडी (हि. स्त्री.) ताडका रस जिसके पीनेसे नशा होता है.
ताण्डव (सं. पु.) (तण्डु एक ऋषिका नाम जिसने पहले पहल इस नाचको निकाला और सिखलाया) महादेव और उनके गणोंका नाच, पुरुषोंका नाच.
तात (सं. पु.) (तन्=फैलाना अपने वंशको वा बलको) बाप, प्यारा, जैसे " तात प्रणाम तातसन कहेहू " (रामायण) यहां पहले तात शब्दका अर्थ प्यारा और तात शब्दका अर्थ बाप है। प्यारका शब्द जो मा बाप अपने लडकेवालोंके लिये और गुरु अपने शिष्योंके लिये बोलते हैं " जैसे कहहु तात जननी बलिहारी " (रामायण) भाई, मित्र, सखा. (गु.) बडा, पूज्य.
तात, ताता (हि. गु.) (सं. तप्त) गर्म, उष्ण.
तातनी (हि. सर्वना.) उसको.
तातनौ (हि. सर्वना.) उसका.
ताते, तातें (हि. सर्वना.) उससे.
तात्कालिक (सं. गु.) उसी समयका, उसी दमका.
तात्पर्य (सं. पु.) अभिप्राय, अर्थ, आशय, मतलब.
तादृश (सं.) वैसाही, उसीके समान.
तान (हि. स्त्री.) स्वर, ताल, राग.
तान तोडना (हि. मुहा.) ठट्टा मारना.
ताना (हि. पु.) (सं. तन्=फैलाना) कपडा बुननेकी कलपर सूतका फैलाना.
ताना, तावना (हि. क्रि. स.) (सं. तपन) गर्म करना, ताव देना.
तान्त्रिक (सं. पु.) तन्त्र शास्त्रका जाननेवाला पण्डित.
ताप (सं. पु.) गर्मी, दुःख, पीडा, सोच, खेद, उदासी, स्त्री. तप, ज्वर.
तापतिल्ली (हि. स्त्री.) पिलई.
तापस (सं. पु.) तपसी, तप करनेवाला.
तामडा (हि. पु.) (सं. ताम्र) तांबे ऐसे रंगका, एक हलके मोलका रतन.
तामरस (सं. पु.) कमल, कँवल, सोना, तांबा.

तामस (सं. गु.) (तमस=तमोगुण वा अँधेरा) तमोगुणी, क्रोध मोह आदिमें लगा हुआ.(पु.) अँधेरा, दुष्ट, अहंकार.
तामसी (हि. गु.) क्रोधी, रोस करनेवाला.
तामेश्वर (हि. पु.) तांबेकी राख, ताम्रवंग.
ताम्बूल (सं. पु.) पान, नागरवेलका पत्ता.
ताम्र (सं. पु.) तांबा, लाल रंग.
तार (फा. पु.) लोहे आदि धातुका खिंचा हुआ तागा जो सितार आदि बाजोंमें लगाया जाता है.
तार बाँधना (हि. मुहा.) किसी कामको लगातार जारी रखना.
तार टूटना (हि. मुहा.) अलग हो जाना, छूट जाना, किसी कामका बंद होजाना.
तारक (सं. गु.) (तृ=पार करना, वा बचाना) बचानेवाला, रक्षक, उद्धार करनेवाला. (पु.) एक राक्षसका नाम, एक प्रकारका मन्त्र, सितारा, पुतली, नाविक.
तारण (सं. गु.) पार करनेवाला. (पु.) उद्धार, घरनई, बेडा.
तारणतरण (सं. गु.) पार करनेवाला और पार होनेवाला.
तारणा } (हि. क्रि. स.) पार करना, ब-
तारना } चाना, उद्धार करना, मुक्त करना.
तारतोड (हि. पु.) कारचोबी, बूटेका काम.
तारा (सं. स्त्री.) नक्षत्र, सितारा, आंखकी पुतली, वालिकी स्त्री और अंगदकी मा, बृहस्पतिकी स्त्री, देवीका नाम.
तारे गिनना (हि. मुहा.) नींद नहीं आना.
तार्किक (सं. पु.) नैयायिक, तर्कशास्त्री.
ताल (सं. पु.) (तल=ठहरना) एक वृक्षका नाम, ताड, खजूर, ताली बजानेका शब्द, गानका परिमाण, मजीरा, ताला, तालाव, कुश्ती करनेमें भुजापर हाथ मारनेका शब्द.
ताल मारना } (हि. मुहा.) कुश्ती कर-
ताल ठोकना } नेमें भुजाको हाथसे ठोंकना.
तालमखाना (हि. पु.) एक पौधेका नाम.
तालव्य (सं. गु.) वे अक्षर जो तालुसे बोले जांय जैसे इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ, य, श.
ताला (हि. पु.) (सं. ताल) बन्द करनेकी कल, कुलफ, कुल्फ.
ताली (हि. स्त्री.) चाभी, कुंजी, हाथ बजाना, एक प्रकारका ताडवृक्ष.
ताली बजाना } (हि. मुहा.) हाथपर
ताली मारना } हाथ मारना, धिक्कारना, हूहू करना.
तालु (सं. पु.) तालू, तालुवा.
ताव (हि. पु.) (सं. ताप) गर्मी, ताप, क्रोध, कोप, तमक, बल, चमक, तेज, ऐंठ, वल, कागजकी परत, जांच, शीघ्रता, हडबडी.
ताव देना (हि. मुहा.) मरोडना, ऐंठना, मोछोंपर हाथ फेरना, गर्म करना.
तावत् (सं. क्रि. वि.) इतना, उतना, यहांतक, तबतक.
तावना (हि. क्रि. स.) गर्म करना, ताव देना, परखना, कसना, ऐंठना, मरोडना.
ताश (हि. पु.) लप्पा, बादला, बूटेदारपट्टू.
तास (हि. पु.) गंजफा, बादला, बूटेदार पट्टू.
तासु (हि. सर्वना.) (सं. तस्य) उसका, तिसका.
तासों (हि. सर्वना.) (सं. तस्मात्) उससे, तिससे.

ताहि (हि. सर्वना.) (सं. तम्) उसको, उसे, तिसको, तिसे.

तिकोनिया (हि. गु.) (सं. त्रिकोण) तिखूँटा.

तिक्त (सं. गु.) तीता, कडुआ.

तिगुन (हि. गु.) तिगुना, तीनगुना.

तिच्छन, तीछन (हि. गु.) (सं. तीक्ष्ण) तीखा, तीता, कड़ा, कठोर.

तिजारी (हि. स्त्री.) (सं. तृतीयज्वर) जो तप एक दिन बीच करके आता है, अंतरियाज्वर.

तित (हि. क्रि. वि.) (सं. तत्र) वहां, तहां, तिधर.

तितिक्षा (सं. स्त्री.) धीरज, क्षमा, सहनशीलता, धैर्य्य, सहना.

तिथि (सं. स्त्री.) हिन्दी महीनोंके दिन, हिन्दी महीनोंकी तारीख.

तिनका (हि. पु.) (सं. तृण) खड, डाँठी, घासका टुकडा.

तिबारा (हि. पु.) तीन बार, तीन दफे, तीन दरवाजेका मकान, कमरा, तिदरी.

तिमिर (सं. पु.) अँधेरा, अन्धकार, एक प्रकारका आंखका रोग.

तिय (हि. स्त्री.) नारी, लुगाई, स्त्री.

तिरखा (हि. स्त्री.) (सं. तृषा) प्यास, पीनेकी चाह, तृष्णा, चाह.

तिरछा, तिर्छा (हि. गु.) (सं. तिर्य्यञ्च) टेढा, बांका, आडा.

तिरना (हि. क्रि. अ.) (सं. तरण) पैरना, तैरना, हेलना.

तिरपन (हि. गु.) पचास और तीन, ५३.

तिरपोलिया (हि. पु.) तीन दरवाजेका मकान.

तिरसठ (हि. गु.) साठ और तीन. ६३.

तिरस्कार (सं. पु.) अपमान, अनादर, धिक्कार.

तिराना (हि. क्रि. स.) तैराना, पैराना.

तिरानवे (हि. गु.) (सं. त्रिनवति) नव्वे और तीन, ९३.

तिरासी (हि. गु.) अस्सी और तीन, ८३.

तिरिया (हि. गु.) (सं. स्त्री.) नारी, लुगाई.

तिरोहित (सं. गु.) छिपा हुआ, गुप्त.

तिर्मिराना (हि. क्रि. अ.) चौंधियाना, लहकना, फडफडाना, पानीपर तेलका तैरना.

तिहुँत, तिरहुत, तिरहुति (हि. पु.) (सं. तीरभुक्ति) एक जिलाका नाम जो विहारमें है और जिसका मुख्य नगर मुजफ्फरपुर है.

तिल (सं. पु.) एक पौधा जिसके बीजसे तेल निकलता है, देहमें एक काला चिह्न.

तिलक (सं. पु.) टीका, ललाटमें रोली चन्दन आदिका चिह्न, प्रधान, मुख्य, अग्रगण्य.

तिलकुट (हि. पु.) एक प्रकारकी मिठाई जिसमें तिल कूटकर मिलाते हैं.

तिलङ्गा (हि. पु.) तेलङ्ग देशका वासी, पहले पहल अंगरेजी सेनामें तेलङ्ग अर्थात् कर्नाटकदेशके लोग भरती हुए थे इसलिये अंगरेजी सेनाके सब सिपाहियोंको तिलंगे कहते हैं.

तिलंगी (हि. स्त्री.) पतंग, गुड्डी, चंग.

तिलडा (हि. पु.) तीन लडका हार.

तिलहा (हि. गु.) तेलिया, चिकना.

तिलुवा, तिलवा (हि. पु.) तिलका बना हुआ लड्डू.

तिल्ली (हि. स्त्री.) पिलई, तापतिल्ली.

तिष (हि. स्त्री.) पियास, प्यास.

तिसरायत (हि. पु.) तीसरा मनुष्य, विचवैया, पंच, तिहायत.

तिहत्तर (हि. गु.) सत्तर और तीन, ७३.
तिहरा (हि. पु.) तिलडा. (गु.) तिगुना.
तिहाई (हि. स्त्री.) तीसरा भाग.
तिहायत (हि. पु.) तीसरा मनुष्य, पंच बिचवैया.
तिहारा (हि. सर्वना.) (सं. तव) तेरा तुम्हारा.
तिहिं (हि. सर्वना.) उन्हींको.
तिहुं } तिहू } (हि. गु.) तीन.
तीक्ष्ण (सं. गु.) तीखा, तेज, पैना, उत्साही, चालाक, क्रोधी.
तीखा (हि. गु.) चोखा, तेज, तीव्र, कडुआ, क्रोधी.
तीज (हि. स्त्री.) (सं. तृतीया) तीसरी तिथि.
तीत } तीता } (हि. गु.) (सं. तिक्त) कडुआ, तीखा, कटु, चरपरा, तीव्र.
तीतर (हि. पु.) एक पखेरूका नाम.
तीतरी (हि. स्त्री.) तितली, पांखवाला कीडा.
तीन (हि. गु.) दो और एक, ३.
तीनतेरह (हि. मुहा.) तित्तर बित्तर, छिन्नभिन्न, तहसनहस, चौपट.
तीय (हि. स्त्री.) लुगाई, स्त्री, भार्य्या.
तीयल (हि. स्त्री.) स्त्रियोंके कपडोंका जोडा.
तीर (सं. पु.) किनारा, तट, कूल, बाण. (क्रि. वि.) पास, ढिग.
तीर्थ (सं. पु.) (तृ=पार होना) पवित्र जगह, पुण्यस्थान, यात्राकी जगह जैसे गया, काशी, मथुरा आदि.
तीर्थराज (सं. पु.) तीर्थोंका राजा, प्रयाग, इलाहाबाद.
तीली (हि. स्त्री.) सींक, सलाई.
तीव्र (सं. गु.) तीखा, तीता, तेज, अत्यन्त, अपार.
तीस (हि. गु.) (सं. त्रिंशत्) बीस और दश, ३०.
तीसरा (हि. गु.) (सं. तृतीय) तीजा, तिहायत.
तीसी (हि. स्त्री.) (सं. अतसी) अलसी, अत्सी.
तुक (हि. स्त्री.) दोहा चौपाई आदि छंदमें पदके अन्तके अक्षरोंका मिलान, यमक, जमक, सम्बन्ध, छन्दका एक पद.
तुकली } तुक्कल } (हि. स्त्री.) छोटी गुड्डी, छोटी पतंग.
तुङ्ग (सं. गु.) ऊंचा, लम्बा, एक पेडका नाम, पहाड.
तुङ्गभद्रा (सं. स्त्री.) एक नदीका नाम जो मैसूरमें है.
तुच्छ (सं. पु.) पुवाल, तुस. (गु.) नीच, नीचा, शून्य, छूछा, अधम, हलका, निकम्मा, ओछा.
तुतराना } तुतलाना } (हि. क्रि. अ.) हिचक हिचकके बोलना, हकलना, साफ नहीं बोलना जैसे छोटे बालक बोलते हैं.
तुपक (हि. स्त्री.) बंदूक, पिस्तौल.
तुम (हि. सर्वना.) (सं. त्वम्) मध्यम, पुरुषका बहुवचन.
तुमाना (हि. क्रि. स.) धुनवाना, पिजाना.
तुरई (हि. स्त्री.) एक तरकारीका नाम.
तुरग (सं. पु.) (तुर=वेगसे, गम्=जाना) घोडा, अश्व.
तुरङ्ग } तुरङ्गम } (सं. पु.) घोडा, तुरग, अश्व, वाजि.
तुरत } तुरन्त } (हि. क्रि. वि.) (सं. त्वरित) शीघ्र, जल्दी, झटपट, अभी.
तुरपन (हि. स्त्री.) एक तरहका टाँका.

तुरपना (हि. क्रि. स.) सीना टाँकना.
तुरही } (हि. स्त्री.) (सं. तूर्य्य) रण-
तुरी } सिंगा, सहनाई, नफीरी, नरसिंहा.
तुराई (हि. स्त्री.) सेज, शय्या, तोशक, बिछौना. (गु.) वेगसे.
तुरीय (सं. गु.) चौथा. (पु.) निर्गुण ब्रह्म.
तुल } (हि. गु.) (सं. तुल्य) बराबर,
तूल } समान.
तुलना (हि. क्रि. अ.) तौला जाना, बराबर होना, लडनेको खडे होना.
तुलसिका } (हि. स्त्री.) (तुला=बराबरी
तुलसी } अस्=फेंकना, अर्थात् जिसके बराबर सृष्टिमें कोई न हो) एक पौधेका नाम.
तुलसी } (सं. पु.) हिन्दीरामायणके
तुलसीदास } कर्ता.
तुला (सं. स्त्री.) (तुल=तौलना) बराबरी, तराजू, सातवीं राशि.
तुल्य (सं. गु.) बराबर, समान, सम.
तुषार (सं. पु.) शीत, पाला, बर्फ, ओस. (गु.) ठंढा.
तुष्ट (सं. गु.) (तुष्=प्रसन्न होना) संतुष्ट, प्रसन्न, हर्षित.
तुष्टि (सं. स्त्री.) सन्तोष, आनन्द.
तुस (हि. पु.) चोकड, भूसी.
तुहिन (सं. पु.) (तुहि=हानि करना) पाला, बर्फ, हिम.
तूतू (हि.) कुत्तेको पुकारनेका शब्द.
तूंबा (हि. पु.) (सं. तुम्ब) तूम्बा, एक तरहका बरतन जिसमें साधुलोग पानी रखते हैं.
तूण } (सं. पु.) भाथा, तर्कस, तीर
तूणीर } रखनेकी पेटी.
तूतक } (हि. पु.) नलियाथोथा, एक
तूतिया } प्रकारकी औषधि.

तून (हि. पु.) एक पेडका नाम जिसकी लकडीसे मेज कुर्सी आदि बनती हैं.
तूर्ण (सं. क्रि. वि.) झटपट, शीघ्र.
तूल (सं. स्त्री.) रूई, निर्जीव रूई.
तूली (सं. स्त्री.) चितेरेकी कूँची, तीली, सींक.
तूवर } (हि. पु.) राजपूतोंकी एक
तुंवर } जाति.
तूष्णीम् (सं. क्रि. वि.) चुपचाप, मौन.
तृण (सं. पु.) घास, चारा, तिनका.
तृणवत् (सं. गु.) घासके बराबर, तुच्छ, हलका.
तृतीय (सं. गु.) तीसरा.
तृतीया (सं. स्त्री.) तीसरी तिथि.
तृप्त (सं. गु.) सन्तुष्ट, हर्षित, सुखी.
तृप्ति (सं. स्त्री.) प्रसन्नता, अघाना, हर्ष.
तृष }
तृषा } (सं. स्त्री.) प्यास, पियास, तृष्णा.
तृषार्त (सं. गु.) प्याससे व्याकुल.
तृषावन्त (सं. पु.) पियासा, प्यासा.
तृषित (सं. पु.) पियासा, प्यासा.
तृष्णा (सं. स्त्री.) प्यास, लोभ, लालच, इच्छा, जो वस्तु नहीं मिली हो उसकी चाह.
ते (सं. सर्वना.) वे, तेरा.
ते }
तैं } (हि. अव्यय.) से.
तेंतालीस (हि. गु.) चालीस और तीन, ४३.
तेंतीस (हि. गु.) तीस और तीन, ३३.
तेंदुवा (हि. पु.) बाघ, चीता.
तेईस (हि. पु.) बीस और तीन, २३.
तेज (सं. पु.) प्रताप, बल, चमक, पराक्रम, आग, तीक्ष्णता.
तेजपात (हि. पु.) एक प्रकारका गर्म मशाला.

तेजमान
तेजवन्त } (हि. गु.) प्रतापी, ऐश्वर्यवान्.
तेता (हि. क्रि. वि.) तितना.
तेतो (हि. क्रि. वि.) तितना.
तेरस (हि. स्त्री.) तेरहवीं तिथि.
तेरह (हि. गु.) दश और तीन, १३.
तेरुस (हि. पु.) तीसरा साल.
तेल (हि. पु.) (सं. तैल) तिलोंसे निकला हुआ चिकना पदार्थ.
तेल चढाना (हि. मुहा.) व्याहमें दुलहा और दुलहिनके सिर, कन्धे और हाथ पैरमें तेल और हरदी मलना. (यह व्याहकी रीति है.)
तेलिया (हि. गु.) एक प्रकारका रंग.
तेली (हि. पु.) (सं. तैली) तेल बेचनेवाला.
तेलिन (हि. स्त्री.) तेलीकी लुगाई.
तेवरी (हि. स्त्री.) धमकी, झिडकी.
तेवरी चढाना
तेवरी बदलना } (हि. मुहा.) घुडकना, आंख दिखाना, भौं चढाना.
तेवहार (हि. पु.) उत्सव, पर्व, मेला.
तेह
तेहा } (हि. पु.) क्रोध, गुस्सा, झाँझ.
तेहर (हि. पु.) स्त्रियोंके पैरका गहना.
तेहि (हि. सर्वना.) उसको, उनको, तिससे, उससे.
तैरना (हि. क्रि. अ.) पैरना, तिरना, पार होना.
तैलङ्ग (सं. पु.) कर्णाटक देश.
तोंद (हि. स्त्री.) (सं. तुन्द) बडा पेट.
तोंदैल
तोंदैला } (हि. गु.) बडा पेटवाला.
तोड (हि. पु.) टूट, फूट, नदीका वेग, दूधका पानी.
तोडजोड (हि. मुहा.) काटछाँट, बातको ठीकठाक करके बोलना.
तोडना (हि. क्रि. स.) फोडना, फाडना, टुकडे करना, रुपया भुनाना, खींच लेना.
तोडा (हि. पु.) कमी, घटी, हजार रुपयोंकी थैली, पलीता, रस्सीका टुकडा. सिकली, पाँवमें पहननेका गहना.
तोतला (हि. गु.) हकला, लडबडहा.
तोता (हि. पु.) सुग्गा, सुआ, सूगा.
तोपना (हि. क्रि. स.) छिपाना, ढाँकना.
तोबडा (हि. पु.) एक प्रकारकी थैली जिसमें घोडा दाना खाते हैं.
तोमर (सं. पु.) बर्छी, एक शस्त्रका नाम, एक प्रकारका छन्द.
तोय (सं. पु.) पानी, जल, नीर.
तोयद (सं. पु.) बादल, घटा.
तोयधर (हि. पु.) बादल, मेघ.
तोयनिधि (सं. पु.) समुद्र, सागर.
तोयाशय (सं. पु.) जलस्थान, तडागादि.
तोर (हि. सर्वना.) तेरा.
तोरण (सं. पु.) घरके द्वारके बाहर सिंहके आकार काठ जो व्याहमें अथवा और कोई उत्सवमें बांधा जाता है, फूलोंकी माला जो पर्व अथवा किसी उत्सवमें फाटकपर बांधी जाती है.
तोलक (सं. पु.) तोला, तौलैया.
तोल
तौल } (हि. पु.) माप, जोड, नाप.
तोला (हि. पु.) बारह मासेकी तौल.
तोषक (सं. पु.) संतोषी, प्रसन्न करनेवाला.
तोष (सं. पु.) सन्तोष, प्रसन्नता, हर्ष.
तोहि (हि. सर्वना.) तुझको, तुझे.
तोलना (हि. क्रि. स.) जोखना, वजन करना, तौल करना.

त्यक्त (सं. पु.) छोडा हुआ, त्यागा हुआ.
त्याग (सं. पु.) छुडाव, तजना, दान, बैराग.
त्यागना (हि. क्रि. स.) छोडना, त्याग करना.
त्यागशील (सं. पु.) दाता, दानी.
त्याजित (सं. पु.) छोडा हुआ, विसर्जित.
त्यागी (सं. पु.) छोडनेवाला, बैरागी, उदास, दाता.
त्याज्य (सं. पु.) छोडने लायक.
त्रपा (सं. स्त्री.) लज्जा, कीर्ति, यश.
त्रपाक (सं. पु.) लज्जालु, लज्जाशील.
त्रपित (सं. पु.) लज्जित, शर्माया हुआ.
त्रयोदशी (सं. स्त्री.) तेरस, तेरहवीं तिथि.
त्रस्त (सं. पु.) डरा हुआ, भीत, डरौंवा.
त्राण (सं. पु.) रक्षा, बचाव, पालन, मुक्ति, निस्तार, उद्धार, लोहेकी कुरती.
त्राणकर्त्ता (सं. पु.) बचानेवाला, उद्धार करनेवाला, मोक्ष देनेवाला.
त्राता (सं. पु.) बचानेवाला, रक्षक.
त्रास (सं. पु.) भय, डर, शंका.
त्रासक (सं. पु.) डरवानेवाला.
त्रासित (सं. पु.) डरा हुआ, भयभीत.
त्राह (हि. वि. बो.) बचाओ, दया करो.
त्रि (सं. पु.) तीन, ३.
त्रिकालदर्शी (सं. पु.) भूत भविष्यत् और वर्तमान तीनों कालके हाल जाननेवाला, त्रिकालज्ञ, ऋषिमुनि.
त्रिकूट (सं. पु.) एक पहाडका नाम जिसपर लंकापुरी बसी है.
त्रिकोण (सं. पु.) तिकोन, तिखूंट.
त्रिगुण (सं. पु.) तीन प्रकारके गुण अर्थात् सत्वगुण, रजोगुण और तमोगुण.
त्रिजटा (सं. स्त्री.) एक राक्षसीका नाम जिसका वर्णन रामायणमें है.
त्रिदश (सं. पु.) देवता, देव, सुर.
त्रिदोष (सं. पु.) वात, पित्त, कफका रोग.
त्रिधा (सं. क्रि. वि.) तीन प्रकारसे, त्रिविध.
त्रिनयन } (सं. पु.) महादेव, शिव.
त्रिनेत्र }
त्रिपुंड (हि. पु.) तीन रेखाका तिलक, शिव और शक्तिमतवालोंका तिलक.
त्रिपुर (सं. पु.) एक दैत्यका नाम जिसने तीन पुर बनाये थे.
त्रिपुरदहन (सं. पु.) महादेव, शिव.
त्रिपुरान्तक (सं. पु.) महादेव, शिव.
त्रिपुरारि (सं. पु.) महादेव, शिव.
त्रिफला (हि. पु.) हड, बहेडा, आँवला.
त्रिभंगी (सं. पु.) टँगडी, कमर और गर्दन को झुकाकर खडे होनेकी दशा. (स्त्री.) एक छन्दका नाम.
त्रिभुज (सं. पु.) तिकोन, त्रिकोन, तिखूंट.
त्रिभुवन (सं. पु.) तीन लोक (स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल.)
त्रिया (हि. स्त्री.) नारी, लुगाई, तिय.
त्रियामा (सं. स्त्री.) रात, रजनी.
त्रिलोक (सं. पु.) तीन भुवन (स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल.)
त्रिलोकी (सं. स्त्री.) तीन लोकोंका समूह (स्वर्ग पृथ्वी और पाताल.)
त्रिलोकीनाथ (सं. पु.) तीन लोकके मालिक विष्णु, परमेश्वर.
त्रिलोचन (सं. पु.) महादेव, शिव, तीन आंखवाला.
त्रिविक्रम (सं. पु.) विष्णु, वामनावतारमें राजा बलिको बाँधनेके समय विष्णुका विराट्‌रूप.
त्रिविध (सं. पु.) तीन प्रकारका.

त्रिवेणी (सं. स्त्री.) गंगा, यमुना और सरयूका संगम जो प्रयागमें हुआ है, तीन नदियोंका संगम.

त्रिशिर (सं. पु.) एक राक्षसका नाम, रावणका बेटा वा भाई.

त्रिशूल (सं. पु.) एक अस्त्रका नाम जिसके लोहेके तीन तीखे काँटे होते हैं, महादेवका अस्त्र.

त्रिशूलपाणि (सं. पु.) महादेव, शिव.

त्रिसन्ध्या (सं. स्त्री.) प्रभात, दो पहर और सांझ; प्रात मध्याह्न और सायंकाल.

त्रुटि (सं. स्त्री.) कमी, हानि, न्यूनता.

त्रेता (सं. पु.) यज्ञकी तीन पवित्र अग्नि, दूसरा युग जो १२९६००० बरसका था.

त्रैराशिक (सं. स्त्री.) तीन जानी हुई राशियोंका हिसाब.

त्रैलोक्य (सं. पु.) त्रिलोकी, आकाश पाताल पृथ्वी.

त्रोटक (सं. पु.) एक छन्दका नाम.

त्रोटी (सं. स्त्री.) चोंच, ठोंठ, पखेरू.

त्र्यम्बक (सं. पु.) महादेव, शिव.

त्वक् } (सं. स्त्री.) चमडा, छूनेकी
त्वचा } इन्द्री, छाल, बकला, शरीरपरका चाम.

त्वरा (सं. स्त्री.) जल्दी, उतावली, तेजी.

त्वरित (सं. पु.) तुरन्त, झटपट, जल्दी.
(क्रि. वि.) जल्दीसे, वेगसे.

त्वष्टा (सं. पु.) ब्रह्मा, विश्वकर्मा.

त्विषा (सं. स्त्री.) रश्मि, किरण, ज्योति.

त्विषि (सं. स्त्री.) किरण.

थ.

थ (सं. पु.) पहाड, खाना, रोग, डर, बचाव, मंगल.

थई (हि. स्त्री.) कपडोंका ढेर, घडपडी.

थंब } (हि. पु.) (सं. स्तम्भ) खम्भा,
थंभ } खंभ, थूनी, सितून, पाया.

थंभना (हि. क्रि. अ.) ठहरना, स्थिर होना, रुकना, संभलना.

थकना } (हि. क्रि. अ.) (सं. स्थगन)
थाकना } मांदा होना, खेदित होना, अकुलाना, हारना.

थकित (हि. पु.) (सं. स्थगित) थका हुआ, अचंभित, विस्मित, अचंभेमें.

थन (हि. पु.) (सं. स्तन) गाय भैंस आदिकी चूँची, लेवा.

थपक (हि. पु.) थपथपानेका शब्द, थप्पड, चपेटा.

थपडा (हि. पु.) थाप, थपेडा, चपेटा.

थपडी (हि. स्त्री.) ताली, करताली, थपेड.

थपेडा (हि. पु.) चपेटा, धौल, थाप.

थप्पड (हि. पु. स्त्री.) थपेडा, धौल.

थम (हि. पु.) (सं. स्तम्भ) खंभा, थाँभ, थूनी.

थमना (हि. क्रि. अ.) ठहरना, स्थिर होना, रुकना, संभलना.

थरथर (हि. पु.) डगमग, काँपता हुआ.

थरथराना } (हि. क्रि. अ.) काँपना,
थरहराना } हिलना, डगमगाना.
थर्राना }

थरथराहट } (हि. स्त्री.) कँपकँपी, कँपा-
थरथरी } हट, डोल, हिलाव.

थल (हि. पु.) (सं. स्थल) जगह, सूखी जगह, ठार, धरती, स्थान.

थलकना (हि. क्रि. अ.) धडकना, फड-कना, तलपना.

थलचर (हि. पु.) धरतीपर चलनेवाला, पशु आदि.

थलिया (हि. स्त्री.) (सं. स्थाली) थाली, थाल, छोटा थार.

थाँग (हि. स्त्री.) चोरोंकी मांद अथवा घातकी जगह.
थाँम (हि. पु.) खंभ, खम्भा, थूनी.
थाँभना (हि. क्रि. स.) ठहराना, सहारना, सँभालना, सहारा देना, आड देना, हाथ पकडना, बचाना, पालना, खडा करना.
थाँवला (हि. पु.) पेडके जडके आसपास मिट्टीकी मेंड अथवा घेरा, क्यारी, अ'लवाल, थाला.
थिति (हि. स्त्री.) (सं. स्थिति) ठहराव, रुकाव, रोंक, कयाम.
थाती } (हि. स्त्री.) (सं. स्थापित) धरोहर, गिरों, जाकड, बन्धक.
थाथी
थान (हि. पु.) (सं. स्थान) जगह, सारा कपडा, घोडे अथवा गाय बैलके रहनेकी जगह.
थाना (हि. पु.) चौकी, कोतवाली, बांसका टाल.
थाप (हि. स्त्री.) धौल, थप्पड, छोटे ढोलके बजानेका शब्द, मर्य्याद, नामवरी.
थापना (हि. क्रि. स.) थपथपाना, ठोंकना, रखना, स्थापन करना, धरना.
थापा (हि. पु.) चौपायेके पांवका चिह्न.
थापी (हि. स्त्री.) थपथपानेका शब्द, मोगरी जिससे कुम्हार मिट्टी कूटते हैं वा छत पीटी जाती है.
थाम (हि. पु.) (सं. स्तम्भ) खंभा, सितून, थूनी, टेक.
थार } (हि. पु.) (सं. स्थाल) बडी थाली.
थाल
थाला (हि. पु.) थांवला, पेडके आसपासका घेरा जिसमें पानी सींचते हैं, एक गढा अथवा खोखली जिसमें पेड लगाया जाता है।
थाली (हि. स्त्री.) थरिया.
थाह (हि. पु.) पेंदा, तला, पानीके नीचेकी जगह.
थिर } (हि. गु.) ठहरा हुआ, अटल,
थीर } अचल, शांत, सुस्थिर.
थिरता (हि. स्त्री.) ठहराव, चैन, आराम.
थुतकारना } (हि. क्रि. स.) दुरदुराना,
थुथकारना } अनादरके साथ निकाल देना.
थूथनी (हि. स्त्री.) ऊंट घोडे आदिकी मुँह.
थुथाना (हि. क्रि. अ.) भौं चढाना, तेवरी चढाना.
थूक (हि. पु.) खखार, कफ, राल, लार.
थूक चाटना (हि. मुहा.) वचन तोडना, कही अनकही करना.
थूकना (हि. क्रि. अ.) मुँहमेंसे खखार फेंकना.
थूणी } (हि. स्त्री.) (सं. स्थाणु) थंभ,
थूनी } खंभा, टेक, धरन.
थूथडा (हि. पु.) मुँह. (गु.) बुरा, खराब.
थूहर } (हि. पु. स्त्री.) एक काँटेदार
थोहर } पौधेका नाम.
थेईथेई (हि. पु. स्त्री.) नाचनेमें खुशीका शब्द.
थेगली (हि. स्त्री.) जोड, चिप्पी.
थैला (हि. पु.) बोरा, गोन.
थैली (हि. स्त्री.) छोटा थैला, कोथली.
थोक (हि. पु.) ढेर, राशि, रोकड.
थोडा (हि. गु.) कम, तनक, अल्प, कुछ, जरा, कम.
थोडा बहुत (हि. मुहा.) घाटबाढ, कमीबेश.
थोडेसे थोडा (हि. मुहा.) बहुत थोडा.
थोथा (हि. गु.) विनफल, फलहीन, छूछा. (पु.) एक दवाका नाम.

थोथी बात (हि. मुहा.) वृथा बात, अर्थहीन बात, सटरपटर, बेमतलब.

थोपना (हि. क्रि. स.) सहारना, थाँभना, लेपना, थापना, छोपना.

थोपी (हि. स्त्री.) धक्का, थापी, मुक्की.

द.

द (सं. गु.) देनेवाला, दाता. (पु.) दान देना, पर्वत, खंडन. (स्त्री.) भार्या, शोधन, रक्षा, कलत्र, मेघ.

दई (हि. पु.) (सं. दैव) ईश्वर, देवता, भाग्य. (स्त्री.) ईश्वरता.

दईमारा (हि. मुहा.) अभागा, दुर्भागी.

दंश (सं. पु.) डाँस, डंक, दाँत, दोष, कवच, महिष, भैंसा.

दंशक, दंशी (सं. पु.) डंक मारनेवाला. (पु.) डाँस, साँप.

दंशन (सं. पु.) दाँतोंसे काटना, डंक मारना, कवच.

दंशित (सं. पु.) कटा हुआ, काटा गया.

दंष्ट्रा (सं.) जिससे काटते हैं. (स्त्री.) दाढ, बडे दाँत.

दक (सं. पु.) पानी, रस.

दक्खन, दखन, दखिन (हि. पु.) (सं. दक्षिण) दक्षिण दिशा, हिन्दुस्तानका दक्षिण भाग.

दक्ष (सं. पु.) ब्रह्माका बेटा, एक प्रजापतिका नाम, एक मुनिका नाम, महादेवके बैलका नाम. (गु.) चतुर, निपुण प्रवीण, समर्थ.

दक्षसावर्णि (सं. पु.) चौदह मनुमें एक मनु.

दक्षकन्या, दक्षसुता (सं. स्त्री.) दक्षकी बेटी, सती, दुर्गा.

दक्षिण (सं. गु.) चतुर, निपुण, दहना, दक्षिण दिशाका, खरा, सच्चा. (पु.) दक्खन, दहना भाग.

दक्षिणा (सं. स्त्री.) दान; ब्राह्मणको खिलाके कुछ देना, गुरुकी भेंट, दुर्गाकी एक मूरत.

दक्षिणायन (सं. पु.) दक्षिण दिशाकी ओर सूर्यके जानेका समय जो सावनसे पूस अथवा कर्कसंक्रांतिसे धनकी संक्रांतितक रहता है.

दखनी, दखिनी (हि. गु.) दक्खिनका, दक्खिनका आदमी वा चीज.

दगधना (हि. क्रि. स.) जलाना, सताना, छेडना, ताडना करना.

दगला (हि. पु.) रूईदार अंगरखा.

दग्ध (सं. पु.) जला हुआ, भस्म, ज्वलित.

दग्धिक (सं. पु.) दहीभात.

दंगा (हि. पु.) झगडा, बलवा, हुल्लड.

दंगैत (हि. गु.) दंगा करनेवाला.

दघ (सं. पु.) त्याग, हिंसा, नाश.

दच्छ, दछ (हि. पु.) दक्षशब्दको देखो.

दडकना, दरकना (हि. क्रि. अ.) फटना, चिरना, तडकना.

दडेडा (हि. पु.) मेहकी बडी झडी, आषाढकी वर्षा.

दढमुंडा (हि. गु.) दाढी मूँडा हुआ.

दढियल (हि. गु.) लम्बी दाढीवाला.

दण्ड (सं. पु.) लाठी, सोंटा, ताडना, सजा, शासन, जुर्माना, प्रकाण्ड, फाँसी, एक घडी, साठ पलका समय, यमराज, चक्रव्यूह, इक्ष्वाकु राजाका पुत्र, कतल, दमन.

दण्डक (सं. पु.) एक राजाका नाम, एक छन्दका नाम.

दण्डकारण्य (सं. पु.) हिन्दुस्तानके दक्षिणमें दण्डक नाम वन जहाँ वनवासके समय श्रीरामचन्द्र कुछ दिन रहे थे

दण्डधर (सं. पु.) यमराज, कुम्हार, लकुटधारी, राजा, दण्डी, द्वारपाल, सिपाही, आसावरदार.
दण्डनायक (सं. पु.) यमराज, मुलाजिम, फौजदारी.
दण्डपाशिक (सं. पु.) फांसी देनेवाला, जल्लाद.
दण्डवत् (सं. स्त्री.) प्रणाम, नमस्कार.
दण्डधात्री (सं. स्त्री.) फौजदारी.
दण्डादण्डि (सं. स्त्री.) लाठालाठी, लाठीसे लडना, गदायुद्ध,
दण्डी (सं. पु.) एक प्रकारके संन्यासी जो हाथमें दण्ड रखते हैं.
दतवन } दतौन } (सं. पु.) दतुन, दांत साफ करनेकी लकडी.
दत्त (सं. पु.) दिया हुआ, समार्पित.
दत्तक (सं. पु.) गोद लिया हुआ, मुतबन्ना.
दत्तात्रेय (सं. पु.) अत्रिऋषिका पुत्र, विष्णुका अवतारभेद, ये बडे ज्ञानी थे २४ गुरु किये.
ददन (सं. पु.) दान देना, त्याग.
दद्रु (सं. पु.) दादरोग.
ददोडा (हि. पु.) फोडा, गुमडा.
दधि (सं. पु.) दही, चक्का.
दधिकांदौं (हि. पु.) श्रीकृष्णका जन्मदिन अर्थात् जन्माष्टमीका उत्सव जिसमें मनुष्यें दही और हल्दी मिलाकर आपसमें एक दूसरेपर डालते हैं जिससे कीच मच जाती है.
दधीचि (सं. पु.) एक ऋषिका नाम.
दधिसार (सं. पु.) मक्खन, नवनीत.
दनुज (सं. पु.) दनुके बेटे, दानव, राक्षस.
दन्त (सं. पु.) दांत, ३२ की संख्या.
दन्तच्छद (सं. पु.) होठ, ओंठ.
दन्तधावन (सं. पु.) दतवन.
दन्तवेष्टन (सं. पु.) मसूढा.
दन्तशठ (सं. पु.) नीबू, नारंगी, करौंदा.
दन्तालिका (सं. स्त्री.) लगाम.
दन्ती (सं. पु.) हाथी, दन्तैल, दंतीला.
दंत्य (सं. गु.) जो दांतोंसे बोले जांय.
दंदनाना (हि. क्रि. अ.) आरामसे रहना, चैन करना, गाजना.
दपट (हि. स्त्री.) दौड, सर्पट, बाग दौड.
दपटना (हि. क्रि. अ.) सर्पट जाना, दौडना, टूट पडना.
दबकना (हि. क्रि. अ.) छिप रहना.
दबंग (हि. गु.) कुशील, मूढ, निठुर.
दबना (हि. क्रि. अ.) झुकना, डरना.
दब मरना (हि. मुहा.) कुचल जाना.
दबे पांव (हि. मुहा.) धीमे, धीरे.
दबाव (हि. पु.) दाब, चांप, जोर.
दबेल (हि.) अधीन. (पु.) प्रजा.
दम (सं. पु.) इंद्रियोंको वशमें करना, ताडना, सजा, वश करना.
दमक (सं. पु.) वश करनेवाला, रोकनेवाला.
दमक (हि. स्त्री.) चमक, शोभा, भडक.
दमघोष (सं. पु.) शिशुपालका पिता.
दमकला (हि. पु.) आग बुझानेकी कल.
दमकना (हि. क्रि. अ.) चमकना, झलकना.
दमडा (हि. पु.) (सं. द्रम्म) धन, दौलत.
दमडी (हि. स्त्री.) पैसेका आठवाँ हिस्सा.
दमन (सं. पु.) वश करना, नाश करना.
दमनीय (सं. पु.) दाबनेके लायक, तोडने योग्य.
दमयन्ती (सं. स्त्री.) राजा नलकी स्त्री.
दमामा (हि. पु.) नगारा, धौंसा, डंका.

दमी (सं. पु.) योगी, इन्द्रियजीत.
दम्पति (सं. पु.) स्त्री पुरुष, जोडा, जायापति.
दम्भ (सं. पु.) कपट, छल, घमंड, अहंकार.
दम्भी (सं. गु.) कपटी, छली, अभिमानी.
दया (सं. स्त्री.) कृपा, करुणा, रहम.
दयायुत (सं. गु.) दयालु, मिहरबान.
दयालु (सं. गु.) कृपालु, दयावान्.
दयावन्त (सं. गु.) दयालु, मिहरबान.
दयित (सं. पु.) पति, खाविंद.
दयिता (सं. स्त्री.) पत्नी, स्त्री, भार्या.
दर (सं. पु.) खोह, गुफा, छेद.
दर (हि. पु.) मोल, भाव, दाम.
दरद (सं. पु.) म्लेच्छजाति, भयानक, भय, हींग, मुर्दाशंख, पारा. (स्त्री.) पीडा, त्रास, भय.
दरबार (हि. पु.) सभा, कचहरी.
दरदरा (हि. पु.) मोटा पीसा हुआ, दलिया.
दरश (हि. पु.) दर्शन, देखना.
दरा } दरी } (सं. स्त्री.) खोह, गुफा, कन्दरा.
दरांती (हि. स्त्री.) हँसुआ, हँसिया.
दरार (हि. स्त्री.) फटी हुई जगह.
दरिद्र (सं. गु.) कंगाल, निर्धन, रंक.
दरिद्रता (सं. स्त्री.) गरीबी, दीनता.
दरिद्री (हि. गु.) कंगाल, दुखी, दीन.
दर्दुर (सं. पु.) दादुर, मेंडक, बेंग.
दर्प (सं. पु.) घमंड, अभिमान, गरूर.
दर्पण (सं. पु.) आईना, मुकुर, आरसी.
दर्पित (सं. पु.) घमण्डी, मगरूर.
दर्वी (सं. स्त्री.) कलछुली, चमची.
दर्भ (सं. पु.) डाभ, कुशा.
दर्राना (हि. क्रि. अ.) निधडक और बिन ठहरे सीधे चला जाना.
दर्श (सं. पु.) दर्शन, देखना, दृष्टि.
दर्शक (सं. पु.) दिखानेवाला, द्वारपाल.
दर्शन (सं. पु.) देखना, दृष्टि, दीठ, भेंट, रूप, आकार, आंख, दर्पण, न्याय आदि छः शास्त्र.
दर्शनी (हि. स्त्री.) वह हुंडी जिसका दाम देखतेही चुका दिया जाय, भेंट, चढावा.
दर्शनप्रतिभू (सं. पु.) हाजिर जामिनी.
दर्शित (सं. पु.) देखना, देख पडना.
दल (सं. पु.) वृक्षका पत्ता, बडी सेना, ढेर, समूह, टुकडा, कीचड.
दलक (हि. स्त्री.) चमक, झलक.
दलकना (हि. क्रि. अ.) झलकना, थरथराना.
दलदल (हि. पु.) कीचड, पाँका, धसाव.
दलन (सं. पु.) मर्दन, नाश. (गु.) नाश करनेवाला, टुकडे करनेवाला.
दलना (हि. क्रि. स.) पीसना, भुरभुराना.
दलनी (सं. स्त्री.) दुर्मुट, लोहेकी मुगरी.
दलबादल (सं. पु.) बादलोंकी सेना, बडी सेना.
दलित (सं. पु.) मर्दित, रौंदा गया.
दलिया (हि. पु.) दला हुआ अनाज.
दलैंती (हि. स्त्री.) चक्की, जाँती.
दव (सं. पु.) बन, जंगल.
दवाग्नि (सं. स्त्री.) बनकी आग.
दवारी (हि. स्त्री.) बनकी आग.
दविष्ठ (सं. पु.) बहुत दूर.
दवीयस् (सं. पु.) दूर.
दश (सं. गु.) पाँच और पाँच, १०.
दशकण्ठ (सं. पु.) रावण, दशानन.
दशकन्धर (सं. पु.) रावण, दशशीश.
दशग्रीव (सं. पु.) रावण.
दशन (सं. पु.) दाँत, कवच, शिखर.
दशम (सं. गु.) दशवाँ.

दशमहाविद्या (सं. स्त्री.) दश प्रकारकी दुर्गा जैसे १ काली, २ तारा, ३ षोडशी, ४ भुवनेश्वरी, ५ भैरवी, ६ छिन्नमस्ता, ७ धूमावती, ८ बगला, ९ मातंगी, १० कमला.

दशमलव (सं. पु.) दशमांश.

दशमी (सं. स्त्री.) दशवीं तिथि.

दशमुख (सं. पु.) रावण.

दशमुखान्तक (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

दशरथ (सं. पु.) अयोध्याके राजा और श्रीरामचन्द्रजीके पिता.

दशशीश (सं. पु.) रावण.

दशहरा (सं. पु.) जेठ सुदि दशमी जो गंगाका जन्मदिन है और आश्विन सुदि दशमी.

दशा (सं. स्त्री.) अवस्था, हालत, गति, दशा दश प्रकारकी है १ गर्भवास, २ जन्म, ३ बालपन, ४ लडकपन, ५ किशोर, ६ जवानी, ७ अधबूढा, ८ जरा वा पूर्ण बुढापा, ९ प्राणरोध १० नाश वा मरना.

दशांश (सं. पु.) दशवाँ हिस्सा.

दशानन (सं. पु.) रावण.

दसौंधी (हि. पु.) भाट, राय, प्रशंसक.

दस्यु (सं. पु.) शत्रु, चोर, तस्कर, अग्नि, खल, बडा साहसी.

दस्त्र (सं. पु.) अश्विनीकुमार, गधापशु. (स्त्री.) अश्विनीनक्षत्र.

दह (हि. पु.) बहुत गहरा पानी.

दहकना (हि. क्रि. अ.) जलाना, खेद करना.

दहन (सं. पु.) आग, आगी, जलाना, जलन, दाह, चित्रकवृक्ष.

दहना (हि. क्रि. अ.) जलना.

दहना } (हि. गु.) (सं. दक्षिण)
दहिना } दाहिना, दक्षिण.

दहर (सं. पु.) सूक्ष्म, ह्रस्व, बालक, चूहा, छोटा भाई, बहन, हृदय, आकाश.

दहलना (हि. क्रि. अ.) काँपना, डरना.

दहाडना (हि. क्रि. अ.) गरजना.

दहाना (हि. क्रि. स.) जलाना, बोरा-वन्दी.

दही (हि. पु.) जमा हुआ दूध, दधि.

दहेंडी (हि. स्त्री.) दहीकी हाँडी.

दाई (हि. पु.) (सं. दायक) देनेवाला.

दाई (हि. स्त्री.) (फा. दायह) धाय, दूध पिलानेवाली, दाई, जनाई, दासी, लौंडी, चकरानी.

दाऊ (हि. पु.) बडा भाई, बाप, बलदेवजीका नाम.

दाँत (हि. पु.) दन्त, दशन, रदन.

दाँत उंगली काटना (हि. मुहा.) अचंभेमें आकर दाँतोंसे उंगली काटना, अचरज करना.

दाँत खट्टे करना (हि. मुहा.) मन मारना, हरा देना, बेहिम्मत करना.

दाँत निकालना (हि. मुहा.) हँसना, मुसकुराना.

दाँत पीसना (हि. मुहा.) दाँत कचकचाना, क्रोध करना.

दाँव (हि. पु.) घात, जाल, पेंच, अवसर, मौका, बारी, समय.

दाँव चलाना (हि. मुहा.) काबू चलाना, गौंपाना.

दाँव पकडना (हि. मुहा.) कुश्ती लडना, पेंच करना.

दाँव बैठना (हि. मुहा.) दबकना, घातमें बैठना.

दाक्षायणी (सं. स्त्री.) पार्वती, सती, दंतीवृक्ष.
दाक्षाय्य (सं. पु.) गृध्रपक्षी.
दाक्षिण (सं. पु.) कथन, अधिकार, उपाय.
दाक्षिणात्य (सं. पु.) नारियल वृक्ष.
दाक्षिण्य (सं. पु.) उदारता, मददगार.
दाख (हि. स्त्री.) (सं. द्राक्षा) अंगूर, मुनक्का.
दाग (हि. पु.) चिह्न, कलंक, दोष.
दाग लगाना (हि. मुहा.) बदनाम करना.
दागना (हि. क्रि. स.) दाग देना, गुल देना.
दाघ (सं. गु.) दाह, जलना.
दाडक (सं. पु.) दांत, दाढ.
दाडिम } (सं. स्त्री.) (दल=फटना)
दालिम } अनार.
दाढ (हि. स्त्री.) बडे दांत, पिछले दांत.
दाढी (हि. स्त्री.) ठोडीपरके बाल.
दाता (सं. पु.) देनेवाला, उदार, दयालु.
दातार (हि. पु.) देनेवाला, दाता.
दात्र (सं. पु.) हँसिया, बसूला.
दाद (हि. पु.) दिनाय, चकधाई.
दाद (सं. पु.) दान, देना.
दादा (हि. पु.) बापका बाप, पितामह, बडा भाई.
दादी (हि. स्त्री.) बापकी मा.
दादुर (हि. पु.) (सं. दर्दुर) मेंडक, बेंग.
दादू (हि. पु.) एक बडा साधु जिसने एक नया मत चलाया जो दादूपंथके नामसे प्रसिद्ध है.
दादूपंथी (हि.) दादूके धर्मको माननेवाला.
दाधना (हि. क्रि. अ.) जलना, दहना.
दान (सं. पु.) देना, त्याग, पुण्य, खैरात, भीख, दक्षिणा, भेंट.
दानपत्र (सं. पु.) हिबानामा.

दानव (सं. पु.) दनुके बेटे, दनुज, दैत्य
दानशील (सं. गु.) दानी, दाता, उदार
दानशौंड (सं. पु.) बडा दानी, दानशूर
दाना (हि. पु.) अनाज, अन्न, बीज.
दाना (फा. गु.) बुद्धिमान, ज्ञाता.
दानापानी (हि. मुहा.) अन्नजल, संयोग. (पु.) खाना पीना.
दानी (सं. पु.) दाता, देनेवाला, उदार.
दान्त (सं. पु.) जितेन्द्रिय, तपी.
दान्ति (सं. स्त्री.) इन्द्रियनिग्रह, दमन.
दाबना (हि. क्रि. स.) दबाना, चाँपना.
दाप (हि. पु.) घमंड, अभिमान.
दाम (हि. पु.) एक पैसेका पचीसवा हिस्सा, मोल, भाव.
दाम (सं. स्त्री.) रस्सी, जेवरी, डोरा.
दामाञ्चन (सं. पु.) घोडेकी अगाडी पिछाडीकी रस्सी.
दामिनी (हि. स्त्री.) बिजली, तडित्.
दामोदर (सं. पु.) श्रीकृष्णजीका नाम.
दाम्पत्यमुक्तिपत्र (सं. पु.) तलाकनामा, स्त्री और पुरुषके छुडौतीनामा पत्र.
दाय (सं. पु.) बाप दादोंका धन, पैत्रिक धन, बपौती.
दायक (सं. पु.) देनेवाला, दानी, दाता.
दायजा (हि. पु.) दहेज, देजा.
दायभाग (सं. पु.) बाप दादोंके धनका हिस्सा, एक ग्रन्थका नाम.
दायाद (सं. पु.) बेटा, पुत्र, नातेदार.
दार } (सं. स्त्री.) भार्या, पत्नी, जोरू.
दारा }
दारक (सं. पु.) विष्णुके सारथीका नाम.
दारकर्म (सं. पु.) विवाह, ब्याह.
दारचीनी (हि. स्त्री.) एक पेडकी मशाले दार छाल.
दारण (सं. पु.) भेदन, विदारण, काटना.

दारद (सं. पु.) पारा, शिंगर्फ, समुद्र.
दारिका (सं. स्त्री.) बेटी, लडकी.
दारिद (हि. पु.) दरिद्रता, कंगालपन.
दारिद्र } (सं. पु.) गरीबी, दीनता,
दारिद्य } कंगालपन.
दारु (सं. स्त्री.) लकडी, काठ.
दारुक (सं. पु.) श्रीकृष्णजीके सारथीका नाम, देवदारुवृक्ष.
दारुगर्भा (सं. स्त्री.) गुडिया, कठपुतली.
दारुण (सं. गु.) भयंकर, भयावना. (पु.) भयानक रस.
दारू (हि. गु.) मदिरा, शराब.
दाल (सं. स्त्री.) दले हुये मूँग, चने, उरद, मोठ, मसूर, अरहर आदि, दलहन, दाली.
दाव (सं. पु.) जंगल, वन, बनकी आग, गर्मी, संताप.
दावन (सं. पु.) पीडन, नाशन.
दावाग्नि } (सं. स्त्री.) बनकी आग.
दावानल }
दाश } (सं. पु.) नौकर, सेवक.
दास }
दाशरथि (सं. पु.) दशरथ राजाके बेटे श्रीरामचन्द्रजी.
दाश्व (सं. पु.) दानी, दाता.
दासी (सं. स्त्री.) लौंडी, बांदी, चेरी, पीत झंडी, बँदी.
दासेय (सं. पु.) दासीपुत्र, गुलाम.
दाह } (सं. पु.) जलन, ताप, राख
दाहन } करना.
दाहना (हि. क्रि. स.) जलाना.
दिक्पति } (सं. पु.) दिशाओंका राजा.
दिक्पाल }
दिक्शूल } (सं. पु.) वह दिशा जिस
दिशाशूल } तरफ किसी विशेष दिनको यात्रा करना अशुभ है.
दिखलाना } (हि. क्रि. स.) बताना, सम-
दिखाना } झाना, जताना, दर्शाना.
दिखलाई देना } (हि. मुहा.) जान पड-
दिखाई देना } ना, देख पडना.
दिखाऊ (हि. गु.) देखने योग्य, सुंदर.
दिगन्त (सं. पु.) दिशाका अन्त.
दिगंतराल (सं. पु.) आकाश, आसमान.
दिगम्बर (सं. पु.) शिवका नाम, बौद्धमत अथवा जैन मतका भिखारी.
दिग्गज (सं. पु.) दिशाओंके हाथी.
दिग्विजय (सं. स्त्री.) चारों दिशाका जीतना.
दिग्गी } (हि. स्त्री.) लम्बा पोखरा,
दिघी } तालाव.
दिति (सं. स्त्री.) दैत्योंकी मा, दक्षप्रजापतिकी बेटी.
दित्सा (सं. स्त्री.) देनेकी इच्छा.
दिदृक्षा (सं. स्त्री.) देनेकी इच्छा.
दिन (सं. पु.) दिवस, वासर, वार.
दिन काटना (हि. मुहा.) दुःखसे समय बिताना.
दिन चढना (हि. मुहा.) दिन आना, दिन बढना.
दिन ढलना (हि. मुहा.) दिन घटना, दिन पलटना.
दिन पडना (हि. मुहा.) दुःख आना, दुःख पडना.
दिन फिरना (हि. मुहा.) भाग जगना, बढती होना.
दिनबदिन } (हि. मुहा.) हरएक दिन.
दिनदिन }
दिन भरना (हि. मुहा.) दुःख और कष्टमें समय बिताना.
दिनकर (सं. पु.) सूर्य, रवि.
दिनमणि (सं. पु.) सूर्य.

दिनमान (सं. पु.) दिनका परिमाण.
दिनमुख (सं. पु.) प्रातःकाल, भोर.
दिनाई (हि. स्त्री.) दाद.
दिनांत (सं. पु.) दिनका पूरा होना, सांझ, संध्या.
दिनेश (सं. पु.) सूर्य, दिनकर.
दिया (हि. पु.) दीपक, चिराग. (क्रि. स.) देना, देदिया.
दिलीप } (सं. पु.) रघुराजाका पिता.
दलीप
दिव (सं. पु.) स्वर्ग, आकाश.
दिवस } (सं. पु.) दिन, वासर, रोज.
दिवा
दिवाकर (सं. पु.) सूर्य, भानु, रवि.
दिवांध (सं. गु.) दिनमें अंधा. (पु.) उल्लू, चिमगादर.
दिवाला (हि. पु.) कोठी अथवा दुकानका बिगडना.
दिवाली (हि. स्त्री.) दीपमालिका, कातिकमें एक तिहवार.
दिविषद् (सं. पु.) देवता, अमर.
दिवौकस् (सं. पु.) देवता, पपीहा, चातक.
दिव्य (सं. गु.) मनोहर, स्वच्छ, स्वर्गीय. (पु.) शपथ, गूगुल.
दिव्यदृष्टि (सं. स्त्री.) चमत्कारी ज्ञान, ऐसी नजर जिससे सब जगहकी चीजें देख सके.
दिश् } (सं. स्त्री.) तरफ, ओर.
दिशा
दिसावर (हि. पु.) परदेश, मुल्क, देश.
दिसावरी (हि. गु.) दिसावरका.
दिहरा } (हि. पु.) (सं. देवगृह) देवताका मन्दिर.
देहरा
दिहली (हि. स्त्री.) दोनों किवाडोंके बीचका काठ, फाटक, द्वार, शहरका नाम.

दीक्षक (सं. पु.) गुरु, मंत्रदाता.
दीक्षा (सं. स्त्री.) गुरुमुख होना, यज्ञ.
दीक्षित (सं. पु.) मंत्र देनेवाला.
दीखना (हि. क्रि. अ.) देख पडना.
दीठ (हि. स्त्री.) दृष्टि, नजर, ताक.
दीधिति (सं. स्त्री.) किरण, मरीचि.
दीन (सं. गु.) निर्धन, कंगाल, गरीब.
दीनता (सं. स्त्री.) गरीबी, नम्रता.
दीनदयाल (सं. गु.) गरीबोंपर दया करनेवाला, ईश्वरका नाम.
दीनबन्धु (सं. पु.) गरीबोंके अथवा भक्तोंके भाई अथवा मित्र, ईश्वरका नाम.
दीनानाथ (हि. पु.) गरीबोंके अथवा भक्तोंके स्वामी, ईश्वरका नाम.
दीनार (सं. पु.) सोनेका एक सिक्का.
दीप (सं. पु.) चिराग, दीया.
दीपक (सं. पु.) दीप, चिराग, एक रागका नाम, एक अलंकारका नाम. (गु.) चमकीला.
दीपमालिका (सं. स्त्री.) दिवाली, एक तिहवारका नाम.
दीप्त (सं. गु.) प्रकाशित, चमकीला. (पु.) सोना.
दीप्ति (सं. स्त्री.) चमक, झलक, प्रकाश.
दीप्तिमान् (सं. गु.) तेजस्वी, प्रतापी.
दीप्यमान (सं. गु.) शोभायमान प्रतापी.
दीमक (हि. स्त्री.) दीयाँ, वल्मीक.
दीर्घ (सं. गु.) लम्बा, बडा, ऊँचा. (पु.) द्विमात्रिक.
दीर्घग्रीव (सं. पु.) लम्बी गरदनवाला, ऊँट.
दीर्घजंघा (सं. पु.) सारसपक्षी, ऊँट.
दीर्घजीवी (सं. पु.) बहुत दिनोंतक जीनेवाला, दीर्घायु.
दीर्घदर्शी (सं. पु.) दूरदर्शी, विवेकी.

दीर्घरोमन् (सं. पु.) भालू, रीछ.
दीर्घवक्र (सं. पु.) हस्ती, हाथी.
दीर्घसूत्री (सं. गु.) आलसी, सुस्त.
दीर्घायु (सं. गु.) बहुत दिनोंतक जीनेवाला. (पु.) कौवा, मार्कंडेयऋषि.
दीसना (हि. क्रि. अ.) दिखाई देना.
दुख (हि. पु.) } क्लेश, पीडा, कष्ट,
दुःख (सं. पु.) } तकलीफ, व्यथा.
दुःखद (सं.) दुःख देनेवाला.
दुखडा (हि. पु.) आपदा, तकलीफ.
दुखदाई (हि. पु.) दुख देनेवाला.
दुखना (हि. क्रि. अ.) पिराना, दर्द होना, पीडा होना.
दुःखसागर (सं. पु.) दुखका समुंदर, बडा भारी दुःख, संसार, दुनिया.
दुःशील (सं. गु.) दुष्टस्वभाव.
दुखाना (हि. क्रि. स.) दुख देना, सताना.
दुखारी } (हि. गु.) दुखी, दरिद्री, कंगाल,
दुखिया } पीडित.
दुःखावह (सं. पु.) दुखिया, तकलीफ उठानेवाला.
दुःखी (सं. गु.) दुखित.
दुःशासन (सं. पु.) धृतराष्ट्र राजाका बेटा और दुर्योधनका छोटा भाई.
दुःसह (सं. गु.) नहीं सहने योग्य, असह्य.
दुकडा (हि. पु.) छदाम, दोदमडी.
दुकान (हि. पु.) सौदा रखने और बेचनेकी जगह, हाट.
दुकूल (सं. पु.) कपडा, रेशमी कपडा.
दुगुन (हि. पु.) (सं. द्विगुण) दूना.
दुग्ध (सं. पु.) दूध, क्षीर, पय.
दुचित } (हि. गु.) जिसको दुबधा लगी
दुचिता } हो, दोमना.
दुत (हि. वि. बो.) दूर हो, परे जा, निकल भाग, चला जा.
दुतकार (हि. पु.) } झिडकी, घुरकी,
दुतकारी (हि. स्त्री.) } ताडना, दुतकारना, झिडकना, घुरकना, डाँटना.
दुत } (हि. स्त्री.) (सं. द्युति) चमक,
दुति } भडक, सुन्दरता.
दुधार } (हि. गु.) दूध देनेवाली, दुधारी.
दुधेल }
दुन्दुभि (सं. पु.) धौंसा, नगारा, डंका, वरुण, एक राक्षसका नाम जिसको वालीने मारा.
दुपट्टा (हि. पु.) चादर, एक प्रकारका कपडा जिसे लोग ओढते हैं.
दुपहरिया (हि. पु.) एक प्रकारका फूल. (गु.) दोपहरका.
दुबधा (हि. स्त्री.) संदेह, खटका.
दुबला (हि. गु.) कमजोर, निर्बल, पतला, कृश, क्षीण.
दुभाषिया (हि. पु.) दोनों ओरकी बोली समझानेवाला.
दुर् } (सं. उपस.) बुरा, दुष्ट, नीच,
दुस् } अनुचित, कठिनतासे.
दुरना (हि. क्रि. अ.) छिपना, लुकना.
दुरंत (सं. गु.) चञ्चल, दुष्ट, ढीठ.
दुरतिक्रम (सं. गु.) दुस्तर, कठिन.
दुराग्रह (सं. पु.) दुःखग्राह्य, दुःखसे लिया जाय.
दुराचार (सं. पु.) बुरा चलन, अन्याय, अधर्म, पाप. (गु.) दुष्ट.
दुराचारी (सं. गु.) अन्यायी, दुष्ट, पापी.
दुरात्मा (सं. गु.) दुष्ट, पापी, अधर्मी.
दुराधर्ष (सं. गु.) जो दुःखसे जीता जाय, जो शत्रुसे नहीं दबे.
दुराना (हि. क्रि. स.) छिपाना, लुकाना.
दुरालाप (सं. पु.) गाली, दुर्वचन.
दुराव (हि. पु.) छिपाव, लुकाव.

दुराशा (सं. स्त्री.) बुरी आशा, नीच आशा.
दुरित (सं. पु.) पाप, अधर्म.
दुरुक्त (सं. पु.) शाप, बददुआ.
दुरुक्ति (सं. स्त्री.) दुबारा कहना, बार २ कहना, भ्रष्ट रीतिसे कहना.
दुरोदर (सं. पु.) जुआरी, कपटी, धूर्त.
दुर्ग (सं. पु.) किला, कोट, एक राक्षसका नाम. (गु.) कठिन, अगम्य.
दुर्गत (सं. गु.) दुखी, कंगाल, दरिद्र.
दुर्गति (सं. स्त्री.) बुरी दशा, अधमता, दुर्दशा, गरीबी.
दुर्गन्ध (सं. स्त्री.) बुरी महक, बदबू.
दुर्गम (सं. गु.) कठिन, बिकट, अगम्य.
दुर्गा (सं. स्त्री.) देवी, भवानी, काली, भगवती, दुर्गापाठ, दुर्गामहात्म्य=जिसमें दुर्गाकी महिमा लिखी है.
दुर्घट (सं. गु.) कठिन, बिकट, अगम्य.
दुर्जन (सं. पु.) दुष्ट मनुष्य. (गु.) बुरा, नीच.
दुर्जय (सं. गु.) जो कठिनतासे जीता जाय.
दुर्दशा (सं. स्त्री.) बुरी हालत, आपदा.
दुर्दिन (सं. पु.) बुरा दिन, ऐसा दिन जिसमें बादल घिरे हुये हों और अँधेरा हो जाय.
दुर्नीति (सं. स्त्री.) बुरा न्याय.
दुर्बल (सं. गु.) निर्बल, दुबला, बलहीन, कमजोर, असमर्थ.
दुर्बुद्धि (सं. गु.) मूर्ख, अनाडी, नासमझ.
दुर्भगा (सं. स्त्री.) वह स्त्री जिसको उसका पति नहीं चाहता हो.
दुर्भाग्य (सं. गु.) अभागा, भाग्यहीन.
दुर्भिक्ष (सं. पु.) अकाल, कुसमय.
दुर्मति (सं. गु.) मूर्ख, अज्ञान, मंदबुद्धि.
दुर्मद (सं. गु.) जिसको बहुत अथवा बुरा घमंड हो. (पु.) एक राक्षसका नाम.
दुर्मुख (सं. गु.) जिसका मुँह बुरा हो. (पु.) एक बन्दरका नाम, एक राक्षसका नाम.
दुर्योधन (सं. पु.) धृतराष्ट्रका बडा बेटा और कौरवोंका मुखिया जिसने अपने चचेरे भाई युधिष्ठिर आदि पांडवोंसे लडाई की थी वह लडाई महाभारत कहलाती है.
दुर्लभ (सं. गु.) जो दुःखसे मिले, अलभ्य, अनोखा.
दुर्वचन (सं. पु.) गाली, बुरी बात, बुरा वचन, दुर्वाद.
दुर्वाद (सं. पु.) गाली, बुरा वचन.
दुर्वासना (सं. स्त्री.) बुरी इच्छा.
दुर्वासा (सं. पु.) एक ऋषिका नाम, मैला कपडा.
दुर्विपाक (सं. पु.) बुरा फल, अभाग्य.
दुर्बोध्य (सं. पु.) कठिनतासे जानने योग्य.
दुलकी (हि. स्त्री.) घोडेकी एक चाल.
दुलडा (हि. पु.) दो लडकी माला.
दुलत्ती (हि. स्त्री.) पिछले दो पैरोंसे लात मारना.
दुलहन } दुलहिन } (हि. स्त्री.) बनी, बनरी, लाडी.
दुलहा } दूल्हा } (हि. पु.) बर, बनरा, बना.
दुलाई (हि. स्त्री.) रजाई, दुलैया.
दुलार (हि. पु.) प्यार, प्रीति, प्रेम.
दुवार (हि. पु.) (सं. द्वार) दरवाजा.
दुशाला (हि. पु.) शालका जोडा.
दुश्चरित (सं. पु.) दुराचार, बदचलन.
दुष्कर (सं. पु.) कठिन, असाध्य, मुश्किल.

दुष्कर्म (सं. पु.) बुरा काम, पाप.
दुष्कर्मी (सं. पु.) कुकर्मी, पापी.
दुष्ट (सं. गु.) बुरा, दुर्जन, नीच.
दुष्णाम (सं. पु.) गाली, बुरा नाम.
दुष्टता (सं. स्त्री.) बुराई, खोटाई.
दुष्प्राप्य (सं. गु.) दुर्लभ, कठिनतासे पाने योग्य.
दुसह (हि. गु.) दुःसह शब्दको देखो.
दुस्तर (सं. गु.) कठिन, जिसका पार होना कठिन हो.
दुहना (हि. क्रि. स.) दोहना, गायके थनोंसे दूध निकालना.
दुहराना (हि. क्रि. स.) दोहराकर कहना, बारबार कहना.
दुहाई (हि. स्त्री.) न्यायके लिये पुकारना, शपथ, सौगंद.
दुहिता (सं. स्त्री.) बेटी, लडकी, पुत्री.
दुहूँ (हि. गु.) दो, दोनों.
दूज (हि. स्त्री.) (सं. द्वितीया) दूसरी तिथि.
दूजवर (हि. पु.) वह मनुष्य जो दूसरा व्याह करता है.
दूजा (हि. गु.) दूसरा, और.
दूत (सं. पु.) समाचार ले जानेवाला, हरकारा, एलची.
दूतिका, दूती (सं. स्त्री.) समाचार पहुँचानेवाली, कुटनी, नायका.
दूध (हि. पु.) पय, क्षीर, किसी जडी अथवा पौधेका रस.
दूधाभाती (हि. स्त्री.) व्याहमें एक रीति होती है जिसमें दुल्हा और दुल्हन एक साथ बैठकर खीर खाते हैं.
दूना (हि. गु.) (सं. द्विगुण) द्विगुना, दोहरा.
दूब (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी घास.
दूबर (हि. गु.) दुबला, कमजोर.
दूर (सं. स्त्री.) बीच, दूरी. (गु.) परे, अनन्तर, अलग, न्यारा, बीच.
दूर भागना (हि. मुहा.) छोडना, अलग रहना.
दूर करना (हि. मुहा.) हटाना, निकाल देना.
दूर होना (हि. मुहा.) हटना, अलग होना.
दूर हो (हि. मुहा.) चला जा, निकल भाग.
दूरदर्शिता (सं. पु.) दूरसे देखना, विवेकता, दूरदेशी.
दूरदर्शी (सं. पु.) दूरसे देखनेवाला, अग्रशोची, पंडित, विवेकी, गीध.
दूषक (सं. पु.) निंदक.
दूषण (सं. पु.) निंदा, दोष, अपराध, एक राक्षसका नाम.
दूषनीय (सं. पु.) निन्दायोग्य, दुष्ट, बदनाम.
दूषित (सं. पु.) निंदित, बुरा, खराब.
दूष्य (सं. पु.) अयोग्य, दूषणयोग्य.
दूसर, दूसरा (हि. गु.) (सं. द्वितीय) दूजा, और.
दृक् (हि. पु.) आंख, चक्षु.
दृढ (सं. गु.) कठोर, मजबूत, अचल.
दृढता (सं. स्त्री.) मजबूती, कठिनता.
दृढाना (हि. क्रि. स.) पक्का करना, मजबूत करना.
दृश्य (सं. पु.) देखने योग्य, दर्शनीय, सुन्दर, मनोहर.
दृश्यमान (सं. पु.) देखने योग्य, दर्शनीय.
दृष्ट (सं. पु.) देखा हुआ, प्रगट.
दृष्टकूट (सं.) पहेली, कठोर, कडा.
दृष्टान्त (सं. पु.) उदाहरण, उपमा.

दृष्टि (सं. स्त्री.) देखना, दर्शन, नजर.
दृष्टिपात (सं. पु.) दर्शन, कटाक्ष.
दृष्टिशशि (सं. पु.) महादेव, शिव.
देखना (हि. क्रि. स.) लखना, ताकना, निहारना.
देखादेखी (हि. मुहा.) बराबरी, आपसमें देखना.
देदीप्यमान (सं. पु.) चमकीला, जाज्वल्यमान.
देनलेन (हि. पु.) व्यवहार, साहूकारी.
देना (हि. क्रि. स.) दे डालना, सौंपना, त्यागना.
दे मारना (हि. मुहा.) पटक देना, पछाड डालना.
देय (सं. पु.) देने योग्य.
देव (सं. पु.) देवता, परमेश्वर, राजा, देवर, ब्राह्मणोंका उपनाम, बादल. (गु.) पूजने योग्य.
देवक (सं. पु.) श्रीकृष्णजीके नाना और देवकीके पिता.
देवकार्य (सं. पु.) पूजा होम आदि.
देवकी (सं. स्त्री.) देवकराजाकी कन्या, वसुदेवजीकी स्त्री और श्रीकृष्णजीकी माता.
देवकीनन्दन (सं. पु.) श्रीकृष्णजी.
देवगुरु (सं. पु.) देवताओंका गुरु बृहस्पति.
देवठान (हि. पु.) (सं. देवोत्थान) कातिक सुदि ११ जिस दिन विष्णु चार महीनेकी नींदसे जागते हैं.
देवता (सं. पु.) देव, अमर.
देवदारु (सं. पु.) एक वृक्षका नाम.
देवदेव (सं. पु.) देवताओंका देवता, महादेव.
देवनागरी (सं. स्त्री.) देवताओंके नगरके अक्षर अथवा देवताओंके नगरकी भाषा, शास्त्री अक्षर, शुद्ध हिन्दी अक्षर, हिन्दीभाषा.
देवर (सं. पु.) पतिका छोटा भाई.
देवल (हि. पु.) मन्दिर, ठाकुरद्वारा, देहरा.
देवलोक (सं. पु.) देवताओंके रहनेका स्थान, स्वर्ग.
देववाणी (सं. स्त्री.) देवताओंकी बोली, संस्कृतभाषा.
देवस्थान (सं. पु.) मन्दिर, देवालय.
देवा (हि. पु.) देवता, देनेवाला.
देवालय (सं. पु.) मन्दिर, देवस्थान.
देवतरंगिणी (सं. स्त्री.) आकाशगंगा.
देवधुनि (सं. स्त्री.) गंगा.
देवी (सं. स्त्री.) भवानी, दुर्गा, देवताकी स्त्री, रानी.
देवोत्थान (सं. पु.) कातिक सुदि ११ जिस दिन विष्णु चार महीनेकी नींदसे जागते हैं.
देश (सं. पु.) मुल्क, पृथ्वीका खंड, मंडल.
देश निकाला (हि. पु.) अपने देशसे निकालना.
देशभाषा (सं. स्त्री.) देशकी बोली.
देशस्थ (सं. पु.) मुल्कमें ठहरा हुआ.
देशाचार (सं. पु.) देशकी रीतभाँत.
देशाटन (सं. पु.) देशमें फिरना.
देशाधिपति (सं. पु.) देशका राजा.
देशाधीश (सं. पु.) देशका मालिक.
देशान्तर (सं. पु.) दूसरा देश, विदेश.
देशहितैषी (सं. पु.) देशकी भलाईकी इच्छा रखनेवाला.
देशी (हि. गु.) (सं. देशीय) देशकी.
देशोन्नति (सं. स्त्री.) देशकी बढती.
देह (सं. स्त्री.) शरीर, तन.
देहत्याग (सं. पु.) मरण, मौत.

देहरा (हि. पु.) देवताका मन्दिर.
देहली (सं. स्त्री.) दोनों किवाडोंके बीचका काठ, फाटक, देवडी.
देही (सं. पु.) प्राणी, जीवधारी.
देही (हि. स्त्री.) देह, शरीर, तन.
दैत्य (सं. पु.) राक्षस, असुर.
दैत्यगुरु (सं. पु.) राक्षसोंका गुरु शुक्राचार्य.
दैत्यारि (सं. पु.) विष्णु.
दैवज्ञ (सं. पु.) ज्योतिषी, नजूमी.
दैन्य (सं. पु.) दीनता, गरीबी, लाचारी.
दैनिक (सं. पु.) रोजाना, रोजरोज.
दैव (सं. पु.) ईश्वर, भाग, प्रारब्ध.
दैवात् } (सं. क्रि. वि.) संयोगसे, अचानक, अकस्मात्.
दैवी }
दैवानुरागी (सं. पु.) ईश्वरका प्रेमी.
दैहिक (सं. गु.) शरीरकी, देहकी.
दैहौं (हि. क्रि. स.) दूंगा.
दो (हि. गु.) दूसरी संख्या, एक और एक दो.
दोऊ (हि. गु.) दोनों.
दोजीवा (हि. स्त्री.) गर्भवती.
दोना } (हि. पु.) पत्तोंका बना हुआ बर्तन जिसमें मिठाई आदि लेकर खाते हैं.
दौना }
दोनाली (हि. स्त्री.) दो नलकी बन्दूक.
दोवे } (हि. पु.) ब्राह्मणोंकी एक उपाधि.
दूबे }
दोला (सं. पु.) हिंडोला, झूलना.
दोलन (सं. पु.) झूलना, पैंगना.
दोलिका (सं. स्त्री.) झूला, हिंडोला.
दोष (सं. पु.) भूल, चूक, अवगुण.
दोषा (सं. स्त्री.) रात्रि, रात.
दोषना (हि. क्रि. स.) कलंक लगाना, दाग लगाना.

दोषारोपण (सं. पु.) दोष लगाना, कलंक लगाना.
दोषी (सं. गु.) पापी, अपराधी.
दोसाद } (हि. पु.) नीच जाति जिसका धंधा सूअर पालनका है.
दुसाध }
दोहता (हि. पु.) बेटीका बेटा, नाती.
दोहना (हि. क्रि. स.) दुहना.
दोहनी (सं. स्त्री.) दूध दोहनेका बर्तन.
दोहर (हि. गु.) दोहरा कपडा, मियान.
दोहरा (हि. गु.) दूना. (पु.) दोहा.
दोहा (हि. पु.) एक प्रकारके छन्दका नाम.
दौंगडा (हि. पु.) भारी वर्षा.
दौडधूप (हि. स्त्री.) परिश्रम, मिहनत.
दौडना (हि. क्रि. अ.) भागना, जल्दीसे चलना.
दौडाहा (हि. गु.) दौडनेवाला, हलकारा, अगुवा, दूत.
दौरी (हि. स्त्री.) टोकरी, चंगेरी.
द्युति (सं. स्त्री.) चमक, प्रकाश, सुंदरता.
द्युतित (सं. पु.) प्रकाशवान्.
द्युपत (सं. पु.) स्वर्गनिवासी.
द्यूत (सं. पु.) पाशा, जुआ.
द्यूतकार (सं. पु.) जुआरी.
द्यो (सं. पु.) स्वर्ग, देवलोक.
द्योत (सं. पु.) प्रकाश, दीप्ति.
द्योतक (सं. पु.) प्रकाश करनेवाला.
द्योतन (सं. पु.) जाहिर करना.
द्योरानी } (हि. स्त्री.) देवरकी स्त्री.
देवरानी }
द्रव (सं. पु.) रस, अर्क, वेग. (गु.) पिघला हुआ.
द्रवना (हि. क्रि. अ.) पिघलना.
द्रविण (सं. पु.) धन, रुपया, पैसा.

द्रव्य (सं. पु.) धन, दौलत, सारवस्तु, पदार्थ.
द्रष्टव्य (सं. पु.) देखने योग्य.
द्रष्टा (सं. पु.) देखनेवाला, दर्शक.
द्राक्षा (सं. स्त्री.) दाख, अंगूर.
द्राघण (सं. पु.) मेहनत, श्रम.
द्राघित (सं. पु.) थकित, श्रमित.
द्राव (सं. पु.) बहाव, चाल, अर्क, शंखद्राव.
द्रुत (सं. गु.) जल्द, शीघ्र, झटपट.
द्रुम (सं. पु.) वृक्ष, पेड, रुख, तरु.
द्रुमारि (सं. पु.) हस्ती, कुल्हाडा, तेज हवा.
द्रुमेश्वर (सं. पु.) चन्द्रमा, तालवृक्ष.
द्रोण (सं. पु.) द्रोणाचार्य जिसने कौरवों और पांडवोंको धनुर्विद्या सिखलाई थी, काला कौआ.
द्रोह (सं. पु.) वैर, डाह, विरोध.
द्रौपदी (सं. स्त्री.) पंचालदेशके राजा द्रुपदकी बेटी.
द्वन्द्व (सं. पु.) जोडा, युगल, कलह, झगडा, व्याकरणमें एक समासका नाम, रागद्वेष.
द्वादश (सं. गु.) बारह, बारहवां.
द्वादशी (सं. स्त्री.) बारहवीं तिथि.
द्वापर (सं. पु.) तीसरा युग, जो ८६४००० बरसका था.
द्वार (सं. पु.) दरवाजा, किवाड, राह.
द्वारका (सं. स्त्री.) एक पुरीका नाम जिसे श्रीकृष्णजीने समुद्रके तीरपर बसाई थी.
द्वारपाल (सं. पु.) देवढीवान, पौरिया.
द्वारा (सं. क्रि. वि.) कारण, से, हेतु, सहायता.
द्विगुण (सं. गु.) दूना, दुगुन.
द्विज (सं. गु.) (द्वि दो बार, जन= पैदा होना) दो बार जन्मा हुआ. (पु.) ब्राह्मण, क्षत्री और वैश्य इन तीन वर्णके मनुष्योंको द्विज कहते हैं क्योंकि ये एक बार अपनी माके गर्भसे पैदा होते हैं और दूसरी बार यज्ञोपवीतादि संस्कारसे.
द्विजराज (सं. पु.) चन्द्रमा, गरुड, विप्र.
द्वितीय (सं. गु.) दूसरा, दूजा.
द्विधा (सं. क्रि. वि.) दो प्रकारसे, दो तरहसे.
द्विप (सं. पु.) हाथी, वृक्ष, नागकेशर.
द्विपद (सं. पु.) मनुष्य, राक्षस, देवता.
द्विपायिन् (सं. पु.) हस्ती, गज.
द्विविद (सं. पु.) एक वानरका नाम.
द्वीप (सं. पु.) धरतीका वह बडा टुकडा जिसके चारों ओर पानी हो.
द्वीपिन् (सं. पु.) व्याघ्रभेद, चीता.
द्विरेफ (सं. पु.) भ्रमर, भौंरा.
द्वेष (सं. पु.) द्रोह, वैर, ईर्षा.
द्वेषक (सं. पु.) द्रोही, दुश्मन.
द्वेषी (सं. पु.) विरोधी, वैरी.
द्वेष्टा (सं. पु.) वैरी, दुश्मन.
द्वै (हि. गु.) दो.
द्वैधीभाव (सं. पु.) तोडफोड, लडाई, झगडा.
द्वैपायिन (सं. पु.) व्यासजी.
द्वैमातुर (सं. पु.) गणेश, जरासन्ध, जो दो माताओंसे उत्पन्न हो.

ध.

ध (सं. पु.) धर्म, कुबेर, ब्रह्मा, धन.
धंधक (हि. पु.) काम करनेवाला.
धंधा (हि. पु.) काम, पेशा, उद्यम.
धंधारी (हि.) शिथिल, उदासी.
धँसना (हि. क्रि. अ.) पैठ, जाना, घुसना.

धकधकी (हि. स्त्री.) कँपकपी, धड़धड़ाहट.

धकेलना (हि. क्रि. स.) रेलना, ठेलना.

धक्का (हि. पु.) ठेल, झोंक, टक्कर, रेल.

धक्का देना (हि. मुहा.) ठेलना, पेलना.

धक्कमधक्का (हि. मुहा.) ठेलठेली, कशमकश.

धज (हि. स्त्री.) रूप, डौल, दशा.

धजा (हि. स्त्री.) पताका, झंडा.

धजीला (हि. गु.) सुडौल, सुन्दर.

धज्जी (हि. स्त्री.) कपड़े अथवा कागजका टुकड़ा.

धज्जियां उड़ाना (हि. मुहा.) बदनाम करना.

धज्जियां करना (हि. मुहा.) टुकड़े टुकड़े करना.

धड़ } (हि. स्त्री.) बिन शिरकी देह,
धर } रुंड, शरीर, काया.

धड़क (हि. स्त्री.) धड़धड़ाहट, धुकधुकी, फड़क, डर, भय.

धड़कना (हि. क्रि. अ.) काँपना, थरथराना, फड़कना.

धड़का (हि. पु.) संदेह, डर, दुवधा, कपकपी, कड़क, गर्ज.

धड़काना (हि. क्रि. स.) डराना, दहलाना.

धड़ा (हि. पु.) जत्था, समूह, तरफ, ओर.

धड़ी (हि. स्त्री.) पांच सेरकी तौल.

धत (हि. स्त्री.) हाथी चलानेका शब्द, दुदकारना.

धतूरा (हि. पु.) एक प्रकारका पौधा, कनक.

धतूरिया (हि. गु.) छली, बहुरूपिया.

धधकना (हि. क्रि. अ.) भभकना, जलना.

धधच्छर } (हि. पु.) (सं. दग्धाक्षर)
दधच्छर } कवितामें वे अक्षर जिनको कविलोग अशुभ गिनते हैं. जैसे ह, ग, न कविताके शुरूमें; र, ज, स, बीचमें और क, ट, श अक्षर कवित्तके अन्तमें अशुभ गिने जाते हैं.

धन (सं. पु.) दौलत, लक्ष्मी, द्रव्य, संपत्ति, गणितमें जोड़का चिह्न +.

धनक (हि. पु.) जड़ाव, कारचोबी.

धनञ्जय (सं. पु.) अर्जुनका नाम, आग, एक वृक्षका नाम.

धनतृष्णा (हि. स्त्री.) धनका लालच.

धनत्तर (हि. गु.) धनवान्, शेठ.

धनद (सं. पु.) कुबेर, धनपति. (गु.) उदार, धन देनेवाला.

धनपति (सं. पु.) कुबेर, धनका देवता.

धनवन्त } (सं. गु.) धनी, मालदार,
धनवान् } धनाढ्य.

धनहीन (सं. गु.) कंगाल, गरीब, दरिद्र.

धनाढ्य (सं. गु.) धनी, मालदार.

धनाधिप (सं. पु.) कुबेर.

धनाध्यक्ष (सं. पु.) कुबेर, भंडारी, खजांची.

धनान्ध (सं. गु.) धनके मदसे अंधा, धनगर्वित.

धनार्थी (सं. स्त्री.) लोभी, कृपण.

धनाशा (सं. गु.) धनकी चाह.

धनासरी (हि. स्त्री.) एक रागिनीका नाम, एक छन्दका नाम.

धनिक (सं. गु.) धनी, धनवान्. (पु.) महाजन, उधार देनेवाला.

धनियां (हि. पु.) एक मसाला.

धनिष्ठा (सं. स्त्री.) एक नक्षत्रका नाम.

धनी (सं. गु.) मालदार. (पु.) मालिक, स्वामी, अधिकारी.

धनु } (हि. पु.) (सं. धनुष) कमान,
धनुक } चाप.
धनुकधारी (हि. पु.) (सं. धनुर्धारी) तीरंदाज, कमनैत.
धनुस् } (सं. पु.) धनुक, कमान, चाप,
धनुष } ज्योतिषमें नवीं राशि.
धनुर्धर (सं. पु.) कमान चढानेवाला, तीरंदाज.
धनुटंकार (हि. पु.) कमानके चिल्लेका शब्द, रोदाकी आवाज.
धनुषविद्या (सं. स्त्री.) तीर चलानेकी विद्या, बाण चलाना.
धनेश }
धनेश्वर } (सं. पु.) कुबेर, धनाधिप.
धन्नाशेठ } (हि. गु.) बहुत धनवान्,
धनाशेठ } धनका घमंड.
धन्य (सं. गु.) सराहने योग्य, भाग्यवान्, श्रीमान्. (वि. बो.) शाबास, वाहवाह.
धन्यवाद (सं. पु.) सराह, स्तुति, शुकर गुजारी.
धन्वन्तरि (सं. पु.) समुद्र मथनेके समय उसमेंसे प्रगट तथा देवताओंका जो वैद्य हुआ, एक पण्डितका नाम जो विक्रमादित्यकी सभामें था.
धन्वी (सं.) तीरंदाज, धनुर्धारी, कमनैत.
धब्बा (हि. पु.) कपडेपर दाग.
धमक (हि. स्त्री.) पांवकी आहट.
धमका (हि. पु.) भारी चीजके गिरनेका शब्द.
धमकाना (हि. क्रि. स.) डांटना, घुडकना.
धमकाहट } (हि. स्त्री.) झिडकी, घुर-
धमकी } की, डांट.
धमनी (सं. स्त्री.) नाडी, नाडिका, नब्ज.
धमाका (हि. पु.) एक तरहकी तोप जो हाथीपर ले जाई जाती है.
धमाल } (हि. स्त्री.) ताल, एक तरहकी
धमारि } गीत जो होलीमें गाई जाती है.
धरण (सं. स्त्री.) कडी, नाभी, अथवा नाभीमेंकी नस.
धरणि } (सं. स्त्री.) धरती, पृथ्वी,
धरणी } जमीन.
धरणिधर } (सं. पु.) शेषजी, अनन्त,
धरणीधर } विष्णुका नाम, पहाड, कछुआ.
धरणीसुता (सं. स्त्री.) सीताजी, जानकीजी.
धरती (हि. स्त्री.) पृथ्वी, धरणी, भूमि.
धरना (हि. क्रि. स.) रखना, सौंपना, पकडना, गहना.
धरना देना } (हि. मुहा.) जब कोई
धरना बैठना } मनुष्य किसीसे अपने बाकी रुपये मांगता हो और वह नहीं दे तब रुपये मांगनेवाला उसके दरवाजे जा बैठता है और विना रुपया लिये नहीं उठता इसीको धरना देना कहते हैं.
धरषना (हि. क्रि. स.) (सं. धर्षण) दबाना, क्रोध करना.
धरा (सं. स्त्री.) धरती, पृथ्वी, जमीन.
धरातल (सं. स्त्री.) पृथ्वीका तल, भूतल.
धराधर (सं. पु.) वराहरूप विष्णु, पहाड, शेषनाग.
धरित्री (सं. स्त्री) धरती, पृथ्वी, जमीन.
धरोहर (हि. स्त्री.) थाती, अमानत, गिरो.
धर्ता (सं. पु.) ऋणी, कर्जदार.
धर्म (सं. पु.) पुण्य, पवित्र काम, न्याय, नेकी, मजहब, कानून, कर्तव्य, कर्म, यमराज.
धर्मक्षेत्र (सं. पु.) पवित्र जगह, कुरुक्षेत्र.
धर्मज्ञ (सं. पु.) धर्मात्मा, धर्मज्ञानी.
धर्मधुरन्धर (सं. गु.) धर्मके काममें प्रधान, धर्मात्मा.

धर्मध्वजी (सं. गु.) पाखंडी, कपटरूप जो जीविकाके लिये जटा आदि बढा लेता है.

धर्मपत्नी (सं. स्त्री.) पहली स्त्री जो एकही जातिकी हो और धर्मकी रीतिपर व्याही जाय.

धर्मपुत्र (सं. पु.) युधिष्ठिर.

धर्ममूर्ति (सं. पु.) धर्मका स्वरूप, धर्मात्मा.

धर्मराज (सं. पु.) यमराज, युधिष्ठिरका नाम, न्यायी राजा.

धर्मशाला (सं. स्त्री.) वह मकान जहां गरीबोंको खैरात बांटी जावे.

धर्मशास्त्र (सं. पु.) व्यवस्थाशास्त्र, कानूनकी किताब जैसे मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति आदि.

धर्मशील (सं. गु.) साधु, पुण्यवान, धर्मात्मा, नेक.

धर्मशीलता (सं. पु.) साधुत्व, नेकी, धर्मकी प्रकृति.

धर्मात्मा (सं. पु.) पवित्र मनुष्य, साधु, नेक.

धर्माधिकरण (सं. पु.) जज.

धर्माध्यक्ष (सं. पु.) न्यायी, न्याय करनेवाला, जज.

धर्मनिष्ठ } (सं. पु.) धर्ममें ठहरा हुआ,
धर्मरत } धर्ममें तत्पर.

धर्मावतार (सं. पु.) धर्मका अवतार, धर्मस्वरूप, धर्ममूरत.

धर्मिष्ठ } (सं. गु.) न्यायी, साधु, नेक,
धर्मी } धर्मात्मा.

धव (सं. पु.) पति, स्वामी, भर्ता, एक वृक्षका नाम.

धर्ष (सं. पु.) प्रगल्भ, धृष्ट.

धर्षक (सं. पु.) साहसी, दिलेर.

धर्षण (सं. पु.) साहस करना, दिलेरी करना.

धवल (सं. गु.) धौला, श्वेत, सफेद, सुन्दर. (पु.) शुक्लवर्ण, धौला रंग, एक वृक्षका नाम.

धसकना (हि. क्रि. अ.) गडना, धस जाना, गिरना, पडना.

धसना (हि. क्रि. अ.) चुभना, छिदना, धस जाना.

धसान } (हि. पु.) दलदल, पांका.
धसाव }

धांगर (हि. पु.) किसान, कुली.

धांधल (हि. स्त्री.) नटखटी, बेईमानी.

धांसना (हि. क्रि. अ.) खांसना, खौंखना.

धांसी (हि. स्त्री.) खांसी, खौंखी.

धाई } (हि. स्त्री) (सं. धात्री) लडकेको दूध पिलानेवाली, दाई.
धाय }

धाक (हि. स्त्री.) डर, भय, धमकी, ठाट, धूमधाम, नाम, यश.

धागा (हि. पु.) डोरा, तागा, सूत.

धाता (सं. पु.) ब्रह्मा, विष्णु, पालनेवाला.

धातु (सं. स्त्री.) मनुष्यके शरीरका सार, अंश, बीज, वीर्य, सोना, व्याकरणमें शब्दोंका मूल अर्थात् ऐसा शब्द जिससे क्रिया आदि शब्द बने.

धातुविलेपक (सं. पु.) कलई, साज.

धात्री (सं. स्त्री.) धाय, धाई, मा, आंवला.

धान (हि. पु.) (सं. धान्य) बिन कूटा चावल.

धाना } (हि. क्रि. अ.) (सं. धावन) दौडना, जल्दीसे चलना.
धावना }

धानी (हि. स्त्री.) एक प्रकारका बिन कूटा चावल, हलका हरा रंग.

धान्य (सं. पु.) सब प्रकारका अनाज, धान.

धाम (सं. पु.) घर, स्थान, गेह, मकान.

धाय मारना } (हि. मुहा.) पुकारके रोना, हाय मारके रोना.
धाय मार रोना }

धार (हि. स्त्री.) लकीर, बहाव, सोता, प्रवाह, नोक, तीक्ष्णता, बाढ, चोखाई.
धारक (सं. पु.) ऋणी, उधरहा, मकरूज.
धारण (सं. पु.) पकडना, रखना, संभालना.
धारणा } (हि. क्रि. स.) यादद्दाश्त
धारना } रखना, पकडना, पहरना.
धारा (सं. स्त्री.) बहाव, प्रभाव, सोता.
धारावाहिक (सं. पु.) कदीमं राहपर चलनेवाला.
धारासार (सं. पु.) भारी बरषा.
धारि (हि. स्त्री.) सेना, फौज.
धारी (हि. स्त्री.) लकीर, रेखा, एक पौधेका नाम. (गु.) रखनेवाला.
धार्मिक (सं. गु.) धर्मात्मा, साधु, पुण्यात्मा, पुण्यवान्.
धार्य (सं. पु.) धरने योग्य, लेने लायक.
धावक (सं. पु.) दौडाहा, दूत, कासिद.
धावन (सं. पु.) दौडना, जाना, गमन.
धावमान (सं. गु.) दौडता हुआ, भागता हुआ.
धावा (हि. पु.) दौड, चढाई, हमला.
धावा मारना (हि. मुहा.) चढाई करना, छापा मारना.
धाह (हि. स्त्री.) हाय, कूक, चिघार.
धिक् (सं. वि. बो.) छीछी, फिट, निन्दाको जतलानेवाला शब्द.
धिक्कार (सं. पु.) तिरस्कार, छीछी, लानत, श्राप.
धिक्कारना (हि. क्रि. स.) तिरस्कार करना, लअनत देना.
धिया (हि. स्त्री.) (सं. धी) बेटी, पुत्री.
धिरकार (हि. पु.) अपमान, फिटकार.
धी (सं. स्त्री.) बुद्धि, मति, बेटी, पुत्री.
धीमत (सं. गु.) बुद्धिमान, अक्लमन्द.
धीमा } (हि. गु.) ढीला, धीरा, सुस्त,
धीरा } आलसी, कोमल.
धीमेधीमे (हि. क्रि. वि.) हौले हौले, धीरे धीरे.
धीमान् (सं. गु.) बुद्धिमान्, चतुर.
धीर (सं. गु.) धीरज रखनेवाला, साहसी, संतोषी, साविर, गंभीर, पंडित, शान्त.
धीरज (हि. स्त्री.) (सं. धैर्य) साहस, संतोष, गंभीरता, दृढता.
धीवर (सं. पु.) मछुवा, मछली पकडनेवालोंकी जाति.
धुँआँ } (हि. पु.) (सं. धूम) धुवां
धुँवाँ } धूम, भाफ, मरण.
धुकुडपुकुड (हि. स्त्री.) धडक, थरथराहट, हिलावहुलाव.
धुकधुकी (हि. स्त्री.) लटकन, गलेमें पहरनेका गहना, घबराहट, सोच.
धुत (सं. पु.) डरा हुआ, भीत, कम्पित.
धुन (हि. स्त्री.) (सं. ध्यान) चाह, इच्छा, अभ्यास, लौ, तरंग.
धुन } (हि. स्त्री.) (सं. ध्वनि) आ-
धुनि } वाज, शब्द, स्वर, नाद.
धुनिया (हि. पु.) रूई तूमनेवाला, नद्दाफ.
धुन्ना } (हि. क्रि. स.) (सं. धुनना)
धुनना } तूमना, रूईको सुधारना, हिलाना, कँपाना, सिर धुनना. (मुहा.) दुःखसे सिर हिलाना वा पीटना.
धुर (सं. पु.) बोझा, भार, जूवा, अन्त.
धुर (हि. पु.) आरम्भ, अवधि, अन्त.
धुरन्धर (सं.) बोझ उठानेवाला, संतोषके साथ काम पूरा करनेवाला, मुखिया, प्रधान.
धुरपद (हि. पु.) एक प्रकारकी गीत.
धुरा (सं. स्त्री.) चिन्ता, रथकी धुरी.

धुरी (हि. स्त्री.) गाडीके पहियेका लोहे वा काठका डंडा.
धुरीण (सं. पु.) धुरन्धर, बोझ उठानेवाला, प्रधान, बैल, रथ.
धुर्य (सं. पु.) बोझ उठानेवाला, प्रधान.
धुलाई (हि. स्त्री.) कपडे धोनेकी मजदूरी.
धुलाना (हि. क्रि. स.) धुवाना, कपडा साफ कराना.
धुलेंडी } धुलेंडी (हि. स्त्री.) होलीका दूसरा दिन जिसमें धूल उडाते हैं.
धुस्सा (हि. पु.) लोई, एक प्रकारका ऊनी कपडा.
धूँवा } धूआँ (हि. पु.) (सं. धूम) धुआँ, भाफ, धूम, धूम्र.
धूवाँधार (हि. पु.) बहुत धुवाँ. (गु.) धुआँसा, हराया, सुन्दर, शोभित.
धूवाँरा (हि. पु.) धुयेंके निकलनेका मोखा अथवा राह.
धूनी (हि. स्त्री.) (सं. धूम) धूवाँ, आग जिसे साधूलोग तपस्या करनेके लिये जलाते हैं.
धूनी देना (हि. मुहा.) धरना देना, वार २ माँगना, आग सुलगाना.
धूप (सं. पु.) गुगल और लोबान आदि सुगन्धित वस्तु, जिसको पूजाके समय देवताके आगे आगपर रखते हैं.
धूप (हि. स्त्री.) घाम, तापिश.
धूम (हि. स्त्री.) रौला, बखेडा, हलचल.
धूम (सं. पु.) धुआँ, भाफ.
धूमकेतु (सं. पु.) पूँछलतारा, आग, एक राक्षसका नाम.
धूमधाम (हि. स्त्री.) भडक, शोभा, भीडभाड.
धूमयन्त्र (सं.) रेलका इंजिन.
धूमरा } धूमला } धूमा (हि. गु.) (सं. धूम्र वा धूम्रल) धूयेंसा रंग, लाल और काला मिला हुआ.
धूर } धूल (हि. स्त्री.) (सं. धूलि.) खाक, रेत, रज, रेणु.
धूर (हि. स्त्री.) विश्वेका वीसवाँ हिस्सा, बिस्वाँसी.
धूर्जटि (सं. पुं.) शिवका नाम, जटाधारी.
धूर्त्त (सं. पु.) नटखट, छली, कपटी.
धूर्त्तता (सं. स्त्री.) नटखटी, फरेब, कपट.
धूलि } धूली (सं. स्त्री.) धूर, धूल, रज, रेणु.
धूसर (सं. गु.) कबरा, भूरा, खाकी.
धृत (सं. पु.) धारण किया हुआ.
धृतराष्ट्र (सं. पु.) दुर्योधनका बाप और पांडवोंका चचा.
धृति (सं. स्त्री.) धीरज, सन्तोष.
धृतिमान (सं. गु.) बुद्धिमान, अकलमन्द.
धृतिसंख्य (सं. गु.) अठारह, १८.
धृष्ट (सं. पु.) ढीठ, साहसी, मचला.
धृष्टता (सं. स्त्री.) ढिठाई, शोखी.
धृष्णु (सं. पु.) ढीठ, साहसी, शोख.
धेनु (सं. स्त्री.) गाय, दूध देनेवाली गाय.
धेनुक (सं. पु.) एक राक्षसका नाम.
धेनुमती (सं. स्त्री.) गोदावरीनदी.
धेला (हि. पु.) आधा पैसा.
धैर्य (सं. स्त्री.) धीरज, हिम्मत.
धोकड (हि. गु.) महाबली, पराक्रमी.
धोखा (हि. पु.) छल, कपट, दगा.
धोखा खाना (हि. मुहा.) ठगा जाना, भुलावेमें आना.
धोखा देना (हि. मुहा.) ठगना, भुलावा देना, दगा देना.

धोती (हि. स्त्री.) एक कपडेका नाम.
धोना (हि. क्रि. स.) साफ करना.
धोप (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी तलवार.
धोबी (हि. पु.) कपडे धोनेवाला.
धौ (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी लकडी.
धौं (हि. अव्य.) न जानें, कि, याने.
धौंकना (हि. क्रि. स.) फूँकना.
धौंकनी (हि. स्त्री.) आग फूँकनेकी चमडेकी भाथी.
धौताल (हि. गु.) धनवान्, शूरमा, वीर, दुष्ट, दुर्जन.
धौंन (हि. पु.) बीस सेर, आधा मन.
धौंसा (हि. पु.) बडा नगारा.
धौत (सं. पु.) धोया हुआ, प्रक्षालित.
धौरा, धौला (हि. गु.) (सं. धवल) श्वेत, शुक्ल, सफेद.
धौल (हि. स्त्री.) थप्पड, थाप.
धौल जडना, धौल मारना, धौल लगाना (हि. मुहा.) मुक्का मारना, थप्पड मारना.
धौलधप्पा (हि. मुहा.) मारकूट, चोटचपेट.
धौलागिरि (हि. पु.) हिमालयपहाडकी एक चोटी.
ध्यात (सं. पु) चिन्तित, विचारित.
ध्यातव्य (सं. पु.) यादके लायक.
ध्याता (सं. पु.) चिन्तक, शोचक.
ध्यान (सं. पु.) सोच, विचार, चिन्ता, परमेश्वरमें मन लगाना.
ध्याना. (हि. क्रि. स.) ध्यान करना, लौ लगाना.
ध्यानी (सं. पु.) ध्यान करनेवाला, योगी, भक्त.
ध्यायक (सं. पु.) चिन्तक, योगी, भक्त.
ध्येय (सं. पु.) विचारनीय, ध्यानयोग्य.
ध्रुव (सं. गु.) ठहरा हुआ, पक्का, एक भक्तका नाम जो उत्तानपादराजाका बेटा था.
ध्वंस, ध्वंसन (सं. पु.) नाश, क्षय, हानि.
ध्वंसक (सं. पु.) नाशक, हानिकर्त्ता.
ध्वंसित (सं. पु.) नाशित क्षयकृत.
ध्वजा (हि. स्त्री.) पताका, झंडा.
ध्वन, ध्वनि (सं. स्त्री.) शब्द, नाद, आवाज.
ध्वनित (सं. पु.) वादित, कथित.
ध्वस्त (सं. पु.) गिरा हुआ, नीचे पडा हुआ, मात किया हुआ.
ध्वान्त (सं. पु.) अन्धकार, तम.

न.

न (सं. क्रि. वि.) नहीं, निषेध, अभाव, सूर्य, शनैश्चर, दीर्घ, मनुष्य.
न, नि (हि.) व्रजभाषामें और कवितामें बहुवचनका चिह्न जैसे " वेगि करहु किन आंखिन ओटा " " तब कपीश चरननि शिर नावा "
नंग, नंगा (हि. गु.) (सं. नग्न) उघाडा, बिन कपडे, दिगम्बर, निर्लज्ज.
नंगा झूरी (हि. मुहा.) ढूँढना, झाडाझूडी.
नंगामुंगा, नंगधडंग (हि. मुहा.) बिलकुल नंगा, दिगम्बर, नामरजाद,
नंगे सिर (हि. मुहा.) खुले सिर, उघाडे सिर.
नक (हि. पु.) (सं. नासिका) नाक, नासा.
नक घिसनी (हि. मुहा.) दण्डवत् करनेमें या आधीनीसे जमीनपर नाक रगडना.
नकचढा (हि. मुहा.) क्रोधी, चिडचिडा.
नकटा (हि. गु.) नाक कटा हुआ, बेशरम.

नकसीर (हि. स्त्री.) नाककी नस अथवा रग.
नकसीर फूटना } (हि. मुहा.) नाकसे
नकसीर चलना } लोहू बहना.
नकार (सं. पु.) (न=नहीं, कृ=करना) नहीं, निषेध, न मानना, (अरबीमें इनकार)
नकारना (हि. क्रि. स.) (सं. नकार) नहीं मानना, निषेध करना, स्वीकार नहीं करना.
नकुल (सं. गु.) (न=नहीं, कुल=वंश जिसके) निर्वंश, कुलरहित, जिसके वंश न हो. (पु.) युधिष्ठिरका भाई, पांच पांडवोंमेंका चौथा, २ नेवला जानवर, ३ महादेव.
नकेल (हि. स्त्री.) (नाक) लकडी अथवा लोहेकी बनी हुई एक चीज जो ऊंटके नाकमें डाली जाती है और उसमें डोरी डालकर ऊंटको चलाते हैं.
नक्कू (हि. गु.) अपयशी, निखट्टू, बदनाम, नाकारा, बुरा, नीच, निकम्मा.
नक्त (सं. पु.) (नज=लजाना) रात, रजनी.
नक्र (सं. पु.) (न=नहीं, क्रम्=दूर जाना) मगर.
नक्रराज (सं. पु.) (नक्र+राज) ग्राह, हांगर.
नक्षत्र (हि. पु.) (नक्ष=पहुंचना वा जाना) तारा, नक्षत्र २७ हैं जैसे १ अश्विनी, २ भरणी, ३ कृत्तिका, ४ रोहिणी, ५ मृगशिरा, ६ आर्द्रा, ७ पुनर्वसु, ८ पुष्य, ९ अश्लेषा, १० मघा, ११ पूर्वाफाल्गुनी, १२ उत्तराफाल्गुनी, १३ हस्त, १४ चित्रा, १५ स्वाती, १६ विशाखा, १७ अनुराधा, १८ ज्येष्ठा, १९ मूल, २० पूर्वाषाढा, २१ उत्तराषाढा, २२ श्रवण, २३ धनिष्ठा, २४ शतभिषा, २५ पूर्वभाद्रपदा, २६ उत्तरभाद्रपदा, २७ रेवती.
नक्षत्री (सं. गु.) (नक्षत्र, अर्थात् जो अच्छे नक्षत्रमें पैदा हुआ हो) भाग्यवान्.
नक्षत्रेश (सं. पु.) (नक्षत्र+ईश) चांद.
नख (सं. पु.) (न=नहीं, ख=खेद जिसमें अथवा, नह=बांधना) नाखून, नखर.
नखसिखसे } (हि. मुहा.) सिरसे
नखसे सिखतक } पांवतक, सबका सब, बिलकुल.
नख (हि. पु.) पतंगकी डोरी.
नखत (हि. पु.) (सं. नक्षत्र) नक्षत्र.
नखी (सं. गु.) फाडनेवाले, व जानवर जिनके नख और पंजा होता है, नखेले.
नग (हि. पु.) नगीना, अंगूठीमें जडनेका पत्थर.
नग (सं. पु.) (न=नहीं, गम=चलना) पहाड, पर्वत, वृक्ष.
नगचाना (हि. क्रि. अ.) (सं. निकट) पास आना, पहुंचना.
नगन (हि. गु.) (सं. नग्न) नंगा.
नगपति } (सं. पु.) (नग=पहाड,
नगाधिराज } पति वा अधिराज=राजा) पहाडोंका राजा, हिमालय पहाड.
नगर (सं. पु.) (नग=वृक्ष वा पहाड अर्थात् जिसमें वृक्ष वा पहाड हो) शहर, पुर, पत्तन.
नगरनारी (सं. स्त्री.) (नगर+नारी) वेश्या, पतुरिया.
नगरी (सं. स्त्री.) (नगर) पुरी, छोटा शहर.
नग्न (सं. गु.) (नज=लजाना) नंगा, उघाडा, वस्त्रहीन, बिन कपडे. (पु.)

धोती (हि. स्त्री.) एक कपडेका नाम.
धोना (हि. क्रि. स.) साफ करना.
धोप (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी तलवार.
धोवी (हि. पु.) कपडे धोनेवाला.
धौ (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी लकडी.
धौं (हि. अव्य.) न जाने, कि, याने.
धौंकना (हि. क्रि. स.) फूंकना.
धौंकनी (हि. स्त्री.) आग फूँकनेकी चमडेकी भाथी.
धौताल (हि. गु.) धनवान, शूरमा, वीर, दुष्ट, दुर्जन.
धौंन (हि. पु.) वीस सेर, आधा मन.
धौंसा (हि. पु.) वडा नगारा.
धौत (सं. पु.) धोया हुआ, प्रक्षालित.
धौरा, धौला (हि. गु.) (सं. धवल) श्वेत, शुक्ल, सफेद.
धौल (हि. स्त्री.) थप्पड, थाप.
धौल जडना, धौल मारना, धौल लगाना (हि. मुहा.) मुक्का मारना, थप्पड मारना.
धौलधप्पा (हि. मुहा.) मारकूट, चोटचपेट.
धौलागिरि (हि. पु.) हिमालयपहाडकी एक चोटी.
ध्यात (सं. पु) चिन्तित, विचारित.
ध्यातव्य (सं. पु.) यादके लायक.
ध्याता (सं. पु.) चिन्तक, शोचक.
ध्यान (सं. पु.) सोच, विचार, चिन्ता, परमेश्वरमें मन लगाना.
ध्याना. (हि. क्रि. स.) ध्यान करना, लौ लगाना.
ध्यानी (सं. पु.) ध्यान करनेवाला, योगी, भक्त.
ध्यायक (सं. पु.) चिन्तक, योगी, भक्त.
ध्येय (सं. पु.) विचारनीय, ध्यानयोग्य.
ध्रुव (सं. गु.) ठहरा हुआ, पक्का, एक भक्तका नाम जो उत्तानपादराजाका बेटा था.
ध्वंस, ध्वंसन (सं. पु.) नाश, क्षय, हानि.
ध्वंसक (सं. पु.) नाशक, हानिकर्त्ता.
ध्वंसित (सं. पु.) नाशित क्षयकृत.
ध्वजा (हि. स्त्री.) पताका, झंडा.
ध्वन, ध्वनि (सं. स्त्री.) शब्द, नाद, आवाज.
ध्वनित (सं. पु.) वादित, कथित.
ध्वस्त (सं. पु.) गिरा हुआ, नीचे पडा हुआ, मात किया हुआ.
ध्वान्त (सं. पु.) अन्धकार, तम.

न.

न (सं. क्रि. वि.) नहीं, निषेध, अभाव, सूर्य, शनैश्चर, दीर्घ, मनुष्य.
न, नि (हि.) व्रजभाषामें और कवितामें बहुवचनका चिह्न जैसे " वेगि करहु किन आंखिन ओटा " " तब कपीश चरननि शिर नावा "
नंग, नंगा (हि. गु.) (सं. नग्न) उघाडा, बिन कपडे, दिगम्बर, निर्लज्ज.
नंगा झूरी (हि. मुहा.) ढूँढना, झाडाझूडी.
नंगामुंगा, नंगधडंग (हि. मुहा.) बिलकुल नंगा, दिगम्बर, नामरजाद,
नंगे सिर (हि. मुहा.) खुले सिर, उघाडे सिर.
नक (हि. पु.) (सं. नासिका) नाक, नासा.
नक घिसनी (हि. मुहा.) दण्डवत् करनेमें या आधीनीसे जमीनपर नाक रगडना.
नकचढा (हि. मुहा.) क्रोधी, चिडचिडा.
नकटा (हि. गु.) नाक कटा हुआ, बेशरम.

नकसीर (हि. स्त्री.) नाककी नस अथवा रग.

नकसीर फूटना
नकसीर चलना } (हि. मुहा.) नाकसे लोहू बहना.

नकार (सं. पु.) (न=नहीं, कृ=करना) नहीं, निषेध, न मानना, (अरबीमें इनकार)

नकारना (हि. क्रि. स.) (सं. नकार) नहीं मानना, निषेध करना, स्वीकार नहीं करना.

नकुल (सं. गु.) (न=नहीं, कुल=वंश जिसके) निर्वंश, कुलरहित, जिसके वंश न हो. (पु.) युधिष्ठिरका भाई, पांच पांडवोंमेंका चौथा, २ नेवला जानवर, ३ महादेव.

नकेल (हि. स्त्री.) (नाक) लकडी अथवा लोहेकी बनी हुई एक चीज जो ऊंटके नाकमें डाली जाती है और उसमें डोरी डालकर ऊंटको चलाते हैं.

नक्कू (हि. गु.) अपयशी, निखट्टू, बदनाम, नाकारा, बुरा, नीच, निकम्मा.

नक्त (सं. पु.) (नज=लजाना) रात, रजनी.

नक्र (सं. पु.) (न=नहीं, क्रम=दूर जाना) मगर.

नक्रराज (सं. पु.) (नक्र+राज) ग्राह, हांगर.

नक्षत्र (हि. पु.) (नक्ष=पहुंचना वा जाना) तारा, नक्षत्र २७ हैं जैसे १ अश्विनी, २ भरणी, ३ कृत्तिका, ४ रोहिणी, ५ मृगशिरा, ६ आर्द्रा, ७ पुनर्वसु, ८ पुष्य, ९ अश्लेषा, १० मघा, ११ पूर्वाफाल्गुनी, १२ उत्तराफाल्गुनी, १३ हस्त, १४ चित्रा, १५ स्वाती, १६ विशाखा, १७ अनुराधा, १८ ज्येष्ठा, १९ मूल, २० पूर्वाषाढा, २१ उत्तराषाढा, २२ श्रवण, २३ धनिष्ठा, २४ शतभिषा, २५ पूर्वभाद्रपदा, २६ उत्तरभाद्रपदा, २७ रेवती.

नक्षत्री (सं. गु.) (नक्षत्र, अर्थात् जो अच्छे नक्षत्रमें पैदा हुआ हो) भाग्यवान्.

नक्षत्रेश (सं. पु.) (नक्षत्र+ईश) चांद.

नख (सं. पु.) (न=नहीं, ख=खेद जिसमें अथवा, नह=बांधना) नाखून, नहर.

नखसिखसे
नखसे सिखतक } (हि. मुहा.) सिरसे पांवतक, सबका सब, बिलकुल.

नख (हि. पु.) पतंगकी डोरी.

नखत (हि. पु.) (सं. नक्षत्र) नक्षत्र.

नखी (सं. गु.) फाडनेवाले, व जानवर जिनके नख और पंजा होता है, नखैले.

नग (हि. पु.) नगीना, अगूठीमें जडनेका पत्थर.

नग (सं. पु.) (न=नहीं, गम=चलना) पहाड, पर्वत, वृक्ष.

नगचाना (हि. क्रि. अ.) (सं. निकट) पास आना, पहुंचना.

नगन (हि. गु.) (सं. नग्न) नंगा.

नगपति
नगाधिराज } (सं. पु.) (नग=पहाड, पति या अधिराज=राजा) पहाडोंका राजा, हिमालय पहाड.

नगर (सं. पु.) (नग=वृक्ष वा पहाड अर्थात् जिसमें वृक्ष वा पहाड हो) शहर, पुर, पत्तन.

नगरनारी (सं. स्त्री.) (नगर+नारी) वेश्या, पतुरिया.

नगरी (सं. स्त्री.) (नगर) पुरी, छोटा शहर.

नग्न (सं. गु.) (नज=लजाना) नंगा, उघाडा, वस्त्रहीन, बिन कपडे.

नंगा साधु वा भिखारी, बौध वा जैन मतका दिगम्बर.

नचवाना } (हि. क्रि. स.) (नाचना)
नचाना } नाच कराना.

नचवैया (हि. पु.) (नाच) नाचनेवाला, नृत्यक.

नट (सं. पु.) (नट्=नाचना) नटवा, नटुआ, नटवर, स्वांगी, इंद्रजाली.

नटखट (हि. गु.) (सं. नट) कपटी, छली, पाखंडी, धूर्त, फरेबी, फरफंदी, गंठीला.

नटखटी (हि. स्त्री.) हरामजदगी, दगाबाजी, फरेब, छल, कपट, धूर्तता.

नटवर (सं. पु.) (नट+वर) बडा नट, नटवा.

नटमाया (सं. स्त्री.) (नट+माया) छलविद्या, बाजीगरी, नटका खेल, धोखा, झरफंद, प्रपंच.

नटी (सं. स्त्री.) नटिनी, नटकी स्त्री, वेश्या, नाचनेवाली, पतुरिया.

नत (सं. गु.) (नम्=झुकना, नवना) झुका हुआ, नता हुआ, नम्र, नमित.

नतरु (हि. क्रि. वि.) (सं. नान्यतर न=नहीं, अन्यतर=और प्रकार) नहीं तो.

नतांगी (सं. स्त्री.)(नत=झुक गया है स्तन और जांघ आदिके भारसे अंग शरीर जिसका) स्त्री, नारी, सुन्दरी.

नाति (सं. स्त्री.) (नम्=झुकना) नवना, झुकना नमस्कार, प्रणाम.

नातिनी (हि. स्त्री.) (सं. नप्त्री) दोहती, बेटोकी बेटी.

नतैत (हि. गु.) (नाता) नातेदार, सगा रिश्तेदार.

नथ } (हि. स्त्री.) (सं. नाथ+पति, अर्थात
नथनी } पतिके जीनेका चिह्न) नाकका गहना, नाककी बाली, एक गहना जो चौडा और गोल होता है जिसको वही स्त्री नाकमें पहनती है जिसका पति जीता हो.

नथना (हि. पु.) नाकका छेद.

नद (सं. पु.) (नद्=शब्द करना) बडी नदी जैसे ब्रह्मपुत्र, सोन और सिंधु आदि.

नदी (सं. स्त्री.) (नद्=शब्द करना) बहता हुआ पानी, जलधारा, जलका प्रवाह, जैसे गंगा जमना आदि.

नदीश (सं. पु.) (नदी+ईश) समुद्र, सागर.

नदेश (हि. पु.) (नद+ईश) समुद्र, सागर.

ननद (हि. स्त्री.) (सं. ननन्दा न=नहीं नन्द्=प्रसन्न होना अर्थात् जो बहुत कुछ देनेसेभी राजी नहीं होती है) पतिकी बहन, ननदिया, ननदी.

ननदिया } (हि. स्त्री.) (सं. ननन्दा)
ननदी } ननद, पतिकी बहन.

ननिहाल (हि. पु.) (नाना) नानाका घर.

नन्द (सं. पु.) (नन्द्=आनन्द करना, प्रसन्न होना) श्रीकृष्णका पालनेवाला बाप.

नन्दन (सं. पु.) (नन्द्=आनन्द करना, प्रसन्न होना) बेटा, पुत्र, इन्द्रका बाग. (गु.) सुखदायक, आनन्द देनेवाला.

नन्दनन्दन (सं. पु.) (नन्द+नन्दन) नन्दका बेटा, श्रीकृष्ण, नन्दलाल.

नन्दलाल (सं. पु.) (नन्द+लाल प्यारा) नन्दका बेटा, नन्दनन्दन, श्रीकृष्ण.

नन्दि (सं. पु.) (नन्द्=आनंद करना) शिवका द्वारपाल.

नन्दोई } (हि. पु.) (सं. ननान्दपति)
नन्दोसी } ननदका पति.

नन्हा } (हि. गु.) (सं. न्यून) छोटा
ननका } लघु, प्यारा, लाडला. (पु.) छोटा लडका, बेटा.

नपुंसक (सं. पु.) (न=नहीं पुंसक=पुरुष) हिंजडा, खोजा, क्लीब, नामर्द. (गु.) डरपोक, कायर, हेठा, नामर्द.

नफीरी (हि. स्त्री.) सहनाई.

नभ } (सं. पु.) (नह-बांधना) आका-
नभस् } श, गगन, आसमान, सावनका महीना.

नभग (सं. पु.) (नभ=आकाश, गम्= जाना) पखेरू, पक्षी.

नभगनाथ } (सं. पु.) (नभग=पखेरू,
नभगेश } नाथ वा ईश=राजा) गरुड.

नभचर (हि. पु.) (सं. नभश्चर, नभस= आकाश, चर=चलनेवाला, चर=चलना) पखेरू, पक्षी, विद्याधर, मेघ, हवा, पवन. (गु.) आकाशमें चलनेवाला.

नमः (सं. अव्यय.) (नम्=नमना) नम-स्कार, प्रणाम, दान.

नमस्कार (सं. पु.) (नमस्=प्रणाम, कृ=करना) प्रणाम, दण्डवत्.

नमित (सं. गु.) (नम्=झुकना) झुका हुआ.

नम्र (सं. गु.) (नम्=नमना, झुकना) झुका हुआ, अधीन, विनयी, मिलनसार.

नम्रता (सं. स्त्री.) (नम्र) आधीनता, विनय.

नय (सं. पु.) (नी=लेजाना, चलाना वा पाना) नीति.

नयन (सं. पु.) (नी=लेजाना, पहुँचाना वा पाना) आंख, नेत्र, लोचन.

नयनपट (सं. पु.) (नयन=आंख, पट= परदा) पलक.

नयना (हि. स्त्री.) (सं. नयन) आंखकी पुतली, आंखका तारा.

नयनागर (सं. गु.) (नय=नीति, नागर= चतुर) नीतिमें निपुण, नीतिमें चतुर अथवा प्रवीण, नीति जाननेवाला,

नया } (हि. गु.) (सं. नव) नवेला,
नवा } नवीन, टटका, नूतन.

नये सिरसे (हि. मुहा.) फिरसे, दूसरी बारसे.

नर (सं. पु.) (नृ=लेजाना वा चलाना) मनुष्य, पुरुष, मर्द, मनुष्यजाति, परमे-श्वर, नरावतार, अर्जुन.

नरक (सं. पु.) (नर=मनुष्य, कै=शब्द करना, जहां पापी लोग रोते हैं) पापोंके फल भुगतनेकी जगह, दोजख.

नरककुण्ड (सं. पु.) (नरक+कुण्ड) वह कुंड जिसमें पापी लोग दुःख भुगतनेके लिये डाले जाते हैं.

नरकट } (हि. पु.) (सं. नलकाण्ड)
नरकल } सरकंडा, एक प्रकारका बांस.

नरकासुर (सं. पु.) (नरक+असुर) एक राक्षसका नाम जो कंसका मित्र था.

नरकेशरी (सं. पु.) (नर=मनुष्य, केशरी= सिंह) नरसिंह अवतार, विष्णुका चौथा अवतार.

नरनारायण (सं. पु.) (नर+नारायण) श्रीकृष्ण और अर्जुनका अवतार, दो मुनि.

नरपति (सं. पु.) (नर+पति) मनुष्योंका राजा, राजा, महाराज, भूपाल.

नरपुर (सं. पु.) (नर+पुर) मर्त्यलोक, पृथ्वी, यह लोक.

नरमेध (सं. पु.) (नर=मनुष्य, मेध=यज्ञ) नरबली, वह यज्ञ जिसमें मनुष्य होमा जाता है.

नरसिंगा (हि. पु.) (सं. नलशृङ्ग नल=

नली, शृङ्ग=सींग) तुरही, सींगी, एक प्रकारका बाजा.

नरसिंह (सं. पु.) (नर+सिंह) विष्णुका चौथा अवतार जो हिरण्यकशिपुको मारनेके लिये और प्रह्लादको बचानेके लिये हुआ था, मनुष्योंमें श्रेष्ठ मनुष्य, नरश्रेष्ठ.

नरसों (हि. पु.) आजसे चौथा दिन. (पहला अथवा पिछला)

नरहरि (सं. पु.) (नर=मनुष्य, हरि=सिंह) नरसिंह, विष्णुका चौथा अवतार, तुलसीदासके गुरुका नाम.

नराधम (सं. पु.) (नर+अधम) मनुष्योंमें नीच, पापी, नीच.

नराधिप (सं. पु.) (नर=मनुष्य, अधिप=राजा) मनुष्योंका राजा, नरपति.

नरिया (हि. पु.) खपरा.

नरेटी (हि. स्त्री.) गला, घांटी, टेटुवा.

नरेटी दबाना (हि. मुहा.) गला घोंटना.

नरेन्द्र (सं. पु.) (नर+इन्द्र) राजा, नरपति.

नरेश } नरेश्वर } (सं. पु.) (नर=मनुष्य, ईश वा ईश्वर=स्वामी) राजा, नरेन्द्र, नरपति.

नर्तक (सं. पु.) (नृत=नाचना) नाचनेवाला, नट.

नर्तकी (सं. स्त्री.) (नर्तक) नाचनेवाली, नटनी.

नर्तन (सं. पु.) (नृत=नाचना) नाच, नृत्य.

नर्मद (सं. गु.) (नर्म=हंसी वा आनन्द, दा=देना) सुखद, सुखदायक, आनन्दकारी, खुशी देनेवाला.

नर्मदा (सं. स्त्री) (नर्म=हंसी, दा=देना) एक नदीका नाम जो दक्खिनमें है, रेवा, मेकलसुता.

नल (सं. पु.) (नल्=बांधना) सरकंडा, नरकट, नेजा, बांस; नली, फोंफी, चोंगा, टोंटा, टोंटी; नाली, प्रनाली; एक राजाका नाम, एक बंदरका नाम, एक राक्षसका नाम.

नलकूबर (सं. पु.) कुबेरके दो बेटे जो नारदमुनिके शापसे पेड हो गये थे.

नलिन (सं. पु.) (नल्=बांधना) कमल, पद्म, पानी, सारस.

नलिनी (सं. स्त्री.) (नलिनी) कमलिनी कुमुदिनी, कमलोंका समूह, कमलोंसे भरा तालाब.

नली (हि. स्त्री.) (सं. नल) फोंफी, चोंगा, टोंटी, नरेटी, सांसी, बंदूककी नाल, टंगडीकी हड्डी.

नव (सं. गु.) (नु=सराहना) नया, नवीन, नूतन, नौ संख्या, ९.

नवखण्ड (सं. पु.) (नव=नौ, खण्ड=भाग) भरतखण्ड आदि पृथ्वीके नौ खण्ड.

नवग्रह (सं. पु.)(नव+ग्रह) सूर्य आदि नौ ग्रह जैसे १ सूरज, २ चांद, ३ मंगल, ४ बुध, ५ बृहस्पति, ६ शुक्र, ७ शनि, ८ राहु, ९ केतु.

नवदुर्गा (सं. स्त्री.) (नवदुर्गा) दुर्गाकी नौ मूर्ति, जैसे १ शैलपुत्री, २ ब्रह्मचारिणी, ३ चन्द्रघण्टा, ४ कूष्माण्डा, ५ स्कन्दमाता, ६ कात्यायनी, ७ कालरात्री, ८ महागौरी, ९ सिद्धिदा.

नवद्वार (सं. पु.) (नव+द्वार) शरीरके ९ रस्ते, २ आंखें, २ कान, २ नाकके छेद सातवां मुंह, आठवां लिङ्ग, नवां गुदा जैसे " नव द्वारका पींजरा, तामें पंछी पौन " (कबीर.)

नवनिधि (सं. स्त्री.) (नव=नौ, निधि=

खजाना) संपदा, कुबेरका धन, कुबेरका खजाना.
वनी (हि. स्त्री.) (सं. नवनीत) मक्खन, नौनी.
वनीत (सं. पु.) (नव=नया, नी=ले जाना) मक्खन, माखन, नौनी, नवनी.
वबाला (सं. स्त्री.) (नव=नई, बाला=जवान स्त्री या लडकी) नवयौवना, सोलह वर्षकी लडकी, जवान स्त्री.
वम (सं. गु.) (नव) नौवां.
वमी (सं. स्त्री.) (नवम) नौमी, नवीं तिथि.
वयौवना (सं. स्त्री.) (नव=नई, यौवना जवान स्त्री) जवान स्त्री, नवबाला, नवोढा.
वरत्न (सं. पु.) (नव+रत्न) नौ जवाहिर (१ हिरा, २ पन्ना, ३ माणिक, ४ नीलम, ५ लहसनिया, ६ पुखराज, ७ मोती, ८ गोमेद, ९ मूंगा), विक्रमादित्यकी सभाके नौ पण्डित (१ धन्वन्तरि, २ क्षपणक, ३ अमरसिंह, ४ शंकु, ५ वेतालभट्ट, ६ घटकर्पर, ७ कालिदास, ८ वराहमिहिर, ९ वररुचि.); हाथमें पहननेका एक गहना जिसमें नव रत्न जडे हों.
वरात्र (सं. पु.) (नव=नौ, रात्र=रातोंका समूह) आश्विन सुदी परिवासे ले नौमी तकके नौ दिन रात, आश्विन, चैत, आषाढ और माघके शुक्ल पक्षके नौ दिन रात नवरात्र कहलाते हैं, दुर्गापूजाके नौ दिन.
वल (सं. गु.) (नव=नया, ला=लेना) नया, नवा, नवीन, सुन्दर, मनोहर. (पु.) एक पौधेका नाम.
वांश (सं. पु.) (नव+अंश) नवां भाग.

नवाडा (हि. पु.) (नाव) एक प्रकारकी नाव, छोटी नाव.
नवाना (हि. क्रि. स.) (सं. नमन, नम्=झुकना) झुकाना, नीचे करना, वश करना.
नवीन (सं. गु.) (नव, नु=सराहना) नया, नवा, नूतन.
नश्वर (सं. गु.) (नश्=नहीं दीखना, नाश होना) नाश होनेवाला, विनाशी, हानि करनेवाला, हिंसक.
नष्ट (सं. गु.) (नश्=नाश होना) जो नाश हुआ, भ्रष्ट, विनष्ट, मलमेट, मलियामेट.
नसाना } नसावना } (हि. क्रि. स.) (सं. नाशन, नश्=नाश होना) नाश करना, बिगाडना.
नहनी } नहरनी } (हि. स्त्री.) (सं. नखहरणी) नख काटनेका औजार.
नहलाना (हि. क्रि. स.) (न्हाना) स्नान कराना, अंग धोना.
नहान (हि. पु.) (न्हाना) स्नान.
नहाना } न्हाना } (हि. क्रि. अ.) (सं. स्नान, वा अवगाहन) स्नान करना, शरीर शुद्ध करना, अंग धोना.
नहानी (हि.) (न्हाना) कपडोंसे होनेका समय, रज, फूल.
नहारुआ (हि. पु.) नारू, जांघमें अथवा और कहीं शरीरमें एक सूतसा रोग जो निकलता है.
नहियर (हि. पु.) पीहर.
नाइन (हि. स्त्री.) नाईकी स्त्री.
नाई } नाऊ } (हि. पु.) (सं. नापित) हजाम, हजामत बनानेवाला, उस्ता.
नाई (हि. स्त्री.) भांति, तरह.
नांदिया (हि. पु.) (सं. नन्दि) महादेवका वाहन, बैल.

नांव } (हि. पु.) (सं. नाम) नाम,
नाऊं } संज्ञा, यश, नामवरी.

नांह (हि. क्रि. वि.) (सं. ना वा नहीं) नहीं, निषेध, न.

नाक कटाना (हि. मुहा.) अपमान करना, अनादर करना, पानी उतारना, बदनाम होना.

नाक कटी होना (हि. मुहा.) अपना मान खोना, अपनी बडाईको मिटाना, बद-नाम होना.

नाकका बाल (हि. मुहा.) जिसका बहुत मान हो, प्यारा, जिसका बहुत आदर किया जाय.

नाक चढाना (हि. मुहा.) क्रोधित होजाना, अप्रसन्न होना, गुस्से होना, नाराज होना.

नाक रखना (हि. मुहा.) अपना यश बना रखना, अपनी इज्जतको बना रखना.

नाक सकोडना (हि. मुहा.) नाक चढाना, अप्रसन्न होना, नाराज होना.

नाक (सं. पु.) (न=नहीं, अक=दुःख, अर्थात् जहां दुःख नहीं है, और अक बना है, अ=नहीं, और क=सुख अर्थात् सुख नहीं, दुःख) स्वर्ग, देवलोक.

नाकपति (सं. पु.) (नाक=स्वर्ग, पति=राजा) स्वर्गका राजा, इन्द्र.

नाकनटी (सं. स्त्री.) (नाक=स्वर्ग, नटी=नाचनेवाली) अप्सरा.

नाका (हि. पु.) रस्तेका अन्त, सूईका छेद, गली, राह.

नाकेबन्दी (मुहा.) रस्ता बन्द करना.

नाका (हि. पु.) (सं. नक्र) मगर, घडि-याल, हांगर.

नाग (सं. पु.) (न=नहीं, अग=ठहरा हुआ) कश्यपमुनिकी स्त्री कद्रूके बेटे जिनका मुँह मनुष्यका और फणा और पूंछ सांपकी होती है जो पातालमें रहते हैं और देवता कहलाते हैं, सांप, सर्प, हाथी, नागकेशर.

नागकन्या (सं. स्त्री.) (नाग+कन्या) नागोंकी अर्थात् पातालके देवताओंकी लडकियां जो बहुत रूपवती और सुन्दर होती हैं.

नागकेशर (सं. पु.) एक फूलोंके पेडका नाम.

नागदन्त (सं. पु.) (नाग=हाथी, दन्त=दांत) हाथीदांत, दो कांटोंका टेकन, जो हाथीके दांतकी तरह होती है.

नागन } (हि. स्त्री.)(सं. नागिनी स्त्री)
नागनी } सांपनी, सर्पनी.

नागपञ्चमी (सं. स्त्री.) सावन सुदी पंच-मी जिस दिन हिंदूलोग सांपकी पूजा करते हैं.

नागपाश (सं. स्त्री.) (नाग=सांप, पाश=फांदा) वरुणका अस्त्र, फंदा, फांसी, फांस.

नागफांस (हि. पु.) (नागपाश) वरुण-का अस्त्र, फंदा, फांसी, पाश.

नागबेल (हि. स्त्री.) (सं. नागवल्ली) पानकी बेली.

नागर (सं. पु.) (नगर=शहर) नगरका वासी, चतुर, प्रवीण, गुजराती ब्राह्म-णोंकी एक जाति.

नागरी (सं. स्त्री.) (नागर) चतुरकी स्त्री, नागरकी स्त्री, देवनागरी अक्षर वा भाषा.

नागरिपु (सं. पु.) (नाग=हाथी, रिपु=वैरी) सिंह, शेर, वाघ.

नागल (हि. पु.) (सं. लाङ्गल, लगि=मिलना वा जाना) हल.

नागलोक (सं. पु.) (नाग+लोक) नागोंका लोक, पाताल.
नागा (हि. पु.) (सं. नग्न) नंगे संन्यासी.
नागिन, नागिनी (हि. स्त्री.) (नाग) नागन, सांपनी, सर्पनी.
नांघना (हि. क्रि. अ.) (सं. लंघन) लांघना, पार होना, उतारना, कूदना.
नाच (हि. पु.) (सं. नाट्य वा नृत्य) नाचना, नृत्य, नाट्य.
नाच नचाना (हि. मुहा.) खिजाना, चिडाना, सताना.
नाटक (सं. पु.) (नट्=नाचना) एक प्रकारका काव्य जिसमें नट नटीके खेलकी रीतिपर वर्णन होता है, जैसे शकुन्तलानाटक, विक्रमोर्वशी, वेणीसंहार, उत्तररामचरित आदि, नट, नाचनेवाला.
नाटा (हि. पु.) बवना, ठिंगना.
नाट्य (सं. पु.) (नट) नटोंका काम जैसे नाचना, गाना और बजाना.
नाट्यशाला (सं. स्त्री.) (नाट्य+शाला) नाचघर, रंगशाला, जहां नाटक होता हो.
नाडि, नाडी (सं. स्त्री.) (नड्=गिरना) धमनी, शिरा, नब्ज, नस.
नातर (हि. क्रि. वि.) (सं. नान्यतर वा नान्यथा, न=नहीं, अन्यतर वा अन्यथा=और प्रकार) नहीं तो.
नाता (हि. पु.) (सं. ज्ञातेय, ज्ञाति, जातिभाई) संबंध, अपनायत, रिस्तेदारी.
नातिन (हि. स्त्री.) (नप्त्री) बेटीकी बेटी.
नाती (हि. पु.) (सं. नप्ता, न=नहीं, पत्=गिरना अर्थात् नातीके होनेसे पुरुष नीचे नहीं गिरते हैं) बेटीका बेटा, दोहता.
नाथ (सं. पु.) (नाथ्=मांगना जिससे मांगते हैं) स्वामी, मालिक, पति, धनी, योगियोंकी पदवी, जैसे गोरखनाथ.
नाथ (सं. स्त्री.) (नाथ्=सताना, दुःख देना) रस्सी जो बैलके नाकमें डाली जाती है.
नाथना (हि. क्रि. स.) (सं. नाथन, नाथ्=सताना वा दुःख देना) बैलका नाक छेदना.
नाद (सं. पु.) (नद्=शब्द करना) शब्द, गर्ज, आवाज, ध्वनि.
नानक (हि. पु.) सिक्खोंके मतका चलानेवाला.
नानकपंथी, नानकशाही (हि. पु.) नानकके मतको माननेवाला, सिख.
नाना (सं. पु.) माका बाप, मातामह.
नाप (हि. पु.) (सं. मापना वा नापना) माप, परिमाण.
नापजोख (मुहा.) नापतोल.
नापना (हि. क्रि. स.) (सं. मापन वा मापना) मापना, परिमाण करना.
नाभि (सं. स्त्री.) (नह्=बांधना) नाभ, नाभी, तोंदी.
नाम (सं. पु.) (नम्=पुकारना) नांव, संज्ञा, पदवी, यश, ख्याति.
नामकरण (सं. पु.) (नाम+करण) लडकेका नाम रखना, नाम देना, लडकेके पैदा होनेके दसवें दिन पीछे नाम रखनेका संस्कार अर्थात् रीति.
नाम करना (हि. मुहा.) नामी होना, नामवर होना, यशी होना, विख्यात होना, प्रसिद्ध होना.
नाम डुबाना (हि. मुहा.) अपना यश खोना, बदनाम होना.
नाम देना (हि. मुहा.) नाम रखना.
नाम धरना (हि. मुहा.) नाम

नाम ठहराना, किसी नामसे पुकारना, खराब करके कहना, बुरा नाम रखना.

नाम निकालना (हि. मुहा.) नामी होना, नाम करना, दोषीका नाम निर्णय करना.

नाम रखना (हि. मुहा.) नाम धरना, नाम देना.

नाम लेकर मांग खाना (हि. मुहा.) दूसरे मनुष्यके नामसे भीख मांग खाना.

नाम लेना (हि. मुहा.) सराहना, प्रशंसा करना, परमेश्वरका नाम लेना, जप करना, माला फेरना.

नाम होना (हि. मुहा.) यश होना, यश फैलना.

नामी (हि. गु.) (सं. नाम) विख्यात, यशी, उजागर.

नामी होना (हि. मुहा.) नामवर होना, प्रसिद्ध होना, विख्यात होना, उजागर होना.

नायक (सं. पु.) (नी=ले जाना वा चलाना) अगुआ, मुखिया, सरदार, प्रधान, सेनापति, थोडीसी सेनाका सरदार, प्रेमाभिलाषी पुरुष, नाचनेगानेमें निपुण पुरुष.

नायन (हि. स्त्री.) नाईकी स्त्री.

नायिका (सं. स्त्री.) (नायक) नायककी स्त्री, जवान स्त्री वा लडकी, कुटनी, दूती, रूपवती स्त्री, सुन्दर स्त्री, साहित्यमें नायिका ३ प्रकारकी हे (१ स्वकीया जो केवल अपने पतिहीसे प्रेम करे, २ परकीया जो पराये पुरुषसे प्रीति करे, ३ सामान्या जो धन लेकर किसीसे प्रीति करे) जैसे " स्वकिया व्याही नायिका, परकीया परवाम। सो सामान्या नायिका, जाके धनसों काम ॥ " अवस्थाभेदसे प्रत्येक नायका ८ प्रकारकी हैं (१ प्रोषितपतिका, २ खंडिता, ३ कलहान्तरिता, ४ विप्रलब्धा, ५ उत्कण्ठिता, ६ वासकसज्जा, ७ स्वाधीनपतिका, ८ अभिसारिका.

नार (हि. स्त्री.) (सं. नारी) लुगाई, स्त्री. (सं. नाल) बंदूककी नाल वा नली, कमलोंकी नाल, गरदन.

नारकी (हि. पु.) (नरक) नरकवासी, नरक भोगनेवाला जीव, नरक.

नारंगी (हि. स्त्री.) (सं. नारंग) केवला, कौला, एक प्रकारका खटमीठा फल.

नारद (सं. पु.) (नार=ज्ञान, दा=देना) एक ऋषिका नाम, ब्रह्माका बेटा और दस देव ऋषियोंमेंका एक देवऋषि

नाराच (सं. पु.) (नार=मनुष्योंका समूह आ=चारों ओरसे, चम्=खाना) तीर, बाण.

नारायण (सं. पु.) (नार=मनुष्योंका समूह, अयन=स्थान, अर्थात् जिनमें सब मनुष्य रहते हैं, वा नार=पानी अयन=स्थान, जो क्षीरसमुद्रमें सोते हैं) विष्णुका नाम, आदि पुरुष.

नारायणी (सं. स्त्री.) (नारायण) विष्णुकी पत्नी, लक्ष्मी, गंगा, शतावरी.

नारिकेल (सं. पु.) (नालि=डांटी क=हवा वा पानी, इल्=चलना, अर्थात् जिसकी डांटी हवासे वा पानीसे बढती है) नारियल, श्रीफल.

नारियल (हि. पु.) (नारीकेल) श्रीफल, नारिकेल, एक फलका नाम.

नारी (सं. स्त्री.) (नर) लुगाई, स्त्री, औरत, अबला, वनिता.

नारू (हि.) नहारू शब्दको देखो.

नाल (सं. स्त्री.) (नल=बांधना वा चम

कना) नली, बंदूककी मुहरी वा नली, मृणाल, कमलकी डाँटी, डांडी.

नाला (हि. पु.) नहर, छोटी नदी, सोता, पनाला, मोरी.

नालकी (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी पालकी.

नाव (हि. स्त्री.) (सं. नौ) नौका, डोंगी, तरणी.

नावना } नाना (हि. क्रि. स.) (सं. नमन, नम=झुकना) झुकाना, निहुराना, सिर झुकाना, नमस्कार करना.

नाविक (सं. पु.) (नौ) मांझी, कर्णधार, केवट.

नाश (सं. पु.) (सं. नश्=नाश होना) ध्वंस, बरबादी, नष्ट होना, क्षय, हानि, बिगाड.

नाशक (सं. पु.) (नश्=नाश करना) नाश करनेवाला, उजाड्ड, बिगाड करनेवाला.

नास (हि. स्त्री.) (सं. नाश) नाश. (सं. नस्य, नासा=नाक) हुलास, सुंघनी.

नासना (हि. क्रि. स.) (सं. नाश) भागना, पलाना, पीठ देना. (क्रि. स.) नाश करना.

नासा } नासिका (सं. स्त्री.) (नास्=शब्द करना) नाक सूंघनेकी इन्द्री.

नासीर (सं. पु.) (नास्=शब्द करना) सेनाका मुख, आगे चलनेवाली सेना.

नास्ति (सं.) (न=नहीं, अस्ति=है, अस्=होना) नहीं है, नाहीं, अभाव.

नास्तिक (सं. पु.) (नास्ति=नहीं है, अर्थात् परलोक और ईश्वर वा सृष्टिका कर्ता नहीं है ऐसा कहनेवाला) ईश्वर और परलोकको नहीं माननेवाला, अनीश्वरवादी.

नाह (हि. पु.) (सं. नाथ) स्वामी, मालिक, नाथ, पति.

नाहर (हि. पु.) बाघ, शेर.

नाहिं } नाहीं (हि. क्रि. वि.) (सं. नहि) नहीं, न.

नि (सं. उपस.) नहीं, विना, रहित, नीचे, नित्य, सदा, पास, निश्चय, अच्छी तरहसे, सब तरहसे, बीचमें, मध्य, भीतर, बाहिर.

निःशंक (सं. गु.) (निर्=नहीं, शंका=डर) निडर, निर्भय.

निःशेष (सं. गु.) (निर्=नहीं, शेष=बाकी) पूरा, समाप्त, जहां कुछ नहीं बचे.

निःश्वास (सं. पु.) (निर्=बाहर, श्वास=सांस.) मुंह और नाकसे बाहर निकली हुई हवा, पवन, सांस, प्राणवायु, पछतावा, हाय, ठंढी सांस, लम्बी सांस.

निःसन्देह (सं. गु.) (निर्=विना, संदेह=शक) विनासंदेह, निश्चय, बेशक.

निःस्पृह } निस्पृह (सं. गु.) (निर् वा नि=नहीं, स्पृहा=इच्छा) जिसको किसी बातकी इच्छा न हो, इच्छारहित, अनिच्छुक.

निःस्वादु (सं. पु.) (निर्=विना, स्वाद=रस.) बेस्वाद, बेरस, फीका, अलोना.

निकट (सं.) (नि=पास, कट=जाना) (सं. नित्य) पास, नजीक, नजदीक, समीप.

निकण्टक (हि. गु.) (सं. निष्कण्टक) अकण्टक, बिनशत्रु, आरामसे, सुखी.

निकन्द } निकन्दन (सं. पु.) (नि=नहीं, कंद=जड) नाश, नाश करनेवाला, उखडा हुआ.

निकम्मा (हि. गु.) (सं. निःकर्म, निर्= विन, कर्म=काम) जो कुछ कामका न हो, वेकाम.

निकर (सं. पु.) (नि+कृ=विखेरना फैलाना) समूह, भीडभाड.

निकल चलना (हि. मुहा.) भागना, टल जाना, बढ चलना, आगे निकलना, बहुत बोलना अथवा अपना गुण दिखाना.

निकल जाना (हि. मुहा.) भाग जाना, चला जाना.

निकल पडना (हि. मुहा.) वाहर आ जाना.

निकल भागना (हि. मुहा.) भाग जाना.

निकसना (हि. क्रि. अ.) (सं. नि+कस्= जाना) निकलना, वाहर आना.

निकाई (हि. स्त्री.) शोभा, भलाई.

निकाम (सं. गु.) (नि=नहीं, कम्= चाहना) जिसको किसी बातकी इच्छा न हो, इच्छारहित, निस्पृह, कामनारहित. (क्रि.वि.) आपसे, इच्छासे, मनसे.

निकाय (सं. पु.) (नि+चि= इकट्ठा करना) समूह, घर, स्थान.

निकाल (हि. पु.) (निकालना) निकास, निसार, वाहर आना, उपाय, युक्ति, जोडतोड.

निकाल डालना (हि. मुहा.) काटना. काट डालना, खारिज करना.

निकाल देना (हि. मुहा.) छुडा देना, वाहर करना, अलग कर देना, दूर करना.

निकाल लाना (हि. मुहा.) ले आना, वचा लाना.

निकाल लेना (हि. मुहा.) लेलेना, उखाड लेना, काट लेना, छांट लेना.

निकालना } निकासना } (हि. क्रि. स.) (सं. निःकासन, नि+कस्=जाना) बाहर लाना, बाहर करना, लेलेना, उखाडना, प्रगट करना, काढना, बनाना.

निकृष्ट (सं.) (नि=नीचे, कृष्=खींचना) अधम, तुच्छ, जातिसे निकाला हुआ.

निकेत } निकेतन } (सं. पु) (नि=अच्छी तरहसे, कित्=रहना, बसना) घर, स्थान.

निक्षिप्त (सं. गु.) (नि=नीचे, क्षिप्=फेंकना) फेंका हुआ, डाला हुआ, छोडा हुआ, रक्खा हुआ.

निखट्टू (हि. गु.) सुस्त, आलसी, उडाऊ, निर्दयी, कठोर, निठुर.

निखरना (हि. क्रि. अ.) साफ होना, चमकना, उजलना, उजला होना, पछा होना.

निखारना (हि. क्रि. स.) मैल छांटना, साफ करना, उजला करना, पछा करना.

निखिल (सं. गु.) (नि=नहीं खिल=शेष, बाकी) पूरा, सम्पूर्ण, सब, सारा.

निगम (सं. पु.) (नि+गम्=जाना) वेद, पवित्र लेख.

निगमनिवासी (सं. पु.) (निगम=वेद, निवासी=रहनेवाला) वेदोंमें रहनेवाला, विष्णु, ब्रह्मा.

निगलना (हि. क्रि. स.) (सं. नि+गल=खाना, वा गृ=निगलना) लीलना, गले उतारना, घोटना, खा जाना, गट करना.

निगूढ (सं. गु.) (नि+गूढ) गहरा, सूक्ष्म, गंभीर, गुप्त, छिपा हुआ.

निगोडा (हि. मुहा.) (नि=नहीं, गोड= पांव तो इसका अक्षरार्थ हुआ बिन पैरका) निकम्मा, अकर्म्मी, दुष्ट, चांडाल.

निचंत } (हि. गु.) (सं. निश्चिन्त)
निचिंत } बेफिकर, बेसोच, अशोची, असावधान.

निचिंत होना (हि. मुहा.) काम पूरा करना, निबटाना, बेफिकर होना, फुरसत पाना.

निचाई (हि. स्त्री.) (नीच) नीचपन, तुच्छता.

निचोड (हि. पु.) (निचोडना) किसी कामका अन्त, सिद्धान्त, निष्पत्ति, बोझ, भार, अथवा वह चीज जिसपर कोई दूसरी चीज ठहरे.

निचोडना (हि. क्रि. स.) गीले कपडेसे पानी निकालना, मरोडना, दाबना, गारना, पेरना.

निछावर (हि. स्त्री.) उतारा, बलि, कुरबान, बलिहारी.

निज (सं. गु. सर्वना.) (नि+जन्=पैदा होना) आपना, स्व, आपका, आत्मीय.

निठल्ला (हि. गु.) निकम्मा, आलसी, सुस्त.

निठुर (हि. गु.) (सं. निष्ठुर) कठोर, निर्दय, कठिन, कडा, क्रूर, जिसका दिल पत्थरसा कडा हो.

निठुरता } (हि. स्त्री.) (सं. निष्ठुरता)
निठुराई } कठोरता, निर्दयता, कडापन, बेरहमी.

निडर (हि. गु.) (सं. निर्दर, निर्=नहीं, दृ=डरना) निर्भय, निधडक, निःशंक, ढीठ, बेडर, अशंक.

निढाल } (हि. गु.) (सं. निर्दोल, निर्=
निढोल } नहीं, दुल्=डोलना) अचेत, सुनसान, निश्चल, अचल.

नित (हि. क्रि. वि.) (सं. नित्य) सदा, सर्वदा, निरंतर, हमेश, हमेशह, रोजरोज.

नित उठ } (हि. मुहा.) सदा, निरंतर,
नित उठके } रोजरोज, हमेशह, हरदम.

नितनित (हि. मुहा.) सदा, नित उठ, हरदम, रोजरोज, हमेशह.

नितम्ब (सं. पु.) (नि=नीचे, तम्ब=जाना वा स्तम्भ्=ठहरना) कमरके नीचेका भाग, पूठा, कूला, चूतड.

नितप्रति (हि. क्रि. वि.) (सं. प्रतिनित्य, प्रति हरएक, नित्य, सदा) नित नित, नित उठ, सदा, हररोज, रोजरोज, हमेशह.

नित्य (सं. क्रि. वि.) (नि=निश्चय, अर्थात् जो निश्चयही हो) सदा, सर्वदा, नित, हमेशह, सनातन, निरंतर, लगातार.

नित्यकर्म (सं. पु.) (नित्य=सदाका, कर्म=धर्मका काम) स्नान, संध्यावंदन, तर्पण, पूजा, जप, तप आदि षट्कर्म, हरएक दिनका अवश्य करनेयोग्य काम.

नियरा (हि. गु.) फर्छा, स्वच्छ, निर्मल.

नियारना (हि. क्रि. स.) ठालना, उझलना, निखारना, पानीको या किसी और रसको साफ करना, निर्मल करना.

निदरना (हि. क्रि. स.) (सं. निरादर) निरादर करना.

निदर्शन (सं. पु.) (नि+दृश्=दिखाना) उदाहरण, दृष्टान्त, प्रमाण.

निदान (सं. क्रि. वि.) (नि=निश्चय, दा=देना) अन्तमें, पीछे. (पु.) आदिकारण, मूलकारण.

निद्रा (सं. स्त्री.) (नि+द्रा=सोना) नींद.

निद्रालु (सं. गु.) (निद्रा) निंदालु, ऊंघासा, निंदासा, जिसको नींद आती हो.

निधडक (हि. गु.) (सं. निर्दर, निर्=नहीं, दृ=डरना) निर्भय, निडर, अशंक.

निधन (सं. पु.) (नि+हन्=मारना) मौत, मरण, मृत्यु. (गु.) (नि=नहीं, धन=दौलत) निर्धन, कंगाल, गरीब.

निधनता (सं. स्त्री.) (निधन) कंगालपन, गरीबी.

निधान (सं. पु.) (नि=भीतर, धा=रखना) घर, आधार, स्थान, जगह, ठांव, कुबेरका भंडार, खजाना, निधि.

निधि (सं. पु.) (नि=भीतर, धा=रखना) कुबेरका भंडार, खजाना, संपदा, कोष, आधार, जगह, स्थान, घर, आसरा.

निन्दक (सं. पु.) (निन्द्=बुराई करना) निन्दा करनेवाला, बुराई करनेवाला.

निन्दना (हि. क्रि. स.) (सं. निन्दन, निन्द्=बुराई करना) कलंक लगाना, दूषना, बुरा कहना, निंदा करना.

निन्दा (सं. स्त्री.) (निन्द्=निन्दा करना)बुराई, कलंक, दोष, अपवाद.

निन्दित (सं. गु.) (निन्द्=निन्दा करना) दोष लगाया हुआ, दूषित, बुरा.

निन्द्य (सं. गु.) (निन्द्=निंदा करना) निंदाके योग्य, बुराई करनेके योग्य.

निन्नान्वे (हि. गु.) (सं. नवनवति, नवनौ, नवति, नव्वे) नव्वे और नौ, ९९.

निन्नान्वेके फेरेमें पडना (हि. मुहा.) धनके इकट्ठा करनेहीमें लगा रहना, दुःखमें फंसना.

निपट (हि. गु.) बहुत, अधिक, अत्यन्त.

निपात (सं. पु.) (नि=नीचे, पत्=गिरना.) गिरना, मौत, मृत्यु, मरण, व्याकरणमें च आदि और प्र आदि अव्यय.

निपातना (हि. क्रि. स.) (सं. निपात) गिराना, नाश करना, मारना.

निपुण (सं. गु.) (नि+पुण्=पवित्र होना) प्रवीण, चतुर, बुद्धिमान्.

निपूता (हि. गु.) (सं. निष्पुत्र) जिसके लडका न हो, पुत्रहीन, निःसन्तान.

निबडना, निबटना (हि. क्रि. स.) (सं. निर्वर्तन) हो चुकना, निबटना, खर्च होना, नाश होना, पूरा होना.

निबल (हि. गु.) (सं. निर्बल) दुबला, दुर्बल.

निबाह (हि. पु.) (सं. निर्वाह) पूरा करना, निर्वाह, पूरा, समाप्त.

निबाहना (हि. क्रि. स.) (सं निर्वहन, निः=निश्चय,वह्=सहना, लेजाना) पूरा करना, सिद्ध करना, समाप्त करना, पार लगाना; बचाना, रक्षा करना; वचन पूरा करना, अपना विश्वास बना रखना; व्यवहार करना.

निबेडना, निबेढना (हि. क्रि. स.) (सं. निवर्त्तन) पूरा करना,निपटाना, चुकाना.

निबेडा, निबेढा (हि. पु.) (सं. निवर्त्तन) निबटेरा, छुटकारा, पूरा करना.

निबुकना (हि. क्रि. अ.) छुडाना, सुकुडना, छोटा होना.

निभ (सं. पु.) (नि=वास, भा=चमकना) बराबर, समान, सदृश.

निभना (हि. क्रि. अ.) (सं. निवर्हण) पार लगना, होना, पूरा होना, बन आना.

निमग्न (सं. गु.) (नि=नीचे, मस्ज्=डूबना) डूबा हुआ, मग्न.

निमज्जन (सं. पु.) (नि=नीचे, मस्ज्=डूबना) स्नान, न्हाना, जलमें डूबना.

निमंत्रण (सं. पु.) (नि+मंत्र=बुलाना) नेवता, बुलाहट, नौता.

निमि (सं.) एक राजाका नाम.

निमित्त (सं. पु.) (नि+मा=नापना) कारण, हेतु, सबब, लिये, भाग्य, भाग.

निमिष, निमेष (सं. पु.) (नि+मिष्=पलक मारना) पलक, पल, क्षण, लव.

निम्न (सं. गु.) (नि=नीचे, म्ना=अभ्यास करना, याद करना) नीचे, गहरा.

नियत (सं. गु.) (नि+यम्=रोकना) रोका हुआ, ठहराया हुआ, मुकर्रर किया हुआ. (क्रि. वि.) लगातार.

नियम (सं. पु.) (नि+यम्=रोकना) वचन, शर्त, प्रतिज्ञा, संकल्प, वाचा; धर्मका काम जैसे व्रत, जागरण, प्रार्थना, यज्ञ आदि; रीत, चलन, व्यवहार.

नियर (हि. क्रि. वि.) (सं. निकट) पास.

नियराना (हि. क्रि. अ.) (नियर) पास आना, नगचाना, पहुँचना.

नियुक्त (सं. गु.) (नि+युज्=मिलना) लगा हुआ, ठहराया हुआ, स्थापित, मुकर्रर किया हुआ.

नियुत (सं. गु.) (नि+यु=मिलना) दसलाख.

नियोग (सं. पु.) (नि+युज्=मिलना) आज्ञा, प्रेरणा, हुक्म, ताकीद, काम.

निर् (सं. उपसर्ग) नहीं, बिन, निश्चय, बाहिर, अच्छी तरहसे.

निरकार (हि. गु.) (सं. निराकार) आकाररहित, बिन आकार. (पु.) परमेश्वर, विष्णु.

निरंकुश (सं. गु.) (निर्=बिन, अंकुश=आंकुश) बिन रुकावट, नहीं रोका हुआ, स्वेच्छाचारी, अपनी इच्छाके अनुसार चलनेवाला, स्वतंत्र.

निरखना (हि. क्रि. स.) (सं. निरीक्षण) देखना, ताकना.

निरञ्जन (सं. गु.) (निर्=चला गया है, अंजन=मल अथवा अन्धकार तमोगुण आदि) निर्मल, निस्पृह, स्वच्छ, निर्दोष, कामक्रोधसे रहित. (पु.) परमेश्वर, परब्रह्म.

निरत (सं. गु.) (नि=भीतर, रत=लगा हुआ) लगा हुआ, नियुक्त, आसक्त, तत्पर.

निरन्तर (सं. क्रि. वि.) (निर्=नहीं, अन्तर=बीच) लगातार, नित उठ.

निरपराध (सं. गु.) (निर्=नहीं, अपराध=पाप) निष्पाप, निर्दोष, शुद्ध.

निरर्गल (सं. गु.) (निर्=नहीं, अर्गल=संकली) बेरोक, निरंकुश.

निरर्थक (सं. गु.) (निर्=नहीं, अर्थ=प्रयोजन) निष्प्रयोजन, वृथा, निष्फल, अर्थहीन.

निरवध (सं. गु.) (निर्=नहीं, अवध=दोष) निर्दोष.

निरस (सं. गु.) (नि=बिन, रस=स्वाद) फीका, बेस्वाद, अलोना.

निरा (हि. गु.) (सं. निरालय, निर्=बाहिर, एकान्त, आलय=जगह) केवल, मात्र, बिलकुल.

निराकार (सं. गु.) (निर्=नहीं, आकार=रूप) निरंकार. (पु.) परमेश्वर.

निरादर (सं. पु.) (नि=नहीं, आदर=मान) अपमान, अमान, अप्रतिष्ठा.

निरामय (सं. गु.) (निर्=नहीं, आमय=रोग) निरोग, सुखी. (पु.) सूअर, बनका बकरा.

निरामिष (सं. गु.) (निर्=नहीं, आमिष=मांस) मांस बिना, बिन मांसका (भोजन).

निरायुध (सं. गु.) (निर्=नहीं, आयुध=शस्त्र) बिन शस्त्र, बेहथियार.

निराला (हि. गु.) (सं. निरालय; निर्=बाहिर, एकान्त, आलय=जगह) एकांत, निर्जन, अलग, निरा, केवल मात्र, अनूठा.

निरावना (हि. क्रि. स.) खेती करना.

निराश (सं. गु.) (निर्=नहीं, आशा= उमेद) आशाहीन, नाउमेद.

निराश्रय (सं. गु.) (निर्=नहीं, आश्रय=आसरा) विन आसरे.

निराहार (सं. पु.) (निर्=बिन, आहार=खाना) उपवास, उपास. (गु.) बिन भोजन, बिन खाये.

निरीक्षण (सं. पु.) (निर्=निश्चय, ईक्ष= देखना) देखना, दर्शन, दृष्टि, ताक.

निरीह (सं. गु.) (निर्=नहीं, ईह= इच्छा, चेष्टा) जिसको किसी बातकी अथवा चीजकी इच्छा न हो, निःस्पृह.

निरुक्त (सं. पु.) (निर्=निश्चय, उक्त= कहा हुआ, वच=कहना) वेदका एक अंग जिसमें वेदके शब्दोंका अर्थ लिखा है, वेदका व्याकरण और कोष. (गु.) कहा हुआ.

निरुत्तर (सं. गु.) (निर्=नहीं, उत्तर= जवाब) चुप, अवाक्, बेजवाब.

निरुत्साह (सं. गु.) (निर्=बिन, उत्साह=उमंग) जिसके मनमें किसी बातका उमंग न हो, सुस्त, आलसी, ढीला.

निरुपम (सं. गु.) (निर्=नहीं, उपमा= बराबरी) जिसकी बराबरी नहीं हो सके, अनूप, अनुपम, अतुल्य, अपूर्व.

निरुपाधि (सं. गु.) (निर्=नहीं, उपाधि=गुण, नाम, विशेषण वा छल) आधिरहित, गुणरहित, निर्गुण, शुद्ध, निर्मल.

निरूप (सं. गु.) (नि=नहीं, रूप=आकार) निराकार, अस्वरूप, अरूप, (पु.) परमेश्वर.

निरूपण (सं. पु.) (नि=निश्चय, रूप= आकार बांधना वा देखना) निर्णय, निर्धार, विचार, दर्शन, देखना.

निरोग (सं. गु.) (नि=नहीं, रोग= बीमारी) भला, चंगा, अरोग.

निर्गत (सं. गु.) (निर्=बाहिर, गम्= जाना) निकला हुआ, बाहिर गया हुआ.

निर्गन्ध (सं. गु.) (निर्=नहीं वा बिन, गन्ध=वास) बिन महक, गन्धरहित.

निर्गम (सं. पु.) (निर्=बाहिर, गम्= जाना) निकलना, बाहर जाना.

निर्गुण (सं. पु.) (निर्=नहीं, गुण= हुनर, चतुराई, वा सत, रज, तम) परमेश्वर, परमात्मा, ब्रह्म. (गु.) निर्विकार, निराकार, निरंजन, सत रज और तम इन तीनों गुणोंसे रहित, मूरख, गुणहीन, निकम्मा.

निर्जन (सं. गु.) (निर्=बिन, जन= मनुष्य) एकान्त, जहां कोई मनुष्य न हो.

निर्जर (सं. गु.) (निर्=नहीं, जरा= बुढापा) देवता, अमृत. (गु.) अजर, अमर.

निर्जल (सं. पु.) (निर्=बिन, जल= पानी) जंगल, मैदान, मरुस्थल, ऐसी जगह जहां पानी न मिल सके. (गु.) ऊसर, उजाड, बिन पानी, जलबिन, सूखी (धरती).

निर्जित (सं. गु.) (निर्=नहीं, जि= जीतना) जो जीता नहीं जा सके, अजीत, परास्त, पराजित, जीता गया.

निर्जीव (सं. गु.) (निर्=बिन, जीव= प्राण) अचेत, जड, प्राणहीन.

निर्झर (सं. पु.) (निर्=नीचे, झृ= उमरका घटना वा गिरना) पहाडका झरना, सोता.

निर्णय (सं. पु.) (निर्=निश्चय, नी= पाना) निश्चय, विचार, विवेचना, मीमांसा.

निर्त (हि. पु.) (सं. नृत्य) नाच.

निर्दई (हि. गु.) (सं. निर्दय, निर्= बिन दया) जिसके मनमें दया न हो, कठोर, कडा, दयाहीन, जिसका दिल पत्थरसा कडा हो, संगदिल, निठुर.

निर्दिष्ट (सं. गु.) (निर्=अच्छी तरहसे दिश=देना वा दिखाना, जताना) अच्छी तरहसे कहा हुआ, दिखाया हुआ, निर्णय किया हुआ.

निर्दोष (सं. गु.) (निर्=बिन, दोष= अपराध) निरपराध, दोषहीन, बिनचूक, बेकसूर.

निर्द्वन्द्व (सं. गु) (निर्=नहीं, द्वन्द्व= दो वा बखेडा) बिन बखेडे, आरामसे, चैनसे.

निर्धन (सं. गु.) (निर्=बिन, धन= दौलत) गरीब, कंगाल, दरिद्री.

निर्धार } (सं. पु.) (निर्=निश्चय,
निर्धारण } धृ=रखना) निश्चय, निर्णय.

निर्पक्ष (सं. गु.) (निर्=बिन, पक्ष= सहाय) असहाय, बेवस, अनाथ.

निर्फल (सं. गु.) (निर्+फल) निष्फल, वृथा, व्यर्थ.

निर्बल (सं. गु.) (निर्+बल) निबल, दुर्बल, दुबला, कमजोर.

निर्बुद्धि (सं. गु.) (निर्+बुद्धि) मूरख, असमझ, अनसमझ, अज्ञान.

निर्भय (सं. गु.) (निर्=नहीं भय= डर) निडर.

निर्भर (सं. गु.) (निर=निश्चय, भृ= भरना) पूरन, पूरा, बहुत, अत्यन्त, अतिशय.

निर्मल (सं. गु.) (निर्=बिन, मल= मैल) पवित्र, शुद्ध, स्वच्छ, उजला, साफ.

निर्माण (सं. पु.) (निर्+मा=नापना, वा बनाना) बनावट, रचना, सार.

निर्माण करना (हि. क्रि. स.) बनाना, रचना.

निर्माल्य (सं. पु.) (निर्मलसे, अथवा निर् और माल्यफूल वा फूलोंकी माला) देवताका झूठा प्रसाद, देवताको चढाया हुआ नैवेद्य, पवित्रता, सफाई, फर्छाई. (गु.) पवित्र, साफ, शुद्ध.

निर्मित (सं. गु.) (निर्+मा=नापना, वा बनना) बनाया हुआ, रचित, कल्पित.

निर्मूल (सं. गु.) (निर्=बिन, मूल= जड) उखडा हुआ, जडसे खोदा हुआ, बिनजड, निर्बीज, बेठिकाने, उजड, नाश, ध्वंस.

निर्मोही (सं. गु.) (निर्=बिन, मोह= प्यार) निर्दय, कठोर, कडा.

निर्लज्ज (सं. गु.) (निर=बिन, लज्जा= लाज) निलज्ज, बेशर्म, नकटा.

निर्लेप (सं. गु) (निर्=नहीं, लिप= लेपना) बेलाग, बिनलगाव, अलेप.

निर्लोभ } (सं. गु.) (निर्=बिन-
निर्लोभी } लोभ=लालच) जिसको लो, लच न हो, लोभहीन.

निर्वंश (सं. गु.) (निर्=बिन, वंश= कुल) वंशहीन, जिसको वंश न हो, अपूता, निपूता.

निर्वाण (सं. पु.) (निर्+वा=बहना, जाना) मुक्ति, मोक्ष, लय होना. (गु.) बुता हुआ, बुझा हुआ, ठंढा किया हुआ, नष्ट.

निर्वाह (सं. पु.) (निर्=निश्चय, वह= ले जाना) निबाह, पूरा करना, समाप्ति.

निर्विकल्प (सं. गु.) (निर्=नहीं, विकल्प=भेद, भ्रम) भेद और भ्रमसे रहित.

निर्विकार (सं. गु.) (निर्=विन, विकार=बदलना) नहीं बदला हुआ, जिसमें किसी तरहका विकार वा दोष न हो, एक भाव, एक रंग.

निर्विघ्न (सं. गु.) (निर्=विन, विघ्न=बिगाड) विघ्नरहित, बिन बिगाड, बेखटके.

निर्बीज (सं. गु.) (निर्+बीज) निर्मल, बीजरहित, बिन बीज.

निलय (सं. पु.) (निर्=भीतर, ली=लेना वा मिलना) घर, स्थान.

निवारण (सं. पु.) (नि+वृ=घेरना, रोकना) रोक, रुकावट, अटकाव, बाधा, दूर करना, हटाना.

निवारना (हि. क्रि. स.) (सं. निवारण) रोकना, दूर करना, अटकाना.

निवास (सं. पु.) (नि=भीतर, वस्=रहना) बासा, घर, मकान, डेरा, जगह.

निवासी (सं. गु) (निवास) रहनेवाला, बसनेवाला, वासी.

निबिड (सं. गु.) (नि=बहुत, बिड्=इकट्ठा होना) गहरा, घना, सघन.

निवेदन (सं. पु.) (नि=अच्छी तरहसे, विद्=जानना) बिनती, प्रार्थना, विज्ञापन, विनयपत्र.

निश् } निशा } (सं. स्त्री.) (नि=सब तरहसे, शो=पतला करना अर्थात् कामोंको पूरा करना) रात, रात्री.

निशाकर (सं. पु.) (निशा=रात, कर=करनेवाला, कृ=करना) चांद, चन्द्र, चन्द्रमा.

निशाचर (सं. पु.) (निशा=रात, चर=चलनेवाला वा खानेवाला, चर्=चलना वा खाना) राक्षस, भूत, उल्लू, चोर, गीदड. (गु.) रातको चलनेवाला वा खानेवाला.

निशाचरी (सं स्त्री.) (निशाचर) राक्षसी, वेश्या, व्यभिचारिणी, कुल्टा, केशिनी नाम गंधद्रव्य.

निशानाथ } निशापति } (सं. पु.) (निशा=रात, नाथ वा पति=राजा) चांद, चंद्रमा, चन्द्र.

निशि } निसि } (हि. स्त्री.) (सं. निश् वा निशा) रात, रात्री, रजनी.

निशिचर } निसिचर } (हि. पु.) (सं. निशाचरसे वा निशि=रातमें, चर=चलनेवाला) राक्षस.

निशित (सं. गु.) (नि=अच्छी तरहसे, शो=तीखा करना) तीखा, तीक्ष्ण, चोखा.

निशुम्भ (सं. पु.) (नि=निश्चय, शुम्भ्=मारना) एक राक्षसका नाम जिसको दुर्गाने मारा.

निशेश (सं. पु.) (निशा=रात, ईश राजा) चांद.

निश्चय (सं. पु.) (नि=अच्छी तरहसे, चि=इकट्ठा करना) निर्णय, ठीक करना, पक्का करना, भरोसा, विश्वास. (गु.) ठीक, सच.

निश्चर (सं. पु.) (निश्=रात, चर=चलनेवाला, चर=चलना) राक्षस.

निश्चल (सं. पु.) (निर्=नहीं, चल्=चलना) अचल, अटल, स्थिर.

निश्चित (सं. गु.) (निर्=अच्छी तरहसे, चि=इकट्ठा करना) निश्चय किया हुआ, निर्णय किया हुआ.

निश्चिन्त (सं. गु.) (निर्=नहीं, चिन्ता=सोच) निचिंत, बेफिकर, चिन्तारहित.

निश्वास (सं. पु.) (नि=बाहिर, श्वस=सांस आना वा लेना) मुँह और नाकसे बाहरनिकली हुई हवा, सांस निसास.

निषङ्ग (सं. गु.) (नि×षञ्ज्=मिलना) भाथा, तूण, तूणीर, तर्कस.

निषाद (स. पु.) (नि=षद्=मारना) चंडाल, जो ब्राह्मणसे शूद्रीके गर्भमें पैदा हो, मल्लाह, एक रागका नाम.

निषिद्ध (सं. गु.) (नि+षिध्=जाना, पर नि उपसर्गके साथ आनेसे अर्थ हुआ रोकना) रोका हुआ, निवारित, वर्जित.

निषेध (सं. गु.) (नि+षिध्=रोकना) रोक, रुकाव, बाधा, नाहीं.

निष्कण्टक (सं. गु.) (निर्=बिन, कंटक=कांटा) बिनदुख, अकण्टक, बिनबाधा.

निष्कपट (सं. गु.) (निर्=बिन, कपट=छल) बिन छल, सीधा, सरल, सच्चा.

निष्काम (सं. गु.) (निर्=बिन, काम=इच्छा) निकाम, जिसको किसी बातकी इच्छा न हो, निस्पृह.

निष्ठुर (सं. गु.) (नि+स्था=ठहरना) निठुर, निर्दई, कठोर, कड़ा, कठिन.

निष्पत्ति (सं. स्त्री) (निर्=अच्छी भांतिसे, पद=जाना) सिद्धि, पूरा होना, सिद्धि होना.

निष्पन्न (सं. गु.) (निर्+पद्=जाना) सिद्ध, पूरा, पूर्ण, पूरा किया हुआ.

निष्पाप } (सं. गु.) (निर्=नहीं,
निःपाप } पाप=अपराध) निरपराध, निर्दोष.

निष्फल (सं. गु.) (निर्+फल) वृथा, विफल, निरर्थक, फलहीन.

निस् (सं. उपस.) नहीं, निश्चय, सब तरहसे.

निसरना (हि. क्रि. अ.) (सं. निःसरण. निः=बाहर, सृ=जाना) निकलना, निकसना.

निसास (हि. पु.) (सं. निःश्वास) सांस, उसास, पछतावा.

निसेनी } (हि. स्त्री.) (सं. निःश्रेणी)
निसैनी } सीढी, सोपान.

निस्तार (सं. पु.) (निर्=निश्चय,तॄ=पार होना) उद्धार, मुक्ति, मोक्ष, पार होना, बचाव, छुटकारा, त्राण, जन्म मरणका निबेडा.

निस्तारना (हि. क्रि. स.) (सं. निस्तारण) बचाना, उबारना, मुक्ति देना, जन्म मरणसे छुटकारा करना.

निस्तारा (हि. पु.) (सं. निस्तार) छुटकारा, निबेडा, मोक्ष, मुक्ति, घर, आशिष.

निस्संदेह (सं. गु.) (निर्=बिन, संदेह=शक) निश्चय, बेशक.

निहाई (हि. स्त्री.) घन, हथौडा.

निहारना (हि. क्रि. स.) ताक लगाना, देखना.

निहाल (हि. गु.) प्रसन्न, सुखी, आनन्दित, हर्षित, बढा हुआ.

निहुरना (हि. क्रि. अ.) झुकना, नमना, दबना.

निहोरा (हि. पु.) उपकार, विनती.

नींद } (हि. स्त्री.) (सं. निद्रा) सोने-
नीद } की चाह, उंघाई.

नींद उचाट होना (हि. मुहा.) नींद नहीं आना, नींदका टूटना, आंख नहीं मिलना.

नींदभर सोना (हि. मुहा.) गहरी नींद आना, चैनसे सोना.

निर्विकल्प (सं. गु.) (निर्=नहीं, विकल्प=भेद, भ्रम) भेद और भ्रमसे रहित.

निर्विकार (सं. गु.) (निर्=बिन, विकार=बदलना) नहीं बदला हुआ, जिसमें किसी तरहका विकार वा दोष न हो, एक भाव, एक रंग.

निर्विघ्न (सं. गु.) (निर्=बिन, विघ्न=बिगाड) विघ्नरहित, बिन बिगाड, बेखटके.

निर्बीज (सं. गु.) (निर्+बीज) निर्मल, बीजरहित, बिन बीज.

निलय (सं. पु.) (निर्=भीतर, ली=लेना वा मिलना) घर, स्थान.

निवारण (सं. पु.) (नि+वृ=घेरना, रोकना) रोक, रुकावट, अटकाव, बाधा, दूर करना, हटाना.

निवारना (हि. क्रि. स.) (सं. निवारण) रोकना, दूर करना, अटकाना.

निवास (सं. पु.) (नि=भीतर, वस्=रहना) बासा, घर, मकान, डेरा, जगह.

निवासी (सं. गु) (निवास) रहनेवाला, बसनेवाला, वासी.

निबिड (सं. गु.) (नि=बहुत, विड्=इकट्ठा होना) गहरा, घना, सघन.

निवेदन (सं. पु.) (नि=अच्छी तरहसे, विद्=जानना) विनती, प्रार्थना, विज्ञापन, विनयपत्र.

निश् } निशा } (सं. स्त्री.) (नि=सब तरहसे, शो=पतला करना अर्थात् कामोंको पूरा करना) रात, रात्री.

निशाकर (सं. पु.) (निशा=रात, कर=करनेवाला, कृ=करना) चांद, चन्द्र, चन्द्रमा.

निशाचर (सं. पु.) (निशा=रात, चर=चलनेवाला वा खानेवाला, चर्=चलना वा खाना) राक्षस, भूत, उल्लू, चोर, गीदड.(गु.) रातको चलनेवाला वा खानेवाला.

निशाचरी (सं स्त्री.) (निशाचर) राक्षसी, वेश्या, व्यभिचारिणी, कुल्टा, केशिनी नाम गंधद्रव्य.

निशानाथ } निशापति } (सं. पु.) (निशा=रात, नाथ वा पति=राजा) चांद, चंद्रमा, चन्द्र.

निशि } निसि } (हि. स्त्री.) (सं. निश् वा निशा) रात, रात्री, रजनी.

निशिचर } निसिचर } (हि. पु.) (सं. निशाचरसे वा निशि=रातमें, चर=चलनेवाला) राक्षस.

निशित (सं. गु.) (नि=अच्छी तरहसे, शो=तीखा करना) तीखा, तीक्ष्ण, चोखा.

निशुम्भ (सं. पु.) (नि=निश्चय, शुम्भ्=मारना) एक राक्षसका नाम जिसको दुर्गाने मारा.

निशेश (सं. पु.) (निशा=रात, ईश राजा) चांद.

निश्चय (सं. पु.) (नि=अच्छी तरहसे, चि=इकट्ठा करना) निर्णय, ठीक करना, पक्का करना, भरोसा, विश्वास. (गु.) ठीक, सच.

निश्चर (सं. पु.) (निश्=रात, चर=चलनेवाला, चर=चलना) राक्षस.

निश्चल (सं. पु.) (निर्=नहीं, चल्=चलना) अचल, अटल, स्थिर.

निश्चित (सं. गु.) (निर्=अच्छी तरहसे, चि=इकट्ठा करना) निश्चय किया हुआ, निर्णय किया हुआ.

निश्चिन्त (सं. गु.) (निर्=नहीं, चिन्ता=सोच) निचिंत, बेफिकर, चिन्तारहित.

निश्वास (सं. पु.) (नि=वाहिर, श्वस=सांस आना वा लेना) मुँह और नाकसे बाहरनिकली हुई हवा, सांस निसास.

निषङ्ग (सं. गु.) (नि×षज्=मिलना) भाथा, तूण, तूणीर, तर्कस.

निषाद (स. पु.) (नि=षद्=मारना) चंडाल, जो ब्राह्मणसे शूद्रीके गर्भमें पैदा हो, मल्लाह, एक रागका नाम.

निषिद्ध (सं. गु.) (नि+षिध्=जाना, पर नि उपसर्गके साथ आनेसे अर्थ हुआ रोकना) रोका हुआ, निवारित, वर्जित.

निषेध (सं. गु.) (नि+षिध्=रोकना) रोक, रुकाव, बाधा, नाहीं.

निष्कण्टक (सं. गु.) (निर्=बिन, कंटक=कांटा) बिनदुख, अकण्टक, बिनबाधा.

निष्कपट (सं. गु.) (निर्=बिन, कपट=छल) बिन छल, सीधा, सरल, सच्चा.

निष्काम (सं. गु.) (निर्=बिन, काम=इच्छा) निकाम, जिसको किसी बातकी इच्छा न हो, निस्पृह.

निष्ठुर (सं. गु.) (नि+स्था=ठहरना) निठुर, निर्दई, कठोर, कड़ा, कठिन.

निष्पत्ति (सं. स्त्री) (निर्=अच्छी भांतिसे, पद=जाना) सिद्धि, पूरा होना, सिद्धि होना.

निष्पन्न (सं. गु.) (निर्+पद्=जाना) सिद्ध, पूरा, पूर्ण, पूरा किया हुआ.

निष्पाप } (सं. गु.) (निर्=नहीं,
निःपाप } पाप=अपराध) निरपराध, निर्दोष.

निष्फल (सं. गु.) (निर्+फल) वृथा, विफल, निरर्थक, फलहीन.

निस् (सं. उपस.) नहीं, निश्चय, सब तरहसे.

निसरना (हि. क्रि. अ.) (सं. निःसरण. निः=बाहर, सृ=जाना) निकलना, निकसना.

निसास (हि. पु.) (सं. निःश्वास) सांस, उसास, पछतावा.

निसेनी } (हि. स्त्री.) (सं. निःश्रेणी)
निसैनी } सीढ़ी, सोपान.

निस्तार (सं. पु.) (निर्=निश्चय,तॄ=पार होना) उद्धार, मुक्ति, मोक्ष, पार होना, बचाव, छुटकारा, त्राण, जन्म मरणका निबेड़ा.

निस्तारना (हि. क्रि. स.) (सं. निस्तारण) बचाना, उबारना, मुक्ति देना, जन्म मरणसे छुटकारा करना.

निस्तारा (हि. पु.) (सं. निस्तार) छुटकारा, निबेड़ा, मोक्ष, मुक्ति, वर, आशिष.

निस्संदेह (सं. गु.) (निर्=बिन, संदेह=शक) निश्चय, बेशक.

निहाई (हि. स्त्री.) घन, हथौड़ा.

निहारना (हि. क्रि. स.) ताक लगाना, देखना.

निहाल (हि. गु.) प्रसन्न, सुखी, आनन्दित, हर्षित, बढ़ा हुआ.

निहुरना (हि. क्रि. अ.) झुकना, नमना, दबना.

निहोरा (हि. पु.) उपकार, विनती.

नींद } (हि. स्त्री.) (सं. निद्रा) सोने-
नीद } की चाह, उंघाइ.

नींद उचाट होना (हि. मुहा.) नींद नहीं आना, नींदका टूटना, आंख नहीं मिलना.

नींदभर सोना (हि. मुहा.) गहरी नींद आना, चैनसे सोना.

नींबू (हि. पु.) (सं. निम्बूक, निम्बू= सींचना) लेमू एक, प्रकारका खट्टा फल.

नीका } (हि. गु.) भला, सुन्दर,
नौका } अच्छा, सुडौल, चंगा.

नीच (सं. गु.) (नि=नीचे, अञ्च्=जाना, अथवा नि=नीच संपदाको, चम्=खाना, भोगना) अधम, छोटा, निकम्मा, निकृष्ट, कमीना.

नीचा (हि. गु.) (सं. नीच) अधम, छोटा. (पु.) तल, तला.

नीचा ऊंचा (हि. मुहा.) नावराबर जमीन.

नीचे (हि. क्रि. वि.) (सं. नीचैस्) तले.

नीड (सं. पु.) (नि=अच्छी तरहसे, इल=सोना जिसमें) पखेरुओंका घर, घोसला, खोता.

नीति (सं. स्त्री.) (नी=ले जाना) अच्छा चलन, उचित व्यवहार, राजनीति, देशप्रबन्धी विद्या, न्याय.

नीतिज्ञ (सं. पु.) (नीति+ज्ञा=जानना) नीति जाननेवाला, राजज्ञानी.

नीम } (हि. पु.) (सं. निम्ब, निम्बू=
नींब } सींचना) एक वृक्षका नाम.

नीर (सं. पु.) (नी=पाना) पानी, जल, रस.

नीरज (सं. पु.) (नीर=पानी, जन्= पैदा होना) कमल, कँवल, ऊदबिलाव. (गु.) पानीमें पैदा हुई चीज.

नीरद (सं. पु.) (नीर=पानी, दा=देना) बादल, मेघ, घन.

नीरनिधि (सं. पु.) (नीर=पानी, धृ= रखना) बादल, मेघ.

नीरनिधि (सं. पु.) (नीर=पानी, निधि= खजाना) समुद्र, सागर.

नीरस (सं. पु.) (निर्=बिन, रस=स्वाद) निरस, फीका, असार, रसहीन.

नील (सं. गु.) (नील=नीला होना) नीला, काला, कृष्ण, सौ खरब. (स्त्री.) एक पौधा जो नीला रंगनेके काममें आता है, एक नदीका नाम मिसरदेशमें है. (पु.) एक पहाड़का नाम, एक बानरका नाम, कुबेरकी नौ निधि अथवा खजानेमेंका एक खजाना.

नीलकंठ (सं. पु.) (नील=नीला, कण्ठ= गला) महादेव जिन्होंने समुद्र मथनेके समय जो विष निकला था उसको पिया इसलिये उनका गला नीला हो गया, मोर, मयूर, एक पखेरूका नाम.

नीलगाय (हि. स्त्री.) (सं. नीलगौ) नीली गाय, रोझ.

नीलग्रीव (सं. पु.) (नील=नीला, ग्रीव= गरदन) महादेव, शिव. (गु.) नीला गलेवाला, जिसका गला नीला हो.

नीलम (हि. पु.) (सं. नीलमणि) नीले रंगका रतन, जमुरंद.

नीलमणि (सं. स्त्री.) (नील=नीला, मणि=रतन) नीलम, जमुरंद.

नीला (हि. गु.) (सं. नील) नीलमें रंगा हुआ, नीलवर्ण.

नीलाथोथा (हि. पु.) तूतिया, नीलांजन.

नीलाम (हि. पु.) (पोर्तुगालकी भाषाके शब्द लेलाम Leilam का अपभ्रंश) किसी चीजको एक मोलपर नहीं बल्कि पहले कुछ मोल बोलना फिर ज्यों ज्यों गाहक मोल बढ़ाते जाते हैं अन्तमें जो सबसे अधिक बोले उसीको बेच देना.

नीलाम्बर (सं. पु.) (नील=नीला,

अम्बर=कपडा जिसके हो) बलदेव, शनीचर, नीला कपडा.

नीलोपल (सं. पु.) (नील=नीला, उपल=पत्थर) नीला पत्थर.

नीहार (सं. पु.) (नि+हृ=लेना) पाला, ओस, कुहर, शिशिर.

नूतन } नूत्न } (सं. पु.) (नव. नु=सराहना) नया, नवीन, टटका.

नून } नोन } (हि. पु.) (सं. लवण) निमक लोन, खार.

नूपुर (सं. पु.) (नू=गहना, पुर=आगे जाना अर्थात् जो सब गहनोंके आगे रहता है) बिछिआ, पांवकी अंगुलियोंमें पहननेका गहना.

नृ (सं. पु.) (नी=ले जाना वा चलाना) मनुष्य, पुरुष, नर.

नृग (सं. पु.) एक सूरजवंशी राजाका नाम.

नृत्त } नृत्य } (सं. पु.) (नृत्=नाचना) नाच, नर्त्तन.

नृत्यक (सं. पु.) (नृत्=नाचना) नाचनेवाला, नचवैया.

नृप (सं. पु.) (नृ=मनुष्य, प=पालनेवाला या पालना) राजा, भूपाल, भूपति.

नृपति (सं. पु.) (नृ=मनुष्य, पति=स्वामी, मालिक) राजा.

नृपाल (सं. पु.) (नृ=मनुष्य, पाल=पालना) राजा.

नृशंस (सं. गु.) (नृ=मनुष्य, शंस्=मारना) मारनेवाला, दुष्ट, दुखदाई, क्रूर, परद्रोही.

नृसिंह (सं. पु.) (नृ+सिंह) नरसिंह अवतार.

नेक } नेकु } (हि. गु.) कुछ, थोडा, अल्प-तनक.

नेग } नेगचार } (हि. पु.) व्याहमें अथवा और किसी उत्सवमें अपने नातेदारोंको कुछ देना, व्याहमें पुरोहितकी दक्षिणा, बांटा, हिस्सा.

नेगी (हि. गु.) (नेग) बटानेवाला हिस्सदार.

नेति (सं. गु.) (न=नहीं, इति=यह) ऐसा नहीं, यह नहीं, जिसका पार नहीं, अनन्त, परमेश्वरका गुण.

नेती (हि. स्त्री.) (सं. नेत्र, नी=ले जाना वा चलाना) दही मथनेकी रस्सी.

नेत्र (सं. पु.) (नी=लेजाना, वा चलना, वा पहुँचाना, वा पाना) आंख, नयन, लोचन, नेती. (गु.) नायक, चलानेवाला.

नेत्राम्बु (सं. पु.) (नेत्र=आंख, अम्बु=पानी) आंसू, आंखका पानी.

नेपाल (सं. पु.) एक देशका नाम.

नेपुर (हि. पु.) (सं. नूपुर) नूपुर.

नेम (हि. पु.) (सं. नियम) वचन, प्रण, प्रतिज्ञा, संकल्प, वाचा, होड, हठ, व्रत, संयम आदि.

नेमधर्म (हि. पु.) (सं. नियम, धर्म) उपवास, व्रत, अच्छा चलना.

नेरे } नेरो } (हि.) (सं निकट) पास, समीप, नगीच.

नेव } नींव } (हि. स्त्री.) भीतकी जड.

नेवतना } न्योतना } (हि. क्रि. सं.)(सं. निमंत्रण) न्योता देना, खिलानेके लिये बुलाना.

नेवता } नोता } न्योता } (हि. पु.) (सं. निमंत्रण) बुलाहट, खिलानेके लिये बुलाना.

नेवर } नेवल } (हि. पु.) घोडेके पांवका घाव अथवा रोग.

नेवल } (हि. पु.) (सं. नकुल)
नेवला } एक जानवरका नाम.

नेवार } (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी
निवार } चौड़ी पट्टी या कोर जिससे पलंग बुने जाते हैं.

नेह (हि. पु.) (सं. स्नेह) प्यार, प्रीत, मोह.

नेही (हि. गु.) (सं. स्नेही) प्यारा, मित्र.

नैन } (हि. पु.) (सं. नयन) आंख,
नैना } नेत्र, लोचन.

नैमिष (सं. पु.) (निमिष, अर्थात् जहां विष्णुने पलभरमें एक राक्षसको मारा था) एक तीर्थका नाम.

नैमिषारण्य (सं. पु.) (नैमिष+अरण्य) एक जंगलका नाम जहां बहुत ऋषि रहते थे और जहां सूतजीने इन सनकादि ऋषियोंको महाभारत और पुराण आदि सुनाये थे.

नैयायिक (सं. पु.) (न्याय) न्यायशास्त्र जाननेवाला, न्यायशास्त्रका पंडित.

नैर्ऋत्य (सं. पु.) (नैर्ऋत एक राक्षसका नाम जो इस कोनका दिक्पाल है) दक्खिन पच्छिमकी कोन.

नैवेद्य (सं. पु.) (निवेद) देवताका भोग, प्रसाद, चढ़ावा, बलि.

नैहर (सं. पु.) पीहर, मैका, स्त्रीके बापका घर.

नोंकचोक (हि. मुहा. स्त्री.) संकेतोंसे बातें करना.

नोकझोक (हि. मुहा. स्त्री.) खेंचाखेंची.

नोचना (हि. क्रि. स.) खसोटना, बकोटना, खरोंतना, छील डालना, नखसे उखाड़ना.

नौ } (सं. स्त्री.) (नुद्=चलना)
नौका } नाव, तरणी.

नौखंड (हि. पु.) (सं. नवखण्ड) पृथ्वीके नौ भाग.

नौगरी (हि. स्त्री.) स्त्रियोंके हाथमें पहरनेका गहना.

नौछावर (हि. स्त्री.) निछावर, उतारा, बलिहारी.

नौढाना (हि. क्रि. स.) (सं. नमन, नम्=झुकाना) शिर झुकाना.

नौतना (हि. क्रि. स.) (सं. निमंत्रण) न्योतना.

नौता (हि. पु.) (सं. निमंत्रण) नेवता.

नौमी (हि. स्त्री.) (सं. नवमी) नवीं तिथि.

नौसादर (हि. पु.) एक तरहका खार.

न्याय (सं. पु.) (नि=निश्चय, इ=गाना) धर्म्म, विचार, नीति, तर्कशास्त्र.

न्यायी (सं. पु.) (न्याय) न्याय करनेवाला, धर्मात्मा, न्यायशास्त्र जाननेवाला.

न्यार (हि. पु.) (सं. न्याद, नि+अद्=खाना) चारा, सूखी घास.

न्यारा (हि. गु.) (सं. निरालय) जुदा, अलग, एकान्त.

न्यारिया (हि. पु.) एक जातिके मनुष्य जो सोने चांदी आदि धातुओंको मैल मिट्टीसे जुदा करके निकालते हैं.

न्याव (हि. पु.) (सं. न्याय) धर्म्म, विचार.

न्यून (सं. गु.) (नि=निश्चय, ऊन=थोड़ा, अन्=कम होना) थोड़ा, कम, दोषी, पामर, नीच.

न्यूनता (सं. स्त्री.) (न्यून) कमी, घटी, छोटापन, निचाई.

न्यूनाधिक (सं.) (न्यून+अधिक) थोड़ा बहुत, कम, बेश.

प

[प]न (सं. पु.) (पत=गिरना, वा पा=बचाना, या पीना) हवा, पवन, पत्ता.
[प]पीना (पु.) बचानेवाला, पीनेवाला.
[प]ंवार (हि. पु.) (सं. प्रमर, प्र=बहुत मृ=मारना) राजपूतोंकी एक जाति.
पंवारा (हि. पु.) कहानी, कथा, इतिहास.
पंवरिया (हि. पु.) (पंवारा) भाट, कहानी कहनेवाला, नकलिया.
पंवारी (हि. स्त्री.) (सं. पर्णवाटी) पानकी वाडी.
पंख (हि. पु.) (सं. पक्ष) पांख, पर, डैना.
पंखडी (हि. स्त्री.) (सं. पक्ष) फूलकी पत्ती, कली, पखडी.
पंखा (हि. पु.) (सं. पक्ष) बीजना, बेना.
पंखी (हि. पु.) (सं. पक्ष) पखेरू, पक्षी. (स्त्री.) छोटा पंखा.
पंगत (हि. स्त्री.) (स. पंक्ति) पांत, श्रेणी, पांती.
पंगला (हि. पु.) (सं. पंगु) लंगडा, टेढ़े पांवका, अपंग.
पंछी (हि. पु.) (सं. पक्षी) पखेरू, परिन्द.
पकना (हि. क्रि. अ.) (सं. पचन, पच=पकाना) रंधना, पक्का होना.
पक्कापकाया (हि. मुहा.) तैयार पका हुआ.
पकवान (हि. पु.) (सं. पक्वान्न, पक्व=पका हुआ अन्न) पका हुआ अन्न, मिठाई.
पका } पक्का } (हि. पु.) (सं. पक्व) पका हुआ, कच्चा नहीं, रांधा हुआ, पूरा, चतुर, होशियार, निपुण, प्रवीण, सावधान, दृढ, मजबूत, पोढा, सिद्ध किया हुआ, साबित किया हुआ.
पक्व (सं. पु.) (पच्=पकना) पक्का, पका हुआ, दृढ, चतुर, प्रवीण.
पक्ष (सं. पु.) (पक्ष=लेना वा पकडना) पख, पाख, अंधेरा उजेला पख, आधा महीना, पंख, पांख, पर, डैना, सहाय, बल, तरफ, ओर, अंग, पार्श्व, पांजर, जथा, दल, टोली, तड, मित्र, आधा, शरीरका आधा भाग, तीरका पंख.
पक्षपात (सं. पु.) (पक्ष=तरफ अथवा अनुचित सहाय, पत=गिरना) अन्यायसे सहायता देना, तरफदारी, पच्छपल्लेदारी, अन्याय.
पक्षपाती (सं. पु.) (पक्षपात) पक्षपात करनेवाला, अन्यायसे सहाय करनेवाला, तरफदार, सहायक.
पक्षाघात (सं. पु.) (पक्ष=शरीरका एक भाग, आघात=मारना) अर्द्धांग, झोला.
पक्षान्तर (सं. पु.) (पक्ष=तरफ अन्तर=दूसरी) दूसरी ओर, विपक्ष.
पक्षिराज (सं. पु.) (पक्षिन्=पखेरू, राजन्=राजा) पखेरुओंका राजा, गरुड.
पक्षी (सं. पु.) (पक्ष) पखेरू, परन्द, बान, तीर, सहायक.
पख } पाख } (हि. पु.) (सं. पक्ष) पखवारा, आधा महीना, पक्ष, तरफ, जथा, सहाय.
पखडी (हि. स्त्री.) (सं. पक्ष, पंख) फूलकी पत्ती.
पखवारा (हि. पु.) (सं. पक्ष) पख, पंद्रह दिन, आधा महीना.
पखान (हि. पु.) (सं. पाषाण) पत्थर.
पखारना } पखालना } (हि. क्रि. स.) (सं. प्रक्षालन) धोना, खंघालना, शुद्ध करना, साफ करना.

पखाल (हि. स्त्री.) (सं. पयःखल) एक प्रकारका चमडेका बडा थैला जिसमें पानी लाया जाता है और वह बैलपर भैंसपर वा ऊंटपर लादी जाती है.

पखावज (हि. स्त्री.) मृदंग, एक प्रकारका बाजा.

पखवाजी (हि. पु.) पखवाज बजानेवाला.

पखेरू (हि. पु.) (सं. पक्षी) पंछी, पक्षी, परन्द.

पग (हि. पु.) (सं. पद) पांव, पैर, गोड.

पग पटतार बाजना (हि. मुहा.) नाचनेमें पावोंसे गत बजाना.

पगडण्डी / पगदण्डी (हि. स्त्री.) (पग=पाव, दण्डी=लकीर) छोटा वा संकेत रास्ता, पदाचिह्न, चोर राह, लीक, गुप्त मार्ग.

पग धारना (हि. क्रि. अ.) (पग=पैर, धारना रखना) पधारना, सिधारना, जाना, आना.

पगना / पागना (हि. क्रि. अ.) मिलना, लीन होना, रसमें डूबना.

पगला (हि. गु.) पागल, बावला, मूरख.

पगार (हि. पु.) गारा, गीली मिट्टी.

पङ्क (सं. पु.) (पचि=फैलाना) कीचड, कीच, कादों, दलदल, पाप.

पङ्कज (सं. पु.) (पङ्क=कीचड, जन्= पैदा होना) कमल, पद्म, कँवल.

पङ्कनिधि (सं. पु.) (पङ्क=कीचड, निधि=खजाना) समुद्र, सागर.

पङ्करुह / पङ्केरुह (सं. पु.) पङ्के=कीचडमें, रुह्, उगना) कमल, कँवल.

पंक्ति (सं. स्त्री.) (पचि=फैलना वा फैलाना) पांति, पंगत, धारी, लकीर, श्रेणी.

पंगु (सं. गु.) (खजि=लंगडाके चलना) लंगडा, पंगला, अपंग.

पचखना (हि. गु.) (सं. पञ्च=पांच, खण्ड=भाग घर) जिसमें पांच खण्ड हों.

पचन (सं. पु.) (पच=पचना) पचना, पाक, पका हुआ, आग, पकानेवाला.

पचना (हि. क्रि. स.) (सं. पचन) गलना, हजम होना, सडना, गलना, बिगडना, मिहनत करना, जतन करना.

पचपन (हि. गु.) (सं. पञ्च+पञ्चाशत्, पञ्च=पांच, पञ्चाशत्=पचास) पचास और पांच.

पचमहला (हि. गु.) (सं. पञ्चं=पांच महल=खन) पचखना, पचकोठा.

पचलडी (हि. स्त्री.) पांच लडकी माला.

पचानवे (हि. गु.) (सं. पञ्च+नवतिः पञ्च=पांच, नवति=नब्बे) नब्बे और पांच.

पचौनी (हि. स्त्री.) (सं. (पच्=पचना) ओझरी, आमाशय, पेटमें एक थैलीसी होती है जो खाना खाते हैं सो पहले उसीमें पहुँचता है.

पच्चर (हि. पु.) फणी, ठेका, कील, खूंटी, टेक, मेख.

पच्चर मारना (हि. मुहा.) खिझाना, सताना, दुःख देना, आड देना, किसीका काम अडा देना.

पच्ची (हि. गु.) लगा हुआ, संयुक्त, सटा हुआ.

पच्ची होना (हि. मुहा.) आपसमें सटना जैसे लेईसे, बहुत प्यार होना.

पच्चीकारी (हि. स्त्री.) जडाई, खुदाई, रफू करना, टांका मारना.

पच्छम / पच्छिम (हि. स्त्री.) (सं. पश्चिम) पछांह, पश्चिम दिशा.

पच्छी (हि. पु.) (सं. पक्षी) सहायी, साथी, सहायक, पखेरू, पक्षी.

पछताना (हि. क्रि. अ.) (सं. पश्चात्तापन, पश्चात्=पीछे, तप्=जलना) पछतावा करना, सोचना, पीछे दुःख करना, हाथ मलना, शोक या अनुताप या खेद करना, कुढ़ना, कलपना.

पछतावा (हि. पु.) (सं. पश्चात्ताप) पस्तावा, खेद, सोच, अनुताप, चिन्ता, शोक, सन्ताप.

पछवा, पछियाव (हि. स्त्री.) (सं. पश्चिमवात, पश्चिम=पच्छिम, वात=हवा) पच्छिमकी हवा.

पछाड़ (हि. स्त्री.) (पछाड़ना) पटकन, गिराना, नीचे गिराना, फटकन, पछोड़.

पछाड़ खाना (हि. मुहा.) सिरके बल गिरना.

पछाड़ना (हि. क्रि. स.) गिराना, पटकना, अधीन करना.

पछोड़ना (हि. क्रि. स.) (सं. स्फुट्=जुदा जुदा करना) फटकना.

पजावा (हि. पु.) आंवा, ईंट पकनेकी जगह.

पजेब (हि. स्त्री.) पाजेब, पैरमें पहननेका गहना.

पञ्च (सं. गु.) (पचि=फैलाना) पांच. (पु.) पंचायतमें बैठकर विचार करनेवाला, मध्यस्थ, विचारकर्ता.

पञ्चक (सं. पु.) (पञ्च=पांच) ज्योतिषमें धनिष्ठा आदि पांच नक्षत्रोंका एक जगहपर आना, पांचका समूह. (गु.) पांच, पांचसम्बन्धी.

पञ्चगव्य (सं. पु.) (पञ्च=पांच, गव्य=गायका) गायके पांच पदार्थ (जैसे दूध, दही, घी, गोबर, गोमूत.)

पञ्चतत्व (सं. पु.) (पञ्च=पांच, तत्व=भूत या पदार्थ) पांच भूत अर्थात् (पृथ्वी, पानी, आग, हवा, आकाश.)

पञ्चता (सं. स्त्री.), पञ्चत्व (सं. पु.) (पञ्च=पांच, अर्थात् शरीरके पांच तत्वोंका पांचोंमें मिल जाना) मौत, मृत्यु, मरण.

पञ्चतीर्थी (सं. स्त्री.) (पञ्च=पांच, तीर्थ=पवित्र जगह) प्रयाग पुष्कर आदि पांच तीर्थ, कार्तिक सुदि ११ से पूनोंतकके पांच दिन.

पञ्चदश (सं. गु.) (पञ्च+दश) पंद्रह.

पञ्चधा (सं. क्रि. वि.) (पञ्च=पांच, धा=प्रकार) पांच प्रकारसे, पंचविध.

पञ्चनद (सं. पु.) (पञ्च+नद) पंजाब, अर्थात् जिस देशमें सतलज, व्यासा, रावी, चनाब, झेलम ये पांच नदियां बहती हैं.

पञ्चपात्र (सं. पु.) (पञ्च+पात्र) एक बरतन जो शायद पांच धातुओंका बना होता है और पूजाके समय काम आता है, पांच पात्रोंका समूह.

पञ्चप्राण (हि. पु.) (पञ्च=पांच, प्राण=सांस) पांच प्रकारकी हवा जिनके सांस लेनेसे मनुष्य जीता है और उनके नाम ये हैं, १ प्राण, २ अपान, ३ व्यान, ४ उदान, ५ समान.

पञ्चभूत (सं. पु.) (पञ्च+भूत) पांच तत्व (अर्थात् पृथ्वी, पानी, आग, हवा, आकाश.)

पञ्चभूतात्मा (सं.) (पञ्चभूत+आत्मा) मनुष्य जो पांच तत्वोंसे बना हुआ है, देही.

पञ्चम (सं. गु.) (पञ्च) पांचवां, (पु.) एक रागका नाम.

पञ्चमी (सं. स्त्री.) (पञ्चम) पांचवीं तिथि, पांचे.

पञ्चमुख (सं.) (पञ्च+मुख) शिव, महादेव.

पञ्चरत्न (सं. गु.) (पञ्च+रत्न) पांच रतन (जैसे सोना, हिरा, मोती, लाल, नीलम और कहीं कहीं सोनेकी जगह मूंगा गिनते हैं.)

पञ्चवक्र (सं. पु.) (पञ्च=पांच, वक्र= मुँह) शिव, महादेव, सिंह.

पञ्चवटी (सं. स्त्री.) (पञ्च=पांच, वट=वृक्ष) एक जगहका नाम जो गोदावरीके पास थी जहां रामचन्द्र वनवासके समय रहे थे और जहां पीपल, बिल्व, धात्री, वड, अशोक ये पांच वृक्ष थे.

पञ्चबाण } (सं. पु.) (पञ्च=पांच,
पञ्चशर } बाण वा शर=तीर) कामदेवका नाम जिसके पांच बाण कहे जाते हैं जैसे " सम्मोहनोन्मादनौ च शोषणस्तापनस्तथा । स्तम्भनश्चेति कामस्य शराः पञ्च प्रकीर्तिताः ॥ " अर्थ- १ मोहना २ मस्त करना ३ सुखाना ४ सताना या जलाना ५ शिथिल अथवा अचेत करना ये पांच कामदेवके बाण कहलाते हैं.

पञ्चाङ्ग (सं. पु.) (पञ्च+अङ्ग) तिथिपत्र, पत्रा (जिससे १ तिथि, २ वार, ३ नक्षत्र, ४ योग, ५ करण, ये पांच जाने जांय), पंजिका.

पञ्चानन (सं. पु.) (पञ्च=पांच, आनन= मुँह) सिंह, केसरी, शेर, शिव, महादेव.

पञ्चामृत (सं. पु.) (पञ्च+अमृत) दूध, दही, चीनी, घी, मधु इन पांचोंसे बनी हुई वस्तु.

पञ्चायत (हि. स्त्री.) (सं. पञ्च) सभा जहां पांच आदमी मिलकर विचार करते हैं, विचार करनेकी सभा.

पञ्चाल (सं. पु.) पंजाबदेश.

पञ्चालिका (सं. स्त्री.) कठपुतली, गुड़िया, द्रौपदी.

पञ्चावस्था (सं. स्त्री.) बाल्य, कुमार, पौगंड, युवा, वृद्ध.

पञ्जर (सं. पु.) पँसली, ठठरी, पँसलियों का समूह, पिंजरा.

पट (सं. पु.) (पट्=घेरना वा वेठना) कपड़ा, पल्ला, पर्दा, आड़, ओट.

पट (हि. पु.) (सं. पतत्) गिरने या मारनेका शब्द, किवाड़, झिलमिल. (गु.) उलटा, औंधा, नीचे, ऊपर.

पटक (सं. पु.) पड़ाव, कनात, फौज रहनेकी जगह.

पटकार (सं. पु.) जुलाहा, कोरी बुननेवाला.

पटच्चर (सं. पु.) पुराना कपड़ा, चियडा, चोर, सेंध देनेवाला, ठग.

पटकन (हि. स्त्री.) पछाड़, चोट, लाठी.

पटकना (हि. क्रि. स.) पछाड़ना, नीचे गिराना, दे मारना.

पटका (हि. पु.) दुपट्टा, कमरबंधा.

पटड़ा } (हि. पु.) (सं. पट्ट) तख्ता
पटरा } पाटा, पीढ़ा.

पटतर (हि. गु.) बराबर, समान.

पटना (हि. क्रि. अ.) मिलना, भर पाना, पानी सींचा जाना, छाया जाना, ढक जाना, भरना.

पटना (हि. पु.) (सं. पाटलीपुत्र) एक शहरका नाम जो गङ्गाके किनारे है.

पटनि (हि. पु) कपडे, वस्त्र, उढना.

पटरानी } (हि. स्त्री.) पहली और
पाटरानी } बडी रानी, महारानी.

पटरी (हि. स्त्री.) लिखनेकी पट्टी, पटिया, कच्ची सड़क.

पटल (सं. पु.) पर्दा, ढकनेका कपड़ा, आंखका पर्दा, समूह.

पटली (हि. स्त्री.) पांत, पंक्ति, श्रेणि.
पटवाय (सं. पु.) कनात, तम्बू, डेरा.
पटवारी (हि. पु.) गांवका हिसाब रखनेवाला.
पटह (हि. पु.) बाजा, पटा, डंका, नक्कारा, नगारा.
पटा (हि. पु.) पाट, पाटा, गदका, आसन जिसपर बैठकर हिन्दूलोग पूजा करते हैं.
पटाका } (हि. पु.) येंटा, मुर्रा, छुछूंदर.
पटाखा }
पटाना (हि. क्रि. स.) सींचना, पानी देना, चौका देना, भाव ठीक करना, हुंडीके रुपये पाना, झगडा शांत होना, आग शांत होना.
पटाव (हि. पु.) सिचाई, छत बनाना, द्वारके ऊपरका काठ.
पटिया (हि. स्त्री.) (सं. पट्टिका) पटरी, पट्टी, स्लेट. (पु.) गलेमें पहरनेका एक गहना, शिरके गुहे बाल.
पटीर (सं. पु.) वंसफोड, चन्दन, घटा, मूल, केदार, क्यारी, कामदेव, चलनी, पपीहा, रांग, खदिर, उदर.
पटु (सं. पु.) चतुर, होशियार, तेज, प्रवीण.
पटुत्व (सं. पु.) चतुराई, निपुणाई.
पटुता (हि. स्त्री.) होशियारी, तेजी, प्रवीणता.
पटुआ (हि. पु.) रेशमका काम करनेवाला, रेशमसे माला और मोती आदि पिरोनेवाला.
पटेल } (हि. पु.) चौधरी, गाँवका मुखिया.
पटैल }
पटेला } (हि. पु.) एक प्रकारकी नाव, धरन, जिससे धरती बराबर करते हैं.
पटेला }
पटोल (सं. पु.) परिवर, परवर.
पट्टन (सं. पु.) नगर, शहर.
पट्टा (हि. पु.) (सं. पट्ट) बाल, अलक, पटिया जो कुत्तेके गलेमें डालते हैं, चकनामा, ठीका अथवा किसी जमीनका कागज.
पट्टू (हि. पु.) लोई, कम्बल.
पट्ठा (हि. पु.) ज्वान, पहलवान, पाठा, नस, शिरा.
पठन (सं. पु.) पाठ, पठन, अध्ययन, सबक.
पठाना (हि. क्रि. स.) भेजना.
पठावनी } (हि. स्त्री.) मजदूरी, मेहनत.
पठौनी }
पठित (सं. पु.) पढा हुआ.
पठनीय } (सं.) पढने योग्य.
पाठच }
पाठिया (हि. स्त्री.) जवान स्त्री, यौवना, छोटी बकरी.
पड़ना (हि. क्रि. अ.) (सं. पतन) गिरना, लेटना, आजाना, संयोग होना, डेरा करना, चूना.
पड़रहना } (हि. मुहा.) बेवश रहना, सो रहना, लेट रहना.
पढे रहना }
पड़ाव (हि. पु.) ठहराव, छावनी, डेरा, सेना, भीड़.
पाड़िया (हि. स्त्री.) भैंसका बच्चा.
पड़ोस (हि. पु.) (सं. प्रतिवास) पास बसना, समीपता, सहवास.
पड़ोसी (हि. पु.) (सं. प्रतिवासी) पास रहनेवाला.
पढन (हि. पु.) (सं. पठन) पढना.
पढना (हि. क्रि. स.) बाचना, पाठ करना, सीखना.
पढन्त (हि. स्त्री.) (सं. पठन) पढना, पाठ, सन्ध्या, मन्त्र, टोना, जादू.

पढागुणा } (हि. मुहा. पु.) पढा हुआ,
पढालिखा } पण्डित, निपुण.
पढाना (हि. क्रि. स.) सिखाना, सीख देना, शिक्षा देना.
पण (सं. पु.) (पण्=व्यवहार करना) प्रतिज्ञा, वचन, होड, शर्त, बाजी, बीस गंडे अथवा ८० कौडीका परिमाण, व्यवहार, लेनदेन, मूल्य, वेतन लाग, करार.
पणन (सं. पु.) विक्रय, बेंचना.
पणव (सं. पु.) छोटा ढोल.
पण्डा (सं. स्त्री.) बुद्धि, मति, समझ.
पण्डा (हिं. पु.) पुजारी, तीर्थके आचार्य.
पण्डित (सं. पु.) बुद्धिमान्, पढा हुआ, विद्वान, पढानेवाला, शिक्षक.
पण्डितमन्य (सं. पु.) विद्याभिमानी, मूर्ख.
पण्डु (हि. पु.) (सं. पाण्डु) दिल्लीका पुराना राजा, कुन्तीका पति, युधिष्ठिर आदि पाँचों पाण्डवोंका बाप.
पण्य (सं. पु.) बेचने योग्य, लेनदेन करने योग्य, वाणिज्य, सराहने योग्य.
पण्यशाला (सं. स्त्री.) दूकान, हाट, बाजार.
पण्यस्त्री (सं. स्त्री.) वेश्या, पतुरिया, रंडी.
पत (हि. स्त्री.) (सं. पद=अधिकार) प्रतिष्ठा, इज्जत, बडाई, नामवरी. (सं. पति) (पु.) स्वामी, प्रभु, धनी, मालिक. (सं. पत्र) पत्ता.
पतङ्ग (सं. पु.) सूर्य, पतंगा, उडनेवाला कीडा, गुड्डी, कनकव्वा, एक लकडी जिससे रंग निकलता है, पारा.
पतङ्गा (हि. पु.) चिनगारी, चिनगी.
पतंजलि (सं. पु.) शेष, महाभाष्यका बनानेवाला ऋषेश्वर.
पतझड (हि. स्त्री.) एक ऋतुका नाम जिसमें वृक्षोंके पत्ते झड जाते हैं.
पतन (सं. पु.) पडना, गिरना, पटकन.
पतत्र (सं. पु.) पंख, पक्ष, पर.
पतद्ग्रह (सं. पु.) पीकदान, सेना, लश्कर.
पतला (हि. गु.) (सं. प्रतनु) पतील, झीना, मिहीन, बारीक, दुबला.
पतवार (हि. स्त्री.) जहाजमें एक चीज जिससे जहाज चलाया जाता है, नाव का करण.
पता (हि. पु.) ठिकाना, खोज, चिह्न.
पताका (सं. स्त्री.) ध्वजा, झण्डा, फरहरा.
पति (सं. पु.) (पा=बचाना) स्वामी, मालिक, धनी, भर्ता, खाविंद.
पतित (सं. गु.) (पत्=गिरना) पापी, भ्रष्ट, गिरा हुआ, धर्मच्युत.
पतितपावन (सं. पु.) पापियोंको शुद्ध करनेवाला, परमेश्वर.
पतिदेवता (सं. स्त्री.) पतिव्रता, वह स्त्री जिसके पतिही देवताके बराबर हों.
पतिया } (हि. स्त्री.) (सं. पत्रिका)
पाती } चिट्ठी, खत, पत्री, प्रतीतपत्र जिसमें पण्डित लोग अपनी सम्मति लिखकर देते हैं.
पतियाना (हि. क्रि. स.) विश्वास करना, भरोसा करना, प्रतीत करना.
पतियारा (हि. पु.) (सं. प्रत्यय) भरोसा, विश्वास, प्रतीत.
पतिव्रता (सं. स्त्री.) सती, कुलवती, पतिकी सेवा करनेवाली स्त्री.
पतील (हि. गु.) मिहीन, पतला, झीना, बारीक.

पतुरिया
पतरिया } (हि. स्त्री.) वेश्या, गणिका.

पतोह
पतोहु } (हि. स्त्री.) (सं. पुत्रवधू) बेटेकी बहू, बहू.

पत्तन (सं. पु.) (पद्=जाना) नगर, शहर.

पत्तर (हि. पु.) (सं. पत्र) पत्ता, चिट्ठी, दानपत्र जो ताँबेपर खोदा जाता है, सोने चाँदीका वर्क.

पत्तल (हि. स्त्री.) (सं. पत्रावली) पत्तोंकी बनी हुई चीज जिसमें खाना खाते हैं, पनवारा.

पत्ता (हि. पु.) (सं. पत्र) दल, पात, गहना, पाता.

पत्ता होना (हि. मुहा.) भाग जाना, चम्पत होना.

पत्ती (हि. स्त्री.) पाती, पँखडी, भंग, बूटी, सबजी.

पत्थर (हि. पु.) (सं. प्रस्तर) पाषाण, शिला, पाथर.

पत्थर छातीपर रखना (हि. मुहा.) संतोष करना, चुप हो रहना, बस नहीं चलना.

पत्थर पसीजना (हि. मुहा.) कोमल चित्त होना, नर्म दिल होना, कठिन काम सहज होना.

पत्थर होना (हि. मुहा.) भारी होना, अचल होना, चुप खडा रहना, निर्दई होना.

पथरकला
पयरकला } (हि. स्त्री.) (सं. प्रस्तार-फला) बन्दूक, तुपक.

पत्नी (सं. स्त्री.) जोरू, भार्या, व्याही हुई स्त्री.

पत्र (सं. पु.) पत्ता, चिट्ठी, पुस्तकका पन्ना, सोने चाँदी अथवा और किसी धातुका पत्तर.

पत्रा (हि. पु.) (सं. पत्र) तिथिपत्र, पञ्चाङ्ग, पत्रा.

पत्रिका
पत्री } (सं. स्त्री.) चिट्ठी, पत्र.

पथ (सं. पु.) (पथ्=जाना) रास्ता, मार्ग, बाट, पैंडा, डगर.

पथराना (हि. क्रि. अ.) कडा होना.

पथरी (हि. स्त्री.) कंकरी, चकमक, पेटमें पत्थर, पत्थरका वर्तन.

पथरीला (हि. गु.) कंकरीला.

पथिक (सं. पु.) (पथ्=जाना) बटोही, यात्री, राही, मुसाफिर.

पथ्य (सं. पु.) रोगीके हितकारी भोजन, बीमारके खाने लायक चीज, पंथ.

पद (सं. पु.) (पद्=चलना) पांव, पैर, चरण, पदचिह्न, स्थान, जगह, प्रतिष्ठा, अधिकार, शब्द, विभक्तिसमेतशब्द, वस्तु, पदार्थ.

पदचर
पदचारी } (सं. पु.) पैदल.

पदज (सं. पु.) पांवकी अँगुली.

पदत्राण (सं. पु.) जूता, पनही खडाऊँ.

पदम
पदुम } (हि. पु.) (सं. पद्म) कमल, कँवल, सौ नील.

पदवी (हि. स्त्री.) बडाई, अधिकार, प्रतिष्ठा, उपनाम.

पदवी (सं. स्त्री.) मार्ग, रास्ता.

पदाति (सं. पु.) पैदल, पियादा.

पदाम्भोज (सं. पु.) चरणकमल, कमल जैसे पांव, पदारविंद.

पदारविंद (सं. पु.) चरणकमल.

पदार्थ (सं. पु.) (पद=शब्द, अर्थ=अभिप्राय) चीज, वस्तु, उत्तम वस्तु, शब्दका अर्थ, पदका अर्थ.

पद्धति (सं. स्त्री.) मार्ग, रास्ता, पंक्ति, पूजाका ग्रन्थ.

पद्म (सं. पु.) कमल, कंवल, सौ नील.

पद्मगर्भ (सं. पु.) ब्रह्मा जो विष्णुके नाभि कमलसे उत्पन्न हुये.

पद्मनाभ (सं. पु.) जिनकी नाभिमें कमल हो अर्थात् विष्णु.

पद्मराग (सं. पु.) लालमणि, माणिक.

पद्मा (सं. स्त्री.) लक्ष्मी, विष्णुपत्नी, कमला.

पद्माकर (सं. पु.) कमलोंका बड़ा तालाव.

पद्मावती (सं. स्त्री.) एक नदीका नाम, एक स्त्रीका नाम, मनसादेवी.

पद्मिनी (सं. स्त्री.) सुन्दर स्त्री, उत्तम स्त्री, कमलिनी (स्त्रियां चार प्रकारकी होती हैं १ पद्मिनी, २ चित्रिणी, ३ शांखिनी, ४ हस्तिनी.)

पद्य (सं. पु.) श्लोक, छन्द, कविता, छन्दप्रबन्ध.

पधारना (हि. क्रि. अ.) जाना, सिधारना, पग धरना, आना.

पन (हि. पु.) (सं. पण) वचन, होड़, शर्त.

पन (हि.) भाववाचक संज्ञाका चिह्न जैसे लड़कपन, भलापन आदि.

पनघट (हि. पु.) पानी भरनेका घाट.

पनच (हि. स्त्री.) (सं. प्रत्यंचा) चिल्ला, धनुषकी रस्सी.

पनचक्की (हि. स्त्री.) पानीके वेगसे चलनेवाली चक्की.

पनपना (हि. क्रि. अ.) मोटा होना, बढ़ना.

पनबट्टा (हि. पु.) पान रखनेका डब्बा.

पनवाडी } (हि. स्त्री.) (सं. पर्णवाटी)
पनबारी } पानकी बाड़ी.

पनवारा (हि. पु.) पत्तल.

पनस (सं. पु.) कटहर, एक बन्दरका नाम.

पनसारी (हि. पु.) पसारी.

पनसोई (हि. स्त्री.) छोटी नाव.

पनहारिन } (हि. स्त्री.) (सं. पानीय-
पनहारी } हारिणी) पानी भरनेवाली.

पनही (हि. स्त्री.) जूता, जूती.

पनारी } (हि. स्त्री.) (सं. प्रणाली)
पनाली } मोरी, नाली.

पनिया (हि. पु.) पानी, जल. (गु.) पानीका.

पनियाना (हि. क्रि. स.) सींचना, पानी देना.

पन्थ (हि. पु.) (सं. पन्था) रास्ता, मार्ग, राह, मत, धर्म.

पन्नग (सं. पु.) (पन्न=गिरता हुआ या नीचे मुँह किये हुये, गम्=चलना) सांप, सर्प, नाग.

पन्नगारि (सं. पु.) गरुड, विष्णुका वाहन.

पन्नगाशन (सं.) गरुड, विष्णुका वाहन.

पन्ना (हि. पु.) (सं. पर्ण) पत्र, पत्रा, नीलमणि.

पपनी (हि. स्त्री.) आंखकी बरुनी.

पपिहा } (हि. पु.) एक पखेरू जो वस-
पपीहा } तमें बहुत बोला करता है.

पपोटा (हि. पु.) पलक, आँखका पुट.

पयः (सं. पु.) (पा=पीना) दूध, जल.

पयनिधि (हि. पु.) समुद्र.

पयस्विनी (सं. स्त्री.) नदी, दुधार गाय.

पयान (हि. पु.) (सं. प्रयाण) चलना, कूच, बिदा, प्रस्थान, यात्रा.

पयाल (हि. पु.) पुआल, खर, तिनका.

पयोद (सं. पु.) बादल, घटा, मेघ.

पयोधर (सं. पु.) मेघ, बादल, स्त्रीकी चूंची, स्तन, नारियल, गन्ना, सुगन्धित घास.

पयोधि (सं. पु.) समुद्र, सागर.

पयोनिधि (सं. पु.) समुद्र, सागर.

पयोराशि (सं. पु.) समुद्र, सागर.

पर (सं. गु.) (पृ=भरना) दूसरा, पराया, और, भिन्न, अन्य, विदेशी, परदेशी, दूर, परे, पिछला, उत्तम, श्रेष्ठ, प्रधान, सबसे बढा, विरोधी, प्रतिकूल, बहुत, अधिक, लगा हुआ. (पु.) वैरी, शत्रु. (क्रि. वि.) केवल, इसके पीछे, समुच्चा, किन्तु, लेकिन.

परकीया (सं. स्त्री.) दूसरेकी स्त्री, पराये पुरुषके पास जानेवाली स्त्री.

परख (हि. स्त्री.) (सं. परीक्षा) जांच, इमतिहान, कसौटी.

परखना (हि. क्रि. स.) (सं. परीक्षण) जांचना, परीक्षा करना, निरखना.

परचूनिया (हि. पु.) मोदी, बनिया, आटा दाल बेचनेवाला.

परछना (हि. क्रि. स.) दुलहा और दुलहिनकी आरती उतारना.

परजंक (हि. पु.) (सं. पर्यंक) पलंग.

परत (हि. स्त्री.) पुट, तह, चुनत, लड, थाक, नकल, कापी.

परतन्त्र (सं. गु.) परवस, पराधीन, दूसरेके वश.

परतला (हि. पु.) तलवारकी पट्टी.

परती (हि. स्त्री.) पड़ी धरती, बिन बोई धरती.

परदेश (सं. पु.) विदेश, पराया देश, और मुल्क.

परदेशी (सं. गु.) विदेशी.

परनाना (हि. क्रि. स.) (सं. परिणय) व्याह करना, शादी करना.

परनाना (हि. पु.) नानाका बाप.

परन्तु (सं.) समुच्चा, किन्तु, लेकिन.

परपराना (हि. क्रि. अ.) चरपराना, जलना.

परवस (हि. गु.) पराधीन.

परब्रह्म (सं. पु.) सर्वशक्तिमान् ईश्वर, परमात्मा.

परम (सं. गु.) बहुत अच्छा, उत्तम, प्रधान, सबसे पहला, भला.

परमगति (सं. स्त्री.) मोक्ष, मुक्ति, उत्तम दशा.

परमत (सं. पु.) दूसरेकी सलाह.

परमधाम (सं. पु.) वैकुंठ, स्वर्ग.

परमपद (सं. पु.) सबसे अच्छी जगह, स्वर्ग, मोक्ष.

परममित्र (सं. पु.) पक्का दोस्त.

परमब्रह्म (सं. पु.) परमेश्वर.

परमहंस (सं. पु.) (परम=उत्तम, हंस=आत्मा) योगी, संन्यासी.

परमाणु (सं. पु.) बहुतही छोटी वस्तु, कनकनिका, पल.

परमात्मा (सं. पु.) परब्रह्म, परमेश्वर.

परमानन्द (सं. पु.) बहुत खुशी.

परमार्थ (सं. पु.) उत्तम पदार्थ, सबसे विषय वा प्रयोजन, यथार्थ ज्ञान, धर्म, पुण्य.

परमेश्वर (सं. पु.) ईश्वर, सर्वशक्तिमान्.

परमोदार (सं. गु.) बडा दातार, श्रेष्ठ, उत्तम.

परम्परा (सं. स्त्री.) सन्तान, वंश, पीढी, रीति, परिपाटी, क्रम, पुराने समयकी रीति.

परला (हि. गु.) दूसरी ओरका, उस तरफका.

परलोक (सं. पु.) दूसरा लोक, स्वर्ग.

परवश (सं. गु.) पराधीन.

परशु, पर्शु (सं. पु.) (पर=वैरी, शृ=मारना) फरसा, कुल्हाडी, टँगी.

परशुधर (सं. पु.) परशुराम.

परशुराम (सं. पु.) यमदग्निऋषिका बेटा और विष्णुका छठा अ[illegible]

पर्वणी } (सं. स्त्री.) त्योहार, उत्सव, पर्विणी } तिहवार.
पर्वत (सं. पु.) पहाड, गिरि, शैल, भूधर.
पर्वतारि (सं. पु.) इन्द्र.
पर्वतीय (सं. गु.) पहाडी, पहाडका.
पल (सं. स्त्री.) घडीका साठवां भाग, निमेष, दम, आन.
पलभरमें (मुहा.) तुरंत, उसी दम, पल मारते, शीघ्र.
पलक (हि. स्त्री.) आंखका पुट, पपोटा, बरुनी, पपनी, पल, क्षण.
पलंग (हि. पु.) सेज, शय्या, खाट, चारपाई.
पलटन (हि. पु.) (अं. Battalion) हजार सिपाहियोंका थोक.
पलटना (हि. क्रि. अ.) पीछा आना, फिर जाना, लौट जाना, बदलना, बदल लेना, नकारना, इन्कार करना.
पलटा (हि. पु.) बदला, एराफेरी, बट्टा, अदला बदला, प्रतिफल, पीछा उपकार करना, पीछा वैर लेना.
पलटा लेना (हि. मुहा.) पीछा ले लेना. लौटा लेना, बदला लेना, वैर लेना.
पलडा (हि. पु.) तराजूका एक पल्ला.
पलथी (हि. स्त्री.) कूला टेककर जमीनपर बैठना, एक प्रकारका आसन या बैठनेका ढंग.
पलना (हि. क्रि. अ.) पनपना, प्रतिपालित होना.
पलवल (हि. पु.) (सं. पटोल) परवल, एक तरकारीका नाम.
पलवार (हि. पु.) एक प्रकारकी नाव.
पला (हि. पु.) बडा चमचा, कलछुल, दर्वी, डोई, तेल आदि निकालनेका बरतन.
पलायन (सं. पु.) भागना, भागाभाग.
पलाश (सं. पु.) टेसूका वृक्ष, ढाकका वृक्ष.
पली (हि. स्त्री.) चमची जिससे तेल आदि निकाला जाता है.
पलीत (हि. पु.) (सं. प्रेत) भूत, पिशाच.
पलीता (हि. पु.) बत्ती, बन्दूकका तोडा.
पलेथन (हि. पु.) सूखा आटा जो रोटीपर बेलनेके समय लगाया जाता है.
पलोटना (हि. क्रि. स.) धीरे २ पांव दाबना.
पल्लव (सं. पु.) नया पत्ता, अंकुर, कैल.
पल्लवित (सं. गु.) नये पत्तोंवाला, पुलकित, रोमाञ्चित, प्रसन्न.
पल्ला (हि. पु.) अन्तर, दूरी, टप्पा, कपडेका छोर, सहायता, अंचल, छोर.
पल्लू (हि. पु.) कपडेका खूंट, आंचल, अंचल, छोर.
पल्लूदार (हि. पु.) कपडा जिसका पल्ला सुनहरी वा रूपहरी हो.
पवन (सं. स्त्री.) (पू=पवित्र करना) हावा, वायु, बयार, बतास, बाव.
पवनकुमार (सं. पु.) हनुमान, पवनका बेटा.
पवनतनय (सं. पु.) हनुमान.
पवनरेखा (सं. स्त्री.) उग्रसेनकी स्त्री और कंसकी माता.
पवनसुत (सं. पु.) हनुमान, पवनका बेटा.
पवारना (हि. क्रि. स.) फेंकना, भेजना.
पवि (सं. पु.) (पू=शुद्ध करना अर्थात् दुर्जनोंको मारपीट करके शुद्ध करना. वज्र, इन्द्रका शस्त्र.
पवित्र (सं. गु.) निर्मल, शुद्ध, पापरहित, साफ, विमल, (पु.) यज्ञोपवीत, जनेऊ, कुश.

पवित्रता (सं. स्त्री.) शुद्धता, सफाई.
पवित्री (हि. स्त्री.) कुश घासकी अथवा सोना चांदी और ताँबा इन तीन धातुओंकी बनी हुई अंगूठी जिसको हिन्दू लोग पूजा करते समय पहनते हैं.
पशु (सं. पु.) (दृश्=देखना, जो सबको बराबर देखता है और भले बुरेका विचार नहीं करता) चौपाया, जीव, जन्तु, गाय भैंस आदि, देवता.
पशुपति (सं. पु.) महादेव, शिव.
पशुपाल, पशुपालक (सं. पु.) ग्वाला, अहीर.
पशुराज (सं. पु.) सिंह.
पश्चात् (सं. क्रि. वि.) इसके पीछे, पश्चिम दिशाकी ओर.
पश्चात्ताप (सं. पु.) पछतावा, पस्तावा, अनुताप.
पश्चिम (सं. स्त्री.) पश्चिमदिशा, पछाँह. (गु.) पश्चिमका.
पषाण (हि. पु.) पत्थर, शिला.
पसरना (हि. क्रि. अ.) फैलना.
पसली (हि. स्त्री.) (सं. पार्श्व) पांशुली, पंजर, पाँजर.
पसाना (हि. क्रि. स.) (सं. प्रस्रावण) मांड निकालना, रींधे हुये चावलोंमेंसे पानी निकालना.
पसारना (हि. क्रि. स.) फैलाना, बिछाना.
पसारी (हि. पु.) पनसारी शब्द देखो.
पसीजना (हि. क्रि. स.) (सं. प्रस्वेदन) पिघलना, नर्म होना, पसीना निकलना, कोमल चित्त होना.
पसीना (हि. पु.) (सं. प्रस्वेद) प्रसेव, स्वेद.
पसेव (हि. पु.) पसीना.
पस्ताना (हि. क्रि. अ.) पछताना, पश्चात्ताप करना.

पह (हि. स्त्री.) भोर, तडका, पोह, सवेरा.
पह फटना, पो फटना (हि. मुहा.) भोर होना, तडका होना, दिन निकलना.
पहचान (हि. स्त्री.) जानना, जानपहचान, ज्ञान, लक्षण, चिह्न.
पहचानना, पहिचानना (हि. क्रि. स.) (सं. प्रतिज्ञान) जानना, चीन्हना, लक्षण करना.
पहनना, पहरना, पहिरना (हि. क्रि. स.) (सं. परिधान) कपडा पहनना, कपडा ओढना, शरीरपर कपडा धारण करना.
पहनावा (हि. पु.) पहिराव, पोशाक.
पहर (हि. स्त्री.) (सं.) प्रहर दिनरातका आठवां भाग, तीन घंटा, आठ घडी.
पहरा (हि. पु.) चौकी, गश्त, फेरा, एक नायक अथवा जमादार और छः चौकीदार.
पहरा देना (हि. मुहा.) जागता रहना, चौकसी करना, रखवाली करना.
पहरेमें डालना (हि. मुहा.) हवालातमें रखना, पहरूयेको सौंपना.
पहरेमें पड़ना (हि. मुहा.) हवालातमें रहना.
पहरावनी (हि. स्त्री.) व्याहमें दुलहनके घरसे वरातियोंको जो कपडा रुपया आदि दिया जाता है.
पहरिया, पहरुआ, पहरू (हि. पु.) (सं. प्रहरी) चौकीदार, रखवाली करनेवाला, पौरिया.
पहल (हि. पु.) रूईका गाला, प्रारम्भ, शुरू, आदि, खेतकी भुजा.
पहला, पहिला (हि. गु.) (सं. प्रथम) प्रथम, आदि.
पहाड (हि. पु.) पर्वत, शैल.
पहाडसी रातें (हि. मुहा.) बड़ी रातें, दुःखकी रातें.

पहाड़ा (हि. पु.) जोडती गुनाका नकशा.

पहाडिया } (हि. पु.) पहाडका, पर्वती.
पहाड़ी }

पहाडी (हि. स्त्री.) छोटा पहाड, टीला, टेकरी.

पहिया (हि. पु.) पया, चाका, चक्का.

पहिलौटा (हि. पु.) पहिला, जेठा, ज्येष्ठ.

पहुँच (हि. स्त्री.) आना, आगमन, शक्ति, सयानापन, अच्छी समझ, पैठ, पसार, प्रवेश, दखल, गुजर, घुस पैठ, रसीद.

पहुँचना (हि. क्रि. अ.) आ जाना, दाखिल होना, उतरना, आ रहना, जाना, फैलना, चलना, चढ जाना, पास आना.

पहुँचा (हि. पु.) कलाई.

पहुँची (हि. स्त्री.) पहुँचेमें पहरनेका गहना, कङ्कण, कंगना.

पहुड़ना (हि. क्रि. अ.) लेटना, आराम करना, सोना.

पहुनई (हि. स्त्री.) (सं. प्राघूर्णता) आदर, मान, मनुहार, अतिथिसेवा, मेहमानी.

पहुप } (हि. पु.) (सं. पुष्प.) फूल,
पुहुप } सुमन.

पहेली (हि. स्त्री.) (सं. प्रहेली, अथवा प्रहेलिका) दृष्टकूट, गूढप्रश्न, श्लेष, बुझव्वल.

पाँक } (हि. पु.) (सं. पङ्क) की-
पाँका } चड, दलदल, कादो.

पाँच (हि. पु.) (सं. पञ्च.) दो और तीन, ५.

पाँचसात (हि. मुहा.) घबराहट, व्याकुलता, जंजाल.

पाँजर (हि. पु.) सं. (पञ्जर) पसली, पार्श्व.

पाँडे } (हि. पु.) (सं. पण्डित) ब्रा-
पाँड़े } ह्मणोंकी पदवी, पाठक, अध्यापक पढानेवाला.

पाँत }
पाँती } (हि. स्त्री.) (सं. पंक्ति.) कतार, श्रेणी, लकीर, अवली,
पाँति } सिपाहियोंका परा.

पाँयती (हि. स्त्री.) (सं. पादान्त) पायतल, बिछौनेके पैरकी ओर.

पाँव (हि. पु.) (सं. पाद) पैर, पद, चरण, गोड.

पाँव उठाना वा चलाना (हि. मुहा.) झट २ चलना, जल्दी २ चलना.

पाँव उतरना (हि. मुहा.) पाँवका जोड टलना, पाँव गाठसे उतरना.

पाँव काँपना या थरथराना (हि. मुहा.) किसी कामके करनेसे डरना.

पाँव किसीका उखाड़ना (हि. मुहा.) किसीको किसी कामपर जमने नहीं देना.

पाँव चल जाना (हि. मुहा.) डगमगाना, अस्थिर होना.

पाँव जमाना (हि. मुहा.) दृढ़ होके ठहरना, मजबूतीसे ठहरना.

पाँव जमीनपर न ठहरना (हि. मुहा.) बहुत प्रसन्न होना, बहुत, खुश होना, बहुत घमण्ड करना.

पाँव डालना (हि. मुहा.) किसी बडे कामके करनेके लिये तय्यार होना.

पाँव डिगना (हि. मुहा.) खिसकना, फिसलना, किसी कामसे हिम्मत हार जाना.

पाँवतले मलना (हि. मुहा.) किसीको दुःख देना, सताना.

पाँव तोड़ना (हि. मुहा.) किसीके मिलनेसे रुक रहना, किसीके मिलनेके लिये कई बार जाना, थक जाना.

पाँव धो धो पीना (हि. मुहा.) बहुत मानना, बहुत खुशामद करना.

पाँव निकालना (हि. मुहा.) अपनी मर्यादा अथवा हद्दसे बढ़ जाना, किसी अपराधके करनेमें मुखिया होना.

पाँव पकडना (हि. मुहा.) गरीबी अथवा अधीनीसे विनती करना, शरण लेना.

पाँव पडना (हि. मुहा.) गिडगिडाना, गरीबीसे विनती करना, खुशामद करना.

पाँव पाँव } (हि. मुहा.) पैदल, पियादे, पाँव पाँओं } पैरों.

पाँव पीटना (हि. मुहा.) अधीरतासे पाँव पटकना, वृथा कोशिश करना.

पाँव पूजना (हि. मुहा.) किसीको बडा मानना, अलग रहना, दूर रहना.

पाँव फूँक फूँककर रखना (हि. मुहा.) हर एक कामको सावधानीसे करना.

पाँव फैलाकर सोना (हि. मुहा.) सुखी रहना, चैनसे रहना, निडर रहना.

पाँव फैलाना (हि. मुहा.) हठ करना, अडना.

पाँव भर जाना (हि. मुहा.) पाँव ठिठरना, पाँव सो जाना.

पाँव रगडना (हि. मुहा.) वृथा मूर्खतासे भटकना, मरनेके दुःखमें होना.

पाँव लगना (हि. मुहा.) प्रणाम करना, नमस्कार करना.

पाँव सोना (हि. मुहा.) पाँव सुन हो जाना.

दबे पाँव आना (हि. मुहा.) धीरेसे आना.

पाँवडा (हि. पु.) वह कपडा अथवा शतरंजी गलीचा आदि जिसपर बडे आदमी पैर रखकर चलते हैं.

पाई (हि. स्त्री.) एक आनेका चौथा भाग, एक पैसा, अंगरेजी पाई एक आनेका बारहवाँ हिस्सा होता है.

पाक (सं. पु.) (पच=पकना वा पकाना) रांधन, पचन, रसोई, पकवान, पकाई हुई दवाई या और कोई वस्तु, उल्लू, एक दैत्यका नाम, बालक, छोटा लडका,

पाकड (हि. पु.) एक वृक्षका नाम, पाकडिया, एक प्रकारका गूलर वृक्ष.

पाकरिपु (सं. पु.) इन्द्र.

पाकशाला (सं. स्त्री.) रसोईघर, पकानेकी जगह.

पाकशासन (सं. पु.) इन्द्र.

पाखर (सं. पु.) घोडे हाथीको बचानेके लिये बकतर.

पाग (हि. स्त्री.) पगडी.

पागल (हि. पु.) पगला, सिडी, उन्मत्त, बौडाहा, मूर्ख.

पाचक (सं. पु.) पचानेवाली वस्तु जैसे चूर्ण आदि, आग, रसोइया.

पाछे } (हि. क्रि. वि.) (सं. पश्चात्) पाछैं } पीछे, इसके बाद, परे, पीठ पीछे.

पाट (हि. पु.) कपडेकी अथवा नदीकी चौडाई, सण.

पाट (हि. पु.) (सं. पट्ट) रेशम, चक्कीका पत्थर, सिंहासन, चौकी, पटरा.

पाटना (हि. क्रि. स.) छाना, ढकना, भरना, रेलपेल करना, सींचना.

पाटम्बर (हि. पु.) रेशमका कपडा.

पाटरानी (हि: स्त्री.) पटरानी, महारानी.
पाटल (सं. पु:) एक पेडका नाम, गुलाबी रंग.
पाटलिपुत्र (सं. पु.) पटना नगर.
पाटव (सं. पु.) चतुराई, प्रवीणता.
पाटा (हि: पु.) (सं: पट्ट) पटरा, तखता, धोबीके कपडा धोनेका तखता.
पाटी (हि. स्त्री.) (सं. पट्टिका) खाटकी पटिया, एक तरहकी चटाई, तखती जिसपर लडके लिखना सीखते हैं.
पाठ (सं: पु.) पढना, सन्था, सबक, अध्याय.
पाठक (सं. पु.) पढानेवाला, शिक्षक, पण्डित, पढनेवाला, ब्राह्मणोंकी पदवी.
पाठशाला (सं. स्त्री.) पढानेकी जगह, पाठशाला, स्कूल, कालेज.
पांठा (हि. पु.) जवान जानवर, मल्ल.
पाठीन (सं. पु.) एक प्रकारकी मछली.
पाडना (हि. क्रि. स.) गिराना, मारना.
पाढा (हि. पु.) (सं. पृषत) एक जंगली जानवरका नाम.
पाणि (सं. पु.) हाथ, हस्त.
पाणिग्रहण (सं. पु.) ब्याह, विवाह, शादी.
पाणिनि (सं. पु.) अष्टाध्यायी व्याकरण आदिका बनानेवाला मुनि.
पाणिनीय (सं. गु.) पाणिनिऋषिका बनाया हुआ (व्याकरणशास्त्र आदि).
पाण्डर (सं. गु.) पीला और धौला, फीका. (पु.) कुन्दफूल, श्वेतपुष्प.
पाण्डव (सं. पु.) पाण्डुके बेटे, युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव.
पाण्डित्य (सं. पु.) पण्डिताई, विद्या.
पाण्डु (सं. पु.) (पाडि=जाना) दिल्लीका एक पुराना राजा और पाण्डवोंके बाप, धौला और पीला रंग, श्वेत रंग, एक फूल और पौधेका नाम. (गु.) पीला और धौला, सीठा, फीका.
पात (हि. पु.) (सं. पत्र.) पत्ता, कानमें पहरनेका एक प्रकारका गहना.
पातक (सं. पु.) पाप, दोष, अपराध, गुनाह.
पातकी (सं. पु.) पापी, अपराधी, दोषी.
पातञ्जल (सं. पु.) पतञ्जलि मुनिका बनाया हुआ योगशास्त्र आदि.
पातर (हि. स्त्री.) वेश्या, पतुरिया, कंचनी, गणिका. (गु.) दुबला, पतला.
पाताल (सं. पु.) (पत्=गिरना, जहां पानी गिराया जाता है, अथवा पात=गिरना, आलय=स्थान) नीचेका लोक, नागलोक, नरक, पाताल ७ हैं (१ अतल, २ वितल, ३ सुतल, ४ तलातल, ५ महातल, ६ नितल, ७ रसातल.)
पाती (हि. स्त्री.) (सं. पत्री) चिट्ठी, पत्ता.
पात्र (सं. पु.) बरतन, बासन, अधार, प्याला, कटोरा, दान देने योग्य विद्यावान् ब्राह्मण. (गु.) उचित, योग्य.
पात्रता (सं: स्त्री.) } योग्यता.
पात्रत्व (सं. पु.) }
पाथ } (सं. पु.) (पा=पीना.) पानी, जल.
पाथस् }
पाथर (हि. पु.) (सं. प्रस्तर.) पत्थर, पाषाण, शिला.
पाथेय (सं. पु.) (पंथ=रास्ता) रास्तेका खाना, राहखर्च.

पाथोज (सं. पु.) (पाथस्=पानी, जन=पैदा होना) कमल, कँवल, पद्म.
पाथोद (सं. पु.) बादल, मेघ, घटा.
पाथोधर (सं. पु.) बादल, मेघ, घटा.
पाथोधि (सं. पु.) सागर, समुद्र, सिन्धु.
पाथोनिधि (सं. पु.) सागर, समुद्र, सिन्धु.
पाद (सं. पु.) (पद्=जाना, जिससे चलते हैं) पैर, पाँव, चरण, चौथा भाग, वृक्षकी जड.
पाद (हि. पु.) (सं. पर्द.) फुसकी, हुसकी, नीचेकी हवा, अपशब्द.
पादचारी (सं. पु.) पैदल, पैरोंसे चलनेवाला.
पादप (सं. पु.) (पाद=पैर वा जड, पा=पीना अर्थात् जडसे पानी खैंचते हैं) वृक्ष, पेंड, पादुका, पादपीठ.
पादप्रक्षालन (सं. पु.) पाँव धोना.
पादप्रहार (सं. पु.) लात.
पादुका (सं. स्त्री.) खडाऊँ, पावडी, जूता.
पादोदक (सं. पु) देवता अथवा ब्राह्मणके पाँव धोनेका पानी, पाद्य.
पाद्य (सं. पु.) पाँव धोनेका पानी.
पाधा (हि. पु.) गुरु, शिक्षक.
पान (हि. पु.) (सं. पर्ण) पत्ता, ताम्बूल.
पान (सं. पु.) पीना.
पानपात्र (सं. पु.) गिलास, पियाला.
पाना, पावना (हि. क्रि. अ.) (सं. प्रापण) मिलना, लेना, इकट्ठा करना, हासिल करना, बाकी होना, भोग करना, भुगतना, सहना, पकडना, धरना, पहुँचना, पास आना.
पानी (हि. पु.) (सं. पानीय) नीर, जल, बीज, वीर्य्य, धात, चमक, भडक, यश, कीर्त्ति, मान, मर्यादा, नाम.
पानी करना (हि. मुहा.) लजाना, चपाना, सहज करना, सुगम करना.
पानीका बुलबुला (हि. मुहा.) चंचल, अस्थिर.
पानी देना (हि. मुहा.) पितरोंको जल, देना, तर्पण करना.
पानी पडना (हि. मुहा.) मेह बरसना, पानी बरसना.
पानी भरना (हि. मुहा.) नीचा होना, तुच्छ होना, निचाईको मान लेना, शरमा जाना.
पानीमें आग लगाना (हि. मुहा.) जो झगडा मिटगया हो उसको फिर उठाना.
पानीसे पतला करना (हि. मुहा.) लजाना, लज्जित करना, चपाना, तुच्छ करना.
पान्थ (सं. गु.) बटोही, पथिक, मुसाफिर, राह चलनेवाला, राही.
पाप (सं. पु.) अपराध, पातक, बदी, बुराई.
पापड (हि. पु.) उरद वा मूँगकी बनी हुई पतली रोटीसी चीज.
पापड बेलना (हि. मुहा.) बहुत मिहनत करना वा दुःख सहना.
पापरूप (सं. पु.) पापकी सूरत, दुष्ट.
पापात्मा (सं. पु.) जिसकी आत्मा पापयुक्त हो, जिसका मन पापमें लगा रहे, दुष्ट.
पापिन (हि. स्त्री.), पापिनी (सं. स्त्री.) बुरी स्त्री, दुष्टा स्त्री, वह स्त्री जिसका मन पापमें लगा रहे.
पापिष्ठ (सं. गु.) पापी, पापात्मा.
पापी (सं. गु.) अपराधी, दुष्ट, कुकर्म्मी.
पामर (सं. गु.) नीच, अधम, मूढ.
पामा (सं. स्त्री.) खुजली, खाज.
पामारि (सं. पु.) गंधक, जिसके लगानेसे खुजली मिट जाती है.

पायंती (हि. स्त्री.) खाटके पैरकी ओर, पायतल.

पायल (हि. स्त्री.) पैरोंमें पहननेका गहना, बाँसकी सीढी.

पायस (सं. पु.) खीर.

पाया (हि. पु.) खाट, मेज अथवा कुर्सी आदिका पावा.

पायिक, पायक, पाहक } (हि. पु.) (सं. पादिक) दूत, पियादा, पैदल.

पार (हि. पु.) नदी अथवा समुद्रका परला तीर, दूसरी ओर, समाप्ति, पूर्णता, अन्त, शेष. (सं. वा. क्रि. वि.) आरपार, वारपार, उस ओर, उससे परे, उस तीर.

पार करना (हि. मुहा.) नाँघना, पार, उतरना, पूरा करना, निवाहना, छेदना, बँधना, फोडना.

पारखी (हि. पु.) (सं. परीक्षक) परखैया, जौहरी, परखनेवाला.

पारण (सं. पु.) (पार्=काम पूरा होना) व्रतके दूसरे दिन भोजन करना, मेघ, बादल.

पारद (सं. पु.) (पृ=भरना वा पूरा करना) पारा. (पार=पार करना, दा=देना) (गु.) पार करनेवाला, उद्धार करनेवाला.

पारना (हि. पु.) (सं. पारण.) व्रत करके दूसरे दिन भोजन करना. (क्रि. स.) निबेडना, पूरा करना.

पारस (हि. पु.) (सं. स्पर्शमणि) ऐसा पत्थर जिसको कहते हैं कि लोहेके छूनेसे लोहेका सोना हो जाता है.

पारस (हि. पु.) (सं. पारस अथवा पारसीक) फारस देश, ईरान.

पारसनाथ (हि. पु.) (सं. पार्श्वनाथ) जैनियोंका तेईसवाँ जिन.

पारसी (हि. पु.) (सं. पारसी) पारस देशका रहनेवाला, ईरानी, जरदुस्तका मत माननेवाला. (स्त्री.) फारसी बोली.

पारा (हि. पु) (सं. पार वा पारद) एक प्रकारकी धातु.

पारायण (सं. पु.) (पार=पूर्णता, अय=जाना) पूर्णता, समाप्ति, पुराणका पाठ, सात दिन श्रीमद्भागवतका पाठ सुनाना.

पारावार (सं. पु.) समुद्र, नदीके दोनों तीर, वारापार, पारवार, इस उस पार, हद्द, सींव.

पाराशर (सं. पु.) पराशर ऋषिका बेटा, वेदव्यास, पराशरके बनाये हुये ग्रन्थ, जैसे पराशरस्मृति, भिक्षुसूत्र आदि.

पारिजात (सं. पु.) (पारि=समुद्र, जन=पैदा होना) देवताओंका वृक्ष, देवतरु, सुरद्रुम, मूँगा.

पारितोपिक (सं. पु.)(परि=बहुत, तुष्=प्रसन्न होना) इनाम, दान, भेंट, प्रतिफल.

पारिपात्र, पारियात्र } (सं. पु.) एक पहाडका नाम जो विंध्याचलकी श्रेणीका पश्चिमी भाग है और मालवाकी सींवपर है.

पारी (सं. स्त्री.) पानीकी ठिलिया.

पारी (हि. स्त्री) बारी, अवसर.

पार्थ (सं. पु.) कुन्तीके बेटे युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन.

पार्थिव (सं. गु.) पृथ्वीका. (पु.) राजा शिव.

पार्थिवी (स्त्री.) सीता, जानकी.

पार्वती (सं. स्त्री.) हिमालयकी बेटी, शिवरानी, दुर्गा.

पार्श्व (सं. पु.) पाँजर, पाखा, बगलके नीचेका भाग, पसलियोंका समूह. (गु.) पास, नजदीक, समीप.

पार्श्ववर्ती (सं. पु.) पास रहेवाला, निकटस्थ, समीपवर्ती, पासका.
पाल (हि. पु.) नावका बादवान, छोटा तम्बू, घास और पत्ते आदिका तह जिसमें कच्चे आम रखकर पकाते हैं.
पालक (सं. पु.) पालनेवाला, बचानेवाला, रक्षक.
पालक (हि. पु.) सोआ, एक तरहका साग, पलंग.
पालकी (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी सवारी, चौपाला, डोली.
पालन (सं. पु.) बचाव, रक्षा, पालना, पोषण, बचाना.
पालना (सं. क्रि. स.) बचाना, पोसना, रक्षा करना. (पु.) हिंडोला, झूलना.
पाला (हि. पु.) (सं. प्रालेय) बर्फ, हिम, ठंार, तुषार. (सं.) विश्वास, भरोसा, अमानत, बचाना, कबड्डीके खेलमें रेतकी मेंड जो बीचमें बनाई जाती है, झडबेरीके पत्ते.
पालागन (हि. पु.) पाँव छूना, प्रणाम करना.
पाले (सं. स्त्री.) मागधी प्राकृत भाषा.
पालित (सं. गु.) पाला हुआ, रक्षित, बचाया हुआ.
पाले (हि.) अधीन, बचावमें, हाथमें, वसमें.
पाले पडना (हि. मुहा.) दूसरेके वसमें आजाना.
पाव (हि. पु.) (सं. पाद) चौथाई, चौथा भाग, चौथ, चतुर्थांश.
पावक (स. पु.) (पू=पवित्र करना) आग, अग्नि. (गु.) पवित्र.
पावन (सं. गु.) पवित्र, पवित्र करनेवाला, स्वच्छ. (पु.) पानी, आग.
पावला (हि. पु.) चार आना, मुद्रा अर्थात् सिक्केका चौथा भाग.
पावस (हि. पु.) वर्षाकाल, वर्षाऋतु, बरसात.
पाश (सं. स्त्री.) फंदा, फाँसी, जानवरोंको बांधनेकी डोरी.
पाशा, पासा (हि. पु.) चौपड खेलनेकी एक छः पहलू चीज, अक्ष.
पाषंड (हि. पु.) (सं. पाषण्डय) कपट, छल, फरेब.
पाषण्ड, पाखण्ड, पाषण्डी (सं. पु.) नास्तिक, वेद-धर्मको नहीं माननेवाला, कपटी, छली, ठग, दंभी.
पाषाण (सं. पु.) पत्थर, शिला, उपल.
पास (हि. स्त्री.) (सं. पाश) फाँसी, फन्दा.
पास (हि.) (सं. पार्श्व) नगीच, समीप, निकट.
पासी (हि. स्त्री.) (सं. पाश) फंदा, फाँसी, रस्सी जिससे घोडेके पैर बांधे जाते हैं. (पु.) बहेलिया, चिडीमार.
पासी (हि. पु.) एक जातिके मनुष्य जिनका धंधा ताडी बेचनेका है और जब वे ताडपर चढते हैं तब अपने पैरोंके चौफेर रस्सी बांधते हैं.
पाहन, पाहान (हि. पु.) (सं. पाषाण) पत्थर, पाथर.
पाहि (सं. क्रि. स.) (पा=बचाना) बचाओ, रक्षा करो.
पाहीं (हि.) पास निकट, समीप.
पाहुन, पाहुना (हि. पु.) (सं. प्राघुण) महमान, अतिथि.
पिउ, पिऊ (हि. गु.) (सं. प्रिय) पति, स्वामी, भर्ता, प्रियतम.
पिक (सं. स्त्री.) कोयल, कोकिल.

पिकबयनी } (हि. स्त्री. गु.) जिस
पिकबैनी } स्त्रीकी कोयलसी बोली हो, मीठी बोलनेवाली स्त्री.

पिघलना (हि. क्रि. अ.) गलना, टिघलना, पानी होना.

पिङ्ग (सं. गु.) (पिजि=रंगना) पीला, पीतवर्ण.

पिङ्गल (सं. गु.) पीला, पीतवर्ण. (पु.) छन्दशास्त्रका कर्त्ता.

पिंगूरा (हि. पु.) हिंडोला, झूला.

पिचकारी (हि. स्त्री.) पिचक्का, दमकला.

पिछलना (हि.क्रि. अ.) फिसलना, खिसलना.

पिछलपाई (हि. स्त्री.) चुडेल, भूतिनी.

पिछला (हि. गु.) पीछेका, पिछाडीका, नया.

पिछवाडा (हि. पु.) } पीछेका भाग,
पिछवाडी (हि. स्त्री.) } पीछा.

पिछेत (हि. पु.) घरका पिछला भाग.

पिछौरा (हि. पु.) } चद्दर, दोहर, दु-
पिछौरा (हि. स्त्री.) } पट्टा, ओढनी.

पिञ्जर (सं. पु.) (पिजि=शब्द करना अथवा रहना, जिसमें पखेरू शब्द करते हैं अथवा रहते हैं; वा पिजि=रंगना) पिंजरा, पखेरुओंका घर, पीला रंग, लाल और पीला मिला हुआ रंग, भूरा रंग.

पिञ्जरा (हि. पु.) पखेरुओंके रहनेका काठका अथवा लोहेका घर.

पिञ्जिवारा (हि. पु.) धुनियाँ, रूई धुननेवाला.

पिटना (हि. क्रि. अ.) मार खाना.

पिटारा (हि. पु.) टोकरा, मंजूषा, कपडे रखनेका झोला.

पिटारी (हि. स्त्री.) कपडे रखनेकी चमडेकी मंजूषा, छोटा पिटारा.

पिण्ड (सं. पु.) (पिण्ड=इकट्ठा करना) पितरोंके लिये अन्न आदिका पिण्डा, देह, शरीर, गोल वस्तु, गोला.

पिण्ड छुडाना (हि. मुहा.) बचना, भागना, पीछा छुडाना, टलना.

पिण्डली (हि. स्त्री.) पिण्डरी, फिर्ली, टंगडी.

पिण्डा (हि. पु.) देह, शरीर, मिट्टी आदिका ढेला, डोरीका गोला अथवा गेंदा, पितरोंके लिये अन्न आदिका पिण्डा.

पिण्डारा (हि. पु.) लुटेरोंकी एक जात, लुटेरा, ठग, डकैत.

पितर (हि. पु.) (सं. पितृ) पुरषा, पुरखा, पूर्वपुरुष.

पितलाना (हि. क्रि. अ.) ताँबे पीतलके बर्तनमें रखनेसे खट्टी चीजका बिगडना.

पिता (सं. पु.) (पा=बचाना) बाप, वालिद.

पितामह (सं. पु.) दादा.

पितृकर्म } (सं. पु.) श्राद्ध, पिण्ड-
पितृकार्य्य } दान आदि.

पितृपक्ष (सं. पु.) श्राद्धपक्ष, आश्विनका अँधेरा पख.

पित्त (सं. पु.) शरीरकी एक प्रकारकी धातु.

पित्ता (हि. पु.) पित्त, पित्तकी थैली, पित्ताधार, क्रोध.

पित्ता निकालना (हि. मुहा.) दंड देना, ताडना करना, सजा देना.

पित्ता मरना (हि. मुहा.) क्रोध घटना, क्रोध ठंडा पडना.

पितपापडा (हि. पु.) (सं. पर्पट) एक औषधका नाम.

पिद्दी (हि. स्त्री.) एक छोटा पखेरू, फदकी.

पिनकी (हि. स्त्री.) पीनक, ऊँघाहट, अफीमकी नशा.

पिनाक (सं. पु.) शिवका धनुष, शिवका त्रिशूल.

पिन्नी (हि. स्त्री.) चाँवलका लड्डू.

पिपासा (सं. स्त्री.) (पा=पीना) प्यास, तृषा, पीनेकी इच्छा.

पिपीलिका (सं. स्त्री.) लाल चिंउटी.

पिप्पल (सं. पु.) पीपल, पीपर, एक वृक्ष-का नाम.

पिय, पिया, पी (हि. पु.) (सं. प्रिय) स्वामी, प्रियतम, भर्त्ता. (गु.) प्यारा.

पियार (हि. पु.) प्रेम, प्यार, प्रीत, नेह, छोह, दुलार.

पियारा (हि. गु. पु.) सनेही, प्रेमी.

पियारी (हि. गु. स्त्री.) (सं. प्रिया) प्यारी, प्रिया, मनोहर.

पियास (हि. स्त्री.) (सं. पिपासा) प्यास, तृषा, पीनेकी इच्छा, तृष्णा.

पियासा (हि. गु.) प्यासा, तृषावन्त.

पिराना (हि. क्रि. अ.) दरद करना, दुखना.

पिरीते (हि. गु.) प्यारा.

पिरोजा (हि.) (सं. पेरोज) जंगाली रंगकी मणि.

पिरोना (हि. क्रि. स.) गूँथना, सूईमें तागा डालना, लड़ियाना.

पिलई (हि. स्त्री.) तापतिल्ली, पिल्ही.

पिलना (हि. क्रि. स.) ठेलना, धकेलना, धावा करना, जोर करना. (क्रि. अ.) पिस जाना, कुचल जाना, चूर होना, लड़नेको आगे बढ़ना.

पिलपिला (हि. गु.) नर्म, कोमल, ढीला, पिचपिचा.

पिलुवा, पिल्लू (हि. पु.) (सं. पीलु) कीड़ा.

पिल्ला (हि. पु.) कुत्तेका बच्चा.

पिशाच (सं. पु.) (पिशित=मांस, अश=खाना) प्रेत, भूत.

पिशित (सं. पु.) मांस.

पिशुन (सं. गु.) चुगल, निन्दक, दुष्ट, भेदिया, नीच, जासूस.

पिसान (हि. पु.) (पिष=पीसना) आटा.

पीछा (हि. पु.) (सं. पश्चात्) पिछला भाग, पिछवाड़ा, रगदेना, खदेड़ना.

पीछा करना (हि. मुहा.) खदेड़ना, पीछे पीछे जाना.

पीछा फेरना (हि. मुहा.) लौटा देना, पीछा देदेना.

पीछे (हि. क्रि. वि.) इसके बाद, परे, अन्तमें, निदान.

पीछे डालना (हि. मुहा.) पीछे छोड़ना, आगे निकलना.

पीछे पड़ना (हि. मुहा.) पीछे दौड़ना, आगे निकल जाना, सताना, छोड़ना, दुःख देना, पीछे रह जाना.

पीछे लगना (हि. मुहा.) पीछे जाना, साथ होना, लगा रहना.

पींजना (हि. क्रि. स.) रूई धुनना, रूई साफ करना.

पीटना (हि. क्रि. स.) मारना, कूटना, ठोंकना, खटखटाना, चूर चूर करना, छाती पीटना, विलाप करना, रोना, पछतावा करना, दुःख करना.

पीठ (हि. स्त्री.) (सं. पृष्ठ) पिछाड़ीका अंग.

पीठके पीछे डाल लेना (हि. मुहा.) बचाना, रक्षा करना, पक्ष करना.
पीठ पीछे पड़ना (हि. मुहा.) शरण लेना.
पीठ ठोंकना (हि. मुहा.) साहस देना, हिम्मत बांधना, ढाढ़स देना.
पीठ देना (हि. मुहा.) भाग जाना, फिरना, हटना, टलना, अप्रसन्न होकर फिर जाना.
पीठपर हाथ फेरना (हि. मुहा.) पीठ थपथपाना, शाबासी देना, ढाढ़स देना.
पीठ फेरना (हि. मुहा.) चला जाना, भागना, हटना.
पीठ लगना (हि. मुहा.) पीठपर घाव होना (जैसे घोड़ेके), घोड़ेपर चढना.
पीठ (सं. पु.) आसन, पीढा.
पीठी (हि. स्त्री.) (सं. पिष्टिका) पीसी हुई उरदकी दाल.
पीड (हि. स्त्री.) (सं. पीड़ा) बालकके पैदा होनेके समयका दुःख जो लुगाईको होता है.
पीडा (सं. स्त्री.) दर्द, दुःख, वेदना, व्यथा.
पीडित (सं. गु.) दुःखी, दुःखित, बीमार.
पीढा (हि. पु.) पटरा, मोढा, मचिया.
पीठी (हि. स्त्री.) (सं. पीठिका) मचिया, वंशावली, वंशकी परम्परा.
पीत (सं. गु.) पीला. (पु.) पीलारंग.
पीत } (हि. स्त्री.) (सं. प्रीति)
पीति } प्यार, प्रेम, नेह, स्नेह, छोह.
पीतम (हि. गु.) (सं. प्रियतम) बहुत प्यारा. (पु.) स्वामी, भर्त्ता.
पीतल (हि. पु.) (सं. पित्तल) एक प्रकारकी पीली धातु.
पीताम्बर (सं. पु.) पीला रेशमी कपड़ा, जिसके कपड़े पीले हों, श्रीकृष्ण.
पीन (सं. गु.) मोटा, पुष्ट, स्थूल.
पीनक (हि. स्त्री.) अफीमके नशेसे उंघाई.
पीनस (हि. पु.) पालकी.
पीना (हि. क्रि. स.) पान करना, तम्बाकूका धूँआ खैंचना.
पी जाना (हि. मुहा.) पीना, पी लेना, सोखना, क्रोधको पीछा मारना, चुप रहना.
पीपल (हि. पु.) (सं. पिप्पल) एक वृक्षका नाम जिसको हिन्दू पवित्र मानते हैं. (स्त्री.) एक प्रकारका गरम मशाला.
पीपलामूल (हि. पु.) पीपल अथवा पिप्लीकी जड.
पीयूष } (सं. पु.) (पीय्=पीना वा तृप्त
पेयूष } होना) अमृत, अमी, सुधा, दूध.
पीर (हि. स्त्री.) (सं. पीडा) दर्द, दुःख, वेदना.
पीरा } (हि. गु.) (सं. पीत) पीतवर्ण
पीला }
पीलाम (हि. गु.) साटिन, एक तरहका रेशमी कपडा.
पीसना (हि. क्रि. स.) (सं. पेषण) चूर चूर करना.
पीहर (हि. पु.) स्त्रीके बापका घर, नैहर, मैका.
पुँलिङ्ग (सं. पु.) (पुम्=पुरुष, लिङ्ग चिह्न) पुरुषत्व, पुरुषचिह्न, पुरुषवाचक शब्द.
पुकार (हि. स्त्री.) गोहार, हांक, चिल्लाहट.
पुकारना (हि. क्रि. स.) चिल्लाना, हांक मारना.
पुखराज (हि. पु.) एक रत्नका नाम.

पुङ्गव (सं. पु.) (पुम्=पुरुष, गो=गाय) बैल, वृषभ, और जब यह किसी दूसरे पदके पीछे आवे तब इसका अर्थ होता है " श्रेष्ठ " जैसे नरपुङ्गव=मनुष्योंमें श्रेष्ठ.
पुङ्गीफल } (हि. पु.) (सं. पूगफल) पुंगीफल } सुपारी, कसैली.
पुजना (हि. क्रि. अ.) पूरा होना.
पुजवाना } (हि. क्रि. स) पूजा करना, पुजाना } पूरा करना, भरना.
पुजापा (हि. पु.) पूजाकी सामग्री.
पुञ्ज (सं. पु.) (पुम्=पुरुष, जी=जीतना) ढेर, समूह, राशि, थोक.
पुट (सं. पु.) दोना, मिलाव, मिलना, टकना.
पुट्ठा (हि. पु.) जानवरका चूतड, पूठ.
पुडिया (हि.स्त्री.) कागजकी छोटीसी गांठ.
पुण्डरीक (सं. पु.) कँवल, श्वेत कमल, अग्निकोणके हाथीका नाम, एक प्रकारका सांप, एक प्रकारका कोढ.
पुण्डरीकाक्ष (सं. पु.) विष्णु, जिसकी आंखें कमलसी हैं.
पुण्य (सं. पु.) (पू=पवित्र होना) धर्म, पवित्र काम, सुकृतकाम. (गु.) शुद्ध, पावन, पवित्र, सुन्दर.
पुण्यभूमि (सं. स्त्री.) पवित्र धरती, आर्यावर्त्त, अन्तर्वेद.
पुण्यवान् (सं. गु.) धार्मिक, धर्मात्मा,
पुण्यात्मा (सं. गु.) धर्मात्मा, पुण्यवान्, पवित्रात्मा.
पुतला } (हि. पु.) (सं. पुत्तल) मूरत, पुतला } काठकी बनी हुई मूरत.
पुतली } (हि. स्त्री.) आंखका तारा, पुतली } काठकी बनी मूरत.
पुत्र (सं. पु.) (पुत्=एक नरकका नाम, त्रै=बचाना, जो पुत् नाम नरकसे अपने बापको बचावे) बेटा, सुत.
पुत्रिका } (सं. स्त्री.) बेटी, लडकी, पुत्री } कन्या, गुडिया.
पुन } (हि. समुच्चा.) (सं. पुनर्) फिर, पुनि } पीछे, बहुरि.
पुनःपुना (सं. स्त्री.) (पुनर्=बारबार, पू=पवित्र करना) पुनपुन नदी जो गया जिलेमें है और एक तीर्थ मानी जाती है " कीकटेषु गया पुण्या, नदी पुण्या पुनःपुना " (वायुपुराण) अर्थ–कीकट अर्थात् मगध देशमें गया और पुनपुन नदी पवित्र है.
पुनरुक्ति (सं. स्त्री.) (पुनर्=फिर, उक्ति=कहना) फिर कहना, दो बार कहना.
पुनर्जन्म (सं. पु.) दूसरा जन्म.
पुनर्वसु (सं. पु.) सातवां नक्षत्र.
पुनीत (सं. गु.) पवित्र, शुद्ध, निर्मल, स्वच्छ.
पुर (सं. पु.) नगर, शहर, घर, देह, एक राक्षसका नाम.
पुरःसर (सं. गु.) अगुवा, अग्रगामी.
पुरट (सं. पु.) सोना, कंचन.
पुरन्दर (सं. पु.) इन्द्र जो राक्षसोंके नगरोंको नाश करता है.
पुरवासी (सं. पु.) शहरका रहनेवाला, नगरनिवासी.
पुरस्कार (सं. पु.) (पुरस्=आगे कृ=करना) आदर, सत्कार, पूजा, दान, फल, इनाम.
पुरा (हि. पु.) गांव, बस्ती.
पुराण (सं. पु.) (पुरा=पुराना, पुर=आगे जाना, अथवा जो पुराने समयमें बने हों) वे ग्रन्थ जिनमेंसे बहुतेरोंको व्यासजीने बनाये अथवा इकट्ठे किये. पुराणको हिन्दू लोग पवित्र मानते हैं ये १८ हैं।

अर्थात् १ ब्रह्मपुराण, २ पद्मपुराण, ३ ब्रह्माण्डपुराण, ४ अग्निपुराण, ५ विष्णुपुराण, ६ गरुडपुराण, ७ ब्रह्मवैवर्त्तपुराण, ८ शिवपुराण, ९ लिङ्गपुराण, १० नारदपुराण, ११ स्कन्दपुराण, १२ मार्कण्डेयपुराण, १३ भविष्यपुराण, १४ मत्स्यपुराण, १५ वराहपुराण, १६ कूर्मपुराण, १७ वामनपुराण, १८ श्रीमद्भागवतपुराण इन सब पुराणोंमें चार लाख श्लोक गिने गये हैं और १८ उपपुराणभी हैं. (गु.) पुराना, पहलेका, सबसे पहला, बूढा.

पुराणपुरुष (सं. पु.) विष्णुभगवान्, बूढा आदमी.

पुरातन (सं. गु.) पुराना, प्राचीन, अगले समयका.

पुरातम (हि. गु.) (सं. पुरातन) पुराना.

पुराना (हि. गु.) (सं. पुराण) अगले समयका, प्राचीन, बूढा, बहुत दिनका.

पुराना (हि. क्रि. स.) भर देना, पूरा करना.

पुराराति, पुरारि (सं. पु.) (पुर=एक राक्षसका नाम, आराति वा अरि=वैरी) शिव, महादेव, शंकर.

पुरी (सं. स्त्री.) नगरी.

पुरीष (स पु.) विष्ठा, मल, गूह.

पुरू (स. पु.) चन्द्रवंशी एक राजाका नाम.

पुरुखा, पुरखा, पुरखा (हि. पु.) (सं. पुरुष) बड़े बापदादे, दादेपरदादे, पूर्वपुरुष.

पुरुष (सं. पु.) मनुष्य, नर, परमेश्वर, पुरखा.

पुरुषसिंह (सं. पु.) पुरुषोंमें सिंह, श्रेष्ठ मनुष्य.

पुरुषार्थ (सं. पु.) अर्थ धर्म काम मोक्ष, बल, जोर, वीरता, साहस, पराक्रम.

पुरुषोत्तम (सं. पु.) विष्णु, नारायण, उत्तम मनुष्य.

पुरोडाश (सं. पु.) होमकी सामग्री घी आदि हविस्.

पुरोधा, पुरोहित (सं. पु.) (पुरस्=आगे, धा=रखना) कुलगुरु, उपाध्याय.

पुर्वा, पुर्वैया (हि. स्त्री.) (सं. पूर्ववायु) पूर्वकी हवा.

पुर्सा (हि. गु.) (सं. पौरुष) मनुष्यकी ऊँचाईके बराबर. (पु.) मनुष्यके डीलकी ऊँचाईके बराबर विस्तार, चार हाथका नाप.

पुल (सं. पु.) बांध, सेतु, बन्ध.

पुलक (सं. पु.) मारे खुशीके रूंरू खडा होना, रोमाञ्चित होना, प्रसन्न होना.

पुलकित (सं. गु.) रोमांचित, हर्षित, आनन्दित.

पुलस्ति, पुलस्त्य (सं. पु.) ब्रह्माका बेटा, सप्तऋषियोंमेंका एक ऋषि.

पुलिन (सं. पु.) नदीके बीचमें वालूका टापू.

पुलिन्दा (हि. पु.) पार्सल, गठरी, गाँठ.

पुवाल (हि. पु.) पुआल, खर, तिनका, पिचाली.

पुष्कर (सं. पु.) कंवल, आकाश, पानी, एक तीर्थका नाम जो अजमेरसे तीन कोसपर है, सात द्वीपोंमेंका एक द्वीप, पोखरा, तालाव.

पुष्कल (सं. गु) बहुत, ढेर, पूर्ण, श्रेष्ठ, उत्तम, अच्छा.

पुष्ट (सं. गु.) पाला हुआ, मोटा ताजा.

पुष्टाङ्ग (सं. गु.) मोटाताजा, जिसका शरीर पुष्ट हो.

पुष्प (सं. पु.) (पुष्प=फूलना, विकसना) फूल, कुसुम, सुमन, स्त्रीका रजस्, कुबेरका विमान, एक प्रकारकी आंखोंका रोग.
पुष्पक (सं. पु.) कुबेरका विमान.
पुष्परस (सं. पु.) फूलोंका रस, मकरन्द, मधु.
पुष्पवाटी (सं. स्त्री.) फूलोंकी वाडी.
पुष्पविमान (सं. पु.) फूलोंका विमान, देवताओंका विमान, कुबेरका विमान.
पुष्पाञ्जली (सं. स्त्री.) दोनों हाथोंमें फूल लेकर और कुछ मंत्र पढकर देवताको चढाना, निछावर, भेंट.
पुष्पित (सं. गु.) फूला हुआ, विकसा हुआ.
पुष्य (सं. पु.) आठवां नक्षत्र.
पुस्तक (सं. स्त्री.) किताब, पोथी, ग्रन्थ.
पूआ (हि. पु.) (सं. पूप) एक प्रकारकी रोटी, मालपूआ.
पूँगी (हि. स्त्री.) बाँसुरी, एक प्रकारकी बाँसुरी जिसे सांप पकडनेवाले बजाते हैं.
पूँछ (हि. स्त्री.) (सं. पुच्छ) दुम, पुच्छ, लांगूल.
पूँछना (हि. क्रि. स.) पोंछना, झाडना, फर्छा करना, साफ करना.
पूंजी (हि. स्त्री.) (सं. पुञ्ज) धन, मूलधन, असल धन, सम्पदा.
पूंग (सं. पु.) सुपारी, समूह, एक वृक्षका नाम.
पूंछ (हि. स्त्री.) खोज, प्रश्न, अन्वेषण.
पूछपाछ (हि. मुहा.) पूछना, निर्णय करना, प्रश्न.
पूछना (हि. क्रि. स.) सवाल करना, प्रश्न करना, जिज्ञासा करना.
पूजक (सं. पु.) पूजनेवाला, पुजारी सेवक
पूजन (सं. पु.) अर्चा, पूजा, अर्चन.
पूजना (हि. क्रि. स.) पूजा करना, अर्चना, भजना, बहुत मानना. (क्रि. अ.) (सं. पूर्ण) पूरा होना.
पूजनीय, पूजमान (स. गु.) पूजने योग्य, मान्य.
पूजा (सं. स्त्री.) अर्चा, पूजन, आदर, सेवा, सन्मान.
पूजारी, पुजारी (हि. पु.) पूजनेवाला, सेवक.
पूजित (सं. गु.) पूजा हुआ, अर्चित.
पूज्य (सं. गु.) पूजने योग्य, पूजनीय. (पु.) ससुर.
पूठ (हि. पु.) कूला, चूतड, पुट्ठा.
पूठा (हि. पु.) गत्ता, जिल्द.
पूणी (हि. स्त्री.) रूईका पहल जो कातनेके लिये बनाया जाता है.
पूत (हि. पु.) (सं. पुत्र) बेटा.
पूतना (सं. स्त्री.) एक राक्षसी जिसको श्रीकृष्णने मारा.
पूनियाँ, पूनों, पूनौं (हि. स्त्री.) (सं. पूर्णिमा) पूर्णमासी, हिन्दी महीनेका पिछला दिन.
पूप (सं. पु.) पूआ, मालपूआ.
पूरक (सं. पु.) पूरा करनेवाला, भरनेवाला, प्राणायाममें हवाको ऊपर खैंचना.
पूरण (सं. गु.) भरा, पूरा, सारा, सब.
पूरब (हि. पु.) पूर्वदिशा.
पूरा (हि. गु.) (सं. पूर्ण) सब, सारा, भरा, समाप्त, बस, ठीक, पक्का.
पूरुष (सं. पु.) नर, मनुष्य, पुरुष.
पूर्ण (सं. गु.) पूरा, भरपूर, भरा, सब, समस्त, सारा, ठीक, पक्का.
पूर्णमासी (सं. स्त्री.) पूर्णिमा, पूनौं.
पूर्णाहुति (सं. स्त्री.) होममें सबके पीछे आहुति वा बाले.

पूर्णिमा } (सं. स्त्री.) पूनौं, पूर्णमासी,
पूर्णमा } पुनियां.

पूर्व (सं. पु.) पूरबदिशा. (गु.) पूरब दिशाका, पूर्वी, पहले. (क्रि. वि.) पहले, प्रथम, आगे.

पूर्वज (सं. पु.) बडा भाई.

पूर्वार्द्ध (सं. पु.) पहला आधा.

पूर्विया } (हि. गु.) (सं. पौर्विक)
पूर्वी } पूर्व, पूर्वदेशी, पूरबका.

पूर्वोक्त (सं. गु.) पहले कहा हुआ.

पूला (हि.) (सं. पूल) घासका बोझा अथवा गट्ठा.

पूषन (सं. पु.) (पुष=बढना) सूरज.

पूस (हि. पु.) (सं. पौष) चन्द्रबरसका नवाँ महीना जिसमें पूरा चाँद पुष्य नक्षत्रके पास रहता है और पूर्णमासीके दिन यह नक्षत्र होता है.

पृथक् (सं. गु. क्रि. वि.) जुदा, अलग, भिन्न, न्यारा.

पृथक्करण (सं. पु.) जुदा करना, अलग करना.

पृथा (सं. स्त्री.) कुन्ती, पाण्डुकी स्त्री, युधिष्ठिर अर्जुन और भीमकी मा.

पृथवी } (सं. स्त्री.) (प्रथ्=विख्यात
पृथिवी } होना, फैलाना) धरती, जमीन, भूमि.

पृथिवीनाथ } (सं. पु.) राजा, भूपति,
पृथिवीपति } नृपति.

पृथवीपाल (सं. पु.) राजा, भूपति.

पृथु (सं. पु.) सूर्य्यवंशियोंका पांचवां राजा. (गु.) बडा, मोटा, चतुर.

पृथिकु (सं. पु.) यदुवंशियोंका एक राजा और श्रीकृष्णका पुरुषा.

पृथ्वी (सं. स्त्री.) (पृथु=बडी, चौडी, प्रथ्=विख्यात होना, फैलाना) धरती, भूमि, जमीन.

पृष्ठ (सं. स्त्री.) पीठ, पिछाडीका अंग, हरएक चीजका पिछला भाग. (पु.) पिठौता, पुस्तकके पत्रेकी एक ओर.

पेई (हि. स्त्री.) (सं. पेटक) पिटारी.

पेंग (हि. स्त्री.) झूलाका हिलना.

पेंठ (हि. स्त्री.) हाट, बाजार, मंडी.

पेंदा (हि. पु.) तला, नीचेका भाग.

पेखना (हि. क्रि. स.) (सं. प्रेक्षण) देखना, निरखना.

पेखना (हि. पु.) स्वांग, खेल.

पेचक (सं. पु.) उल्लू, उलूक, पेचा.

पेचा (हि. पु.) उल्लू.

पेट (सं. पु.) (पिट्=इकट्ठा करना) उदर, जठर, गर्भस्थान, कोख, गर्भाधान, बंदूक आदिकी मुहडी, छेद, खोह, कंदरा.

पेट आना (हि. मुहा.) पेट चलना. बहुत झाडा फिरना, बहुत दस्त होना.

पेटका दुख देना (हि. मुहा.) भूखों मरना.

पेटकी आग (हि. मुहा.) माबापका प्यार, सन्तान, औलाद.

पेटकी आग बुझाना (हि. मुहा.) कुछ खाना, भूखेको कुछ खिलाना.

पेटकी बातें (हि. मुहा.) मनकी बातें, छिपी बातें.

पेट गडगडाना (हि. मुहा.) पेट बोलना, पेट हडबडाना.

पेट गिरना (हि. मुहा.) गर्भ गिरना, अधूरा जाना, स्त्रीके पेटसे कच्चे बच्चेका गिरना.

पेट गिराना (हि. मुहा.) गर्भ गिराना.

पेट चलना } (हि. मुहा.) बहुत दस्त
पेट छूटना } होना, दस्तकी बिमारी होना.

पेट जलना (हि. मुहा.) बहुत भूखा होना.

पेट दिखाना (हि. मुहा.) अपनी गरीबी और भूखको जताना.
पेट पालना (हि. मुहा.) गुजरान करना, स्वार्थी होना.
पेट पीठ एक होना (हि. मुहा.) बहुत दुबला होना.
पेट पोंछना (हि. मुहा.) स्त्रीका सबसे पिछला बालक.
पेटपोसू (हि.) खाऊ, पेटार्थू, पेटपालू.
पेट फूलना (हि. मुहा.) बहुत हँसना, गर्भ रहना.
पेट बढाना (हि. मुहा.) बहुत खाना, दूसरेके हिस्सेपर हाथ बढाना.
पेट बांधना (हि. मुहा.) भूखसे कम खाना.
पेटभर (हि. मुहा.) जीभर, भरपेट, अघाके.
पेठ भरना (हि. मुहा.) खाना, अघाना, तृप्त होना.
पेट मारना (हि. मुहा.) आत्मघात करना, अपघात करना.
पेटमें पैठना (हि. मुहा.) दूसरेका भेद लेना, खुशामदकी बातें करके मित्र बन जाना.
पेटमें लेना (हि. मुहा.) संतोष करना, सहना.
पेट रहना (हि. मुहा.) पेटसे होना, गर्भ रहना.
पेटवाली } पेटसे } (हि. मुहा.) गर्भिणी, गर्भवती.
पेटार्थी (सं. गु.) } पेटार्थू (हि. गु.) } खाऊ, पेटू, पेटपालू.
पेटिया (हि. पु.) सीधा, हरएक दिनका खाना.
पेटी (सं. स्त्री.) पिटारी, कमरबन्द, पेटपर बाँधनेकी चमडेकी बंधनी, छाती.
पेटू (हि. गु.) अपना पेट भरनेवाला, पेटार्थू.
पेटौरवा (हि. पु.) पेट चलना, अतिसार रोग, आँव.
पेठा (हि. पु.) एक प्रकारका फल जिसकी तरकारी बनती है.
पेड़ (हि. पु.) रूख, तरु, वृक्ष, पौधा.
पेड़ा (हि. पु.) एक प्रकारकी मिठाई.
पेड़ी (हि. स्त्री.) छोटा पेड़ा, एक तरहका पान, नीलकी डाँठी.
पेड़ू (हि. पु.) नाभिके नीचेका भाग, तलपेट, पेटतल.
पेम (हि. पु.) (सं. प्रेम) प्यार, स्नेह.
पेमी (हि. गु.) (सं. प्रेमी) प्यारा, प्रीतम, प्रेमी, छोही, मित्र.
पेय (सं. पु.) पानी, दूध. (गु.) पीने योग्य.
पेलना (हि. क्रि. स.) ठेलना, ढकेलना, रेलना, धक्का देना.
पेशाब (हि. पु.) मूत, मूत्र.
पेषणी (सं. स्त्री.) चक्की, जाँता, दलैती.
पैंचा (हि. पु.) हाथउधार, उधार, ऋण.
पैंड (हि. पु.) पाँव, डग, कदम, पद, उचान, ऊँची धरती.
पैंडा (हि. पु.) रास्ता, मार्ग, बाट.
पैंताना (हि. पु.) पायती, पायतल.
पैंतालीस (हि. गु.) चालीस और पाँच, ४५.
पैंतीस (हि. गु.) तीस और पाँच, ३५.
पैंसठ (हि. गु.) साठ और पाँच, ६५.
पै (हि. पु.) (सं. पयस्) दूध, पानी, पर, ऊपर, परन्तु.
पैज (हि. पु.) पण, होड, प्रतिज्ञा.

पैठ (हि. स्त्री.) पहुँच, भरोसा, पठना, हुंडीकी दूसरी नकल, जब हुंडी खोई जाती है तब पैठ कराते हैं.
पैठना (हि. क्रि. अ.) घुसना, धसना, प्रवेश करना.
पैड़ी (हि. स्त्री.) सीढी, जीना, निसेनी.
पैतृक (हि. गु.) पिताका, बापका, बपौती.
पैदल (हि. पु.) पियादा, पैरोंसे चलनेवाला.
पैन (हि. पु.) (सं. पानीय) नाली, नाला.
पैनी (हि. स्त्री.) तीखा, तेज, आँकुस.
पैया (हि. पु.) पहिया, चक्र, चक्का.
पैर (हि. पु.) (सं. पद) पाँव, चरण.
पैरना (हि. क्रि. अ.) तैरना, हेलना.
पैराक (हि. पु.) तैरनेवाला, पैरनेवाला.
पैवंदीबेर (हि. पु.) बडे २ बेर.
पैसा (हि. पु.) ताँबेका सिक्का, धन, दौलत, रोकड, सम्पत्ति.
पैसा उडाना (हि. मुहा.) बहुत खर्च करना, दूसरेका धन चुरा लेना या ठग लेना.
पैसा खाना (हि. मुहा.) पैसा उडाना, बहुत खर्च करना, मजदूरी करके पेट भरना, रिशवत लेना, डकार जाना.
पैसा डुबोना (हि. मुहा.) धन गँवाना.
पैसा डुबना (हि. मुहा.) धन बर्बाद होना, रुपया पैसा खोया जाना.
पैसे लगाना (हि. मुहा.) धन खर्च करना.
पैसेवाला (हि.) धनवान, दौलतमंद, एक पैसेका.
पैसोंसे दरबार बाँधना (हि. मुहा.) रिशवत देना, घूस देना.
पैसार (हि. पु.) पहुँच, पैठ, प्रवेश.
पैहैं (हि. क्रि. स.) पावेगा, पाओगे.
पोइस (हि. क्रि. वि.) अलग हो, दूर हो, अरे, जब कि रास्तेपर बहुतसे आदमी हों तब उनको अलग करने और नहीं छुआनेके लिये भगो यह शब्द बहुत बार बोला जाता है.
पोंछना (हि. क्रि. स.) पूंछना, झाडना, साफ करना.
पोखर } (हि. पु.) (सं. पुष्कर) तालाब,
पोखरा } ताल, झील, तडाग.
पोच (हि. गु.) नीच, तुच्छ, बुरा.
पोट (हि. स्त्री.) मोट, गांठ, गठरी.
पोटला (हि. पु.) बडी गठरी.
पोटली (हि. स्त्री.) छोटी गठरी, मोटरी.
पोढा } (हि. गु.) (सं. प्रौढ) बलवार,
पौढा } कडा, ठोंस, दृढ.
पोढाई } (हि. स्त्री.) (सं. प्रौढता)
पौढाई } बल, कडापन, दृढता, ठोंसाई.
पोत (सं. पु.) बच्चा, बालक. (स्त्री.) नाव.
पोत (हि. पु.) स्वभाव, प्रकृति, गुण, बनावट, काचका दाना.
पोतक (सं. पु.) बालक, बच्चा.
पोतडा (हि. पु.) बच्चेका बिछौना.
पोतना (हि. क्रि. स.) लीपना, लेसना.
पोता (हि. पु.) (सं. पौत्र) बेटेका बेटा.
पोतिया (हि. स्त्री.) नहानेके समय पहननेका कपडा, गँवार लोगोंके सिरपर बाँधनेका कपडा.
पोती (हि. स्त्री.) (सं. पौत्री) बेटेकी बेटी.
पोथा (हि. पु.) बडी पुस्तक.
पोथी (हि. स्त्री.) पुस्तक, बही, किताब.
पोदना (हि.) एक पखेरूका नाम.
पोना (हि. क्रि. स.) पिरोना, गूँथना, रोटी बेलना वा बनाना.

पोपला (हि. पु.) बेदांत, दांतरहित, जिसके दांत गिर गये हों.
पोमचा (हि. पु.) एक तरहका रंगीला कपडा.
पोर (हि. स्त्री.) (सं. पर्व) गांठ, दो गांठोंका बीच.
पोरी (हि. स्त्री.) बांसकी अथवा गन्नेकी गांठ.
पोला (हि. पु.) खाली, छूछा, कोमल, नर्म.
पोषक (सं. पु.) पोसनेवाला, पालनेवाला, रक्षक.
पोषण (सं. पु.) पालन, भरण, रक्षा.
पोषना } (हि. क्रि. स.) (सं. पोषण)
पोखना } पालना, रक्षा करना, प्रतिपा-
पोसना } लन करना.
पोष्यपुत्र (सं. पु.) गोद लिया हुआ बेटा, दत्तकपुत्र.
पोह (हि. स्त्री.) भोर, तडका, बिहान.
पोहना (हि. क्रि. स.) रोंध बनाना.
पौ (हि. स्त्री.) पासेमेंका एका, वह जगह जहां बटोहियोंको पानी पिलाया जाता है.
पौंडा (हि. पु.) एक प्रकारकी ऊख.
पौढना (हि. क्रि. अ.) सोना, आराम करना, लेटना.
पौत्र (सं. पु.) पोता, बेटेका बेटा.
पौत्री (सं. स्त्री.) पोती, बेटेकी बेटी.
पौधा (हि. पु.) नया पेड, कोंधा.
पौन (हि. स्त्री.) (सं. पवन) हवा, वायु.
पौन (हि. पु.) (सं. पादोन) तीन चौथाई, चौथे हिस्से तीन, चार भागकी तीन.
पौना (हि. पु.) झरना, झरनी, एक लोहेकी चीज जिसमें बहुतसे छेद होते हैं और उससे पकौडी आदि तली जाती है.
पौर (हि. स्त्री.) बडा दरवाजा, द्वार, फाटक.
पौराणिक (सं. पु.) पुराण बांचनेवाला, पुराण पढा हुआ पण्डित.
पौरिया (हि. पु.) डेवढीवान, द्वारपाल.
पौरी (हि. स्त्री.) पौर, डेवढी, द्वार.
पौरुष (सं. पु.) पुरुषत्व, पुरुषार्थ, बल, जोर, पुंसी.
पौर्णमासी (सं. स्त्री.) पूर्णमासी, पूनों.
पौली (हि. स्त्री.) पौर, पौरी.
पौवा (हि. पु.) चौथा भाग, पावभरका बाट.
पौष (सं.) पूस शब्द देखो.
प्यार (हि. पु.) (सं. प्रीति) पियार, प्रेम, प्रीति, नेह, छोह, दुलार.
प्यारा (हि. पु.) प्रेमी, स्नेही.
प्यारा जानना (हि. मुहा.) आदर करना, श्रेष्ठ समझना.
प्यारी (हि. स्त्री. पु.) (सं. प्रिया) पियारी, प्रिया, मनोहर.
प्यास (हि. स्त्री.) (सं. पिपासा) पियास, तृषा, पीनेकी चाह.
प्यास बुझाना (हि. मुहा.) प्यास मिटाना, कुछ पी लेना, पानी पिलाना.
प्यास लगना (हि. मुहा.) प्यासा होना.
प्यासा (हि. पु.) पियासा, तृषावन्त, पानी चाहनेवाला.
प्यासे मरना (हि. मुहा.) बहुत प्यासा होना.
प्र (सं. उपस.) पहले, आगे, बढके, दूर, श्रेष्ठ, प्रधान, बडा, ऊपर, मुख्य, बहुत, अधिक, अतिशय, आरम्भ, शुरू, चारों ओरसे, सब तरहसे, उत्पत्ति, पैदा होना.
प्रकट (सं. पु.) प्रगट, प्रत्यक्ष, चौडे, जाहिर.

प्रकम्प (सं. पु.) कांपना, थरथराहट.
प्रकरण (सं. पु.) भूमिका, आशय, बात, वृतान्त, प्रस्ताव, प्रसंग, खंड, विषय.
प्रकर्ष (सं. गु.) उत्तमता, बडाई, श्रेष्ठता.
प्रकार (सं. पु.) भेद, भांति, ढंग, डौल, तरह, रीति.
प्रकाश (सं. पु.) (प्र=बहुत, काश=चमकना) उजाला, जोत, रोशनी, धूप, तेज, चमक. (गु.) प्रगट, प्रसिद्ध, विख्यात, चमकीला, प्रकाशित.
प्रकाशक (सं. गु.) प्रकाश करनेवाला.
प्रकाशित (सं. गु.) प्रगट, जाहिर, प्रसिद्ध.
प्रकृत (सं. गु.) किया हुआ, शुरू किया हुआ, ठीक, यथार्थ, सच.
प्रकृति (सं. स्त्री.) स्वभाव, गुण, माया, परमेश्वरकी शक्ति, किसी वस्तुकी असली दशा, एक छन्दका नाम जिसके हरएक पदमें इक्कीस अक्षर होते हैं.
प्रकृष्ट (सं. गु.) उत्तम, मुख्य, श्रेष्ठ.
प्रक्रम (सं. पु.) प्रारम्भ, शुरू, जाना, अवकाश.
प्रक्रिया (सं. स्त्री.) प्रकरण, रीति, प्रकार, विधि, व्यवहार, बढती, उन्नति, महिमा, प्रभाव, प्रताप.
प्रक्षालन (सं. पु.) धोना, पखालना, शुद्ध करना.
प्रखर (सं. गु.) बहुत तीखा, तेज. (पु.) घोडे आदिका बखतर.
प्रख्यात (सं. गु.) प्रसिद्ध, विख्यात, नामवर.
प्रगट } परगट } (हि. गु.) जाहिर, प्रत्यक्ष, प्रसिद्ध.
प्रगटना (हि. क्रि. अ.) पैदा होना, प्रत्यक्ष होना, जन्म लेना.
प्रगल्भ (सं. गु.) (प्र=बहुत, गल्भ्=ढीठ होना) ढीठ, निडर, साहसी, प्रबल.
प्रगल्भता (सं. स्त्री.) ढीठपन, साहस, दृढता, ढिठाई.
प्रचण्ड (सं. गु.) (प्र=बहुत, चण्ड=डरावना) बहुत डरावना, भयानक, बहुत तीखा, प्रबल, बहुत क्रोधी, असह्य.
प्रचलित (सं. गु.) चलनी, व्यवहारी, वर्त्तमान, जो चलता हो.
प्रचार (सं. पु.) चलन, व्यवहार, रीति, फैलाव, विस्तार.
प्रचारना (हि. क्रि. स.) ललकारना, पुकारना.
प्रजा (सं. स्त्री.) (प्र=बहुत, जन=पैदा होना) सन्तान, प्राणी, सृष्टि, राजके लोग, रैयत.
प्रजापति (सं. पु.) सृष्टिका स्वामी, ब्रह्मा, दक्ष, कश्यप आदि दस मुनि जिनको ब्रह्माने पहलेही पहल पैदा किया और सृष्टि बनानेका काम सौंपा. राजा बाप, पिता, जामाता, सूरज, आग, कुम्हार.
प्रजारना (हि. क्रि. स.) जलाना.
प्रजेश } प्रजेश्वर } (सं. पु.) दक्षप्रजापति.
प्रज्ञा (सं. स्त्री.) बुद्धि, मति, समझ, सरस्वती.
प्रज्वलित (सं. गु.) प्रकाशित, उज्ज्वल, चमकीला, ज्योतिमान्.
प्रण (हि. पु.) प्रतिज्ञा, वचन, होड, नियम.
प्रणत (सं. गु.) अधीन, झुका हुआ, नम्र, भक्त, शरणागत.
प्रणति (सं. स्त्री.) नमस्कार, प्रणाम, दंडवत.

प्रणय (सं. पु.) प्यार, प्रेम, प्यारसे मांगना, भरोसा, मुक्ति.
प्रणव (सं. पु.) ओम, ओङ्कार, तीनों देवताओंका मन्त्र.
प्रणाम (सं. पु.) नमस्कार, दंडवत्, प्रणति.
प्रणाली (सं. स्त्री.) नाली, पनाला, परम्पराकी रीति.
प्रणिपात (सं. पु.) (प्र=बहुत, नि=नीचे, पत्=गिरना) प्रणाम, दंडवत्.
प्रताप (सं. पु.) तेज, ऐश्वर्य, महिमा.
प्रतापवान् } प्रतापी } (सं. गु.) तेजस्वी, ऐश्वर्यवान्.
प्रति (सं. उपस.) को, के तईं, ओर, पास, सामने, विरुद्ध, उलटा, विपरीत, इसकी अपेक्षा, इसके देखते, बनिस्वत, ऊपर, पर, लगभग, लिये, वास्ते, विषयमें, अनुसार, से, हरएक, सब, पीछे, फिर, बदलेमें, जगहमें, स्थानमें, आपसमें, बराबर, सदृश, समान.
प्रतिउपकार (सं. पु.) पीछा उपकार, उपकारका बदला.
प्रतिकार } प्रतीकार } (सं. पु.) बैरका बदला, पलटा, दुःख दूर करनेका उपाय, इलाज.
प्रतिकूल (सं. गु.) (प्रति=उलटा, कूल=पक्ष) उलटा, विरुद्ध, विमुख.
प्रतिक्षण (सं. क्रि. वि.) पलपलमें, हरदम, हरवक्त.
प्रतिग्रह (सं.) दान लेना, खैरात लेना.
प्रतिघात (सं. पु.) पीछा मारना, मारके बदले मार.
प्रतिच्छा (सं. स्त्री.) इन्तिजारी.
प्रतिच्छाया (सं. स्त्री.) प्रतिबिंब, परछाँई.
प्रतिज्ञा (सं. स्त्री.) (प्रति=आपसमें, ज्ञा=जानना) वचन, प्रण, कौलकरार.
प्रतिज्ञापत्र (सं. पु.) प्रणपत्र, अहदनामा.
प्रतिदान (सं. पु.) दानके पीछे दान.
प्रतिदिन (सं. क्रि. वि.) दिनदिन, हरएक दिन.
प्रतिध्वनि (सं. स्त्री.) प्रतिशब्द, गूँज.
प्रतिनिधि (सं. पु.) एवज, एककी जगह दूसरा, सदृशता, प्रतिमा, मुखतार.
प्रतिपक्ष (सं. पु.) वैरी, दुश्मन, शत्रु.
प्रतिपत्ति (सं. स्त्री.) बोध, प्रवृत्ति, प्राप्ति, प्रागल्भ, गौरव, दान, पदप्राप्ति, प्रक्षेप, दीनता.
प्रतिपत् (सं. स्त्री.) परिवा, पहली तिथि.
प्रतिपन्न (सं.) विज्ञात, अंगीकृत, शरणागत.
प्रतिपादन (सं. पु.) त्याग, कथन, दान, निरूपण, समर्पण, बोध करना, जताना.
प्रतिपादक (सं. पु.) कहनेवाला, निरूपक.
प्रतिपाद्य (सं. पु.) बोधनीय, विश्वास योग्य, कथन योग्य.
प्रतिपाल (सं. पु.) पोषण, पालन, भरन, प्रतिपालन.
प्रतिपालक (सं. पु.) पालनेवाला, रक्षक.
प्रतिपालन (सं. पु.) पोषण, पालन, रक्षा.
प्रतिपालना (सं. क्रि. स.) पोषना, पालना.
प्रतिपालित (सं. पु.) पाला हुआ, रक्षित.
प्रतिफल (सं. पु.) बदला, एवज.
प्रतिबन्धक (सं. पु.) बाधक, रोकनेवाला.
प्रतिबन्धन (सं. पु.) रोजीना, निबन्धन.
प्रतिभा (सं. स्त्री.) समझ, बुद्धि, जोत, चमक.
प्रतिभू (सं. पु.) जामिन.
प्रतिभूति (सं. स्त्री.) जामिनी, जमानत.
प्रतिमा (सं. स्त्री.) मूरत, पुतली.
प्रतिमाला (सं. स्त्री.) जयमाला, मण्डल, परिधि.

प्रत्युत्तर (सं. पु.) उत्तरका उत्तर, पीछे जवाब.

प्रत्यूह (सं. पु.) विघ्न, उपद्रव, हर्ज.

प्रतिकार (सं. पु.) उपाय, उद्धार, यत्न, निर्वाह, तदबीर, चारा.

प्रत्येक (सं. पु.) एक (एक,) हरएक, अलग २.

प्रथम (सं. पु.) पहला, (प्रधान,) उत्तम मुख्य, (क्रिवि.) पहले, पहलेही.

प्रथा (सं. स्त्री.) ख्याति, प्रसिद्धि, विस्तार कामक्षेप, कीर्ति, नामवरी, पाण्डुकी स्त्री कुन्ती।

प्रथित (सं. पु.) ख्यात, प्रसिद्ध.

प्रद (सं. पु.) (प्र=बहुत, द=देनेवाला) देनेवाला.

प्रदक्षिणा (सं. स्त्री.) (दाहिनी) ओरसे देवताके चारों ओर फिरना, परिक्रमा.

प्रदर्शक (सं. पु.) दिखानेवाला, बतानेवाला.

प्रदर्शनी (सं. स्त्री.) सजाव, नुमायश, शोभा.

प्रदर्शनस्थान (सं. पु.) नुमायशगाह.

प्रदान (सं. पु.) दान, खैरात.

प्रदीप (सं. पु.) दीपक, दीया, चिराग, सूर्य, प्रकाश.

प्रदेश (सं. पु.) [illegible] मुल्क.

प्रदीप [illegible]

[illegible] दूब [illegible]

प्रद्युम्न [illegible] श्रीकृष्णका बेटा.

प्रधान (सं. पु.) प्रकृति, माया, ईश्वर, मुखिया, राजाका मुख्य मन्त्री, सेनापति आदि. (गु.) मुख्य, श्रेष्ठ, बड़ा.

प्रधी (सं. गु.) श्रेष्ठ, प्रधान, [illegible]शी.

प्रध्वंस (सं. पु.) नाश, विनाश, हानि, क्षय.

प्रपंच (सं. पु.) विस्तार, फैलाव, विरोध, छल, धोखा, कपट, ठगाई, भूल, चूक, संसार, जगत, माया, दिखावा.

प्रपा (सं. स्त्री.) पनघट, पानीका घर.

प्रपात (सं. पु.) निर्झर, कूल, किनारा, पर्वतस्थान, तट, पतन, गिरना.

प्रपितामह (सं. पु.) परदादा, पुरखा, ब्रह्मा.

प्रपूर्ति (सं. स्त्री.) सम्पूर्णता, तमाम.

प्रपौत्र (सं. पु.) पोतेका बेटा, परपोता.

प्रफुल्ल (सं. गु.) फूला हुआ, खिला प्रफुल्लित, (खुला, विकसा हुआ) प्रसन्न, (आनंदित, हर्षित, चमकता हुआ.)

प्रफुल्लवदन (सं. पु.) जिसके मुँहसे खुशी प्रगट होती हो, जो प्रसन्न देखा जाय.

प्रवञ्चक (सं. पु.) प्रतारक, छली, दगाबाज.

प्रवञ्चना (सं. स्त्री.) प्रतारणा, छलना.

प्रबन्ध (सं. पु.) बन्दोबस्त, काव्यकी रचना, जमक, इन्तजाम, कायदा.

प्रबन्धक (सं. पु.) प्रबन्धकर्ता, मुन्तजिम.

प्रबल (सं. गु.) बलवान, सामर्थी, जोरावर, बली, [illegible]

[illegible] पु.) नया पत्ता, पल्लव,

[illegible] वर्ण [illegible]

[illegible] गु.) जागता हुआ, सचेत.

प्रबोध (सं. पु.) ज्ञान, समझ, उपदेश, चेतना, सावधानी, नींदसे अथवा अज्ञानतासे जागना वा चैतन्य होना.

प्रबोधन (सं. पु.) जगाना, चेताना, सावधान करना, सिखाना, बताना.

प्रभञ्जन (सं. पु.) हवा, वायु, पवन, तोडना, विदारण, टूटना. (गु.) विदारक, तोडनेवाला.

प्रभञ्जनजाया (सं. पु.) हनुमानजी.

प्रभञ्जनसुत (सं. पु.) हनुमानजी.

प्रभव (सं. पु.) उत्पत्ति, जन्मकारण, जिससे पैदा होते हैं, जोर, जन्म, पराक्रम.

प्रभा (सं. स्त्री.) चमक, ज्योति, झलक, प्रकाश, दीप्ति.

प्रभाकर (सं. पु.) सूर्य, चांद, आग.

प्रभात (सं. पु.) प्रातःकाल, भोर, सुवह, विहान, सवेरे.

प्रभाव (सं. पु.) प्रताप बल, तेज, शक्ति.

प्रभास (सं. पु.) एक तीर्थकी जगह.

प्रभु (सं. पु.) मालिक, स्वामी, नाथ, धनी, पति, पालक, ईश्वर, विष्णु. (गु.) बडा, समर्थ, बलवान.

प्रभुत्व (सं. पु.) } वडप्पन, ईश्वरता,
प्रभुता (सं. स्त्री.) } स्वामीपन, बडाई. महत्व, महिमा, ऐश्वर्य.

प्रभृति (सं. स्त्री.) प्रकार, भाँति, आदि, इत्यादि, और सब.

प्रमथ (सं. पु.) महादेवके एक गणका नाम, घोडा.

प्रमथाधिप (सं. पु.) महादेव, शिव.

प्रमदा (सं. स्त्री.) (प्र = बहुत, मद् = प्रसन्न होना) नारी, स्त्री, सुलक्षणस्त्री, रूपवती स्त्री, उत्तम स्त्री.

प्रमा (सं. स्त्री.) (प्र = बहुत, मा = नापना) यथार्थज्ञान, ऐसा ज्ञान जिसमें किसी तरहका भ्रम न हो, प्रमाण, उपमा.

प्रमाण (सं. पु.) नाप, तौल, अन्दाजा, परिमाण, साख, साक्षी, गवाही, सबूत, निश्चय, निर्णय.

प्रमाणिक (हि. गु.) भरोसावाला, विश्वासपात्र, योग्य, प्रतिष्ठित. (पु.) सभापति.

प्रमातामह (सं. पु.) परनाना.

प्रमाथ (सं. पु.) नाश, मरण, विलोडन, मथना, विघ्न, हानि.

प्रमाद (सं. पु.) नशा, मतवालापन, मस्ती, पागलपन, भूल, चूक.

प्रमादी (सं. पु.) उन्मत्त, बावला, बौरहा, असावधान, अचेत, जिद्दी.

प्रमित (सं. पु.) नापा हुआ, जाँचा हुआ.

प्रमिति (सं. स्त्री.) यथार्थज्ञान, ठीक समझ.

प्रमीला (सं. स्त्री.) (प्र+मील्=नेत्र मींचना) तन्द्रा, उनींदा, उत्साहशून्य, काहिल.

प्रमुख (सं. गु.) प्रधान, मान्य, मुख्य, श्रेष्ठ, मुखिया. (पु.) मुनि, आरम्भ.

प्रमुदित (सं. पु.) प्रसन्न, आनन्दित, हर्षित, प्रफुल्ल, खुश.

प्रमेह (सं. पु.) धातबिगाडरोग, वीर्यमेंका रोग, जिरियान.

प्रमोद (सं. पु.) आनन्द, हर्ष, सुख, हुलास.

प्रयत (सं. गु.) पवित्र, शुद्ध, नियत, तैआर.

प्रयत्न (सं. पु.) बहुत परिश्रम, लगातार मिहनत, बहुत सावधानी.

प्रयाग (सं. पु.) हिन्दुओंका एक बडा तीर्थ जिसको इलाहाबादभी कहते हैं. यहां गंगा यमुना और सरस्वतीका संगम हुआ है. इस स्थानको त्रिवेणी कहते हैं.

प्रयाण (सं. पु.) यात्रा, प्रस्थान, कूच, गवन, धावा, जाना.

प्रयास (सं. पु.) परिश्रम, मिहनत, थकावट,

प्रयोग (सं. पु.) अनुष्ठान, वस करना, दृष्टांत, काम, नियत करना, लगाना.
प्रयोजक (सं. पु.) प्रेरक, प्रेषक, लगानेवाला, नियोग करनेवाला.
प्रयोजन (सं. पु.) कारण, अभिप्राय, मतलब, आशय, मनोरथ.
प्ररोह (सं. पु.) ऊपर जाना, निकलना, चढ़ना, अंकुर.
प्रलम्ब (सं. गु.) ऊंचा, विशाल, बड़ा, नीचे लटका हुआ. (पु.) एक राक्षसका नाम जिसको बलदेवजीने मारा.
प्रलय (सं. पु.) युगान्त, कल्पका अन्त, जब सारा संसार नष्ट होता है.
प्रलाप (सं. पु.) वृथा बकवाद, निरर्थक बात.
प्रलापी (सं. पु.) बहुत बकनेवाला.
प्रलोभन (सं. पु.) लुभाव, लालच, मोहन, फुसलाहट, लुभाना.
प्रवण (सं. पु.) गमन, पशु, नीची जगह, नम्र, उदर, गुण, चिकना, क्षीण.
प्रवर (सं. पु.) संतान, गोत्र, गोत, एक मुनिका नाम जिसने हरएक कुलका गोत्र ठहराया, उनचास गोत्रमेंका एक गोत्र. (गु.) श्रेष्ठ, उत्तम.
प्रवर्त्तक (सं. पु.) आरम्भ करनेवाला, उठानेवाला, प्रेरक, मूलकारक.
प्रवर्त्तन (सं. पु.) प्रवृत्ति, आज्ञापन, प्रेरण, पठावना.
प्रवर्त्तित (सं. पु.) आज्ञापित, प्रेरित, प्रेषित.
प्रवर्षण (सं. पु.) एक पहाड़का नाम जो किष्किन्धापुरीमें था और जिसपर श्रीरामचन्द्र और लक्ष्मणजी वनवासके समय वर्षाऋतुमें टिके थे.
प्रवास (सं. पु.) विदेश, परदेशमें रहना.
प्रवासन (सं. पु.) मारण, देहत्याग, भगाना, निकारना.
प्रवासी (सं. पु.) विदेशी परदेशी.
प्रवाह (सं. पु.) धारा, सोता, बहाव.
प्रवाहक (सं. पु.) गाड़ीवान, संग्रहणी, दस्त.
प्रविष्ट (सं. पु.) घुसनेवाला, पैठनेवाला.
प्रवीण (सं. गु.) चतुर, बुद्धिमान, निपुण, होशियार, स्याना.
प्रवीणता (सं. स्त्री.) चतुराई, होशियारी.
प्रबुद्ध (सं. पु.) जाग्रत, जगैया.
प्रवृत्ति (सं. स्त्री.) किसी काममें लगना, अभ्यास, समाचार, खबर, इच्छा.
प्रवेश (सं. पु.) घुसना, पैठना, पहुँचना.
प्रवेशक (सं. पु.) घुसनेवाला, प्रवेशकारी.
प्रबोधन (सं. पु.) समझाना, उपदेश करना.
प्रबोधक (सं. पु.) समझानेवाला.
प्रव्रज्या (सं. स्त्री.) जत्याश्रम, खानकाह.
प्रशंसनीय (सं. पु.) प्रशंसाके योग्य, सराहने लायक, स्तुति करने योग्य.
प्रशंसा (सं. स्त्री.) बड़ाई, स्तुति, सराह.
प्रशंसित } (सं. पु.) तारीफके लायक.
प्रशंस्य } स्तुत्य.
प्रशमन (सं. पु.) ठंढा करना, शांत करना.
प्रशस्त (सं. पु.) श्रेष्ठ, सराहने योग्य, उत्तम, अच्छा, यथोचित.
प्रशस्ति (सं. स्त्री.) बड़ाई, सराह, तारीफ.
प्रश्न (सं. पु.) सवाल, पूछना, जिज्ञासा.
प्रश्रय (सं. पु.) प्रेम, सेवा, नम्रता.
प्रशांत (सं. पु.) रफादफा होगया.
प्रश्रित (सं. पु.) विनीत, आश्रित, निर्मद.
प्रष्टव्य (सं. पु.) पूछने योग्य.

प्रष्टृ (सं. पु.) पूछनेवाला, जिज्ञासु.

प्रसङ्ग (सं. पु.) प्रस्ताव, मेल, चर्चा, संगम, वार्ता, सम्बन्ध.

प्रसन्न (सं. पु.) आनन्दित, हर्षित.

प्रसन्नता (सं. स्त्री.) आनन्द, हर्ष, खुशी.

प्रसन्नमुख } (सं. पु.) जिसके मुँहपर
प्रसन्नवदन } खुशी बरसती हो, आनन्दित, प्रसन्न.

प्रसर (सं. पु.) वेग, प्रभव, समूह, युद्ध.

प्रसव (सं. पु.) जन्मना, उत्पत्ति, जन्म.

प्रसाद (सं. पु.) (प्र-सद=जाना वा बैठना) देवताको भोग देवताका नैवेद्य, गुरुकी जूठन, कृपा, अनुग्रह, सफ़ाई, फैल, प्रसन्नता.

प्रसादित (सं. पु.) मेहरबानी किया गया, अनुगृहीत.

प्रसाधक (सं. पु.) बनानेवाला.

प्रसाधन (सं. पु.) सँवारना, बनाना.

प्रसाधिका (सं. स्त्री.) शृंगार करानेवाली, वस्त्राभूषणादि पहरानेवाली.

प्रसारण (सं. पु.) पसारना, फैलाना, जाहिर करना.

प्रसिद्ध (सं. पु.) नामी, यशी, विख्यात, प्रगट, जाहिर, भूषित, सँवारा हुआ.

प्रसिद्धि (सं. स्त्री) नाम, यश, नामवरी, कीर्ति, गहना, प्रगट होना.

प्रसू (सं. स्त्री.) माता, माँ, जननी, घोड़ी, हरणी, लता.

प्रसूति (सं. स्त्री.) प्रसव, पुत्र, उद्भव, माता,

प्रसूतिका (सं. स्त्री.) वह स्त्री जिसके बालक जन्मा हो.

प्रसून (सं. पु.) फल, पुष्प, फूल. (पु.) जन्मा हुआ, पैदा हुआ.

प्रस्तर (सं. पु.) पत्थर, पाषाण, रत्न.

प्रस्तार (सं. पु.) फैलाव, तृणका बन, पत्तोंकी रची शय्या, छन्दोंका ग्रन्थ.

प्रस्ताव (सं. पु.) प्रसंग, प्रकरण, अवसर, बात, कथा, चर्चा.

प्रस्तावना (सं. स्त्री.) भूमिका, आरम्भ, स्तुति, प्रार्थना. प्रशंसा. वर्णन.

प्रस्ताविक ([illegible]

प्रस्तावित ([illegible]

प्रस्तुत (सं. [illegible]) [illegible] किया, कहा हुआ, पूरा [illegible]त.

प्रस्थ ([illegible]

प्रस्थान [illegible] (पु.) युद्धके लिये कूच करना.

प्रस्फुटित (सं. पु.) खिला हुआ, फूला हुआ,

प्रस्फुरित (सं. पु.) प्रकाशित, चमकनेवाला.

प्रस्रवण (सं. पु.) चुआन, बहाव.

प्रस्राव (सं. पु.) मूत्र.

प्रहर (सं. पु.) दिनका आठवाँ भाग, पहर.

प्रहसन (सं. पु.) हास्य, हँसी, परिहास, व्यंगवचन.

प्रहस्त (सं. पु.) रावणका बेटा, (पु.) बड़े अथवा फैले हुये हाथवाला.

प्रहार (सं. पु.) चोट, आघात, मारना.

प्रहारी (सं. पु.) मारनेवाला, घातक, नाश करनेवाला, दूर करनेवाला.

प्रहृष्ट (सं. पु.) सन्तुष्ट, पुष्ट, प्रसन्न.

प्रहेलिका (सं. स्त्री.) पहेली, दृष्टकूट, श्लेष, बुझौअल.

प्रह्लाद (सं. पु.) हिरण्यकश्यपका बेटा, हर्ष, आनन्द, खुशी.

प्रह्व (सं. पु.) श्रेष्ठ, नम्र, विख्यात.

प्राइवेट सेक्रेटरी (Private Secretary) (अं.) स्वकीय लेखक, जातीमीर मुन्शी.

प्राक् (सं. क्रि. वि.) पहले, पूर्व, आगे, आदि.

प्राक्तन (सं. गु.) पुराना, पहला, पूर्वदिशा.

प्राकार (सं. पु.) घेरा, कोटकी सफील, गढ़, पक्का महल.

प्राकृत (सं. गु.) (प्र=बहुत, अकृत=बुरा काम अथवा ईर्षा जिसके मनमें हो) नीच, अधम, क्षुद्र, सामान्य, मायाका विकार. (पु.) एक प्रकारकी भाषा जो संस्कृतसे विगडकर बनी है और संस्कृत नाटकोंमें बहुत जगह लिखी जाती है.

प्राग्ज्योतिषपुर (सं. पु.) कामरूपदेश, आसामका एक भाग.

प्राघुण (सं. पु.) पाहुन, अभ्यागत, मेहमान.

प्राङ्गण (सं. पु.) आँगन, सहन, मृदंग, पखावज.

प्राची (सं. स्त्री.) पूर्वदिशा.

प्राचीन (सं. गु.) पुराना, अगला, पहले समयका, पूर्वदिशाका.

प्राचीर (सं. पु.) चहारदीवारी, शहरपनाह, नगरका घेरा.

प्राज्ञ (सं. पु.) पण्डित, बुद्धिमान्, विज्ञ, प्रवीण, चतुर.

प्राज्ञमानी }
प्राज्ञमन्य } (सं. पु.) विद्याभिमानी.

प्राड्विवादक. (हि. पु.) वकील, प्लीडर.

प्राण (सं. पु.) (प्र=बहुत, अन्=जीना वा साँस लेना) साँस, श्वास, वायु, जीव, जीवन. (गु.) प्यारा.

प्राणनाथ }
प्राणपति } (सं. पु.) पति, प्रीतम स्वामी, खाविंद.

प्राणान्त (सं. पु.) प्राणका अन्त, मरना, मरण.

प्राणयात्रा (सं. स्त्री.) जीविका, निर्वाह, रोजी.

प्राणायाम (सं. पु.) (प्राण=साँस, आ=चारों ओरसे, यम्=रोकना) साँसका रोकना, योगकी एक विधि जिसमें नाकके दाहिने नथनेको बन्द करके बायें नथनेसे साँसको ऊपर खैंचते हैं उसको पूरक कहते हैं और फिर दोनों नथनोंको बन्द करके साँसको भीतर रोकते हैं उसको कुम्भक कहते हैं और फिर उस साँसको धीरे धीरे दाहिने नथनेकी राहसे निकाल देते हैं उसको रेचक कहते हैं.

प्राणी (सं. पु.) जीवधारी, जीव, जन्तु. (गु.) प्राणवाला.

प्राणिमात्र (सं. पु.) सब जीव, जीवमात्र.

प्राणेश (सं. पु.) प्राणनाथ, स्वामी.

प्रातः (सं. क्रि. वि.) भोर, विहान, प्रभात.

प्रातःकाल (सं. पु.) भोरका समय, प्रभात.

प्रातराश (सं. पु.) प्रातका भोजन.

प्रादुर्भाव (सं. पु.) प्रगट होना, प्रत्यक्ष, प्रकाश होना, निकलना, उगना.

प्रान्त (सं. पु.) किनारा, छोर, अन्त, प्रदेश, सूबा, चारों तरफ.

प्रापक (सं. पु.) पैदा करना, हासिल करनेवाला, प्राप्ति करना.

प्राप्त (सं. गु.) पाया हुआ, मिला हुआ, लब्ध, उचित, वसूल.

प्राप्ति (सं. स्त्री.) पाना, मिलना, लाभ.

प्राप्य (सं. पु.) पाने योग्य.

प्रामाणिक (सं. गु.) विश्वासवाला, प्रधान, प्रत्यक्ष, शास्त्रसिद्ध.

प्रामाण्य (सं. गु. पु.) प्रमाण करने योग्य, विश्वासके लायक.

प्रायः {
प्राय { (सं. क्रि. वि.) बहुधा, कभी कभी, लगभग, बारबार. (पु.) तप.

प्रायश्चित्त. (सं. पु.) (प्रायस् पापको कहते हैं और चित्त उससे शुद्ध करनेको कहते हैं) पापको दूर करनेका साधन, जैसे चान्द्रायणव्रत आदि.

प्रारब्ध } (सं. पु. स्त्री.) (प्र+आ+रभ्=
प्रालब्ध } शुरू करना) भाग्य, कर्ममें लिखा हुआ, दैवयोग्य, संयोग. (गु.) शुरू किया हुआ.

प्रारम्भ (सं. पु.) आरम्भ, शुरू, प्रथम, उपक्रम.

प्रायममिनिष्टर (Primeminister) (अं. पु.) महामन्त्री, वजीर आजम.

प्रार्थक (सं. पु.) माँगनेवाला, याचक, मुस्तवई.

प्रार्थना (सं. स्त्री.) विनाति, चाहना, माँगना, परमेश्वरसे अपने पापोंकी माफी चाहना.

प्रार्थनीय } (सं. पु.) याचित, याचनीय.
प्रार्थित }

प्रार्थयिता (सं. पु.) चाहनेवाला, आशिक.

प्रावृट् } (सं. स्त्री.) (प्र=बहुत, वृष्=
प्रावृष् } बरसना) वर्षाकाल, वर्षाऋतु,
प्रावृषा } बरसात.

प्राविन्स (Province) (अं.) सूबा, प्रान्त.

प्राविन्सल सर्विस (Provincial Service) (अं.) सूबेकी नौकरी.

प्रास (सं. पु.) भाला, आयुध, फाँसी. क्षेप, त्याग.

प्रासाद (सं. पु.) महल, राजभवन, देवताका मन्दिर.

प्रिय (सं. पु.) पति, स्वामी, प्रीतम. (गु.) प्यारा, सनेही.

प्रियतम (सं. गु.) बहुत प्यारा. (पु.) पति, प्रीतम.

प्रियभाषण (सं. पु.) प्यारसे प्यारा बोल, प्यारी बात.

प्रियंवद (सं. पु.) प्रियवादी, शीरीं कलाम.

प्रियंवदक } (सं. पु.). प्रियवादी, शीरीं
प्रियवक्ता } कलाम.

प्रियवादिनी (सं. गु. स्त्री.) प्यारी बात बोलनेवाली, मीठी बात बोलनेवाली.

प्रियवादी (सं. गु. पु.) मीठी और प्यारी बात बोलनेवाला, मिष्टभाषी.

प्रिया (सं. स्त्री. गु.) प्यारी, स्त्री, जोरू.

प्रीत (हिं. स्त्री.) प्यार, प्रेम.

प्रीतम (हिं. गु.) (सं. प्रियतम) बहुत प्यारा, अत्यंत प्यारा. (पु.) पति.

प्रीति (सं. स्त्री.) प्यार, प्रेम, सनेह, मोह, दुलार, हर्ष, तृप्ति.

प्रुष्ट (सं. पु.) (प्रुष्=जलाना) दग्ध, जला.

प्रेक्षक (सं. पु.) द्रष्टा, देखनेवाला, नाज़िर.

प्रेक्षण (सं. पु.) देखना, दर्शन, आँख.

प्रेक्षणीय (सं. पु.) देखने योग्य, दृश्य.

प्रेत (सं. पु.) भूत, पिशाच, मुर्दा, मृतक. (गु.) मरा हुआ, मरा.

प्रेतनी (हिं. स्त्री.) भूतनी, पिशाचनी.

प्रेम (सं. पु.) प्यार, प्रीत, सनेह, दुलार प्रेमरंगराता, बहुत प्यारमें डूबा हुआ.

प्रेमसागर (सं. पु.) प्यारका समुद्र श्रीमद्भागवतके दशमस्कन्धका हिन्दी भाषामें उल्था, श्रीलल्लूजीलाल कविका किया हुआ.

प्रेमी (सं. गु.) प्यार करनेवाला, प्यारा प्रियतम, सनेही.

प्रेयसी (सं. स्त्री.) प्रिया, प्यारी.

प्रेरक (सं. पु.) भेजनेवाला, पठवैया, ताकीद करनेवाला.

प्रेरण (सं. पु.) } भेजना, आज्ञा करना,
प्रेरणा (सं. स्त्री.) } ताकीद करना, उभाड़ना.
प्रेरना (हि. क्रि. स.) भेजना, पठाना, उभाड़ना.
प्रेरित (सं. पु.) भेजा हुआ, पठाया हुआ, प्रेरण किया हुआ.
प्रेस (Press) (अं.) यन्त्रालय, छापाखाना.
प्रेसिडन्ट (President) (अं.) सभापति.
प्रोक्त (सं. गु.) कहा हुआ.
प्रोक्लेमेशन (Proclamation) (अं.) मुनादी, ढंढोरा.
प्रोविंशलक्लब (Provincial club) (अं.) जनपदसमूह.
प्रेषण (सं. पु.) पठाना, प्रेरणा करना.
प्रेषित (सं. पु.) प्रेरित, भेजा.
प्रोषित (सं. गु.) विदेशी, जो विदेश गया हो.
प्रोषितपतिका } (सं. स्त्री.) नायिका
प्रोषितभर्तृका } जिसका पति परदेशमें हो.
प्रोहित (हि. पु.) (सं. पुरोहित) पुरोधा, पुरोहित, कुलगुरु, उपाध्याय.
प्रोक्षक (सं. पु.) सींचनेवाला.
प्रोक्षण (सं. पु.) सींचना, वध, पशुको वध करना.
प्रोक्षित (सं. पु.) सींचा गया, सिक्त.
प्रौढ़ (सं. पु.) बड़ा, मोटा, पूरा जवान.
प्रौढ़ा (सं. स्त्री.) जवान स्त्री, ३० बरससे ५५ बरसतककी स्त्री.*
प्लक्ष (सं. पु.) पाकरवृक्ष, पीपलवृक्ष, भोजन, दरवाजेकी चौखट, सात द्वीपोंमेंका एक द्वीप.
प्लव (सं. पु.) डोंगा, मेंढक, बानर, श्वपच, चांडाल, बगुला, सारस.
प्लवक (सं. पु.) नर्तक, नाचनेवाला, खड्गधारी, नट.
प्लवग } (सं. पु.) (प्लवन=कूदता
प्लवङ्ग } हुआ, प्लु=कूदना) बानर, बन्दर, हरिन, मेंढक.
प्लवङ्गम (सं. पु.) मर्कट, बानर, मेंढक, मृगा.
प्लीहा (सं. स्त्री.) पिलही, तापतिल्ली.
प्लुत (सं. पु.) स्वरोंका तीसरा भेद जिसके बोलनेमें ह्रस्वसे तिगुना समय लगता है. (गु.) कूदा हुआ, उछला हुआ.
प्लुष (सं. पु.) दाह, जलन, अग्नि, शोक, उष्ण, नाश.
प्लुष्ट (सं. पु.) दग्ध, जला हुआ,
प्लोष (सं. पु.) दाह, जलना.
प्लोषिता (सं. पु.) जलानेवाला.

फ.

फ (पु.) फक्कड़, फत्कार, वृथावार्ता, साधन, वायुका झकोरा.
फंका (हि. पु.) मुट्ठीभर चीज जो एक बार मुंहमें डाली जाय.
फंका मारना (हि. मुहा.) मुट्ठीभर चीज एक बार मुंहमें ले जाना.
फंदाना (हि. क्रि. अ.) उलझना, फसना, अटकना, बझना.
फंदा } (हि. पु.) (सं. पाश) फांसी,
फांदा } पाश, जाल, फलदी, जंजाल, कठिनाई.
फँसना } (हि. क्रि. अ.) उलझना,
फसना } बझना, पकड़ा जाना, दूसरेके वशमें आना.
फक्क (सं. पु.) असदाचार, बदचलन, मंदगति.
फक्कड़ (हि. गु.) ओबाश, लड़ाका, बखेड़िया.

फक्किका (सं. स्त्री.) फाँकी, तर्क, लपेटकी बात, चाल, कपट, छल.
फगुवा (हि. पु.) होलीका तिहवार.
फट (सं. गु.) प्रफुल्लित, विकसित, खिला हुआ. (अव्य.) फटकार.
फटकना (हि. क्रि. स.) पछाडना, जुदा करना, छाँटना, झाँड़ना.
फटकी (हि. स्त्री.) चिडीमारका जाल, बडा पिंजरा, एक रस्सी जिसकी आवाजसे पक्षियोंको डराते हैं.
फटना (हि. क्रि. अ.) (सं. स्फुटन) चिरना, तड़कना, तारतार होना.
फटिक (सं. पु.) (सं. स्फटिक) बिल्लौरका पत्थर, स्फटिक.
फड (हि. स्त्री.) जूआ खेलनेकी जगह, वह जगह जहाँ बेचनेके लिये माल असबाब रहता है, गाड़ीका डंडा.
फड़कना } (हि. क्रि. अ.) फड़फड़ाना,
फरकना } धड़धड़ाना, उछलना, हिलना, टीस मारना, तड़फना, बहुत खुश होना.
फड़फड़ाना (हि. क्रि. अ.) फड़कना, हिलना, तड़फना.
फड़िङ्गा (हि. पु.) झींगुर, एक प्रकारका पतङ्गा.
फण (सं. पु.) साँपका फैलाया हुआ शिर वा ठुड्डी.
फणाधर (सं. पु.) साँप, सर्प.
फणिक (सं. पु.) सर्प, साँप.
फणिज्झक (सं. पु.) छोटे पत्ता, तुलसीदल.
फणी (सं. पु.) साँप, सर्प.
फणीन्द्र (सं. पु.) सर्पराज, अनन्त, वासुकी.
फन्ड (Fund) (अं.) पूँजी, पुंज, समूह.
फनगा (हि. पु.) टिड्डा, आँखफोडा.
फफसा (हि. गु.) फूला, पोला, फीका.
फफूँदी (हि. स्त्री.) गीली सड़ी हुई चीजपर एक तरहकी सफेदसी तह.
फफोला (हि. पु.) (सं. स्फोट) छाला, फुलका, फाला.
फफोले फूटने (हि. मुहा.) मनमें चिंता होना, दुःख पाना.
फफोले दिलके फोड़ने (हि. मुहा.) मनकी चाह पूरी करना.
फब }
फबन } (हि. स्त्री.) शोभा, सजावट.
फबती कहना (हि. मुहा.) चुटकला कहना, चुहल करना.
फबना (हि. क्रि. अ.) सोहना, छाजना, खुलना, भला लगना, ठीक होना.
फरछा (हि. गु.) निर्मल, स्वच्छ.
फरफन्द (हि. गु.) छल, कपट, धोखा.
फरसा (हि. पु.) कुल्हाड़ी, बसूला.
फरहरा (हि. पु.) } ध्वजा, पताका,
फरहरी (हि. स्त्री.) } झंडीका कपड़ा जो हवामें उड़ता है. (गु.) अधसूखा.
फरी (हि. स्त्री.) (सं. फर) ढाल.
फर्राना (हि. क्रि. अ.) हिलना, उड़ना.
फल (सं. पु.) (फल्=फलना या सिद्ध होना) मेवा, कामकी सिद्धि, लाभ, फायदा, प्रयोजन, मतलब, परिणाम, नतीजा, संतान, वंश, सन्तति, औलाद, प्रतिफल, बदला, पारितोषिक, बाणके आगेका लोहा, फाल (गणितमें) लब्धि, ढाल, फरी, भाले अथवा तलवारकी नोक.
फल पाना (हि. मुहा.) भले या बुरे कामका पलटा मिलना, बदला मिलना.
फलफलारी (हि. मुहा.) नाना प्रकारके फल.

फलफूल (हि. मुहा.) वनस्पति.
फलक (सं. पु.) ढाल, कलाइकी हड्डी, मूठि, तह, परत, कबजा, तख्त, पटेरा.
फलद (सं. गु.) फलदायक, फल देनेवाला. (पु.) वृक्ष.
फलदाता (सं. गु.) फल देनेवाला.
फलना (हि. क्रि. अ.) फल लाना, फल देना, फल लगना, सफल होना, फलदायक होना, भाग्यवान् होना, सुखी होना, वंश बढ़ना, खुश रहना, फूलना.
फलप्राप्ति (सं. स्त्री.) मतलब पूरा होना.
फलना फूलना (हि. मुहा.) भाग्यवान् होना, सुखी होना.
फलबुझौअल (हि. पु.) एक खेलका नाम जिसको मनकेलाभी कहते हैं.
फलवान् (सं.) सार्थक, सफल.
फलश्रेष्ठ (सं. पु.) आम, आम्रवृक्ष.
फलाध्यक्ष (सं. पु.) ईश्वर.
फलांश (हि. स्त्री.) कूद, उछलना, डग.
फलित (सं. पु.) फला हुआ, सफल.
फलितज्ञ (सं. पु.) ज्योतिषी, नजूमी.
फलितार्थ (सं. पु.) तात्पर्य, सिद्धि.
फली (हि. स्त्री.) छीमी (जैसे मटर आदिकी.)
फलग्राही (सं. पु.) फलका लेनेवाला.
फलोत्तमा (सं. स्त्री.) मुनक्का, द्राक्षावृक्ष.
फलोदय (सं. पु.) लाभ, प्राप्ति, आनन्द.
फल्गु (सं. स्त्री.) एक नदीका नाम जिसके तटपर गयाजी बसा है, एक प्रकारका अंजीरका पेड़, गुलाल.
फहराना } (हि. क्रि. अ.) उड़ना, लहराना, हिलना.
फरीना
फाँक (हि. स्त्री.) टुकड़ा, चकती, ककड़ी आदि फलका टुकड़ा.
फाँकना (हि. क्रि. स.) फंका मारना.
फाँकी (हि. स्त्री.) लपेटकी बात, तर्क उलझेड़की बात, फक्किका.
फाँदना (हि. क्रि. स.) कूदना, उछलना, लाँघना.
फाँस (हि. स्त्री.) बाँस आदिका बहुतही छोटा टुकड़ा, अथवा काँटा वा सींक.
फाँसी (हि. स्त्री.) (सं. पाश) फंदा, फंसड़ी, एक रस्सी जो गलेमें डालकर खींच लेते हैं तो गर्दनकी रग दबकर आदमी मर जाता है.
फाँसी देना (हि. मुहा.) मार डालना, गला दबाना, फाँसीपर चढ़ाना या लटकाना.
फाँसी पड़ना (हि. मुहा.) फाँसी दिया जाना, मारा जाना, लटकाया जाना.
फाँसी लगाना (हि. मुहा.) गला घोंटना, गला दबाना, मार डालना.
फाग (हि. पु.) होलीमें गुलाल आदि होलीके खेल.
फाग खेलना (हि. मुहा.) अबीर उड़ाना, होली खेलना.
फागुन (हि. पु.) (सं. फाल्गुन) बारहवां हिन्दी महिना.
फाटक (हि. पु.) बड़ा दरवाजा, द्वार, किंवाड़, रोक, अटकाव.
फाड़ना (हि. क्रि. स.) चीरना, टुकड़े २ करना.
फाड़ खाना (हि. मुहा.) भभोड़ना, सताना, क्रोध करना.
फारेनसेक्रेटरी (Foreign Secretary) (अ.) विदेशीय व्यापारियोंके मन्त्री.
फाल (हि. पु.) नोकदार लोहा जो हलमें लगाया जाता है.
फाल्सा (हि. पु.) एक फलका नाम.

फक्किका (सं. स्त्री.) फाँकी, तर्क, लपेटकी बात, चाल, कपट, छल.
फगुवा (हि. पु.) होलीका तिहवार.
फट (सं. पु.) प्रफुल्लित, विकासित, खिला हुआ. (अव्य.) फट्कार.
फटकना (हि. क्रि. स.) पछाडना, जुदा करना, छाँटना, झाँडना.
फट्की (हि. स्त्री.) चिडीमारका जाल, बडा पिंजरा, एक रस्सी जिसकी आवाजसे पक्षियोंको डराते हैं.
फटना (हि. क्रि. अ.) (सं. स्फुटन) चिरना, तडकना, तारतार होना.
फटिक (सं. पु.) (सं. स्फटिक) बिल्लौर-का पत्थर, स्फटिक.
फड (हि. स्त्री.) जूआ खेलनेकी जगह, वह जगह जहाँ बेचनेके लिये माल असबाब रहता है, गाडीका डंडा.
फड़कना } फरकना } (हि. क्रि. अ.) फड़फड़ाना, धडधडाना, उछलना, हिलना, टीस मारना, तड़फना, बहुत खुश होना.
फड़फड़ाना (हि. क्रि. अ.) फड़कना, हिलना, तड़फना.
फड़िङ्गा (हि. पु.) झींगुर, एक प्रकारका पतङ्गा.
फण (सं. पु.) साँपका फैलाया हुआ शिर वा छुट्टी.
फणाधर (सं. पु.) साँप, सर्प.
फणिक (सं. पु.) सर्प, साँप.
फणिज्झक (सं. पु.) छोटे पत्ता, तुलसीदल.
फणी (सं. पु.) साँप, सर्प.
फणीन्द्र (सं. पु.) सर्पराज, अनन्त, वासुकी.
फण्ड (Fund) (अं.) पूँजी, पुंज, समूह.
फनगा (हि. पु.) टिड्डा, आँखफोरा.
फफसा (हि. पु.) फूला, पोला, फीका.
फफूँदी (हि. स्त्री.) गीली सड़ी हुई चीज पर एक तरहकी सफेदसी तह.
फफोला (हि. पु.) (सं. स्फोट) छाला, फुलका, फाला.
फफोले फूटने (हि. मुहा.) मनमें चिंता होना, दुःख पाना.
फफोले दिलके फोड़ने (हि. मुहा.) मनकी चाह पूरी करना.
फब } फबन } (हि. स्त्री.) शोभा, सजावट.
फबती कहना (हि. मुहा.) चुटकला कहना, चुहल करना.
फबना (हि. क्रि. अ.) सोहना, छाजना, खुलना, भला लगना, ठीक होना.
फरछा (हि. पु.) निर्मल, स्वच्छ.
फरफन्द (हि. पु.) छल, कपट, धोखा.
फरसा (हि. पु.) कुल्हाडी, बसूला.
फरहरा (हि. पु.) } फरहरी (हि. स्त्री.) } ध्वजा, पताका, झंडीका कपड़ा जो हवामें उडता है. (पु.) अधसूखा.
फरी (हि. स्त्री.) (सं. फर) ढाल.
फर्णना (हि. क्रि. अ.) हिलना, उडना.
फल (सं. पु.) (फल्=फलना वा सिद्ध होना) मेवा, कामकी सिद्धि, लाभ, फायदा, प्रयोजन, मतलब, परिणाम, नतीजा, संतान, वंश, सन्तति, औलाद, प्रतिफल, बदला, पारितोषिक, बाणके आगेका लोहा, फाल, (गणितमें) लब्धि, ढाल, फरी, भाले अथवा तलवारकी नोक.
फल पाना (हि. मुहा.) भले या बुरे कामका पलटा मिलना, बदला मिलना.
फलफलारी (हि. मुहा.) नाना प्रकारके फल.

फलफूल (हि. मुहा.) वनस्पति.
फलक (सं. पु.) ढाल, ललाटकी हड्डी, मूठि, तह, परत, कबजा, तख्त, पटेरा.
फलद (सं. गु.) फलदायक, फल देनेवाला. (पु.) वृक्ष.
फलदाता (सं. गु.) फल देनेवाला.
फलना (हि. क्रि. अ.) फल लाना, फल देना, फल लगना, सफल होना, फलदायक होना, भाग्यवान होना, सुखी होना, वंश बढ़ना, खुश रहना, फूलना.
फलप्राप्ति (सं. स्त्री.) मतलब पूरा होना.
फलना फूलना (हि. मुहा.) भाग्यवान होना, सुखी होना.
फलबुझौअल (हि. पु.) एक खेलका नाम जिसको मनकेलाभी कहते हैं.
फलवान (सं.) सार्थक, सफल.
फलश्रेष्ठ (सं. पु.) आम, आम्रवृक्ष,
फलाध्यक्ष (सं. पु.) ईश्वर.
फलांग (हि. स्त्री.) कूद, उछलना, डग.
फलित (सं. पु.) फला हुआ, सफल.
फलितज्ञ (सं. पु.) ज्योतिषी, नजूमी.
फलितार्थ (सं. पु.) तात्पर्य, सिद्धि.
फली (हि. स्त्री.) छीमी (जैसे मटर आदिकी.)
फलग्राही (सं. पु.) फलका लेनेवाला.
फलोत्तमा (सं. स्त्री.) मुनक्का, द्राक्षावृक्ष.
फलोदय (सं. पु.) लाभ, प्राप्ति, आनन्द.
फल्गु (सं. स्त्री.) एक नदीका नाम जिसके तटपर गयाजी बसा है, एक प्रकारका अंजीरका पेड़, गुलाल.
फहराना } (हि. क्रि. अ.) उड़ना, लहफरांना } राना, हिलना.
फाँक (हि. स्त्री.) टुकड़ा, चकती, ककड़ी आदि फलका टुकड़ा.
फाँकना (हि. क्रि. स.) फंका मारना.
फाँकी (हि. स्त्री.) लपेटकी बात, तर्क उलझेड़की बात, फक्किका.
फाँदना (हि. क्रि. स.) कूदना, उछलना, लाँघना.
फाँस (हि. स्त्री.) बाँस आदिका बहुतही छोटा टुकड़ा, अथवा काँटा या सींक.
फाँसी (हि. स्त्री.) (सं. पाश) फंदा, फंसड़ी, एक रस्सी जो गलेमें डालकर खींच लेते हैं तो गर्दनकी रग दबकर आदमी मर जाता है.
फाँसी देना (हि. मुहा.) मार डालना, गला दबाना, फाँसीपर चढ़ाना या लटकांना.
फाँसी पड़ना (हि. मुहा.) फाँसी दिया जाना, मारा जाना, लटकाया जाना.
फाँसी लगाना (हि. मुहा.) गला घोंटना, गला दबाना, मार डालना.
फाग (हि. पु.) होलीमें गुलाल आदि होलीके खेल.
फाग खेलना (हि. मुहा.) अबीर उड़ाना, होली खेलना.
फागुन (हि. पु.) (सं. फाल्गुन) बारहवां हिन्दी महिना.
फाटक (हि. पु.) बड़ा दरवाजा, द्वार, किवाड़, रोक, अटकाव.
फाड़ना (हि. क्रि. स.) चीरना, टुकड़े २ करना.
फाड़ खाना (हि. मुहा.) भभोड़ना, सताना, क्रोध करना.
फारेनसेक्रेटरी (Foreign Secretary) (अ.) विदेशीय व्यापारियोंके मन्त्री.
फाल (हि. पु.) नोकदार लोहा जो हलमें लगाया जाता है.
फाल्सा (हि. पु.) एक फलका नाम.

फाल्गुन (सं. पु.) फाल्गुन, इस महीनेमें पूर्नोंके दिन पूर्वाफाल्गुनीनक्षत्र होता है.
फावड़ा (हि. पु.) धरती खोदकर मिट्टी फेंकने या उठानेका एक औजार.
फाहा (हि.) रूईका पहल अथवा छोटा गाला, वह कपड़ा जिसपर मरहम लगाकर घावपर बांधते हैं.
फिकारना (हि. क्रि. स.) शिर नंगा करना.
फिट (हि. पु.) फिटकार, सराप. (क्रि. वि.) छीछी.
फिटफिट (हि. मुहा.) छीछी, धिकधिक.
फिटकार (हि. स्त्री.) गाली, सराप.
फिटकारना (हि. क्रि. स.) धिक्कारना, सरापना, छीछी करना.
फिर (हि. समुच्चा.) पीछे, पुनि, इसके बाद.
फिरकी (हि. स्त्री.) फिरनी, चकई, एक खिलौनेका नाम.
फिरना (हि. क्रि. अ.) घूमना, चक्कर खाना, लपटना, टहलना, चलना, भटकना, रमना, भ्रमण करना, बलवा करना.
फिर जाना (हि. मुहा.) पलटना, बलवा करना, बागी होना, ऐंठना, बल खाना, टेढ़ा होना।
फिड्डी (हि. स्त्री.) पिदली, टंगड़ी.
फिसलना (हि. क्रि. अ.) खिसलना, डिगना, रपटना, खिसकना, उलट जाना, लुढ़कना, गिरना, लड़खड़ाना.
फींचना (हि. क्रि. स.) धोना, साफ करना.
फीका (हि. गु.) बेस्वाद, बेनमक, मीठा, पीला, हलका, बदरंग, कमरंग.
फुंकार (हि. स्त्री.) (सं. फुत्कार) साँपके साँस लेनेका शब्द, फुफकार.
फुंहार (हि. स्त्री.) मेहकी छोटी २ बूंदें, फुही.
फुंहारा (हि. पु.) फव्वारा.
फुकना (हि. पु.) मूत्राधार थैली.
फुट (हि. गु.) अलग २, भिन्न, विषम.
फुटकर (हि. गु.) (सं. स्फुट) फुट, भिन्न, विषम, अलग २, एक एक.
फुदकना (हि. क्रि. अ.) उछलना, कुदकना, कूदना.
फुनगी (हि. स्त्री.) कली, कोंपल, मंजरी, अंकुर.
फुनसी (हि. स्त्री.) छोटा फोड़ा.
फुफ्फा (हि. पु.) फुफीका पति.
फुफ्फी (हि. स्त्री.) बापकी बहिन.
फुफकार (हि. स्त्री.) फुंकार, फुत्कार.
फुफेरा, फुफेरी (हि. गु.) फुफ्फीका जैसे फुफेरा भाई=फुफ्फीका बेटा, फुफेरी बहिन=फुफ्फीकी बेटी.
फुर (हि. गु.) सच, ठीक, यथार्थ.
फुरफुराना (हि. क्रि. अ.) काँपना, हिलना.
फुर्त, फुर्ती (हि. स्त्री.) (सं. स्फूर्त्ति) जल्दी, चटपटी, शीघ्रता, चालाकी.
फुर्तीला (हि. गु.) चालाक, जल्दबाज.
फुलका (हि. गु.) फूला हुआ, हलका, (पु.) फफोला, छाला, पतली रोटी.
फुलकारी (हि. स्त्री.) एक प्रकारका कपड़ा जिसपर फूल निकले होते हैं, नैनू, जामदानी.
फुलझड़ी (हि. स्त्री.) एक तरहकी आतिशबाजी.
फुलवारी, फुलवाड़ी (हि. स्त्री.) पुष्पवाटिका, फूलोंका बागीचा.
फुलेल (हि. पु.) सुगंधिततेल, फूलका तेल.
फुलौरी (हि. स्त्री.) पकौड़ी.

फुल्ल (सं. पु.) खिलना, हर्ष, विकसन.
फुल्ली (हि. स्त्री.) एक आँखकी बीमारी जिससे आँखमें एक सफेद बुन्दासा हो जाता है.
फुसफुसाना (हि. क्रि. अ.) कानाफूसी करना, कानाकानी करना.
फुसलाना (हि. क्रि. स.) दिलासा देना, भुलाना, झाँसा देना, बहकाना, धोखा देना, दम देना, बहलाना.
फूँक (हिं. स्त्री.) दम, साँस.
फूँक देना (हि. मुहा.) आग लगा देना.
फूँकना (हि. क्रि. स.) (सं. फुत्कार) मुँहसे हवा निकालना, आग लगाना, सुलगाना, जलाना, बजाना.
फूँकफूँककर पाँव धरना (हि. मुहा.) बहुत सावधानीसे काम करना या रहना.
फूँकारना (हि. क्रि. अ.) फनफनाना, फुंकार मारना, फुरकरना.
फूँही
फौहार
फूहार
} (हि. स्त्री.) छोटी छोटी मेहकी बूँदें, झीसी, मन्द मन्द वर्षा.
फूट (हि. स्त्री.) एक तरहकी ककड़ी, बिगाड़, बैर, विरोध, बखेड़ा, झगड़ा, असम्मति, अनमेल, जुदा होना, बिलगाव, खंडन, टूट, सेंध, दरार.
फूट पड़ना (हि. मुहा.) बखेड़ा मचना, विरोध होना, बीच पड़ना, झगड़ा उठना.
फूटफूटकर रोना (हि. मुहा.) उमड़ उमड़के रोना, बहुत रोना.
फूट रहना (हि. मुहा.) अलग हो जाना.
फूटना (हि. क्रि. अ.) टूटना, छिन्नभिन्न होना, बिखरना, अलग होना, फटना, गिरना, उठना, फैलना, कलीका खिलना, बैरीसे मिल जाना.
फूटी सहैं पर काजल न सहैं. (कहावत) थोड़ी घटी नहीं सहना और सबका सब नुक़सान सहना.
फूका (हि. पु.) फूफीका पति.
फूफी
फूफू
} (हि. स्त्री.) बापकी बहिन.
फूल (हि. पु.) पुष्प, पुहुप, कुसुम, सुमन, स्त्रीका रज, निहानी, मुर्देकी हड्डियाँ जो जल जानेके पीछे चुनी जाती हैं. (गु.) बहुत हलका.
फूल जाना (हि. मुहा.) सूज जाना, प्रसन्न होना, आनन्दित होना, मोटा होना.
फूल झड़ना (हि. मुहा.) मीठा बोलना, दीपकसे जले हुए तेलके टपकोंका गिरना.
फूल पड़ना (हि. मुहा.), आग लग जाना, जल बैठना.
फूल बैठना (हि. मुहा.) खुश होना, प्रसन्न होना, बहुत प्रसन्न होकर बैठना.
फूलगोबी (हि. स्त्री.) गोबी, करमकल्ला.
फूलना (हि. क्रि. अ.) खिलना, बिकसना, डहडहाना, प्रसन्न होना, हुलसना, निरोग रहना, पनपना, सूजना, मोटा होना.
फूला (हि. गु.) फूला हुआ, सूजा हुआ, खिला हुआ, विकसा हुआ, डहडहा हुआ.
फूला न समाना (हि. मुहा.) मगन होना, आनन्दसे फूल जाना, अत्यंत आनन्दित होना.
फूस (हि. पु.) सड़ा और सूखा घास.
फूहड़ (हि. गु.) अनसीखी, मूर्ख, भौंड़ा. (स्त्री.) मैली कुचैली स्त्री.
फूहा (हि. पु.) रूईका फाहा.

फेंकना (हि. क्रि. स.) डालना, वीगना, दूर गिराना, अलग करना.
फेंक देना (हि. मुहा.) दूर गिरा देना.
फेंट } (हि. स्त्री.) कमरबन्द, पटका, फेंट } कटिबन्ध.
फेंट बांधना (हि. मुहा.) किसी कामके करनेके लिये तैयार होना, कमर बाँधना.
फेंटा } (हि. पु. स्त्री.) कमरबन्ध, छोटी फेंटा } पगड़ी.
फेन (सं. पु.) झाग, कफ, फेना, समुद्रफल.
फेनवाहिन् (सं. पु.) जल, रस, दुग्ध, दूध.
फेनी (हि. स्त्री.) एक प्रकारकी मिठाई.
फेर (सं. पु.) शृगाल, गीदड़.
फेर (हि. पु.) घुमाव, बाँका, पेच, बदली, विकार, बुरा भाग, कठिनता, दूरी. (क्रि. वि.) दूसरी वार, पीछा, फिर, उलटा.
फेर खाना (हि. मुहा.) घूमना, चक्कर खाना, दुःख पाना, तकलीफ उठाना.
फेर देना (हि. मुहा.) पीछा दे देना, लौटा देना.
फेर पड़ना (हि. मुहा.) फरक पड़ना, बीच रहना, चक्कर पड़ना, दुःख होना.
फेरफार (हि. मुहा.) छल, धोखा, दगा, ओसरी, फेराफेरी.
फेरफार करना (हि. मुहा.) अदलबदल करना, धोखा देना.
फेराफेरी (हि. मुहा.) आपसमें किसी चीजको लेना और पीछा देना.
फेरना (हि. क्रि. स.) घुमाना, उलटना, लौटाना, हटाना, दूर करना, पोतना.
फेअल } (फा.) काम, क्रिया.
फेल }
फेलक (सं. पु.) उच्छिष्ट, जूंठ.
फेलन (सं. पु.) फेंकना.
फेलित (सं. पु.) फेंका हुआ.
फेलोज (Fellows) (अं.) मेंवर, अंग.
फैलना (हि. क्रि. अ.) पसरना, बिछना, बिखरना, चौड़ा होना, प्रसिद्ध होना.
फैलाना (हि. क्रि. स.) बिछाना, पसारना, छितराना, चौड़ा करना, हिसाब करना.
फैलाव (हि. पु.) प्रचार, बिछाव, चौड़ाई.
फोंफी (हि. स्त्री.) नली, छूछी, पोली चीज.
फोटो (Photo) (अं.) प्रतिबिंब, अक्स.
फोटोग्राफर (Photographer) (अं.) चित्रलेखक, मुसाव्विर.
फोड़ना (हि. क्रि. स.) तोड़ना, फाड़ना, चीरना, टुकड़े २ करना, भेद खोलना.
फोड़ा (हि. पु.) घाव, जखम, फुनसी.
फोला (हि. पु.) फफोला, छाला.

ब.

ब (सं. पु.) वरुण, घड़ा, समुद्र, पानी.
बँकाई (हि. स्त्री.) टेढ़ापन, टेढ़ाई, तिरछापन, बाँकापन, फेर घुमाव.
बँगड़ी (हि. स्त्री.) स्त्रियोंके हाथमें पहरनेका एक गहना.
बंगला (हि. पु.) एक तरहका मकान जो चारों ओरसे खुला रहता है, एक तरहका पान, बंगाली बोली.
बंगाला (हि. पु.) (सं. वङ्ग) बंगाल देशका नाम.
बंगाली (हि. पु.) बंगालेका रहनेवाला (स्त्री.) बंगालेकी बोली.
बंचना (हि. क्रि. अ.) पढना, बाँचना.
बंदनवार (हि. स्त्री.) फूल और पत्तोंकी माला जो ब्याह अथवा कोई उत्सव और पर्वके दिन दरवाजेपर बांधते हैं.

बंदर (हि. पु.) (सं. वानर) एक जानवर जिसका डीलडोल और मुँह आदमीसे बहुत मिलता है, कपि, मर्कट.
बंदरकी तरह नचाना (हि. मुहा.) बड़ा कठिन काम करवाना.
बंदवा } (हि. पु.) (सं. बंधू=बांधना)
बंधुवा } कैदी.
बंदी (हि. पु.) (सं. बन्दी) बंधुवा, कैदी, भाट.
बंदी (हि. स्त्री.) स्त्रियोंके ल्लिाटपर पहननेका एक गहना, बन्दिया.
बंदीगृह (हि. पु.) कारागार, जेलखाना, कैदखाना.
बंदीजन (हि. पु.) भाट, चारण, यश बखाननेवाले.
बंदोड (हि. स्त्री.) दासी, लौंडी, बांदी.
बक (हि. पु.) बगुला.
बकध्यान लगाना (हि. मुहा.) कपट करना, पाषण्ड करना.
बक (हि. स्त्री.) बकवाद, बकवक, बड़बड़ाहट, वृथा बातें.
बकझक (हि. मुहा.) बकवाद, गपसप, वृथा बातें.
बकझक करना } (हि. मुहा.) टँटँ करना,
बकबक करना } चेंचें करना, बकवाद करना, वृथा बकना.
बक लगाना (हि. मुहा.) हुहा करना, गुल मचाना, हुल्लड़ करना.
बकना (हि. क्रि. अ.) बकझक करना, गुल मचाना, हुल्लड़ करना.
बकरा (हि. पु.) (सं. बर्कर) छागल, अज.
बकरी (हि. स्त्री.) छेरी, अजा.
बकला } (हि. स्त्री.) (सं. वल्कल) छाल,
बकल } छिलका, पोस्त.
बकवाद (हि. स्त्री.) बकबक, बकझक, वृथा बातें.
बकवादी (हि. पु.) बकवाद करनेवाला, झक्की.
बकासुर (हि. पु.) एक राक्षसका नाम जो बगुला बनकर श्रीकृष्णजीके मारनेको गया था परन्तु उन्हींके हाथसे मारा गया.
बाकिया (हि. स्त्री.) छूरी, चक्कू.
बक्की (हि. पु.) गप्पी, झक्की, बकवादी.
बक्रदन्त (हि. पु.) शिशुपालके भाईका नाम.
बखान (हि. पु.) (सं. व्याख्यान) वर्णन, व्याख्या, बयान, स्तुति, सराह.
बखानना } (हि. क्रि. स.) सराहना,
बखान करना } स्तुति करना, तारीफ करना, वर्णन करना.
बखार (हि. पु.) } अनाज रखनेका
बखारी (हि. स्त्री.) } भण्डार.
बखिया (फा. पु.) एक तरहका टाँका, मजबूत टाँका, दृढ़ सीवन.
बखेड़ा (हि. पु.) लड़ाई, झगड़ा, दंगा, रोला.
बखेड़ा चुकाना (हि. मुहा.) झगड़ा मिटाना.
बखेड़ा मचाना (हि. मुहा.) दंगा करना, बलवा करना.
बखेड़िया (हि. पु.) झगड़ालू, लड़ाका.
बखेरना (हि. क्रि. स.) फैलाना, अलग २ करना, छिटकना, छितराना, छींटना.
बग (हि. पु.) बगुला.
बगछुट (हि. स्त्री.) सरपट, धावा.
बगला } (हि. पु.) एक जलका जीव,
बगुला } बग.

बगलाभक्त (हि. मुहा.) कपटी, छली, पाषण्डी, फरेबी, कपटधर्मी.
बगार (हि. पु.) चरागाह, रमना, दरख्तोंकी कतार, बाग.
बगूला (हि. पु.) हवाका चक्कर जिसमें धूल ऊंची उठती है, ववण्डर, चक्रवात.
बघार (हि. पु.) छौंकना, घी और कुछ मशाला गर्म करके दाल आदिमें डालना.
बग्घी) (हि. स्त्री.) एक तरहकी अंगरे-
बग्गी) जी गाड़ी जिसमें घोड़ा जोता जाता है.
बघेला (हि. पु.) एक जातिके राजपूत, बाघका बच्चा.
बच (हि. पु.) वचन, वाक्य.
बचकाना (हि. गु.) छोटा. (पु.) कथकका लड़का, छोटा जूता, बच्चोंका जूता.
बचत (हि. स्त्री.) बाकी, बकाया, शेष, अवशेष.
बचन (हि. पु.) बात, वाक्य, कहना, कौल, करार, पण, शर्त, होड़.
बचनचूक (हि. मुहा.) अविश्वासी, बेएतबार.
बचन छोड़ना (हि. मुहा.) वचन तोड़ना, कौल छोड़ना.
बचन तोड़ना (हि. मुहा.) कही हुई बातसे फिर जाना, शर्तसे फिर जाना.
बचन देना (हि. मुहा.) पक्का कौल करना, प्रतिज्ञा करना.
बचन निभाना या पालना (हि. मुहा.) कहेको पूरा करना, अपनी बातपर पक्का रहना.
बचनबंध करना (हि. मुहा.) वचन लेना, इकरार करना.
बचनबंध होना (हि. मुहा.) वचन देना, इकरार करना.
बचन मानना (हि. मुहा.) बात मानना, आज्ञा पालन करना.
बचन लेना (हि. मुहा.) इकरार करना.
बचन हारना (हि. मुहा.) मान लेना, इकरार कर लेना.
बचना (हि. क्रि. अ.) रक्षा पाना, अलग रहना, बाकी रहना.
बचपन (हि. पु.) लड़कपन, लड़काई.
बचाना (हि. क्रि. स.) रक्षा करना, रख-वाली करना, जवाब देना.
बचाव (हि. पु.) रक्षा, रखवाली, उद्धार, हिमायत, आश्रय.
बच्चा (हि. पु.) (सं. वत्स) छोटा लड़का वा लड़की, छोटी उमरका जानवर.
बछड़ा) (हि. पु.) गायका बच्चा.
बछड़ू)
बछिया (हि. स्त्री.) गायकी बछड़ी.
बछेरा (हि. पु.) घोड़ेका बच्चा.
बच्छ (हि. गु.) लाल, प्यारा. (पु.) बच्चा, लड़का, बछड़ा.
बच्छल (हि. पु.) प्यारा, छोही, प्रेमी.
बच्छासुर (हि. पु.) एक राक्षसका नाम जो बछड़ा बनकर श्रीकृष्णजीको मारने आया था.
बजना (हि. क्रि. अ.) (सं. वाद्य) शब्द वा स्वर निकलना.
बजन्त्री (हि. पु.) बाजा बजानेवाला, समाजी.
बजरबट्टू (हि. पु.) एक जंगली फलका नाम जो बच्चोंके गलेमें पहराया जाता है.
बजरा (हि. पु.) बड़ी नाव जिसपर बैठकर बड़े आदमी लोग सैर करते हैं.

बजेट (Budget) (अं.) आय व्ययका लेखा, आमदनी और खर्चका हिसाब.
बज्र (हि. पु.) बिजली, इन्द्रका अस्त्र, गाज, हीरा. (गु.) कठिन, कड़ा.
बज्रङ्ग (हि. पु.) हनुमानका नाम, महावीर.
बजरंगी (हि. पु.) एक प्रकारका तिलक जो हनुमानके भक्त निकालते हैं.
बझाना (हि. क्रि. स.) फँसाना, उलझाना.
बटखरा (हि. पु.) बाँट, तौलनेका तोला.
बटन (हि. स्त्री.) बुताम, समेट, शिकन
बटना (हि. क्रि. स.) बल देना, ऐंठना, पाना. (क्रि. अ.) बाँटा जाना, हिस्सा होना.
बटपाड़ } (हि. पु.) लुटेरा, डाकू.
बटपार }
बटलोही (हि. स्त्री.) बटुआ, भरतिया, पतेली, एक तरहका बर्तन जिसमें भात दाल पकाते हैं.
बटवार (हि. पु.) कर उगाहनेवाला.
बटवारा (हि. पु.) बाँट, भाग, अंश.
बटाऊ (हि. पु.) बटोही, मुसाफिर, राही, पथिक, बटपार.
बटुवा } (हि. पु.) कपड़ेकी एक छोटी
बटवा } थैली, बटलोही.
बटेर (हि. स्त्री.) एक पखेरूका नाम.
बटोरना (हि. क्रि. स.) इकट्ठा करना. चुन लेना.
बटोही (हि. गु.) रास्ता चलनेवाला, पथिक.
बट्टा (हि. पु.) जो कुछ सिक्केके बदलनके समय दिया जावे, कलंक, दोष, दाग, गोला, डिब्बा
बट्टाढाल (हि. गु.) बराबर, सपाट.
बट्टा लगना (हि. मुहा.) दाग लगना, कलंक लगना.
बड़ } (हि. पु) (सं. वट) बरगद, एक
बर } वृक्षका नाम जिसकी छाया बड़ी चौड़ी होती है.
बड़ (हि. गु.) बड़ा.
बड़बोला (हि. मुहा.) शेखी बघारनेवाला.
बड़पेटा (हि. मुहा.) बहुत खानेवाला.
बढ़ना (हि क्रि. अ.) घुसना. पैठना.
बड़बड़ाना (हि. मुहा.) बकबक करना, कुड़कुड़ाना.
बड़वा (स. स्त्री.) ब्राह्मणी, सूर्यकी स्त्री जिससे अश्विनीकुमार हुए हैं, कुंभदासी, अश्विनी, घोड़ी.
बड़वाकृत } (सं. पु.) दासीपुत्र, भक्त,
बड़वाहृत } दास.
बड़वामुख (सं. पु.) समुद्रका कालानल, समुद्राग्नि.
बड़वाग्नि (सं. स्त्री.) समुद्रके भीतरकी आग जो घोड़ीके मुँहसे निकलती है.
बड़हल (हि. पु.) एक फलका नाम.
बड़ा } (हि. पु.) पीसी हुई दालकी
बरा } टिकिया जिसको घी अथवा तेलमें तलकर खाते हैं, चक्र.
बड़ा (हि. गु.) जेठा, प्रधान, मुखिया, बड़ी उमरका, महा.
बड़ा करना (हि. मुहा.) बढ़ाना, चिरागको बुझा देना.
बड़ा बोल (हि. मुहा.) घमंडकी बात.
बड़े बोलका सिर नीचा (हि. मुहा.) घमंडसे खराबी होती है.
बड़ाई (हि. स्त्री.) बड़ापन, महत्त्व, सराह, स्तुति, प्रशंसा घमंड, अभिमान,
बड़ाई करना } (हि. मुहा.) सराहना,
बड़ाई मारना } प्रशंसा करना, स्तुति करना डींग मारना.

बड़ाई देना (हि. मुहा.) आदर देना, इज्जत करना.
बड़ी (हि. स्त्री.) एक तरहकी खानेकी चीज जो दालकी बनती है और उसकी तरकारी की जाती है, बड़ी उमरकी स्त्री. (गु.) बड़ा शब्दका स्त्रीलिंग.
बड़ी बात नहीं (हि. मुहा.) कुछ कठिन नहीं.
बढ़ई (हि. पु.) खाती, सुतार, मिस्तरी.
बढ़ती } (हि. स्त्री.) (सं. वृद्धता) अधि-
बढंती } काई, वृद्धि, तरक्की, उन्नति.
बढना (हि. क्रि. अ.) अधिक होना, बहुत होना, ऊंचा होना, आगे चलना.
बढ़ चलना (हि. मुहा.) धीट होना, अभिमानी होना.
बढ़ जाना (हि. मुहा.) अंदाजसे बाहर होना.
बढ़नी (हि. स्त्री.) झाडू, बुहारी.
बढ़ाना (हि. क्रि. स.) अधिक करना, बहुत करना, बडा करना, ऊंचा करना, आगे करना, लंबा करना, उडा ले जाना, बन्द करना.
बढ़ाव (हि. पु.) बढ़ती, अधिकाई, चढाव, उभाड.
बढ़ावा (हि. पु.) खुशामद, तारीफ, बड़ाई, उभाड.
बाढ़िया (हि. गु.) बहुत मोलका, महँगा, बहुमूल्य.
बाणिक (सं. पु.) बनियाँ, महाजन, व्योपारी, सौदागर.
वणिक्पथ (सं. पु.) हट्ट, हाट, बाजार.
वणिज (हि. पु.) व्योपार, लेनदेन सौदागरी.
वाणया } (हि. पु.) महाजन, व्योपारी,
वनिया } वैश्य, सौदागर, दुकानदार.
बत (हि. पु.) बात, कौल.
बतबढ़ाव (हि. मुहा.) बात बढ़ाना.
बतबना (हि. मुहा.) बातूनी, बात बनानेवाला.
बतक (हि. स्त्री.) एक जलका जीव.
बतकहाव (हि. पु.) } बातचीत, दलील.
बतकही (हि. स्त्री.) }
बतकड़ (हि. गु.) बातूनी, वाचाल गपोड़िया.
बतराना (हि. क्रि. अ.) बातचीत करना.
बतलाना } (हि. क्रि. स.) जताना, चिता-
बताना } ना, बुझाना, सिखलाना, इशारा करना, अर्थ करना.
बतास (हि. स्त्री.) हवा, पवन, बाव, बयार, वायु.
बतासा } (हि. पु.) एक तरहकी मिठाई,
बताशा } बुलबुला.
बत्ती (हि. स्त्री.) बाती, पलीता, बाँस आदिकी छड, लाखकी डंडी, पगड़ी, जिसको सिपाही लपेटकर गोल कर लेते हैं.
बत्ती जलाना (हि. मुहा.) चिराग जलाना, दीया जलाना.
बत्ती चढ़ाना (हि. मुहा.) घावमें बत्ती डालना.
बत्तीस (हि. गु.) तीस और दो, ३२.
बत्तीसी (हि. स्त्री.) दाँतोंकी लडी, सब दाँत. बत्तीसी दिखाना=दाँत दिखाना, हँसना.
बत्तीसी (हि. स्त्री.) बत्तीस सुपारी, बत्तीस छुहारा और रुपया जो दुल्हा दुल्हनके ननिहालको जाता है उसे बत्तीसी कहते हैं.
बथुवा (हि. पु.) एक तरहका साग.
बदना (हि. क्रि. स.) दाँव लगाना, मानना, रखना, भागमें लिखा जाना.

बदर (सं. पु.) बेरका वृक्ष, बिनौला, कपासबीज.
बदरि (सं. पु.) बेर, एक फलका नाम.
बदरिकाश्रम (सं. पु.) बदरिनाथ, बदरिनाथका पहाड़.
बदलना (हि. क्रि. स.) पलटना, बदला करना, उलटना, और तरहसे बना देना.
बदली (हि. स्त्री.) बादल, मेघ.
बदली (हि. स्त्री.) तबदीली, एक जगहसे दूसरी जगह जाना.
बदा (हि. पु.) होनहार, भवितव्य.
बदि } (सं. स्त्री.) अँधेरा पाख, कृष्णपक्ष,
बदी } महीनेका पहिला पख,
बदल (हि. पु.) (सं. वारिद) बादल, मेघ.
बद्ध (सं. पु.) बाँधा हुआ, रुका हुआ, दृढ, रचित, वृत्तभेद.
बध (सं. पु.) हनना, मारना, हिंसा, हत्या.
बधना (हि. क्रि. स.) मार डालना.
बदना } (हि. पु.) लोटे ऐसा मिट्टीका
बधना } एक छोटा बरतन.
बधाई (हि. स्त्री.) } मंगलाचार, आनन्द-
बधावा (हि. पु.) } मंगल, आनन्दके गीत, जयजयकार, मुबारकबादी.
बधक } (सं. पु.) बहेलिया, शिकारी,
बधिक } आखेटका मारनेवाला.
बधी }
बधनीय (सं. पु.) मारने योग्य.
बधिया (हि. पु.) नपुंसक बैल, मारता.
बधिर (सं. पु.) बहरा, कनफूटा.
बधू (सं. स्त्री.) बहू, लड़केकी स्त्री, भार्या, पत्नी, जोरू, स्त्री, कुलवधू=उत्तम घरानेकी स्त्री, देववधू=देवी, देवताकी स्त्री.
बधूटी (सं. स्त्री.) बहू, स्त्री, पत्नी, भार्या, जोरू, लड़केकी स्त्री.
बध्य (सं. पु.) मारने योग्य.
बध्यस्थान (सं. पु.) फाँसी देनेकी जगह, बधभूमि.
बन (हि. पु.) जंगल, आपसे उगे वृक्ष.
बनयात्रा (सं. स्त्री.) ब्रजके ८४ बनकी यात्रा.
बनज } (हि. पु.) (सं. वाणिज्य)
बनिज } व्योपार, लेनदेन, सौदागरी.
बनजर (हि. स्त्री.) (सं. वन्ध्या) पड़ती धरती, ऊसर, वह धरती जिसमें कुछ नहीं उपज सक्ता.
बनजारा (हि. पु.) (सं. वणिज) जो नाज आदि बनिजकी चीजोंको बैलोंपर लादके ले जाते हैं.
बनठनके (हि. क्रि. वि.) सजधजके, शृंगार करके.
बनत (हि. स्त्री.) गोटाकिनारीका काम.
बनमानुष (हि. पु.) एक जानवर जिसका डीलडौल आदमीकासा होता है, जंगली, बनवासी.
बनमाल (हि. स्त्री.) फूलोंकी माला जो पैरोंतक लंबी बनाई जाती है और बहुत बार तुलसी कुन्द पारिजात और कमलके फूलोंसे बनती है.
बनरा } (हि. पु.) दुलहना, बर.
बना }
बनरी } (हि. स्त्री.) दुलहन.
बनी }
बनसी (हि. स्त्री.) मछली पकड़नेका काँटा, बंशी, मुरली, बाँसुरी.
बनात (हि. स्त्री.) ऊनी कपड़ा, जो दलदार मोटा होता है.
बनाना (हि. क्रि. स.) रचना, करना, तैयार करना, निर्माण करना, ठीक करना, उठाना, इकट्ठा करना, मिलाना,

ग्रन्थ रचना, सँवारना, सिंगारना, मेल कराना, मिलाना, मनाना, पकाना, सुधारना, मरम्मत करना, निकालना, शुद्ध करना, खिजलाना, चिढाना, ठट्ठा करना, सिरजना, पैदा करना, पूरा करना, शरमाना, फबती कहना.

बनाव (हि. पु.) सिंगार, सँवार, मेल, मिलाप.

बनाव करना (हि. मुहा.) सँवारना, सिंगार करना.

बनावट (हि. स्त्री.) रचना, डौल, कल्पना, झूठी दिखावट.

बनिक (हि. पु.) (सं. वणिक) बनिया, महाजन, व्योपारी, सौदागर.

बनेला } बनैला } (हि. गु.) (सं. वन्य) जंगली.

बनेटी } बनैटी } (हि. स्त्री.) एक लकड़ी जिसके दोनों ओर मशाल बांधकर गोल गोल फिराते हैं जिससे आगका दोहरा चक्कर बन जाता है.

बन्ध (सं. पु.) बांधना, गाँठ, पट्टी, कैद.

बन्धमें पड़ना या आना (हि. मुहा.) कैदी होना, कैदमें आना.

बन्धक (सं. पु.) धरोहर, थाथी, गिरौं, बाँधना, कैद.

बन्धकदाता (सं. पु.) राहिन.

बन्धकधारी (सं. पु.) मुरतहिन.

बन्धनपत्र (सं. पु.) रेहननामा.

बन्धनालय (सं. पु.) कैदखाना.

बन्धन (सं. पु.) बाँधना, गाँठ, कैद, रोक, रुकाव, लगाव, जुड़ाव.

बन्धना (हि. क्रि. अ.) बंध होना, रुकना, अटकना, गिरह लगना, जोड़ा जाना.

बन्धान (सं. पु.) रोजाना, वजीफा.

बन्धित (सं. पु.) बाँधा गया, मुकैय्यद.

बन्धु (सं. पु.) भाई, सगोत्र, नातेदार, नतैत, मित्र, सखा.

बन्धुआ (हि. पु.) कैदी.

बन्धूक (सं. पु.) एक तरहका लाल फूल, गुल दुपहरिया, लालबूटी, लाल छींट.

बन्धुर (सं. पु.) मुकुर, हंस, बिरंड, विहंग. (गु.) रम्य, नम्र, ऊँचनीच, स्त्री, वेश्या.

बन्धुल (सं. पु.) असतीपुत्र. (गु.) रम्य, सुन्दर, नम्र.

बन्धेज (हि. पु.) किफायत, कमखर्ची, दृढ़ता, रोजीना, वजीफा.

बन्ध्या (सं. स्त्री.) बाँझस्त्री, अपुत्रवती.

बना } बनना } (हि. क्रि. अ.) होना, तैआर होना, सुधारना, मरम्मत होना, ठीक होना, सफल होना, बन पड़ना.

बन आना (हि. मुहा.) हो सकना, भाग जागना, किस्मत खुलना.

बन जाना (हि. मुहा.) हो जाना, सम्हल जाना.

बन पड़ना (हि. मुहा.) सुधारना, भला होना, हो सकना, सफल होना, सिद्ध होना.

बनबनकर बिगड़ना (हि. मुहा.) तैआर होकर खराब हो जाना.

बनाचुना (हि. मुहा.) सँवारा हुआ, सजा हुआ.

बनाबनाया (हि. मुहा.) तैयार, पूरा, कामिल.

बना रहना (हि. मुहा.) कायम रहना, ठहरा रहना.

बपुरा (हि. गु.) अनाथ, दीन, बेबस.

बपौती (हि. स्त्री. [illegible]), विरासत, बापकी द्रव्य.

बफारा (हि. पु.) भाफ.
बफारा लेना (हि. मुहा.) भाफको बन्द करके शरीरमें जाने देना.
बबूर } (हि. पु.) (सं. बर्बुर) एक बबूल } वृक्षका नाम.
बभ्र (सं. पु.) गमन, चाल, मर्यादा. (गु.) चलनेवाला.
बभ्रिक (सं. पु.) पालक, रक्षक, सुखदाई.
बभ्रु (सं. पु.) शिव, विष्णु, नकुल, मुनिभेद, दशभेद. (गु.) धूसरवर्ण, पीतवर्ण, सुन्दर.
बभ्रुधातु (सं. पु.) सोना, धतूरा, गेरू.
बया (हि. पु.) एक पखेरूका नाम.
बयार (हि. स्त्री.) हवा, पवन, बतास.
बयालीस (हि. गु.) चालीस और दो, ४२.
बयासी (हि. गु.) अस्सी और दो, ८२.
बर (हि. पु.) (सं. वर. वृ=पसंद करना) बरदान, आशिष, चाही हुई चीज, पति, स्वामी, दुल्हा, जँवाई. (गु.) सबसे अच्छा, श्रेष्ठ.
बरखना } (हि. क्रि. अ.) पानी पड़ना, बरसना } मेह गिरना, वर्षा होना.
बरजना (हि. क्रि. स.) (सं. वर्जन) रोकना, मना करना, निषेध करना.
बरट (सं. पु.) हंस, बर्र, भड़.
बरत (हि. पु.) (सं. व्रत) उपास, उपवास, रोजा.
बरतन } (हि. पु.) बासन, पात्र, भाँडा. बर्तन }
बरतना } (हि. क्रि. स.) काममें लाना, बर्तना } इस्तेमाल करना.
बरदान (सं. पु.) आशिष, दुआ.
बरध (हि. पु.) बैल.
बरन (हि.) (वर्ण शब्दको देखो)
बरनन (हि. पु.) (सं. वर्णन) बखान, ब्यान, सराह, स्तुति.
बरनन करना } (हि. क्रि. स.) बखान बरनना } करना, बयान करना, सराहना.
बरना (हि. क्रि. स.) (सं. वृ=पसन्द करना) व्याह करना, शादी करना.
बरबरी (हि. स्त्री.) एक तरहकी बकरी.
बरबस (हि. पु.) } (हि.) बरजोरी, बरियाई (हि. स्त्री.) } जोरावरी, बलजोर, बड़ाई. (क्रि. वि.) जोरावरीसे, हठसे.
बरमा } (हि. पु.) बढ़इयोंका एक बर्मा } औजार जिससे लकड़ी छेदते हैं.
बरराना (हि. क्रि. स.) नींदमें कुछ कहना.
बरवा (हि. पु.) एक छन्दका नाम, एक रागिणीका नाम.
बरस (हि. पु.) साल, सम्वत.
बरसगाँठ (हि. स्त्री.) सालगिरह, जन्मदिन
बरसौंढ़ी (हि. स्त्री.) सालियाना महसूल, बरसका कर.
बरहा (हि. पु.) गायोंके चरनेका खेत, चरागाह.
बरही (हि. पु.) मोर, मयूर.
बरात (हि. स्त्री.) दूल्हेकी सवारीकी धूमधाम.
बराना (हि. क्रि. स.) बचाना, दूर करना, हटा देना, हटा देना.
बराह (हि. पु.) (सं. वराह. वरहित, अर्थात् अपने हितके लिये और आ+हन=मारना, या खोदना, अर्थात् अपने खानेकी चीज ढूंढनेमें जो जमीनको खोदता है). सूअर, शूकर, विष्णुका तीसरा अवतार.

ग्रन्थ रचना, सँवारना, सिंगारना, मेल करना, मिलाना, मनाना, पकाना, सुधारना, मरम्मत करना, निकालना, शुद्ध करना, खिजलाना, चिढ़ाना, ठट्ठा करना, सिरजना, पैदा करना, पूरा करना, शरमाना, फबती कहना.
बनाव (हि. पु.) सिंगार, सँवार, मेल, मिलाप.
बनाव करना (हि. मुहा.) सँवारना, सिंगार करना.
बनावट (हि. स्त्री.) रचना, डौल, कल्पना, झूठी दिखावट.
बनिक (हि. पु.) (सं. वणिक) बनिया, महाजन, व्योपारी, सौदागर.
बनैला } बनेला } (हि. पु.) (सं. वन्य) जंगली.
बनेटी } बनैटी } (हि. स्त्री.) एक लकड़ी जिसके दोनों ओर मशाल बांधकर गोल गोल फिराते हैं जिससे आगका दोहरा चक्कर बन जाता है.
बन्ध (सं. पु.) बांधना, गाँठ, पट्टी, कैद.
बन्धमें पड़ना या आना (हि. मुहा.) कैदी होना, कैदमें आना.
बन्धक (सं. पु.) धरोहर, थाथी, गिरौं, बाँधना, कैद.
बन्धकदाता (सं. पु.) राहिन.
बन्धकधारी (सं. पु.) मुरतहिन.
बन्धनपत्र (सं. पु.) रेहननामा.
बन्धनालय (सं. पु.) कैदखाना.
बन्धन (सं. पु.) बाँधना, गाँठ, कैद, रोक, रुकाव, लगाव, जुड़ाव.
बन्धना (हि. क्रि. अ.) बंध होना, रुकना, अटकना, गिरह लगना, जोड़ा जाना.
बन्धान (सं. पु.) रोजाना, वजीफा.
बन्धित (सं. पु.) बाँधा गया, मुकैय्यद.
बन्धु (सं. पु.) भाई, सगोत्र, नातेदार, नतैत, मित्र, सखा.
बन्धुआ (हि. पु.) कैदी.
बन्धूक (सं. पु.) एक तरहका लाल फूल, गुल दुपहरिया, लालबूटी, लाल छींट.
बन्धुर (सं. पु.) मुकुर, हंस, बिरंड, विहंग. (गु.) रम्य, नम्र, ऊँचनीच, स्त्री, वेश्या.
बन्धुल (सं. पु.) असतीपुत्र. (गु.) रम्य, सुन्दर, नम्र.
बन्धेज (हि. पु.) किफायत, कमखर्ची, दृढ़ता, रोजीना, वजीफा.
बन्ध्या (सं. स्त्री.) बाँझस्त्री, अपुत्रवती.
बना } बनना } (हि. क्रि. अ.) होना, तैयार होना, सुधारना, मरम्मत होना, ठीक होना, सफल होना, बन पड़ना.
बन आना (हि. मुहा.) हो सकना, भाग जागना, किस्मत खुलना.
बन जाना (हि. मुहा.) हो जाना, सम्हल जाना.
बन पड़ना (हि. मुहा.) सुधारना, भला होना, हो सकना, सफल होना, सिद्ध होना.
बनबनकर बिगड़ना (हि. मुहा.) तैयार होकर खराब हो जाना.
बनाचुना (हि. मुहा.) सँवारा हुआ, सजा हुआ.
बनावनाया (हि. मुहा.) तैयार, पूरा, कामिल.
बना रहना (हि. मुहा.) कायम रहना, ठहरा रहना.
बपुरा (हि. गु.) अनाथ, दीन, बेबस.
बपौती (हि. स्त्री.) पैतृकधन, विरासत, बापकी द्रव्य.

बफारा (हि. पु.) भाफ.
बफारा लेना (हि. मुहा.) भाफको बन्द करके शरीरमें जाने देना.
बबूर } (हि. पु.) (सं. बर्बुर) एक
बबूल } वृक्षका नाम.
बभ्र (सं. पु.) गमन, चाल, मर्यादा. (गु.) चलनेवाला.
बभ्रिक (सं. पु.) पालक, रक्षक, सुखदाई.
बभ्रु (सं. पु.) शिव, विष्णु, नकुल, मुनिभेद, देशभेद. (गु.) धूसरवर्ण, पीतवर्ण, सुन्दर.
बभ्रुधातु (सं. पु.) सोना, धतूरा, गेरू.
बया (हि. पु.) एक पखेरूका नाम.
बयार (हि. स्त्री.) हवा, पवन, बतास.
बयालीस (हि. गु.) चालीस और दो, ४२.
बयासी (हि. गु.) अस्सी और दो, ८२.
बर (हि. पु.) (सं. वर. वृ=पसंद करना) बरदान, आशिष, चाही हुई चीज, पति, स्वामी, दुल्हा, जँवाई. (गु.) सबसे अच्छा, श्रेष्ठ.
बरखना } (हि. क्रि. अ.) पानी पड़ना,
बरसना } मेह गिरना, वर्षा होना.
बरजना (हि. क्रि. स.) (सं. वर्ज्जन) रोकना, मना करना, निषेध करना.
बरट (सं. पु.) हंस, बर्र, भड़.
बरत (हि. पु.) (सं. व्रत) उपास, उपवास, रोजा.
बरतन } (हि. पु.) बासन, पात्र, भाँड़ा.
बर्तन }
बरतना } (हि. क्रि. स.) काममें लाना,
बर्तना } इस्तेमाल करना.
बरदान (सं. पु.) आशिष, दुआ.
बरध (हि. पु.) बैल.
बरन (हि.) (वर्ण शब्दको देखो.)
बरनन (हि. पु.) (सं. वर्णन) बखान, ब्यान, सराह, स्तुति.
बरनन करना } (हि. क्रि. स.) बखान
बरनना } करना, बयान करना, सराहना.
बरना (हि. क्रि. स.) (सं. वृ=पसन्द करना) व्याह करना, शादी करना.
बरबरी (हि. स्त्री.) एक तरहकी बकरी.
बरबस (हि. पु.) } (हि.) बरजोरी,
बरियाई (हि. स्त्री.) } जोरावरी, बलजोर, बड़ाई. (क्रि. वि.) जोरावरीसे, हठसे.
बरमा } (हि. पु.) बढ़इयोंका एक
बर्मा } औजार जिससे लकड़ी छेदते हैं.
बरराना (हि. क्रि. स.) नींदमें कुछ कहना.
बरवा (हि. पु.) एक छन्दका नाम, एक रागिणीका नाम.
बरस (हि. पु.) साल, सम्बत.
बरसगाँठ (हि. स्त्री.) सालगिरह, जन्मदिन
बरसौढ़ी (हि. स्त्री.) सालियाना महसूल, बरसका कर.
बरहा (हि. पु.) गायोंके चरनेका खेत, चरागाह.
बरही (हि. पु.) मोर, मयूर.
बरात (हि. स्त्री.) दूल्हेकी सवारीकी धूमधाम.
बराना (हि. क्रि. स.) बचाना, दूर करना, हटा देना, हटा देना.
बराह (हि. पु.) (सं. वराह, वरहित, अर्थात् अपने हितके लिये और आ+हन=मारना, या खोदना, अर्थात अपने खानेकी चीज ढूंढनेमें जो जमीनको खोदता है) सूअर, शूकर, विष्णुका तीसरा अवतार.

बरिवण्ड (हि. गु.) बलवान्, तेजस्वी, दुष्ट, बद.
बरी (हि. स्त्री.) वह कपड़ोंका जोड़ा जो दुलहाके घरसे दुलहिनको भेजा जाता है, चढ़ी.
बरु (हि. क्रि. वि.) चाहे, परन्तु, लेकिन, भला, अच्छा.
बरुण (हि. पु.) पानीकी देवता और पश्चिम दिशाका दिग्पाल.
बरुणालय (सं. पु.) समुद्र, सागर.
बरुणी (हि. स्त्री.) पपनी, आँखपरके बाल, बिन्नै, मिजगाँ.
बर्छी (हि. स्त्री.) सांग, सेल.
बर्बर (हि. गु.) मूर्ख, जंगली, हबशी.
बर्ष (हि. पु.) साल, बरस, सम्वत.
बर्षा } (हि. स्त्री.) बरसात, मेह, बरसाऋतु.
बर्खा
बर्सात (हि. स्त्री.) वर्षाऋतु, पावसऋतु, वर्षाकाल, ऐयाम, बारिश.
बर्सी } (हि. स्त्री.) बरसवें दिनका श्राद्ध.
बर्षी
बर्हं (सं. पु.) मोरपंख, पल्लव, पत्ता.
बल (सं. पु.) जोर, सामर्थ्य, बलदेवजीका नाम, सेना, स्थूलता, मुटाई, गन्धरस, रूप, शुक्र, बीज, बरुणवृक्ष, दैत्यभेद, काकपक्षी.
बल (हि. स्त्री.) (सं. बलि) बलि, बलिदान, चढ़ावा.
बल (हि. स्त्री.) ऐंठ, मरोड़, बट.
बल देना (हि. मुहा.) मरोड़ना, ऐंठना.
बलबे (हि. मुहा.) शाबाश, वाहवाह.
बलजाना } (हि. मुहा.) बलिहारी जाना, निछावरि होना.
बलबल जाना
बल देना } (हि. मुहा.) बलिदान करना, कर्बानी करना.
बल करना
बलदाऊ (हि. पु.) श्रीकृष्णका बड़ा भाई.
बलदेव (सं. पु.) श्रीकृष्णका बड़ा भाई.
बलना } (हि. क्रि. अ.) जलना.
बरना
बलनिधि (सं. गु.) बलवान्, बहुत बली, जोरावर.
बलभद्र (सं. पु.) श्रीकृष्णका बड़ा भाई, बलराम.
बलराम (सं. पु.) बलदेव, शेषजीका अवतार और श्रीकृष्णका बड़ा भाई.
बलवत (सं. पु.) बली, पुष्ट, बलवान्.
बलवन्त } (सं. गु.) जोरावर, बली सामर्थी.
बलवान्
बलवीर (सं. पु.) श्रीकृष्णका नाम.
बलवा (हि. पु.) दंगा, झगडा, फसाद.
बलानुज (सं. पु.) श्रीकृष्ण.
बलाराति (सं. पु.) इन्द्र, देवराज.
बलाका (सं. स्त्री.) बगुलाओंकी कतार.
बलात् (सं. अव्य.) हठात्
बलात्कार (सं. पु.) हठ, बरजोरी, जबरदस्ती.
बलाहक (सं. पु.) बादल, मेघ, घटा.
बलि (सं. पु.) एक राजाका नाम जिसको विष्णु भगवान्ने वामनावतार लेके पातालमें भेज दिया, नैवेद्य, देवताका भोग, भेंट.
बलिदान (सं. पु.) देवताके सामने बकरा आदि पशुको मारके चढ़ाना.
बलिसद्म (सं. पु.) अंकुश, चाबुक, कोड़ा, बन्दरोंका समूह.
बलिष्ठ (सं. गु.) बडा बलवाला.
बलिहारी (हि. स्त्री.) निछावर, तसद्दुक.
बलिहारी जाना (हि. मुहा.) निछावर होना बलबल जाना.
बली (सं. गु.) जोरावर, पराक्रमी.

बलीवर्द (सं. पु.) साण्ड, सौंढ.
बलीमुख } (सं. पु.) वानर, बन्दर,
बलिमुख } कपि, मर्कट.
बलीयस् } (सं. गु.) अत्यंत बली,
बलीयान् } बड़ा जोरावर.
बलुआ (हि. गु.) वालूका, रेतला, करकरा.
बल्लम (हि. पु.) भाला, बर्छा.
बल्ली (हि. स्त्री.) नावका डंडा, लग्गी.
बवासीर (हि. पु.) अर्शरोग, गुदामें मस्सोंका रोग.
बस (हि. पु.) काबू, बल, जोर, अधिकार. (गु.) आधीन.
बस करना (हि. मुहा.) आधीन करना, दबाना.
बस (फा. गु.) बहुत, पूरा, बहुतेरा.
बसन (हि. पु.) कपडा, जोडा, वस्त्र.
बसना (हि. क्रि. अ.) रहना, टिकना, बासा करना, आबाद होना.
बसन्त (हि. स्त्री.) एक ऋतुका नाम जो चैत और कुछ बैशाखके महीनेतक रहती है, एक रागका नाम.
बसन्ती (हि. पु.) एक प्रकारका पीला रंग. (गु.) पीला.
बसाना (हि. क्रि. स.) आबाद करना, आदमियोंसे भरना, सुगंधित करना.
बसूला (हि. पु.) वह औजार जिससे बढ़ई लकड़ी छीलते हैं.
बसेरा (हि. पु.) बासा, रहनेकी जगह, पखेरूका घोसला.
बसुदेव (हि. पु.) श्रीकृष्णका बाप और शूरसेनका बेटा.
बस्ती (हि. स्त्री.) छोटा गांव, आबादी.
बस्त }
बस्तु } (हि. स्त्री.) चीज, पदार्थ.
बस्त्र (हि. पु.) कपडा, लूगा, बसन.

बहकना (हि. क्रि. स.) धोखा खाना, नशेमें कुछ कहना, नींदमें कुछ बोलना.
बहकाना (हि. क्रि. स.) धोखा देना, भुलाना.
बहँगी (हि. स्त्री.) काँवरि.
बहत्तर (हि. गु.) सत्तर और दो, ७२.
बहुधा (हि. पु.) (सं. बाधा) दुःख, आपदा, रुकाव.
बहन } (हि. स्त्री.) (सं. भगिनी)
बहिन } माकी बेटी, सहोदरा, सखि, बहना.
बहना (हि. क्रि. अ.) चलना, पानीका जारी होना, हवाका चलना.
बहते पानीमें हाथ धोना (हि. कहावत) जबतक अपना काम बना रहे तबतक अच्छा काम कर लेना.
बहनेऊ }
बहनोई } (हि. पु.) बहिनका पति.
बहरा } (हि. गु.) (सं. बधिर) वह
बहिरा } आदमी जिसके सुननेकी इन्द्री खराब हो गई हो, कनफूटा.
बहल }
बहली } (हि. स्त्री.) एक तरहकी गाडी.
बहलाना (हि. क्रि. स.) प्रसन्न करना, भुलाना, बहकाना, किसी बातमें लगा रहना.
बहालिया }
बहेलिया } (हि. पु.) शिकारी, धनुर्धारी.
बहाना (हि. क्रि. स.) चलाना, पानी जारी करना. (पु.) छल, कपट, हीला.
बहादेना (हि. मुहा.) उजाड़ना, नाश करना.
बहा फिरना (हि. मुहा.) भटकता फिरना, इधर उधर फिरना.
बहाव (हि. पु.) पानीका जारी होना, बाढ, चढाव.

बहिर्मुख (हि. गु.) धर्मविमुख, बागी.
बही (हि. स्त्री.) महाजनोंके हिसाब रखनेकी किताब जो एक किनारेकी ओर सी जाती है.
बहीर } (हि. स्त्री.) सेनाकी सामग्री,
बहीड } डेरा डंडा आदि.
बहु (सं. गु.) बहुत, ढेर, बडा, अधिक.
बहुत (हि. गु.) अधिक.
बहुत गई थोडी रही (हि. मुहा.) उमर पूरी हो चुकी है.
बहुताव } (हि. स्त्री.) (सं. बहुता)
बहुतायत } अधिकाई.
बहुतिथ (सं. गु.) बहुत दिन, बहुत बेर, अनेक वार, बहुत.
बहुतेरा(हि. गु.) बहुतसा, बहुतही, बहुत.
बहुधा (सं. क्रि. वि.) बहुत प्रकारसे, अनेक भाँतसे, बहुत बार, अकसर.
बहुबाहु (सं. पु.) रावण.
बहुमूल्य (सं. गु.) बहुत मोलका, बढिया, महँगा.
बहुरि } (हि. समुच्चा.) फिर, पुनि,
बहोरि } और.
बहुरूपिया (हि. पु.) भाँड, स्वाँगी.
बहुवचन (सं. पु.) बहुतको जतलानेवाला, बहुत बातें.
बहुल (सं. गु.) प्रचुर, बहुत. (पु.) कृष्णवर्ण, अग्नि, आकाश.
बहुलगंधा (सं. स्त्री.) एला, इलायची.
बहुविधि (सं. क्रि. वि.) बहुत प्रकारसे, अनेक भाँतिसे.
बहुश्रुत (सं. गु.) पण्डित, विद्वान्.
बहु (हि. स्त्री.) दुलहन, भार्या, जोरू, पतोहू, बेटेकी दुलहन.
बाँक (हि. स्त्री.) टेढापन, तिर्छापन, झुकाव, नदीका घुमाव, दोष, अपराध, दुष्टता, एक गहनेका नाम जो बाजूपर पहनते हैं, एक शस्त्रका नाम जो कटारके ऐसा होता है.
बाँका } (हि. गु.) (सं. वङ्क) टेढा,
बाँकुरा } तिर्छा, बहादुर, वीर, छैल, अकडैत.
बाँचना (हि. क्रि. स.) पढना, पाठ करना, बंचना.
बाँचना (हि. क्रि. अ.) बचना, जीता रहना.
बाँछा (हि. स्त्री.) (सं. वाञ्छा) इच्छा, चाह, अभिलाषा.
वाञ्छित (हि. गु.) चाहा हुआ, इच्छित.
बाँझ (हि. स्त्री.) (सं. वन्ध्या) वह स्त्री जिसको लडका बाला न होता हो.
बाँट (हि. पु.) (सं. वण्टक) भाग, हिस्सा, अंश, बटखरा, गाय भैंसका दूह ते समयका खाना.
बाँटना (हि. क्रि. स.) हिस्सा करना, भाग देना.
बाँडा (हि. गु.) पूँछकटा, बेपूँछ, बेशरम.
बाँदी (हि. स्त्री.) लौंडी, दासी, चेरी.
बाँध (हि. पु.) (सं. बन्ध) पानीकी रोक, मेंड, बन्ध, आड.
बाँधना (हि. क्रि. स.) जकडना, कसना, बंध करना, पानी रोकना, ठहराना, थामना, लपेटना, गाँठ देना, गिरह देना.
बाँधनू (हि. पु.) एक तरहका रंगना, जिसमें कपडेको बहुतसी जगह बाँधकर रंग चढाते हैं कि हर एक रंग जुदा २ दिखलाई दे.
बाँस (हि. पु.) (सं. वंश) एक पेड जिसकी लकडी पोली होती है.
बाँसपर चढना (हि. मुहा.) कलङ्की होना, बदनाम होना.

बाँसफोड (हि. पु.) बाँस चीरकर टोकरी आदि बनानेवाला.

बाँसरी, बाँसली, बाँसुरी } (हि. स्त्री.) (सं. वंशी) मुरली, वंशी, वेणु.

बाँह (हि. स्त्री.) (सं. बाहु) भुजा, बाजू, आस्तीन.

बाँह टूटना (हि. मुहा.) कोई सहायक न रहना.

बाँह चढाना (हि. मुहा.) लडाईको तैआर होना.

बाँह देना (हि. मुहा.) सहायता देना, मदद करना.

बाँह पकडना (हि. मुहा.) सहायता करना, आश्रय देना, पक्ष करना.

बाँहबल (हि. मुहा.) सहायक, साथी.

बाँह गहना (हि. मुहा.) सहायता करना.

बाँह गहेकी लाज (हि. मु.) जिसको सहायता करे उसको छोडना लाजकी बात है.

बाई (हि. स्त्री.) महारानी. (मरहठोंमें) कंचनी.

बाई (हि. स्त्री.) (सं. वायु) हवा, वादी, वातरोग.

बाई पचना (हि. कहावत) शेखी उतारना, दब जाना, उदास होना.

बाईस (हि. पु.) बीस और दो, २२.

बाखर, बाखल } (हि. पु.) आँगन, चौक, अंगनाई, कई एक घर जो एक हातेमें होते हैं.

बाग, बागुरू } (हि. स्त्री.) बागडोर, लगाम, फंदा, जाल.

बाग मोडना (हि. मुहा.) सीतलाका ढल जाना.

बाग छूटना (हि. मुहा.) बेवस होना, वशमें न रहना.

बागडोर (हि. स्त्री.) वह रस्सी जिसको लगाममें लगाकर साईस घोडेको ले चलता है.

बागा (हि. पु.) (सं. वस्त्र) जोडा, पहननेके बहुत अच्छे कपडे.

बाघ, बाघा } (हि. पु.) (सं. व्याघ्र) नाहर, शेर.

बाघम्बर (हि. पु.) बाघकी खाल, शेरकी पोश्त.

बाछना (हि. क्रि. स.) छाँटना, चुनना.

बाजन, बाजा } (हि. पु.) (सं. वाद्य) बजानेका यन्त्र, जो चीज बजानेके लिये बनाई जाय.

बाजा गाजा (हि. मुहा.) बहुतसे बाजाओंकी आवाज.

बाजना (हि. क्रि. अ.) आवाज निकलना, प्रसिद्ध होना.

बाजरा (हि. पु.) एक प्रकारका नाज जो मारवाडमें बहुत पैदा होता है.

बाजू, बाजूबन्द } (फा. पु.) एक गहना जिसको बाजूपर बाँधते हैं, भुजबन्ध.

बाट (हि. पु.) मार्ग, रास्ता, राह, पंथ.

बाट काटना (हि. मुहा.) रास्ता, चलना, किसी काममें छेडछाड करना.

बाटिका (हि. स्त्री.) बाडी, फुलवाडी, बगीचा, उपवन.

बाढ (हि. स्त्री.) छुरी या तलवारकी धार, अहाता या घेरा जो कांटोंसे बनवाते हैं, सिपाहियोंकी कतार.

बाढ उडाना (हि. मुहा.) एक साथ बंदूक चलाना, बंदूकोंको फेर करना.

बाढ झाडना (हि. मुहा.) बहुत आदमियोंका एक साथ बंदूक दागना.

बाड दिलवाना (हि. मुहा.) सानपर चढाना, तीखा करना, तीक्ष्ण करना.
बाडव (सं पु.) नर्क, समुद्रकी अग्नि, स्त्रियोंका कान, घोडोंका समूह, ब्राह्मण.
बाड बाँधना (हि. मुहा.) काँटोंसे खेतको या किसी जगहको घेरना.
बाड रखना (हि. मुहा.) तीखा करना, सानपर चढाना.
बाडा (हि. पु.) अहाता, घेरा.
बाडी (हि. स्त्री.) छोटा बाग, बगीचा. उपवन, बगीचेमें घर, बंगाली लोग घरको बाडी कहते हैं.
बाढ (हि. स्त्री.) बढनी, अधिकाई, नदीके पानीका उमडना.
बाढना (हि. क्रि. अ.) बढना, उमडना.
बाण } (हि. पु.) तीर, मूँजकी बनी हुई
बान } रस्सी, विरोचनका पुत्र, बाणासुर.
बाणलिङ्ग (सं. पु.) बाणासुरने नर्मदा-नदीके तटपर शिवमूर्ति स्थापन की उसको कहते हैं.
बाणि } (हि. स्त्री.) बोली, सरस्वती,
बाणी } शक्ति, वचन.
बाणिज्य (सं. पु.) ब्योपार, बनिज, सौदागरी, लेनदेन.
बात (हि. स्त्री.) (सं. वार्ता) बोलचाल, कथा, समाचार, बोली, कहना, विषय, प्रश्न, सवाल, कारण, सबब, मामला, वृत्तान्त, दशा, अवस्था, हठ.
बात उठाना (हि. मुहा.) बात सहना, बात चलाना.
बात करना (हि. मुहा.) बोलना, बातचीत करना, कहना.
बात काटना (हि. मुहा.) दूसरेकी बातको रद्द करना.
बातका बतक्कड करना (हि. मुहा.) छोटीसी बातपर बहुतसा बोलना.
बातकी बात } (हि. मुहा.) दमभरमें,
बातकी बातमें } पलभरमें, थोडीसी देरमें, झटपट.
बात गढना (हि. मुहा.) मतलबकी बात करना, झूठी बात बनाना, किसी बातको इस तरहसे बनाकर कहना कि दूसरेके मनमें जम जाय.
बात चबाना (हि. मुहा.) बोलते २ चुप रहना, ठहर ठहरकर बोलना.
बात चलाना (हि. मुहा.) कुछ कहना, शुरू करना.
बातचीत (हि. मुहा.) बोलचाल.
बात टालना (हि. मुहा.) असल बातका उत्तर न देना, और और बातें करना.
बात पी जाना (हि. मुहा.) कडवे वचन सहना, बातको बर्दाश्त करना.
बात फेंकना (हि. मुहा.) ठट्ठा करना, बेसोचे विचारे कोई बात बोलना.
बात फेरना (हि. मुहा.) कहते २ बातका मतलब बदल देना.
बात बढाना (हि. मुहा.) वाद करना, तकरार करना, किसी बातको खूब फैलाकर कहना या लिखना.
बात बनाना (हि. मुहा.) मतलब गाँठना, झूठ कहना.
बात बाँधना (हि. मुहा.) झूठी तर्क करना.
बात बिगाडना (हि. मुहा.) मतलब खोना, बिगाड करना.
बात मानना (हि. मुहा.) कहना मानना.
बात रखना (हि. मुहा.) कहना मान लेना.
बात रहना (हि. मुहा.) इज्जत और आबरू रहना, प्रतिष्ठा रहना.

बात लगाना (हि. मुहा.) चुगली खाना, निन्दा करना.
बातें करनी (हि. मुहा.) इधर उधरकी चर्चा करना.
बातें बनाना (हि. मुहा.) छल करना, खुशामद करना.
बातें मारना (हि. मुहा.) शेखी करना, डींग मारना.
बातें सुनना (हि. मुहा.) कडुवी बात सहना.
बातें सुनाना (हि. मुहा.) कडवी बात कहना.
बातोंमें उडाना (हि. मुहा.) हँसी चुहलमें टालना.
बातोंमें घर लेना (हि. मुहा.) कायल करना, चुप कर देना.
बातोंमें लपेटना (हि. मुहा.) बातोंमें धोखा देना.
बात (हि. स्त्री.) (सं. वात) हवा, पवन, वायु, वायुरोग.
बाती (हि. स्त्री.) (सं. वर्त्ति) बत्ती.
बातूनियां } बातूनी } (हि. गु.) बहुत बात बनानेवाला, गप्पी, वाचाल.
बादर } बादल } (हि. पु.) (सं. वारिद) मेघ, घटा, बद्दल.
बादरायण (सं. पु.) वेदव्यास, व्यास महाराज पराशरके पुत्र.
बादला (हि. पु.) सोने रूपेका तार, लप्पा.
बादि (हि. क्रि. वि.) वृथा.
बाधक (सं. पु.) रोकनेवाला, प्रतिबंधक हारिज, हर्ज करनेवाला.
बाधा (सं. स्त्री.) रोक, रुकाव, पीडा.
बाधित } बाध्य } (सं. पु.) रोका हुआ, दुःखित, पीडित.
बान (हि. स्त्री.) स्वभाव, चाल, आदत.
बानगी (हि. स्त्री.) नमूना, अटकल.
बानवे (हि. गु.) नव्वे और दो, ९२.
बाना (हि. पु.) (सं. वर्ण) भेष, लिबास, ढंग, चाल, एक तरहका हथियार, वह सूत जिससे कपडेकी चौडाई बुनी जाती है, भर्ती.
बाना (हि. क्रि. स.) खोलना, पसरना.
बानी (हि. स्त्री.) राख, वह सूत जिससे कपडा बुना जाता है.
बानी (फा. पु.) जड डालनेवाला, बुनियाद डालनेवाला.
बान्धव (सं. पु.) भाई, रिश्तेदार, संबंधी
बाप (हि. पु.) पिता, जनक, तात, बाबा.
बाप करना (हि. मुहा.) बापके बराबर मानना.
बाप मेरा } बाप रे बाप } (हि. मुहा.) अचंभा, सोच और डर आदिके जतलानेवाले शब्द.
बापडा } बापुरा } (हि. गु.) बेबस, बेचारा, अनाथ, दीन, कंगाल.
बाफ (हि. स्त्री.) धुवाँ, भाफ.
बाबा (हि. पु.) बाप, बडा, आदमी, बेटा, लडका, प्यारा.
बाबाजी (हि. पु.) योगी संन्यासियोंकी पदवी.
बाबू (हि. पु.) लडका, छोटा राजा या राजकुमार, बडा आदमी, रईस, हिन्दुओंमें और विशेषकर बंगालियोंमें बडे आदमीको बाबू कहते हैं. अंगरेज लोग अंगरेजी लिखनेवाले किरानियोंको बाबू कहते हैं.
बाम (हि. स्त्री.) एक मछलीका नाम. (गु.) बायाँ, उल्टा. (पु.) महादेव, कामदेव. (सं. वामा) स्त्री.

बावरा } (हि. गु.) (सं. वातुल) पागल,
बावला } सिडी, दिवाना.
बावसूल (हि. गु.) पेटकी पीडा, बावगोला.
बाष्प (सं. पु.) नेत्रजल, आँसू, भाफ, लोहा.
बास (हि. स्त्री.) महक, सुगंध, गन्ध.
बास } (हि. पु.) (सं. वास) रहनेकी
बासा } जगह, डेरा, बसेरा.
बासन (हि. पु.) बरतन, भांडा, पात्र.
बासना (हि. स्त्री.) (सं. वासना) चाह, इच्छा, सुगन्धि. (क्रि. स.) सुगन्धित करना, महकाना.
बासी (हि. पु.) बसनेवाला, रहनेवाला, निवासी.
बासी (हि. गु.) रातका बचा हुआ खाना, औसा, बदबूदार, जिसमें बुरी बास आवे.
बासी बचे न कुत्ता खाय (हि. कहावत) कुछ बाकी नहीं रहता.
बासुदेव (हि. पु.) बसुदेवका बेटा, श्रीकृष्णजी.
बाहन (हि. पु.) सवारी, असवारी, घोडा गाडी आदि जिसपर आदमी चढते हैं.
बाहर } (हि. क्रि. वि.) बाहिरकी ओर.
बाहिर }
बाहु (सं. पु.) बाँह, भुजा, भुजदंड.
बाहुज (सं. पु.) क्षत्रिय, बाहुसे पैदा हुए.
बाहुयुद्ध (सं. पु.) मल्लयुद्ध, कुश्ती.
बाहुल्यता (सं. स्त्री.) अधिकाई, आधिक्यता, कसरत.
बिंजन (हि. पु.) (सं. व्यंजन) तरकारी, भाजी.
बिंब } (हि. पु.) (सं. बिम्ब) एक
बिंबा } तरहका लाल फल, कुन्दरू.
बिकट (हि. गु.) डरावना, भयानक, भयंकर, कठिन.
बिकना (हि. क्रि. अ.) खपना, उठना, बिक्री होना, बेची जाना.
बिकरार } (हि. गु.) डरावना, भयानक,
बिकराल } भोंडा, कुरूप.
बिकल (हि. गु.) बेचैन, व्याकुल, दुखी, घबराया हुआ.
बिकसना (हि. क्रि. अ.) खिलना, फूलना, प्रसन्न होना, मुसकुराना.
बिकसित (हि. गु.) खिला हुआ, फूला हुआ, प्रफुल्ल, हर्षित, खुश.
बिकाऊ (हि. गु.) बेचने योग्य, जो चीज बेचनेको हो.
बिकाना (हि. क्रि. स.) उठाना, खपाना, बेचना.
बिकाश (हि. पु.) प्रकाश, चमक. (गु.) चमकता हुआ, आनन्दित, प्रसन्न.
बिक्री (हि. स्त्री.) बिकाव, खपाव, उठाव, बिकना.
बिखरना (हि. क्रि. अ.) फैलना, छीटना, तितर बितर होना, तीन तेरह होना, कोपना, क्रोध करना, गुस्सा करना.
बिगडना (हि. क्रि. अ.) (सं. विग्रह) खराब होना, नुकसान होना, नहीं बनना, फूट रहना, अनबन.
बिगाड (हि. पु.) नुकसान, उपाध, बैर अनबन, बिघन, तोडफोड.
बिगाडना (हि. क्रि. स.) खराब करना, नुकसान करना, मित्रोंमें वैर करवा देना.
बिघन (हि. पु.) (सं. विघ्न) रोक, रुकाव, बाधा, बिगाड.
बिचार (हि. पु.) सोच, ध्यान, खयाल, सम्मति, राय, न्याय.
बिचारना (हि. क्रि. स.) सोचना, ध्यान करना, खयाल करना, समझना, बूझना, निर्णय करना.

विचाली (हि. स्त्री.) पुआल.
विचित्र (सं. गु.) भाँत भाँतका, नाना प्रकारका, अनोखा, अजीब.
विच्छू (हि. पु.) (सं. वृश्चिक) एक जहरीले जानवरका नाम जिसके डंकमें जहर भरा रहता है.
विछडना. विछरना. विछुडना. विछुरना. (हि. क्रि. अ.) अलग होना, जुदा होना, आलाहदा होना.
विछना (हि. क्रि. अ.) फैलना, पसरना.
विछाना (हि. क्रि. स.) फैलाना, पसारना. (पु.) विछौना, विस्तरा.
विछुवा (हि. पु.) एक तरहका हथियार जो टेढा होता है, एक गहना जो पाँवमें पहनते हैं.
विछोह, विछोहा (हि. पु.) विरह, वियोग, जुदाई.
विछौना (हि. पु.) बिस्तरा, सेज.
विजना (हि. पु.) (सं. व्यजन) पंखा.
विजली (हि. स्त्री.) (सं. विद्युत्) चपला, दामिनी, वह आग जो बादलोंमें चमकती है.
विज्जु (हि. स्त्री.) विजली, दामिनी.
विजोग (हि. पु.) (सं. वियोग) जुदाई, विछडना.
विडारना (हि. क्रि. स.) भगाना, विचलाना.
विताना (हि. क्रि. स.) गँवाना, काटना.
वितीत (हि. गु.) (सं. व्यतीत) बीता हुआ, गुजरा हुआ, जो पूरा हो चुका.
वित्त (हि. पु.) धन, दौलत, द्रव्य, गात, बूता.
वियकना (हि. क्रि. स.) चकित हो. अचंभेमें होना, हैरतमें आना.

वियरना, विथुरना (हि. क्रि. अ.) (सं. विस्तरण) बिखरना, छिटकना, फैलना.
विया (हि. स्त्री.) (सं. व्यथा) पीडा, दुःख, दर्द.
विदा, विदाई (हि. स्त्री.) (सं. विद्=जुदा होना) छुट्टी, जानेकी आज्ञा, रुखसत.
विदा करना (हि. मुहा.) रुखसत करना.
विदारना (हि. क्रि. स.) (सं. विदारण) फाडना.
विदेश (हि. पु.) दूसरा देश, दूसरा मुल्क, परदेश.
विदेशी (हि. गु.) परदेशी, गैर मुल्कका.
विधना (हि. पु.) (सं. विधि) विधाता, ब्रह्मा, दैव.
विधवा (हि. स्त्री.) राँड, बेवा, जिसका पति मर गया हो.
विन, विना (हि. क्रि. वि.) छोडके, छुट, रहित, विदून, सिवाय.
विन आये तरना (हि. मुहा.) बेमौत मरना.
विन रोये लडका दूध नहीं पाता (हि. कहावत) विन माँगे कुछ नहीं मिल सकता.
विन भय प्रीत नहीं (हि. कहावत) विना डराये कोई नहीं मानता.
विनवना, विनौना (हि. क्रि. स.) नमस्कार करना, पूजना.
विनसना (हि. क्रि. अ.) नाश होना, बिगडना.
विनास (हि. पु.) (सं. विनाश) नाश, संहार, विध्वंस.
विनौला (हि.
(

बिन्द } (हि. स्त्री.) (सं. बिन्दु) शून्य,
बिन्दी } सिफर, बिन्दु.
बिपत } (हि. स्त्री.) (सं. विपत्ति)
बिपता } आपदा, दुःख, तकलीफ.
बिया (हि. पु.) (सं. बीज) बीज.
बियालू (हि. पु.) रातका खाना.
बिरद (हि. पु.) नाम, यश, ख्याति, हथियार.
बिरदावलि (सं. स्त्री.) बहुत यश, बडी नामवरी, बहुत ख्याति.
बिरमना (हि. क्रि. अ.) ठहरना, रहना, बिलमना.
बिरला (हि. गु.) (सं. विरल) कोई कोई, अनूठा, अपूर्व, अनूप.
बिरवा (हि. पु.) पौधा, रूख, वृक्ष.
बिरह (हि. पु.) बिछोह, जुदाई, बिछुडना, फुरकत.
बिरहनी (हि. गु. स्त्री.) वह स्त्री जो अपने पतिसे जुदी रहे.
बिराजना (हि. क्रि. अ.) शोभना, सुख-भोग करना, चैनसे रहना.
बिराना (हि. गु.) पराया, दूसरेका.
बिरियाँ (हि. स्त्री) (सं. वेळा) समय, काल, वक्त, बेळा.
बिरोग (हि. पु.) (सं वियोग) बिरह, वियोग, जुदाई.
बिरोगन (हि. गु. स्त्री.) (सं. वियोगिनी) वह स्त्री जो बिरहसे व्याकुल हो.
बिल } (हि. पु.) चूहे आदि जानवरोंके
बिला } रहनेका छेद, छिद्र.
बिलकना (हि. क्रि. अ.) सिसकना, लडकेका रोना.
बिलखना (हि. क्रि. अ.) उदास होना, (क्रि. स.) देखना, उदास होकर देखना.
बिलग (हि. गु) अलग, जुदा, न्यारा.
बिलग मनना (हि. मुहा.) बुरा मनना.
बिलगना (हि. क्रि. अ.) जुदा जुदा होना. अलग अलग होना, फटना.
बिलगाना (हि. क्रि. स.) जुदा जुदा करना, अलगाना. (क्रि. अ.) फटना.
बिलबिलाना (हि. क्रि. अ.) व्याकुल होना, कूकना, तडफना.
बिलम (हि. स्त्री.) (सं. विलम्ब) देरी, देर.
बिलमना } (हि क्रि. अ.) देरी करना,
बिलंबना } ठहर जाना, रुक जाना.
बिलल्ला (हि. पु) भोंदू, मूर्ख, बेशऊर, बेढंगा.
बिलसना (हि. क्रि. अ.) प्रसन्न होना, सुख भोगना, आनन्दित होना.
बिलस्त (हि. पु.) (सं. वितस्ति) बित्ता, बिलांद, बालिश्त, अँगूठेसे कनअँगुली-तकका नाप.
बिलाइ (हि. स्त्री.) (सं. बिडाली) बिल्ली एक लोहेकी चीज, जिसपर कद्दू छीलते हैं, किवाड बन्द करनेकी लकडी.
बिलाना (हि. क्रि. अ.) (सं. विलय) मिट जाना, नाश होना.
बिलपना } (हि. क्रि. अ.) (सं. विलाप)
बिलपना } बिलकना, रोना, विलाप करना दुःख करना.
बिलार } (हि. पु.) (सं. बिडाल)
बिलाव } बिल्ला, मार्जार, गुर्बह.
बिलावल (हि. स्त्री.) एक रागिणीका नाम.
बिलोना } (हि. क्रि. स.) मथना,
बिलोवना } महना.
बिल्ली (हि. स्त्री.) (सं. बिडाली) एक जानवरका नाम.

बिल्लीके भागों छींका टूटा (हि. कहावत) अयोग्य मनुष्यको सयोगसे बडा काम मिला.
बिसन (हि. पु.) (सं. व्यसन) दोष, औगुन, बुराई, बुरा काम, प्रेम, शौक, रगबत
बिसरना (हि. क्रि. अ.) भूल जाना.
बिसात (हि. स्त्री.) पूंजी.
बिसाती (हि. पु.) छोटी छोटी चीजें बेचनेवाला.
बिसाना } (हि. क्रि स.) मोल लेना,
बिसाहना } खरीदना, लेना.
बिसारना (हि. क्रि. स.) भुलाना, विसारना.
बिसूरना (हि. क्रि. अ.) धीरे धीरे रोना, सिसकना.
बिसेला (हि. गु.) (सं. विष) जहरीला.
बिस्तारना (हि. क्रि. स.) फैलाना, वसीअ करना.
बिस्वा (हि. पु.) बीघेका बीसवाँ हिस्सा, कट्ठा.
बिहरना (हि. क्रि. अ.) (सं. विहरण) विहार करना, खुशी करना, हुलसना, सैर करना.
बिहरी (हि. स्त्री.) चन्दा, उगाहनी, पातडी.
बिहरना (हि. क्रि. अ) (सं. विदारण) फटना, छाती फटना, दरकना.
बिहँसना (हि. क्रि. अ.) हँसना, मुसकुराना.
बिहान (हि. पु.) भोर, तडका, प्रातःकाल, प्रभात, भिनसार.
बिहाना (हि. क्रि. स.) छोडना, त्यागना.
बींधना (हि. क्रि स.) छेदना, वेधन.
बीघा (हि. पु.) बीस बिस्वेकी नाप.
बीच (हि.) भीतर, अन्दर, में, माँझ, मध्य (पु.) अन्तर, फूट, विरोध.
बीच पडना (हि. मुहा.) फूट पडना, अन्तर पडना.
बीचबिचाव करना (हि. मुहा.) दो आदमियोंमें मेल कराना.
बीचमें पडना (हि. मुहा.) दो आदमियोंमें मेल करानेके लिये मध्यस्थ होना.
बीचोबीच (हि. मुहा.) ठीक बीचमें, मध्यमें.
बिछुआ (हि. पु.) } (सं. वृश्चिक)
बीछी (हि. स्त्री.) } बिच्छू, बीछ.
बिच्छी (हि. स्त्री.) }
बीजक (हि. पु.) मालकी फिहरिस्त, चलानचिट्ठी, टिकट जो मालकी गठरीपर लगाया जाता है.
बीजना (हि. पु.) तालवृन्तक, पंखा.
बीट (हि. स्त्री.) (सं. विष्ठा) जानवरोंका गू.
बीडा } (हि. पु.) (सं. वीटिका) पान-
बीरा } की खीली, चूना, कत्था, सुपारी आदि लगाया हुआ पान, वह डोरा जिससे तलवारका मियान उसके कब्जेमें बाँधा जाता है.
बीडा उठाना (हि. मुहा.) किसी बडे कामको करनेका जिम्मा करना.
बीडा डालना (हि. मुहा.) किसी कठिन कामके लिये सवाल करना, हिन्दुस्थानमें रीति है कि जब किसी सर्दारको कठिन काम आ पडता है तो वह अपने नौकर चाकरोंको इकट्ठा कर उस कामको कहता है, फिर एक पानका बीडा रकाबीमें रखकर सबके सामने फेरा जाता है जो उसको उठाके चबाले वह काम उसके जिम्मे हो जाता है.

बीण } (हि. स्त्री.) (सं. वीणा) वीणा,
बीन } तन्त्री. एक बाजेका नाम जिसके दोनों ओर तूँबा और डंडीपर बहुतसी खूंटियाँ होती हैं जिनपर तार चढे रहते हैं.

बीतना (हि. क्रि. अ.) (सं. व्यतीत) व्यतीत होना, हो चुकना, चल जाना, गुजरना, पूरा होना, कटना.

बीबी (हि. स्त्री.) बहू, स्त्री, मेम.

बीभत्स (सं. पु.) निन्दित, घृणित. (पु.) नवरसमें एक रस.

बीमा (हि. स्त्री.) जोखिम, हुंडा, भाडा.

बीर (हि. पु.) भाई, भैया कानमें पहननेका एक गहना. (सं. वीर) बहादुर, शूर, सिपाही. (स्त्री.) बहन.

बीरबहूटी (हि. स्त्री.) एक प्रकारका लालकीडा जो वर्सातमें होता है, इन्द्रवधु.

बीरा (हि. पु.) भाई, भैया.

बीरी (हि. स्त्री.) (सं. वीटिका) पानकी खीली.

बीस (हि. गु.) दो दहाई, २०.

बीसी (हि. स्त्री.) अनाज नापनेका परिमाण, बीस, कोडी.

बुंदा (हि. पु.) (सं. बिन्दु) बिन्दी, शून्य सिफर, बिन्दु.

बुंदेला (हि. पु.) बुन्देलखंडके राजपूत.

बुकनी (हि. स्त्री.) चूर्ण, बूरा, चूर.

बुक्क (सं. पु.) हृदयका मांस, कलेजा, क्लेस, छिलका, वर्णन, देना. (गु.) दाता, वक्ता.

बुक्कन (सं. पु.) कुक्कुरशब्द, कुत्तेका भौंकना.

बुक्का (हि. पु.) मुट्ठीभर चुटकी.

बुक्कार (सं. पु.) पृष्ठमांस, पीठका मांस, हृदय, कलेजा, सिंहनाद.

बुझना (हि क्रि अ.) ठढा होना, बुतना, चिराग गुल होना, आग ठंढी होना.

बुझाना (हि. क्रि. स.) ठंढ करना, बुताना, चिराग गुल करना, आग ठंढी करना.

बुड (सं. पु) सम्वरण, आवरण, आच्छादन, ढापना. (गु.) ढापनेवाला.

बुडाना (हि. क्रि. स.) डुबाना, बोरना.

बुड्ढा (हि. गु.) (सं. वृद्ध) बूढा.

बुढभस (हि. गु.) वह बूढा जो जवानोंकी चाल चले.

बुढभस लगना (हि. मुहा.) बुढापेमें जवानीकी बातें करना.

बुढवा (हि. गु.) बूढा.

बुढापा (हि. पु.) बूढापन, वृद्धावस्था.

बुढापा बिगडना (हि. मुहा.) बुढापेमें दुःख होना.

बुढिया (हि. स्त्री.) बूढी स्त्री.

बुत्ता (हि. पु.) ठगाई, छल, कपट, धोखा.

बुत्ता देना (हि. मुहा.) छलना, धोखा देना

बुद्ध (सं. पु.) (बुध्=जानना) विष्णुका नौवां अवतार, बौधमतका स्थापन करनेवाला, पंडित, बुद्धिमान्, पल्लवित वृक्ष, विदित, जाना हुआ.

बुद्धि (सं. स्त्री.) मति, मनीषा, धी, धिषणा, समझ, सोच, विचार, विवेक, ज्ञान, पहचान, अक्ल.

बुद्धिबल (सं. पु) अक्लकी ताकत.

बुद्धिमान् (सं. गु.) समझदार, ज्ञानवान्, विवेकी, अक्लमन्द.

बुद्धिहीन (स. गु.) मूर्ख, बेसमझ, बेअक्ल.

बुद्धीन्द्रिय (सं. पु. स्त्री.) आँख नाक कान जीभ त्वचा अर्थात् शरीरपरका चमडा

बुध (सं. पु.) बृहस्पतिकी स्त्रीके चाँदसे उत्पन्न हुआ बेटा, चौथा ग्रह, बुधवार, पंडित, बुद्धिमान्.
बुधजन (सं. पु.) पण्डितलोग, बुद्धिमान्.
बुधवार (सं. पु.) बुधका दिन, चौथा वार.
बुधान (सं. पु.) गुरु, पण्डित, अध्यापक, ब्रह्मका पार्षद.
बुधित (सं. पु.) ज्ञात, जाना हुआ.
बुनना (हि. क्रि. स.) विन्ना, बिनना.
बुभुक्षा (सं. स्त्री.) क्षुधा, भूख, खानेकी चाह.
बुभुक्षित (सं. पु.) भूखा.
बुरा (हि. गु.) दुष्ट, खराब, नीच, निकम्मा.
बुरा कहना (हि. मुहा.) निन्दा करना, बदनाम करना.
बुरा चीतना (हि. मुहा.) किसीका बिगाड चाहना, किसीकी बुराई चाहना.
बुरा मानना (हि. मुहा.) नाराज होना, अप्रसन्न होना, नाखुश होना.
बुरा लगना (हि. मुहा.) भला न मालूम होना.
बुराई (हि. स्त्री.) खराबी, दुष्टता.
बुराईपर कमर बाँधना (हि. मुहा.) बुराई करनेपर तैयार होना.
बुलबुला (हि. पु.) बुद्बुदा.
बुलाक (हि. स्त्री.) नाकमें पहननेका गहना.
बुहारना (हि. क्रि. स.) झाडना.
बुहारी (हि. स्त्री.) झाडू.
बूआ (हि. स्त्री.) बहिन, फूफू.
बूँद (हि. स्त्री.) (सं. बिन्दु) छींटा, टपका, टपकन, कतरा.
बूँदा (हि. पु.) बडी बूँद, टपका.
बूँदाबाँदी (हि. मुहा.) मेहकी थोडी २ बूँदें गिरना.
बूकना (हि. क्रि. स.) चूर चूर करना, बुकनी करना.
बूचा (हि. गु.) कनकटा.
बूझ (हि. स्त्री.) समझ, बुद्धि, ज्ञान.
बूझना (हि. क्रि. स.) समझना, जानना.
बूटा (हि. पु.) छोटा पेड, झाड, कपडेपर काढा हुआ फूल आदि.
बूढा (हि. गु.) (सं. वृद्ध) बुड्ढा, पुराना, बहुत उमरका, प्राचीन.
बूढाधाग / बूढाखरॉट (हि. मुहा.) बहुत बूढा.
बूता (हि. पु.) बल, जोर, शक्ति, सामर्थ्य.
बूर (हि. स्त्री.) भूसी, छिलका, चोकड.
बूरा (हि. पु.) साफ की हुई चीनी, लकडी और हाथीदाँतका चूरा.
बे (हि.) अबे, अरे.
बेंग (हि. पु.) मेंडक.
बेंट (हि. पु.) दस्ता, वह लकडी जो कुल्हाडी आदिमें लगाते हैं.
बेंडा (हि. गु.) तीर्छा, टेढा, बाँका.
बेग (हि. पु.) उतावली, शीघ्रता, फुर्ती, प्रवाह. (क्रि. वि.) जल्दीसे, जोरसे.
बेगार (हि. पु.) सेंत, मुफ्त, किसी मजदूरको जबरदस्ती पकडना और उसको मजदूरी नहीं देना या कम देना.
बेगार पकडना (हि. मुहा.) जबरदस्तीसे किसी मजदूरको अथवा गाडीको बिन मजदूरी दिये या थोडी मजदूरी दिये पकडना.
बेटा (हि. पु.) पुत्र, लडका.
बेडा (हि. पु.) घरनई, चौघडा.
बेडा पार करना या लगाना (हि. मुहा.) दुःखसे छुडाना, दुःख दूर करना, उतारना, पार करना.

बेडा पार होना (हि. मुहा.) दुःखसे छूटना, सब चाह पूरी होना.

बेण } (हि. स्त्री.) बाँसुरी, मुरली, बाँस.
बेणु }

बेत (हि. स्त्री.) (सं. वेत्र) एक तरहकी लचकदार लकडी.

बेधना (हि. क्रि. स.) बींधना, छेदना.

बेमात (हि. स्त्री.) (सं. विमाता) सौतेली मा.

बेर (हि. पु.) (सं. बदरि) एक प्रकारका फल.

बेल (हि. पु.) (सं. बिल्व) एक फलका नाम. (सं. वल्लि) (स्त्री.) बेली, लता, वंश, औलाद, सन्तान.

बेला (हि. पु.) एक पेडका नाम जिसका पुष्प और फल सुगन्धित होता है.

बेलि } (हि. स्त्री.) (सं. वल्लि) बेल,
बेली } लता.

बेवहरा } (हि. पु.) (सं. व्यवहारिक)
बेवहरिया } लेनदेन करनेवाला, रुपये उधार देनेवाला, महाजन.

बेवहार (हि. पु.) (सं. व्यवहार) लेनदेन लेवादेई, रीत, रस्म, चालचलन.

बेसन (हि. पु.) चनेका आटा.

बेसर (हि. स्त्री.) एक गहना जो नाकमें पहना जाता है.

बेस्वा (हि. स्त्री.) (सं. वेश्या) पतुरिया, कंचनी, गणिका, कसबी, रंडी.

बेहड (हि. पु.) ऊँचानीचा, नाबराबर.

बैंगन (हि. पु.) भाँटा, वृन्ताक.

बैंगनी } (हि. पु.) कुछ स्याही लिये
बैंजनी } हुए लाल रंग.

बैंदी (हि. स्त्री.) (सं. बिन्दु) टिकली, बिंदी, टीकी, एक गहना जिसको स्त्रियाँ लिलाटपर पहनती हैं.

बैजंतीमाल (हि. स्त्री.) (सं. वैजयन्ती माला) पंचमणि माला, विष्णुभगवान्की पहननेकी माला जो नीलम, मोती, माणिक, पुखराज और हीरा इन पाँचों रत्नोंसे बनती है.

बैठक } (हि. स्त्री.) बैठनेकी जगह.
बैठका }

बैठना (हि. क्रि. अ.) (सं. उपविष्ट) आसन मारना, बैठ जाना, जमना, दीवार आदिका गिर पडना, मातम पुरसीको जाना, बेकाम होना.

बैठ जाना (हि. मुहा.) गिर पडना.

बैठ रहना (हि. मुहा.) छोड देना, सुस्त होना, आस तोडना.

बैठाना } (हि. क्रि. स.) बैठनेकी
बैठारना } आज्ञा देना, बिठलाना,
बैठालना } जमाना.

बैद (हि. पु.) (सं. वैद्य) रोगियोंका इलाज करनेवाला, हकीम, मिश्र, चिकित्सक, दवादारू करनेवाला.

बैदक (हि. पु.) (सं. वैद्यक) इलाज करनेकी विद्या, चिकित्सा करनेकी विद्या, इल्मे हिकमत, डाक्टरी.

बैन (हि. पु.) (सं. वाणी वा वचन) बोल, वचन, कलाम.

बैना (हि. पु.) एक गहना जो लिलाटपर पहना जाता है, बखरा, भाजी.

बैपार (हि. पु.) (सं. व्यापार) लेनदेन, बाणिज, सौदागरी.

बैपारी (हि. पु.) सौदागर, महाजन.

बैर (हि. पु.) दुश्मनी, शत्रुता, विरोध.

बैर पडना (हि. मुहा.) दुश्मनी होना, विरोध पडना.

बैर लेना (हि. मुहा.) बदला लेना.

बैरख (हि. पु.) (फा. बैरक) झंडा, ध्वजा, पताका.
बैरण (हि. स्त्री.) (सं. वैरिणी) दुश्मन (स्त्री.) विरोधिनी.
बैरागण (हि. स्त्री.) (सं. वैरागिणी) योगन, बैरागी स्त्री.
बैल (हि. पु.) (सं. बलीवर्द) एक चौपायेका नाम, बर्द, मूर्ख, मौंडू, अज्ञान.
बैस (हि. स्त्री.) (सं. वयस्) उमर, अवस्था. किशोर बैस=जवानीकी अवस्था.
बैस (हि. पु.) (सं. वैश्य) तीसरा वर्ण, बनियाँ, महाजन, राजपूतोंकी एक जाति जिसके नामसे अवधके पासका बहुतसा देश बैसवाडा कहलाता है.
बैसंदर (हि. पु.) (सं. वैश्वानर) आग, आगि, अग्निदेवता.
बैसाख (हि. पु.) (सं. वैशाख) एक महीनेका नाम, दूसरा महीना.
बोझ (हि. पु.) भार, बोझा.
बोझ शिरपर होना (हि. मुहा.) कोई कठिन काम आ जाना.
बोझल (हि. पु.) भारी, वजनी.
बोटी (हि. स्त्री.) माँसका छोटा टुकडा.
बोटी बोटी फडकना (हि. मुहा.) बहुत चालाक होना, फरफंदी होना.
बोदा (हि. पु.) निर्बल, नामर्द.
बोध (सं. पु.) ज्ञान, समझ, बुद्धि.
बोधक (सं. पु.) शिक्षक, समझानेवाला, बतानेवाला, नासेह, नसीहत करनेवाला.
बोधन (सं. पु.) जतलाना, ज्ञान, बोध, विज्ञापन.
बोधनी, बोधिनी (सं. पु. स्त्री.) सिखानेवाली, बोध करनेवाली, नसीहत करनेवाली.
बोधनीय, बोधित, बोधितव्य, बोध्य (सं.) समझाया गया, समझाने योग्य, नसीहत किया गया.
बोना (हि. क्रि. स.) बीज डालना.
बोरना (हि. क्रि. स.) डुबाना, बुडाना.
बोरा (हि. पु.) एक तरहका बडा थैला, गोन.
बोल (हि. पु.) (सं. बोलना) वचन, बात, गीतका शब्द.
बोलचाल (हि. पु.) बातचीत, गुफ्तगू.
बोलना (हि. क्रि. स.) (सं. वद्) बात करना, कहना, बजना, आवाज निकलना.
बोलबाला (हि. पु.) आशीर्वाद.
बोलबाला होना (हि. मुहा.) भला होना, बढना, फलना.
बोली (हि. स्त्री.) वाणी, भाषा, बात.
बोली ठोली सुनाना (हि. मुहा.) ताना देना.
बोहित (हि. स्त्री.) नाव, जहाज.
बौछाड, बौछार (हि. स्त्री.) मेहकी बूँदें जो हवाके कारण तिरछी पडती हैं.
बौद्ध (सं. पु.) बौद्धमती, जैनी, विष्णुका अवतार, जगन्नाथजी.
बौरहा, बौराहा, बौरा (हि. पु.) (सं. वातुल) पागल, दीवाना, सिडी, बावला.
बौराना (हि. क्रि. अ.) पागल होना.
ब्याना (हि. क्रि. स.) (सं. वयन) बच्चा देना, जनना.
ब्यापना (हि. क्रि. अ.) (सं. व्यापन) सब जगह फैलना, फैल जाना.
ब्यालू (हि. पु.) रातका खाना.
ब्याह (हि. पु.) (सं. विवाह) शादी, विवाह, गँठबन्धन, पाणीग्रहण.

ब्याह रचाना (हि. मुहा.) शादीकी रीतें रसमें करना.
ब्याह लाना (हि. मुहा.) दुल्हनको घरमें लाना.
ब्याहता (हि. स्त्री. गु.) ब्याही हुई स्त्री.
ब्याहा (हि. गु.) ब्याहा हुआ.
ब्योंत (हि. पु.) कपडेका तराश, छाँट.
ब्योतना (हि. क्रि. स.) कपडेको तराशना या कतरना.
ब्योपार (हि. पु.) (सं. व्यापार) वणिज, लेनदेन, सौदागरी.
ब्योपारी (हि. पु.) महाजन, सौदागर.
ब्योमासुर (हि. पु.) एक राक्षसका नाम जो कंसका मन्त्री था.
ब्योरा } (हि. पु.) समाचार, वृत्तान्त,
ब्यौरा } बात, पता, निशान, भेद.
ब्योहार } (हि. पु.) (सं. व्यवहार)
ब्यौहार } काम, धंधा, लेनदेन, रीतभाँत, चलन, ब्योपार.
ब्रज (हि. पु.) (सं. व्रज, व्रज्=जाना) मथुराका जिला जिसमें गोकुल, वृन्दावन आदि हैं और १६९ मीलके घेरेमें हैं. ब्रजमंडल=ब्रजका जिला.
ब्रजबाला (हि. स्त्री.) व्रजकी स्त्री, गोपी.
ब्रजभाषा (हि. स्त्री.) व्रजकी बोली.
ब्रह्म } (हि. पु.) (बृह=बढना) परमे
व्रह्म } श्वर, सर्वशक्तिमान्, आदिपुरुप, वेद, तप, तत्व, ब्रह्म, ब्राह्मण.
ब्रह्मास्त्र (हि. पु.) ब्रह्माका दिया हुआ अस्त्र, ब्रह्मबाण.
ब्रह्मघातक } (सं. पु.) ब्राह्मणको
ब्रह्मघ्न } मारनेवाला, ब्रह्महत्यारा.
ब्रह्मचर्य (सं. पु.) (ब्रह्म=वेद, चर=चलना, अर्थात् वेद पढनेके लिये फिरना) ब्रह्मचारीका धर्म.
ब्रह्मचारी (सं. पु.) पहला आश्रमी, वेद पढनेवाला, विद्यार्थी, मनुष्यकी अवस्थाके चार भाग किये हैं, उनमेंसे पहली २५ वर्षतक अवस्थाको ब्रह्मचर्य कहते हैं और उस अवस्थामें वह केवल वेद शास्त्र पढता है और व्याह नहीं करता.
ब्रह्मज्ञ (सं. पु.) परमेश्वरको जाननेवाला, ऋषि, मुनि.
ब्रह्मज्ञान (सं. पु.) परमेश्वरका ज्ञान, सच्चा ज्ञान.
ब्रह्मण्य (सं. पु.) विष्णु (गु.) ब्राह्मण वा ब्राह्मणके योग्य, ब्रह्माका.
ब्रह्मभोज } (सं. पु.) ब्राह्मणोंको
ब्रह्मभोजन } खिलाना.
ब्रह्मन् (सं. पु.) वेद, तप, सत्य, तत्व, निर्गुणेश्वर, विशुद्ध, ब्राह्मण.
ब्रह्मपुरी (सं. स्त्री.) सुमेरुपर्वतपर ब्रह्माकी पुरी.
ब्रह्मभूति (सं. स्त्री.) ब्राह्मणता, वेदाधिकार, ब्रह्माका ऐश्वर्य.
ब्रह्मयोग (सं. पु.) परमेश्वरकी प्रार्थना, भक्ति, उपासना आदि.
ब्रह्मरात्रि (सं. स्त्री.) ब्रह्माकी रात जिसमें १००० युग अथवा मनुष्योंके २१६०००००० बरस बीत जाते हैं, छः महीनेकी रात जिसमें श्रीकृष्णने रास किया था.
ब्रह्मर्षि (सं. पु.) परमेश्वरका ध्यान करनेवाला और वेद जाननेवाला ऋषि जैसे वशिष्ठ आदि.
ब्रह्मर्षिदेश (सं. पु.) आर्यावर्त्त, कुरुक्षेत्र, मत्स्यदेश, पांचालदेश, मथुरादेश, सूरसेनदेश.

ब्रह्मलोक (सं. पु.) ब्रह्माका स्थान, सत्यलोक.
ब्रह्मवर्चस् (सं. पु.) ब्रह्मतेज.
ब्रह्मबाण (सं. पु.) ब्रह्माका बान.
ब्रह्मवादी (सं. पु.) वेदान्ती, ब्रह्मज्ञानी.
ब्रह्मशेष (सं. पु.) ब्राह्मणोंके खानेके पीछे जो खाना बच रहे.
ब्रह्मसूत्र (सं. पु.) वेदान्त, यज्ञोपवीत.
ब्रह्मस्वरूप (सं. पु.) परमेश्वरके बराबर, परमेश्वरका रूप.
ब्रह्महा (सं. पु.) ब्रह्मघाती, ब्राह्मणका मार डालनेवाला.
ब्रह्महत्या (सं. स्त्री.) ब्राह्मणको मारना.
ब्रह्मा (सं. पु.) सृष्टिका पैदा करनेवाला देवता, विधाता, विधना, ब्रह्माके चार मुंह हैं जिनसे चार वेद निकले हैं और ब्रह्माका वाहन हंस है.
ब्रह्माक्षर (सं. पु.) तीनों देवताओंका मन्त्र ओम्.
ब्रह्माणी (सं. स्त्री.) ब्रह्माकी स्त्री.
ब्रह्माण्ड (सं. पु.) जगत्, सृष्टि, भूमंडल, सब सृष्टि, चाँदि, शिरका बिचला भाग.
ब्रह्मादिक (सं. पु.) ब्रह्मा और सब देवता.
ब्रह्मावर्त्त (सं. पु.) स्थानका नाम जो बिठूरके नामसे प्रसिद्ध है.
ब्रह्मासन (सं. पु.) परमेश्वरका ध्यान करते समयका आसन, ऋषि मुनियोंका ध्यान करते समय बैठनेका ढंग.
ब्राह्मण (सं. पु.) (ब्रह्म अर्थात् जो ब्रह्मका अथवा वेदका जाननेवाला) पहले वर्णके मनुष्य- विप्र, द्विज.
ब्राह्मणी (सं. स्त्री.) ब्राह्मणकी स्त्री.
ब्राह्म्य (सं. पु.) परमेश्वरकी पूजा.
ब्राह्ममुहूर्त्त (सं. पु.) भोर, प्रभात, विहान, प्रातःकाल, सूर्य निकलनेके पहलेका समय.
ब्रिटिश (British) (अं.) अंगरेजी.

भ.

भ (सं. पु.) (भा=चमकना) नक्षत्र, ग्रह, राशि, शुक्राचार्य, दीप्ति, भरद्वाज, भ्रमर.
भंभोरना (हिं. क्रि. स.) काट खाना, फाड खाना.
भँवर (हि. पु.) (सं. भ्रमर) भौंरा, चक्र.
भँवरा (हि. पु.) (सं. भ्रमर) एक प्रकारकी बडी मक्खी, भँवर, अलि, चंचरीक.
भकसी (हि. स्त्री.) कैद करनेके लिये एक बहुत छोटा और तंग और अंधेरा मकान.
भकुवा (हि. पु.) मूर्ख, भोंदू, कुपढ.
भक्त (सं. पु.) (भज्=सेवा करना) भक्ति करनेवाला सेवक, भात, ओदन.
भक्तकार (सं. पु.) रसोई बनानेवाला, सूपकार, रसोइदार.
भक्तवत्सल (सं. पु.) भक्तोंपर दया करनेवाला, परमेश्वर.
भक्ति (सं. स्त्री.) (भज्=सेवा करना) आराधना, विश्वास, परमेश्वरमें अथवा अपने राजा या मालिकमें प्यार, नवधा भक्ति १ श्रवण, २ कीर्तन, ३ अर्चन, ४ वन्दन, ५ स्मरण, ६ निवेदन, ७ सख्य, ८ दास्य, ९ सेवन.
भक्तिवन्त (सं. पु.) जिसके मनमें भक्ति हो, भक्त, सेवक.
भक्ष (हि. पु.) (सं. भक्ष्=खाना) खाना, खाने योग्य.

भक्षक (सं. पु) खानेवाला, खाऊ, पेट् खवैया.
भक्षण (सं. पु.) भोजन, आहार.
भक्षणीय (सं. पु.) खाने योग्य, खानेकी चीज.
भक्षित (सं. पु.) खाया हुआ.
भक्ष्य (सं. गु.) खाने योग्य. (पु.) खाना, भोजन.
भग (सं. पु.) (भज्=सेवा करना) योनि, स्त्रीचिह्न, सुभाग, ऐश्वर्य, इच्छा, चाह, शोभा, सुन्दरता, सूर्य, चाँद.
भगत (हि. पु.) सेवक, भक्ति करनेवाला, नृतक, गानेवाला.
भगत खेलना (हि. मुहा.) स्वाँग लाना, नकल बनाना.
भगतन (हि. स्त्री.) वेश्या, कंचनी, पतुरिया, नाचनेवाली.
भगदत्त (सं. पु.) कामरूपदेशाधिप, नाम राजाका जो महाभारतमें प्रसिद्ध था.
भगवत, भगवन्त, भगवान् (सं. पु.) (भग=ऐश्वर्य, वान्=वाला) ईश्वर, परमेश्वर. (गु.) ऐश्वर्य आदि गुणयुक्त.
भगवती (सं. स्त्री.) देवी, चण्डी, ऐश्वर्य आदि गुणयुक्ता.
भगवाँ (हि. पु.) गेरुआ कपडा, गेरू मिट्टीमें रंगा हुआ कपडा.
भगिनी (सं. स्त्री.) बहन, बहिन, सहोदरा.
भगीरथ (सं. पु.) (भग=ऐश्वर्य) एक सूर्यवंशी राजाका नाम जो अपने तपके प्रभावसे गंगाको स्वर्गसे पृथ्वीपर लाया, दिलीपका पुत्र.
भग्न (सं. पु.) (भञ्ज्=तोडना) टूटा हुआ, फूटा हुआ, नष्ट, हराया हुआ, जीता हुआ.
भग्नाश (सं. गु.) निराश, नाउम्मैद.
भग्नी (सं. स्त्री.) स्वसा, बहिन.
भङ्ग (सं. पु.) (भञ्ज=तोडना) तोडना, खंडन, लहर, तरंग, हार, पराजय, छेद, डर. (स्त्री.) भाँग.
भंगन (हि. स्त्री.) मेहतरानी, पाखाना साफ करनेवाली.
भंगी (हि. पु.) मेहतर, पाखाना साफ करनेवाला.
भंगुर (सं. गु.) टेढा, बाँका, नाश होनेवाला, नष्ट. (पु.) नदीकी बंकाई.
भंगेरा (हि. पु) बहुत भांग पीनेवाला.
भचकना (हि. क्रि. अ.) अचंभेमें आना.
भजन (सं. पु.) माला फेरना, परमेश्वरका नाम रटना, जप.
भजना (हि. क्रि. स.) जपना, माला फेरना, ध्याना.
भजना, भजिजाना (हि. क्रि. अ.) भागना, चला जाना, दौड जाना.
भज्यमान (सं. पु.) सेव्यमान, सेवित, सेवा किया हुआ.
भञ्जक (सं. पु.) तोडनेवाला, खंडन करनेवाला.
भञ्जन (सं. पु.) तोडन, फोडन, खंडन.
भञ्जनहार (सं. पु.) तोडनेवाला.
भञ्जित (सं. पु.) खण्डित. टूटा हुआ.
भट (सं. पु.) वीर, योधा, लडाका, बहादुर, शूर.
भटकना (हि. क्रि. अ.) डाँवा डोल फिरना, इधर उधर वृथा फिरना, भूलना, भ्रमना.
भटकाना (हि. क्रि. स.) भुलाना, भ्रमाना.
भटित्र (सं. पु.) शूलाक्त माँस, कबाब.
भटियारा, भठियारा (हि. पु.) खाना पकानेवाला.

भट्ट (सं.) महाराष्ट्र ब्राह्मणोंका एक पद्वी, विद्यावान्, पण्डित, भाट.
भट्टारा (सं. पु.) सूर्य, पूज्य.
भट्टारक (सं. पु.)(भट्ट+ऋ+अक, ऋ= जाना) देवता, तपस्वी, राजा, सूर्य, विदूषक, भांड. (गु.) पापरहित, पुण्यवान्.
भट्टी } (हि. स्त्री.) (सं. भ्राष्ट्र) बड़ा
भठ्ठी } चूल्हा, भाड, पजावा.
भड (हि. पु.) एक तरहकी बडी नाव.
भडक (हि. स्त्री.) चमक, दमक, झलक, दिखनौट, चौंक.
भडकना (हि. क्रि. अ.) चमकना चौंकना, आगका लूका उठना.
भडभूँजा (हि. पु.) भाड झोंकनेवाला, काँदू.
भणना (हि. क्रि. स.) बोलना, पढना.
भणित (सं. पु.) कहा हुआ, कहता हुआ.
भंटा (हि. पु.) (सं. भण्टाकी) बैंगन, वृन्ताक.
भण्ड (सं. पु.) कौतुकी, भाँड.
भण्डक (सं. पु.) खंजनपक्षी, खडैचा.
भण्डन (सं. पु.) प्रतारण, छलना.
भंडूर (सं. पु.) प्रवञ्चना, छलना.
भंडा (हि. पु.) (सं. भाण्ड) मटका.
भंडार (हि. पु.) (सं. भाण्डागार) खजाना, कोठा, कोठार, सत्ता.
भंडारी (हि. पु.) कोठारी, रोकडिया, खजाना.
भंडेला (हि. पु.) भाँड.
भतार (हि. पु.) (सं. भर्ता) पति, स्वामी.
भतीजा (हि. पु.) (सं. भ्रातृज) भाईका बेटा, भाईका लडका.

भदेशल } (हि. गु.) भौंडा, कडौल,
भदेशा } गँवारू, अनाडी.
भद्दा (हि. गु.) मूर्ख, अज्ञानी, भोंदू, बेरस, मोटे कामकी चीज.
भद्र (सं. पु.) (भदि=कल्याण होना) नेक, दोस्त, भागवान्, श्रेष्ठ, उत्तम. (पु.) कल्याण, मगल, शिव, मुबारक.
भद्र होना (हि. मुहा.) सिरके बाल और दाढी मूंछके बाल मुंडाना.
भद्रक (सं. पु.) लाभ, फायदा, रस, मजा, भलाई.
भद्रकाली (सं. स्त्री.) दुर्गा, महामाया, काली देवी.
भद्रश्री (सं. स्त्री.) चंदन, केशर, कुंकुम, मंगल, शोभा, शृंगार.
भद्रा (सं. स्त्री.) (भदि=सुखी होना) श्रीकृष्णकी एक स्त्रीका नाम, ज्योतिषमें दूसरी, सातवीं और बारहवीं तिथि, व्योमनदी, अशकुन.
भनक (हि. पु.) आवाज, शब्द.
भबकी (हि. स्त्री.) धमकी, घुरकी, झिडकी, डाट.
भभकना (हि. स्त्री. अ.) आग लगना, आगका लूका उठना, क्रोधमें आना, जल मरना, घोडेका खूब वेगसे चलना.
भभूका (हि. पु.) झल, ज्वाला. (गु.) खूब लाल, बहुत चमकदार, सुन्दर.
भभूत } (हि. स्त्री.) (सं. विभूति)
भभूती } राख, भस्म, जिसको योगी संन्यासी अपने शरीरमें मलते हैं.
भय (सं. पु.) (भी=डरना) डर, शंका.
भय खाना (हि. मुहा.) डरना.
भयकारक } (हि. पु.) डरावना, भयानक,
भयंकर } भयजनक, खौफनाक.

भयचक्र } (हि. गु.) (सं. भयचकित) डरा हुआ, घबराया हुआ;
भचक } भयातुर, भयभीत.
भयभीत (सं. गु.) डरा हुआ, घबराया हुआ, भयातुर.
भयमान् (सं. गु.) डरा हुआ, भयातुर.
भया } (हि. क्रि. अ.) हुआ.
भयो }
भयातुर (सं. गु.) डरसे घबराया हुआ, भयचक.
भयानक (सं. गु.) डरावना, भयंकर, नव रसोंमेंसे एक रसका नाम.
भयापह (सं. पु.) भयनाशक, डर छुडानेवाला.
भयावना (हि. गु.) डरावना; भयंकर, भयानक.
भयावह (सं. पु.) भयंकर, भयावना, खौफनाक.
भर (सं. गु.) पूरा, मुँहामुँह, सब, सारा, तमाम.
भरण (सं. पु.) (भृ=पालना) भरणा, पोषण, पालन, रक्षा, बचाव.
भरणी (सं. स्त्री.) एक नक्षत्रका नाम, साँपका झाडना.
भरणीय (सं. पु.) पोष्य, पालनयोग्य.
भरत (सं. पु.) (भृ=भरना, पालना) राजा दशरथका बेटा, एक राजाका नाम जिसके नामसे यह देश भरतखण्ड अर्थात् भारतवर्ष कहलाता है, दुष्यन्तका पुत्र.
भरत (हि. पु.) एक धातु जिसमें ताँबा, जस्ता, और सीसा मिला होता है.
भरताग्रज (सं. पु.) श्रीरामचन्द्रजी.
भरतपुत्रक (सं. पु.) विदूषक, भाँड, बहुरूपिया.
भरद्वाज (सं. पु.) एक मुनिका नाम जो वृहस्पतिका बेटा था, एक पक्षीका नाम.
भरना (हि. क्रि. स.) (सं. भरण) पूरा करना, महसूल या ऋण चुका देना, बन्दूकमें गोली आदि डालना, सहना, पाना, जैसे दुख भरना (मुहा.) दुख पाना, दुख सहना.
भरपाना (हि. क्रि. स.) वसूल पाना, जब कोई आदमी निराश होता है तबभी वह बोलता है कि "मैंने भर पाया"
भरपूर (हि. गु.) खूब भरा हुआ.
भरम (हि. पु.) (सं. भ्रम) सन्देह, धोखा, भूल, चूक, यश, नामवरी.
भरम जाना (हि. मुहा.) किसीपर किसी बातका सन्देह होना.
भरम खुलना या खुल जाना (हि. मुहा.) भेद खुल जाना, मर्यादा खुल जाना.
भरम खोल देना (हि. मुहा.) छिपी बातको प्रगट कर देना.
भरम गँवाना (हि. मुहा.) अपने यशको बट्टा लगाना, आबरू खोना.
भरम निकल जाना (हि. मुहा.) भेद खुल जाना.
भरमाना (हि. क्रि. स.) धोखा देना, भुलाना, फुसलाना, ललचाना.
भरा (हि. गु.) पूरा, पूर्ण, मुँहामुँह.
भरित (सं. पु.) पूरित, पालित, पोषित, रक्षित.
भरु (सं. पु.) महादेव, विष्णु, पिता, स्वामी.
भरोसा (हि. पु.) (सं. भद्राशा) आशा, आस, विश्वास, उम्मेद.
भर्ग (सं. पु.) (भृज=चमकना) ज्योति, महादेव, ब्रह्मा, किरण, तेज, प्रकाश.

भर्जन (सं. पु.) भूँजना, पचाना.
भर्ता (सं. पु.) (भृ=पालना, पोसना) पति, स्वामी, खाविंद. (गु.) पालनेवाला.
भर्त्सक (सं. पु.) निन्दक, तिरस्कारक.
भर्त्सन (स. पु.) निन्दा, कुत्सा.
भर्तृहरि (सं. पु.) विक्रमादित्य राजाका भाई, भरथरी.
भल (हि. गु.) भला, अच्छा, उत्तम, श्रेष्ठ.
भलमनसाई, भलमनसात, भलमनसी (हि. स्त्री.) अच्छा आदमी होना, इन्सानियत.
भल (हि. पु.) तरफ, ओरसे, जैसे-सिरके भल=सिरकी तरफ.
भला (हि. गु.) अच्छा, उत्तम, श्रेष्ठ, चंगा.
भला कर भला हो, सौदा कर नफा हो (कहावत) जैसा करेगा वैसा पावेगा.
भला आदमी (हि. मुहा.) अच्छा आदमी.
भला मानना (हि. मुहा.) अहसान मानना, भलाई मानना.
भलाचंगा (हि. मुहा.) निरोग, मोटा, ताजा.
भले आये (हि. मुहा.) बहुत देरमें आये.
भलाई (हि. स्त्री.) नेकी, नेकनामी, अच्छापन, क्षेम, कुशल.
भलाई लेना (हि. मुहा.) लोगोंके साथ अहसान करना, नेकी लेना.
भलाई रहना (हि. मुहा.) सुयश रहना, नेकनाम रहना.
भल्ल (सं. पु.) भाला, बरछा, रीछ.
भल्लुक, भल्लूक (सं. पु.) रीछ, भालू.
भव (सं. पु.) (भू=होना) संसार, जगत्, जन्म, कुशल, क्षेम, मंगल, पाना, प्राप्ति, महादेव, शिव.
भवदीय (सं. गु.) तुम्हारा, आपका, त्वदीय.
भवन (सं. पु.) घर, स्थान, वास, भाव, सत, चिन्तन.
भवन्त (सं. पु.) आपका, तुम्हारा, समय, काल. (गु.) पूज्य, श्रेष्ठ, उत्तम, प्रधान.
भवन्ति (सं. पु.) समय, वर्तमानकाल, पूजाका समय, श्रेष्ठ, पूज्य.
भवभूति (सं. पु.) नाटक मालतीमाधवका वर्णन, कर्ता, नकुल, न्योला. (स्त्री.) संसारकी विभूति, संसारका ऐश्वर्य.
भवसमुद्र, भवसागर (सं. पु.) संसाररूपी समुद्र, संसारसागर.
भवादृश (सं. गु.) आपके तुल्य, तुम्हारे समान, आपके योग्य.
भवानी (सं. स्त्री.) शिवकी स्त्री, पार्वती, दुर्गा.
भवार्णव (सं. पु.) संसारसमुद्र, भवसागर
भवितव्य (सं. स्त्री.) होनेवाला, होनहार
भवितव्यता (सं. स्त्री.) होनहार, भाग्य, भाग.
भविता (हि. पु.) होनहार, होनेवाला, श्रेष्ठ.
भविष्णु (सं. पु.) होनेवाला.
भविन (सं. पु.) बात करनेवाला.
भविष्य (सं. गु.) होनहार, होनेवाला, जो होगा.
भविष्यत् (सं. पु.) आनेवाला समय. (गु.) होनहार.
भविष्यद्वक्ता (सं. पु.) भविष्यत् कालकी बात जाननेवाला.
भविष्योन्नति (सं. स्त्री.) आगामी वृद्धि, होनेवाली तरक्की, आयन्दा तरक्की.
भव्य (सं. गु.) भागवान्, होनहार, योग्य, शुभ.

भषी (सं. पु.) कुत्ता, श्वान.
भस्त्रा (सं. स्त्री) चमड़ेकी धोंकनी.
भस्म (सं. स्त्री.) राख, छार, भभूत.
भस्मक (सं. पु.) भस्मरोग, बहुत भोजन करनेवाला.
भस्मसात् (सं.अव्य.) सर्वभस्म सर्वजलगया.
भा (सं. स्त्री.) (भा=चमकना) चमक, प्रकाश, शोभा, सुन्दरता. (पु.) सूर्य.
भाँग (हि. स्त्री.) (सं. भङ्गा) बूटी, भङ्ग, विजिया, सबजी.
भाँजना (हि. क्रि. स.) (सं. भंजन) तोडना, मिलाना.
भाँजा } (हि. पु.) (सं. भगिनीज)
भानजा } बहिनका बेटा.
भाँजी } (हि.) बहनकी बेटी.
भानजी }
भाँजी (हि. स्त्री.) (सं. भञ्जनी) रुकाव, रोक.
भाँजी मारना (हि. मुहा.) रोक देना, बन्द करना.
भाँड (हि. पु.) स्वांग करनेवाला, बहुरूपिया.
भाँडना (हि. क्रि. स.) गाली देना, बुरा भला कहना.
भाँड } (हि. पु.) (सं. भाण्ड) बर-
भाँडा } तन, हंडा.
भाँत } (हि. स्त्री.) डौल, ढब, रीत,
भाँति } प्रकार, तरह.
भाँतभाँत (हि. मुहा.) तरह तरहका, नाना प्रकारका, किस्मकिस्मका.
भाँवर (हि. पु.) } ब्याहमें दुल्ह-
भाँवरी (हि. स्त्री.) } नको दूल्हके चारों ओर सात बार घुमाना, या दूल्हा दूल्हनका वेदीकी परिक्रमा देना; फेर, घुमाव.

भाइ (हि. पु.) (सं. भ्राता) एक बापका बेटा, माजाया भैया, संगी, साथी, मित्र.
भाईचारा (हि. पु.) भयापा, भापप, नतैत, बिरादरी.
भाईबन्द (हि. पु.) जातिके लोग, बिरादरी, भयापा.
भाकसी (हि. स्त्री.) कैद करनेके लिये एक बहुत छोटा तंग और अँधेरा मकान.
भाखना } (हि. क्रि. स.) (सं.
भाषना } भाषण) बोलना, कहना.
भाखा (हि. स्त्री.) बोली, भाषा, जबान.
भाग (हि. पु.) (सं. भाग्य) प्रारब्ध, नसीब, किस्मत, भाग्य.
भाग खुलना } (हि. मुहा.) भाग्यवान्
भाग जागना } होना, धनी होना.
भागग्राही (सं. पु.) भागी, हिस्सेदार.
भागभरोसा (हि. मुहा.) धीरज, ढाढस.
भागना (हि. क्रि. अ.) दौडना, पलाना, अवज्ञा करना.
भाग चलना (हि. मुहा.) निकल चलना भाग जाना, चला जाना.
भाग जाना (हि. मुहा.) चला जाना, रफूचक्कर हो जाना.
भागधेय (सं. पु.) भाग्य, शुभकर्म, उपायन, राजाका कर, खिराज, दायाद, सपिण्डवाले.
भाग निकलना (हि. मु.) निकल चलना भाग चलना.
भागाभाग (हि. मुहा.) दौडादौड, लगातार दौडना.
भागवत (सं. पु.) (सं. भागवत अर्थात जिसमें परमेश्वरकी कथा हो) अठारहों पुराणमेंका एक पुराण जिसको वेद व्यासजीने बनाया जिसमें बारह स्कंध हैं.

भागहार (सं. पु.) भाजक. (गु.) भागहर्ता, मकसम अलेह.

भागी (सं. पु.) साझी बटैत, बटैया.

भागीरथी (हि. स्त्री.) गंगा कहते हैं कि, गंगाको राजा, भगीरथ तपस्या करके स्वर्गसे पृथ्वीपर लाया इसलिये इसका नाम भागीरथी पडा.

भागुरि (सं. पु.) स्मृति व्याकरणादिका कर्ता, धर्मशास्त्र और व्याकरणका आचार्य.

भाग्य (सं. पु.) प्रारब्ध, भाग, किस्मत, नसीब.

भाग्यवन्त } (सं. गु.) भाग्यवान्, भाग्यवान् } प्रारब्धी, किस्मतवाला, धनवान्,

भाग्यशाली (सं. पु.) प्रारब्धी, किस्मतवर.

भाग्यहीन (सं. गु.) दरिद्री, मन्दभागी, बदकिस्मत.

भाग्यानुसार (सं. गु.) प्रारब्धानुसार, तकदीरके मुवाफिक.

भाजक (सं. पु.) (भाज्=बाँटना) बाँटनेवाला, वह अंक जिसका भाग दिया जाय, मकसूम अलेह.

भाजन (सं. पु.) बरतन, बासन, पात्र.

भाजना (हि. क्रि. अ.) भागना.

भाजित (सं. पु.) बटा हुआ, जुदा किया हुआ.

भाजी (सं. स्त्री.) साग, तरकारी.

भाजी (हि. स्त्री.) खानेका हिस्सा, बखरा.

भाज्य (सं. पु.) भाग देने योग्य. (पु.) भाग, हिस्सा, विभाग, गणितमें वह संख्या जिसमें भाग दिया जाता है.

भाट (हि. पु.) कवि, चारण, यश बखाननेवाला.

भाटक (सं. पु.) भाडा, किराया, भाडा देनेवाला.

भाठा (हि. पु.) समुद्रके पानीका उतार या गिरना.

भाड (हि. पु.) एक तरहका बडा चूल्हा.

भाडा (हि. पु.) किराया.

भाण्डीर (हि. पु.) एक बनका नाम, जो वृन्दावनमें है, बडका वृक्ष.

भात (सं. पु.) रोशन, दीप्तिमान, प्रकाशमान, पका चावल.

भात (हि. पु.) पका हुआ चावल.

भाथा (हि. पु.) तीर रखनेका घर, तूण, तर्कस.

भादों (हि. पु.) (सं. भाद्र) बरसका छठा महीना जिसमें पूरा चाँद भाद्रपदा नक्षत्रके पास रहता है और इस महीनेकी पूर्णमासीको यह नक्षत्र होता है.

भादोंकी भरन (हि. मुहा.) बहुत भारी मेह जो भादोंमें बरसता है.

भाना (हि. क्रि. स.) अच्छा लगना, मन चाहा होना, सोहाना, पसन्द होना.

भानु (सं. पु.) सूर्य, सूर्यकी किरण.

भानुज (सं. पु.) अश्विनीकुमार, शनैश्चर यमराज, राजा कर्ण.

भानुजा (सं. स्त्री.) यमुनानदी, यमुना.

भान्ना (हि. क्रि. स.) (सं. भंजन) तोडना, भाँजना.

भाफ (हि. स्त्री.) (सं. वाष्प) धुआँ, बफ.

भाभी (हि. स्त्री.) (सं. भ्रातृवधू) भाईकी स्त्री, भावज, भौजाई.

भाम (सं. पु.) सूर्य, क्रोध, प्रकाश, बहनोई.

भामा (सं. स्त्री.) क्रोधयुक्त स्त्री.
भामी (सं. पु.) क्रोधी.
भाय१ (हि. पु.) भाईपन.
भामिनी (सं. स्त्री.) (भाम्=क्रोध करना) क्रोध करनेवाली स्त्री, लुगाई मात्र, स्त्रीमात्र.
भार (सं. पु.) (भृ=भरना) बोझ, बोझा, ६४ माषका पल, २००० का भार या ८००० तोलेका.
भारत (सं. पु.) (भरत एक राजाका नाम) भरत राजाका वंश अथवा देश, भरतखंड, महाभारत ग्रन्थ जिसमें भरतवंशी राजा अर्थात् कौरव और पांडवोंकी लडाईका वर्णन है.
भारती (सं. स्त्री.) सरस्वती, वाणी.
भारद्वाज (सं. पु.) मुनिभेद, द्रोणाचार्य, अगस्त्यमुनि, बृहस्पतिका पुत्र, खिडिरिच पक्षी, हड्डी.
भारवाह } (सं. पु.) मोटिया, बोझ, भारवाहक } बोझा लेजानेवाले पशु जैसे बैल गधा आदि.
भारिक (सं. पु.) कहार.
भारी (सं. गु.) बोझल, गरु, बडा मोटा, महँगा, बहुत मोलका.
भारीभरकम (हि. मुहा.) गंभीर, भला मानुष, सहनेवाला.
भारी होना (हि. मुहा.) बहुत कठिन होना.
भार्गव (सं. पु.) (भृगु) शुक्र, परशुराम, गज, धन्वी, धनुषधारी. (स्त्री.) पार्वती, लक्ष्मी, दुर्गा, दूब.
भार्या (सं. स्त्री.) जोरू, व्याही हुई स्त्री, बहू, पत्नी.
भार्यातिक्रम (सं. पु.) परस्त्रीगमन, स्त्रीत्याग, स्त्रीका नाश होना.
भाल (सं. पु.) ललाट, लिलार.
भाल (हि. स्त्री.) (सं. भल्ल) तीरकी नोक या फल.
भाला (हि. पु.) बर्छा, सेल, साँग.
भालुक } (हि. पु.) (सं. भल्लूक) भालू } रीछ, एक जंगली जानवर. भाल }
भाव (सं. पु.) सम्मति, मत, जीकी बात, मानसविकार, दशा, अवस्था, गुण, स्वभाव, प्रकृति, अर्थ, अभिप्राय, मतलब, मन, मनकी तरंग काम, क्रोध, मोह, स्नेह आदि, नखरा, चोचला, नाटकमें बहुत बातोंका जाननेवाला पण्डित, तन्वादि द्वादश स्थान, अर्थात् कुण्डलीके बारह घर.
भाव बताना (हि. मुहा.) चोंचला करना, नाचनेमें हाथ पैर आँख आदि अँगोंसे इशारा करना.
भाव (हि. पु.) मोल, निर्ख.
भावई (हि. क्रि. वि.) दैवयोगसे, भविष्य, होनहार.
भावज (हि. स्त्री.) (सं. भ्रातृजाया) भाईकी स्त्री, भाभी, भौजाई.
भावना (सं. स्त्री.) (भू=होना वा सोचना) चिन्ता, ध्यान, भाव, सोच, संदेह, अनुभव, जो बात पहले हो चुकी हो उसको फिर याद करना.
भावक (सं. पु.) चिन्ताकारक.
भावाभाव (सं. पु.) होना न होना, अजमवजूद.
भाविक (सं. पु.) अभिप्रायज्ञाता, नर्तक, चतुर, जौहरी, परखनेवाला.
भाविक (सं.) सोची, चिंतित, फिकरमन्द, सचेत, शंकित, डरता हुआ.

भावी (सं. गु.) (भू=होना) होनहार, होनेवाला, होतव्य, भविष्य, जो कुछ होनेवाला हो, बदा हुआ.

भावुक (सं. पु.) मङ्गल, कल्याण, प्रसन्नता. (गु.) प्रसन्न, निरोग.

भावें (हि.) लेखे विचारमें, मनमें, जाननेमें, पशब्द आवे.

भाषण (सं. पु.) कहना, बोलना.

भाषणीय (सं. पु.) कहने योग्य.

भाषा (सं. स्त्री.) बोली, वाणी, जबान.

भाषान्तर (सं. गु.) अन्यभाषा, उल्था.

भाषित (सं. पु.) कहा हुआ, कथित.

भाषी (सं. पु.) वक्ता, वादी.

भाष्य (सं. पु.) टीका, टिप्पणी, सूत्रार्थ, महाभाष्य नाम एक ग्रन्थ जो संस्कृत व्याकरणकी एक टीका है.

भाष्यकार (सं. पु.) टीकाकारक, टीका बनानेवाला, शरह करनेवाला.

भासकार (सं. स्त्री.) प्रकाश, दीप्ति, सम्पदा, प्रभा, शोभा, किरण. (पु.) गृद्ध, मुर्गा, अहीरग्राम.

भासन्त (सं. गु.) सुन्दराकार, रमणीक, मनोहर, प्रकाशवान. (पु.) सूर्य, चन्द्रमा, कमल, मोरकी चोटी, मुर्गा, गृद्ध. (स्त्री.) तारागण.

भास्कर (सं. पु.) (भास्=चमकना, कृ=करना) सूर्य, आग, भास्कराचार्य जिसने सिद्धांतशिरोमणि आदि ज्योतिषके ग्रन्थ बनाये हैं, सोना, स्वर्ण. (गु.) चमकता हुआ, प्रकाशित.

भास्वर (सं. पु.) सूर्य, दिन, अर्कवृक्ष. (गु.) तेजस्वी, दीप्तिमान.

भास्वान् (सं. पु.) सूर्य.

भासु (सं. पु.) सूर्य.

भासुर (सं. गु.) वीर, दीप्तिमान, शोभित. (पु.) बिल्लौरपत्थर, कुष्ठकी औषध.

भिकारी } (हि. पु.) (सं. भिक्षाहारी)
भिखारी } भीख माँगनेवाला, याचक, मंगता.

भिक्षा (सं. स्त्री.) (भिक्ष्=माँगना) भीख, माँगना, भिक्षित वस्तु.

भिक्षाटन (सं. पु.) भीख माँगनेके लिये घूमना.

भिक्षु (सं. पु.) संन्यासी, यती, भिखारी.

भिक्षुक (सं. पु.) भिखारी, याचक, मंगता, संन्यासी.

भिड़ना (हि. क्रि. अ.) बहुतही पास पास हो जाना, सट जाना, मिल जाना, मुठभेड होना, दो सेनाओंका लडाईमें पास पास आ जाना.

भिडाना (हि. क्रि. स.) मिलाना, दो चीजोंको पास पास सटा देना, दो आदमियोंको लडा देना.

भिंडी (हि. स्त्री.) रामतरोई, एक तरकारीका नाम.

भित्त (सं. पु.) (भिद्=तोडना) खण्ड, विभाग, टुकडा, अर्द्ध, आधा.

भित्ति (सं. स्त्री.) भीत, दिवार, पगार.

भिदक (सं. पु.) वज्र, खड्ग, अस्त्र, शस्त्र.

भिदुक (सं. पु.) भेदक, तोडफोड करनेवाला.

भिनकना (हि. क्रि. अ.) मक्खियोंका किसी चीजपर इकट्ठा होना, भिनभिनाना.

भिनभिनाना (हि. क्रि. अ.) मक्खियोंका शब्द करना, भिनकना.

भिन्दिपाल (सं. पु.) हाथसे फेंकनेका एक औजार, ढेलवाँस, गोफना.

भिन्न (सं. गु.) जुदा, अलग, न्यारा, पृथक्. (पु.) टुकडा, हिस्सा, बाँटा.
भिन्नाभिन्न (मुहा.) अलग अलग.
भिन्सार } (हि. पु.) (सं. भानुसार) भिनुसार } सूर्यके निकलनेका समय, भोर, विहान, प्रभात, प्रातःकाल.
भिषक् } (सं. पु.) (भिषू=रोगप्रती- भिषज् } कार) वैद्य, डरानेवाला अथवा जिससे रोग डरे, रोगप्रतीकारक.
भीख (सं. स्त्री.) (सं. भिक्षा) भिक्षा मांगना, जाचना.
भीड (हि. स्त्री.) ठठ, जमघट.
भीडभाड (हि. मुहा.) ठट्ट, भीड.
भीडभडक्का (हि. मुहा.) बहुतसे आदमियोंका इकट्ठा होना.
भीत (सं. पु.) डरा हुआ, डरयुक्त.
भीत (हि. स्त्री.) दीवार, भित्ती.
भीतर (हि.) (सं. अभ्यंतर) अन्दर, बीच, मध्य, में.
भीति (सं. स्त्री.) डर, भय, त्रास, शंका.
भीम (सं. गु.) डरावना, भयानक. (पु.) राजा युधिष्ठिरका भाई, वायुदेवतासे उत्पन्न, भयानकरस, शिव.
भीमा (हि. स्त्री.) दुर्गा.
भीरु (सं.) डरपोकना, डरनेवाला, कादर, कमहिम्मत. (पु.) शृगाल.
भीरुक (सं. पु.) कातर, भययुक्त, डरपोकना. (पु.) उल्लूपक्षी, चिमगादर, कुहरा, नीहार.
भीरुता (सं. स्त्री.) भय, कादरपन.
भील (हि. पु.) (सं. भिल्ल) एक पहाडी जातिका नाम, चुहाड, किरात.
भीषण (सं. पु.) सेहुँडवृक्ष, भटकटैया, बाजपक्षी, त्रास, भय, भयानकरस, शिव.
भीषा (सं. गु. स्त्री.) त्रास, भय, भय करता.
भीष्म (सं. पु.) पांडवोंका दादा, शंतनु राजा और गंगाका पुत्र, भय, डर, भयानक रस. (गु.) डरावना, भयानक.
भीष्मपञ्चक (सं. पु.) भीष्मसे बताये गये पाँच दिन कार्तिकशुद्ध एकादशीसे पूर्णमासीतक व्रतादिक करना.
भीष्मसू (सं. स्त्री.) गंगा, भीष्मकी जननी.
भुआल } (हि. पु.) (सं. भूपाल) राजा, भुवाल } नरपति.
भुक्त (सं. पु.) खादित, खाया हुआ.
भुक्ति (सं. स्त्री.) भोजन, भोग, खाना.
भुगतना (हि. क्रि. स.) भोगना, सहना, भले बुरेका फल पाना.
भुगताना (हि. क्रि. स.) भले बुरेका फल देना, भोग करवाना.
भुग्न (सं. पु.) परेशान, कुटिल, कुबडा.
भुच (हि. गु.) गँवार, जंगली, मूरख.
भुज (सं. पु.) } (भुज्=खाना, जि- भुजा (सं. स्त्री.) } ससे खाते हैं या भुज्=टेढा होना) बाँह, बाहु, दंड, तिखूँट और चोखूँट आदि खेतोंकी लकीर.
भुजग (सं. पु.) (भुज=टेढा, गम्= जाना) साँप, सर्प, नाग.
भुजगान्तक (सं. पु.) गरुड.
भुजगाशन (सं. पु.) (भुजग+अशन) गरुड.
भुजङ्ग } (सं. पु.) साँप, सर्प. भुजङ्गम }
भुजगहन (सं. पु.) भुजवन, भुजसमूह.
भुजबन्ध (हि. पु.) (भुज=बाँह, बन्ध= बाँधना) बाजूबन्द.

भुजवीहा (हि.) (सं. भुजव्यूह) भुज-समूह, बीस भुजा.
भुजान (सं.) भोगकारी.
भुञ्जन (सं.) भोजन, खादन.
भुजि (सं. पु.) अग्नि.
भुजिष्य (सं. पु.) दास, सेवक.
भुजिष्या (सं. स्त्री.) दासी.
भुट्टा (हि. पु.) मकईकी बाल.
भुतना (हि. पु.) (सं. भूत) छोटा भूत, प्रेत, पिशाच.
भुन्ना (हि. क्रि. अ.) (सं. भर्जन) सेंका जाना, सिकना, भूँजा जाना.
भुरभुरा (हि. गु.) सूखी बुकनी या ऐसी चीज जो थोड़े जोरसे चूर २ हो जाय.
भुलसना (हि. क्रि. अ.) जलना, झुलसना, गर्म रेत या पत्थरसे अधजला होना.
भुरकाना (हि. क्रि. स.) पीसी हुई किसी चीजको किसी चीजपर छिड़कना.
भुरकी डालना (हि. मुहा.) जादूके वशमें कर लेना.
भुलाना (हि. क्रि. स.) भूल जाना, भुला देना, याद न रखना, बहकाना, भरमाना, फुसलाना.
भुलावा (हि. पु.) धोखा, छलावा.
भुलावा देना (हि. मुहा.) धोखा देना, छलना.
भुवंग (हि. पु.) (सं. भुजङ्ग) साँप.
भुवन (सं. पु.) (भू=होना) लोक, जगत, सृष्टि.
भुवन (सं. पु.) आकाश, अन्तरिक्ष, दूसरा लोक.
भुस (हि. पु.) (सं. बुस) अनाजके ऊपरका छिलका.
भुसंड (सं. पु.) बहुत मोटा आदमी.
भू (सं. स्त्री.) (भू=होना) धरती, पृथ्वी, भूमि, धरणी, स्थान, जगह, यज्ञकी आग.
भूँसना (हि. क्रि. अ.) (सं. भष्=भौंकना) हौंहौं करना, कुत्तेका शब्द करना.
भूँइंडोल (हि. पु.) (सं. भूमि=पृथ्वी, डोल=डोलना) भूचाल, भूकंप.
भूकम्प (सं. पु.) भूचाल, भूँइंडोल.
भूकेश (सं. पु.) वट, बरगद, शैवल, सिवार.
भूख (हि. स्त्री.) (सं. बुभुक्षा) खानेकी चाह, क्षुधा.
भूख बन्द हो जाना (हि. मुहा.) भूख नहीं लगना.
भूख लगना (हि. मुहा.) भूख मालूम होना.
भूख भागना (हि. मुहा.) सुख होना, आराम पाना, खाने पीनेका कुछ दुख नहीं रहना.
भूखा (हि. गु.) (सं. बुभुक्षित) जिसको खानेकी चाह हो, किसी चीजका चाहनेवाला, कंगाल, गरीब.
भूगोल (सं. पु.) पृथ्वीमण्डल.
भूचक्र (सं. पु.) भूमण्डल.
भूचर (सं. पु.) धरतीपर चलनेवाला जीव.
भूड (हि. स्त्री.) बलुआ धरती, रेतली धरती, रेगिस्तान.
भूडल (हि. पु.) अभ्रक.
भूत (सं. पु.) पिशाच, प्रेत, प्राणी, जीवधारी जन्तु, शिवके गण, अतीतकाल, बीता हुआ समय, भूतकाल, पाँच तत्त्व (जैसे पृथ्वी, पानी, आग, हवा और आकाश.) (गु.) हुआ, बीता, पाया हुआ, सच, ठीक.

भूतघ्न (सं. पु.) भोजपत्र, लस्सुन, लशन, ऊँट, वायुभिडंग, हींग.
भूतनाथ (सं. पु.) महादेव, भैरव.
भूतल (सं. पु.) पृथ्वी, धरती, धरातल.
भूति (सं. स्त्री.) (भू=होना) ऐश्वर्य, संपत्ति, विभूति, अष्टसिद्धि, भस्म, राख.
भूतेश (सं. पु.) महादेव, शिव.
भूदार (सं. पु.) शूकर, सुअर.
भूदेव (सं पु.) ब्राह्मण, विप्र, भूसुर.
भूधर } भूध्र } (सं. पु.) (भू=पृथ्वी, धृ=धरना) पहाड, पर्वत, गिरि.
भूनना (हि. क्रि. स.) (सं. भर्जन) आगपर रखकर झुलस देना, जैसे मक्की आदि गर्म घी या तेलमें डालकर खूब हिलाना. जैसे मांस आदि, गर्म राख या बालूमें पका लेना जैसे चना आदि.
भूप (सं. पु.) राजा, नृप, बादशाह.
भूपति (सं. पु.) राजा, महीपाल, भूपाल.
भूपाल (सं. पु.) राजा, भूप, नरपति, भूपति.
भूभल (हि. स्त्री.) गर्म राख, अंगार.
भूभुरि (हि. पु.) छोटे काँटा.
भूभृत् (सं. पु.) पहाड, राजा, शेष, कच्छप, दिग्गज.
भूमि (सं. स्त्री.) पृथ्वी, धरती, जगह, स्थान.
भूमिका (सं. स्त्री.) प्रसंग, प्रकरण, आभास.
भूमिनाग (सं. पु.) केंचुआ, साधारण साँप, सपोला.
भूमिपति (सं. पु.) राजा, भूपाल, भूपति.
भूमिपाल (सं. पु.) राजा.
भूमिपिशाच (सं. पु.) ताडवृक्ष, तालद्रुम.
भूमिया (हि. पु.) जमींदार, पृथ्वीका देवता.
भूर } भूरसी } (हि. स्त्री.) दक्षिणा, दान, भीख.
भूरा (हि. गु.) एक तरहका रंग.
भूरि (सं. गु.) बहुत अधिक, ढेर.
भूरुह (सं. पु.) वृक्ष, दरख्त.
भूल (हि. स्त्री.) (सं. भ्रम) चूक.
भूलना (हि. क्रि. स.) चूकना, याद न रखना.
भूलाबिसरा } भूलाभटका } (हि. मुहा.) भटका हुआ, रास्ता भूलकर इधर उधर फिरनेवाला.
भूषक (सं. पु.) (भूष+अक) अलंकारकारक, भूषणधारी.
भूषण (सं. पु.) (भूष्=शोभना) गहना, आभूषण, आभरण.
भूषित. (सं. गु.) शोभित, शोभायमान, अलंकृत.
भूसा (हि. पु.) जानवरोंके खानेका चारा, तुस.
भूसी (हि. स्त्री.) चोकर, अनाजके ऊपरका छिलका.
भूसुर (सं. पु.) ब्राह्मण, विप्र.
भृकुटी (सं. स्त्री.) त्योरी, घुडकी, भौंका चढाना.
भृगु (सं. पु.) एक प्रसिद्ध ऋषिका नाम जिसने विष्णुकी छातीमें लात मारी थी, ब्रह्माका बेटा, एक प्रजापति.
भृगुकुलकेतु (सं. पु.) परशुराम, भृगुवंशके पताका.
भृगुनाथ } भृगुपति } (सं. पु.) परशुराम, परशुधर.
भृङ्ग (सं. पु.) (भृ=भरना, वा भ्रम=फिरना) भौंरा, भ्रमर.
भृंगी (हि. स्त्री.) भौंरी, लखेरी, शिवगण, पार्वती.
भृति (सं. स्त्री.) मूल्य, वेतन, भरण, पोषण.

भृतिभुज (सं. पु.) वेतनोपजीवी, नौकरीसे जीनेवाला.

भृत्य (सं. पु.) (भृ=भरना, अर्थात् जिसको मजदूरी या तनख्वाह देना) नौकर चाकर, टहलू, खिदमतगार.

भृश (सं. अव्य.) अतिशय, बहुत.

भृष्टि (हि. स्त्री.) भूनना.

भेंगा (हि. पु.) टेढा देखनेवाला, डेरा, ढेरा, स्वर्गपताली.

भेंट } (हि. स्त्री.) मिलाप, मुलाकात,
भेट } सौगत, डाली, नजर.

भेंटना } (हि. क्रि. स.) मिलना, मिलाप
भेटना } करना, मुलाकात करना.

भेक (हि. पु.) मेंडक, बेंग, दादुर.

भेख (हि. पु.) (सं. वेष) भेष, लिवास, रूप बदलना, स्वरूप बनाना.

भेखधारी (हि. पु.) भेष बनानेवाला, अपना और रूप बनानेवाला.

भेजना (हि. क्रि. स.) पठाना, पहुँचाना.

भेजा (हि. पु.) सिरका गूदा, सिरका मगज.

भेड (सं. स्त्री.) गाडर, भेडी.

भेडा (हि. पु.) मेढा, मेष.

भेडिया (हि. स्त्री.) हुंडार, ल्याली, एक फाडनेवाला जानवर.

भेडिया धसान (हि. मुहा.) सब जानते हैं कि जिस तरफ एक भेडी जाती है उसी ओर सब जाती हैं इसलिये जब बहुत आदमी बेसमझे किसीके पीछे चलते हैं तब यह मुहावरा बोला जाता है.

भेडी (हि. स्त्री.) भेंड, गाडर, मेढी.

भेद (सं. पु.) (भिद्=तोडना) छिपी बात, गुप्तबात, राज, जुदा होना, भिन्नता अलगाव, अन्तर, फरक, प्रकार, जाति, भांति, विरोध, विच्छेद, अनमेल.

भेदक (सं. पु.) तोडनेवाला, विदारक.

भेद लेना (हि. मुहा.) छिपी हुई बातको मालुम करना.

भेद कहना (हि. मुहा.) छिपाने योग्य बातको कह देना.

भेद खोलना (हि. मुहा.) छिपी बातको जाहिर करना.

भेदन (सं. पु.) तोडना, तोडन, फोडन.

भेदि } (सं. पु.) विदारक, छेद करने-
भेदी } वाला, वज्र.

भेदित (सं. पु.) फाडा हुआ.

भेदिया (हि. पु.) } भेदू, भेद जानने
भेदी (सं. पु.) } वाला.

भेदू (हि. पु.) भेद जाननेवाला, भेदी.

भेद्य (सं. पु.) भेदने योग्य, तोडने लायक.

भेरी (सं. स्त्री.) एक प्रकारका बाजा, तुरही, नफीरी, सहनाई.

भेली (हि. स्त्री.) गुडका ढेला.

भेव (हि. पु.) (सं. भेद) भेद, भाव, स्वभाव, तरह.

भेष (हि. पु.) (सं. वेष) रूप, बदलना, स्वरूप, बनाना.

भेष बदलना (हि. मुहा.) स्वांग भरना, रूप बदलना.

भेषज (सं. पु.) दवा, दारू, औषध.

भैषज्य (सं. पु.) औषध, दवा.

भैंस (हि. स्त्री.) (सं. महिष) एक जानवरका नाम.

भैंसा (हि. पु.) (सं. महिषी) एक चौपायेका नाम.

भैंसा दाद } (हि. पु.) (सं. महिष-
भैंसिया दाद } दद्रु) एक प्रकारका दाद.

भैया (हि. पु.) (सं. भ्राता) भाई.

भैयापा } (हि. पु.) (सं. आतृता)
भायप } भाईचारा, भाईपन, बिरादरी.
भैरव (सं. पु.) (भी=डर पैदा करना) शिव, दुर्गाके पास रहनेवाली देवता जो शिवका अवतार है, भैरव आठ हैं (१ असितांग, २ रूरू, ३ चण्ड, ४ क्रोध, ५ उन्मत्त, ६ कुपित, ७ भीषण, ८ संहार), भयानक रस, एक रागका नाम. (गु.) डरावना, भयंकर.
भैरवी (हि. स्त्री.) दुर्गा, काली, देवी, एक रागिणीका नाम.
भोंकना } (हि. क्रि. अ.) हौंहौं करना.
भौंकना } भूकना, कुत्तेका शब्द करना.
भोंडा (हि. गु.) कुडौल, कुरूप.
भोंथा } (हि. गु.) तीखा नहीं,
भोंतरा } कुंठित, कुंद, गोठल.
भोंदू (हि. गु.) गँवार, अनजान, सीधा,
भोंपू (हि. पु.) नरसिंगा.
भोई (हि. पु.) कहार, पालकी उठानेवाला.
भोक्तव्य (सं. पु.) खाने लायक.
भोक्ता (हि. पु.) खानेवाला.
भोग (सं. पु.) प्रसादी, नैवेद्य, खाना, सुखविलास, आराम.
भोगना (हि. क्रि. स.) सहना, भुगतना, सहना, पाना, दुःख या सुख उठाना.
भोगपत्र (सं. पु.) फर्मान जागिर, जागीर-नामा.
भोगिवल्लभ (सं. पु.) (भोगि=सर्प, वल्लभ=प्यारा) चन्दन.
भोगी (सं. पु.) भोगविलास करनेवाला, सुखी. (पु.) साँप, सर्प.
भोज (सं. पु.) (भुज=पालना) उज्जैनके एक राजाका नाम जो विद्याके फैलानेसे बहुत प्रसिद्ध है; भोजकट देश जो पटना और भागलपुरके पास है वा जिसको अब भोजपुर कहते हैं, जो शाहाबादके जिलेमें है.
भोगीन्द्र (सं. पु.) शेपनाग, वासुकिनाग.
भोज (हि. पु.) (सं. भोज्य) खाना, आहार.
भोजक (सं. पु.) भक्षक, खानेवाला.
भोजकट (सं. पु.) भोजपुर, देशविशेष.
भोजन (सं. पु.) खाना, आहार, भोजन करना, खाना खाना, जेवना.
भोजनीय (सं. पु.) भोजन योग्य.
भोजपत्र (हि. पु.) (सं. भूर्जपत्र) एक वृक्षकी छाल.
भोजयिता (सं. पु.) भोजन करानेवाला.
भोज्य (सं. पु.) खानेकी चीज, खानेयोग्य.
भोडल (हि. पु.) अभ्रक, भूडल.
भोभो (सं. अव्य.) सम्बोधन, संभ्रम, आदरार्थ, सम्बोधन.
भोर (हि. पु.) विहान, पौह, प्रभात.
भोर होना (हि. मुहा.) सुबह होना, विहान होना.
भोरा } (हि. गु.) सीधासादा, निष्क-
भोला } पट, कमअक्ल.
भोलानाथ (हि. मुहा.) महादेव, शिव.
भोलाभाला (हि. मुहा.) सादा.
भोली बातें (हि. मुहा.) सीधी बातें, बेकपट बातें.
भौंह }
भौं } (हि. पु.) (सं. भ्रू) आंखपरका
भैंह } बाल, भृकुटी.
भौं चढाना (हि. मुहा.) त्योरी चढाना, गुस्सा करना.
भौं टेढी करना (हि. मुहा.) त्योरी बदलना.
भौंहें तानना (हि. मुहा.) त्योरी चढाना
भौंचाल (हि. पु.) (सं. भूमिचाल) भूंईडोल, भूकम्प, जलजला जमीनका.

भौंरा (हि. पु.) (सं. भ्रमर) एक तरहकी बडी मक्खी, मधुप, अलि.
भौं (हि. पु.) (सं. भय) डर.
भौजाई } (हि. स्त्री.) (सं. भ्रातृजाया)
भौजी } भाईकी स्त्री, भाभी.
भौतिक (सं. पु.) भूतसम्बन्धी, पृथ्वी आदिसम्बन्धी, पिशाचादिसम्बन्धी.
भौतिक (सं. पु.) पृथ्वीका. (पु.) मङ्गल ग्रह, नरकासुर राक्षस.
भौमवार (सं. पु.) मङ्गलवार.
भौमावती (सं. स्त्री.) भौमासुरकी स्त्री.
भ्रंश } (सं. पु.) (भ्रंस=गिरना) नीचे
भ्रंस } गिरना, नाश, ध्वंस, बिगाड.
भ्रंशित (सं. पु.) च्युत, गिरा.
भ्रम (सं. पु.) भ्रांति, भूलचूक, सन्देह, संशय, झूठा ज्ञान.
भ्रमण (सं. पु.) फिरना, घूमना.
भ्रमर (सं. पु.) भौंरा, मधुप, मधुकर, अलि.
भ्रष्ट (सं. पु.) (भ्रश्=नीचे गिरना) गिरा हुआ, पतित, अधर्मी, धर्मसे गिरा हुआ, भ्रष्ट करना. (क्रि. स.) बिगाडना, बुरे काममें लगाना, भ्रष्ट होना. (क्रि. अ.) बिगडना, बुरे काममें लगना.
भ्राजना (सं. क्रि. अ.) (सं. भ्राज्=शोभना) शोभना, सोहना.
भ्राजिष्णु (सं.) (भ्राज+इष्णु) दीप्तिमान्, शोभायुक्त.
भ्राता (सं. पु.) भाई, भैया, सहोदर.
भ्रांत (सं. पु.) भूला हुआ.
भ्रान्ति (सं. स्त्री.) भ्रम, भूल, चूक, घूमना, भ्रमण.
भ्रामक (सं. पु.) भ्रमजनक, अशुद्ध, घूमनेवाला.
भ्राम्यमान (सं. पु.) घूमनेवाला.
भ्राश (सं. पु.) चमक, प्रकाश.
भ्रू (सं. पु.) (भ्रम्=फिरना) आँखों परका बाल, भौंह, भौं.
भ्रूण (सं. पु.) गर्भ, हमल.
भ्रूभङ्ग (सं. पु.) घुरकी, त्यौरी, भौं चढाना, कटाक्ष.

म.

म (सं. पु.) (मा=मापना वा आदर करना) ब्रह्मा, शिव, चाँद, विष्णु, यम, समय, विष.
मंगता (हि. पु.) भिखारी, भिखमंगा.
मंगनी (हि. स्त्री.) सगाई, निसबत, उधार.
मंगनी देना (हि. मुहा.) उधार देना.
मंगसिर } (हि. पु.) (सं. मार्गशिर)
मगशिर } अगहन.
मंजना (हि. क्रि. अ.) (सं. मञ्जन) उजला होना, चिकना होना, साफ होना.
मंजीरा } (हि. पु.) (सं. मञ्जीर) एक
मजीरा } बाजेका नाम, झांझ, करताल.
मंडुआ (हि. पु.) एक अनाजका नाम.
मंढना } (हि. क्रि. अ.) ढकना (जैसे
मढना } किताबको पुठेसे, या ढोल डफ आदिको चमडेसे) लपेटना.
मकडा (हि. पु.) (सं. मर्कट) एक तरहका कीडा.
मकडाना (हि. क्रि. अ.) टेढा चलना, अकडसे चलना, काम करनेसे जी चुराना.
मकडी (हि. स्त्री.) (सं. मर्कटी) एक तरहका कीडा जिसके आठ पैर होते हैं.
मकर (सं. पु.) मगर, मच्छ, दशवीं राशि.

मकरकेतु } (सं. पु.) कामदेव, जिसके
मकरध्वज } झंडेपर मकरका चिह्न है.

मकरन्द (सं. पु.) फूलोंका रस, पुष्परस, पराग.

मकराकृत (सं. गु.) जिस चीजका आकार मगर कैसा हो, जैसे मकराकृत कुण्डल.

मकरी (सं. स्त्री.) (मकर) मछली, एक पानीका जा·, ज जाला तानती है.

मकरोना (हि. क्रि. स.) थोडासा गीला करना, करमोना.

मकुट } (सं. पु.) (मकि=शोभना)
मुकुट } किरीट, ताज, राजाओंके शिरका गहना.

मकुर } (सं. पु.) दर्पण, कांच, आईना,
मुकुर } आरसी, शीशा.

मकुल } (सं. स्त्री.) फूलकी कली,
मुकुल } कोंपल.

मकोडा (हि. पु.) कीडा.

मक्षिका } (सं. स्त्री.) (मक्ष=क्रोध
मक्षीका } करना) मक्खी, माखी.

मक्खन } (हि. पु.) (सं. मन्थज)
माखन } माखन, नेनू, नवनीत, हैयङ्गवीन.

मक्खी } (हि. स्त्री.) (सं. मक्षिका)
माखी } एक तरहका उडनेवाला कीडा, माछी.

मक्खी उडाना (हि. मुहा.) किसीकी खुशामद या गुलामी करना.

मक्खीचूस (हि. मुहा.) कंजूस. सूम, कृपण.

मक्खी मारना (हि. मुहा.) सुस्त बैठा रहना, बेकार बैठा रहना.

मख (सं. पु.) यज्ञ.

मग (हि. पु.) (सं. मार्ग) रास्ता, वाट, पैंड, डगर.

मग देखना (मुहा.) बाट जोहना, राह निहारना.

मगध (सं. पु.) सूबे विहारका दक्खिन भाग.

मगन (हि. गु.) (सं. मग्न) डुबा हुआ, प्रसन्न, आनन्दित, हर्षित.

मगर (हि. पु.) (सं. मकर) मगरमच्छ.

मगर (हि. गु.) ढीठ, घमंडी, गुस्ताख.

मगराई (हि. स्त्री.) ढिठाई, गुस्ताखी, घमंड, धृष्टता.

मगरापन (हि. पु.) मगराई, घमंड.

मगह (हि. पु.) (मगध) सूबे विहारका दक्खिन भाग जिसमें गया आदि शहर है.

मगही (हि. गु.) (सं. मागधीय) मगहका (जैसे पान आदि).

मगहैया (हि. गु.) (सं. मागधीय) मगधदेशका वासी, ब्राह्मणोंकी एक जाति.

मग्न (सं.) डूबा हुआ, प्रसन्न, आनन्दित, हर्षित, खुश.

मघवा } (सं. पु.) (मह=पूजना) इन्द्र,
मघवान } देवताओंका राजा, सुरपति.

मघा (सं. स्त्री.) दशवाँ नक्षत्र.

मङ्गल (सं. पु.) कुशल, कल्याण, आनन्द, तीसरा ग्रह, मंगलवार, भौमवार. (गु.) शुभ, अच्छा, आनन्द देनेवाला.

मङ्गलवार (सं. पु.) मङ्गलका दिन, भौमवार.

मङ्गलसमाचार (सं. पु.) अच्छा समाचार, सुसमाचार. शुभ समाचार.

मङ्गलाचरण (सं. पु.) देवताओंको नमस्कार, बन्दना.

मङ्गलाचार (सं. पु.) बधावा, ब्याह आदि अच्छे काममें आनन्दकी गीत.

मङ्गलामुखी (सं. गु.) गवैया, ब्याह आदि अच्छे कामोंमें गानेवाली.

मङ्गली (हि. गु.) मंगल करनेवाला, मंगलामुखी, जिसके जन्म, अष्टम, द्वादश स्थानमें मंगल ग्रह पड़ा हो.

मचना (हि. क्रि. अ.) होना, रचना, उठना, किया जाना.

मचलना (हि. क्रि. अ.) मगरा होना, हठ करना, जिद् करना.

मचला (हि. गु.) मगरा, ढीठ, हठीला, जिद्दी, हठी.

मचलाई (हि. स्त्री.) मगराई, ढिठाई, हठ.

मचलाना (हि. क्रि. अ.) मतलाना, कै किया चाहना, कै करनेको जी चाहना, बहाना करना.

मचान (हि. पु.) (सं. मञ्च) माँच, टाँड, खेतोंमें बाँसोंसे बनाई हुई ऊँची बैठक जिसपर एक आदमी खेतकी रखवाली करनेके लिये बैठता है.

मचाना (हि. क्रि. स.) करना, रचाना, उठाना, बनाना.

मचिया (हि. स्त्री.) (सं. मञ्च) पीढ़ी, चौकी, कुरसी.

मच्छ (हि. पु.) (सं. मत्स्य) बड़ी मछली, विष्णुका पहला अवतार.

मच्छा (हि. पु.) (सं. मशक) माछर, कुटकी.

मछली (हि. स्त्री.) (सं. मत्सी) पानीके एक जानवरका नाम.

मछवा } (हि. पु.) मछली पकड़नेवाला,
मछुवा } धीमर, कहार.

मजीठ (हि. पु.) (सं. मञ्जिष्ठा) एक लाल चीज जो रंगनेके काममें आती है.

मज्जन (सं. पु.) नहाना, स्नान.

मज्जक (सं. पु.) स्नान करनेवाला.

मज्जा (सं. स्त्री.) हड्डीके भीतरका गुदा, चर्बी.

मझला (हि. गु.) (सं. मध्य) बिचला, मध्यम, बसतका.

मझार (हि. पु.) (सं. मध्य) बीच, मध्य, बीचमें.

मझारी (हि. गु. स्त्री.) भीतरी, बीचकी, मध्यकी.

मञ्च (सं. पु.) माञ्च, मचान, खेतोंमें बाँसोंसे बनाई हुई ऊँची बैठक जिसपर एक आदमी खेतकी रखवाली करनेके लिये बैठता है, पलंग, खाट, खटिया, मांचा.

मञ्जन (सं. पु.) दाँत धोनेका चूरण, मिस्सी.

मञ्जरी (सं. स्त्री.) कली, कोंपल, तुलसीपुष्प, अखुवा.

मञ्जार (हि. पु.) (सं. मार्जार) बिलाव, बिल्ला.

मञ्जीर (सं. पु.) नूपुर, पाँवका गहना, मंजीरा, क्षुद्रघण्टिका, छोटी घंटी, घुँघरू.

मञ्जु } (सं. गु.) (मञ्ज्=शुद्ध अथवा
मञ्जुल } सुन्दर होना) मनोहर, सुन्दर, मधुर, मनमाना, मनचाहा.

मञ्जूषा (सं. स्त्री.) पिटारा, पिटारी, कपड़े रखनेको सन्दूक.

मटक } (हि. स्त्री.) चोंचला, नखरा,
मटकन } हावभाव, झाँवली.

मटकना. (हि. क्रि. अ.) पलक मारना, झपकना, आँखें लड़ाना, आँख मारना, तिरछी चितवनसे देखना, अठलाना, इतराना, भाव बताना, झाँकना, ताकना.

मटका (हि. पु.) मगरा, बड़ा घड़ा.

मटकी (हि. स्त्री.) गगरी, मटकी.

मटर (हि. पु.) एक अनाजका नाम.

मटियाना (हि. क्रि. अ.) टाल देना, आँख झपकाना, सहना.

मट्टी } (हि. स्त्री.) (सं. मृत्तिका)
मिट्टी } माटी, रेत, धूल.
मट्टी करना (हि. मुहा.) नाश करना, बरबाद करना, सत्यानाश करना.
मट्टी खाना (हि. मुहा.) माँस खाना.
मट्टी डालना. (हि. मुहा.) दूसरेका दोष छिपाना, ऐबपोशी करना.
मट्टी देना (हि. मुहा.) गाडना, मुर्देको दफन करना.
मट्टीपर लडना (हि. मुहा.) धरतीके लिये झगडना.
मट्टीमें मिलना (हि. मुहा.) सत्यानाश हो जाना, नष्ट होना, खराब होना, बेइज्जत होना.
मट्टी होना (हि. मुहा.) दुबला होना, निर्बल होना, सत्यानाश होना.
मट्ठा (हि. पु.) (सं. मन्थित) छाछ, मही.
मठ (सं. पु.) (मठ=बसना) गुसाँइयोंके रहनेका घर, विद्यार्थियोंके पढनेकी जगह, पाठशाला, देवागार.
मठरी } (हि. स्त्री.) (सं. मिष्ट) एक
मठली } तरहका मीठा पकवान.
मडोड } (हि. स्त्री.) ऐंठ बल, पेंच.
मरोड }
मडोडना } (हि. क्रि. स.) ऐंठना, पेंच
मरोडना } देना, बल देना.
मढा (हि. पु.) (सं. मण्डप) उस जगहका नाम जिसको व्याहमें फूलों आदिसे सँवारते हैं और जहां शास्त्रके अनुसार व्याहका काम होता है.
मढी }
मढैया } (हि. स्त्री.) (सं. मठ) झोंपडी,
मढी } कुटी.
मणि (सं. स्त्री.) (मण=आवाज निकलना) हीरा पन्ना आदि रत्न, बहुत मोलका पत्थर.
मणियारा (हि. पु.) मणियुक्त, मणिवाला.
मण्डन (सं. पु.) (मडि=शोभना) गहना, जेवर, अलङ्कार, भूषण, शोभा.
मण्ड (सं. पु.) माँड, पीच, पिच्छ, फालूदा, कलार, कलाल, मदिरा.
मण्डप (सं. पु.) एक खुला हुआ मकान जिसको व्याह अथवा और किसी उत्सवमें फूलोंसे सँवारते हैं और जहां व्याहका काम होता है, मन्दिर, देवालय.
मण्डल (सं. पु.) गोल जगह, चक्कर, गोला, चांद वा सूर्यका घेरा, गोल तंबू, देश, जिला, सूबा जो बीस अथवा चालीस योजनतक हर ओर फैलावमें हो जैसे ब्रजमण्डल, कारो मण्डल.
मण्डलाकार (सं. पु.) गोल, गोलाकार, चक्राकार.
मण्डलाधिप (सं. पु.) चार सौ योजनका मालिक, कलक्टर, छोटा राजा.
मण्डलाना (हि. क्रि. अ.) घिर आना, घूमना, फिरना.
मण्डली (सं. स्त्री.) समाज, सभा, गिरोह.
मण्डलीक (सं. पु.) दश लाख रुपयेकी आमदनीवाला.
मण्डा (हि. पु.) एक पेडे ऐसी मिठाई.
मण्डित (सं.) शोभित, शोभायमान, भूषित.
मण्डी (हि. स्त्री.) बाजार जहां अनाज और घी आदि बिके.
मण्डूक (सं. पु.) (मडि=शोभा देना) मेंडक, बेंग.
मत (सं. पु.) (मन्=जानना) सम्मति, सलाह, अभिप्राय, चाह, धर्म, मजहब, प्रतीत, विश्वास, ज्ञान, तरीका, जाना हुआ, माना हुआ, पूज्य, पूजा हुआ.

मत (हि. क्रि. अ.) (सं. मा) न, नहीं, न करो, निषेधवाचक.

मतङ्ग (सं. पु.) (मद्=मस्त होना) हाथी, गज, मेघ, बादल, एक ऋषिका नाम.

मतमतान्तर (सं. गु.) दूसरा धर्म, दूसरा मजहब, दूसरी राह.

मतवाला (हि. गु.) (सं. मत्तवत) मस्त, मदमाता उन्मत्त.

मतविरुद्ध (सं. गु.) धर्मविरोधी, मजहबके खिलाफ.

मता } मतौ (हि. पु.) (सं. मत) सलाह, विचार, सम्मति.

मतावलम्बी (सं. पु.) किसी धर्मको माननेवाला, पंथी, किसीके सलाहपर चलनेवाला.

मति (सं. स्त्री.) (मन्=जानना) समझ, बुद्धि, ज्ञान, इच्छा, चाह, स्मृति, याद करनेकी शक्ति.

मतिभ्रम (सं. पु.) भूल, चूक, उल्टी समझ, विपरीत बुद्धि.

मतिमन्द (सं. गु.) मन्दबुद्धि, कमअक्ल, कुन्दजेहन.

मतिधीर (सं. गु.) दृढबुद्धि.

मतिमान् (सं. गु.) समझदार, बुद्धिमान्, चतुर, प्रवीण.

मतिहीन (सं. गु.) बेसमझ, मूर्ख, बुद्धिहीन.

मत्त (सं. गु.) मतवाला, मस्त, उन्मत्त, घमंडी.

मत्सर (सं. पु.) डाह, द्वेष, जलन, हसद, ईर्षा, परसन्ताप.

मत्स्य (सं. पु.) मछली, मच्छ, विष्णुका पहला अवतार, हिन्दुस्थानका एक भाग जिसको अब दिनाजपूर और रंगपूर कहते हैं, एक पुराणका नाम.

मत्स्यगन्धा (सं. स्त्री.) मच्छोदरी, व्यासकी माता.

मथन (सं. पु.) महना, मथना, विलोयन.

मथना (हि. क्रि. स.) महना, विलोना, विलोडना.

मथनिया } मथनी (हि. स्त्री.) (सं. मन्थान) दूध मथनेकी लकड़ी, मथानी, महानी.

मथित (सं. पु.) मथा गया.

मथुरा (सं. स्त्री.) (मथ्=मारना, या कुचलना, जहां बहुतसे राक्षस कुचले और मारे गये हैं) एक नगरीका नाम जो श्रीकृष्णजीकी जन्मभूमि और हिन्दुओंके तीर्थकी जगह है.

मथुरिया (हि. पु.) मथुराके ब्राह्मणोंकी एक जाति.

मद (सं. पु.) (मद्=प्रसन्न होना, वा मस्त होना, वा घमंड करना) आनन्द, हर्ष, खुशी, हाथीकी कनपटियों अथवा गालोंसे चूता हुआ पानी, मदिरा, दारू, मद्य, शराब, घमंड, गर्व, अहंकार, मतवालापन, नशा, मस्ती, वीर्य, कस्तूरी.

मदक (सं. पु.) अफीमके संयोगसे बना हुआ नशा, नशा करनेवाली चीज.

मदन (सं. पु.) कामदेव.

मदनवाण (सं. पु.) एक फूलका नाम.

मदमाता (हि. गु.) मतवाला, मस्त.

मदार (हि. पु.) (सं. मन्दार) अकवन, अर्क.

मदिर (सं. पु.) लालखदिर.

मदिरा (सं. स्त्री.) मद, मद्य, दारू शराब, आसव, अर्क.

मदोत्कट (सं. पु.) मत्तगज.

मदोद्धत (सं. गु.) मतवाला.

मदोन्मत्त (सं. गु.) घमंडसे मस्त, मतवाला, मदमाता.
मद्य (सं. पु.) शराब, दारू, मदिरा, मद.
मद्यप (सं. पु.) शराबी, सुरापायी.
मधु (सं. पु.) शहद, फूलोंका रस, मद, मदिरा, शराब, वसन्तऋतु, चैत्रका महीना, एक राक्षसका नाम, जिसको महामायाकी सहायतासे विष्णुने मारा, दूध, पानी, मीठा रस, महुआ, मिठास. (गु.) मीठा.
मधुकर (सं. पु.) भँवरा, भौंरा, भ्रमर.
मधुप (सं. पु.) भौंरा, भँवरा, मधुकर.
मधुपर्क (सं. पु.) दही, घी और शहद मिली हुई चीज अथवा आज्यमेक.
मधुपुरी (सं. स्त्री.) मथुरा.
मधुवन (सं. पु.) मथुराके पासका वन, सुग्रीवके बागका नाम.
मधुमक्खी } मधुमाखी } (हि. स्त्री.) (सं मधुमक्षिका) शहदकी मक्खी.
मधुमास (सं. पु.) चैतका महीना.
मधुर (सं. गु.) मीठा, मनमाना, मनचहीता, प्यारा.
मधुरता (हि. स्त्री.) मिठास.
मधुरी (हि. गु. स्त्री.) मीठी, रसीली, सुहानी.
मधुलिह् (सं. पु.) भ्रमर.
मधुव्रत (सं. पु.) भ्रमर.
मधुसूदन (सं. पु.) (मधु=एक राक्षसका नाम, सूदन=मारना) विष्णु, भगवान्.
मध्य (सं. पु.) (मन्=जानना, वा मा=शोभा, धा=रखना) बीच, नित्य, बीचमें, में, माँझ, भीतर, अन्दर, दर्मियान.
मध्यदिवस (सं. पु.) दोपहर.
मध्यदेश (सं. पु.) मुल्क मुतवास्सित, सेन्ट्रलप्राविंस.
मध्यम (सं. गु.) बिचला, बीचका अच्छा न बुरा, उदासीन.
मध्यमलोक } मध्यलोक } (सं. पु.) बीचका लोक, पृथ्वी, मनुष्यलोक, मर्त्यलोक, यह दुनिया.
मध्यमा (सं. स्त्री.) बीचकी अंगुली. (गु.) बीचकी.
मध्यवर्ती (सं. पु.) बिचवैया, मध्यस्थ.
मध्यस्थ (सं. पु.) बिचवैया, मध्यवर्ती, साक्षी.
मध्याह्न (सं. पु.) दोपहर, दिनका बीच.
मन (सं. पु.) (मन=जानना) चित्त, हृदय, हिरदा, आत्मा, दिल.
मनचोर (हि. मुहा.) मनको लुभानेवाला, जिसमें मन लग जाय, दिलगीर.
मनमाना (हि. मुहा.) मनको अच्छा लगना, सुहाना लगना.
मनभावना } मनभावन } (हि. मुहा.) मनोहर, सुहावना, दिलचस्प, दिलगीर.
मनमानता } मनमाना } (हि. मुहा.) जो मनको अच्छा लगे, मनचाहा, दिलखाह.
मनमार रहना (हि. मुहा.) संतोषके साथ दुःखको सह लेना.
मन मारना (हि. मुहा.) अपनी चाहको रोकना.
मनलाना (हि. मुहा.) मन लगाना, ध्यान देना, गौर करना.
मन (हि. पु.) चालीस सेर.
मनका (हि. पु.) (सं. मणि) मालाका दाना, गरदनकी हड्डी.
मनका ढलकना (हि. मुहा.) मरनेपर होना, मरा चाहना, अवतम होना.
मनकामना (हि. स्त्री.) (सं. मनोका

मना) मनकी इच्छा, मनका मनोरथ, दिली ख्वाहिस.

मनघटा (हि. पु.) कूयेके आसपासका चबूतरा.

मनन (सं. पु.) (मन्=जानना) चिन्तन, सुमिरन, ध्यान, ज्ञान, अभ्यास, विचार.

मनमोहन (हि. पु.) श्रीकृष्ण. (गु.) मनभावन, मनोहर.

मननशक्ति (सं. स्त्री.) विचारशक्ति, गौर करनेकी शक्ति.

मनसा (हि. स्त्री.) (सं. मानस) मन, चाह, इच्छा, विचार, मतलब.

मनसिज (सं. पु.) (मनसि=मनमें, जन्=पैदा होना) कामदेव. (गु.) मनका, मनसे जो पैदा हो.

मनस्विन् (सं. गु.) वीर, मनमौजी, यथेच्छाचारी, प्रशस्त.

मनहु, मनहू, मानहु (हि. क्रि. वि.) (सं. मन्ये) मानो, जानो, जैसे.

मनाक् (सं. अव्य.) ईषत, स्वल्प, किञ्चित, सूक्ष्म, बारीक, मन्द.

मनि, मन (हि. स्त्री.) (सं. मणि) रत्न, जवाहिर, बहुत मोलका पत्थर.

मनीषा (सं. स्त्री.) बुद्धि.

मनीषिन् (सं. पु.) पण्डित.

मनिहार (हि. पु.) (सं. मणिकार) चूडी बेचनेवाला, बिसाती.

मनु (सं. पु.) (मन्=जानना) ब्रह्माका बेटा, मनुष्योंका पुरुषा, मनुस्मृतिका बनानेवाला.

मनुज (सं. पु.) मनुका वंश, आदमी, मनुष्य.

मनुजाद (सं. पु.) राक्षस, दैत्य.

मनुष्य (सं. पु.) मनुके बेटे पोते, आदमी, मनुज.

मनुष्यगणना (सं. स्त्री.) मर्दुमशुमारी.

मनुष्यता (सं. स्त्री.) इन्सानियत, आदमियत.

मनुसाई (हि. स्त्री.) पुरुषार्थ, मनुष्यपन.

मनुहार (हि. गु.) (सं. मनोहारि) सुन्दर, मनोहर, मन हरनेवाली. (स्त्री.) आदरमान, मीठा बोलना.

मनोज (सं. पु.) (मनस्=मन, जन्=पैदा होना) कामदेव. (गु.) मनसे जो पैदा हो.

मनोजव (सं. गु.) मनके समान जिसका वेग हो, अतिवेगवान्, तेजरौ.

मनोज्ञ (सं. गु.) सुन्दर, मनोहर, सुडौल.

मनोभव, मनोभू, मनाभूत (सं. पु.)(मनस्=मन, भू=पैदा होना) कामदेव. (गु.) जो मनसे पैदा हो.

मनोभिलाषित (सं. पु.) मनचाहा, मनोवांछित, हस्बदिलख्वाह.

मनोरथ (सं. पु.) चाह, इच्छा, अभिलाष, कामना.

मनोरम (सं. गु) मनोहर, सुन्दर.

मनोहत (सं. गु.) व्यग्रचित्त, व्याकुल.

मनोहर (सं. गु.) मनको लेलेनेवाला, सुन्दर, सुहाना.

मन्तव्य (सं. पु.) सलाह, राय, माननीय, चिन्तनीय.

मन्ता (सं. पु.) मन्त्री.

मन्त्र (सं. पु.) (मन्त्रि=एकान्तमें कहना या सलाह करना) वेदका एक भाग जिसमें देवताओंकी स्तुति है, मन्त्रयन्त्र, जादूटोना, टटका, सलाह, छिपी बात, सम्मति, उपदेश.

मन्त्रण (सं. पु.) सम्मति, विचार.

मन्त्रणा (सं. स्त्री.) विचार, परामर्श, युक्ति, सलाह, संमति.

मन्त्रज्ञ (सं. पु.) तान्त्रिक, मन्त्र जाननेवाला, नीतिज्ञ, जासूस, दूत.
मन्त्रवित् (सं. पु.) तान्त्रिक, मन्त्रज्ञ, नीतिज्ञ.
मन्त्रित (सं. पु.) मन्त्रसे शुद्ध किया गया, संस्कार किया गया.
मन्त्री (सं. पु.) प्रधान उपदेशक, सचिव, सलाहकार, वजीर.
मन्थन (सं. पु.) (मन्थ=विलोना) मथन, विलोवन, विलोडन.
मन्थनी (सं. स्त्री.) मथानी.
मन्द (सं. गु.) (मदि=आलसी होना वा अचेत होना, वा सोना) सुस्त, आलसी, धीमा, मूढ, मूर्ख, निकम्मा, नीच, बुरा, अभागा, नीचा, थोडा, कम, पतला. (पु.) शनीचर. (क्रि. वि.) धीरे धीरे.
मन्द मन्द. (मुहा.) धीरे धीरे.
मन्दगति (सं. स्त्री.) धीमी चाल. (गु.) धीरे चलनेवाला.
मन्दबुद्धि, मन्दमति (सं. गु.) अनाडी, मूर्ख, अज्ञानी, बुद्धिहीन, अल्पबुद्धि.
मन्दभाग्य (सं. गु.) अभागा, कमबख्त,
मन्दर (सं. पु.) (मदि=सराहना वा प्रसन्न होना) एक पहाडका नाम जिससे देवता और राक्षसोंने समुद्र मथाया, स्वर्गका पेड, पारिजात, स्वर्ग. (गु.) मोटा, भारी.
मन्दा (हि. गु.) धीमा, धीरा, कोमल, ठंढा, सस्ता.
मन्दाकिनी (सं. स्त्री.) स्वर्गकी गंगा.
मन्दादर (सं. गु.) निरादर, कमकदर.
मन्दार (सं. पु.) स्वर्गका एक पेड.
मन्दिर (सं. पु.) (मदि=सराहना वा सोना) घर, देवालय, देवस्थान, देहरा.
मन्दोदरी (सं. स्त्री.) रावणकी स्त्री.
मन्मथ (सं. पु.) कामदेव.
मन्मथारि (सं. पु.) महादेव, शिव.
मन्यु (सं. पु.) शिव, यज्ञ, क्रोध, शोक, दीनता, अहंकार.
मन्वन्तर (सं. पु.) इकहत्तर चौयुगीका वा ३११५४८००० वर्षका, चौदह मनु हैं उनमेंसे एकका अधिकार.
मम (सं. सर्वना.) मेरा.
ममता (सं. स्त्री.) मोह, माया, प्रेम, प्यार, स्नेह, अभिमान, घमंड, मेरापन, मेरा जानना.
मय (सं.) यह शब्द जब दूसरेके साथ आता है तब इसका अर्थ मिला हुआ या बना हुआ होता है, जैसे जलमय= जल मिला हुआ.
मय (सं. पु.) ऊँट, खच्चर, एक राक्षसका नाम.
मयंक (हि. पु.) (सं. मृगाङ्क) चाँद.
मयतनया (सं. स्त्री.) मन्दोदरी, रावणकी स्त्री.
मयत्री (हि. स्त्री.) (सं. मैत्री) मित्राई, मिताई, प्रीत, प्यार, दोस्ती.
मयन (हि. पु.) (सं. मदन) कामदेव.
मयूख (सं. पु.) किरण, तेज, शोभा, शिखा, चोटी.
मयूर (सं. पु.) (मी=मारना) मोर, एक पखेरूका नाम.
मरक (सं. पु.) मरी, सबमें फैलनेवाला रोग.
मरकत (सं. पु.) (मृ=नाश होना, जिससे अँधेरा नष्ट हो जाता है) पन्ना, हरिन्मणि, जमुर्रुद.
मरखपना (हि. मुहा.) मर जाना, मर मिटना.
मरघट (हि. पु.) (सं. मरघट्ट) मसान, वह जगह जहाँ मुर्दा जलाया जाता है.

मरण (सं. पु.) (मृ=मरना, मौत, नाश, विनाश.

मरना (हि. क्रि. अ.) जी निकलना, प्राण छूटना, किसी चीजको बहुत चाहना.

मर पचना (हि. मुहा.) बहुत दुःख सहना, बहुत मिहनत करना.

मरणप्राय (सं. गु.) निकटमृत्यु.

मरम (हि. पु.) (सं. मर्म) छिपी बात, भेद, अभिप्राय, सारबात, हृदय आदि अंग.

मराल (सं. पु.) (मृ=मारना) हंस, राजहंस, मेघ. (गु.) साफ, स्वच्छ.

मरी (हि. पु.) (सं. मारी) महामारी, मारनेवाला रोग.

मरीचि (सं. पु.) (मृ=नाश करना) सप्त ऋषियोंमेंका एक ऋषि, ब्रह्माका बेटा. (स्त्री.) किरण.

मरीचिमाला (सं. स्त्री.) किरणसमूह.

मरीचिमाली (सं. पु.) सूर्य.

मरु (सं. पु.) निर्जलदेश, मरुस्थल, मारवाड, बिन पानीका जंगल.

मरुत् (सं. पु.) (मृ=मारना) जिनको इन्द्रने दितिके गर्भमें मारकर उनचास टुकडे कियेथे उसके नाम ये हैं १ एकज्योति, २ द्विज्योति, ३ त्रिज्योति, ४ ज्योति, ५ एकशक्र, ६ द्विशक्र, ७ त्रिशक्र, ८ इन्द्र, ९ गतदृश्य, १० तत, ११ पतिसकृत, १२ पर, १३ मित, १४ संमित, १५ सुमति, १६ ऋतजित, १७ सत्यजित, १८ सुषेण, १९ सेनजित, २० अन्तिमित्र, २१ अनमित्र, २२ पुरुमित्र, २३ अपराजित, २४ ऋत, २५ ऋतवाह, २६ धर्ता, २७ धरुण, २८ ध्रुव, २९ विधारण, ३० देवदेव, ३१ ईदक्ष, ३२ अदक्ष, ३३ व्रतिन, ३४ असदक्ष, ३५ समर, ३६ धाता, ३७ दुर्ग, ३८ धिति, ३९ भीम, ४० अभियुक्त, ४१ अपात्, ४२ सह, ४३ द्युति, ४४ वपु, ४५ अनाप्य, ४६ अयवास, ४७ काम, ४८ जय, ४९ विराट. इसकी कथा श्रीमद्भागवतमें यों लिखी है, एक बार दैत्योंकी माता दिति इस विचारसे अपने पति कश्यपजीके बतलानेसे अगहनका व्रत करने लगी कि मेरे ऐसा बेटा हो कि जो इन्द्रको मार डाले. इन्द्रको इस बातके सुननेसे बडा डर हुआ. तब इन्द्र ब्राह्मणका रूप बनकर दितिकी टहल करने लगा. एक दिन दिति शिरका बाल खुला छोडकर जूठे मुँह सोगई. ये दोनों बातें व्रतमें अशुद्ध होनेसे इन्द्र अपना छोटा रूप बनाके वज्र लिये दितिके पेटमें घुस गया और वहां जाकर गर्भमें जो बालक था उसके सात टुकडे कर डाला. तब वे सातों रोने लगे. फिर इन्द्रने एक एकके सात २ टुकडे किया पर परमेश्वरकी कृपासे और दितिके व्रतके प्रतापसे कोई नहीं मरा. उन सातोंके उनचास बालक होकर रोते हुये बोले कि इन्द्र अब हमको मत मारो हम तुम्हारी सहायता करेंगे. यह देखकर इन्द्र उन लडकोंसे बोला कि अब तुम मत रोओ, मरुत नाम होकर मेरे साथ रहो, फिर इन्द्र उन उनचासों बालकों समेत गर्भकी राह बाहर निकल आया इस लिये मरुत नाम पडा. हवा, वायु, पवन, देवता.

मरुस्थल (सं. पु.) निर्जलदेश, मरुभूमि, मारवाड, रेगिस्तान.

मर्कट (सं. पु.) बन्दर, वानर, कपि.
मर्कटी (सं. स्त्री.) बनरी, बटजीरा.
मर्त, मर्त्य } (सं. पु.) मनुष्य, आदमी.
मर्त्यलोक (सं. पु.) मनुष्यलोक, पृथ्वी, यह संसार.
मर्दक (सं. पु.) प्रेषक, लोढा, शिलका बट्टा.
मर्दन (सं. पु.) मलना, रगडना, चूर करना, नाश करना.
मर्दित (सं. पु.) चूर्णित.
मर्दनियाँ (सं. पु.) नौकर जो शरीरका मैल उतारनेके लिये तेल आदि मलते हैं.
मर्म (सं. पु.) भेद, छिपी बात, मतलब, शरीरके जोड, शरीरके अंग जिनके टूटनेसे आदमी जी नहीं सक्ता.
मर्मी (सं. पु.) भेदी, भेद जाननेवाला.
मर्मज्ञ (सं. पु.) भेद जाननेवाला, बुद्धिमान्.
मर्यादा (सं. स्त्री.) मान, पत, प्रतिष्ठा, इज्जत, सीमा, हद्द.
मर्श, मर्शण } (सं. पु.) स्मरण, विचार, सम्मति.
मर्ष, मर्षण } (सं. पु.) तितिक्षा, सहना, बर्दास्त.
मल (सं. पु.) मैल, तलछट, गाद, पाप. (-गु.) मैला.
मलग्राही, मलापकर्षी } (सं. पु.) भंगी, खाकरोब.
मलना (हि. क्रि. स.) रगडना, मसलना, मींजना, घिसना.
मलमल (हि. स्त्री.) एक तरहका कपडा.
मलमास (हि. पु.) अधिक महीना, लौंद.
मलमट करना (हि. मुहा.) नष्ट करना.
मलराशि (सं. स्त्री.) पापकी राशि.
मलय, मलयागिरि } (सं. पु.) (मल=रखना) एक पहाड जो दक्षिणमें है और जहां बहुत अच्छा चन्दन होता है.
मलयागीरी, मलागीरी } (हि. पु.) चन्दनका रंग.
मलार (हि. स्त्री.) (सं. मल्लार) एक रागिणीका नाम जो बरसातमें गाई जाती है.
मलिन (सं. गु.) (मल=मैल) मैला.
मलीन (हि. गु.) अशुद्ध, अपवित्र, बुरा, उदास, घबराया हुआ.
मलिनचित्त (सं. पु.) कपटी, दगाबाज, बुरे दिलका.
मलिन्द (सं. पु.) भ्रमर, भौंरा.
म्लेच्छ (सं. पु.) मैली जातिके लोग, जंगली, असभ्य, वे लोग जिनकी बोली संस्कृत नहीं है और न वे लोग हिन्दुओंके शास्त्रको मानते हैं.
मल्ल (सं. पु.) पहलवान, बलवान, कुश्ती करनेवाला.
मल्लयुद्ध (सं. पु.) कुश्ती, पहलवानोंकी लडाई, भिडाभिडी, बाहुयुद्ध.
मल्लिका (सं. स्त्री.) चमेली.
मशक (सं. पु.) मच्छड, मच्छा, मसा, डाँस.
मशक (फा. स्त्री.) एक तरहका चमडेका थैला जिसमें पानी लाया जाता है.
मशहरी (हि. स्त्री.) एक कपडा जिसको मच्छरोंसे बचनेके लिये पलंगपर तानते हैं.
मष्ट (हि. स्त्री.) मौन, चुप.
मष्ट मारना (हि. मुहा.) चुप रहना, मौन रहना, खामोश रहना.
मसकाना (हि. क्रि. अ.) फाडना, चीरना, दरकाना.

मसलना (हि· क्रि. स.) कुचलना, मलना, मांजना.
मसान (हि. पु.) (सं. श्मशान) मरघट, मुर्दाघाट, श्मशान.
मसी (सं. स्त्री.) स्याही, काली, रोशनाई.
मसीपात्र (सं. पु.) दवात.
मसूडा } मसोडा } (हि. पु.) दाँतोंके ऊपरका माँस.
मसूर (सं. पु.) एक अनाज जिसकी दाल बनती है.
मसें (सं. स्त्री.) मेंछें निकलनेके पहलेके बहुत छोटे २ बाल.
मसोसना (हि. क्रि. स.) ऐंठना, मरोडना, निचोडना, कुढना, कल्पना.
मस्तक (सं. पु.) माथा, शिर, कपाल.
मस्तूल (हि. पु.) पोर्तुगाली भाषाका शब्द Masto या Mastro से नावका डंडा जिसपर पाल ताना जाता है.
महँगा (हि. गु.) (सं. महार्घ) बडे मोलका, बहुत मोलका, बेशकीमत.
महँगी (हि. स्त्री.) काल, अकाल, गरानी, कुसमय. (गु.) महँगा शब्दका स्त्रीलिंग.
महक (हि. स्त्री.) सुगन्ध, सुवास, गन्ध, खुशबू.
महत् (सं. गु.) (मह्=पूजना वा बढना) बडा, श्रेष्ठ, उत्तम, मानने योग्य, पूजने योग्य. (स्त्री.) बडाई, मान, प्रतिष्ठा.
महतारी (हि. स्त्री.) मा, माता.
महतो (हि.) (सं. महत्) वह आदमी जो जमींदारकी तरफसे गाँवमें महसूल उगाहनेके लिये नियत किया जाय, चौधरी, सजावल.
महत्त्व (सं. पु.) बडाई, बडप्पन.

महना (हि. क्रि. स.) मथना, बिलोना.
महन्त (सं. पु.) (महत्) मठधारी, गुसाँई अथवा बैरागियोंका प्रधान.
महर (हि. पु.) प्रधान.
महरा (हि. पु.) कहार, भोई, पाल्की उठानेवाला.
महरि } महरी } (हि. स्त्री.) (सं. महिला) स्त्री, भार्या, पत्नी, लुगाई.
महर्षि (सं. पु.) परमऋषि, वेदव्यास आदि बडे ऋषि.
महा (सं. पु.) बडा, उत्तम, श्रेष्ठ, बहुत.
महाकाय (सं. पु.) शिवका द्वारपाल, नन्दी, हाथी. (गु.) बडा मोटा शरीरवाला.
महाकाल (सं. पु.) प्रलयके समयमें महादेवका रूप.
महाकाली (सं. स्त्री.) देवी, दुर्गा.
महाकोढ (हि. पु.) (सं. महाकुष्ठ) बडा कोढ.
महाघोर (सं. गु.) बडा भयानक, बहुत डरानेवाला. (पु.) एक नरकका नाम.
महाजन (सं. पु.) बडा आदमी, कोठीवाल, साहूकार.
महाजनी (हि. स्त्री.) महाजनका काम, कोठीवाली.
महातम (हि. पु.) (सं. माहात्म्य) बडाई, प्रतिष्ठा.
महात्मा (सं. गु.) सज्जन, महाशय, उत्तम, श्रेष्ठ.
महादेव (सं. पु.) शिव, महेश.
महान् (सं. पु.) महत्तत्व. (गु.) बडा, श्रेष्ठ.
महानस (सं. पु.) पाकस्थान, चूल्हा. (गु.) अतिप्रसन्न, हर्षद.

महानुभाव (सं. गु.) प्रतापी, तजरुवाकार.
महापातक (सं. पु.) बडापाप, महापातक.
महापाप (सं. पु.) बडापाप, महापातक.
महापुरुष (सं. गु.) बडा आदमी, महात्मा, साधु, सज्जन.
महाप्रभु (सं. पु.) परमेश्वर, शिव, महाराजा, पवित्र मनुष्य.
महाप्रलय (सं. पु.) सृष्टिका नाश जो हर एक ४३२०००००० बरसों पीछे होता है, सारी सृष्टिका नाश जो ब्रह्माके १०० बरसके पीछे होता है जिस बरसका हरएक दिन ऊपर लिखे बरसोंके बराबर होता है और ब्रह्माकी रातभी इतनेही बरसोंकी होती है. इस महाप्रलयमें ऋषि मुनि देवता और ब्रह्मासमेत सातों लोक नष्ट हो जाते हैं.
महाप्रसाद (सं. पु.) देवताका भोग या नैवेद्य, जगन्नाथजीका प्रसाद.
महाबली (सं. गु.) बडा बलवान्, बडा पराक्रमी.
महाभटमानी (सं. पु.) बडा योद्धा माननेवाला.
महाभारत (सं. पु.) एक बहुत बडा इतिहास जो पद्यमें लिखा हुआ है, भरतवंशी राजा कौरवों और पांडवोंकी बडी लडाई जो कुरुक्षेत्रके मैदानमें हुई थी.
महाभूत (सं. पु.) पंचतत्व, पृथ्वी, जल, तेज, वायु, आकाश.
महामाया (सं. स्त्री.) दुर्गा, देवी, शक्ति.
महाराज (सं. पु.) बडा राजा, राजाधिराज.
महाराजाधिराज (सं. पु.) सबसे बडा राजा.
महारानी (हि. स्त्री.) राजाकी बडी रानी, पाटरानी.
महार्घ (सं. गु.) बडे मोलका, बहुमूल्य.
महालक्ष्मी (सं. स्त्री.) संपदा, संपत्ति, ऐश्वर्य, अठारह भुजाकी देवी, लक्ष्मी,
महावट. (हि. स्त्री.) माघमहीनेका मेह.
महावत (हि. पु.) हाथीवान.
महावर (हि. पु.) लाखी रंग.
महावीर (सं. पु.) बडा शूरवीर, हनुमान्.
महाशय (सं. गु.) सज्जन, महात्मा, उदार, बडा और भला आदमी.
महाश्वेता (सं. स्त्री.) सरस्वती.
महि } महीे } (सं. स्त्री.) धरती, धरणी, जमीन, पृथ्वी.
महिदेव (सं. पु.) भूमिदेव, ब्राह्मण.
महिपाल } महीपाल } (सं. पु.) राजा, महाराजा.
महिमन् (सं. पु.) महत्व, बडाई, कीर्ति.
महिमा (सं. स्त्री.) बडाई, सराह.
महिला (सं. स्त्री.) नारी, स्त्री, मालकँकुनी.
महिष (सं. पु.) (मह्=पूजना, जो यज्ञमें या बलिदानके समय पूजा जाता है) भैंसा.
महिषासुर (सं. पु.) एक राक्षसका नाम जिसको दुर्गाने मारा.
महिषी (सं. स्त्री.) भैंस, रानी.
महिषेश (सं. पु.) महिषासुर, यमराज.
मही } मह्यो } (हि. पु.) (सं. मथित) छाछ, मट्ठा.
महीधर (सं. पु.) पहाड, पर्वत, डूँगर.
महीना (हि. पु.) (सं. मास) तीस दिन, मासिक, तीस दिनकी मजदूरी.
महीप (सं. पु.) राजा नृपति, महिपाल,
महीपति (सं. पु.) राजा, भूप, नृप.

महीरुह (सं. पु.) वृक्ष, वनस्पति.
महीसुर (सं. पु.) ब्राह्मण, विप्र.
महुआ (हि. पु.) (सं. मधूक) एक पेड जिसका फल मीठा होता है और उसकी मदिरा बनाई जाती है.
महूरत (हि. पु.) (सं. मुहूर्त्त) दो घडी.
महेन्द्र (सं. पु.) इन्द्र, महाराजाधिराज, एक पहाडका नाम.
महेश. } महेश्वर } (सं. पु.) महादेव, शिव.
महोक्ष (सं. पु.) बडा बैल, नन्दिकेश्वर.
महोत्सव. (सं. पु.) बडा तिहवार, बडा पर्व, बडा दिन.
महोदय. (सं. पु.) कान्यकुब्जदेश, कन्नौज. (गु.) प्रतापी नामवर.
मा (सं. स्त्री.) (मा=शोभना, या आदर करना) शोभा, लक्ष्मी, माता. (क्रि. वि.) मत, नहीं.
मा } माई } (हि. स्त्री.) (सं. माता) मैया, महतारी.
माँग (हि. स्त्री.) लुगाइयोंके शिरमें एक लकीरसी होती है जहांसे बाल जुदे किये जाते हैं, वह कुँआरी लडकी जिसकी सगाई हुई हो.
माँगना (हि. क्रि. स.) चाहना, याचना, सगाई करना, सम्बन्ध करना, निस्बत करना.
माँजना (हि. क्रि. स.) (सं. मार्जन) मलना, उजला करना, साफ करना.
माँजा } माँझा } (हि. पु.) एक रोग जो मछलियोंको बहुत होता है, वर्षाके नवीन जलका फेना.
माँझ (हि. पु.) (सं. मध्य) बीच, मध्य, माँझधार=नदीके बीचमें.
माँझा (हि. पु.) पतंगकी डोर, जिसमें काँच पीसकर और लेई या गोंदसे मिलाकर लगाया जाता है जिससे दूसरेकी पतंगकी डोरको काटते हैं.
माँझी (हि. पु.) नाविक, नावका मालिक.
माँड (हि. पु.) (सं. मण्ड) भातका पानी.
माडना (हि. क्रि. स.) (सं. मर्दन) मलना, माँजना, मसलना, करना, रचना, बनाना.
माँद (हि. स्त्री.) जंगली जानवरकी गुफा. (गु.) हल्का, फीका, सीठा.
मांस (सं. पु.) गोश्त, सालन.
मांसल (सं. गु.) स्थूल, मोटा.
मांसाद (सं. पु.) मांस खानेवाला, गोश्तखार.
मांसाहारी (सं. पु.) मांस खानेवाला, मांसभक्षी.
मांसभक्षक } मांसभक्षी } (सं. पु.) मांस खानेवाला, मांसाहारी.
माँह } माँहि } (हि.) (सं. मध्य) में, भीतर, बीच.
माखना (हि. क्रि. अ.) क्रोध करना, कोपना, खिसियाना.
माखित (हि. गु.) क्रोधित, खिसिआया हुआ, ईर्षा या द्वेष डाह करता हुआ.
मागध (सं. गु.) मगधदेशका. (पु.) भाट या कड़खैत जिनका काम राजाओंकी और बडे आदमियोंकी बडाई करनेका है.
माघ (सं. पु.) बरसका ग्यारहवां महीना.
माछी (हि. स्त्री.) (सं. मक्षिका) मक्खी, माखी.
माजूफल } माँजूफल } (हि. पु.) एक फल जो दवाईमें काम आता है.

मिहना (हि. पु.) बोलीठोली, ताना.

मिहराऊ, मिहरिया, मिहरी (हि. स्त्री.) (सं. महिला) लुगाई, नारी, स्त्री.

मिहिका (सं. स्त्री.) नीहार, कुहिरा, हिम, बर्फ.

मिहिर (सं. पु.) सूर्य.

मींजना (हि. क्रि. स.) मसलना, मलना, रगडना.

मीच (सं. स्त्री.) (सं. मृत्यु) मौत, कजा.

मीचना (हि. क्रि. स.) आँख बन्द करना, मूंदना.

मीठा (हि. गु.) मधुर, मिष्ट, धीमा. (पु.) चुम्बा, बोसा.

मीणा (हि. पु.) जंगली आदमियोंकी एक जात जो चोर और डाकू होते हैं.

मीत (हि. पु.) (सं. मित्र) मित्र, दोस्त, सुजन, सुहृद्, सखा.

मीन (सं. स्त्री. पु.) मछली, एक राशिका नाम.

मीनकेतन (सं. पु.) कामदेव.

मीमांसक (सं. पु.) मीमांसा शास्त्रका जाननेवाला, विचार करनेवाला.

मीमांसा (सं. स्त्री.) छः शास्त्रोंमेंका एक शास्त्र, सिद्धान्त, विचार.

मीमांसित (सं. पु.) विचारित, विचारा गया.

मिमियाना, मीमियाना (हि. क्रि. अ.) मेंमें करना, बकरीके बच्चेका बोलना.

मीलन (सं. पु.) टिमकाना, टमटमाना.

मीलित (सं. पु.) संकुचित, बंधित.

मुँह, मूँह (हि. पु.) (सं. मुख) मुखडा, मुख, वदन, चेहरा, बल, शक्ति, जोर, योग्यता.

मुँह अँधेरा (हि. मुहा.) संध्या, साँझ, शाम, कुछकुछ अँधेरा.

मुँह अपनासा लेके फिर जाना (हि. मुहा.) निराश होकर चला जाना.

मुँहलाना (हि. मुहा.) मुँह फलना, मुँहमें छाले हो जाना.

मुँहामुँह (हि. मुहा.) खूब भरापूरा, लबालब.

मुँह उतर जाना (हि. मुहा.) उदास हो जाना.

मुँह करना (हि. मुहा.) सामने होना, मिलाना, बराबरी देना, गाली, देना, फोडे छेद करना, फोड या घावका फूटना सबसे पहले हमला करना, किसी चीज या जगहकी ओर देखना या उस तरफ पाँव उठाना.

मुँहका फूहड (हि. मुहा.) बुरी बात बोलनेवाला, बदजबान, निन्दक.

मुँहकाला (हि. मुहा.) कलंक, अपमान, बुरा, अनादर.

मुँह काला करना (हि. मुहा.) कलंक लगाना, दाग़ लगाना, आबरू उतारना, सजा देना.

मुँह खोलना (हि. मुहा.) गाली देना, निन्दा करना.

मुँह चढाना (हि. मुहा.) हिलमिल जाना, मुँह लगना, सामना करना, सन्मुख होना.

मुँह चलाना (हि. मुहा.) काटना, या काटा चाहना.

मुँहचोर (हि. मुहा.) शरमीला, लजीला, डरपोकना.

मुँहचोरी (हि. मुहा.) लाज, शरम.

मुँह छिपाना (हि. मुहा.) लाजसे मुँह ढकना.

मुँह ठठाना (हि. मुहा.) किसीके मुँहपर तमाचा मारना, थप्पड मारना.
मुँह डालना (हि. मुहा.) माँगना, याचना, चाहना, काटना (जैसे घोडा).
मुँह तकना (हि. मुहा.) चकित रह जाना, भौंचक रहना, घबरना, व्याकुल होना.
मुँह तोडना (हि. मु.) खिझाना, मुँहमें मारना, तकलीफ देना.
मुँह तो देखो (हि. मुहा.) यह मुहावरा उस जगह बोला जाता है जब कोई आदमी अपनी ताकत या योग्यतासे अधिक कोई काम करनेका बहाना करता है.
मुँह थुथाना (हि. मुहा.) मुँह बनाना.
मुँहदिखाई (हि. स्त्री.) जब कि नई दुल्हन आती है उसको उसकी सास ननद आदि ससुरालकी लुगाइयाँ मुँह देखकर रुपया अथवा गहना आदि देती हैं उसको मुँहदिखाई कहते हैं.
मुँह देखकर बात करना (हि. मुहा.) खुशामद करना, ऐसी बात कहना जो सुननेवालेके मन भावे.
मुँह देखना (हि. मुहा.) मदद चाहना, सहायता माँगना, किसीका बहुत आदर सन्मान करना, घबराना, बेवश होना.
मुँह देख रहना (हि. मुहा.) अचंभेमें किसीका मुँह ताकना.
मुँह देखेकी प्रीत (हि. मुहा.) किसीके सामने प्यारकी बातें करना और उसके पीठ पीछे उसका कुछ ध्यान नहीं करना, दिखाऊ मिताई अथवा प्यार.
मुँहपर गर्म होना (हि. मुहा.) बडे आदमीके अथवा अपने अफसरके सामने बेअदबी अथवा ढिठाईसे बोलना.
मुँहपर लाना (हि. मुहा.) कहना, जताना.
मुँहपर हवाई उडना (हि. मुहा.) मुँहका रंग बदल जाना.
मुँह पसारना (हि. मुहा.) अचंभेमें होके मुँह फाडना, जमुहाना.
मुँह फेरना (हि. मुहा.) किसी कामके करनेसे रुक जाना.
मुँह फैलाना (हि. मुहा.) घमंड करना, बहुत चाहना, जमुहाई लेना.
मुँह बन्द करना (हि. मुहा.) किसीको चुप करना, जीभ पकडना.
मुँह बनाना (हि. मुहा.) मुँह थुथना, भौं टेढी करना, त्योरी चढाना.
मुँह बनाना (हि. मुहा.) मुँह खोलना, मुँह फाडना, जमुहाई लेना.
मुँह बिगडना (हि. मुहा.) अप्रसन्न होना, नाराज होना, बुरा मानना, रिसाना, कोई कडी या बुरी चीजके खानेसे मुँहका स्वाद बिगड जाना.
मुँह बिगाडना (हि. मुहा.) भौं टेढी करना, त्योरी चढाना, मुँह बनाना.
मुँह बोला (हि. मुहा.) माना हुआ, किया हुआ, धर्मका, जैसे मुँह बोला भाई=धर्मका भाई, वह आदमी जिसको अपना भाई कर माने.
मुँहभरी (हि. मुहा.) रिशवत, घूस, अकोर.
मुँहमांगा (हि. मुहा.) जैसा चाहा वैसाही, जैसा मुहँसे माँगा वैसाही.
मुँह मारना (हि. मुहा.) चुप रहना, जीभ पकडना, मुँह बन्द करना, काटना.
मुँहमें पानी आना या भर आना. (हि.मुहा.) किसी चीजको बहुत चाहना, किसी चीजके लिये मन बहुत ललचाना.

मुँह मोडना (हि. मुहा.) चला जाना, फिर जाना, किसी कामके करनेसे रुक जाना.

मुँह लगना (हि. मुहा.) मरिच आदि चरपरी चीजसे मुँह जलना, या चरपराना, हिलमिल जाना, पक्का दोस्त होना.

मुँह लगाना (हि. मुहा.) छोटे आदमीसे मेल करना, हिलाना, मुसाहिब बनाना.

मुँह लेके रह जाना (हि. मुहा.) शर्मसे चुप हो जाना.

मुँह सुकडना (हि. मुहा.) मुँहका रंग बदलना.

मुँहसे फूल झडना (हि. मुहा.) गाली देना, धिक्कारना, झिडकना.

मुकरना (हि. क्रि. स.) इनकार करना, न करना.

मुकरी (हि. स्त्री.) एक तरहका छोटा छन्द जिसमें बुझौअलकी तरह बातें होती हैं.

मुकु (सं. पु.) मोक्ष, उत्सर्ग, छोडना.

मुकुट (सं. पु.) ताज, शिरोभूषण, कलँगी.

मुकुन्द (सं. पु.) भगवान, विष्णु.

मुकुम (सं. अव्य.) मोक्ष, निर्वाण.

मुकुर (सं. पु.) दर्पण, बकुलवृक्ष, मौलश्री, कुम्हारका डंडा, मल्लिका वृक्ष.

मुकुल (सं. पु.) थोडी खिली कली.

मुकुलित (सं. पु.) कलियाना, कलिकायुक्त, पुष्पित.

मुक्का (हि. पु.) (सं. मुष्टिका) घूँसा, धौल, चपेट.

मुक्त (सं.) (मुच्=छोडना या छुटना) छोडा हुआ, छूटा हुआ, जिसकी मुक्ति हुई हो, प्रसन्न, आनन्दित, रिहा, बरी, फरागत पाया हुआ.

मुक्तमाल (हि. पु.) मोतीकी माला.

मुक्तहस्त (सं. गु.) बडा दानी, फैय्याज.

मुक्ता (सं. पु.) मोती.

मुक्ता (हि. गु.) बहुत.

मुक्ताफल (सं. पु.) मोती.

मुक्तावली (सं. स्त्री.) (मुक्ता+अवली) मोतीकी माला, मोतीका हार, एक पुस्तकका नाम.

मुक्ताहल } मुकुताहल } (सं. पु.) मोती.

मुक्ति (सं. स्त्री.) छुटकारा, संसारके दुःख अथवा पापसे छूट जाना, मोक्ष, गति, उद्धार, त्राण.

मुख (सं. पु.) मुखडा, मुँह, वदन, चेहरा. (गु.) पहला, प्रधान.

मुखडा (हि. पु.) मुँह, वदन.

मुखभूषण (सं. पु.) पान, बीडा.

मुखर (सं. गु.) (मुख=मुँहकी बात, र=लेना, अर्थात् मुँहमें बुरी बात) कडवी बात बोलनेवाला, दुर्वचन बोलनेवाला. (पु.) प्रधान, मुखिया, शब्द, काक, शंख.

मुखलांगल (सं. पु.) शूकर, सूअर.

मुखवल्लभ (सं. पु.) दाडिम, अनार.

मुखागर (हि. पु.) (सं. मुखाग्र) जबानी, मुँहसे कहना, लगाम.

मुखिया (हि. गु.) (सं. मुख्य) प्रधान, मुख्य, पहला.

मुख्य (सं. गु.) प्रधान, मुखिया, पहला, श्रेष्ठ.

मुग्ध (सं. गु.) मूर्ख, अज्ञानी, सुन्दर, मनोहर, कमसिन.

मुग्धा (सं. स्त्री.) जवान और सुन्दर स्त्री, एक प्रकारकी नायिका.

मुचकुन्द (सं. पु.) सूर्यवंशी राजा

मान्धाताका बेटा; जिसको श्रीकृष्णने मुक्ति दी.

मुजरा (हि. पु.) सलाम, प्रणाम, राम-राम, नमस्कार, राजपुतानेमें " सलाम " या " आदाब " की जगह छोटा बडेको और बराबरीवाला बराबरीवालेको " मुजरा " करते हैं, मिनहा करना, काटना, वेश्याका गान.

मुञ्ज (सं. स्त्री.) मूँज, काँसके छिलके जिसकी रस्सी बनती है.

मुटाई (हि. स्त्री.) } (मोटा) मोटापन,
मुटापा (हि. पु.) } स्थूलता.

मुट्ठी (हि. स्त्री.) (सं. मुष्टि) मुक्की, धुका, धुकटा, मुक्का.

मुठभेड (हि. मुहा.) सामना होना.

मुठिया (हि. स्त्री.) (सं. मुष्टिका) मुट्ठीभर, हाथभर.

मुडना (हि. क्रि. अ.) पीछे हट जाना, झुक जाना, बल खाना, टेढा होना.

मुड (हि. पु.) (सं. मुण्ड) प्रधान, मुखिया, मुख्य.

मुण्ड (सं. पु.) (मुडि=मुँडाना) शिर, माथा, मस्तक, मुँड, कपाल, एक राक्षसका नाम जिसको दुर्गाजीने मारा, मुडाया हुआ.

मुण्डखई (हि. स्त्री.) बकवाद करना, सिर खाना, बेफायदा बकना.

मुण्डन (सं. पु.) मुडाना, बाल बनाना, हिन्दुओंमें एक रीति है कि पहलेही पहल किसी देवताके सामने लडकेके बाल कतराते हैं उसको मुण्डन या मुण्डना कहते हैं.

मुण्डक (सं. पु.) नाई, हज्जाम, नापित.

मुण्डमाला (सं. स्त्री.) आदमियोंके शिरोंकी माला.

मुण्डित (सं. पु.) मुंडा हुआ, भद्र.

मुण्डी (सं. पु.) नाई, हज्जाम, नापित, संन्यासी.

मुण्डिया (हि. पु.) शिर, माथा, मस्तक.

मुद् } (सं. स्त्री.) (मुद्=प्रसन्न होना)
मुदा } प्रसन्नता, खुशी, हर्ष, आनन्द, सुख.

मुदित (सं. पु.) प्रसन्न, हर्षित, आनन्दित, खुश.

मुदिर (सं. पु.) कामुक, कामी, मेघ.

मुदी (सं. स्त्री.) चन्द्रिका, प्रीति, हर्ष.

मुद्ग (सं. पु.) मूँग अन्न, कनात, तम्बू, झूल, परदा, गिलाफ.

मुद्गर (सं. पु.) एक बहुत भारी पत्थर जिसके बीचमें पकडनेको कटा हुआ कबजा होता है जिसको मल्ल और पहलवान हाथसे पकडके ऊँचा उठाते हैं, बेलेका वृक्ष.

मुद्रा (सं. स्त्री.) रुपया अशर्फी आदि, छाप, मोहर, अँगूठी, छल्ला, योगियोंके कानोंके कुण्डल, संध्यापूजामें अंगुलियोंको आपसमें मिलाना जैसे धेनुमुद्रा योनिमुद्रा आदि, टकसाल.

मुद्रिका (सं. स्त्री.) ऐसी अंगूठी जिसपर अपना नाम खुदा हो.

मुद्रित (सं. पु.) छापा हुआ, छापा गया, मोहर लगा हुआ, नहीं लिखा हुआ.

मुधा (सं. क्रि. वि.) (मुह्=अज्ञानी होना अचेत होना) झूठ, वृथा, व्यर्थ, निरर्थक, बेफायदह.

मुनि (सं. पु.) (मन=जानना) ऋषि तपस्वी, तपी, ज्ञानी, सातकी संख्या, दुःख सुखमें एकसा रहे राग भय और क्रोध रहित स्थिर बुद्धि मुनि कहाता है.

मुनिघरनी (सं. स्त्री.) मुनिकी स्त्री.

मुनिन्द (हि. पु.) (सं. मुनीन्द्र) बडा ऋषि, श्रेष्ठ मुनि, मुनीश, ऋषिराज.

मुनिपट (सं. पु.) वल्कल, भोजपत्र.

मुनिपुंगव (सं. पु.) मुनियोंमें श्रेष्ठ.

मुनिराज (सं. पु).
मुनिराय (हि. पु.) } प्रधान ऋषि, मुनीश.

मुनिन्दा (हि. पु.)
मुनीन्द्र (सं. पु.)
मुनीश (सं. पु.) } मुनिवर, बडा ऋषि.

मुन्दना (हि. क्रि. अ.) बन्द होना, मिचना.

मुन्यन्न (सं. पु.) नीवार, तिन्नीका चाँवर.

मुमुक्षु (सं. पु.) मुक्ति चाहनेवाला.

मुमूर्षु (सं. पु.) मृतप्राय, आसन्नमृत्यु.

मुर (सं. पु.) एक राक्षसका नाम जिसको श्रीकृष्णने मारा.

मुराई (हि. स्त्री.) (सं. मूल) मूली.

मुरकी (हि. स्त्री.) कानका एक गहना.

मुरचग (हि. स्त्री.) एक तरहका बाजा.

मुरझाना (हि. क्रि. अ.) (सं. मूर्च्छन) सुख जाना, कुम्हलाना.

मुरली (सं. स्त्री.) वंशी, बाँसुरी.

मुरलीधर (सं. पु.) श्रीकृष्ण, वंशीधर.

मुरारि (सं. पु.) श्रीकृष्ण, विष्णु.

मुर्रा (हि. पु.) छछून्दर, पटाखा.

मुलतानी (हि. स्त्री.) एक रागिनीका नाम. (गु.) मुलतानकी.

मुलहट्ठी (हि. स्त्री.) जेठीमधु.

मुलाई (हि. स्त्री.) अकाव, कूँत, निरख.

मुलाना (हि. क्रि. स.) (सं. मूल्य) मोल करना, भाव ठहराना, आँकना.

मुश्कें बाँधना
मुश्कें चढाना } (हि. मुहा.) हाथ पीठ पीछे बाँधना.

मुष्क (सं. पु.) अण्डकोश, वृषण, फोता, चोर, समूह, कस्तूरी, स्थूल, मोटा.

मुष्ट (सं. पु.) हृत, चोरित, चोरी.

मुष्टि (सं. स्त्री.) मुट्टी, मुक्की, मुठी.

मुसकान (हि. स्त्री.) मुसकुराहट, मुसकुराई, धीरे २ हँसना.

मुसकाना (हि. क्रि. अ.) मुसकुराना.

मुसल
मूसल } (सं. पु.) चावल आदि नाज कूटनेका सोंटा.

मुसलमान (अं. पु.) मुहम्मदका मत माननेवाला.

मुसली (सं. पु.) बलभद्र.

मुस्ताजिरी (फा. पु.) ठेका.

मुहाना (हि. पु.) नदीका मुँह.

मुहिर (सं. पु.) कामदेव, मूर्ख, खल्वाट, गंजा.

मुहुर्मुहु (सं. अव्य.) पुनः पुनः, बारंबार.

मुहूर्त्त (सं. पु.) दो घडी, दिन रातका तीसवां भाग.

मूँग (हि. पु.) एक तरहका अनाज जिसकी दाल बनती है.

मूँगा (हि. पु.) एक चीज जो समुद्रमें मिलती है और जिसकी माला बनती है उसको नौ रतनोंमें एक रत्न गिनते हैं, विद्रुम, प्रवाल.

मूँगिया (हि. पु.) मूँगाके ऐसा रंग.

मूँछ (हि. स्त्री.) होठपरके बाल, मोछ.

मूँज (हि. स्त्री.) एक तरहकी घासके छिल्के जिनकी रस्सी बनती है.

मूँड
मूड } (हि. पु.) (सं. मुण्ड) माथा, शिर, मस्तक, कपाल.

मूँड फिकारना (हि. मुहा.) सिरनंगा करना.

मूँडना (हि. क्रि. स.) बाल काटना या कतरना, हजामत करना, चेला करना, शिष्य बनाना, फुसलाना, ठगना.

मूँडी (हि. स्त्री.) शिर.

मूँदना (हि. क्रि. स.) बंद करना, मीचना, ढकना.
मूँदरी (हि. स्त्री.) (सं. मुद्री) अँगूठी, छल्ला, मुंदरी.
मूक (सं. गु.) (मू=बन्ध होना) गूँगा, जो नहीं बोल सक्ता, अवाक्, मौन. (पु.) मत्स्य, दीन, प्रेत.
मूकना (हि. क्रि. स.) छोडना, त्यागना.
मूकी (हि. स्त्री.) मुक्की, मुट्ठी.
मूछ (हि. स्त्री.) मूँछ, मोंछ, होठपरके वाल.
मूठ (हि. स्त्री.) बेंट, कबजा, दस्ता, मुक्की, मुट्ठी, मुट्ठीभर.
मूठा (हि. पु.) भरमूठ, हाथभर, मुक्का, कबजा.
मूठी (हि. स्त्री.) मुक्की, मुट्ठी, घूँसा.
मूढ (सं. पु.) (मुह=अचेत होना या अज्ञानी होना) मूर्ख, अनपढ, गँवार.
मूत (हि. पु.) पिशाब, लघुशंका.
मूत्रकृच्छ्र (सं. पु.) पथरीरोग, मूतका बन्द होना.
मूर } मूरि } (हि. पु.) (सं. मूल) जड.
मूरख (हि. गु.) अज्ञानी, अनाडी.
मूरत (हि. स्त्री.) (सं. मूर्ति) पत्थर अथवा लकडीकी बनी हुई सूरत, प्रतिमा, पुतली, आदमी.
मूर्ख (हि. गु.) अज्ञानी, अनाडी, मूढ.
मूर्छा (सं. स्त्री.) झाँवं, गश, बेहोशी, मोह, अचेत होना.
मूर्छित (सं. गु.) अचेत, बेसुध, बेहोश, मोहित.
मूर्त्ति (सं. स्त्री.) मूरत, सूरत, पुतली, प्रतिमा.

मूर्द्धन्य (सं. गु.) शिरका, शिर संबन्धी जो तालुके नीचे जीभ लगानेसे बोले जाँय.
मूर्द्धा (सं. पु.) शिर, मस्तक, माथा, शीश, कपाल.
मूल (सं. पु.) जड, असल, वंश, कुल, सन्तान, पूंजी, उन्नीसवाँ नक्षत्र.
मूलक (सं. पु.) मूली, मुरई.
मूलकारिका (सं. स्त्री.) महानस, रसोई, चूल्हा, चूल्ही.
मूलधन (सं. पु.) असल पूँजी, मूलद्रव्य.
मूलभूत (सं. पु.) जड, असलियत.
मूल्य (सं. पु.) मोल, कीमत, दाम, भाव, निरख, दर, दाम.
मूष } मूषक } मूषिक } (सं. पु.) मूसा, चूहा, चोर.
मूषिका (सं. स्त्री.) मुसरिया.
मूसना (हि. क्रि. स.) (सं. मुष्=चुराना) चुराना, खोसना, लूटना.
मूसला (हि. पु.) असल जाड.
मूसलाधार बरसना (हि. मुहा.) बहुत जोरसे मेह बरसना.
मूसा (हि. पु.) (सं. मूषक) चूहा.
मृग (सं. पु.) (मृग्=खोजना) पशुमात्र सब चौपाये जानवर, हरिन, कुरंग, हाथी, पाँचवां नक्षत्र, खोजना.
मृगछाला (हि. स्त्री.) हरिनका चमडा, हरिनकी खाल.
मृगणा (सं. स्त्री.) जाती रही द्रव्यका खोजना.
मृगतृषा } मृगतृष्णा } मृगतृष्णिका } (सं. स्त्री.) (मृग=पशु, तृष्णा=प्यास) एक तरहकी भाफ जो रेतके मैदानोंमें वालूरेतके कणोंपर पडती है तब

दूरसे पानीके ऐसी जानी जाती है। अथवा रेतले देशोंमें बालूके कणोंपर सूर्यकी किरणके पडनेसे दूरसे पानी ऐसी दिखाई देती है तब प्यासे हरिण उस ओर पानीके लिये जाते हैं पर पानी न पाकर उलटे फिर आते हैं इसलिये ऐसा नाम पड़ा, आबसुराब.

मृगनयनी (सं. स्त्री.) वह स्त्री जिसकी आँखें हरिणीकी ऐसी हों, सुन्दर स्त्री, रूपवती.

मृगनाभि (सं. स्त्री.) कस्तूरी, मृगमद.

मृगपति (सं. पु.) पशुओंका राजा, सिंह, शेर.

मृगमद (सं. पु.) कस्तूरी.

मृगया (सं. स्त्री.) शिकार, अहेर.

मृगयु (सं. पु.) व्याध, शिकारी.

मृगराज (सं. पु.) पशुओंका राजा, सिंह, मृगपति.

मृगलोचनी (सं. स्त्री.) वह स्त्री जिसकी आँखें हरिणकी ऐसी हों.

मृगशिरा (सं. पु.) एक नक्षत्रका नाम.

मृगाङ्क (सं. पु.) चाँद, चन्द्रमा.

मृगित (सं. पु.) अन्वेषित, दर्शित.

मृगी (सं. स्त्री.) हरिणी.

मृगेन्द्र (सं. पु.) पशुओंका राजा, सिंह, मृगपति.

मृग्य (सं. पु.) दर्शनीय, अन्वेषणीय.

मृजा (सं. स्त्री.) मार्जन, माँजना.

मृड (सं. पु.) शिव (स्त्री.) पार्वती.

मृण (सं. पु.) शोक, क्लेश, मट्टी.

मृणाल (सं. पु.) कमलनाल, कमलकी जड.

मृत (सं. पु.) (मृ=मरना) मरा हुआ, मुआ, मुर्दार, मरण, मौत.

मृतक (सं. पु.) मुर्दा, मरा, लोथ, मरा हुआ शरीर.

मृतसंजीवनी (सं. स्त्री.) विद्याभेद, औषधभेद.

मृत्तिका (सं. स्त्री.) मिट्टी, मट्टी.

मृत्यु (सं. स्त्री.) मौत, मरण, काल, यम, कजा.

मृत्युञ्जय (सं. पु.) शिव, महादेव.

मृत्युनाशक (सं. पु.) अमृत, पारा, धातुका रस.

मृत्युपुष्प (सं. पु.) इक्षु, ऊँख, गन्ना फूलनेसे खराब हो जाता है.

मृत्सा } (सं. स्त्री.) प्रशस्तमृत्तिका, मृत्स्ना } श्रेष्ठ मट्टी, तुम्बी, लौकी.

मृदंग (सं. पु.) (मृद=पीटना) ढोलक, तबलक, एक तरहका बाजा, पटह.

मृदु (सं. गु.) कोमल, नर्म, मुलायम.

मृदुता (सं. स्त्री.) कोमलता, नरमाई, मुलायमियत.

मृदुल (सं. पु.) कोमल, नर्म.

मृषा (सं. क्रि. वि.) झूठ, मिथ्या, झूठमूठ, बेफायदह.

मेंड (हि. स्त्री.) बांध, आड, घेरा.

मेंडक (हि. पु.) (सं. मंडूक) बेंग, दादुर.

मेंडुकीको जुकाम होना (हि. मुहा.) यह बोलचाल छोटे और नीचे आदमीका घमण्ड, जतलानेके लिये बोला जाता है.

मेंढा } (हि. पु.) भेडा, मेष.
मेढा }

मेंह } (हि. पु.) (सं. मेघ) बरषा, मेह } पानी, झडी, वृष्टि, बरसात.

मेकलकन्यका } (सं. स्त्री.) नर्मदा नदी.
मेकलसुता }

मेखला (सं. स्त्री.) क्षुद्रघंटिका, करधनी, जनेऊ, तलवारका परतला, पहाड़का उतार या ढाल, नर्मदा नदी.

मेघ (सं. पु.) (मिह्=सींचना) बादल, घन, एक राक्षसका नाम, एक रागका नाम.
मेघध्वनि (सं. स्त्री.) बादलोंका शब्द, गर्ज, गाज, बादलोंका ऐसा शब्द.
मेघनाद (सं. पु.) रावणका बेटा, इन्द्रजित, बादलोंका शब्द, पलासका पेड, वरुण देवता.
मेघपति (हि पु.) बादलोंका राजा, इन्द्र.
मेघवरण (हि. गु.) जिसका रंग बादलोंके ऐसा हो.
मेघमाला (सं. स्त्री.) बादलोंका समूह.
मेचक (सं. गु.) (मच्=पाखण्ड करना) काला, श्याम. (पु.) श्यामवर्ण, काला रंग, मेघ, सुरमा, धुंआ, अन्धकार.
मेचकताई (हि. स्त्री.) कालापन, श्यामता.
मेट (सं. पु.) गर्व, उन्मत्तता.
मेट (अं. पु.) कुलियोंका सर्दार.
मेटना (हि. क्रि. स.) मिटा डालना, धो डालना, छील डालना, उडा देना, नष्ट करना, सत्यानाश करना, लोप करना, काट डालना.
मेढ्र (सं. पु.) मेष, बकरा, भेडा, लिंग.
मेथी (सं. स्त्री.) एक सागका नाम.
मेद (हि. स्त्री.) गूदा, मज्जा, वसा, चर्बी, एक प्रकारकी बीमारीका नाम.
मेदिनी (सं. स्त्री.) पृथ्वी, भूमि, धरती.
मेदुर (सं. गु.) घना, सघन, निबिड, टपा हुआ, शीतल.
मेध (सं. पु.) यज्ञ, बलिदान.
मेधा (सं. स्त्री.) धारणावती बुद्धि, समझ.
मेधाविन् } (सं. गु.) बुद्धिमान, पण्डित,
मेधावी } निपुण.
मेध्य (सं. गु.) पवित्र. (पु.) बकरा, खैर, जौ, हल्दी, गोरोचन.
मेमना (हि. पु.) बकरीका बच्चा.
मेमोरियल (Memorial) (अं. गु.) यादद्दास्त, स्मारक.
मेरु (सं. पु.) सुमेरु पहाड जो हिन्दुओंके मतके अनुसार धरतीके बीचमें है.
मेल (सं. पु.) मिलाप, एका, मिलना, संयोग, सम्बन्ध.
मेलक (सं. पु.) मेलकर्ता.
मेला (सं. पु.) किसी जगहपर बहुतसे आदमियोंका इकट्ठा होना.
मेलाठेला (हि. मुहा.) बहुतसे आदमियोंका इकट्ठा होना, भीडभाड, रेला.
मेली (हि. पु.) साथी, मिलापी, साझी, पहराई, डालदी.
मेवाती (हि. पु.) मेवातका रहनेवाला.
मेष (सं. पु.) भेडा, पहली राशि.
मेहतर (फा. पु.) भंगी, झाडकूश.
मेहतरानी (फा. स्त्री.) भंगन, भटियारी.
मेहन (सं. पु.) लिङ्ग, शिश्न, मूत्रेन्द्रिय, वीर्यपात, पेशाब करना.
मेहना (हि. पु.) ठठोली, ताना.
मेहना मारना (हि. मुहा.) ताना देना, बोल बोलना.
मैका (हि. पु.) माका घर, नहिहर, पीहर.
मैत्र (सं. पु.) मित्रता, अनुराधा नक्षत्र, शौचक्रिया. (गु.) सफाई.
मैत्री (सं. स्त्री.) दोस्ती, मित्राई, प्यार, स्नेह.
मैथिली (सं. स्त्री.) तिरहुतके राजा जनककी बेटी, सीता, जानकी.
मैथुन (सं. पु. स्त्री.) पुरुषका मिलाप, रति, स्त्रीसंग.
मैना (हि. स्त्री.) एक पखेरूका नाम, शारिका, पार्वतीकी माता.

मैनाक (सं. पु.) हिमालय पहाडका बेटा, एक पहाडका नाम जो इन्द्रके डरसे समुद्रमें जा रहा था.

मैया (हि. स्त्री.) मा, माई, महतारी.

मैल (हि. पु.) मल, झाग, मुर्चा.

मैला (हि. गु.) गदला, गंदा, अशुद्ध, अपवित्र, खराब.

मो (हि. सर्वना.) मुझको, मुझे.

मोक्ष (सं. स्त्री.) (मोक्ष=छूट जाना) मुक्ति, छुटकारा, संसारके दुःखसे अथवा पापसे छूट जाना.

मोखा (हि. पु.) एक छोटा छेद जिसकी राहसे धुँआ निकलता है और रौशनी तथा हवा आती है.

मोगरा (हि. पु.) एक तरहका फूल, नीलोफर, कुमोदनी.

मोगरी (हि. स्त्री.) एक लकडीकी बनी हुई भारी चीज जिसको कसरत करनेवाला उठाता है, छत या कपडा कूटनेकी लकडी.

मोघ (सं. गु.) वृथा, बेफायदा, निष्फल, झूठ.

मोच (हि. स्त्री.) लचक, कचक.

मोचन (सं. पु.) छुटकारा, छुडाना, उद्धार, मुक्ति. (पु.) छुडानेवाला.

मोचना (हि. क्रि. स.) छोडना, त्यागना, आँसू ढालना.

मोची (हि. पु.) जूता बनानेवाला, चमार.

मोट } मोठ } (हि. स्त्री.) गठरी, बस्ता, मोटरी, पुलिंदा, गट्ठा, बोझा, जोड, पानी निकालनेका चमडेका डोल.

मोटा (हि. गु.) स्थूल, पुष्ट, जिसके शरीरमें बहुत माँस हो, भारी, बडा, गाढा.

मोटिया (हि. पु.) बोझा ढोनेवाला.

मोठ (हि. पु.) एक तरहका अनाज जिसकी दाल बनती है, घोडोंका दाना.

मोतिया (हि. पु.) एक फूलका नाम.

मोतियाबिंद (हि. पु.) आँखकी एक बीमारी जिसके होनेसे दिखाई नहीं देता.

मोती (हि. पु.) (सं. मौक्तिक) एक रत्न जो समुद्रमें सीपीके मुँहमें पैदा होता है.

मोती पिरोने (हि. मुहा.) मोती गूँथना, मिठासके साथ बोलना.

मोतीचूर (हि. पु.) एक प्रकारकी मिठाई.

मोद (सं. पु.) (मुद्=प्रसन्न होना) आनन्द, खुशी, हर्ष.

मोदक (सं. पु.) आनन्द करनेवाला, एक प्रकारका लड्डू.

मोदी (सं. पु.) बनिया, दुकानदार, महाजन, बैपारी, आनन्द करनेवाला.

मोर (हि. पु.) (सं. मयूर) एक पखेरू का नाम.

मोरपंखी (हि. स्त्री.) एक तरहकी नाव, बजरा.

मोरमुकुट (हि. पु.) मोरके ऐसा मुकुट, मोरपंखका मुकुट.

मोर } मोरा } (हि. सर्वना.) मेरा.

मोरचङ्ग (हि. स्त्री.) एक बाजेका नाम.

मोरछल (हि. पु.) एक तरहका चँवर जो मोरके पंखोंका बनता है.

मोरी (हि. स्त्री.) नाली, पनाली.

मोल (हि. पु.) (सं. मूल्य) कीमत, भाव, दाम.

मोल ठहराना (हि. मुहा.) निरख ठहराना, कीमत लगाना.

मोल बढाना, (हि. मुहा.) कीमत चढाना, भाव बढाना.
मोल लेना (हि मुहा.) खरीदना, बिसहना.
मोह (सं. पु.) मूर्छा, बेहोशी, गशी, अज्ञानता, अविद्या, बेवकूफी, प्यार, माया, दया, दुलार, छोह.
मोहमें आना (हि. मुहा.) अपने मित्र अथवा अपनी प्यारीके अचानक मिलनेसे अचेत हो जाना.
मोह लेना (हि. मुहा.) रिझाना, लुभाना, किसीका मन अपनी ओर खींच लेना, मन्त्र फेंकना.
मोहन (सं. गु.) मोहनेवाला, प्यारा, जिसके देखनेसे मनको सुधि न रहे.
मोहनभोग (हि. पु.) शीरा, उत्तम भोजन.
मोहनमाला (सं. स्त्री.) एक तरहकी माला, जो सोनेके दाने और मूँगेकी बनती है.
मोहना (हि. क्रि. स.) बस करना, मन हरना, लुभाना, प्रसन्न करना, मन्त्र फूँकना.
मोहनी (हि. स्त्री.) मन हरनेवाली स्त्री, मोहनेवाली, रूपवती, मनोहर, सुन्दर.
मोहमय (सं. गु.) झूठा.
मोहि (हि. सर्वना.) मुझको, मुझे.
मोही (सं. पु.) मुग्ध, अवाच्य.
मौ (हि. पु.) (सं. मधु) शहद, मधु.
मौक्तिक (सं. पु.) मोती.
मौञ्जी (हि. स्त्री.) मूँजकी करधनी, मेखला.
मौड (हि. पु.) (सं. मौलि) मुकुट, सिहरा, मौर जो दुल्हाके शिरपर बांधा जाता है.
मौन (सं. पु.) चुप, चुप्पी, अवाक्, नहीं बोलना.
मौनी (सं. पु.) एक तरहके मुनि जो सदा चुप रहते हैं, ऋषि, योगी.
मौर (हि. पु.) आमकी मंजरी.
मौराना (हि. क्रि. अ.) आमके मौरका खिलना.
मौर्वी (सं. स्त्री.) रोदा, धनुषकी डोरी, चिल्ला.
मौलसरी (हि. स्त्री.) एक तरहके खुशबूदार फूलके पेडका नाम.
मौलि (सं. पु.) किरीट, मुकुट, शिखा, चोटी. (स्त्री.) धरती, पृथ्वी.
मौसी (हि. स्त्री.) माकी बहिन.
म्लान (सं. पु.) उदासीन, लज्जित, मलीन, शुष्क, मुरझाया.
म्लानि (सं. स्त्री.) थकावट, थकान, मलिनता, मैलापन, मुरझाना, उदास होना.
म्लिष्ट (सं. गु.) मलीन, ग्लानियुक्त, (पु.) अव्यक्त वचन, गद्गदवाक्.
म्लेच्छ (सं. पु.) नीचजाति, वे लोग जिनकी बोली संस्कृत नहीं है, पापी, विधर्मी.

य.

य (सं. पु.) (या=जाना) हवा, यश, कीर्ति, मेल, योग, सवारी, गति. (गु.) जानेवाला.
यकृत (सं. पु.) उदररोग, तापतिल्ली, प्लीहा, पिलईरोग.
यक्ष (सं. पु.) (यक्ष=पूजना) गुह्यक, देवता, कुबेरके नौकर.
यक्ष्मन् } यक्ष्मा } (सं.) राजरोग, क्षयारोग, तपेदिक.
यजन (सं. पु.) पूजा, यज्ञ.
यजमान (सं. पु.) यज्ञ करनेवाला, जजमान.

यजु (सं. पु.) यजुर्वेद, दूसरा वेद.
यज्ञ (सं. पु.) पूजा, बलिदान, होम, याग, विष्णु, भगवान्.
यज्ञसूत्र (सं. पु.) जनेऊ.
यज्ञोपवीत (सं. पु.) जनेऊ.
यत् (सं. अव्य.) जो, जितना.
यज्वा (सं. पु.) यज्ञ करनेवाला.
यतः (सं. अव्य.) क्योंकि, यस्मात्.
यतन (हि. पु.) (सं. यत्न) उपाय, यतन, हिकमत, तदबीर.
यति } (सं. पु.) संन्यासी, बैरागी,
यती } जैनियोंका भिखारी.
यन्ता } (सं. पु.) सारथी, सूत, रथ
यन्तार } हाँकनेवाला.
यत्न (सं. पु.) उपाय, उद्योग, कोशिश, मिहनत, सावधानी.
यन्त्रित (सं. पु.) कैद, बद्ध.
यत्र (सं. क्रि. वि.) जहां, जिस जगह.
यथा (सं. क्रि. वि.) जैसे, जिस प्रकारसे ज्यों, जिस रीतिसे, बराबर, तुल्य.
यथाकाम (सं. क्रि. वि.) अभिलाषासे अधिक, यथेच्छम्.
यथायोग्य (सं. क्रि. वि.) जैसा चाहिये, जैसा ठीक है, यथोचित.
यथार्थ (सं. गु.) ठीक, सच, सत्य. (क्रि. वि.) ठीकठीक, हकीकतन.
यथाशक्ति (सं. क्रि. वि.) अपने बलके अनुसार, जितना हो सके, जैसी सामर्थ्य हो.
यथासाध्य (सं. क्रि. वि.) इच्छापूर्वक, हतुलइम्कान.
यथेच्छा } (सं. क्रि. वि.) इच्छानुसार
यथेच्छ } दिलख्वाह.
यद्दृच्छाचारिता (सं. स्त्री.) इच्छानुसार, मर्जीके माफिक.

यथोचित (सं. क्रि. वि.) यथायोग्य, जैसा चाहिये.
यदपि (हि.) (सं. यद्यपि) जोभी, जो.
यदा (सं. क्रि. वि.) जिस समय, जब.
यदि (सं. क्रि. वि.) जो.
यदु (सं. पु.) एक राजाका नाम जो राजा ययातिका बडा बेटा और श्रीकृष्णका पुरुषा और चन्द्रवंशी राजाओंमें पाँचवाँ राजा था.
यदुकुल (सं. पु.) यदुराजाका घराना, यदुवंश.
यदुनाथ } (सं. पु.) श्रीकृष्णजी.
यदुपति }
यदुवंश (सं. पु.) यदुकुल, यदुराजाका घराना.
यदुवंशी (सं. पु.) यादव, यदुके वंशके लोग.
यदृच्छा (सं. स्त्री.) स्वातंत्र्य, खुदराय.
यद्यपि (सं.) जोभी, यदपि.
यद्वा (सं. अव्य.) पक्षान्तरबोधक, ज्यों.
यन्त्र (सं.) कल, हरएक तरहका औजार या हथियार, बाजा, तन्त्रशास्त्रमें अपने इष्ट देवताका चक्र, टोटका, यंत्र, मंत्र, ताला, कुफ्ल.
यन्त्रणा (सं. स्त्री.) दुःख, पीडा, क्लेश.
यन्त्रस्थ (सं. गु.) जो छप रहा हो, मुद्रित हो रहा.
यन्त्रिका (सं. पु.) ताला-कुफ्ल.
यन्त्रित (सं. पु.) रोका हुआ, बंध किया हुआ.
यम (सं. पु.) (यम=रोकना, दंड देना, वश करना या दबाना) यमराज, धर्मराज, दक्षिण दिशाका दिक्पाल, काल, इन्द्रियोंको रोकना. (गु.) जोडा.

यमक (सं. पु.) (यम=मिलना) जोडा, एक शब्दालंकार जहां एकही पद दो तीन बार आते हैं पर वहां उस पदका अर्थ हरएक जगह जुदा होता है.
यमगुफा (हि. स्त्री.) मौतका घर, कालकी गुफा.
यमज (सं. पु.) (यम=जोडा, ज=पैदा होना) जो दो लडके एक साथ जन्मे हों, जोंव.
यमदग्नि (सं. पु.) परशुरामजीके बाप.
यमदिया (हि. पु.) वह दीपक जो कातिक बदि १३ के दिन यमके नामसे जलाया जाता है.
यमदूत (सं. पु.) यमके दूत.
यमधार (सं. स्त्री.) कटार, छुरा, तेगा, तलवार.
यमल (सं. पु.) जोडा.
यमलार्जुन (सं. पु.) (यमल=जोडा, अर्जुन=एक प्रकारका पेड) एक तरहके दो पेड जो वृन्दावनमें थे. कुबेरके दो पोते जो मदिराको पीकर गंगामें वेश्याओंके साथ नग्न स्नान करते थे, नारद मुनिके शापसे वृक्ष हो गये थे, जिन्हें श्रीकृष्णजीने वृक्षत्वसे मुक्त किया.
यमुना (सं. स्त्री.) यमुनानदी जो यमराजकी बहिन और सूर्यकी बेटी है.
ययाति (सं. पु.) नहुषराजाका बेटा.
यव (सं. पु.) जौ, एक तरहका अनाज, वेग, तेजी.
यवन (सं. पु.) पहले समयमें यूनान या (आयोनिया) के रहनेवालोंको यवन कहते थे पर अब मुसलमान और फरंगी आदि सब विदेशियोंको यवन कहते हैं, म्लेच्छ, मलेच्छ.
यवीयान्
यविष्ठ } (सं. गु.) अतियुवा, अतिशीघ्रगामी, तेजरो.
यश (सं. पु.) नामवरी, कीर्ति, ख्याति, नाम, शुहरत.
यशस्वी (सं. गु.) नामी, नामवर, प्रतिष्ठित, मुअज्जिज.
यशोदा (सं. स्त्री.) जसोदा शब्द देखो.
यहां (हि. क्रि. वि.) इस जगह, इस ठौर, इधर.
यहांका यहीं (हि. मुहा.) ठीक इसी जगह.
या (हि. सर्वना.) यह, इसका.
याग (सं. पु.) यज्ञ, होम, हवन, पूजा, बलिदान.
याचक (सं. पु.) माँगनेवाला, मँगता, भिखारी, जाचक.
याचना (सं. स्त्री.) भीख, माँगना, चाहना, अभ्यर्थना.
याच्ञा (सं. स्त्री.) याचना, माँगना, दरख्वास्त.
याचित (सं. पु.) माँगा हुआ, चाहता हुआ.
याजक (सं. पु.) यज्ञ करानेवाला, पुजारी पुरोहित.
याजन (सं. पु.) पूजा कराना, यज्ञ कराना.
यात (सं. पु.) गत, गया.
यातना (सं. स्त्री.) नरकका दुःख, पीडा, क्लेश, बडा भारी दुःख.
याता (सं. पु.) चलनेवाला.
यातु (सं. पु.) राक्षस. (गु.) चलनेवाला.
यातुधान (सं. पु.) राक्षस, निशाचर, दैत्य, असुर.
यात्रा (सं. स्त्री.) (या=जाना) तीर्थको जाना, सफर जाना, कूच, प्रस्थान, विदा, कोई पर्व अथवा उत्सव जिसमें देवताओं

मूर्तिको रथ आदिमें बैठाकर बाहर ले जाते हैं जैसे रथयात्रा.
यात्रिक } (सं. पु.) यात्रा करनेवाला,
यात्री } तीर्थ करनेवाला, जियारती.
यादव (सं. पु.) यदुवंशके लोग, यदुवंशी, श्रीकृष्णजी.
यादवपति (सं. पु.) श्रीकृष्ण, यदुनाथ, यदुपति.
यादृश (सं. क्रि. वि.) जैसा, जैसी, जिसके समान.
यान (सं. पु.) वाहन, सवारी, असवारी जैसे हाथी, घोडा रथ आदि.
याम (सं. पु.) पहर, रातदिनका ८ वां भाग.
यामिक (सं. पु.) चौकीदार, पहरू.
यामिनी (सं. स्त्री.) रात, रजनी, शब.
यामिनीपति (सं. पु.) चाँद, चन्द्रमा.
यावज्जीवन (सं. क्रि. वि.) जीनेतक, जीनेके अन्ततक.
यावत (सं. क्रि. वि.) जबतक, जबलग, जितना.
यावनीभाषा (सं. स्त्री.) यवनोंकी बोली.
याहि } (हिं. सर्वना.) इसको, इसे.
याही }
युक्त (सं. पु.) मिला हुआ, जुडा हुआ.
युक्ति (सं. स्त्री.) मिलना, मेल, योग्यता. चतुराई, गुण, रीत.
युग (सं. पु.) जोडा, समय, युग, हिन्दू लोग चार युग मानते हैं. १ सतयुग (१७२८००० वरसोंका), २ त्रेतायुग (१२९६००० वरसोंका), ३ द्वापरयुग (८६४००० वरसोंका), ४ कलियुग (४३२००० वरसोंका).
युगल (सं. पु.) (युग=जोडा) जोडा दो.
युगान्त (सं. पु.) युगका अन्त जिसमें सृष्टिका नाश हो जाता है.
युगपत् (सं. गु.) दो, दोनों या एक दो, एक समय.
युग्म (सं. पु.) जोडा, युगल, दो.
युत (सं. गु.) मिला हुआ, शामिल.
युद्ध } (सं. पु.) लडाई, संग्राम, विवाद,
युध् } जंग.
युद्धनिदेश (सं. पु.) लडाईका संदेशा, पैगामजंग.
युद्धशय्या (सं. स्त्री.) लडनेको उद्यत होना, जंगकी तैआरी.
युधान (सं. पु.) जंगी, संग्रामकारी.
युधिष्ठिर सं. पु.) पाँच पांडवोंमेंका बडा, कुन्ती और पाण्डुका बडा बेटा.
युवक } (सं. गु.) जवान, तरुण, नवीन
युवाक } अवस्थावाला.
युवती (सं. स्त्री.) जवान स्त्री, यौवनवती, सोलह वर्षसे तीस वर्षतककी स्त्री.
युवराज (सं. पु.) (युवन्=जवान, राजा) राजाका बडा बेटा जो उसके पीछे राजा होता है, राजकुमार, राजका वारिस, वलीअहद.
युवा (सं. पु.) जवान, तरुण, सोलह वर्षसे अधिक उमरका.
युष्मद् (सं. सर्वना.) तुम, त्वं.
यूँ } (हिं. क्रि. वि.) इस तरहसे, ऐसे.
यों } योंहीं (मुहा.) इसी तरहसे ऐसेही, संयोगसे, वृथा, विनकारण, सहजमें.
यूथ (सं. पु.) (यू=मिलना) झुण्ड, समूह, जत्था.
यूथप (सं. पु.) सेनापति, सेनाका मालिक.
यूहा (हि. पु.) समूह, झुण्ड.

यूप (सं. पु.) खम्भ, खम्भा.

योग (सं. पु.) (युज्=मिलना) मेल, मिलाप, सम्बन्ध, लगन, संयोग, जोड, अच्छा समय, शुभ घडी, समाधि, ध्यान, तपस्या, तप.

योगनिद्रा (सं. स्त्री.) विष्णुकी नींद, महामाया, दुर्गा.

योगमाया (सं. स्त्री.) विष्णुकी माया, महामाया, कुदरत खुदाई.

योगरूढ } (सं. पु.) जो शब्द दो शब्दों-
योगरूढि } से बना हो और सामान्य अर्थको छोडकर विशेष अर्थको जनावे जैसे पङ्कज.

योगिनी (सं. स्त्री.) शक्ति, नारायणी, गौरी, भीमा, पार्वती, भद्रकाली, रुद्राणी, दुर्गा आदि ६४ योगिनी प्रसिद्ध हैं, ज्योतिषमें अच्छे बुरेको जतलानवाली.

योगी (सं. पु.) ध्यानी, तपस्वी.

योगेश्वर (सं. पु.) परमेश्वर, ईश्वर, बडा ऋषि, सिद्ध, योगीश, तपस्वी.

योग्य (सं. गु.) ठीक, उचित, चाहिये, उपयुक्त, संभव, निउण, प्रवीण, लायक, चतुर.

योग्यता (सं. स्त्री.) प्रवीणता, निपुणता, सामर्थ्य.

योजक (सं. पु.) मिलानेवाला.

योजन (सं. पु.) चार कोस.

योजना (सं. स्त्री.) मिलाना, जोडना, मेल.

योधन (सं. पु.) अस्त्र.

योद्धा (सं. पु.) लडाका, शूरमा, भट, वीर, बहादुर, लडनेवाला.

योधा (हि. पु.) लडाका, वीर.

योनि (सं. स्त्री.) भग, पैदा होनेकी जगह, उत्पत्तिस्थान.

योषा }
योषित } (सं. स्त्री.) नारी, लुगाई, स्त्री, अबला.
योषिता }

यौगिक (सं. गु.) दो शब्दोंसे बना हुआ शब्द, प्रकृति और प्रत्ययके योगसे बना हुआ शब्द.

यौतक } (सं. पु.) दहेज, देजा, ब्याहमें
यौतुक } बेटीका बाप अपनी बेटीको जो धन और कपडा आदि देता है.

यौवनदशा (सं. स्त्री.) यौवनावस्था, जवानीकी हालत.

यौवन (सं. पु.) जवानी, तरुणाई.

यौवनवती (सं. स्त्री.) जवान स्त्री.

र.

र (सं. पु.) (रा=देना, या लेना) आग, कामदेवकी आग, तीक्ष्ण, तेज, तीखा वेग, क्रोध.

रई (हि. स्त्री.) दही मथनेकी लकडी, मथनी, विलोनी.

रँहट } (हि. पु.) पानी निकालनेकी
रहट } चर्खी.

रक्त (सं. पु.) लोहू, रुधिर, शोणित, कुंकुम, केसर, ताँबा. (गु.) लाल.

रक्तकन्द (सं. पु.) प्याज, पलाण्डु, गाजर प्रवाल, मूंगा.

रक्तकोढ (हि. पु.) एक तरहका कोढ जिससे शरीर लाल हो जाता है.

रक्तघ्न (सं. पु.) लोहितकवृक्ष, लोध, औषध, दूध.

रक्तचन्दन (सं. पु.) लालचन्दन.

रक्तचूर्ण (सं. पु.) सिंदूर.

रक्तप (सं. पु.) खटमल, राक्षस, मच्छड.

रक्तपा (सं. स्त्री.) जोंक, जलौका.

रक्तपात (सं. पु.) लोहूका गिरना, हत्या, खून.

रक्तबीज (सं. पु.) एक राक्षसका नाम जो शुम्भ निशुम्भका सेनापति था जिसको दुर्गाने मारा, अनार, दाड़िम.

रक्षक (सं. पु.) (रक्ष्=बचाना) रक्षा करनेवाला, पालनेवाला, मालिक, स्वामी, पोषक.

रक्षण (सं. पु.) पालन, रक्षा, पोषण, बचाव.

रक्षस् (सं. पु.) राक्षस, निशाचर, भूत.

रक्षा (सं. स्त्री.) पालन, बचाव, उद्धार, राख, राखी.

रक्षापेक्षक (सं. पु.) द्वारपाल, डेवढी-दार, सिपाही.

रक्षित (सं. पु.) बचाया हुआ, रक्खा हुआ.

रखना (हि. क्रि. वि.) (सं. रक्षण) धरना, लगाना, खडा करना, टिकाना, बैठलाना, पकडना, अधिकारी होना, मालिक होना, रक्षा करना, विचारना, सोचना.

रख छोडना (हि. मुहा.) धरना, रखना, बचाना.

रख देना (हि. मुहा.) धरना, रख छोड-ना, बचाना.

रखलेना (हि. मुहा.) लेलेना.

रखवाला (हि. पु.) रखवाली करनेवाला, बचानेवाला, गडेरिया, चरवाहा.

रखवाली (हि. स्त्री.) बचाव, रक्षा, खबरदारी.

रखैया (हि. पु.) रखनेवाला.

रगड (हि. स्त्री.) घिसाव, मलाव, संघर्ष.

रगडना (हि. क्रि. स.) घिसना, मलना.

रगडा (हि. पु.) झगडा, घिसाव.

रगडाझगडा (हि. मुहा.) लडाई, दंगा.

रगदेना (हि. क्रि. स.) खदेडना, पीछा करना.

रघु (सं. पु.) एक सूर्यवंशी राजाका नाम, जो दिलीपराजाका बेटा और श्रीरामचन्द्रका परदादा था, रघुका वंश.

रघुनन्दन (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

रघुनाथ (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

रघुपति (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

रघुराज (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

रघुवंश (सं. पु.) रघुराजाका कुल, कालिदास कविका बनाया हुआ एक प्रसिद्ध काव्य, जिसमें राजा दिलीपसे लेकर राजा अग्निवर्णतकका वर्णन किया है.

रघुवंशतिलक } (सं. पु.) राजा दशरथ,
रघुकुलतिलक } श्रीरामचन्द्र.

रघुवर (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र, रघुनाथ.

रङ्क (सं. पु.) (रङ्क्=स्वाद लेना या पाना) गरीब, कंगाल, दरिद्र, कृपण, लालची, लोभी.

रङ्ग (सं. पु.) (रञ्ज=रंगना) वर्ण, डौल, रीति, ढंग, ढब, खेल, खुशी, आनन्द.

रंग उड जाना (हि. मुहा.) रंग बदल जाना, डरना.

रंग उतर जाना (हि. मुहा.) पीला हो जाना फीका होना, कुढना, कलपना.

रंग करना (हि. मुहा.) खुशी करना, बिलसना, समयको आनन्दमें बिताना.

रंग चढना (हि. मुहा.) शराबके नशेमें मगन होना.

रंग देखना (हि. मुहा.) किसी चीजकी हालतको या उसके फल अथवा अन्त या परिणामको देखना.

रंगबरंग (हि. मुहा.) रंगरंगका, कई रंगका, तरह २ का, भाँतभाँतका.
रंग बिगडना (हि. मुहा.) किसी चीजकी हालत बदलना.
रंगभंग (हि. मुहा.) आनन्दमें बिगाड होना, खेलका बिगाड, खुशीमें शोच होजाना.
रंगमहल (हि. पु.) भोग विलास करनेका महल.
रंग मारना (हि. मुहा.) चौपडका खेल जीतना.
रंगरलियाँ (हि. स्त्री.) आनन्द, हर्ष, खुशी, रंगरस, हँसीखुशी, हुलास, भोग, विलास.
रंगरस (हि. मुहा.) आनन्द, हर्ष, खुशी.
रंग रातना (हि. मुहा.) खूब गहरा प्यार होना.
रंगराता (हि. मुहा.) रंगमें रंगा हुआ, प्रसन्न, आनन्दित.
रंगरूप (हि. मुहा.) चमक, दमक, छवि.
रंग लगाना (हि. मुहा.) रंगना, रंग चढाना, झगडा उठाना, बखेडा मचाना.
रंगत (हि. स्त्री.) रंग, वर्ण, शोभा.
रंगना (हि. क्रि. स.) रंग चढाना.
रङ्गभूमि (सं. स्त्री.) नाचघर, अखाडा, नाट्यशाला, रंगशाला, धनुषयज्ञकी भूमि.
रंगवाई } रंगाई } (हि. स्त्री.) रंगनेकी मजूरी.
रंगीला (हि. गु.) चटकीला, भडकीला, रसीला, रसिया, रसिक, छैला.
रचना (हि. क्रि. स.) बनाना, नई बात निकालना, पैदा करना, तैआर करना. (क्रि. अ.) बनना, पैदा होना, तैआर होना.
रचना (सं. स्त्री.) बनावट, सजावट, तैआरी, पैदा की हुई चीज, ग्रन्थ.
रचाना (हि. क्रि. स.) (रच्=बनाना) करना, बनाना, मेंहदीसे अथवा अलता आदि और किसी चीजसे हाथ पैर रंगना, व्याह आदि शुभ कामको शुरू करना.
रचित (सं. गु.) बनाया हुआ, सिरजा हुआ, पैदा किया हुआ.
रज } रजस् } (सं. स्त्री.) रेत, धूल, पराग, फूलोंकी सुगन्धित धूल, स्त्रीका कँवल या फूल, रजोगुण.
रजक (सं. पु.) (रञ्ज=रंगना) धोबी.
रजकी (सं. स्त्री.) धोबिन.
रजत (सं. पु.) (रञ्ज=रंगना या चमकना वा राज=शोभना) चाँदी, रूपा, हाथी-दाँत, हार, सोना. (गु.) धौला, शुक्लवर्ण, श्वेत, सफेद.
रजनि } रजनी } (सं. स्त्री.) रात, रात्रि.
रजनीकर } रजनिकर } (सं. पु.) (रजनि=रात, कृ=करना) चन्द्रमा, चाँद
रजनिचर } रजनीचर } (सं. पु.) (रजनि=रात, चर=चलना) राक्षस, असुर, निशाचर, भूत, प्रेत, चोर, रातको फिरनेवाला.
रजनीमुख (सं. पु.) साँझ, संध्या, प्रदोष, रातका आरम्भ.
रजवाडा (हि. पु.) राज, राजपूताना.
रजस्वला (सं. स्त्री.) वह स्त्री जो कपडोंसे हो, ऋतुमती.
रजाई } रजायसु } (हि. स्त्री.) राजाकी आज्ञा, राजाका हुकुम.
रजोगुण (सं. पु.) दूसरा गुण जिससे मोह, क्रोध, प्यार, अहंकार आदि पैदा होते हैं.

रक्तबीज (सं. पु.) एक राक्षसका नाम जो शुम्भ निशुम्भका सेनापति था जिसको दुर्गाने मारा, अनार, दाडिम.

रक्षक (सं. पु.) (रक्ष्=बचाना) रक्षा करनेवाला, पालनेवाला, मालिक, स्वामी, पोषक.

रक्षण (सं. पु.) पालन, रक्षा, पोषण, बचाव.

रक्षस् (सं. पु.) राक्षस, निशाचर, भूत.

रक्षा (सं. स्त्री.) पालन, बचाव, उद्धार, राख, राखी.

रक्षापेक्षक (सं. पु.) द्वारपाल, डेवढीदार, सिपाही.

रक्षित (सं. पु.) बचाया हुआ, रक्खा हुआ.

रखना (हि. क्रि. वि.) (सं. रक्षण) धरना, लगाना, खडा करना, टिकाना, बैठलाना, पकडना, अधिकारी होना, मालिक होना, रक्षा करना, विचारना, सोचना.

रख छोडना (हि. मुहा.) धरना, रखना, बचाना.

रख देना (हि. मुहा.) धरना, रख छोडना, बचाना.

रखलेना (हि. मुहा.) लेलेना.

रखवाला (हि. पु.) रखवाली करनेवाला, बचानेवाला, गडेरिया, चरवाहा.

रखवाली (हि. स्त्री.) बचाव, रक्षा, खबरदारी.

रखैया (हि. पु.) रखनेवाला.

रगड (हि. स्त्री.) घिसाव, मलाव, संघर्ष.

रगडना (हि. क्रि. स.) घिसना, मलना.

रगडा (हि. पु.) झगडा, घिसाव.

रगडाझगडा (हि. मुहा.) लडाई, दंगा.

रगदेना (हि. क्रि. स.) खदेडना, पीछा करना.

रघु (सं. पु.) एक सूर्यवंशी राजाका नाम, जो दिलीपराजाका बेटा और श्रीरामचन्द्रका परदादा था, रघुका वंश.

रघुनन्दन (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

रघुनाथ (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

रघुपति (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

रघुराज (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

रघुवंश (सं. पु.) रघुराजाका कुल, कालिदास कविका बनाया हुआ एक प्रसिद्ध काव्य, जिसमें राजा दिलीपसे लेकर राजा अग्निवर्णतकका वर्णन किया है.

रघुवंशतिलक } (सं. पु.) राजा दशरथ,
रघुकुलतिलक } श्रीरामचन्द्र.

रघुवर (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र, रघुनाथ.

रङ्क (सं. पु.) (रङ्क्=स्वाद लेना या पाना) गरीब, कंगाल, दरिद्र, कृपण, लालची, लोभी.

रङ्ग (सं. पु.) (रञ्ज=रंगना) वर्ण, डौल, रीत, ढंग, ढब, खेल, खुशी, आनन्द.

रंग उड जाना (हि. मुहा.) रंग बदल जाना, डरना.

रंग उतर जाना (हि. मुहा.) पीला हो जाना फीका होना, कुढना, कलपना.

रंग करना (हि. मुहा.) खुशी करना, विलसना, समयको आनन्दमें बिताना.

रंग चढना (हि. मुहा.) शराबके नशेमें मगन होना.

रंग देखना (हि. मुहा.) किसी चीजकी हालतको या उसके फल अथवा अन्त या परिणामको देखना.

रंगबरंग (हि. मुहा.) रंगरंगका, कई रंगका, तरह २ का, भाँतभाँतका.

रंग बिगडना (हि. मुहा.) किसी चीजकी हालत बदलनी.

रंगभंग (हि. मुहा.) आनन्दमें बिगाड होना, खेलका बिगाड, खुशीमें शोच होजाना.

रंगमहल (हि. पु.) भोग विलास करनेका महल.

रंग मारना (हि. मुहा.) चौपडका खेल जीतना.

रंगरलियाँ (हि. स्त्री.) आनन्द, हर्ष, खुशी, रंगरस, हँसखुशी, हुलास, भोग, विलास.

रंगरस (हि. मुहा.) आनन्द, हर्ष, खुशी.

रंग रातना (हि. मुहा.) खूब गहरा प्यार होना.

रंगराता (हि. मुहा.) रंगमें रंगा हुआ, प्रसन्न, आनन्दित.

रंगरूप (हि. मुहा.) चमक, दमक, छबि.

रंग लगाना (हि. मुहा.) रंगना, रंग चढाना, झगडा उठाना, बखेडा मचाना.

रंगत (हि. स्त्री.) रंग, वर्ण, शोभा.

रंगना (हि. क्रि. स.) रंग चढाना.

रङ्गभूमि (सं. स्त्री.) नाचघर, अखाडा, नाटचशाला, रंगशाला, धनुषयज्ञकी भूमि.

रंगवाई } रंगाई } (हि. स्त्री.) रंगनेकी मजूरी.

रंगीला (हि. गु.) चटकीला, भडकीला, रसीला, रसिया, रसिक, छैला.

रचना (हि. क्रि. स.) बनाना, नई बात निकालना, पैदा करना, तैयार करना. (क्रि. अ.) बनना, पैदा होना, तैयार होना.

रचना (सं. स्त्री.) बनावट, सजावट, तैयारी, पैदा की हुई चीज, ग्रन्थ.

रचाना (हि. क्रि. स.) (रच्=बनाना) करना, बनाना, मेंहदीसे अथवा अलता आदि और किसी चीजसे हाथ पैर रंगना, व्याह आदि शुभ कामको शुरू करना.

रचित (सं. गु.) बनाया हुआ, सिरजा हुआ, पैदा किया हुआ.

रज } रजस् } (सं. स्त्री.) रेत, धूल, पराग, फूलोंकी सुगन्धित धूल, स्त्रीका कँवल या फूल, रजोगुण.

रजक (सं. पु.) (रञ्ज=रंगना) धोबी.

रजकी (सं. स्त्री.) धोबिन.

रजत (सं. पु.) (रञ्ज=रंगना या चमकना वा राज=शोभना) चाँदी, रूपा, हाथीदाँत, हार, सोना. (गु.) धौला, शुक्लवर्ण, श्वेत, सफेद.

रजनि } रजनी } (सं. स्त्री.) रात, रात्रि.

रजनिकर } रजनीकर } (सं. पु.) (रजनि=रात, कृ=करना) चन्द्रमा, चाँद

रजनिचर } रजनीचर } (सं. पु.) (रजनि=रात, चर=चलना) राक्षस, असुर, निशाचर, भूत, प्रेत, चोर, रातको फिरनेवाला.

रजनीमुख (सं. पु.) साँझ, संध्या, प्रदोष, रातका आरम्भ.

रजवाडा (हि. पु.) राज, राजपूताना.

रजस्वला (सं. स्त्री.) वह स्त्री जो कपडोंसे हो, ऋतुमती.

रजाई } रजायसु } (हि. स्त्री.) राजाकी आज्ञा, राजाका हुकुम.

रजोगुण (सं. पु.) दूसरा गुण जिससे मोह, क्रोध, प्यार, अहंकार आदि पैदा होते हैं.

रज्जु (सं. स्त्री.) रस्सी, रास, डोरी, जेवरी.

रञ्जक (सं. गु.) प्यार करनेवाला, प्रीत करनेवाला, खुश करनेवाला, रंगनेवाला चित्रकार.

रञ्जन (सं. पु.) प्रसन्नता, प्यार, अनुराग, रंगना, रंगावट, चित्रकारी, लाल चन्दन. (गु.) प्रीत करनेवाला, प्रसन्न करनेवाला, खुश करनेवाला.

रञ्जित (सं. गु.) प्रसन्न, प्यार किया हुआ, रंगा हुआ.

रटना (हि. क्रि. स.) (सं. रटन, रट्=बोलना) बोलना, कहना, बराबर बोलना, दोहराना, तिहराना.

रण (सं. पु.) (रण=शब्द करना) युद्ध, लडाई, जंग, संग्राम.

रणभूमि (सं. स्त्री.) लडाईका खेत, लडाईका मैदान.

रण्डापा (हि. पु.) विधवापन, बेधापन.

रत (सं. पु.) (रम्=खेलना) मैथुन, स्त्रीसंग, कामकेलि. (गु.) लगा हुआ. तत्पर.

रतन (हि. पु.) रत्नशब्दको देखो.

रतनारे (हि. पु.) लालरंग. (गु.) लाल.

रतालू (हि. पु.) (सं. रक्तालू) एक तरकारीका नाम.

रति (सं. स्त्री.) कामदेवकी स्त्री, प्रेम, प्यार, अनुराग, मैथुन, सम्भोग, क्रीडा.

रतिपति (सं. पु.) कामदेव.

रती (हि. स्त्री.) (सं रति) कामदेवकी स्त्री, भाग्य, भाग, किस्मत, नसीब.

रती चमकना (हि. मुहा.) बढना, फलना, फूलना, भाग्यवान् होना.

रतीवन्त (हि. गु.) भाग्यवान्, भाग्यी, अच्छी किसमतवाला.

रतौंधा (हि. पु.) एक बीमारी जिसमें रातको नहीं दीखता.

रत्ती (हि. स्त्री.) (सं. रक्तिका) आठ जौका तौल, लाल घुंघची.

रत्न (सं. पु.) (रम्=खेलना जिससे वा प्रसन्न होना जिसको देखकर) रतन, जवाहिर, मणि, बहुत मोलका पत्थर, रत्न नौ हैं (१ हीरा, २ पन्ना, ३ नीलम, ४ माणिक, ५ लहसनिया, ६ पुखराज, ७ गोमेद, ८ मोती, ९ मूँगा) आँखकी पुतली.

रत्नजटित (सं. गु.) रतनोंसे जडा हुआ.

रत्नसिंहासन (सं. पु.) रतनोंसे जडा हुआ तखत.

रत्नाकर (सं. पु.) (रत्न=जवाहिर, आकर=खान) समुद्र, समंदर, रतनोंकी खान.

रत्नावली (सं. स्त्री.) रतनोंकी माला, रत्नमाला, एक नाटक.

रथ (सं. पु.) (रम्=खेलना वा प्रसन्न होना) एक तरहकी चार पहियोंकी गाडी.

रथवान् (सं. पु.) सारथी.

रथाङ्ग (सं. पु.) पहिया, चक्र, चाका, चकवापक्षी, चक्रवाक.

रथिक, रथी (सं. पु.) रथका स्वामी, रथपर चढनेवाला, रथपर चढकर लडनेवाला.

रद, रदन (सं. पु.) (रद्=टुकडे करना) दाँत, दन्त, दशन.

रदछद, रदनछद (सं. पु.)(रदन=दाँत, छद्=ढकना) होंठ, ओष्ठ.

रदपट (सं. पु.) (रद=दाँत, पट=आड) होंठ.

रद्दी (हि. स्त्री.) निकम्मे और पुराने कागज या और वस्तु.

रनवास } (हि. पु.) रानियोंके रहनेके
रनिवास } महल.

रन्धना (हि. क्रि. अ.) (सं. रन्धन) पकना.

रन्ध्र (सं. पु.) (रध्=नाश होना या पूरा होना) छेद, छिद्र, दोष, दूषण.

रपटना (हि. क्रि. अ.) फिसलना, खिसलना.

रबड़ी (हि. स्त्री.) गाढा दूध, खोवा.

रमचेरा } (हि. पु.) दास, गुलाम.
रामचेरा }

रमण (सं. पु.) (रम्=खेलना) खेल, क्रीडा, मैथुन, भोगविलास, रति, रमनेवाला, पति, प्रियतम, प्यारा, कामदेव.

रमणी (सं. स्त्री.) सुन्दर और मनोहर स्त्री.

रमणिक (हि. गु.) मनभावन, सुन्दर, सुहावना.

रमणीय (सं. गु.) सुन्दर, मनोहर, रम्य.

रमना (हि. क्रि. अ.) खेलना, क्रीडा करना, भोग करना, आनन्द करना, फिरना, घूमना. (पु.) शिकार करनेकी जगह.

रमल (सं. पु.) एक तरहका ज्योतिपशास्त्र.

रमा (सं. स्त्री.) लक्ष्मी, विष्णुपत्नी. (स्त्री.) लुगाई.

रमापति (सं. पु.) विष्णु, नारायण, भगवान्.

रम्भा (सं. स्त्री.) (रभि=शब्द करना) एक अप्सराका नाम, वेश्या, केला, कदली.

रम्य (सं. गु.) मनोहर, सुन्दर, रमणीय.

रय (सं. पु.) (रय्=जाना) वेग, प्रवाह, जल्दी.

रलना (हि. क्रि. अ.) मिलना, पिसना, बुकनी होना.

रव (सं. पु.) (रु=शब्द करना) शब्द, ध्वनि, आवाज, आहट.

रवा (हि. पु.) सोने या चाँदीका छोटा २ दाना, वालू और मिसरी आदिका दाना.

रवि (सं. पु.) (रु=शब्द करना अर्थात् स्तुति करना) सूरज.

रवितनया (सं. स्त्री.) जमुना नदी.

रविनन्दिनी (सं. स्त्री.) जमुना नदी.

रविमण्डल (सं. पु.) सूरजमंडल, सूरजलोक.

रविवार (सं. पु.) एतवार, इतवार, आदित्यवार, सूरजका दिन.

रशना (सं. स्त्री.) (रश्=शब्द करना) जीभ, स्त्रियोंके पहरनेकी करधनी.

रश्मि (सं. स्त्री.) (अश्=फैलाना, वा रश्=शब्द करना) किरन, तेज, कान्ति, रास, घोडेकी वागडोर.

रस (सं. पु.) (रस्=स्वाद लेना, प्यार करना) अरक, किसी पौधेका दूध, सार, स्वाद, सवाद, मजा, चाट, रुचि रस छः प्रकारके हैं. (१ मीठा, २ खट्टा, ३ खारा, ४ कड़वा, ५ तीता वा चरपरा, ६ कसैला.) साहित्यमें नौ रस हैं. (१ शृंगार, २ हास्य, ३ करुणा, ४ रौद्र, ५ वीर, ६ भयानक, ७ बीभत्स, ८ अद्भुत, ९ शान्त वा वात्सल्य.) पारा, मेल, मिलाप, प्यार, आपसकी प्रसन्नता, द्रवपदार्थ, वहनेवाली चीज.

रसरस (हि. क्रि. वि.) धीरे धीरे.

रसज्ञ (सं. गु.) (रस=स्वाद, ज्ञा=जानना) रसिक, रसको जाननेवाला, भाव जाननेवाला, सार जाननेवाला. (पु.) कवि, पति, रसायनी.

रसज्ञा (सं. स्त्री.) जीभ, रसना.
रसना (सं. स्त्री.) जीभ, जिह्वा, रसज्ञा.
रसा (सं. स्त्री.) धरती; जमीन, जीभ.
रसातल (सं. पु.) (रसा=धरती, तल=नीचे) पाताल, नीचेका सातवाँ लोक. (जहाँ नाग, असुर, दैत्य और राक्षस रहते हैं और शेषजी, और बलि आदि राज्य करते हैं.)
रसायन (सं. पु.) दो तीन चीजोंको मिलाकर एक चीज बनानेकी अथवा दो तीन चीजोंको जुदा २ करनेकी विद्या, कीमियाँ.
रसाल (सं. पु.) आम, पनस, ऊख.
रसिक (सं. गु.) रस जाननेवाला, रसीला, रसिया, रसज्ञ, लम्पट, लुच्चा.
रसिया (हि. गु.) लम्पट, लुच्चा, विषयी, भोगी.
रसीला (हि. गु.) रसभरा, सुस्वादु, मजेदार, विषयी, बिसनी, भोगी, लम्पट.
रसोइया (हि. पु.) रसोई बनानेवाला, खाना पकानेवाला.
रसोई (हि. स्त्री.) (सं. रसवती) खाना बनानेकी जगह, भोजनखाना.
रस्सी (सं. स्त्री.) डोरी, जेवरी.
रहकला (हि. पु.) एक तरहकी तोप, तांगा, एक तरहकी गाडी.
रहडू (हि. पु.) छकडा, बडी गाडी.
रहन, रहनि (हि. स्त्री.) चाल, चलन, रीत.
रहस, रहसि (हि. क्रि. वि.) (सं. रहस्य) एकान्तमें.
रहस्य (सं. गु.) निर्जन एकान्त.
रहित (सं. गु.) (रह=छोडना) विना, छोडा हुआ, खाली, हीन.
राई (हि. स्त्री.) (सं. राजिका) सरसोंके ऐसी चीज.
राई, राऊ, राय (हि. पु.) (सं. राजा) प्रधान, स्वामी, राजा. (जैसे रघुराई, या रघुराऊ.)
रांग, रांगा (हि. पु.) (सं. रङ्ग) एक धातका नाम।
राँझन, राँझा (हि. पु.) (सं. रंजन) सज्जन, प्रियतम, एक मनुष्यका नाम जो हीरका आशिक अर्थात् प्रियतम था जिसका राजपूतानेमें होलीके दिनोंमें स्वांग बनता है.
राँड (हि. स्त्री.) (सं. रण्डा) विधवा, जिस स्त्रीका पति मरगया हो.
राँडका साँड (हि. मुहा.) विधवा लुगाईका बेटा, बिगडा हुआ लडका.
राँधना (हि. क्रि. स.) (सं. रन्धन) पकाना, रींधना.
राँपी (हि. स्त्री.) खुर्पी, करणी.
राँभना (हि. क्रि. अ.) (सं. रम्भन, राभि=शब्द करना) गायका शब्द करना, डकारना, बिंबियाना.
राका (सं. स्त्री.) (रा=देना, सुख अथवा आनन्दको) पूनों, पूर्णमासी, नदी.
राकापति (सं. पु.) पूर्णमासीका चन्द्रमा.
राकेश (सं. पु.) पूर्णमासीका चाँद.
राक्षस (सं. पु.) (रक्ष=बचाना; जिससे होमकी सामग्रीको अथवा अपनेको बचावे) असुर, निशाचर, रजनीचर.
राख (हि. स्त्री.) (सं. रक्षा) भभूत, भस्म.
राखना (हि. क्रि. स.) (सं. रक्षण) रखना, धरना, बचाना.
राखी (हि. स्त्री.) (सं. रक्षिका) रंगे हुये सूतका तार जिसको हिन्दू पूजा आदि उत्सवमें अपने हाथमें बाँधते हैं.

सावन सुदि १९ का तिहवार जिसमें ब्राह्मण और २ जातिके लोगोंके हाथमें रंगे हुये सूतका तार या रेशमका डोरा बांधते हैं.

राग (सं. पु.) (रञ्ज्=रंगना या प्यार करना) क्रोध, प्यार, रंग, गान, सुर, गानविद्यामें राग छः हैं. (१ भैरवी २ मलार या मेघ, ३ सारंग, ४ हिंडोल, ५ वसन्त, ६ दीपक.)

राग छाना (हि. मुहा.) रागरंग होना, गाना बजाना होना, तान मिलना.

रागरंग (हि. मुहा.) गाना बजाना.

रागना (हि. क्रि. स.) गाना शुरू करना.

रागिणी (सं. स्त्री.) गानभेद, तान, सुर. (६ राग और ३६ रागिणी हैं.)

राघव (सं. पु.) (रघु) रघुनाथ, रघुराज, रघुनन्दन, श्रीरामचन्द्र.

राचना (हि. क्रि. स.) (सं. रचन) प्यारके वश होना, मिलना, मन लगना, लीन होना.

राछ (हि. पु.) बढई अथवा राज अथवा और कारीगरोंके औजार.

राज (हि. पु.) (सं. राज्य) बादशाहत, हुकूमत, बादशाही, अमल, राजाका अधिकार, राज्य.

राज (हि. पु.) कारीगर, मैमार, संगतराश,

राजकन्या (सं. स्त्री.) राजाकी बेटी. राजकुँवरी, राजकुमारी.

राजकुमार (सं. पु.) राजाका बेटा, राजपुत्र.

राजगादी (हि. स्त्री.) राजगद्दी, राजाका आसन.

राजद्वार (सं. पु.) राजाकी डेवढी.

राजधानी (सं. स्त्री.) (राजन्=राजा, धा= रखना या रहना) राजस्थान, राजपुर, वह नगर जहां राजा रहे और राजाका कामकाज हो.

राजना (हि. क्रि. अ.) शोभना, चमकना, विराजना.

राजनीति (सं. स्त्री.) राज करनेकी रीत, राजप्रबन्ध, एक ग्रन्थका नाम.

राजपत्नी (सं. स्त्री.) राणी, रानी, राजाकी स्त्री.

राजपुत्र (सं. पु.) राजाका बेटा, राजकुमार, राजपूत, क्षत्री.

राजपूत (हि. पु.) क्षत्री, राजपुत्र.

राजभवन (सं. पु.) राजाका महल.

राजमन्दिर (सं. पु.) राजाका महल.

राजमार्ग (सं. पु.) बादशाही रास्ता, राजपथ.

राजरोग (सं. पु.) रोगोंका राजा अर्थात् बडा रोग, जैसे क्षयरोग आदि.

राजशासन (सं. पु.) राजाका दण्ड.

राजस (सं. गु.) रजोगुणसे पैदा हुआ. (पु.) रजोगुण, अहंकार, क्रोध, मोह, आदि.

राजसभा (सं. स्त्री.) राजाका दरबार.

राजसूय (सं. पु.) (राजन्=राजा, सू=सींचना या किया जाना) एक यज्ञ जिसको केवल चक्रवर्ती राजाही करता है और इस यज्ञका सारा काम काज केवल उसके आधीन और राजा करते हैं.

राजहंस (सं. पु.) एक तरहका हंस जिसके पैर और चोंच लाल होती है.

राजा (सं. पु.) भूपति, नरपति.

राजाधिराज (सं. पु.) बडा राजा, महाराजा, राजेश्वर.

राजिका } राजी } (सं. स्त्री.) (राज्=शोभना या चमकना) पाँत, पंक्ति, कतार, श्रेणी, पाँती.

राजित (सं. पु.) शोभित, शोभायमान.

राजीव (सं. पु.) (राज्=चमकना) कमल, कँवल, पद्म.

राजेन्द्र (सं. पु.) महाराजा, राजाधिराज.

राजेश्वर (सं. पु.) राजाओंका राजा, महाराजा, राजाधिराज.

राज्य (सं. पु.) राजशब्दको देखो.

राणा (हि. पु.) (सं. राजन्) राजा. (उदयपुरके राजाको राणा कहते हैं.)

राणी } रानी } (हि. स्त्री.) (सं. राज्ञी) राजाकी स्त्री, राजपत्नी.

रात } राती } (हि. स्त्री.) (सं. रात्रि) रजनी, रैन, निशा, निशि.

रात थोडी और सांग बहुत (हि. मु.) यह कहावत उस जगह बोली जाती है जहां काम तो बहुत हो और समय थोडा हो या थोडी आमदनी हो और बहुत खर्च हो.

रातोंरात (हि. मुहा.) रातहीमें.

रातना (हि. क्रि. स.) रंगना, रंग देना. (क्रि. अ.) किसीसे बहुत प्यार होना, किसीपर जी लगना.

राता (हि. गु.) (सं. रक्त) लाल.

रात्रि } रात्री } (सं. स्त्री.) (रा=देना, सुखको) रात, रजनि, निशा.

रात्रिचर (सं. पु.) राक्षस, भूत, चोर, रातको फिरनेवाला, चौकीदार.

राद } राध } (हि. स्त्री.) पीप, मवाद.

राधा (सं. स्त्री.) (राध्=सिद्ध करना, पूरा करना) एक गोपी जो श्रीकृष्णकी बहुत प्यारी थी, एक नक्षत्र, विशाखा नाम नक्षत्र.

राधाकान्त (सं. पु.) श्रीकृष्ण.

राधाकुण्ड (सं. पु.) गोवर्द्धन पहाडके पास एक कुण्ड जिसको श्रीकृष्णने खुदवाया था और उसमें सब तीर्थ आकरके पानी डाल गये थे.

राधावल्लभ (सं. पु.) श्रीकृष्ण.

राधिका (सं. स्त्री.) राधागोपी.

राब (हि. स्त्री) ऊख आदिका रस.

राब } राबडी } (हि. स्त्री.) जुवार या बाजरे की छाछमें मिलाकर पकाया हुआ खाना.

राम (सं. पु.) (रम्=खेलना, जिसमें योगी रमते हैं अर्थात् जिसके ध्यानमें लगे रहते हैं) परशुराम, (यह विष्णुका अवतार जमदग्निऋषिके घर त्रेता युगके शुरूमें अन्यायी क्षत्रियोंको दण्ड देनेके लिये हुआ था) रामचन्द्र, दशरथ राजाका बेटा (यह विष्णुका अवतार अयोध्याके राजा दशरथके घर त्रेतायुगके अन्तमें लङ्काके राजा रावणको मारनेके लिये हुआ) बलराम, श्रीकृष्णका बडा भाई जो द्वापर युगके अन्तमें रोहिणीके पैदा हुआ. (गु.) सुन्दर, मनोहर, शुभ, सुखदाई.

रामकहानी (हि. मुहा.) लम्बी चौडी बात, लम्बी कथा. (स्त्री.) रामायण.

रामराम (हि. मुहा.) सलाम, नमस्कार, प्रणाम. (गँवार लोग सलामकी जगह राम राम कहते हैं.)

रामकली } रामकेली } (हि. स्त्री.) एक रागिणीका नाम.

रामागिरि (सं. पु.) चित्रकूट पहाड, जहाँ वनवासके समय श्रीरामचन्द्र पहले पहल रहे थे.

रामजनी (हि. स्त्री.) कंचनी, पतुरिया, नौची, वेश्या.

रामचन्द्र (सं. पु.) (रामचन्द्र अर्थात् चाँदके ऐसे सुखदाई राम) विष्णुका सातवाँ अवतार, श्रीरघुनाथ, राजा दशरथके बड़े बेटे.

रामतुरई } (हि. स्त्री.) एक तरका-
रामतरोई } रीका नाम.

रामदूत (सं. पु.) रामचन्द्रका दूत, हनुमान्.

रामदोहाई (हि. स्त्री.) रामकी सौगंध, परमेश्वरकी शपथ.

रामानन्दी (हि. पु.) रामानन्दके मतको माननेवाला, वैष्णव.

रामा (सं. स्त्री.) (रम्=खेलना) सुन्दर स्त्री, मनोहरनारी. (गु.) मनोहर, सुन्दर, मनभावन.

रामायण (सं. स्त्री.) (राम=रामचन्द्र, अयन=जगह या रास्ता अथवा चरित्र) रामकथा, रामचरित्र.

रामावत (हि. पु.) एक तरहके वैष्णव साधु, साध.

राय } (हि. पु.) (सं. राजा) राजा,
राव } राय, हिन्दुओंमें और विशेष करके कायथोंमें एक पदवी होती है.

रायता (हि. पु.) एक तरहकी तरकारी जो दहीमें कद्दू आदि मिलानेसे बनतीहै.

रायमुनि (हि. पु.) एक प्रकारका लाल पखेरू.

रार }
रारि } (हि. स्त्री.) लड़ाई, झगडा,
राढ़ } कलह, दंगा, फसाद.

राल (सं. स्त्री.) (रा=देना) धूना, एक तरहका गोंद.

रावचाव (हि. पु.) रागरंग, विलास, आनन्द, हर्ष, भोगविलास, प्रीत, प्यार लाग, लगाव.

रावटी (हि. स्त्री.) एक तरहका डेरा.

रावण (सं. पु.) (रु=शब्द करना या रुलाना वैरियोंको) लंकाका राजा जिसको श्रीरामचन्द्रने मारा.

रावणारि (सं. पु.) श्रीरामचन्द्र.

रावत } (हि. पु.) बहादुर, वीर, सूर्मा,
राउत } सावन्त, लड़ाका, शूरवीर, एक नीच जात जो भंगीके बराबर हैं.

रावरा }
रावरो }
राउर } (हि. सर्वना.) तुम्हारा, आपका.
रौरा }

राशि (सं. स्त्री.) (अश्=फैलना या फैलाना) धान आदिका ढेर, समूह, ज्योतिषमें मेष, वृष, मिथुन आदि बारह राशि हैं, हिसाबमें एक प्रकारका अङ्क.

राशिचक्र (सं. पु.) ज्योतिश्चक्र, लग्नमण्डल.

राष्ट्र (सं. पु.) (राज्=शोभना या चमकना) बसा हुआ देश, मुल्क.

रास (हि. स्त्री.) (सं. रश्मि) डोर, बाग.

रास (सं. पु.) (रास्=शब्द करना) खेल, क्रीडा, नाच, जैसे श्रीकृष्णने गोपियोंके साथ किया था.

रासभ (सं. पु.) (रास्=शब्द करना) गधा, खर, गर्दभ.

राहु (सं. पु.) (रह्=छोडना) आठवां ग्रह.

राहुग्रस्त } (सं. पु.) चांद सूरजका
राहुग्रास } ग्रहण.

रिझाना (हि. क्रि. स.) (सं. रञ्जन) प्रसन्न करना, खुश करना.

रिपु (सं. पु.) (रप्=बुरी बात कहना) वैरी, दुश्मन, शत्रु.

रिपुञ्जय (सं. पु.) एक राजाका नाम. (गु.) वैरीको जीतनेवाला.

रिपुसूदन (सं. पु.) (रिपु=वैरी, सूद्=नाश करना) शत्रुहन, शत्रुघ्न, श्रीरामचन्द्रका भाई, लक्ष्मणका छोटा भाई.

रिस (हि. स्त्री.) (सं. रोष) कोप, क्रोध, गुस्सा, खिसियाहट.

रिसाना, रिसियाना (हि. क्रि. अ.) (सं. रुष्=कोप करना) खिसियाना, क्रोधित होना, गुस्से होना, अप्रसन्न होना.

रींगना (हि. क्रि. अ.) (सं. रिगु=जाना) चलना, रेंगना, धीरे धीरे चलना.

रींछ, रीछ (हि. पु.) (सं. ऋक्ष) भालू, एक जंगली जानवरका नाम.

रींधना (हि. क्रि. स.) (सं. रन्धन) पकाना, राँधना.

रीझना (हि. क्रि. अ.) खुश होना, प्रसन्न होना, प्यार करना.

रीढ (हि. पु.) पीठके बीचकी हड्डी.

रीता (हि. गु.) (सं. रिक्त, रिच्=खाली करना) खाली, छूछा, शून्य.

रीत (हि. स्त्री.), रीति (सं. स्त्री.) (री=जाना) चाल, ढाल, प्रकार, प्रचार, रसम, कायदा, स्वभाव.

रीस (हि. स्त्री.) (सं. रोष) क्रोध, कोप, गुस्सा.

रुकना (हि. क्रि. स.) (सं. रुध्=रोकना) अटकना, बन्द होना.

रुक्म (हि. पु.) (सं. रुक्मी रुच्=चमकना, या प्यार करना) राजा भीष्मकका बडा बेटा और रुक्मिणीका भाई, और श्रीकृष्णका साला जिसको बलदेवजीने मारा.

रुक्मिणी (सं. स्त्री.) (रुच्=चमकना वा प्यार करना) लक्ष्मीका अवतार, कुण्डलपुरके राजा भीष्मककी बेटी जो श्रीकृष्णको व्याही गई थी और पहले जन्ममें सीता थी.

रुखाई (हि. स्त्री.) रुखावट, सुखावट, घुरकी, झिडकी, धमकी.

रुचना (हि. क्रि. अ.) (सं. रोचन) अच्छा लगना, भाना.

रुचि (सं. स्त्री.) (रुच्=चमकना वा प्यार करना) इच्छा, चाह, अभिलाष, चौंप, शौक, खानेकी इच्छा, भोजन करनेकी इच्छा, चमक, शोभा, प्यार, अनुराग.

रुचिर (सं. गु.) सुन्दर, मनोहर, मनभावन, मीठा.

रुज, रुजा (सं. पु.) (रुज्=बीमार होना) रोग, बीमारी.

रुण्ड (सं. पु.) (रुद् या रुड्=मारना) धड, बिनसिरकी देह.

रुदन (सं. पु.) (रुद्=रोना) रोना, आँसू बहाना, विलाप.

रुद्ध (सं. गु.) (रुध्=रोकना) रुका हुआ, छेंका हुआ, अटका हुआ, बँधा हुआ.

रुद्र (सं. पु.) (रुद्=रोना वा शब्द करना) शिव, महादेवकी ग्यारह मूर्ति.

रुद्राक्ष (सं. पु.) (रुद्र=शिव, अक्ष=आँख, अर्थात् जिसका रूप शिवकी आँखोंके ऐसा होता है) एक वृक्ष जिसके दानोंकी माला बनती है.

रुद्राणी (सं. स्त्री.) शिवराणी, दुर्गा, पार्वती.

रुधिर (सं. पु.) लोहू, लेहू, खून, रक्त.

रुपया, रुपैया (हिं. पु.) रूपेका एक सिक्का जो सोलह आनेके बराबर होता है.

रूङ्गटा (हि. पु.) (सं. रोम) रों, बाल, रूँवा.

रूङ्गटे खडे होना (हि. मुहा.) डरसे या जाडेके मारे बाल खडे होना, डरना.

रूख (हि. पु.) पेड, वृक्ष, तरु, दरख्त.

रूखा (हि. गु.) (सं. रूक्ष) सूखा, फीका, बेरस, जो चिकना न हो, खड-खडा, कडा, निर्दय, कठोर, क्रूर.

रूखासूखा (हि. मुहा.) सादा, बेस्वादु खाना, कडा, कठोर बात.

रूखानी } (हि. स्त्री.) थँकी, छेनी.
रुखानी }

रूठना (हि. क्रि. अ.) (सं. रुष्ट, रुष्=क्रोध करना) नाराज होना, अप्रसन्न होना, बिगडना.

रूढ (सं. गु.) (रुह्=पैदा होना) पैदा हुआ, जमा हुआ, उत्पन्न, प्रसिद्ध.

रूढि (सं. स्त्री.) (रुह्=पैदा होना) उत्पत्ति पैदा होना, जन्म, प्रसिद्धि, ऐसा शब्द जो किसीसे बना न हो और उसका अर्थ उसी पदमें रहे.

रूप (सं. पु.) (रूप्=डौल बनाना) आकार डौल, सूरत, शकल, शोभा, स्वरूप, सुन्दरता, रीत, ढब, प्रकार, भाँत, चाल, तरह.

रूपक (सं. पु.) (रूप्=डौल बनाना) नाटक, रूप, मूरत, एक अलंकारका नाम.

रूपनिधान (सं. पु.) सुन्दरताका घर अर्थात् बहुतही सुन्दर.

रूपवती (सं. स्त्री.) सुन्दर स्त्री, मनोहर स्त्री.

रूपसागर (सं. पु.) रूपका समुद्र, बहुतही सुन्दर.

रूपा (हि. पु.) (सं. रूप्य, रूप) चाँदी.

रूरी (हि. गु. स्त्री.) सुन्दर.

रूसना (हि. क्रि. अ.) (सं. रोषण, रुष्=क्रोध करना) क्रोधित होना, रिसाना, अप्रसन्न होना, नाराज होना, रूठना.

रेंकना (हि. क्रि. अ.) गधेका बोलना.

रेंगना (हि. क्रि. अ.) (सं. रिगू=जाना) धीरे २ चलना, रींगना.

रेंड (हि. पु.) } (सं. एरण्ड) एरण्ड-
रेंडी (हि. स्त्री.) } का पेड, रेंडका दरख्त.

रेख (हि. स्त्री.) (सं. रेखा) लकीर.

रेखा (सं. स्त्री.) (रिख्=लिखना) लकीर, रेख, लिखना, भाग, प्रारब्ध.

रेणु (सं. स्त्री.) (रि=जाना) रेत, धूल.

रेणुका (सं. स्त्री.) सुगन्धित चीज, जमदग्नि ऋषिकी लुगाई और परशुरामजीकी मा.

रेत (हि. स्त्री.) धूल, रज, बालू, चूर, रेतन.

रेतना (हि. क्रि. स.) घिसना, सोहन करना, रंदा फेरना, घोंटना, चिकना करना, ओपना.

रेती (हि. स्त्री.) नदीके तीरपरकी रेतली धरती, बालू, सोहन, रेतनेका औजार.

रेफ (सं. पु.) रकार, " र " अक्षर, जो दूसरे व्यंजनके साथ मिलता है तब उसका रूप (ॅ) ऐसा होता है. जैसे दुर्लभ.

रेलना (हि. क्रि. स.) ढकेलना, ठेलना, पेलना.

रेलपेल (हि. स्त्री.) भीड, धूमधाम, बहुतायत.

रेवडी (हि. स्त्री.) एक तरहकी खानेकी मीठी चीज.

रेवडीके फेरमें पडना (हि. मुहा.) कठिनतामें फँसना, पेंचमें आना.

रेवती (सं. स्त्री.) रेवत राजाकी बेटी और बलदेवजीकी स्त्री, सत्ताईसवाँ नक्षत्र.

रेवतीरमण (सं. पु.) बलदेव, बलराम, श्रीकृष्णके बडे भाई.

रेवा (सं. स्त्री.) (रेव्=बहना या उछलके चलना) नर्मदा नदी.

रेह (हि. स्त्री.) एक तरहका खार जो कपडोंके धोने और साबनके बनानेमें काम आता है.

रैन (हि. स्त्री.)(सं. रजनि) रात, निशा.

रोआँ ⎫ (हि. पु.) (सं. रोम) शरीर-
रोवाँ ⎭ परके बाल, ऊन, रोएं.

रोंगटी (हि. स्त्री.) छलसे झूठको सच और सचको झूठ बताना, हथफेर, छलविद्या.

रोक ⎫ (हि. पु.) (सं. रोक, रुच्=
रोकड ⎭ चाहना वा प्यार करना) नकद.

रोकडिया (हि. पु.) खजानची, कोठारी.

रोकना (हि. क्रि. स.) (सं. रोधन) अटकाना, घेर लेना, बंद करना, थामना, मना करना, बात करना.

रोग (सं. पु.) (रुज्=बीमार होना) बीमारी, पीडा, व्याधि, दुःख.

रोगी (सं. गु.) बीमार, दुःखी, पीडित.

रोचक (सं. गु.) (रुच्=चाहना, प्यार करना) चाह करानेवाला, रुचि करानेवाला, पाचक. (पु.) भूख, क्षुधा.

रोझ (हि. पु.)(सं. ऋष्य) एक जानवरका नाम.

रोट (हि. पु.) (सं. रोटिका या रोटी) मोटी रोटी जो हनुमानजीको चढाते हैं.

रोटा (हि. पु.) (सं. रोटिका) मोटी रोटी.

रोटिका ⎫ (सं. स्त्री.) (रुट्=ठोंकना
रोटी ⎭ या काटना) गेहूँके आटेकी बनी हुई खानेकी चीज, फुलका.

रोडा (हि. पु.) बडा कंकर, ईंटका बडा टुकडा.

रोदन (सं. पु.) (रुद्=रोना) रोना, रुदन.

रोना (हि. क्रि. अ.)(सं. रोदन) आंसू बहाना, विलाप करना, बिलकना, चिल्लाना, उदास होना, नाराज होना. (पु.) विलाप, रुदन, दुःख, सोच.

रोपना (हि. क्रि. स.) (सं. रोपण) बोना, जमाना, उगाना.

रोम (सं. पु.) बाल, केश, रोवाँ, रोआँ.

रोमाञ्चित (सं. गु.) बहुत खुशी या डरसे शरीरके रोयें खडे होना, पुलकित, हर्षित.

रोली (हि. स्त्री.) कुमकुम.

रोमावली (सं. स्त्री.) रोएंकी धारी जो नाभके बीचमेंसे होकर जाती है.

रोष (सं. पु.) कोप, रीस, क्रोध, गुस्सा.

रोहिणी (सं. स्त्री.) चौथा नक्षत्र, चांदकी स्त्री, रोहणराजाकी बेटी, वसुदेवजीकी स्त्री और बलदेवजीकी मा.

रोहिणीपति (सं. पु.) चाँद, वसुदेवजी.

रौद्र (सं. गु.) (रुद्र, अर्थात् जिसका देवता रुद्र है) डरावना, भयानक. (पु.) क्रोध, कोप, धूप.

रौना (हि. पु.) गौनेके पीछे अपनी स्त्रीको उसके बापके घरसे अपने घरमें लाना.

रौर (हि. पु.) (सं. रव) शब्द, रौला, शोर, गुलगपाड, यश, नामवरी.

रौरव (सं. पु.) (रु=शब्द करना, या रोना जहाँ पापी रोते हैं) एक नरकका नाम. (गु.) भयानक.

रौला. (हि. पु.) (सं. राव, रु=शब्द-करना) धूमधाम, हुल्लड, बखेडा गुल गपाड.

ल.

ल (सं. पु.) (ला=लेना, वा लू=काटना) इन्द्र, मंत्र, काटना.

लकड (हि. पु.) (सं. लगुड) लकडी, लाठी, लट्ठ.

लकडी (हि. स्त्री.) (सं. लगुड) काठ, ईन्धन, जलावन, सोंटा, लट्ठ, लाठी.

लकीर (हि. स्त्री.) (सं. लेखा, लिख्=लिखना) रेखा, लीक, धारी, डंडीर.

लकुट (हि. पु.) (सं. लगुड) लाठी, लकडी, छडी.

लक्ष (सं. पु.) (लक्ष=देखना, चिह्न करना) एक लाख, सौ हजार, छल, बहाना, चिह्न.

लक्षण (सं. पु.) (लक्ष्=देखना वा चिह्न करना) चिह्न, पहचान, तारीफ, नाम, गुण, श्रीरामचन्द्रका छोटा भाई, लक्ष्मण, सुमित्राका बेटा.

लक्षित (सं. गु.) (लक्ष्=चिह्न करना, देखना) देखा हुआ, जाना हुआ, चिह्न किया हुआ.

लक्ष्मण (सं. पु.) दशरथ राजाका बेटा, जो सुमित्रासे पैदा हुआ, श्रीरामचन्द्रका छोटा भाई.

लक्ष्मणा (सं. स्त्री.) मद्रदेशके राजाकी बेटी और श्रीकृष्णकी पत्नी, दुर्योधनकी बेटी, जो श्रीकृष्णके बेटे साम्बको ब्याही थी.

लक्ष्मी (सं. स्त्री.) (लक्ष्=देखना वा चिह्न करना) विष्णुपत्नी और धनकी देवता, हरिप्रिया, पद्मा, कमला, श्री, इन्दिरा, लोकमाता, रमा, हरिवल्लभा, सम्पदा, सम्पत्ति, धन, ऐश्वर्य, शोभा, सुन्दरता.

लक्ष्मीकान्त (सं. पु.) विष्णु, नारायण.

लक्ष्मीनाथ (सं. पु.) विष्णु, नारायण.

लक्ष्मीपति (सं. पु.) विष्णु, नारायण.

लक्ष्मीवान् (सं. गु.) सम्पदावाला, धनवान्, दौलतमन्द, श्रीमान्, श्रीयुत.

लक्ष्य (सं. पु.) (लक्ष्=देखना, चिह्न करना) निशान, ताक. (गु.) जो जाना जाय, जो देखा जाय.

लखन (हि. पु.) (सं. लक्षण) लक्ष्मण, श्रीरामचन्द्रका छोटा भाई.

लखना (हि. क्रि. स.) देखना, भालना, ताकना, जानना, समझना, पहचानना.

लखपति (हि. पु.) धनी, धनवान्, जिसके घरमें लाख रुपये हों.

लखेरा (हि. पु.) लाखकी चूडी आदि बनानेवाला.

लग (हि.) (सं. लग्=मिलना) निरय, तक, लौं, पास, जबतक.

लगभग (हि. मुहा.) अनुमान, आसपास, करीब.

लगना (हि. क्रि. अ.) (सं. लग्=मिलना) जुडना, चिपकना, मिलना, सटना, किसी कामका शुरू होना, नियुक्त होना, किसी काममें तत्पर होना, पहुँचना, फैलना, सोहना, फबना, ठीक होना, मालूम होना, सम्बन्ध रखना, लगाव रखना.

लगातार (हि. क्रि. वि. या गु.) बराबर, निरन्तर, एकपर एक.

लगाव (हि. पु.) मेल, लाभ, जोड.

लगि (हि.) लिये, वास्ते, तक.

लग्गा (हि. पु.) लाग, मेल, प्यार, प्रेम, प्रीत, एक डंडा जिससे नाव चलाई जाती है.

लगा न खाना (हि. मुहा.) बराबर न होना, उपमा या बराबरीके योग्य न होना.

लग्गी (हि. स्त्री.) बाँसका डंडा.

लग्न (सं. पु.) (लग्=मिलना वा पास होना) मेष आदि राशियोंका उदय. (गु.) लगा हुआ, मिला हुआ.

लघिमा (सं. स्त्री.) छोटापन, हलकापन, लघुता, लाघव, आठ सिद्धियोंमेंकी एक सिद्धि.

लघु (सं. गु.) (लघि=जाना, छोटा होना) हलका, छोटा, शीघ्र, उतावला, सुन्दर, मनोहर, नीचा, नीच. (पु.) ह्रस्वस्वर, एकमात्रिक स्वर.

लघुता (सं. स्त्री.) छोटापन, हलकाई, छुटाई, निचाई.

लङ्का (सं. स्त्री.) (लक्=स्वाद लेना या पाना) रावणकी राजधानी.

लङ्कापति (सं. पु.) रावण, विभीषण.

लङ्केश }
लङ्केश्वर } (सं. पु.) रावण, बिभीषण.

लंगर (फा. पु.) जहाज आदिको ठहरानेके लिये एक लोहेकी चीज.

लंगूर (हि. पु.) (सं. लांगूली) बंदरकी जातिका एक जानवर जिसकी पूँछ लम्बी होती है और मुँह काला होता है.

लंगोट (हि. पु.) }
लंगोटा (हि. पु.) } कौपीन, कछनी.
लंगोटी (हि. स्त्री.) }

लंगोटबन्द (हि. मुहा.) वह आदमी जो ब्याह न करे.

लंगोटिया यार (हि. मुहा.) बालकपनका पुराना मित्र.

लंघन (सं. पु.) (लंघि=पार होना, या लांघना) लांघना, पार होना, उछलना, उपास, कड़ाका.

लचक (हि. स्त्री.) लचीलापन, झुकाव.

लचकना (हि. क्रि. अ.) जोर पड़नेसे झुक जाना, और जब वह जोर न रहे तब पीछा उभर आना.

लच्छन (हि. पु.) लक्षण शब्दको देखो.

लच्छा (हि. पु.) रंगे हुये सूतकी आँटी.

लछन (हि. पु.) लक्ष्मण.

लछमण (हि. पु.) लक्ष्मण, श्रीरामचन्द्रका छोटा भाई.

लछमी }
लछि } (हि. स्त्री.) लक्ष्मीशब्दको देखो.

लजाना (हि. क्रि. अ.) शर्माना, लाज मरना, संकोच करना.

लजालू (हि. गु.) शर्मीला, लज्जित. (पु.) छूई मूईका पेड़ जिसके पास अंगुली ले जानेसे पत्ते सुकड़ जाते हैं.

लज्जा (सं. स्त्री.) (लस्ज्=शरमाना) लाज, शर्म, संकोच.

लज्जारहित (सं. गु.) निर्लज्ज, बेशर्म.

लज्जित (सं. गु.) शर्मीला, शर्मिंदा, लजालू, संकोची.

लट (हि. स्त्री.) लटूरी, उलझे बाल, जटा, एक जानवरका नाम.

लटक (हि. स्त्री.) मटक, चटक, नखरा, आन, मान, चोंचला.

लटकचाल (हि. स्त्री.) नखरेकी चाल.

लटकन (हि. स्त्री.) लटकती हुई चीज, झूला, झूमका, कुण्डल, एक फूल जिससे कपडे पीले रंगे जाते हैं, एक हरे रंगके पखेरूका नाम जो अपने पैरोंसे बहुत वार लटका रहता है, लकड़ीकी एक चीज जिसपर पानीका लोटा झारी आदि रखते हैं.

लटकना (हि. क्रि. अ.) झूलना, टँगना, पीछे रह जाना.

लटका (हि. पु.) मंत्र, झाड़फूंक, टोना, टोटका, चुटकुला, जादू.

लटपटा (हि. गु.) खिलाड़, चंचल, उलट-पुलट, लपेटी हुई.

लटूरिया } (हि. स्त्री.) लट, जुल्फ, छोटे २
लटूरी } उलझे बाल.

लट्टू (हि. पु.) लड़कोंके एक खिलौनेका नाम.

लट्टू होना. (हि. मुहा.) मोहित होना, किसीके प्यारमें फँसना.

लठ (हि. पु.) (सं. यष्टि) सोंथ, लाठी.

लठियाना (हि. क्रि. स.) लाठीसे मारना, लाठी मारना.

लड़ (हि. स्त्री.) लड़ी (मोती आदिकी) पाँत, जथा, दल, घड़ा, टोली.

लड़का (हि. पु.) (सं. लड्=खेलना) बालक, छोकरा, बेटा.

लड़कावाला } (हि. मुहा.) बालबच्चा,
लड़कालड़की } बेटाबेटी.

लड़काई (हि. स्त्री.) लड़कपन, बालकपन.

लड़खड़ाना (हि. क्रि. अ.) डगमगना, डिगना, हकलाना.

लड़ना (हि. क्रि. अ.) (सं. लड्=जीभ हिलाना) झगड़ना, लड़ाई करना, बखेड़ा करना, युद्ध करना.

लड़ाई (हि. स्त्री.) झगड़ा, बखेड़ा, युद्ध, जंग.

लड़ाई करना (हि. मुहा.) झगड़ना, लड़ना, बखेड़ा करना, युद्ध करना.

लड़ाक } (हि. गु.) लड़नेवाला, झग-
लड़ाका } ड़ालू, बखेड़िया.

लड़ियाना (हि. क्रि. स.) पिरोना, गूँथना, पोना.

लड़ी (हि. स्त्री.) मोतियोंकी पाँत.

लड्डू (हि. पु.) (सं. लड्डुक, लड्=चाहना, विलास करना) लाडू, मोदक, मोतीचूर. मनके लड्डू खाना (मुहा.) मनहीं-मनमें ऐसी बातोंका विचार बाँधना जो हो नहीं सक्ती.

लंठर (हि. गु.) मूर्ख, गँवार.

लंडूरा (हि. गु.) बाँडा, बिन पूँछका, बेमित्र, मित्रोंसे छोड़ा हुआ.

लत (हि. स्त्री.) बुरी चाल, कुटेव, लहर, तरंग, लात.

लत (हि. स्त्री.) (सं. लता) बेल, बेली.

लता (सं. स्त्री.) (लत्=उलझना वा चोट करना) बेल, बेलड़ी, बेली.

लतियाना (हि. क्रि. स.) लातसे मारना.

लत्ता (हि. पु.) चीथड़ा, फटा पुराना कपड़ा.

लथड़ना (हि. क्रि. अ.) कीचड़से भीगना या कीचड़ लग जाना.

लदना (हि. क्रि. अ.) लादा जाना.

लप (हि. स्त्री.) मुट्ठीभर.

लपकना (हि. क्रि. अ.) लहकना, चमकना, उछलना, कूदना.

लपका (हि. पु.) झपट, फूर्ती, चाट, बुरी चाल.

लपट (हि. स्त्री.) महक, सुगन्ध, दहक, लहर, भभक, लूका.

लप्पा (हि. पु.) पट्टा, गोटा, किनारी.

लबार (हि. पु.) गप्पी, झूठा, बकवादी.

लब्ध (सं. गु.) (लभ्=पाना) पाया हुआ, मिला हुआ, प्राप्त.

लभ्य (सं. गु.) पाने योग्य, मिलने योग्य

लमकाना }
लम्हा } (हि. पु.) (सं. लम्बकर्ण) ससा, खरहा, ख़र्गोश.
लम्भा }

लम्पट (सं. गु.) (रम्=खेलना) व्यभिचारी, कुकर्मी, रंडीबाज लुच्चा, झूठा.
लम्ब (सं. गु.) (सं. लम्ब्=ठहराना या नीचे लटकाना) ऊँचा, लम्बा, बडा, फैला हुआ. (स्त्री.) (नापविद्यामें) खडी लकीर.
लम्बा (हि. गु.) ऊँचा, बडा.
लम्बा करना (हि. मुहा.) फैलाना, बढाना पीटना, मारना.
लम्बी साँस भरना (हि. मुहा.) रोना, विलाप करना.
लम्बोदर (सं. पु.) गणेशजी. (गु.) बडा पेटवाला.
लय (सं. पु.) (ली=मिलना) लीन, मिलना, मगन होना, नाश, प्रलय, टेर, ताल, स्वर.
ललकना (हि. क्रि. अ.) चढना, धावा करना. (क्रि. स.) चाहना.
ललकारना (हि. क्रि. स.) पुकारना, हाँकना, बुलाना, सामने करना, लडाई माँगना.
ललचाना (हि. क्रि. अ.) तरसना, बहुत चाहना, लालसा करना.
ललना (सं. स्त्री.) (लल्=चाहना) लुगाई, नारी, स्त्री, कामिनी, सुन्दरी.
लला (हि. पु.) बालक. (गु.) प्यारा, दुलारा, लाडला.
ललाट (सं. पु.) सिरका अगला भाग, भाल, कपाल, प्रारब्ध.
ललाम (सं. गु.) सुन्दर, मनोहर.
ललित (सं. गु.) (लल=चाहना) मनोहर, सुन्दर, मनभावन, चंचल, कोमल, प्यारा. (स्त्री.) एक रागिणीका नाम.
ललिता (सं. स्त्री.) एक गोपीका नाम जिसने ऊधोजीसे बातचीत की थी.
लल्लोपत्तो (हि. पु.) चापलूसी, खुशामद.
लव (सं. पु.) (लू=काटना) क्षण, पल, निमेष, हिसाबमें भिन्नका अंश, भाग, श्रीरामचन्द्रका बडा बेटा, लौंग.
लवङ्ग (सं. स्त्री.) लौंग, एक तरहकी औषध.
लवण (सं. पु.) लौन, नोन, निमक, नमक. (गु.) खारा.
लवणसमुद्र } (सं. पु.) खारा समुद्र.
लवणसागर }
लवा (हि. पु.) बटेर, एक तरहका पखेरू.
लषित (सं. गु.) चाहा हुआ, शोभायमान.
लसना (हि. क्रि. अ.) (लस्=मिलना, खेलना वा चमकना) सोहना, फबना, सजना, चमकना.
लसलसा (हि. गु.) चिपचिपा, लसीला.
लहँगा (हि. पु.) घघरा.
लहकना (हि. क्रि. अ.) चमकना, झलकना, लहरना, लूका उठना, हिलना.
लहना (हि. क्रि. स.) (सं. लभ=पाना) लेना, पाना, जानना, मालूम करना. (पु.) कर्ज, ऋण, भाग, किस्मत.
लहर (हि. स्त्री.) (सं. लहरि) तरंग, हिलोरा, टेऊ, हिलकोर, मनकी तरंग या मौज, ललक, साँपके लहर चढनेसे देहका लहराना, रंगनेमें अथवा कारचोबीमें निकली हुई धारी.
लहरना (हि. क्रि. अ.) हिलकोरना, हिलना, डोलना, जलन होना, जल उठना.
लहराना (हि. क्रि. स.) ललचाना, तरसाना. (क्रि. अ.) हिलकोरना, लहर उठना.
लहरिया (हि. पु.) एक तरहका रंग हुआ कपडा.

लहरी (हि. गु.) तरंगी, चंचल, ओछा.
लहलहाना (हि. क्रि. अ.) खिलना, विकसना, फूलना, हरा होना, डहडहाना.
लहसन (हि. पु.) (सं. लशुन) एक तरहका कन्द.
लहसनियाँ (हि. पु.) एक तरहका बढियाँ पत्थर.
लहू } लेहू } लोहू } (हि. पु.) (सं. लोहित) खून, रुधिर, रक्त.
लहूलुहान (हि. मुहा.) लोहूसे भरा हुआ.
लाई (हि.) लिये, वास्ते.
लाँक (हि. स्त्री.) कमर, लामा, भूसी, भूसा.
लाँघना (हि. क्रि. स.) (सं. लंघन) कूदना, फाँदना, चढना, पार होना, तैरना.
लाक्षा (सं. स्त्री.) (लक्ष=चिह्न करना) लाख, लाहे.
लाख (हि. गु.) (सं. लक्ष) सौ हजार, १०००००.
लाख (हि. स्त्री.) (सं. लाक्षा) लाह जिससे कागज पत्र बन्द किये जाते हैं.
लाग (हि. स्त्री.) (सं. लग्=मिलना) मारना, चोट, लगान, लगाव, वैर, द्वेष, द्रोह, ईर्षा, डाह, प्यार, छोह, मेल, संबंध, लागत, खर्च.
लागत (हि. स्त्री.) खर्च, कीमत.
लाघव (सं. पु.) (लघु) हलकाई, छोटापन, लघुता, क्षुद्रता, अपमान, आरोग, निरोगता, तंदुरुस्ती.
लाङ्गल (सं. पु.) (लागि=मिलना) हल.
लांगूल (सं. स्त्री.) } (लागि=मिलना
लंगूल (हि. स्त्री.) } या लगा रहना) पूँछ.
लाज (हि. स्त्री.) (सं. लज्जा) शर्म, संकोच, लज्जा.
लाञ्छन (सं. पु.) (लञ्छ=चिह्न करना, दाग लगाना) चिह्न, कलंक, दाग, नाम.
लाटी (हि. स्त्री.) कैंटी, फेफडी जो होठ और तालूके सूखनेसे होठोंपर पड जाती है.
लाठ (हि. स्त्री.) (सं. यष्टि) खंभा, मीनार, सोंटा, कोल्हूका लाठा.
लाठी (हि. स्त्री.) (सं. यष्टि) लकडी, सोंटा, छडी, डंडा.
लाड (हि. पु.) (सं. लड्=खेलना) प्यार, मोह, छोह, खेल.
लाड लडाना (हि. मुहा.) दुलारना, प्यार करना.
लाडला (हि. गु.) प्यारा, दुलारा.
लात (हि. स्त्री.) पाँवकी मार.
लादना (हि. क्रि. स.) बोझ भरना.
लाना (हि. क्रि. स.) लेआना.
लाभ (सं. पु.) (लभ्=पाना) फायदा, फल, प्राप्ति, पाना, मिलना, नफा.
लाल (हि. गु.) (सं. लल्=चाहना) प्यारा, प्रिय, लाडला, दुलारा, लालरंग, रक्तवर्ण. (पु.) छोटा बालक, बेटा. (सं. लाला) (स्त्री.) लार, थूक.
लालबुझक्कड (हि. पु.) बुद्धिमान् मनुष्य जो हरबातको झट समझ जाय, या जो होनेवाला हो उसको सोच विचारके पहलेसे कह दे. पर यह शब्द ठट्ठेसे या तानासे ऐसे मूर्ख आदमीके लिये बोला जाता है जो और सब आदमियोंसे अपने तईं अधिक बुद्धिमान् समझता हो और सचमुच निरा गँवार हो.

लालच (हि. पु.) (सं. लालसा) लोभ, चाहना, तृष्णा.

लालची (हि. गु.) लालच करनेवाला, लोभी, आपस्वार्थी.

लालन (सं. पु.) (लल्=चाहना) बहुत सनेह करना, बहुत प्यारसे बालकको पालना.

लालना (हि. क्रि. स.) लडाना, बहुत प्यारसे बालकको पालना.

लालसा (सं. स्त्री.) बहुत चाह, इच्छा, अभिलाष.

लाला (हि. पु.) साहिब, बाबू, गुरु, पढानेवाला, मास्टर, कायस्थों और महाजनोंकी पदवी.

लालित्य (सं. पु.) सुन्दरता, मनोहरता, कोमलता.

लाली (हि. क्रि. स.) लडाई, प्यार किया. (सं. लल्=चाहना) (गु.) दुलारी, प्यारी. (स्त्री.) ललाई, सुर्खी.

लावण्य (सं. पु.) सुन्दरता, शोभा, नमकीनी, नमकका स्वाद.

लाह (हि. स्त्री.) (सं. लाक्षा) लाख.

लाह } लाहा } लाहू } (हि. पु.) (सं. लाभ) फायदा, लाभ, फल.

लिखत (हि. पु.) (सं. लिखित) लिखा हुआ, कागज जैसे तमस्सुक आदि.

लिखना (हि. क्रि. स.) (सं. लिखनं) लिखाई करना, लिख देना.

लिख लेना (हि. मुहा.) नकल करना, लिख रखना.

लिखा (हि. पु.) भाग, प्रालब्ध, कर्म, होनी, होनहार, लेख, लिखावट. (गु.) लिखा हुआ.

लिखाई (हि. स्त्री.) लिखनेके दाम, लिखनेकी मिहनत, लिखनेका काम, लेखकी.

लिखावट (हि. स्त्री.) लिखनेका या लिखाईका काम.

लिखित (सं. गु.) लिखा हुआ. (पु.) लेख, चिट्ठी, पत्र, लिपि.

लिङ्ग (सं. पु.) (लिगि=जाना वा चित्र या चिह्न करना) पुरुषचिह्न, इन्द्री, शिवकी मूरत, (व्याकरणमें) जाति, जैसे पुँल्लिग, स्त्रीलिंग आदि.

लिट्टी (हि. स्त्री.) बाटी, अँगाकडी, आटेका गोला जिसको अंगारोंमें पकाकर खाते हैं.

लिपटना (हि. क्रि. अ.) चिपकना, सटना.

लिपि } लिपी } (सं. स्त्री.) (लिप्=लेपना) लिखा हुआ कागज, लिखत, लेख, हस्ताक्षर, हाथका लिखा हुआ.

लिप्त (सं. गु.) लिपा हुआ, पोता हुआ, मिला हुआ, चर्चा हुआ.

लिम (हि. पु.) कलङ्क, दाग, चिह्न.

लिलाट } लिलाड } लिलार } (हि. पु.) (सं. ललाट) सिरका अगला भाग, ललाट, भाल, कपाल, प्रारब्ध, भाग.

लिवैया (हि. गु.) लेनेवाला.

लीक } लीका } (हि. स्त्री.) (सं. लेखा) गाडीके पहियेका निशान, पगडंडी, लकीर, कलंक, दाग.

लीख (हि. स्त्री.) जूंका अंडा.

लीचड (हि. गु.) सूम, कंजूस, कृपण, लोभी.

लीची (हि. स्त्री.) एक फल जो चीन देशसे फैला है.

लीतरा.

लीन (सं. गु.) (ली=मिलना वा गलना) लय, लगा हुआ, मिला हुआ, डूबा हुआ, मग्न, गला हुआ, सूखा हुआ.

लीपना (हि. क्रि. स.) (सं. लेपन) पोतना, लेसना, थोपना.

लीमू (हि. पु.) (सं. निम्बू) नींबू, लेमू, एक खट्टे फलका नाम.

लीर (हि. स्त्री.) धज्जी, कतरन, कपडेका टुकडा.

लील (हि. स्त्री.) (सं. लीन) नील. (गु.) नीला.

लीलना (हि. क्रि. स.) निगलना.

लीला (सं. स्त्री.) (ली=मिलना या ला=लेना) खेल, क्रीडा, विहार, विलास, कामकेलि, शृंगार, भाव.

लीलावती (सं. स्त्री.) विलास करनेवाली स्त्री, भास्कराचार्यकी बेटीका नाम, संस्कृतमें एक गणितविद्याकी पुस्तकका नाम.

लुकना (हि. क्रि. अ.) छिपना.

लुकाना (हि. क्रि. स.) छिपाना.

लुगाई } लोगाई } (हि. स्त्री.) नारी, स्त्री.

लुटना (हि. क्रि. अ.) (सं. लुट्=लूटना या लूटना) लुट जाना, छिन जाना.

लुटिया (हि. स्त्री.) छोटा लोटा.

लुटेरा } लुटेरू } (हि. पु.) (लूटना) (लूटनेवाला.

लुढकना } लुढना } (हि. क्रि. अ.) (सं. लुठन) ढुलकना, गिरना, ढनमनाना.

लुढ जाना (हि. मुहा.) मर जाना.

लुढाना (हि. क्रि. स.) ढुलकाना; लुढकाना, गिरा देना.

लुपरी (हि. स्त्री.) एक तरहकी लपसी.

लुप्त (सं. गु.) नष्ट, बरबाद, छिप जाना, अदृश, गुप्त.

लुब्ध } लुब्धक } (सं. गु.) (लुभ्=लोभ करना या मोहना) लोभी, लालची, शिकारी, लुच्चा, लंपट.

लुभाना (हि. क्रि. स.) ललचाना, मोहना, तरसाना, चाहना.

लुहांगी (हि. स्त्री.) ऐसी लाठी जिसपर लोहा जडा रहता है.

लुहार } लोहार } (हि. पु.) (सं. लोहकार) लोहेका काम बनानेवाला.

लू (हि. स्त्री.) गर्म हवा, लूक, लपट.

लूक } लूका } (हि. पु.) (सं. उल्का) आगकी चिनगारी, पतङ्गा, लपट.

लूका लगाना (हि. मुहा.) आग लगाना, जलाना, झगडा उठाना, बखेडा मचाना.

लूट (हि. स्त्री.) डकैती. लूटपाट.

लूटखूट (हि. मुहा.) लूटना और उजाडना.

लूटना (हि. क्रि. स.) छीन लेना, लूटपाट करना.

लूटपाट (हि.मुहा.) लूटना और मार लेना.

लूटालूट (हि. मुहा.) लूट, छीना झपटी.

लूणी } लूनी } (हि. गु.) (सं. लवण) लोना, खारा. (सं. नवनीत) मक्खन, माखन.

लून (हि. पु.) (सं. लवण) निमक, नमक, लोन.

लूनिया (हि. गु.) (सं. लवण) खारा. (पु.) एक पौधा, बेलदार, वह आदमी जो औरके लिये रस्ता साफ करता है, नमक बनानेवाला, बनियोंकी एक जाति.

लूला (हि. गु.) बिनहायका, टुंडा, लुंजा.

लेई (हि. स्त्री.) आटेका कल्प या माँडी जिससे कागज आदि साटते हैं.

लेंडी (हि. स्त्री.) बकरीकी मेंगनी, एक तरहका कुत्ता. (गु.) नामर्द, असमर्थ.

लेख (सं. पु.) (लिख्=लिखना) लिखा हुआ कागज, पत्र, लिपि.

लेखक (सं. पु.) लिखनेवाला, मोहर्रिर.
लेखनी (सं. स्त्री.) लिखनेकी चीज, कलम.
लेखा (सं. पु.) हिसाब, गणित. (स्त्री.) लकीर, रेखा.
लेख्य (सं. गु.) लिखने योग्य. (पु.) चिट्ठी, पत्री, लिखा हुआ कागज.
लेटना (हि. क्रि. अ.) सोना, आराम करना.
लेनदेन (हि. पु.) } व्योपार, व्यवहार.
लेवादेई (हि. स्त्री.) }
लेना (हि. क्रि. स.) लेलेना, ग्रहण करना, गहना, पकडना, स्वीकार करना, चुनना, खरीदना.
लेप (सं. पु.) लेपन, मलहम.
लेपालक (हि. पु.) गोद लिया हुआ बेटा, धर्मका बेटा, पोष्यपुत्र.
लेवा (हि. पु.) लेनेवाला, थन.
लेश (सं. गु.) (लिश्=थोडा होना) थोडा, छोटा, अल्प, किंचित्. (पु.) छोटाई, अल्पता, कण.
लेह्य (सं. गु.) (लिह्=स्वाद लेना, चाटना) चाटने योग्य. (पु.) अमृत.
लोई (हि. स्त्री.) (सं. लोमीय, लोम) एक तरहका ऊनी कपडा, छोटा कम्बल, मुँहकी चमक.
लों } (हि.) निरय (सं.) तक, तलक,
लौं } लग, अवधि.
लोंग } (हि. स्त्री.) (सं. लवंग) एक
लौंग } तरहका गर्म मशाला.
लोंदा (हि. पु.) मिट्टीका ढेला.
लोक (सं. पु.) (लोक=देखना) लोग, मनुष्य, भुवन, सृष्टिके विभाग, तीन लोक प्रसिद्ध हैं (१ स्वर्गलोक अथवा देवलोक अर्थात् देवताओंके रहनेकी जगह, २ मर्त्यलोक यह संसार जिसमें मनुष्य रहते हैं, ३ पाताललोक अर्थात् नीचेका लोक.) कितने एक ग्रन्थोंमें सात लोक लिखे हैं (१ भूलोक पृथ्वी, २ भुवर्लोक जिसमें ऋषि मुनि और सिद्ध आदि रहते हैं और वह सूरज और पृथ्वीके बीचमें है जिसको अन्तरिक्षभी कहते हैं, ३ स्वर्लोक अथवा स्वर्ग जिसमें इन्द्र और देवता रहते हैं और वह सूरज और ध्रुवके तारेके बीचमें है, ४ महर्लोक जिसमें भृगु आदि ऋषि रहते हैं, जो ब्रह्माके जीनेतक जीते रहते हैं और जब तीन लोकमें प्रलय हो जाता है और उसकी लपट महर्लोकतक पहुँचती है तब वे सब ऋषि ५ जन लोकमें चढ जाते हैं जिसमें ब्रह्माके बेटे सनक, सनन्दन, सनातन और सनत्कुमार रहते हैं, ६ तपोलोक जहाँ तपस्वी रहते हैं, ७ सत्यलोक अथवा ब्रह्मलोक अर्थात् ब्रह्माके लोक. इनमेंके पहले तीन लोक हर एक कल्प अर्थात् ब्रह्माके दिनके अन्तमें नाश हो जाते हैं, और पिछले तीन लोक ब्रह्माके जीनेतक अर्थात् ब्रह्माके १०० बरसतक रहते हैं. और चौथा महर्लोकभी उसी समयतक रहता है पर नीचेके तीन लोक प्रलयके समयमें जलते हैं तब उसकी तपनके कारण वहाँ कोई नहीं रहता.
लोकनाथ (सं. पु.) राजा, शिव, ब्रह्मा, विष्णु.
लोकप (सं. पु.) लोकपाल.
लोकपाल (सं. पु.) राजा, दिक्पाल.
लोकमाता (सं. स्त्री.) संसारकी मा, लक्ष्मी.

लोकालोक (सं. पु.) (लोक=देखना, अलोक=नहीं देखना) एक पहाडकी श्रेणी जिसको सोचते हैं कि सातों समुद्रोंको घेरे हुए है और इस संसारकी सीमा है.

लोकेश (सं. पु.) ब्रह्मा, राजा.

लोग (हि. पु.) (सं. लोक) मनुष्य, आदमी, जन.

लोचन (सं. पु.) (लोच्=देखना) आँख, नेत्र, नयन.

लोटना (हि. क्रि. अ.) (सं. लुट्=फिरना, घूमना) घूमना, फिरना, रोलना, तडफना, छटपटाना.

लोटपोट होना (हि. मुहा.) मोहित होना, किसीके प्यारमें डूबना.

लोटा (हि. पु.) गडवा, पानी डालनेका बरतन.

लोढा (हि. पु.) (सं. लोठ=इकट्ठा होना) सिलबट्टा, ओसवाल महाजनोंकी एक जाति.

लोणा } (हि. गु.) (सं. लवण) खारा
लोना } सुन्दर.

लोथ (हि. स्त्री.) (सं. लोचक, लोच्=देखना) मरा शरीर, लाश, मृतक.

लोथरा (हि. पु.) मांसका पिंड.

लोदी (हि.) पठानोंकी एक जाति.

लोन (हि. पु.) नमक, निमक, नून.

लोन मिर्च लगाना (हि. मुहा.) अपनी तरफसे बहुत बढाके कहना.

लोनाई (हि. स्त्री.) (सं. लावण्य) सुन्दरता, शोभा.

लोप (सं. पु.) (लुप्=काटना) काटना, मिटाना, व्याकरणमें अक्षर अथवा पदको उडा देना या निकाल देना, छिपा, अदृश, गुप्त, नाश, छीलछाल, काटकूट.

लोबान (हि. पु.) एक तरहकी सुगंधित चीज जिसको धूपकी तरह देवताके सामने आगपर रखते हैं.

लोभ (सं. पु.) लालच, पराये धनके पानेकी चाह, तृष्णा.

लोभी (सं. गु.) लालची.

लोम (सं. पु.) (लू=काटना) देहपरके बाल, रोम, रूँगटे.

लोमडी (हि. स्त्री.) एक जानवरकानाम.

लोमश (सं. पु.) (लोम अर्थात् जिसके शरीरपर बहुत बाल हों) एक ऋषिका नाम जिसके गलेमें राजा परीक्षितने मरा हुआ साँप डाला था और उसके चेले शृंगी ऋषिने उसको शाप दिया कि सातवें दिन राजाको तक्षक साँप डसेगा. तब श्रीशुकदेवजीने आकर राजा परीक्षितको श्रीमद्भागवत सुनाकर उसका उद्धार किया. (गु.) जिसके बहुत बाल हों.

लोयन (हि. पु.) (सं. लोचन) आँख.

लोर (हि. पु.) (सं. लोल) झुमका, आँसू.

लोल (सं. गु.) (लुल्=हिलना) हिलता हुआ, चंचल. (पु.) आँसू. (स्त्री.) जीभ, लक्ष्मी.

लोलुप (सं. गु.) (लुप्=नाश करना अर्थात् सिवाय लोभके और सब चाहको नाश करना) बहुत लोभी, बडा लालची.

लोलुभ (सं. गु.) बहुत लोभी, बहुत लालची.

लोह } (सं. पु.) (लुह्=चाहना या लू=
लौह } काटना) लोहा, एक तरहकी धातु.

लोहा (हि. पु.) एक प्रकारकी धातु.

लोहा बजाना (हि. मुहा.) तलवारसे लड़ना.

लोहित (सं. गु.) लाल. (पु.) लोहू, लालरंग.

लोहिया (हि. गु.) लोहेका.

लौंडा (हि. पु.) लड़का, छोकरा, दास, गुलाम.

लौंडिया } (हि. स्त्री.) दासी, छोकरी.
लौंडी }

लौंद (हि. पु.) मलमास, अधिक महीना.

लौ (हि. स्त्री.) (सं. लय) जलती हुई बत्तीका शोला या ज्वाला, ध्यान, मन, लगन.

लौ लगाना (हि. मुहा.) ध्यान करना, ईश्वरकी उपासना या प्रार्थनामें स्थिर रहना.

लौ लगना (हि. मुहा.) धुन लगना, किसीको बार २ याद करना.

लौकिक (सं. गु.) सांसारिक जो संसारमें प्रसिद्ध हों, जो लोकव्यवहारमें आता हो, दुनियावी.

लौटना (हि. क्रि. अ.) फिरना, घूमना, उलटा फिरना.

लौना (हि. क्रि. स.) (सं. लवण, लू=काटना) काटना, कटनी करना.

ल्यारी (हि. पु.) भेड़िया, हुँडार.

व.

व (सं. पु.) (सं. वा=बहना, जाना) हवा, राहु, कल्याण, समुद्र, बाघ, वरुण, इस अक्षरकी जगह हिन्दीमें बहुत बार " ब " लिखा जाता है इसलिये जो शब्द इसमें नहीं मिले उसको " ब " में देखना चाहिये.

वंश (सं. पु.) (वश=चाहना) बेटे, पोते, कुल, सन्तान, सन्तति, बाँस.

वंशलोचन (सं. पु.) बाँसमेंसे निकली हुई कपूरसी धोली चीज जो बहुतसी दवाइयोंमें काम आती है.

वंशावली (सं. स्त्री.) पुरुषोंकी नामावली, पीढी, परंपरा.

वंशी (सं. स्त्री.) बाँसका बनाहुआ एक बाजा, बाँसुरी, मुरली.

वंशीधर (सं. पु.) श्रीकृष्ण, मुरलीधर.

वंशीवट (सं. पु.) एक बड़का पेड़ जिसके नीचे बैठकर श्रीकृष्णजी वंशी बजाया करते थे.

वक (सं.) बक शब्दको देखो.

वक्तव्य (सं. गु.) (वच्=बोलना) कहने योग्य, बोलने योग्य.

वक्ता (सं. गु.) (वच्=कहना, बोलना) बोलनेवाला, कहनेवाला.

वक्त्र (सं. पु.) मुँह, मुख.

वक्र (सं. गु.) (वकि=टेढा होना) टेढा, बाँका, कुटिल.

वक्रोक्ति (सं. स्त्री.) (वक्र=टेढा, उक्ति=कहना) टेढा कहना, टेढी बात, ताना, एक अलङ्कार जिसमें टेढी बात कही जाती है जैसे गो. तु.—" हम कुलघालक सत्य तुम, कुलपालक दशसीस। अथवा मैं सुकुमारि नाथ बन जोगू। तुमहि उचित तप मोकहँ भोगू॥ "

वक्षःस्थल (सं. पुं.) (वक्षस्=छाती) छाती, हृदय, उरस्थल.

वङ्ग (सं. पु.) (वगि=जाना) राँगा, एक धातु, बंगालदेश.

वचन (सं. पु.) वचनशब्दको देखो.

वज्र (सं.) वज्रशब्दको देखो.

वञ्चक (सं. पु.) (वञ्च=ठगना) ठग, ठगनेवाला, गीदड़, सियार.

वञ्चित (सं. गु.) ठगा हुआ, ठगा गया.

वट (सं. पु.) वड़का पेड़, बरगद.
वटु (सं. पु.) (वट्=बोलना) ब्रह्मचारी, बालक, विद्यार्थी.
वटुक (सं. पु.) बालक, बालकरूप भैरव.
वत् (सं.) बराबर, समान.
वत्स (सं. पु.) (वद्=बोलना, जिससे प्यारसे बोलते हैं) बच्चा, बालक, बछड़ा, छाती, बरस, प्यारका शब्द.
वत्सर (सं. पु.) बरस, सम्वत्.
वत्सल (सं. गु.) प्यारा, प्रेमी, छोही, मोही.
वदन (सं. पु.) मुँह, मुख, चिहरा.
वन (सं. पु.) (वन=सेवना, माँगना या शब्द करना) जंगल, विपिन, पानी, जगह, स्थान.
वनचर (सं. पु.) (वन=जंगल, चर=चलनेवाला) जंगली, बनमानुष, बानर, बन्दर.
वनज (सं.) (वन=जंगल या पानी, ज=पैदा होना) कँवल, कमल.
वनस्पति (सं. स्त्री.) जमीनसे उगनेवाली चीज, वनस्पति.
वनिता (सं. स्त्री.) लुगाई, नारी, पत्नी.
वन्दन (सं. पु.) } (वदि=प्रणाम
वन्दना (सं. स्त्री.) } करना, पूजना वा सराहना) सराह, स्तुति, प्रणाम, नमस्कार.
वन्दनीय } (सं. गु.) सराहने योग्य,
वन्द्य } प्रणाम या नमस्कार करने योग्य.
वपुस् (सं. पु.) शरीर, देह, काया.
वमन (सं. स्त्री.) (वम्=रद्द करना) उलटी, कै, रद्द.
वमित (सं. गु.) रद्द करता हुआ, वमन करता हुआ.

वयस् (सं. स्त्री.) उमर, अवस्था.
वर (सं. पु.) (वृ=पशंद करना) आशिष, आशीर्वाद, वरदान, चाही हुई चीज, पति, स्वामी, जँवाई. (गु.) सबसे अच्छा, श्रेष्ठ, बड़ा.
वरणा (सं. स्त्री.) (वृ=पशंद करना) एक नदीका नाम जो बनारसके उत्तर बहती हुई गंगामें मिलती है.
वरदान (सं. पु.) आशिष देना, वर देना.
वरदायक (सं. गु.) वर देनेवाला, वरदाई, चाहे हुयेको देनेवाला.
वर रहना (हि. मुहा.) अच्छा रहना, सरस रहना, जयवन्त होना.
वराङ्गना (सं. स्त्री.) सुन्दर स्त्री.
वरणसी } (सं. स्त्री.) (वरणा एक
वाराणसी } नदी, और असी एक नदी, ये दोनों नदियां बनारसके पास मिलती हैं इसी लिये ऐसा नाम हुआ) बनारस, काशी, शिवपुरी.
वरूथ (सं. पु.) रथके ढकनेका कपड़ा, समूह, झुण्ड.
वर्ग (सं. पु.) (वृज=ढकना) एक जातिका समूह, गण, दर्जा, किलास, गणितमें एक अंकको उसी अंकसे गुना करनेसे जो फल निकले जैसे ४ का वर्ग सोलह, ५ का वर्ग पच्चीस आदि.
वर्गमूल (सं. पु.) वर्गका मूल अर्थात् वह अंक जिसका वर्ग किया हो जैसे १६ का वर्गमूल ४ और २५ का वर्गमूल ५ है.
वर्गीय (सं. गु.) वर्गमेंका, उसी समूहमेंका.
वर्जन (सं. पु.) (वृज्=छोड़ना) त्याग, छोड़ना, रोकना, मना करना.
वर्जित (सं. गु.) छोड़ा हुआ, रोका हुआ, मना किया हुआ.

वर्ण (सं. पु.) (वर्ण=रंगना, फैलाना, सराहना) रंग, जाति, जैसे (१ ब्राह्मण. २ क्षत्री, ३ वैश्य, ४ शूद्र), अक्षर, हर्फ़.
वर्णन (सं. पु.) बखान, बयान, स्तुति, सराह, रंगना.
वर्णना } (हि. क्रि. स.) बयान
वर्णन करना } करना, गुण कहना, सराहना, स्तुति करना.
वर्णमाला (सं. स्त्री.) ककहरा, स्वरव्यंजन.
वर्णसङ्कर (सं. पु.) (वर्ण=जाति, सङ्कर=मिला हुआ) दोगला, जिसका बाप और मा जुदी जुदी जातके हों.
वर्त्तन (सं. पु.) जीविका, जीनेका उपाय.
वर्त्तमान (सं. पु.) जो समय बीत रहा है. (गु.) विद्यमान, मौजूद.
वर्द्धन (सं. पु.) बढना, बढती, वृद्धि.
वर्म्म (सं. पु.) कवच, बखतर.
वर्ष (सं. पु.) (वृष=बरसना या पैदा करना) साल, सम्वत्, बारह महीने, वर्षा, मेह, जम्बूद्वीपका एक खण्ड.
वर्षा (सं. स्त्री.) मेह, बरसात, वर्षाकाल.
वर्षाकाल (सं. पु.) बरसात, चौमासा.
वर्हिण } (सं. पु.) (वर्ह मोरकी पूंछ,
वर्ही } वर्ह=ऊंचा होना या सबसे अच्छा होना) मोर, मयूर.
वल (सं. पु.) (वल्=घेरना) सेना, फौज, बल.
वलय (सं. पु.) (वल्=ढकना या घेरना) कंकण.
वलाका (सं. स्त्री.) बगुलेके ऐसा पखेरू.
वल्कल (सं. पु.) छाल, छिल्का, बकला.
वल्मीक (सं. पु.) दीमक, दीयाँ.
वल्लभ (सं. गु.) (वल्ल्=ढकना) प्यारा, प्रिय, प्रियतम. (पु.) पति, अधिकारी.
वल्लभा (सं. स्त्री.) प्यारी, स्त्री, प्रिया.
वल्ली (सं. स्त्री.) लता, वेलि.
वसिष्ठ (सं. पु.) (वशी=वश करनेवा[ला] जो अपनी इन्द्रियोंको अपने वश रक्खे) एक ऋषि जो ब्रह्माका बे[टा] और सूरजवंशियोंका गुरु था, सा[त] प्रजापतियोंमेंका एक प्रजापति.
वशीभूत (सं. गु.) (वश=अधीन, भू होना) अधीन, दूसरेके वशमें.
वसति } (सं. स्त्री.) (वस्=बसना) बा[स]
वसती } बासा, बस्ती, आबादी, रहनेक[ी] जगह, रात.
वसन्त (सं. पु.) (वस्=रहना, ढकना [या] सुगन्धित करना) एक ऋतु जो चै[त] और कुछ वैसाखके महीनेतक रहती [है,] ऋतुराज, शीतला, गोटी.
वसीठ (हि. पु.) दूत, हलकारा, वकी[ल].
वसीठी (हि. स्त्री.) दूतका काम, दूतप[न].
वसु (सं. पु.) (वस्=रहना या ढकना) एक प्रकारके देवता जो आठ हैं (१ ध[र,] २ ध्रुव, ३ सोम, ४ सावित्र, ५ अनि[ल,] ६ अनल, ७ प्रत्यूष, ८ प्रभास). (गु.) मीठा, सूखा.
वसुदा (सं. स्त्री.) धरती, जमीन, पृथ्[वी,] भूमि.
वसुधा (सं. स्त्री.) धरती, जमीन, पृथ्[वी].
वसुन्धरा (सं. स्त्री.) धरती, जमीन.
वह्नि (सं. स्त्री.) आग, अग्नि.
वा (सं. समुच्चा.) अथवा, या.
वाक्य (सं. पु.) (वच्=बोलना) बो[ल,] वचन, वाणी, पदोंका इकट्ठा होन[ा,] जुमला.
वागीश (सं. पु.) (वाच्=बोली, ईश मालिक) बृहस्पति, ब्रह्मा, कवि. (गु[.]) अच्छा बोलनेवाला.

वागीश्वरी (सं. स्त्री.) सरस्वती.
वाग्दण्ड (सं. पु.) मुँहसे भला बुरा कहना, धमकाना.
वाग्मी (सं. गु.) सुन्दर बोलनेवाला. (पु.) बृहस्पति.
वाच् } (सं. स्त्री.) बोली, वचन, वाक्,
वाचा } वाणी, वाक्य.
वाचक (सं. पु.) (वच्=कहना) सार्थक शब्द, ऐसा शब्द जिसका अर्थ हो, बोलनेवाला.
वाचस्पति (सं. पु.) बृहस्पति, देवताओंका गुरु.
वाचाल (सं. पु.) बातूनी, बहुत बोलनेवाला, गप्पी, बकी.
वाच्य (सं. गु.) बोलने योग्य, जो बोला जाय, जो कहा जाय. (पु.) वाक्य, अर्थ.
वाजपेय (सं. पु.) (वाज=यज्ञकी सामग्री, अथवा घी और पेय=पीना) एक प्रकारका यज्ञ.
वाजी (सं. पु.) घोडा, तीर.
वात (सं. स्त्री.) (वा=जाना, बहना) हवा, वाव, बतास, पवन, वायु, गठिया, बाव, एक रोग.
वात्सल्य (सं. पु.) प्यार, प्रेम, स्नेह.
वाद (सं. पु.) (वद्=बोलना) शास्त्रार्थ, चर्चा, बातचीत, विवाद, झगडा, वचन, वाक्य, दावा, मुकद्दमा, पुकार, फर्याद.
वादी (सं. गु.) बोलनेवाला, वाद करनेवाला, शास्त्रार्थ करनेवाला. (पु.) मुद्दई, दावा करनेवाला, नालिश करनेवाला.
वाद्य (सं. पु.) बाजा.
वानप्रस्थ (सं. पु.) (वन=जंगल, प्रस्थ=रहनेवाला) तीसरे आश्रमका मनुष्य जो ब्रह्मचर्य और गृहस्थाश्रमके पीछे वनमें रहकर तपस्या करता है, वनवासी.
वानर (सं. पु.) (वान=वनके फल आदि, रा=लेना, अथवा कुछ कुछ नर मनुष्य अर्थात् जिसका डील डौल कुछ कुछ मनुष्यसे मिलता है) बन्दर, कपि, मर्कट, कीश.
वानरेन्द्र (सं. पु.) सुग्रीव, हनुमान.
वापी (सं. स्त्री.) (वप्=बोना, अर्थात् जिसमें कँवल आदि उगते हैं) बावडी, बावली.
वामन (सं. पु.) बावना, नाटा.
वायव्य (सं. पु.) वायुकोन, पश्चिम उत्तरका कोना. (गु.) हवाका.
वायस (सं. पु.) (वयस्=उमर अर्थात् बडी उमरवाला) कौआ, काग, एक वृक्षका नाम.
वायु (सं. स्त्री.) हवा, पवन, बयार, बतास.
वायुपुत्र (सं. पु.) हनुमान.
वारण (सं. पु.) (वृ=ढकना) रोक, अटकाव, बाधा, हाथी, बख्तर, कवच.
वारना (हि. क्रि. स.) उतारना, भेंट चढाना, घेरना.
वारपार } (हि. पु.) (सं. अवारपार,
वारापार } अवार=इस पार, पार=उस पार) हद, सीमा. (क्रि. वि.) इस उस पार, वर्लेपर्ले पार.
वारि (सं. पु.) पानी, जल.
वारिचर (सं. पु.) (वारि=पानी, चर=चलन) जलचर, जलका जीव, मछली. (गु.) पानीमें रहनेवाला.
वारिचरकेतु (सं. पु.) कामदेव, मकरध्वज.
वारिज (सं. पु.) (वारि=पानी, ज=पैदा होना) कमल, कँवल.

वारिजनयन (सं. पु.) जिसकी आँखें कमलसी हों.
वारिद (सं. पु.) (वारि=पानी, दा=देना) बादल, मेघ.
वारिदनाद (सं. पु.) मेघनाद, रावणका बेटा.
वारिधि (सं. पु.) (वारि=पानी, धा=रखना) समुद्र, सागर.
वारिनाथ (सं. पु.) समुद्र, सागर.
वारिनिधि (सं. पु.) समुद्र, सागर.
वारीश (सं. पु.) समुद्र, सागर, सिन्धु.
वार्त्ता (सं. स्त्री.) (वृत्=होना) बात, वृत्तान्त, समाचार, गप्प.
वार्त्तिक (सं. पु.) सूत्रकी टीका, व्याख्या.
वार्षिक (सं. गु.) बरसौंडी, सालियाना, संवती, बरसका.
वाल्मीक } (सं. पु.) (वल्मीक=दीमक,
वाल्मीकि } अर्थात् जो दीमकमेंसे निकला) एक मुनि जिसने रामायण बनाई.
वाष्प } (सं. स्त्री.) (वा=बहना) भाफ,
वास्प } धूआँ, उष्मा.
वासर (सं. पु.) (वस्=रहना) दिन, दिवस.
वासव (सं. पु.) (वसु=धन सम्पदा अर्थात् जिसके बहुत धन सम्पदा हों) इन्द्र, शक्र, देवताओंका राजा.
वासुदेव (सं. पु.) वसुदेवका बेटा, श्रीकृष्ण.
वास्तव (सं. गु.) ठीक ठीक, यथार्थ, सचमुच, निश्चय, स्थिर.
वाहिनी (सं. स्त्री.) (वह्=लेजाना) सेना जिसमें ८१ हाथी, ८१ रथ, २४३ घोड़े, ४०५ पैदल हों, दल, कटक, फौज, नदी. (गु.) ले जानेवाली.
वाह्य (सं. गु.) (बहिस्=बाहर) बाहरका, बाहरी.
विकराल (सं. गु.) (वि=बहुत, कराल= डरावना) बहुत डरावना, बहुत भयानक.
विकार (सं. पु.) (वि. कृ=करना, पर "वि" उपसर्गके साथ आनेसे अर्थ बदलता हुआ) स्वभावका बदलना, बीमारी.
विकृत (सं. गु.) (वि, कृ=करना) बदला हुआ, उलटा, विरुद्ध बीमार, रोगी, मलीन.
विक्रम (सं. पु.) (वि=बहुत, क्रम्=जाना) पराक्रम, बल, जोर, शक्ति, शूरता, वीरता, उज्जैनका राजा विक्रमादित्य, विष्णु.
विक्रमादित्य (सं. पु.) उज्जैन नगरीका प्रसिद्ध राजा जिसने सम्वत् चलाया.
विक्रमी (सं. गु.) बलवान, शूरवीर, आक्रमी, बहादुर. (पु.) सिंह.
विक्षेप (सं. पु.) (वि=बहुत, क्षिप्=फेंकना) घबराहट, व्याकुलता, फेंकना, दूर करना, छोड़ना, त्यागना.
विख्यात (सं. गु.) (वि=बहुत, ख्यात= प्रसिद्ध) बहुत प्रसिद्ध, नामवर, नामी, यशी, यशस्वी.
विगत (वि=बहुत, गम्=जाना) जो चल गया, गत, जुदा हुआ, रहित, विना, हीन.
विगतश्रम (सं. गु.) (विगत=चली गई है, श्रम=थकावट) जिसकी थकावट चली गई है, विन मिहनत.
विग्रह (सं. पु.) (वि, ग्रह=लेना, "वि" उपसर्गके साथ आनेसे लड़ना अर्थभी होता है) लड़ाई, युद्ध, विगाड़, शरीर, देह, फैलाव, भाग, आकार.
विघ्न (सं. पु.) (वि, हन्=मारना) रोक, रुकाव, अटकाव, बिगाड़, बाधा.

विचक्षण (सं. गु.) (वि=बहुत, चक्ष्=बोलना या देखना) चतुर, प्रवीण, पंडित, बुद्धिमान्, स्याना.

विचलना (हिं. क्रि. अ.) (वि=बहुत, चल्=चलना) तित्तर वित्तर होना, अधीर होना, हिम्मत हारना.

विजय (सं. स्त्री.) (वि=बहुत, जि=जीतना) जीत, फतह, जय.

विजया (सं. स्त्री.) (वि=बहुत, जि=जीतना) विजयादशमी, कुँवार सुदि १०, दुर्गा देवी, भाँग बूटी.

विजयी (सं. गु.) (वि=बहुत, जयी=जीतनेवाला) बहुत जीतनेवाला.

विजाति (सं. स्त्री.) (वि=दूसरी, जाति=भाँत) और जात, दूसरी जाति, दूसरी भाँत.

विज्ञ (सं. गु.) (वि=बहुत, ज्ञा=जानना) प्रवीण, पंडित, चतुर, ज्ञानवान्, बुद्धिमान्, विद्वान्.

विज्ञता (सं. स्त्री.) पंडिताई, बुद्धिमानी, प्रवीणता.

विज्ञान (सं. पु.) (वि=बहुत, ज्ञा=जानना) बहुत ज्ञान, शास्त्रज्ञान, शिल्पविद्या.

विज्ञापन (सं. पु.) (वि=बहुत, ज्ञापन=जताना) जताना, शिक्षा, प्रार्थना, विनती.

विटप (सं. पु.) (विट्=विस्तार, या पेडकी नई डाली, पा=पालना, या विट्=शब्द करना) वृक्ष, पेड, नई डाली और नये पत्ते आदि.

विडाल (सं. पु.) (विड्=बुरा बोलना) बिलाव.

वितर्क (सं. स्त्री.) बडी तर्क, अनुमान, विचार, वाद.

वितान (सं. पु.) (वि=बहुत, तन्=फैलाना) चंदवा, मंडप, यज्ञ, फैलाव, विस्तार.

विदर्भ (सं. पु.) (वि=विना, दर्भ=एक प्रकारका घास, जो इस देशमें एक ऋषिके शापसे कि जिसका बेटा इस घाससे घायल होकर मर गया था नहीं पैदा होता है) बंगालके दक्खन पच्छिमका एक जिला और एक शहर अब नागपूर अथवा बरार कहते हैं.

विदारण (सं. गु.) (वि=बहुत, दृ=फाडना) फाडना, चीरना, भेदन, लडाई, युद्ध. (गु.) चीरनेवाला, फाडनेवाला.

विदित (सं. गु.) (विद्=जानना) जाना हुआ, समझा हुआ, प्रसिद्ध, प्रार्थना किया गया, निवेदित.

विदिश् (सं. स्त्री.) (वि=बीच, दिश्=दिशा) दिशाका बीच, कोन.

विदेह (सं. पु.) (वि=नहीं, देह=शरीर, अर्थात् जिसके अपने शरीरका कुछ ध्यान नहीं था केवल परमेश्वरका ध्यान था) जनकराजा, मिथिलाका राजा और सीताका बाप.

विद्ध (सं. गु.) (व्यध्=छेदना) छेदा हुआ, पार किया हुआ, फाडा हुआ.

विद्यमान (सं. गु.) (विद्=होना) वर्तमान, जो हाजिर हो, मौजूद.

विद्या (सं. स्त्री.) (विद्=जानना) ज्ञान, शास्त्रका ज्ञान, इल्म, चौदह विद्या प्रसिद्ध हैं (चार वेद और छः वेदोंके अंग, ११ वाँ पुराण, १२ मीमांसा, १३ न्याय, १४ धर्मशास्त्र) देवीका मंत्र, दुर्गा.

विद्याधर (सं. पु.) (विद्या=मंत्र आदि, धर=रखनेवाला) एक प्रकारके देवता.

विद्यार्थी (सं. पु.) (विद्या+अर्थी=चाहनेवाला) विद्या पढनेवाला, छात्र.
विद्यालय (सं. पु.) पाठशाला, स्कूल. कालेज.
विद्यावान् (सं. गु.) पंडित, ज्ञानवान्, विद्वान्.
विद्युत् (सं. स्त्री.) (वि=बहुत, द्युत्=चमकना) बिजुली, दामिनी, तडित्.
विद्रुम (सं. पु.) (वि=खास, द्रुम=वृक्ष) मूँगा, प्रवाल.
विद्वान् (सं. गु.) (विद्=जानना) पंडित, विद्यावान्, ज्ञानी.
विध (हि. स्त्री.) रीत, प्रकार, ढब, भाँत, रूप, चाल.
विधाता (सं. पु.) (वि=बहुत, धा=रखना) ब्रह्मा, सृष्टि बनानेवाला, ईश्वर, भाग, किस्मत.
विधान (सं. पु.) (वि=बहुत, धा=रखना) विधि, रीत, शास्त्रमें कही हुई रीत.
विधि (सं. पु.) (वि=बहुत, धा=रखना) ब्रह्मा, ईश्वर, सृष्टि बनानेवाला, भाग, किस्मत, रीत, शास्त्रमें कही हुई रीत.
विधु (सं. पु.) (व्यध्=छेदना, विरही लोगोंके हिरदेको) चाँद, चन्द्रमा, कपूर, विष्णु, एक राक्षस, ब्रह्मा.
विधुन्तुद (सं. पु.) (विधु=चाँदको, तुद्=दुःख देना) राहु.
विध्वंस (सं. पु.)(वि=बहुत, ध्वंस्=गिरना) नाश, विनाश.
विनय (सं. स्त्री.) (वि=बहुत, नी=लेजाना वा पाना) विनती, शिष्टाचार, नम्रता.
विनायक (सं. पु.) (वि, नी=लेजाना वा पाना) गणेश, बुध, गरुड.
विनाश (सं. पु.) (वि=बहुत, नाश) बहुत नाश, बरबादी.
विनीत (सं. गु.) (वि=बहुत, नी=लेजाना) नम्र, विनयी, सुशील.
विनोद (सं. पु.) (वि, नुद्=प्रेरणा करना) खेल, हँसी, ठट्ठा, कौतुक, क्रीडा, खुशी, हर्ष, आनन्द.
विन्दु (सं. स्त्री.) (विद्=जुदा जुदा होना) बिंदी, बूँद, शून्य, अनुस्वार, पानीका कन.
विन्ध्य (सं पु.) (विध्=छेदना) विन्ध्याचल पहाड.
विन्ध्यवासिनी (सं. स्त्री.) (विन्ध्य=विन्ध्याचल, वासिनी=रहनेवाली) दुर्गा देवी, भगवती, योगमाया.
विन्ध्याचल (सं. पु.) एक पहाडका नाम.
विपक्ष (सं. पु.) (वि=विरुद्ध या उलटी पक्ष=ओर, तरफ) शत्रु, वैरी, दुश्मन.
विपत्ति (सं. स्त्री.) (वि=बुरी तरहसे, पद्=जाना) आपदा, विपदा, विपत् दुःख, तकलीफ.
विपद्, विपत्, विपदा (सं. स्त्री.) (वि=बुरी तरहसे, पद्=जाना) विपत्ति, आपदा.
विपरीत (सं. गु.) (वि, परि=उलटा, इण्=जाना) उलटा, विरुद्ध.
विपिन (सं. पु.) (वप्=बोना) बन, जंगल.
विपुल (सं. गु.) (वि=बहुत, पुल्=बढना) बडा, बहुत, फैला हुआ, गंभीर.
विप्र (सं. पु.) (वि=बहुत, प्रा=भरना) ब्राह्मण, भूदेव.
विफल (सं. गु.) (वि=बिन, फल=लाभ) निष्फल, वृथा, बेफायदह.
विबुध (सं. पु.) (वि=बहुत, बुध्=जानना) देवता, पंडित, चाँद.

विबुधनदी (सं. स्त्री.) देवताओंकी नदी, गंगा.
विभक्ति (सं. स्त्री.) (वि, भज्=टुकडा करना) अंश, बाँट, टुकडा, हिस्सा, व्याकरणमें कारकोंके चिह्न.
विभव (सं. पु.) (वि=बहुत, भू=होना) संपदा, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य.
विभाग (सं. पु.) भाग, टुकडा, बाँट, हिस्सा, अंश.
बिभीषण (सं. पु.) (वि=बहुत, भी=डराना, वैरियोंको) रावणका भाई. (गु.) डरानेवाला, भयानक.
विभु (सं. गु.) (वि=बहुत, भू=होना) प्रभु, सर्वव्यापी. (पु.) मालिक, शिव, ब्रह्मा, विष्णु.
विभूति (सं. स्त्री.) (वि=बहुत, भू=होना) संपदा, ऐश्वर्य, सिद्धि, संपत्ति, धन दौलत आदि सुख, राख, भस्म.
विभूषण (सं. पु.) (वि=बहुत, भूष्=शृंगार करना) गहना, अलंकार, जेवर, शोभा.
विभूषित (सं. गु.) शोभित, सँवारा हुआ, शोभायमान, फबता हुआ.
विमल (सं. गु.) (वि=विना, मल=मैल) निर्मल, स्वच्छ, साफ, शुद्ध.
विमाता (सं. स्त्री.) (वि=दूसरी, माता=मा) सौतेली मा.
विमान (सं. पु.) देवताओंका रथ.
विमुख (सं. गु.) (वि=उलटा, मुख=मुँह) विरोधी, फिरा हुआ.
विमूढ (सं. गु.) (वि=बहुत, मूढ=मूर्ख) बहुत अज्ञानी, बडा बेवकूफ.
विमोचन (सं. पु.) (वि, मुच्=छुडाना) छोडना, मुक्त करना. (गु.) दूर करनेवाला, छुडानेवाला.
विम्ब (सं. पु.) (वी=चमकना या जाना) मूरत, छवि, तसवीर, छाया, प्रतिबिम्ब, सूरज अथवा चन्द्रमाका मंडल, विम्बाफल, एक लाल फल.
वियोग (सं. पु.) (वि=नहीं, योग=मेल) विरह, जुदाई, बिछुवा, बिछडना, जुदा रहना.
वियोगी (सं. गु.) विरही, जुदा रहनेवाला, बिछडा हुआ.
विरक्त (सं. गु.) वैरागी.
विरचित (सं. गु.) (वि, रच्=बनाना) बनाया हुआ, रचा हुआ.
विरञ्च } (सं. पु.) (वि=बहुत, रच्=बनाना) सृष्टि बनानेवाला, ब्रह्मा.
विरञ्चि }
विरत (सं. गु.) (वि=नहीं, रम्=खेलना) वैराग्यवान, जिसने संसार छोड दिया हो.
विरति (सं. स्त्री.) (वि=नहीं, रम्=खेलना) वैराग्य, त्याग, संसारको छोड देना.
विरह (सं. पु.) (वि=बहुत, रह=छोडना) जुदाई, विछोह, बिछडना, वियोग.
विराग (सं. पु.) (वि=नहीं, रञ्ज्=रंगना) वैराग, लोभ मोहको छोडना.
विराजमान (सं. गु.) (वि=बहुत, राज्=शोभना) शोभायमान, सोहता हुआ.
विराट (सं. पु.) (वि=बहुत, राज्=शोभना) विष्णुकी बडी मूरत, विश्वरूप, एक देशका नाम.
विराध (सं. पु.) (वि=बुरी तरहसे, राध्=पूरा करना) एक राक्षसका नाम.
विराम (सं. पु.) (वि=बहुत, रम्=आनन्द करना) ठहराव, विश्राम, शांति.
विराम (सं. गु.) (वि=नहीं, रम्=चैन करना) व्याकुल, दुःखी, बेचैन.

विरुद्ध (सं. गु.) (वि=बहुत, रुध्=रोकना) उल्टा, विपरीत.
विरूप (सं. गु.) (वि=बुरा, रूप=डौल) कुरूप, भोंडा, अनसुहाना, बदसूरत.
विरोचन (सं. पु.) (वि=बहुत, रुच्=चमकना) प्रह्लादका बेटा और राजा बलिका बाप, सूरज, चाँद.
विरोध (सं. पु.) (वि, रुध्=रोकना) वैर, द्वेष, शत्रुता, दुश्मनी, झगडा, लडाई.
विरोधी (सं. गु.) वैरी, शत्रु, दुश्मन, झगडालू.
विलक्षण (सं. गु.) (वि=बहुत, लक्ष=देखना) अनूप, विचक्षण, उत्तम, भला, श्रेष्ठ, जुदा, भिन्न.
विलम्ब (सं. स्त्री.) (वि=बहुत, लबि=ठहरना) देरी, अवेर, टालमटोल.
विलाप (सं. पु.) (वि=बुरी तरहसे, लप्=बोलना) रोना, विलकना, सोच, शोक, सन्ताप, दुःख.
विलास (सं. पु.) (वि=बहुत, लस=खेलना) खेल, क्रीडा, केलि, भोग, सुख, आनंद.
विलोकन (सं. पु.) (वि, लोक्=देखना) दृष्टि, दीठ, नजर, ताक.
विलोकना (सं. क्रि. स.) देखना, ताकना.
विलोचन (सं. पु.) आँख, नयन, नेत्र.
विल्व (सं. पु.) (विल्=ढकना) बेलका पेड या फल.
विवर (सं. पु.) (वि=नहीं, वृ=ढकना) बिल, छेद, गढा, सेंध, दोष.
विवरण (सं. पु.) (वि=नहीं, वृ=ढकना अर्थात् शब्दके अर्थ आदिका खोलना) टीका, व्याख्या, बखान, हिज्या.
विवाद (सं. पु.) (वि=बहुत, वाद=झगडा) वाद, झगडा, उल्टा कहना, विरोध.
विवाह (सं. पु.) (वि=आपसमें, वह=ले जाना) व्याह, गठबन्धन, शादी.
विवाहित (सं. गु. पु.) व्याहा हुआ, जिसकी शादी हो गई हो.
विवाहिता (सं. गु. स्त्री.) व्याही हुई.
विविक्त (सं. गु.) (वि, विच्=जुदा करना) छोडा हुआ, एकान्त, निर्जन, पवित्र.
विविध (सं. गु.) (वि=बहुत, विध=प्रकार) नाना प्रकारका, भाँत २ का.
विवेक (सं. पु.) (वि=बहुत, विच्=विचारना) विचार, ज्ञान.
विवेकी (सं. गु.) विचार करनेवाला, ज्ञानवान्, ज्ञानी.
विवेचना (सं. स्त्री.) (वि=बहुत, विच्=जुदा जुदा करना) झूठ सचका विचार, विवेक.
विशद (सं. गु.) धौला, सफेत, श्वेत, निर्मल, साफ, उज्ज्वल.
विशाखा (सं. स्त्री.) (वि=बहुत, शाखा=प्रकार) सोलहवाँ नक्षत्र.
विशारद (सं. गु.) (विशाल=बहुत, द=देनेवाला) पण्डित, विद्वान्, निपुण, श्रेष्ठ, प्रसिद्ध.
विशाल (सं. गु.) (वि=बहुत, शल्=जाना) बडा, बहुत, चौडा, फैला हुआ.
विशिख (सं. पु.) (वि=बहुत, अर्थात् तीखी शिखा=चोटी अथवा अणी या वि=नहीं शिखा=चोटी) तीर, बाण, शर. (गु.) बिनचोटीका, शिखारहित.
विशिष्ट (सं. गु.) (वि=बहुत, शिष्=गुणसहित होना) साथ, संयुक्त, सहित, जुडा हुआ, उत्तम, बडा.
विशुद्ध (सं. गु.) (वि=बहुत, शुद्ध=पवित्र) बहुत पवित्र, निर्मल, विमल, उज्ज्वल.

विशेष (सं. पु.) (वि=बहुत, शिष्=गुणके साथ होना) प्रकार, भेद, जाति. (गु.) मुख्य, खास, निज, बहुत, अधिक.

विशेषण (सं. पु.) (वि=बहुत, शिष्=गुणके साथ होना) गुण, धर्म, स्वभाव, तारीफ.

विशेष्य (सं. पु.) नाम, संज्ञा. (गु.) खास, प्रधान.

विशोक (सं. गु.) (वि=बिन, शोक=सोच) जिसको किसी बातका सोच न हो.

विश्रान्त (सं. गु.) (वि=नहीं, श्रान्त=थका हुआ) चैनसे, सुस्थिर, आराम किया हुआ, बेथका हुआ.

विश्रान्तघाट (सं. पु.) जमुना नदीपरका एक घाट जहां श्रीकृष्ण और बलदेवजीने कंसको मारके आराम किया.

विश्राम (सं. पु.) (वि=नहीं, श्रम=थकना) चैन, आराम, ठहराव.

विश्व (सं. पु.) (विश्=घूमना) संसार, जग, दुनिया, एक प्रकारके देवता जिनको श्राद्धमें पिण्ड और बलि आदि देते हैं. (गु.) सब, सम्पूर्ण.

विश्वकर्मा (सं. पु.) (विश्व=संसार, कर्म=काम, अर्थात् जिसका काम सब संसारमें है) देवताओंका राज और ब्रह्माका बेटा, सूरज.

विश्वक्सेन } (सं. पु.) (विश्वक्=सब
विष्वक्सेन } संसारमें जानेवाली) सेना, फौज, विष्णु, नारायण.

विश्वनाथ (सं. पु.) शिव, महादेव, जिनका मन्दिर बनारसमें है.

विश्वम्भर (सं. पु.) (विश्व=संसारको, भर=पालनेवाला, भृ=पालना) विष्णु, इन्द्र.

विश्वरूप (सं. पु.) विष्णु, सर्वव्यापी.

विश्वामित्र (सं. पु.) (विश्व=संसार अथवा सब, मित्र=प्यारा, जिसके सब संसार मित्र हैं) गाधी राजाका बेटा जो राजऋषिसे ब्रह्मऋषि हो गया.

विश्वास (सं. पु.) (वि, श्वस्=जीना, पर " वि " उपसर्गके साथ आनेसे इसका अर्थ भरोसा करना हो जाता है) भरोसा, प्रतीत.

विश्वासघातक (सं. पु.) कपटी, छली, दगाबाज, ठग.

विश्वासपात्र (सं. पु.) भरोसावाला.

विश्वेश } (सं. पु.)(विश्व=संसार, ईश=
विश्वेश्वर } मालिक) महादेव, शिव.

विष (सं. पु.) (विष्=फैलना) जहर, माहुर, हलाहल, गरल.

विषधर (सं. पु.) (विष=जहर, धृ=धरना) साँप, सर्प, भुजंग.

विषम (सं. गु.)(वि=नहीं, सम=बराबर) नाबराबर, असमान, अतुल्य, बराबर नहीं, कठिन, कठोर, दुखदाई, भयंकर.

विषमज्वर (सं. पु.) कठिनतप, एक प्रकारकी तप.

विषमबाण (सं. पु.) (जिसका तीर कठिन है) कामदेव.

विषय (सं. पु.)(वि=बहुत, सी=बांधना) चीज, वस्तु, पदार्थ, जो चीज इन्द्रियोंसे जानी जाय (जैसे रंग, रूप, रस, सुगंध, शब्द, छूना), काम, बात, भोग, विलास, बाबत, वास्ते, लिये.

विषयी (सं. गु.) संसारी, भोगी.

विषाण (सं. पु.) (वि=बहुत, षो=नाश करना अथवा विष=फैलना) हाथीदाँत, सूअरका दाँत.

विषाद (सं. पु.) (वि=बहुत, षद्=दुःख देना) शोक, दुःख, ताप, उदासी.
विषुव } (सं. पु.) (विषु=बराबर, वा=
विषुवत् } जाना) वह समय जब दिन रात बराबर होते हैं.
विषुवत्रेखा (सं. स्त्री.) धरतीके बीचकी लकीर, मध्यरेखा, भूमध्यरेखा.
विष्ठा (सं. स्त्री.) (वि, स्था=ठहरना) गूह, मल.
विष्णु (सं. पु.) (विष्=फैलना, जो सब सृष्टिमें फैला हुआ है) परमेश्वर, भगवान्, सृष्टिको पालनेवाला, व्यापक.
विष्णुवल्लभा (सं. स्त्री.) (विष्णु=भगवान्, वल्लभा=प्यारी) तुलसी, लक्ष्मी.
विसर्ग (सं. पु.) (वि, सृज्=छोडना) स्वरके आगेकी दो बिन्दी, दान, छोडना.
विसर्जन (सं. पु.) (वि, सृज्=छोडना) विदा, भेजना, छुट्टी करना, जाने देना, छोडना, देना.
विषूचिका (सं. स्त्री.) (वि=कठोर, सूची=सूई, जो सूईके ऐसा कठोर अथवा तीखा है अथवा बहुत दुःख देनेवाला है) एक प्रकारका हैजेका रोग.
विस्तार (सं. पु.) (वि=बहुत, स्तॄ=ढकना) फैलाव, चौडाई.
विस्तृत (सं. गु.) (वि=बहुत, स्तॄ=ढकना) फैला हुआ.
विस्फोट (सं. पु.) (वि=बहुत, स्फुट=फूटना या फटना) फोडा, घाव.
विस्मय (सं. पु.) (वि=कुछ कुछ, स्मि=मुसकुराना) अचरज, आश्चर्य, अचंभा, चमत्कार.
विस्मरण (सं. पु.) (वि=नहीं, स्मरण=याद) भूलना, बिसरना.
विस्मित (सं. गु.) अचंभेमें, चकित, अचंभित.
विस्मृत (सं. गु.) (वि=नहीं, स्मृ=याद रहना) भूला हुआ.
विहग } (सं. पु.) (विहायस्=आकाश,
विहङ्ग } वि=बीचमें, हय्=जाना, और गम्=जाना अर्थात् आकाशमें उडनेवाला) पखेरू, पक्षी, बादल, तीर, सूरज, चाँद, ग्रह.
विहरण (सं. पु.) (वि, हृ=लेना, पर "वि" उपसर्गके साथ आनेसे इस धातुका अर्थ खेल करना या आनन्द करना होता है) विहार करना, खेल करना, क्रीडा करना.
विहार (सं. पु.) (वि, हृ=लेना, पर "वि" उपसर्गके साथ आनेसे इस धातुका अर्थ खेल करना होता है) विलास, खेल, क्रीडा, आनन्दसे फिरना.
विहारी (सं. गु.) विहार करनेवाला, आनन्द करनेवाला. (पु.) श्रीकृष्ण.
विहित (सं. गु.) (वि=बहुत, धा=रखना) ठीक, उचित, करने योग्य, ठहराया हुआ.
विहीन (सं. गु.) (वि=बहुत, ही=छोडना) विना, जुदा, रहित, छोडा हुआ.
विह्वल (सं. गु.) (वि=बहुत, ह्वल्=हिलना) व्याकुल, घबराया हुआ, चंचल.
वीचि (सं. स्त्री.) (वे=फैलना) लहर, तरंग, मौज, ढऊ.
बीज (सं. पु.) (वि=बहुत, जन्=पैदा होना) बिया, दाना जो बोया जाता है, मूल, कारण, अंकुर, वीर्य, मंत्र, बीजगणित, गणितका एक भाग जिसमें अंकोंकी जगह अक्षर लिखकर हिसाब

बनाते हैं इसको संस्कृतमें अव्यक्त गणित कहते हैं.

वीणा (सं. स्त्री.) (अज्=जाना, वा वी=जाना) एक प्रकारका बाजा जिसको नारदजीने निकाला, वीण शब्दको देखो.

वीत (सं. गु.) (वी=जाना, या वि, इण्=जाना) बीता हुआ, गुजरा हुआ, चला गया.

वीथि (सं. स्त्री.) (वि=जाना, वा विथ्=माँगना) गली, रास्ता, पंक्ति, श्रेणी.

वीर (सं. पु.) (वीर्=पराक्रम करना वा अज्=जाना) शूर, बहादुर, सूरमा, योद्धा.

वीरता (सं. स्त्री.) बहादुरी, सूरमापन.

वीरभद्र (सं. पु.) (वीर=बहादुर, भद्र=बहुत अच्छा) महादेवके एक गणका नाम.

वीर्य (सं. पु.) बीज, धातु, पुरुषार्थ, बल, जोर, प्रताप, प्रभाव, तेज.

वृक (सं. पु.) (वृक्=लेना) भेड़िया, हुँडार, ल्यारी.

वृक्ष (सं. पु.) (व्रश्च=काटना) पेड़, रूख, गाछ, तरवर, दरख्त, पादप.

वृत (सं. पु.) (वृत्=होना या ढकना) घेरा, मंडल, चक्कर, गोल खेत, छंद, रीत. (गु.) हुआ, पैदा हुआ.

वृत्तान्त (सं. पु.) (वृत्=पैदा हुआ, अंत=निर्णय अथवा निश्चय अर्थात् जिसके सुननेसे किसी बातका निर्णय हो जाता है) समाचार, बात, हाल, हकीकत, पता.

वृत्ति (सं. स्त्री.) (वृत्=होना, या पैदा होना) आजीविका, जीविका, रोजगार, रोजी.

वृत्र, वृत्रासुर (सं. पु.) (वृत्=होना) एक राक्षस, जिसको इन्द्रने मारा.

वृथा (सं. क्रि. वि.) (वृ=ढकना) बेफायदह, निरर्थक, निष्फल, व्यर्थ, योंही.

वृद्ध (सं. गु.) (वृध्=ढकना) बूढा, पुराना.

वृद्धि (सं. स्त्री.) (वृद्ध=बढना) बढती, बढंती, तरक्की, लक्ष्मी, ऋद्धि, सिद्धि.

वृन्द (सं. पु.) (वृण्=प्रसन्न होना) समूह, भीडभाड, ढेर, थोक.

वृन्दा (सं. स्त्री.) (वृण्=प्रसन्न होना) तुलसी, राधिका, एक देवीका नाम.

वृन्दावन (सं. पु.) मथुराके पास एक बन जहाँ वृन्दादेवीका मन्दिर था और जहाँ गोकुलसे नन्दजी और श्रीकृष्ण आदि सब ग्वाल जा बसे थे.

वृश्चिक (सं. पु.) (व्रश्च=काटना) बिच्छू, आठवीं राशि.

वृष (सं. पु.) (वृष्=सींचना वा पैदा करना) बैल, दूसरी राशि.

वृषभ (सं. पु.) बैल.

वृष्टि (सं. स्त्री.) (वृष्=सींचना, बरसना) मेह, वर्षा, पानीका गिरना.

वृहत् (सं. गु.) (वृह्=बढना) बड़ा.

वृहस्पति (सं. पु.) (वृहती=बोली, पति=मालिक अर्थात् वृहत्=बडा अर्थात् देवता, पति=मालिक या गुरु) देवताओंका गुरु, पाँचवाँ ग्रह, वृहस्पतिवार, बीफै.

वेणी (सं. स्त्री.) (वेण्=जाना) चोटी, बालोंको सँवारना, नदियोंके मिलनेकी जगह, जैसे त्रिवेणी आदि.

वेतन (सं. पु.) (अज्=जाना या वी=जाना, मजदूरी, महीनेकी तनखा, मासिक, जीविका.

वेताल (सं. पु.) (अज्=जाना) वह मुर्दा जो भूतके घुसनेसे जीतासा जाना जाय, पिशाच, शिवके नौकर.

वेत्ता (सं. गु.) (विद्=जानना) जाननेवाला, पण्डित.

वेद (सं. पु.) (विद्=जानना) श्रुति, हिन्दुओंकी पवित्र पुस्तक, मुख्य वेद तीन हैं (१ ऋग्वेद, २ सामवेद, ३ यजुर्वेद) और कहते हैं कि चौथा अथर्ववेद पीछेसे मिलाया गया है और इतिहास और पुराणोंको पाँचवां वेदभी कहते हैं.

वेदना (सं. स्त्री.) (विद्=जानना) पीडा, दुःख, विथा, जानना, सुखदुःखका ज्ञान.

वेदमाता (सं. स्त्री.) गायत्री.

वेदव्यास (सं. पु.) (वेद, वि+अस्=फैलाना, अर्थात् वेदोंको फैलानेवाला) व्यासजी.

वेदाङ्ग (सं. पु.) (वेद+अङ्ग) वेदके अंग अथवा भाग जो छः हैं (१ शिक्षा जो अक्षरोंका स्पष्ट उच्चारण सिखलाता है, २ कल्प जिसमें यज्ञ आदि कर्मोंकी विधि लिखी है, ३ व्याकरण, ४ छन्द, ५ ज्योतिष, ६ निरुक्त जिसमें वेदके कठिन और गूढ शब्द और वाक्योंका अर्थ है).

वेदान्त (सं. पु.) वेदव्यासजीका बनाया हुआ शास्त्र.

वेदि } (सं. स्त्री.) (विद्=जानना)
वेदिका } होम करनेकी चबूतरी, यज्ञ अथवा बलिदान करनेकी जगह.

वेला (सं. स्त्री.) (वेल्=जाना) समय, वक्त, काल.

वेश (सं. पु.) (विश्=घुसना) गहना, कपडा, भेष, भूषण, शोभा.

वेश्या (सं. स्त्री.) नगरनारी, गणिका, कंचनी, पतुरिया.

वेष (सं. पु.) (विष्=फैलना) कपडा, गहना, स्वरूप, डौल, चाल.

वैकुण्ठ (सं. पु.) (विकुण्ठा=शुभ्रऋषिकी स्त्री और विष्णुकी किसी अवतारमें मा. उसीके नामसे वैकुण्ठ हुआ या वि=कई प्रकारकी, कुण्ठा=माया जिसकी) विष्णु, विष्णुलोक, परमपद.

वैखानस (सं. पु.) (वि, खन्=खोदना जो संसारकी सब इच्छाको छोड देता है) वानप्रस्थ, तपस्वी. (आश्रम शब्द देखो)

वैतरणी (सं. स्त्री.) (वितरणा दान अर्थात् जो दान पुण्य करनेसे लाँघी जाती है) नरककी नदी.

वैदिक (सं. पु.) वेद पढा हुआ ब्राह्मण, वेदपाठी ब्राह्मण. (गु.) वेदमें कहा हुआ, वेदके अनुसार, वेदकी रीतिसे.

वैदेही (सं. स्त्री.) जनक राजाकी बेटी, सीता, जानकी.

वैद्य (सं. पु.) (विद्=जानना) हकीम, वैद, दवा दारू करनेवाला, चिकित्सक.

वैद्यक (सं. पु.) वैद्यक विद्या.

वैद्यनाथ (सं. पु.) वैद्यराज, धन्वन्तरि, शिव, वैजनाथ, महादेव जिनका मन्दिर झारखण्डमें है.

वैनतेय (सं. पु.) (विनता=कश्यपमुनिकी स्त्री, वि=बहुत, नम्=नवना) विनताका बेटा, गरुड, पखेरुओंका राजा.

वैभव (सं. पु.) सम्पदा, ऐश्वर्य, धनदौलत.
वैयाकरण (सं. पु.) व्याकरण पढा हुआ, पंडित.
वैर (सं. पु.) दुश्मनी, शत्रुता, द्वेष, विरोध.
वैराग } (सं. पु.) संसारकी विषयवा-
वैराग्य } सनाका छोडना.
वैरागी (सं. गु.) जिसने संसारकी विषयवासनाको छोड दिया है.
वैरी (सं. पु.) दुश्मन, शत्रु.
वैशाख (सं. पु.) (विशाखा एक नक्षत्रका नाम. इस महीनेमें पूरा चाँद इस नक्षत्रके पास रहता है और इस महीनेकी पूर्णमासीके दिन विशाखा नक्षत्र होता है) वरसका दूसरा महीना.
वैश्य (सं. पु.) (विश्=घुसना, अपने खेती बनिज आदि धंधेमें) बनिया, महाजन, तीसरे वर्णके लोग.
वैष्णव (सं. पु.) विष्णुका भक्त, विष्णु-उपासक. (गु.) विष्णुका.
व्यक्त (सं. गु.) (वि, अञ्ज=जाना, पर "वि" उपसर्गके साथ आनेसे इसका अर्थ प्रगट होना होता है) जाना हुआ, स्पष्ट, प्रगट.
व्यक्ति (सं. स्त्री.) (वि, अज्=जाना) एकता, एकएक करके, जन, मनुष्य.
व्यजन (सं. पु.) (वि, अज्=जाना) पंखा.
व्यञ्जन (सं. पु.) (वि=बहुत, अञ्ज=जाना वा मिलाना वा प्रगट करना) तरकारी, साग, खानेकी अच्छी चीज, चिह्न, वह अक्षर जिसमें स्वर हो जैसे क, ख.
व्यतीत (सं. गु.) बीता हुआ, गुजरा हुआ.
व्यतीपात (सं. पु.) बडा भारी उपद्रव, ज्योतिषमें सत्रहवाँ नक्षत्र.
व्यथा (सं. स्त्री.) (व्यथ्=पीडा देना) पीडा, पीड, दर्द, दुःख.
व्यभिचार (सं. पु.) (वि=बुरी तरहसे, अभि=चारों ओरसे, चर=चलना) पुरुषका पराई स्त्रीके पास जाना, स्त्रीका पराये पुरुषके पास जाना, बुरा काम, भ्रष्टाचार, निन्दित काम, रण्डीबाजी.
व्यय (सं. पु.) (वि=बहुत, इण्=जाना) खर्च, लागत, नाश, क्षय.
व्यर्थ (सं. गु.) (वि=नहीं अथवा चला गया है, अर्थ=मतलब या प्रयोजन) वृथा, निरर्थक, बेफायदह, विफल, निकम्मा.
व्यवकलन (सं. पु.) (वि, अव, कल्=गिनना और इन दोनों उपसर्गोंके साथ आनेसे अर्थ घटाना हुआ) घटाना, बाकी निकालना.
व्यवस्था (सं. स्त्री.) (वि, अव, स्था=ठहरना) धर्मनिर्णय, शास्त्र, कानून.
व्यवहार (सं. पु.) (वि, अव, हृ=लेना) काम, धंधा, व्यौहार, लेनदेन, चालचलन.
व्यसन (सं. पु.) (वि=बहुत, अस्=फेंकना) विपत, दोष, बुरा काम, (जैसे जूआ खेलना, दिनको बहुत सोना, झूठ बोलना, शराब पीना, डाँवाडोल फिरना, दाँत पीसना आदि.)
व्याकरण (सं. पु.) (वि=बहुत, आ=चारों ओरसे, कृ=करना) शब्दोंका शास्त्र.
व्याकुल (सं. गु.) (वि=बहुत, आकुल=घबराया हुआ) घबराया हुआ, दुःखी.
व्याख्या (सं. स्त्री.) (वि=बहुत आ=चारों ओरसे, ख्या=प्रसिद्ध करना) वर्णन, व्याख्यान, टीका.
व्याघ्र (सं. पु.) (वि=बहुत, आ=चारों ओरसे, घ्रा=सूंघना) बाघ, शेर, नाहर.

व्याज (सं. पु.) (वि, अज्=जाना) कपट, छल, मिष, बहाना.

व्याध (सं. पु.) (व्यध्=ताडना, दुःख देना) शिकारी, अहेरी, बहेलिया, जानवरोंको मारनेवाला.

व्याधि (सं. स्त्री.) (व्यध्=दुःख देना) रोग, पीडा, बीमारी, दुःख, सन्ताप.

व्यापक } व्यापी } (सं. गु.) (वि=बहुत, आप्=फैलना) फैलनेवाला, प्रभु, सर्वव्यापी.

व्यापकता (सं. स्त्री) प्रभुता, फैलाव.

व्यापार (सं. पु.) (वि=बहुत, आ=चारों ओरसे, पृ=काममें लगना) व्योपार, धंधा, सौदागरी, काम.

व्याप्त (सं. गु.) (वि=बहुत, आप्=फैलना) फैला हुआ.

व्यायाम (सं. पु.) (वि=बहुत, आ=चारों ओरसे, यम्=रोकना) परिश्रम, कुश्ती करना, मुद्गर मोगरी उठाना आदि कसरत.

व्याल (सं. पु.) (वि=बहुत, अड्=फैलना या वि=बहुत, आ=चारों ओरसे, ला=लेना) साँप, सर्प, नाग, भुजंग, दुष्ट हाथी, मारनेवाला जानवर, धूर्त्त, दुष्ट.

व्यास (सं. पु.) (वि=बहुत, अस्=फैलाना) एक प्रसिद्ध मुनिका नाम जिसने वेद पुराणोंको इकट्ठा किया और वेदान्तशास्त्रको बनाया, विस्तार, फैलाव, चक्करका आधा काट, गोलखेतके बीचकी लकीर.

व्युत्पत्ति (सं. स्त्री.) (वि=बहुत, उद्=ऊपर, पद्=जाना) शास्त्रके समझनेकी शक्ति, शास्त्रज्ञान.

व्युत्पन्न (सं. गु.) (वि=बहुत, उद्=ऊपर, पद्=जाना) शास्त्रमें प्रवीण, पंडित, विद्यावान्.

व्यूह (सं. पु.) (वि, ऊह्=तर्क करना, पर "वि" उपसर्गके साथ आनेसे इसका अर्थ सेनाको सँवारना होता है) सेनाकी रचना, भीड, समूह.

व्योम (सं. पु.) (व्ये=ढकना, घेरना) आकाश, आसमान.

व्रण (सं. पु.) (व्रण=घाव करना) घाव, फोडा.

व्रत (सं. पु.) (व्रज=जाना, अथवा वृ=पसंद करना) उपास, उपवास, पवित्र काम, नियम, पुण्य कर्म.

व्रात (सं. पु.) (वृ=ढकना, घेरना) समूह, भीड.

व्रीडा (सं. स्त्री.) (व्रीड्=लजाना) लाज, लज्जा, शर्म, संकोच.

श.

श (सं. पु.) (शी=सोना) शिव, शस्त्र, हथियार, कल्याण, मंगल.

शक (सं. पु.) (शक्=समर्थ होना) एक म्लेच्छ जातिके लोग, एक देशका नाम, संवत् जो शालिवाहन राजाने बनाया.

शकट (सं. पु.) (शक्=सकना, या सहना अथवा लेजाना) गाडी, छकडा.

शकटासुर (सं. पु.) एक राक्षस जिसको श्रीकृष्णने मारा.

शकारि (सं. पु.) विक्रमादित्य राजा.

शकुन (सं. पु.) (शक्=समर्थ होना) बुरे भलेका जतलानेवाला, सगुन, एक पखेरूका नाम.

शक्ति (सं. स्त्री.) (शक्=बलवान् या समर्थ होना) बल, जोर, पराक्रम, पुरुषार्थ, बर्छी, साँग, देवी, माया, लक्ष्मी गौरी आदि आठ शक्ति (१ इन्द्राणी, २ वैष्णवी अर्थात् लक्ष्मी, ३ ब्रह्माणी, ४ कौमारी, ५ नारसिंही, ६ वाराही, ७ माहेश्वरी अथवा गौरी, ८ भैरवी).

शक्तिमान् (सं. गु.) (शक्ति=बल, मत्=वाला) बलवान्, जोरावर.

शक्तिहीन (सं. गु.) दुबला, दुर्बल, निर्बल, कमजोर.

शक्र (सं. पु.) (शक्=बलवान् अथवा समर्थ होना) इन्द्र, देवताओंका राजा.

शक्रजित् (सं. पु.) (शक्र=इन्द्र, जित्=जीतना) रावणका बेटा, मेघनाद, इन्द्रजित्.

शक्रसुत (सं. पु.) इन्द्रका बेटा, जयन्त, बालीवानर.

शङ्कर (सं. पु.) (शम्=कल्याण या भला, कर=करनेवाला) महादेव, शिव, शङ्कराचार्य.

शङ्का (सं. स्त्री.) (शकि=सन्देह करना या डरना) सन्देह, शक, डर, भय.

शङ्ख (सं. पु.) (शम्=ठंढा करना) एक जलके जीवकी हड्डी जिसको हिन्दू पवित्र समझते हैं और देवताके सामने और लड़ाईमें बजाते हैं, सौ पद्म (गिनतीमें).

शचि (सं. स्त्री.) (शच्=बोलना) इन्द्रकी स्त्री, इन्द्राणी.

शचिपति (सं. पु.) इन्द्र, देवताओंका राजा.

शठ (सं. गु.) (शठ्=छल करना) छली, कपटी, दुष्ट, धूर्त्त, ठग.

शठता (सं. स्त्री.) दुष्टता, कपट, छल, ठगाई, मूर्खता.

शत (सं. गु.) एक सौ, १००.

शतक (सं. पु.) सैकड़ा.

शतघ्नी (सं. स्त्री.) (शत=सौ, हन्=मारना) एक तरहका हथियार, तोप अथवा धनुप, एक रोगका नाम.

शतद्रु (सं. स्त्री.) (शत=सौ, द्रु=जाना अथवा बहना) सतलज नदी जो पंजाबमें है.

शतपत्र (सं. पु.) (शत=सौ, पत्र=पत्ती या पंखड़ी) कमल.

शत्रु (सं. पु.) (शद्=नाश करना) वैरी, दुश्मन, रिपु, अरि, द्वेषी, विरोधी.

शत्रुघ्न (सं. पु.) (शत्रु=वैरी, हन्=मारना) लक्ष्मणका छोटा भाई, रिपुसूदन.

शत्रुता (सं. स्त्री.) वैर, विरोध, दुश्मनी.

शनि (सं. पु.) (शो=तीखा होना या तेज होना) सातवाँ ग्रह, शनैश्चर, ग्रहनायक, छायापुत्र, सूरजका बेटा.

शनिवार (सं. पु.) सातवाँ दिन, सनीचर.

शनैश्चर (सं. पु.) (शनैस्=धीरे, चर=चलना) शनिग्रह, शनिवार.

शपथ (सं. स्त्री.) (शप्=सौगन्ध खाना या सरापना) सौगंद, किरिया, सौंह, दुहाई, प्रतिज्ञा, सराप.

शब्द (सं. पु.) (शब्द=शब्द करना या शप्=पुकारना) ध्वनि, आहट, आवाज, जो कानसे सुना जाय. (व्याकरणमें) जो मुँहसे बोला जाय, बोल, वचन, पद.

शब्दशास्त्र (सं. पु.) व्याकरण आदि शास्त्र जिनसे शब्दका ज्ञान होता है.

शम (सं. पु.) (शम्=शान्त होना, या ठंढा होना) मनकी शांति, चैन, इंद्रियोंको और मनको रोकना.

शमन (सं. पु.) (शम्=ठंढा करना) शांति, ठंढा करना, यमराज. (गु.) दूर करनेवाला, ठंढा करनेवाला.

शम्भु (सं. पु.) (शम्=कल्याण, रूप, भू=होना) महादेव.

शयन (सं. पु.) (शी=सोना) सोना, नींद लेना, नींद, सेज, बिछौना.
शय्या (सं. स्त्री.) (शी=सोना) सेज, बिछौना, पलंग, खाट.
शर (सं. पु.) (शॄ=मारना) तीर, बाण, सरकंडा.
शरण (सं. पु.) (शॄ=मारना) जो शरणमें आवे उसके वैरीको मारना, बचाव, रक्षा, बचानेवाला, रक्षक, घर, आसरा.
शरणागत (सं. पु.) (शरणमें आया हुआ) जो बचावके लिये आवे, शरणार्थी आश्रित.
शरद् (सं. स्त्री.) (शॄ=नाश करना, बादल और गर्मीको) एक ऋतुका नाम जो कुँवार और कातिकमें रहती है.
शराटा (हि. पु.) शब्द, आवाज, आहट.
शराबोर (हि. पु.) खूब भींगा हुआ.
शरासन (सं. पु.) (शर=तीर, आसन ठहरनेकी जगह) धनुष, कमान.
शरीर (सं. पु.) (शॄ=नाश होना) देह, तन, काया, बदन.
शर्करा (सं. स्त्री.) (शॄ=नाश करना अर्थात् गन्नेको पेलना) शक्कर, चीनी, खाँड.
शर्मा (सं. पु.) (शॄ=नाश करना दुःखको) सुख, ब्राह्मणोंकी पदवी.
शर्वरी (सं. स्त्री.) (शॄ=नाश करना थकावटको) रात, रात्री, स्त्री, हलदी.
शलभ (सं. पु.) (शल्=जाना) टिड्डी, पतंगा.
शलाका (सं. स्त्री.) (शल्=जाना) सलाई, कूँची, तुली.
शलीता (हि. पु.) टाटका बोरा या थैला जिसमें चीज वस्तु बाँधी जाती है.
शल्य (सं. पु.) (शल्=जाना) एक राजाका नाम जिसका वर्णन महाभारतमें है, सेल, बाण.
शव (सं. पु.) (शव्=बदलना या नाश होना) मुर्दा, सड़ा, लोथ, लाश, बिन जीवकी देह, मरा शरीर.
शबर (सं. पु.) (शव्=जाना या बदलना) भील, वनवासी, जंगली आदमियोंकी एक जात, पहाडी, शिव, महादेव.
शबरी (सं. स्त्री.) भीलनी, नीचजातिकी स्त्री.
शश } शशक } (सं. पु.) (शश्=उछलकर चलना) ससा, खरहा, खर्गोश, चाँदमेंका दाग जो खर्गोशके ऐसा दिखाई देता है.
शशाङ्क (सं. पु.) (शश=खर्गोश, अङ्क=चिह्न) चाँद, चन्द्रमा.
शशी (सं. पु.) चाँद, चन्द्रमा.
शश्वत् (सं. क्रि. वि.) (शश्=खर्गोश, वत्=बराबर) बारबार, फिर फिर, पुनः पुनः, लगातार.
शस्त्र (सं. पु.) (शस्=मारना) हथियार, आयुध, ऐसा हथियार जिसको हाथमें रखकर मारे जैसे तल्वार आदि.
शस्त्रधारी (सं. पु.) हथियारबंद, शस्त्र रखनेवाला.
शस्य (सं. पु.) (शस्=नाश करना) जो चौपायोंसे नाश किया जाता है.
शाक (सं. पु.) (शक्=सकना) साग, तरकारी, भाजी, फल, मूल, फूल, पत्ते आदि, एक द्वीपका नाम, शालिवाहन राजाका संवत, साका.
शाकम्भरी (सं. स्त्री.) (शाक=साग, वनस्पति आदि, भरी=भरनेवाली भृ=भरना) दुर्गा, देवी, भगवती जिसका मन्दिर साम्भर नाम नगरके पास पहा-

ऊपर है और राजपूतानेके लोगोंका विश्वास है कि इसी देवीके वरदानसे सांभर नाम झीलमें नमक पैदा होता है.
शाकल (हि. पु.) (सं. शाकल्य) तिल, जौं, घी, शक्कर, फल आदि मिली हुई होमकी सामग्री.
शाकिनी (सं. स्त्री.) (शक्=चलवान् या समर्थ होना) दुर्गाके साथ रहनेवाली, योगिनी, पिशाचिनी.
शाक्त (सं. पु.) शक्तिका उपासक, देवीको पूजनेवाला, दुर्गापूजक.
शाखा (सं. स्त्री.) (शाख्=फैलना) पेडकी डाली, टहनी, डाल, वेदका विभाग, भाँत, प्रकार, भाग, हिस्सा.
शाखामृग (सं. पु.) वानर, बन्दर.
शाटिका } (सं. स्त्री.) (शट्=जाना या
शाटी } सराहना) साडी, स्त्रियोंके ओढनेका एक भाँतका कपडा.
शान्त (सं. गु.) (शम्=ठंढा होना) ठंढा, स्थिर, नम्र, चुप, बन्द (जैसे हवा), साहित्यमें नौ रसोंमेंका एक रस.
शान्ति (सं. स्त्री.) (शम्=ठंढा होना) ठंढाई, स्थिरता, चैन, सुख, काम क्रोध आदिको जीत लेना, अर्थात् काम क्रोध आदि नहीं रखना.
शाप (सं. पु.) (शप्=शाप देना) शाप, धिक्कार, दुराशीष, बुरी दुआ, कोसना, शपथ, सौगंध.
शाम्भव (सं. पु.) (शम्भु) शिवका भक्त, महादेवका उपासक, शिवको पूजनेवाला.
शायक (सं. पु.) (शो=नाश करना या तीखा करना अथवा शी=सोना अर्थात् जिसको लगनेसे मनुष्य सो जाता अर्थात् गिर पडता है) तीर, बाण, तलवार, खड्ग.
शारदी (सं. स्त्री. गु.) शरद्ऋतुकी.
शारीरिक (सं. गु.) शरीरका.
शार्ङ्ग (सं. गु.) (शृंग) सींगका बना, हुआ. (पु.) धनुष, विष्णुका धनुष एक पखेरूका नाम.
शाल (सं. पु.) (शल्=जाना) एक तरहकी मछली, एक पेडका नाम.
शालग्राम (सं. पु.) (शाल=एक तरहका पेड, ग्राम=समूह, जहाँ बहुतसे शाल वृक्ष हैं) एक पहाडका नाम, उसी पहाडपर एक पत्थर होता है जिसको हिन्दू विष्णुकी मूरत मानकर पूजते हैं.
शाला (सं. स्त्री.) (शल्=जाना, या शाल्=बोलना या सराहना) घर, कमरा, स्थान, जगह.
शालि (सं. पु.) धान.
शाल्मली (सं. पु.) (शाल्=जाना, या सराहना) सेमलका पेड, एक द्वीपका नाम.
शावक (सं. पु.) (शव्=जाना या बदलना) बच्चा, बालक.
शाबर (सं. गु.) शिवका बनाया हुआ मंत्र. (पु.) पाप, अपराध, लोधका पेड.
शाश्वत (सं. क्रि. वि.) (शश्वत्) लगातार, निरन्तर, नित, सदा.
शासन (सं. पु.) (शास्=सिखाना, आज्ञा देना या राज करना) आज्ञा, हुक्म, राज करना, दंड, सजा, शिक्षा, सीख, नसीहत.
शास्ति (सं. स्त्री.) (शास्=सिखाना, आज्ञा देना या राज करना) आज्ञा, राज करना, हुकूमत करना, दण्ड, सजा.
शास्त्र (सं. पु.) (शास्=सिखाना) किसी देवता या मुनिका बनाया हुआ ग्रन्थ, पुस्तक, पोथी, पवित्र पुस्तक.

(वेदान्त, न्याय, सांख्य मीमांसा, पातञ्जल और वैशेषिक आदि षट्शास्त्र) काव्य और कानून और और विद्याओंकी पुस्तकोंकोभी शास्त्र कहते हैं (जैसे-काव्यशास्त्र, धर्मशास्त्र, शिल्पशास्त्र और अलंकारशास्त्र आदि).

शास्त्रार्थ (सं. पु.) चर्चा, वादविवाद.

शास्त्री (सं. पु.) शास्त्र जाननेवाला, पंडित, ब्राह्मणोंकी एक पदवी.

शिंशप (सं. पु.) (शिशु=बालक, पा=पालना) एक पेडका नाम.

शिक्षक (सं. पु.) (शिक्ष्=सिखाना या सीखना) सिखानेवाला, पढानेवाला, गुरु, अध्यापक, उपदेशक.

शिक्षा (सं. स्त्री.) (शिक्ष्=सीखना या सिखाना) सीख, सिखाई, नसीहत, उपदेश, वेदका एक भाग, वेदाङ्ग.

शिक्षित (सं. पु.) (शिक्ष्=सीखना या सिखाना) सीखा हुआ, पढा हुआ, निपुण, प्रवीण.

शिखर (सं. पु.) पहाडकी चोटी, शृंग.

शिखा (सं. स्त्री.) (शी=सोना) चोटी, शिरके बीचके बाल जो हिन्दूलोग रखते हैं, एक पेडका नाम.

शिखी (सं. पु.) मोर, मयूर, आग, एक पेडका नाम.

शिथिल (सं. पु.) (श्रथ्=ढीला या दुबला होना) ढीला, खुला, धीमा, सुस्त, आलसी, दुबला, निबल, कमजोर.

शिर } (सं. पु.) शृ=नाश होना)
शिरस् } मस्तक, माथा, सिर, कपाल.

शिरा (सं. स्त्री.) (शृ=नाश होना) नाडी, नस.

शिरोमणी (सं. स्त्री.) सिरका गहना, सिरमें पहननेका रतन. (गु.) उत्तम, सबसे बडा, श्रेष्ठ, प्रधान.

शिला (सं. स्त्री.) (शिल्=कन कन इकट्टा करना या चुनना) सिल, चट्टान, पत्थर, पाषाण, साफ और बराबर पत्थर जिसपर लोढेसे मसाला पीसा जाता है.

शिलाजित् } (हि. पु.) (सं. शिलाजतुः शिला=पहाडकी चट्टा-
शिल जीत } नमें पैदा हुई, जतुः=लाख या लाल रंगकी धातु) सिलारस, कहते हैं कि पहाडोंकी चट्टानोंका रस चूकर जम जाता है और पत्थरसा कडा हो जाता है उसको सिलाजीत कहते हैं और उसके खानेसे शरीरमें जोर आता है.

शिलीमुख (सं. पु.) (शिली=तीखी नोख, मुख=मुँह, जिसके मुँहपर तीखा फल लगा रहता है) तीर, बाण.

शिल्प (सं. पु.) (शिल्=चुनना या कारीगरीका काम करना) कल, विद्या, हुनर, गुण, कारीगरी.

शिव (सं. पु.) (शी=सोना, या शो=नाश करना दुःखको या प्रलयमें सब सृष्टिको) महादेव, महेश, मंगल, कल्यान, शुभ, सुख, वेद.

शिवपुरी (सं. स्त्री.) काशी, बनारस.

शिवरात्रि (सं. स्त्री.) शिवचतुर्दशी, फाल्गुन वदि १४.

शिवा (सं. स्त्री.) पार्वती, उमा, दुर्गा.

शिवालय (हि. पु.) शिवका मंदिर.

शिबि (सं. पु.) एक राजाका नाम.

शिबिका (सं. स्त्री.) पालकी, डोली.

शिशिर (सं. स्त्री) (शिश=उछलकर चलना अर्थात् पत्तोंका झडना) एक ऋतु जो माघ और फागुनमें रहती है.

शिशु (सं. पु.) (शी=पतला होना, या श्वी=बढना) बालक, बच्चा.

शिशुपाल (सं. पु.) चंदेरीका राजा जिसको श्रीकृष्णने मारा.
शिष्ट (सं. गु.) (शास्=सिखाना) सीखने योग्य, सभ्य, आज्ञाकारी, अच्छा, उत्तम, भला.
शिष्टाचार (सं. पु.) अच्छा चलन, सन्मान, आदर, विनय, विनती.
शिष्य (सं. पु.) (शास्=सिखाना) चेला, विद्यार्थी, छात्र, पढनेवाला, किसी धर्मको माननेवाला.
शीकर (सं. पु.) (शीक=सींचना या गीला करना) जलकन, फुहारा.
शीघ्र (सं. गु.) उतावला, जल्द, फुर्तीला. (क्रि. वि.) तुरंत, झटपट, जल्दीसे.
शीघ्रता (सं. स्त्री.) जल्दी, उतावली, फुर्ती.
शीत (सं. गु.) ठंढा, सर्द, सुस्त. (पु.) जाडा, सर्दी, ठंढ, हिम, पाला.
शीतकर (सं. पु.) चाँद, कपूर.
शीतकाल (सं. पु.) जाडा, शर्दी, हिमंत ऋतु.
शीतज्वर (सं. स्त्री.) जाडा, जाडेकी तप.
शीतल (सं. गु.) ठंढा, सर्द.
शीतलता (सं. स्त्री) ठंढाई, ठंढापन.
शीतलताई } शीतलाई } (हि. स्त्री.) ठंढाई, ठंढापन.
शीतला (सं. स्त्री.) देवी, माता, चहचक.
शीतांशु (सं. पु.) (शीत=ठंडी, अंशु=किरण) चाँद, कपूर.
शीताङ्ग (सं. पु.) पक्षाघात, अर्द्धांग, एक बीमारीका नाम.
शीर्ष (सं. पु.) (शृ=नाश होना) शिर, माता, मस्तक.
शील (सं. पु.) (शील्=सोचना या अभ्यास करना) अच्छा स्वभाव, अच्छा चाल चलन.
शीलवान् (सं. गु.) अच्छे स्वभाववाला, जिसका चालचलन अच्छा हो, सुशील, नेकचलन.
शीशम (हि. पु) (सं. शिंशपा) एक पेड और उसकी लकडीका नाम.
शीस } सीस } (हि. पु.) (सं. शीर्ष) सिर, माथा, मस्तक, कपाल.
शुक (सं. पु.) (शुक्=जाना, या शुभ्=चमकना) तोता, सुगा, सुआ, शुकदेवमुनि जिन्होंने राजा परीक्षितको श्रीमद्भागवत सुनाई थी.
शुक्र (सं. पु.) (शुच्=पवित्र होना या सोचना) छठा ग्रह, एक मुनिका नाम, जो भृगुऋषिका बेटा और राक्षसोंका गुरु था, आग, अग्नि, वीर्य, बीज.
शुक्रवार (सं. पु.) छठा दिन, शुकवार, जुमा.
शुक्राचार्य (सं. पु.) एक मुनिका नाम जो राक्षसोंका गुरु था.
शुक्ल (सं. गु.) (शुच्=साफ होना) धौला, उजला, सफेद, श्वेत. (पु.) धौलारंग, श्वेतवर्ण.
शुक्लपक्ष (सं. पु.) उजाला पख, सुदि.
शुचि (सं. स्त्री.) (शुच्=पवित्र होना) पवित्रता, सफाई, शुद्धता. (गु.) साफ, स्वच्छ, धौला, सफेद.
शुद्ध (सं. गु.) (शुध्=साफ होना या करना) पवित्र, साफ, स्वच्छ, सफेद, उज्ज्वल, निर्दोष, सही.
शुद्धता (सं. स्त्री.) पवित्रता, सफाई, स्वच्छता.
शून्य } शून्य } (सं. गु.) (श्वि=बढना) खाली. (स्त्री. वा पु.) बिन्दी, सिफर, आकाश, आसमान.
शुभ (सं. गु.) (शुभ्=चमकना) अच्छा, भला, कल्याणकारी, मंगलदायक.

शुभग (सं. गु.) (शुभ्=भला, गम्=जाना) कल्याण करनेवाला, सुखदाई, मंगलीक, सुन्दर.

शुभलग्न (सं. पु.) अच्छा समय, मंगलीक समय.

शुभ्र (सं. गु.) उजला, सफेद, धौला, निर्मल, चमकीला. (गु.) धौला, श्वेतवर्ण.

शुम्भ (सं. पु.) (शुम्भ=मारना) एक राक्षसका नाम जिसको दुर्गाने मारा.

शुष्क (सं. गु.) (शुष्=सूखना) सूखा, निरस.

शूकर (सं. पु.) सूअर, वराह.

शूद्र (सं. पु.) (शुच्=साफ करना) चौथे वर्णके लोग जिनका काम नौकरी करना है.

शूर (सं. पु.) (शूर=बहादुरी करना) वीर, सूरमा, रावत, बहादुर, साहसी, शूरसेन जो श्रीकृष्णका दादा था, सिंह, सूरज, सूअर, सालका पेड.

शूरता (सं. स्त्री.) बहादुरी, वीरता, सूरमापन.

शूरसेन (सं. पु.) (शूर=बहादुर, सेन=सेना) मथुराके एक राजाका नाम.

शूर्प (सं. पु.) (शूर्प=नापना) सूप, छाज.

शूर्पनखा (सं. स्त्री.) (अर्थात् जिसके नख सूप ऐसे हैं) रावणकी बहिन.

शूल (सं. पु.) (शूल्=बीमार होना) पीडा, दुःख, रोग, लोहेका तीखा काँटा, त्रिशूल.

शृगाल (सं. पु.) (असृक्=लोहू, ला=लेना यहाँ असृजके " अ " का लोप होता है) सियार, गीदड.

शृंखला (सं. स्त्री.) (शृ=नाश करना) साँकल, संकली, सिकरी, करधनी.

शृङ्ग (सं. पु.) (शृ=नाश करना) सींग, शिखर, पहाडकी चोटी, पहाडका ऊपरका भाग, चिह्न, बडाई, प्रभुत्व, प्रधानता, कामदेवका बढना.

शृङ्गवेर (सं. पु.) श्रीरामचन्द्रके मित्र गुह निषादके नगरका नाम.

शृङ्गार (सं. पु.) (शृंग=कामदेवका अर्थात् प्यारका बढना और ऋ=जाना, जिससे मनमें काम बढता है) साहित्य, विद्यामें एक रसका नाम, शोभा, सिंगार, गहना, भूषण (सिंगार सोलह प्रकारका होता है:–१ शरीरका मैल उतारना, २ नहाना, ३ साफ कपडे पहनना, ४ काजल लगाना, ५ अलतासे हाथ पैर रंगाना, ६ बाल सँवारना, ७ सिंदूरसे मांग भरना, ८ लिलाटमें केशरचंदनकी खौरी या तिलक लगाना, ९ ठुड्डीपर तिल बनाना, १० मेंहदी लगाना, ११ देहमें अरगजा या इतर आदि सुगंधित चीज लगाना, १२ गहना पहनना, १३ फूलोंकी माला आदि पहनना, १४ पान चबाना, १५ दांत रंगना, १६ होठोंको लाल करना).

शृङ्गी) (सं. गु.) सींगवाला. (पु.) एक ऋषिका नाम जो लोमश ऋषिका चेला था जिसके शापसे राजा परीक्षित्को साँपने डँसा.

शेखर (सं. पु.) (शिख्=जाना) फूलोंकी माला जो मुकुटके ऊपर पहनते हैं, मुकुट, किरीट, शिखा, चोटी.

शेष (सं. पु.) (शिष्=बाकी रहना) अनन्त, सर्पराज, साँपोंका राजा जिसके १००० फण बतलाते हैं और जिसपर विष्णु सोते हैं और जिसके एक फणपर हिन्दूलोग पृथ्वीको ठहरी बतलाते हैं,

लक्ष्मणजी और बलदेवजीको शेषजीके अवतार कहते हैं. (गु.) बाकी, बचा हुआ.
शेषशायी (सं. पु.) (शेष=साँपोंका राजा, शायी=सोनेवाला) विष्णुभगवान् जो शेषजीपर सोते हैं.
शैल (सं. पु.) (शिला) पहाड, पर्वत. (गु.) पहाडी, पथरीला.
शैव (सं. पु.) शिवका भक्त, शिवको पूजनेवाला. (गु.) शिवका.
शोक (सं. पु.) (शुच्=चिन्ता करना) शोच, चिन्ता, फिकर, दुःख, खेद, सन्ताप, पछतावा.
शोकाकुल } (सं. गु.) (शोक=सोच, शोकार्त्त } आकुल या आर्त्त=घबराया हुआ) सोचसे व्याकुल, विकल, दुःखी.
शोणित (सं. पु.) (शोण्=लाल होना) लोहू, रक्त, रुधिर, कुंकुम. (गु.) लाल.
शोधन (सं. पु.) (शुध्=पवित्र होना) पवित्र करना, शुद्ध करना, सही करना.
शोभा (सं. स्त्री.) (शुभ्=चमकना) सुन्दरता, खूबसूरती, छबि, कांति, चमक, झलक.
शोभित (सं. गु.) (शुभ्=चमकना) सुन्दर, शोभायमान, चमकीला.
शौच (सं. पु.) (शुचि) पवित्रता, शुद्धता, सफाई, स्नान आदि.
शौर्य्य (सं. पु.) (शूर) सूरमापन, बहादुरी, वीरता.
श्मशान (सं. पु.) (श्मन्=मुर्दा, और शी=सोना, जहाँ मुर्दा सुलाया जाता है अर्थात् जलाया जाता है) मसान, मरघट, मुर्दाघाट.
श्याम (सं. गु.) (श्यै=जाना) काला, काला नीला मिला हुआ. (पु.) श्रीकृष्णका नाम.
श्यामता (सं. स्त्री.) कालापन, कृष्णता.
श्यामल (सं. गु.) काला, श्यामवर्ण.
श्यामा (सं. स्त्री.) काली, दुर्गा, देवी, एक काले रंगकी गानेवाली चिडिया.
श्रद्धा (सं. स्त्री.) (श्रत्=विश्वास, धा=रखना) विश्वास, भरोसा भक्ति, गुरु और शास्त्रके वचनमें पक्का भरोसा, आदर, इच्छा, चाह, बल, ताकत.
श्रम (सं. स्त्री. वा. पु.) (श्रम्=मिहनत करना) मिहनत, थकावट, दौडधूप, कष्ट, परिश्रम, तप, तपस्या.
श्रवण (सं. पु.) (श्रु=सुनना) कान, सुननेकी इन्द्री, सुनना.
श्रवणा (सं. स्त्री.) बाईसवाँ नक्षत्र.
श्राद्ध (सं. स्त्री.) (श्रद्धा) पितरोंको शास्त्रकी रीतिसे जल और पिण्ड देना.
श्राप (हिं. पु.) (सं. शाप) धिक्कार, दुराशिष, बद्दुआ.
श्रावक (सं. पु.) (श्रु=सुनना अपने धर्मको) जैनमतको माननेवाला.
श्रावण (सं. पु.) (श्रवणा एक नक्षत्रका नाम) सावन, एक महीनेका नाम.
श्रावणी (सं. स्त्री.) श्रावणकी पूनौ, राखी.
श्री (सं. स्त्री) (श्री=सेवा करना, जो विष्णुकी सेवा करती है या जिसको सब संसार सेवता है) लक्ष्मी, विष्णुपत्नी, सम्पदा, धन, दौलत, शोभा, सुन्दरता, यह शब्द देवताओं और बडे आदमियों और पवित्र पोथियों आदिके साथ बडाई और मानके लिये लगाया जाता है. कभी कभी दो श्री अथवा पाँच छः आदि १०८ श्री तक लिखते हैं जैसे श्रीरामचन्द्र, श्रीभागवत, श्री १०८ गोस्वामी तुलसीदासजी आदि.

श्रीखण्ड (सं. पु.) (श्री=शोभा, खण्ड=टुकडा) चन्दन.
श्रीचक्र (सं. पु.) त्रिपुरासुन्दरी देवीकी पूजाका जंत्र.
श्रीनिवास (सं. पु.) (श्री=लक्ष्मी, निवास=जगह, जो लक्ष्मीके पास रहते हैं या जिनके पास लक्ष्मी रहती है) विष्णु भगवान्.
श्रीपति (सं. पु.) विष्णु, भगवान्.
श्रीफल (सं. पु.) नारियल, बेल, बिल्व.
श्रीमत्, श्रीमान्, श्रीमन्त (सं. गु.) (श्री=शोभा, मत्=वाला) भाग्यवान्, प्रतापी, धनवान्, श्रीयुत.
श्रीयुक्त, श्रीयुत (सं. गु.) (श्री=शोभा, युक्त या युत=मिला हुआ) भाग्यवान् धनवान्, श्रीमान्.
श्रुत (सं. गु.) सुना हुआ, समझा हुआ. (पु.) शास्त्र.
श्रुति (सं. स्त्री.) वेद, कान, सुनना.
श्रुवा, स्रुवा (सं. पु. या स्त्री.) (श्रु या स्रु=चूना) होमका चाटू.
श्रेणी, श्रेणि (सं. स्त्री.) (श्रि=सेवा करना) पाँत, पंक्ति.
श्रेष्ठ (सं. गु.) (प्रशस्य शब्दको श्र हो जाता है, प्र=बहुत, शंस्=सराहना) बहुत अच्छा, सबसे अच्छा, उत्तम सबसे बडा.
श्रोता (सं. पु.) (श्रु=सुनना) सुननेवाला, सुनवैया.
श्लाघा (सं. स्त्री.) (श्लाघ्=सराहना) सराह, प्रशंसा, तारीफ, चाह, इच्छा.
श्लेष (सं. पु.) (श्लिष्=मिलना) मिलाव, संयोग, एक अलंकार जिसमें एक शब्दके बहुत अर्थ होते हैं.
श्लोक (सं. पु.) (श्लोक्=बढना या इकट्ठा करना) चार पदका संस्कृत छन्द, यश, जस, कीर्ति, नामवरी.
श्वपच (सं. पु.) (श्वन्=कुत्ता, पच्=पकाना अर्थात् कुत्तेको खानेवाला) चंडाल, डोम.
श्वशुर (सं. पु.) (शु=जल्दी, अश्=पाना) ससुर, पति या पत्नीका बाप.
श्वश्रू (सं. स्त्री.) सास, ससुरकी लुगाई.
श्वान (सं. पु.) (श्वि=बढना या जाना) कुत्ता, कुक्कुर.
श्वास (सं. पु.) (श्वास्=साँस लेना) साँस, प्राण, दम.
श्वेत (सं. गु.) (श्वित्=धौला होना) धौला, सफेद.
श्वेतद्वीप (सं. पु.) (श्वेत+द्वीप) वैकुण्ठ, एक द्वीपका नाम.

ष.

षट् (सं. गु.) (षष्) छः, ६.
षट्कर्म (सं. पु.) स्नान, संध्या, जप, तर्पण, देवताका पूजन आदि. (१ वेद पढना, २ दूसरेको पढाना, ३ यज्ञ करना, ४ दूसरेसे कराना, ५ दान देना, ६ दान लेना ये ब्राह्मणके छः काम हैं.)
षट्कोण (सं. पु.) छः कोना खेत, छः खूँट खेत, वज्र.
षट्पद (सं. पु.) भौंरा.
षट्रस भोजन (सं. पु.) (षट्=छः, रस=स्वाद, भोजन=खाना) मीठा, खट्टा, खारा, कडुआ, कसैला और तीता इन छः रसोंसे मिला हुआ खाना.
षड्वदन, षडानन (सं. पु.) (षट्=छः, वदन या आनन=मुँह) कार्त्तिकेय, महादेवका बेटा.
षट्शास्त्र (सं. पु.) न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त, सांख्य, और पातञ्जल ये छः शास्त्र, इनको षड्दर्शनभी कहते हैं (दर्शन शब्दको देखो).

षडङ्ग (सं. पु.) शरीरके छः भाग, जैसे दो हाथ, दो पाँव, सिर और कमर, वेदके छः अङ्ग (जैसे-१ शिक्षा, २ कल्प, ३ व्याकरण, ४ निरुक्त, ५ ज्योतिष, ६ छन्द) (वेदाङ्ग शब्दको देखो.)

षढंघ्री (सं. पु.) भौंरा, भ्रमर.

षष्टि. (सं. गु.) साठ, ६०.

षष्ठ (सं. गु.) छठा.

षष्ठी (सं. स्त्री.) छठ, छठी तिथि.

षोडश (सं. गु.) सोल्ह, १६.

षोडशदान (सं. पु.) सोलह चीजोंका दान, १ धरती, २ आसन, ३ पानी, ४ कपडा, ५ दीपक, ६ अनाज, ७ पान, ८ छत्र, ९ सुगन्धित चीज, १० फूलोंकी माला, ११ फल, १२ सेज, १३ खडाऊ, १४ गाय, १५ सोना, १६ रूपा या चाँदी.

षोडशभुजा (सं. स्त्री.) सोलह हाथकी दुर्गा, देवीकी मूरत.

स.

स (सं. पु.) (शो=नाश करना) विष्णु, साँप, शिव, पखेरू, समुच्चा, साथ, सहित, समेत (जैसे-सजीव=जीवसहित), बराबर, वही, एकही (जैसे-सधर्म=एकही धर्मका).

संक्षेप (सं. पु.) (सम्=साथ, क्षिप्=फेंकना) सार अंश, सारभाग, मुख्तसर,

संगत (हि. स्त्री.) (सं. सङ्गति) मेल, साथ, सोहबत, वह जगह जहाँ सिक्ख अपने धर्मकी रीत रसम करते हैं.

संचना } सांचना } (हि. क्रि. स.) (सं. सञ्चयन सम्=अच्छी तरहसे, चि=इकट्ठा, करना) इकट्ठा करना.

संज्ञा (सं. स्त्री.) (सम्=अच्छी तरहसे, ज्ञा=जानना) नाम, चीजका नाम, बुद्धि, चेतना, गायत्री, सूरजकी स्त्री.

संजोवना (हि. क्रि. स.) (सं. संयोजन) तैयार करना.

संन्यासी (सं.) सन्यासी शब्दको देखो.

संपत (हि. स्त्री.) (सं. सम्पद्) सम्पदा, धन, दौलत.

संभलना (हि. क्रि. अ.) थँमना, ठहरना, सहारा पाना, खडा होना, गिरते २ थंम जाना.

संभालना } संभारना } (हि. क्रि. स.) (सं. सम्भारण) थाँभना, पकडना, सहारा देना, मदद देना, सहायता देना.

संयम (सं. पु.) (सम्=अच्छी तरहसे, यम्=रोकना) नेम, नियम, व्रतके दिन कितनी एक चीजोंके खाने पीनेकी रुकावट.

संयुक्त (सं. गु.) (सम्=साथ, युज्=मिला हुआ) मिला हुआ, लगा हुआ, जुडा हुआ.

संयुग (सं. पु.) (सम्=साथ, युज्=मिलना) लडाई, युद्ध, संग्राम.

संयुत (सं. गु.) मिला हुआ, लगा हुआ.

संयोग (सं. पु.) मेल, मिलाप, सम्बन्ध, दैवयोग, संजोग, इत्तिफाक.

संवत् (सं. पु.) (सम्+वय्=जाना) विक्रमादित्य राजाका चलाया हुआ साल, बरस, सन्.

संवत्सर (सं. पु.) बरस, संवत्, साल.

संवाद (सं. पु.) (सम्, वद्=कहना) बातचीत, चर्चा, प्रसङ्ग, कथा, संदेशा, समाचार.

संवारना (हि. क्रि. स.) सजाना, सुधारना, सिंगारना, तैयार करना.

संशय (सं. पु.) (सम्, शी=सोना, पर सम् उपसर्गके साथ आनेसे इसका अर्थ संदेह करना हो जाता है) संदेह, शक.

संसर्ग (सं. पु.) (सम्=साथ, सृज्=पैदा होना) संगत, सोहबत, सम्बन्ध, मेल.

संसार (सं. पु.) (सम्=साथ, सृ=जाना) जग, जगत्, दुनिया.

संसारी (सं. गु.) संसारका, दुनियांका, लौकिक.

संसृति (सं. स्त्री.) (सम्=साथ, सृ=जाना) संसार, जगत्.

संस्कार (सं. पु.) (सम्=शुद्ध, कृ=करना) पवित्रता, सफाई, शुद्ध करनेकी रीति.

संस्कृत (सं. गु.) (सम्=शुद्ध, कृ=करना) अच्छी भाँतसे सुधारा हुआ, उत्तम, पवित्र. (पु.) एक बोली जिसको हिन्दू पवित्र समझते हैं और देववाणी अर्थात् देवताओंकी बोली कहते हैं और जिसमें हिन्दुओंके वेदशास्त्र लिखे हुए हैं और इस बोलीका व्याकरण और सब बोलियोंसे बहुत पूरा और अच्छा है.

संहार (सं. पु.) (सम्, हृ=लेना, यह सम् उपसर्गके साथ आनेसे अर्थ नाश करना होता है) नाश, विनाश, प्रलय, संसारका नाश, एक नरकका नाम, एक भैरवका नाम.

संहारना (हि. क्रि. स.) (सं. संहारण) नाश करना, मार डालना.

संहिता (सं. स्त्री.) (सम, अच्छी भाँतसे धा=रखना) मनु आदि आचार्योंके बनाये हुए धर्मशास्त्र, पुराण इतिहास आदि, कर्मकाण्ड वेदका भाग.

सकट, सगड (हि. पु.) (सं. शकट) गाडी, छकडा.

सकत, सगत (हि. स्त्री.) (सं. शक्ति) जोर, बल, ताकत. (शक्ति शब्दको देखो).

सकना (हि. क्रि.) (सं. शक्=समर्थ होना) समर्थ होना, किसी कामके करनेका बल रखना.

सकरा, संकडा (हि. गु.) (सं. सङ्कीर्ण) तंग, सकेत, छोटा.

सकर्मक (सं. पु.) (स=साथ कर्म=कर्म कारक) ऐसी धातु अथवा क्रिया जिसमें कर्म हो जैसे खाना, पीना, लेना, देना आदि.

सकल (सं. गु.) (स=साथ, कला=अंग कल=गिनना) सब, सारा, सिगरा, पूरा, सम्पूर्ण, समस्त.

सकाम (सं.गु.) (स=साथ, काम=इच्छा) कामनासहित, चाहनेवाला, सफल.

सकल (हि. पु.) (सं. सकाल) सवेरा, भोर, प्रभात, प्रातःकाल.

सकारना (हि. क्रि. स.) (सं. स्वीकरण) सही करना, मानना, अंगेजना.

सकुचना (हि. क्रि. अ.) (सं. सङ्कोचन, सम्=साथ, कुच=सिकुडना) लजाना, शर्माना, संकोच करना, डरना.

सकेत (हि. गु.) संकडा, तंग, छोटा.

सकोडना (हि. क्रि. अ.) (सं. सङ्कोचन) सिमटना, सिकुडना. (क्रि. स.) पीछा खैंच लेना, समेट लेना.

सखा (सं. पु.) (स=बराबर, ख्या=कहलाना) मित्र, दोस्त, साथी, बन्धु, संगी.

सखी (सं. स्त्री.) सहेली, साथनी, संगिनी, आली.

सगर (सं. पु.) (स=साथ, गर=विष, जहर, जो जहरके साथ पैदा हुआ) अयोध्याके एक राजाका नाम जिससे समुद्रका नाम सागर हुआ. (गु.) जहरीला, विषैला.

सगा (हि. गु.) (सं. स्वकीय) अपना, संबंधी, समधी, नातेदार, रिश्तेदार. सगा भाई=अपना भाई, एक बापका बेटा.

सगाई } (हि. स्त्री.) (सं. स्वकीयता)
सगावत } भाईचारा, नाता, अपनायत, रिश्ता, मंगनी, निसबत, नीच जातकी लुगाईका दूसरा ब्याह.

सगुण (सं. गु.) गुणसहित, रजोगुण सतगुण तमोगुणसहित.

सघन (सं. गु.) गहरा, घना, गहन.

सङ्कट (सं. पु.) (सम्=साथ, कट्= घेरना) दुःख, कष्ट, आपदा, विपत, तकलीफ.

सङ्कर (सं. पु.) (सम्=मिला हुआ, कृ= फैलाना) मिली हुई बात, और जातके पुरुषसे और जातकी स्त्रीमें पैदा हुआ मनुष्य, दोगला, वर्णसंकर, खचडा, दो जातका.

सङ्कर्षण (सं. पु.) (सम्, कृष्=खेंचना) श्रीकृष्णका बडा भाई बलदेव जो एक मा देवकीके गर्भसे गिरकर दूसरी मा रोहिणीके पेटसे जन्म लिया इसलिये ऐसा नाम हुआ.

सङ्कलन (सं. पु.) (सम्, कल्=गिनना) जोड, जोडना.

सङ्कल्प (सं. पु.) (सम्=साथ, कृप्=समर्थ होना) मनकी इच्छा, कामना मनोरथ, प्रतिज्ञा, नियम, नेम.

सङ्कीर्ण (सं. गु.) (सम्=साथ, कृ=विखरना) बहुत मनुष्योंका मिलाव, भीडभाड, घनाघन.

संकुल (सं. गु.) (सम्=खूब, कुल= इकट्ठा होना) खूब भरा हुआ, बहुत आदमियों या जीवोंसे भरा हुआ.

सङ्केत (सं. पु.) (सम्, कित्=जानना) सैन, इशारा, चिह्न, वचन.

सङ्कोच (सं. पु.) (सम्,कुच्=सिकुडना) लाज, शर्म, सिमटाव.

संक्रान्ति (सं. स्त्री.) (सम्=साथ, क्रम्= जाना) सूरज अथवा और ग्रहोंका एक राशिसे दूसरी राशिपर जाना.

संख्या (सं. स्त्री.) (सम्, ख्या=प्रसिद्ध होना) गिनती.

सङ्ग (सं. पु.) (सम्=साथ, गम्=जाना अथवा सञ्ज=मिलना) मेल, संबन्ध, संयोग, साथ.

सङ्गति (सं. स्त्री.) (सम्=साथ, गम्= जाना) मेल, साथ, सङ्गत, सोहबत.

सङ्गम (सं. पु.) (सम्=साथ, गम्=जाना) मिलना, मेल, मिलाव, संयोग, एक नदीका दूसरी नदीके साथ अथवा समंदरके साथ मिलना, स्त्रीसंग.

सङ्गर (सं. पु.) (सम्=साथ, गॄ=निगलना वा निकालना) लडाई, युद्ध, झगडा, आपदा, विष, समीका पेड, प्रतिज्ञा.

सङ्गी (सं. गु.) साथी, मेली, मिलापी, मित्र.

सङ्गीत (सं. पु.) (सम्=अच्छी तरहसे, गै=गाना) गानेकी विद्या, गाना, गाने नाचनेकी विद्या.

संगृहीत (सं. गु.) (सम्=अच्छी तरहसे, ग्रह=लेना) इकट्ठा किया हुआ, संग्रह किया हुआ.

संग्रह (सं. पु.) (सम्=अच्छी तरहसे, ग्रह=लेना) इकट्ठा, एकट्ठा, संचय.

संग्राम (सं. पु.) लडाई, युद्ध, रण.

सच (हि. गु.) (सं. सत्य) सत्य, ठीक, साँच, हाँ, निश्चय. (पु.) सत्य,

सचाई; सचावट. (क्रि. वि.) ठीक ठीक, यथार्थ.
सचमुच (हि. मुहा.) ठीकठीक, यथार्थ.
सचराचर (सं. गु.) (स=साथ, चर=चलनेवाला, अचर=नहीं चलनेवाला) जीव, जन्तु, पेड, आदि सब समेत.
सचाई } सच्चाई } (हि. स्त्री) (सं. सत्यता) सच, साँच, सचावट, ईमानदारी, खराई, शुद्धता.
सचि } सची } (सं. स्त्री.) (सच्=बाँधना या सींचना) इन्द्राणी, इन्द्रकी पत्नी.
सचिव (सं. पु.) मंत्री, सलाह देनेवाला.
सचेत (सं. गु.) (स=साथ, चेत्=सुधि या होश) चौकस, सावधान, होशियार.
सचेतन (सं. गु.) (स=साथ, चेतना=बुद्धि, ज्ञान) ज्ञानवान्, बुद्धिमान्.
सचौटी (हि. स्त्री.) सचाई, सचावट.
सच्चा (हि. गु.) (सं. सत्य) ठीक, सत्य, यथार्थ, ईमानदार, विश्वासी, धार्मिक, खरा, शुद्ध, सात्विक.
सच्चिदानन्द (सं. पु.) (सत्=सदा या सत्=सच्चा, चित्=चैतन्य, आनन्द=प्रसन्न) ब्रह्म, परमेश्वर, परमात्मा, परब्रह्म.
सज (हि. स्त्री.) (सं. सज्ज) डौल, रूप, शोभा.
सजधज (हि. गु.) बनाव, तैयारी, रूप, शोभा.
सजग (हि. गु.) (स=साथ, जागना=होशियार होना) सावधान, सचेत, होशियार, खबरदार.
सजन } सजना } (हि. पु.) (सं. सज्जन. बडा आदमी, प्यारा, पति. (स्त्री.) प्यारी प्रिया.
सजना (हि. क्रि. अ.) (सं. सज्जन) तैयार होना, बनना, बनाव करना, फबना, सोहना.
सजनी (हि. स्त्री.) सखी, सहेली.
सजल (सं. गु.) पानीसे भरा हुआ, गीला, भींगा.
सजला (हि. पु.) चार भाइयोंमें तीसरा, सँझला.
सजाई (हि. स्त्री.) तलवारके म्यान, या परतलेकी बनाई, तैयारी.
सजाति (सं. गु.) एक जातका.
सजातीय (सं. गु.) एक जातका, एक तरहका.
सजाना (हि. क्रि. स.) तैयार करना, बनाना, सुधारना.
सजावट (हि. स्त्री.) बनावट, तैयारी.
सजीला (हि. गु.) सुन्दर, सुडौल.
सजीव (हि. गु.) जीता हुआ, जीवसहित.
सजीवनी (सं. स्त्री. गु.) प्राण देनेवाली.
सज्जन (सं. गु.) (सत्=सच्चा, जन=मनुष्य) साधु, सत्पुरुष, भला आदमी, कुलवान्, बडा आदमी.
सञ्चय (सं. पु.) (सम्=अच्छी भाँतसे, चि=इकट्ठा करना) ढेर, इकट्ठा, संग्रह, राशि.
सञ्चारिका (सं. स्त्री.) (सम्, चर=जाना) दूती जो नायकका समाचार नायिकाको और नायिकाका समाचार नायकको पहुँचाती है.
सञ्चित (सं. गु.) (सम्, चि=इकट्ठा करना) इकट्ठा किया हुआ, बटोरा हुआ, संग्रह किया हुआ.
सज्ञान (सं. गु.) ज्ञानसहित, ज्ञानी, ज्ञानवान्, बुद्धिमान्.
सटक (हि. स्त्री.) कचीली छडी जो एक ओर मोटी होती है और दूसरी ओर पतली होती है.

सटकना (हिं. क्रि. अ.) भाग जाना, खसकना, दौड जाना, चला जाना.
सटना (हिं. क्रि. अ.) (सं. सन्नद्ध, सम्=अच्छी तरहसे, नह=बाँधना) मिलना, जुडना, चिपकना.
सटपटाना (हिं. क्रि. अ.) घबराना, अचंभेमें होना.
सडक (हिं. स्त्री.) राजमार्ग, बादसाही रास्ता.
सडक (हिं. गु.) मस्त, मतवाला.
सडकनींद (हिं. मुहा.) खूब गहरी नींद.
सडना (हिं. क्रि. अ.) गलना, पचना, बिगडना, खराब होना.
संड } संडा } (हिं. गु.) मोटा, जोरावर, बलवान, मजबूत, हृष्टपुष्ट.
संडमुसंड (हिं. गु.) खूब मोटा ताजा और जोरावर.
संडसी } संडासी } सँडसी } (हिं. स्त्री.) (सं. सन्दंशिनी, सम्=खूब, दंश=काटना) गहवा.
संडास (हिं. पु.) जाजरू, पाखाना.
सत् (सं. गु.) (अस्=होना) सच, ठीक, सत्य, ब्रह्म, परमेश्वर. (पु.) आदर, विद्यमानता.
सत (हिं. पु.) (सं. सत्य) जोर, बल, सार, हीर, रस, अरक, सतगुण.
सततं (सं. क्रि. वि.) (सम्=साथ, तन्=फैलाना) लगातार, निरन्तर.
सत्तमी (हिं. स्त्री.) (सं. सप्तमी) सातवीं तिथि.
सतरह (हिं. गु.) (सं. सप्तदश) सात और दस, १७.
सतलडी (हिं. स्त्री.) सात लडकी माला.
सतसठ (हिं. गु.) (सं. सप्तषष्टि) साठ और सात, ६७.
सतसई (हिं. स्त्री. } सतसैया (हिं. पु. } (सं. सप्तशती) एक पोथीका नाम जिसको बिहारीलालने (जो ग्वालियरके रहनेवाले थे) बनाई, इसमें ७०० दोहे ब्रजभाषामें लिखे हैं.
सतहत्तर (हिं. गु.) (सं. सप्तसप्तति) सत्तर और सात, ७७.
सताना (हिं. क्रि. स.) (सं. सन्तापन) दुःख देना, छेडना, खिजाना.
सतानन्द (सं. पु.) गौतम ऋषिका बेटा और जनकराजाका पुरोहित.
सती (सं. स्त्री.) (सत) पतिव्रता स्त्री, धर्मात्मा स्त्री, वह स्त्री जो अपने पतिकी लाशके साथ जल जाती है, दक्षकी बेटी और महादेवकी पत्नी जो अपने बापके अपमान करनेसे उसके यज्ञकुंडमें गिरकर मर गई और कहते हैं कि वही सती फिर हिमाचलके घरमें पार्वती होकर जन्मी.
सतुआ } सत्तू } (हिं. पु.) (सं. शक्तु या सक्तु) भूँने अनाजका चून, सातू.
सत्कर्म (सं. पु.) (सत=सच्चा या अच्छा कर्म=काम) भला काम, अच्छा काम, पुण्य, पवित्र काम.
सत्कार (सं. पु.) (सत्=आदर, कृ=करना) आदर, सन्मान.
सत्तर (हिं. गु.) (सं. सप्तति) दसगुना सात, सात दहाई, ७०.
सत्ता (सं. स्त्री.) (अस्=होना) होना, विद्यमानता, बल, पराक्रम, जोर, भलाई, उत्तमता.
सत्ताईस (हिं. गु.) (सं. सप्तविंशति) बीस और सात, २७.
सत्तान्वे (हिं. गु.) (सं. सप्तनवति) नव्वे और सात, ९७.

सत्तावन (हि. गु.) (सं. सप्तपञ्चाशत्) पचास और सात, ५७.
सत्तासी (हि. गु.) (सं. सप्ताशीति) अस्सी और सात, ८७.
सत्त्व (सं. पु.) सतगुण, बल, जोर, चीज वस्तु, सार.
सत्पुरुष (सं. पु.) (सत=सच्चा, पुरुष=आदमी) सज्जन, साधु, भला आदमी.
सत्य (सं. गु.) सच, ठीक, सही, यथार्थ, निश्चय, सच्चा, खरा, ईमानदार. (पु.) साँच, सचाई, सचौट, सत्ययुग, पहला युग, शपथ, ब्रह्मलोक.
सत्यता (सं. स्त्री.) सचाई, सचौटी.
सत्यभामा (सं. स्त्री.) (सत्य=सच, भामा=क्रोधिनी स्त्री) श्रीकृष्णकी एक पत्नी और सत्राजितकी बेटी.
सत्ययुग (सं. पु.) पहला युग.
सत्यलोक (सं. पु.) ब्रह्मलोक, ऊपरका सातवाँ लोक.
सत्यवादी (सं. गु.) (सत्य=सच, वादी=बोलनेवाला) सच बोलनेवाला.
सत्यानाश (हि. पु.) (सं. सत्य=सच, नाश=बरबादी) नाश, विनाश, बरबादी.
सत्यानाश करना (हि. मुहा.) नष्ट करना, बरबाद करना, खराब करना, बिगाड डालना.
सत्यानाश जाना, सत्यानाश होना (हि. मुहा.) नष्ट होना, बरबाद होना, खराब होना, बिगड जाना.
सत्वर (सं. गु.) (स=साथ, त्वरा=जल्दी) जल्द, उतावला. (क्रि. वि.) शीघ्र, तुरन्त, झटपट, जल्दीसे.
सत्सङ्ग (सं. पु.), सत्सङ्गति (सं. स्त्री.) (सत=अच्छा, सङ्ग वा सङ्गति=साथ) अच्छी संगत, भले आदमीका साथ, अच्छी सोहबत.
सदन (सं. पु.) (सद्=जाना या बैठना जिसमें) घर, स्थान, जगह, पानी.
सदय (सं. गु.) (स=साथ, दया=कृपा) दयालु, दयासहित, कोमल.
सदा (सं. क्रि. वि.) नित, हमेशह, रोज-रोज, नित्य.
सदानन्द (सं. पु.) सदाशिव, महादेव. (गु.) हमेशह प्रसन्न.
सदाव्रत (सं. पु.) खाना जो भूखोंको सदा दिया जाय.
सदाशिव (सं. पु.) महादेव, शंभु, शिव, शंकर.
सदृश, सदृक्ष (सं. गु.) (स=बराबर, दृश देखना) बराबर, समान, तुल्य, एकसा.
सद्गति (सं. स्त्री.) (सत=अच्छी, गति=दशा) उत्तमगति, मुक्ति, मोक्ष, निस्तार, छुटकारा, धर्म, नेकी, सम्पदा, सम्पत्ति.
सद्य (सं. क्रि. वि.) (स=साथ, दिव=चमकना) तुरन्त, उसी दम, तत्काल, तत्क्षण.
सधना (हि. क्रि. अ.) (सं. साधन) बनना, खूब सिखाया जाना, अच्छी तरहसे शिक्षा पाना.
सधवा (सं. स्त्री.) (स=साथ, धव=पति) वह लुगाई जिसका पति जीता हो, सुहागिन.
सधाना (हि. क्रि. स.) (सं. साधन) सिखाना, बनाना, हिलाना.
सन (हि. स्त्री.) (सं. शण=देना) एक पौधा जिसके तारोंकी रस्सी बनती है.
सन (हि.) से, साथ.
सनक (सं. पु.) (सन=सेवा करना, देना) एक मुनिका नाम, ब्रह्माका बेटा जो सदा बालकरूप रहता है.

सनत्कुमार (सं. पु.) (सनत्=सदा या ब्रह्मा, कुमार=बालक) ब्रह्माका बेटा एक मुनि जो सदा बालकरूप रहता है.

सनन्द } सनन्दन } (सं. पु.) (स=साथ, नन्द=आनन्द) ब्रह्माका बेटा एक मुनि जो सदा बालकरूप रहता है.

सनसनाना (हि. क्रि. अ.) सन सन ऐसा शब्द करना.

सनातन (सं. पु.) ब्रह्माका बेटा एक मुनि जो सदा बालकरूप रहता है. (गु.) नित, सदा, हमेशह, अनादि, सदाका, हमेशहका, परम्परा.

सनाथ (सं. गु.) जिसके मालिक और सहायक हों, सपक्ष.

सनाह (हि. पु.) (सं. सन्नाह, सम्=अच्छी तरहसे, नह=बाँधना) बखतर, कवच.

सनीचर (हि. पु.) (सं. शनैश्चर) सातवाँ ग्रह, शनिवार.

सनीचरा (हि. गु.) अभागा.

सनेह (हि. पु.) (सं. स्नेह) प्यार, प्रीत, नेह, छोह, मोह, प्रेम.

सन्त (सं. पु.) साधु, सत्पुरुष, धर्मात्मा, सज्जन.

सन्तत (सं. क्रि. वि.) (सम्=साथ, तन्=फैलना) लगातार, निरन्तर, सदा, नित, हमेशह.

सन्तति (सं. स्त्री.) (सम्=साथ, तन्=फैलना) लडकावाला, बेटापोता, सन्तान, वंश.

सन्तप्त (सं. गु.) (सम्=अच्छी तरहसे, तप्=तपना या तपाना) तपा हुआ, गर्म, दुखी.

सन्तान (सं. पु.) (सम्=साथ, तन्=फैलना) लडकावाला, वंश, कुटुम्ब.

सन्ताप (सं. पु.) (सम्=अच्छी तरहसे, तप्=तपना) शोक, सोच, फिकर, चिन्ता, पीडा, दुःख.

सन्तुष्ट (सं. गु.) (सम्=अच्छी तरहसे, तुष्=प्रसन्न होना) प्रसन्न, तृप्त, हर्षित, मनभरा, सन्तोषके साथ.

सन्तोष (सं. पु.) (सम्=अच्छी भाँतसे, तुष्=प्रसन्न होना) सबर, तृप्ति, आनन्द, सुख.

सन्तोषी (सं. गु.) सन्तोष रखनेवाला, सबरवाला.

सन्था (सं. स्त्री.) (सम्=अच्छी तरहसे, स्था=ठहरना) पाठ, पढना.

सन्दिग्ध (सं. गु.) (सम्=साथ, दिह्=बढना) सन्देहयुक्त, जिसमें सन्देह पाया जाय.

सन्देश (सं. पु.) (सम्=साथ, दिश्=देना) संदेसा, समाचार, खबर, वृतान्त.

सन्देह (सं. पु.) (सम्=साथ, दिह्=बढना, या इकट्ठा करना) शक, संशय, शुबा, शंका.

सन्देह (सं. पु.) (सम्, दुह्=दुहना पर "सम्" उपसर्गके साथ आनेसे इकट्ठा होना अर्थ होता है) समूह, बहुत.

सन्धान (सं. पु.) (सम्=अच्छी भाँतसे धा=रखना) भेद लेना, खोज, पता जोडना, मिलाना.

सन्धि (सं. स्त्री.) (सम्=साथ, धा=रखना) मेल, मिलाव, व्याकरणमें दो अक्षरोंका मिलाव, सुलह, मेल करना, दो राजाओंका आपसमें मेल होना, शरीरमें दो हड्डियोंका जोड, सँध, दरार, छेद.

सत्तावन (हि. गु.) (सं. सप्तपञ्चाशत्) पचास और सात, ५७.
सत्तासी (हि. गु.) (सं. सप्ताशति) अस्सी और सात, ८७.
सत्त्व (सं. पु.) सतगुण, बल, जोर, चीज-वस्तु, सार.
सत्पुरुष (सं. पु.) (सत्=सच्चा, पुरुष=आदमी) सज्जन, साधु, भला आदमी.
सत्य (सं. गु.) सच, ठीक, सही, यथार्थ, निश्चय, सच्चा, खरा, ईमानदार. (पु.) साँच, सचाई, सचौट, सत्ययुग, पहला युग, शपथ, ब्रह्मलोक.
सत्यता (सं. स्त्री.) सचाई, सचौटी.
सत्यभामा (सं. स्त्री.) (सत्य=सच, भामा=क्रोधिनी स्त्री) श्रीकृष्णकी एक पत्नी और सत्राजितकी बेटी.
सत्ययुग (सं. पु.) पहला युग.
सत्यलोक (सं. पु.) ब्रह्मलोक, ऊपरका सातवाँ लोक.
सत्यवादी (सं. गु.) (सत्य=सच, वादी=बोलनेवाला) सच बोलनेवाला.
सत्यानाश (हि. पु.) (सं. सत्य=सच, नाश=बरबादी) नाश, विनाश, बरबादी.
सत्यानाश करना (हि. मुहा.) नष्ट करना, बरबाद करना, खराब करना, बिगाड डालना.
सत्यानाश जाना } सत्यानाश होना } (हि. मुहा.) नष्ट होना, बरबाद होना, खराब होना, बिगड जाना.
सत्वर (सं. गु.) (स=साथ, त्वरा=जल्दी) जल्द, उतावला. (क्रि. वि.) शीघ्र, तुरन्त, झटपट, जल्दीसे.
सत्सङ्ग (सं. पु.) } सत्सङ्गति (सं. स्त्री.) } (सत्=अच्छा, सङ्ग वा सङ्गति=साथ) अच्छी संगत, भले आदमीका साथ, अच्छी सोहबत.
सदन (सं. पु.) (सद्=जाना या बैठना जिसमें) घर, स्थान, जगह, पानी.
सदय (सं. गु.) (स=साथ, दया=कृपा) दयालु, दयासहित, कोमल.
सदा (सं. क्रि. वि.) नित, हमेशह, रोज-रोज, नित्य.
सदानन्द (सं. पु.) सदाशिव, महादेव. (गु.) हमेशह प्रसन्न.
सदाव्रत (सं. पु.) खाना जो भूखोंको सदा दिया जाय.
सदाशिव (सं. पु.) महादेव, शंभु, शिव, शंकर.
सदृश } सदृक्ष } (सं. गु.) (स=बराबर, दृश देखना) बराबर, समान, तुल्य, एकसा.
सद्गति (सं. स्त्री.) (सत्=अच्छी, गति=दशा) उत्तमगति, मुक्ति, मोक्ष, निस्तार, छुटकारा, धर्म, नेकी, सम्पदा, सम्पत्ति.
सद्य (सं. क्रि. वि.) (स=साथ, दिव=चमकना) तुरन्त, उसी दम, तत्काल, तत्क्षण.
सधना (हि. क्रि. अ.) (सं. साधन) बनना, खूब सिखाया जाना, अच्छी तरहसे शिक्षा पाना.
सधवा (सं. स्त्री.) (स=साथ, धव=पति) वह लुगाई जिसका पति जीता हो, सुहागिन.
सधाना (हि. क्रि. स.) (सं. साधन) सिखाना, बनाना, हिलाना.
सन (हि. स्त्री.) (सं. शण=देना) एक पौधा जिसके तारोंकी रस्सी बनती है.
सन (हि.) से, साथ.
सनक (सं. पु.) (सन्=सेवा करना, देना) एक मुनिका नाम, ब्रह्माका बेटा जो सदा बालकरूप रहता है.

सनत्कुमार (सं. पु.) (सनत्=सदा या ब्रह्मा, कुमार=बालक) ब्रह्माका बेटा एक मुनि जो सदा बालकरूप रहता है.

सनन्द } (सं. पु.) (स=साथ, नन्द=
सनन्दन } आनन्द) ब्रह्माका बेटा एक मुनि जो सदा बालकरूप रहता है.

सनसनाना (हि. क्रि. अ.) सन सन ऐसा शब्द करना.

सनातन (सं. पु.) ब्रह्माका बेटा एक मुनि जो सदा बालकरूप रहता है. (गु.) नित, सदा, हमेशह, अनादि, सदाका, हमेशहका, परम्परा.

सनाथ (सं. गु.) जिसके मालिक और सहायक हो, सपक्ष.

सनाह (हि. पु.) (सं. सन्नाह, सम्=अच्छी तरहसे, नह=बाँधना) बखतर, कवच.

सनीचर (हि. पु.) (सं. शनैश्चर) सातवाँ ग्रह, शनिवार.

सनीचरा (हि. गु.) अभागा.

सनेह (हि. पु.) (सं. स्नेह) प्यार, प्रीत, नेह, छोह, मोह, प्रेम.

सन्त (सं. पु.) साधु, सत्पुरुष, धर्मात्मा, सज्जन.

सन्तत (सं. क्रि. वि.) (सम्=साथ, तन्=फैलना) लगातार, निरन्तर, सदा, नित, हमेशह.

सन्तति (सं. स्त्री.) (सम्=साथ, तन्=फैलना) लडकाबाला, बेटापोता, सन्तान, वंश.

सन्तप्त (सं. गु.) (सम्=अच्छी तरहसे, तप्=तपना या तपाना) तपा हुआ, गर्म, दुखी.

सन्तान (सं. पु.) (सम्=साथ, तन्=फैलना) लडकाबाला, वंश, कुटुम्ब.

सन्ताप (सं. पु.) (सम्=अच्छी तरहसे, तप्=तपना) शोक, सोच, फिकर, चिन्ता, पीडा, दुःख.

सन्तुष्ट (सं. गु.) (सम्=अच्छी तरहसे, तुष्=प्रसन्न होना) प्रसन्न, तृप्त, हर्षित, मनभरा, सन्तोषके साथ.

सन्तोष (सं. पु.) (सम्=अच्छी भाँतसे, तुष्=प्रसन्न होना) सबर, तृप्ति, आनन्द, सुख.

सन्तोषी (सं. गु.) सन्तोष रखनेवाला, सबरवाला.

सन्था (सं. स्त्री.) (सम्=अच्छी तरहसे, स्था=ठहरना) पाठ, पढना.

सन्दिग्ध (सं. गु.) (सम्=साथ, दिह्=बढना) सन्देहयुक्त, जिसमें सन्देह पाया जाय.

सन्देश (सं. पु.) (सम्=साथ, दिश्=देना) संदेसा, समाचार, खबर, वृतान्त.

सन्देह (सं. पु.) (सम्=साथ, दिह्=बढना, या इकट्ठा करना) शक, संशय, शुबा, शंका.

सन्दोह (सं. पु.) (सम्, दुह्=दुहना पर "सम्" उपसर्गके साथ आनेसे इकट्ठा होना अर्थ होता है) समूह, बहुत.

सन्धान (सं. पु.) (सम्=अच्छी भाँतसे धा=रखना) भेद लेना, खोज, पता जोडना, मिलाना.

सन्धि (सं. स्त्री.) (सम्=साथ, धा=रखना) मेल, मिलाव, व्याकरणमें दो अक्षरोंका मिलाव, सुलह, मेल करना, दो राजाओंका आपसमें मेल होना, शरीरमें दो हड्डियोंका जोड, सँध, दरार, छेद.

सन्ध्या (सं. स्त्री.) (सम्=अच्छी तरहसे, ध्यै=ध्यान करना) साँझ, सायंकाल, शाम, प्रभात, दो पहर, और साँझ, इन तीन समयकी पूजा जप ध्यान आदि.
सन्ना (हि. क्रि. अ.) (सं. सन्धान) मिलना, जुडना, सटना.
सन्नाटा (हि. पु.) पानी या हवासे जो शब्द होता है.
सन्निपात (सं. पु.) (सम्=साथ, नि=नीचे, पत्=गिरना) एक तरहका रोग जो कफ, वात, और पित्तके बिगडनेसे होता है, सनपात, त्रिदोष.
संन्यास (सं. पु.) (सम्, नि, अस्=फेंकना) चौथा आश्रम, संन्यासीका धर्म्म, संसारकी चीजोंका त्याग.
संन्यासी (सं. पु.) चौथा आश्रमी जो संसारको छोड देता है, परमहंस.
सन्मान (हि. पु.) (सं. सम्मान, सम्=साथ, मान=आदर) आदर, सत्कार.
सन्मुख (हि. गु.) (सं. सन्मुख, सम्=सामने, मुख=मुँह) साम्हने, आगे प्रत्यक्ष.
सपक्ष (सं. गु.) (स=साथ, पक्ष=पाँख) सहायक, साथी, पाँखोंवाला, पाँखके साथ.
सपदि (सं. क्रि. वि.) (स=साथ, पद्=जाना) तुरंत, झटपट, शीघ्र.
सपना (हि. पु.) (सं. स्वप्न) नींदमें जो कुछ देखा जाय, नींदमें जो कुछ खयाल उपजे.
सपल्लव (सं. गु.) नये २ पत्ते और टह-नीके साथ.
सपुत्र } (हि. पु.) (सं. सुपुत्र) अच्छा
सपूत } लडका, सुशील बेटा.
सपोला } (हि. पु.) (सं. सर्पपोत,
सपोलिया } सर्प=साँप, पोत=बच्चा) साँपका बच्चा.
सप्त (सं. गु.) (सप्=मिलना) सात, ७.
सप्तमी (सं. स्त्री.) सत्तमी, सातवीं तिथि.
सप्ताह (सं. पु.) (सप्त=सात, अहन्=दिन) सात दिन, हफ्ता, अठवाडा.
सप्रीति (सं. गु.) प्यारसे, प्यारसहित, प्यारके साथ.
सप्रेम (सं. गु.) प्यारसे, प्यारके साथ.
सफल (सं. गु.) फलसहित, सिद्ध, फल देनेवाला.
सब (हि. गु.) (सं. सर्व) (सर्वना.) सारा, पूरा, समूचा, सम्पूर्ण.
सबल (सं. गु.) (स=साथ, बल=जोर या सेना) बलवान्, जोरावर, सामर्थी, सेनाके साथ.
सबेरा } (हि. पु.) (सं. सुवेला, सु=
सवेरा } अच्छा, वेला=समय) भोर, विहान, पोह, तडका, प्रभात.
सभय (सं. गु.) (स=साथ, भय=डर) डरा हुआ, डरके साथ.
सभा (सं. स्त्री.) (स=साथ, भा=चमकना) समाज, मंडली, राजदरबार, दरबार, पंचायत, मजलिस, जल्सा.
सभापति (सं. पु.) सभाका मालिक, मीरमजलिस.
सभासद (सं. पु.) (सभा=समाज, सद्=बैठना) सभामें बैठनेवाला, सभाका मेंबर.
सभ्य (सं. गु.) सभाके योग्य, चतुर, बुद्धिमान्.
सभीत (सं. गु.) डरा हुआ, सभय.
सम् (सं. उपस.) अच्छी तरहसे, भले प्रकारसे, सुन्दरतासे, भली भाँतिसे, साथ, से, बहुत, सब तरहसे, पास, साम्हने, शुद्ध.

सम (सं. गु.) समान, बराबर, तुल्य, सदृश, सब, पूरा.

समग्र (सं. गु.) (सम्=सब तरहसे, अग्र=आगे) सब, सारा, पूरा, सम्पूर्ण.

समझ (हि. स्त्री.) बुद्धि, ज्ञान, अकल, बूझ, सम्मति, राय, विचार, ध्यान.

समझना (हि. क्रि. स.) जानना, बूझना, विचारना.

समता (सं. स्त्री.) बराबरी, तुल्यता, सादृश्य.

समदर्शी (सं. गु.) (सम्=बराबर, दर्शी=देखनेवाला) दोनों ओर बराबर देखनेवाला, पक्षपात नहीं करनेवाला, पच्छ नहीं करनेवाला, अपक्षपाती.

समधन (हि. स्त्री.) (समधी) बेटेकी या बेटीकी सास.

समधियाना (हि. पु.) समधीका घराना.

समधी (हि. पु.) (सं. सम्बन्धी) बेटे या बेटीका ससुर, सगा, नातेदार.

समय (सं. पु.) (सम्=साथ या सब तरहसे, इण्=जाना) काल, वक्त, वेला, समा, अवसर, फुर्सत.

समर (सं. पु.) (सम्=साथ, ऋ=जाना) लड़ाई, युद्ध, रण.

समर्थ (सं. गु.) (सम्=साथ, अर्थ=धन) बलवान, योग्य.

समर्पना (हि. क्रि. स.) (सं. समर्पण, सम्=साथ, अर्पण=भेंट) देवताओंको भेंट देना, सौंपना, अर्पण करना.

समस्त (सं. गु.) (सम्=साथ, अस्=फेंकना या होना) सब, सारा, सम्पूर्ण, पूरा.

समस्या (सं. स्त्री.) (सम्, अस्=फेंकना, पर "सम" उपसर्गके साथ आनेसे मिलना या संक्षेप होना अर्थ होता है) श्लोक या कवित्त आदि संस्कृत और हिन्दी छन्दोंका एक पद जो उस छन्दको पूरा करनेके लिये दिया जाता है, तर्ज.

समा, समाँ (हि. पु.) (सं. समय) समय, वक्त, बहुतात, दशा, अवस्था, एकताल, एकलय, एक स्वर, शोभा.

समाँ बंधना (हि. मुहा.) राग छाना.

समाई (हि. स्त्री.) समाव, फैलाव, चौडाई, गुंजायश, सन्तोष, धीरज.

समागम (सं. पु.) (सम्=साथ, आगम=आना) आना, अवाई, मिलना, मिलाप, संयोग.

समाचार (सं. पु.) (सम्=साथ, आ=चारों ओरसे, चर्=चलना) संदेसा, खबर, वृत्तान्त.

समाज (सं. पु.) (सम्=साथ, अज्=जाना) सभा, साथ, समूह.

समाजी (हि. पु.) (सं. समाजीय) बजंत्री, तबलची, जो नाचमें तबला बजाता है.

समाधान (सं. पु.) (सम्, आ, धा=रखना) किसी शंका अर्थात् दलीलका ठीक उत्तर, दो आदमी जो किसी बात पर वाद करते हों उनका निबेड़ा करना, दमदिलासा, ढारस, धीरज, शांति, परमेश्वरका ध्यान.

समाधि (सं. स्त्री.) (सम्, आ, धा=रखना) गहरा और मनमें ध्यान, इन्द्रियोंको रोकना और मनको परमेश्वरके ध्यानमें लगाना, वह जगह जहां जोगी संन्यासियोंको गाडते हैं.

समान (सं. गु.) (स=बराबर, मा=नापना) बराबर, तुल्य, एकसा, सदृश, एकही. (सम्=अच्छी तरहसे, अन्=

नीना) (पु.) पांच प्राणोंमें एक प्राण.

समाना (हि. क्रि. अ.) (सं. सम्मान) अटना, अमाना, भरना, पूरना.

समाप्त (सं. गु.) (सम्=साथ, आप्=पाना या फैलना) पूरा, सम्पूर्ण, होचुका, सिद्ध; इति.

समास (सं. पु.) (सम्, अस्=फेंकना, पर " सम " उपसर्गके साथ आनेसे इसका अर्थ मिलना या संक्षेप होना होता है) संक्षेप, व्याकरणमें दो तीन आदि शब्दोंका मेल. (व्याकरणमें समास छः हैं, १ तत्पुरुष, २ कर्मधारय, ३ द्विगु, ४ बहुव्रीही, ५ अव्ययीभाव, ६ द्वंद्व).

समिध (सं. स्त्री.) (सम्, इन्ध्=जलना, या चमकना) होमकी लकड़ी.

समीकरण (सं. पु.) (सम्=बराबर, कृ=करना) बराबर करना, बीजगणितमें एक तरहका गणित जिसमें दो राशि बराबर होती हैं.

समीचीन (सं. गु.) (सम्=अच्छी भांतसे, अञ्च्=जाना) सच, यथार्थ, ठीक, उत्तम, योग्य, बहुत अच्छा.

समीप (सं. गु.) (सम्=साथ, आप्=फैलना) पास, नगीच, निकट.

समीर (सं. पु.) (सम्=अच्छी भांतसे, ईर्=जाना) हवा, पवन.

समुच्चय (सं. पु.) (सम्=साथ, उत्=ऊपर, चि=इकट्ठा करना) इकट्ठा, ढेर, राशि, संग्रह, समूह, वाक्योंका मेल.

समुदाय (सं. पु.) (सम्, उत, इण्=जाना) ढेर, समूह, इकट्ठा, राशि, सब.

समुद्र (सं. पु.) (सम्=सब तरहसे, उन्द्=भिगोना, या सम्=सब तरहसे, उद्=ऊपर अथवा बहुत, दा=देना) सागर, समंदर, जलनिधि. (सागर शब्दको देखो).

समूचा (हि. गु.) (सं. समुच्चय) सारा, पूरा, सबका सब.

समूह (सं. पु.) (सम्, ऊह्=तर्क करना पर " सम् " उपसर्गके साथ आनेसे इसका अर्थ इकट्ठा होना होता है) भीडभाड, झुण्ड, थोक, समुदाय, ढेर.

समृद्ध (सं. गु.) (सम्=सब तरहसे, ऋध्=बढना) भागवान्, संपदावाला, धनवान्, समर्थ.

समैं
समै
समैया } (हि. पु.) (सं. समय) समय, वक्त, अवकाश, फुर्सत.

समेटना (हि. क्रि. स.) इकट्ठा करना, बटोरना, सकोडना.

समेत (सं. क्रि. वि.) (सम्, आ, इण्=जाना) साथ, सहित, संयुक्त.

समोना (हि. क्रि. स.) (सं. शमन, शम्=ठंढा करना) गर्म पानीमें ठंढा पानी डालकर कुछ ठंढा करना.

सम्पत्ति (सं. स्त्री.) (सम्=अच्छी तरहसे, पद्=जाना) धन, दौलत, सुख, सम्पदा, सुभाग, बढती.

सम्पद्
सम्पदा } (सं. स्त्री.) (सम्=अच्छी तरहसे, पद्=जाना) संपत्ति, धन, दौलत, विभव.

सम्पन्न (सं. गु.) (सम्, पद्=जाना) पूरा, परिपूर्ण, सम्पूर्ण, सिद्ध, भागवान्, संपदावाला.

सम्पात (सं. पु.) (सम्, पत्=गिरना) गिरना, रेखागणितमें छूती लकीर जो चक्करके घेरेको छूवे पर बढानेसे उसको काटे नहीं.

सम्पाति (सं. पु.) (सम्, पत्=गिरना) जटायु गीधका भाई, जिसकी कथा रामायणमें है.

सम्पादक (सं. पु.) (सम्=अच्छी तरहसे, पद्=चलना, अर्थात् किसी कामको चलानेवाला या पूरा करनेवाला) पूरा करनेवाला, प्रबन्ध करनेवाला, पानेवाला.

सम्पुट (सं. पु.) (सम्=साथ, पुट्=मिलना) डब्बा, मिलना.

सम्पूर्ण (सं. गु.) (सम्=सब तरहसे, पूर्ण=पूरा) पूरा, परिपूर्ण, सब, सारा, समाप्त.

सम्प्रदान (सं. पु.) (सम्=अच्छी तरहसे, प्र=बहुत, दा=देना) दान, देना, व्याकरणमें चौथा कारक.

सम्प्रदाय (सं. स्त्री.) (सम्, प्र, दा=देना) परम्पराका धर्म.

सम्बन्ध (सं. पु.) (सम्=साथ, बंध्=बाँधना) मेल, लगाव, योग, नाता, रिश्ता, व्याकरणमें छठा कारक.

सम्बन्धी (सं. गु.) संम्बन्ध रखनेवाला, समधी, नातेदार, रिश्तेदार.

सम्बल (सं. पु.) (सम्बू=जाना, या सम्=से, बल=जीना) रास्ता, खर्च, पानी.

सम्बोधन (सं. पु.) (सम्, बोधन=जतलाना, बुध्=जानना) जतलाना, चिताना, साम्हने करना, पुकारना, व्याकरणमें आठवाँ कारक या विभक्ति.

सम्भव (सं. पु.) (सम्, भू=होना) उत्पत्ति, पैदा होना, होसकना, कारण, मिलना. (गु.) होनहार, उचित, योग्य.

सम्भावना (सं. स्त्री.) (सम्, भू=होना) संभव होना, इच्छा, चाह, संदेह, दुबधा.

सम्भाषण (सं. पु.) (सम्=अच्छी तरहसे, भाष्=कहना) बोलचाल, बातचीत.

सम्भ्रम (सं. पु.) (सम्=साथ, भ्रम्=घूमना) घबराहट, वेग, उतावली, घूमना, डर, आदर, सन्मान.

सम्मति (सं. स्त्री.) (सम्=अच्छी भाँतिसे, मन्=जानना) सलाह, विचार, राय, चाह, इच्छा.

सम्यक् (सं. क्रि. वि.) (सम्=अच्छी भाँतसे, अञ्च्=जाना) अच्छी भाँतसे, भले प्रकारसे, ठीक, योग्यतासे, सब तरहसे, सब भाँतसे.

सयाना, सियाना, स्याना (हि. गु.) (सं. सज्ञान) समझदार, चतुर, प्रवीण, निपुण, बुद्धिमान, पक्का.

सर (सं. पु.) (सृ=जाना) सरोवर, तालाब, झील, तीर, बाण, पानी, जल.

सरकंडा (हि. पु.) (सं. शरकाण्ड) नरकट, नरसल.

सरकना (हि. क्रि. अ.) (सं. सृ=जाना) हटना, टलना, चलना, भागना.

सरट (सं. पु.) (सृ=जाना) गिरगिट.

सरन, सरना (हि. पु.) (सं. शरण) आसरेकी जगह, बचावकी जगह, बचाव.

सरना (हि. क्रि. अ.) बनना, चलना, निकलना.

सरपट (हि. स्त्री.) बगछूट दौड़, घोड़ेकी बड़ी दौड़.

सरपट फेंकना (हि. मुहा.) घोड़ेको बगछूट दौड़ाना.

सरबरि, सरबरी (हि. स्त्री.) बराबरी.

सरयु, सरयू (सं. स्त्री.) (सृ=जाना) एक नदी जो अयोध्याके पास बहती है और उसको घाघरा, घर्घरा, देविका और देवाभी कहते हैं.

सरल (सं. गु.) (सृ=जाना) सीधा, सोझा, सच्चा, ईमानदार, धर्मात्मा, भोला, जो छल कपट न जानता हो, निष्कपट, सीधासादा. (पु.) एक पेडका नाम.

सरवर (हि. पु.) (सं. सरोवर) ताल. तलाव, झील, पोखरा, तालाब.

सरस् (सं. पु.) तालाब, सरोवर, पानी, जल.

सरस } (हि. गु.) (सं. श्रेयस्) श्रेष्ठ, सरसा } उत्तम, बहुत अच्छा, अधिक, बहुत.

सरस (सं. गु.) (स=साथ, रस=स्वाद या पानी) रसीला, रसवाला. (पु.) सरोवर.

सरसाई (हि. स्त्री.) अधिकाई, बहुतात, उत्तमता.

सरसिज (सं. पु.) (सरसि=तालावमें, जन्=पैदा होना) कमल, कँवल.

सरसीरुह (सं. पु.) (सरसी=तालाव, रुह=पैदा होना) कमल, पद्म, कँवल.

सरसों (हि. पु.) (सं. सर्षप) राईके ऐसी चीज.

सरस्वती (सं. स्त्री.) (सरस्=पानी, वती=वाली, अथवा, स=साथ, रस=स्वाद या पानी, वती=वाली) एक नदीका नाम, वाणी, बोली, राग और विद्यागुण आदिकी देवी, वागीश्वरी, शारदा, भारती, वाग्देवी.

सराप (हि. पु.) (सं. शाप) श्राप, फिटकार, दुराशिष, बददुआ.

सरापना (हि. क्रि. स.) (सं. शापन) सराप देना, कोसना, बददुआ देना.

सरावक (हि. पु.) (सं. श्रावक) जैनी, जैन धर्मको माननेवाला.

सराह (हि. स्त्री.) बडाई, तारीफ, स्तुति, प्रशंसा.

सराहना (हि. क्रि. स.) बडाई करना, तारीफ करना, स्तुति करना.

सरित् } (सं. स्त्री.) (सृ=जाना, बहना) सरिता } नदी.

सरिस } (हि. गु.) (सं. सदृश) बरा सरीखा } बर, समान, तुल्य.

सरूप (सं. गु.) (स=बराबर, रूप=डौल) बराबर, समान.

सरूप (हि.) स्वरूप शब्दको देखो.

सरेखा (हि. स्त्री.) (सं. आश्लेषा) नव-नक्षत्र.

सरेश (फा. पु.) एक लसलसी चीज जिससे लकडी आदिकी चीजें जोडते हैं.

सरोज (सं. पु.) (सरस्=तालाव, जन्=पैदा होना) कमल, कँवल, पद्म.

सरोजभव (सं. पु.) (सरोज=कमल, भव=जन्मना) ब्रह्मा.

सरोता (हि. पु.) सुपारी काटनेका औजार.

सरोरुह (सं. पु.) (सरस्=तालाव, रुह=पैदा होना) कमल, कँवल, पद्म.

सरोवर (सं. पु.) (सरस्=तालाव, वर=बडा) बडा तालाव, सरवर, झील.

सरोष (सं. गु.) क्रोधित, कोपित, गुस्सेमें.

सर्ग (सं. पु.) (सृज्=पैदा होना या छोडना) सृष्टि, छोडना, निश्चय, अध्याय, स्वभाव.

सर्गुण (हि. गु.) (सं. सगुण) सब गुणोंसमेत, सगुण ब्रह्म.

सर्प (सं. पु.) (सृप्=जाना) साँप, नाग.

सर्पराज (सं. पु.) साँपोंका राजा, शेषजी, वासुकी.

सर्व (सं. गु.) (सर्व या सृ=जाना) सब, सारा, सकल, समस्त. (पु.) शिव, विष्णु.

सर्वग (सं. गु.) (सर्व=सब जगह, गम्=जाना) सब जगह जानेवाला, सबमें

जानेवाला, सबमें फैलनेवाला सर्वव्यापी. (पु.) शिव, परमेश्वर, पानी, हवा, आत्मा, जीव.

सर्वज्ञ (सं. पु.) (सर्व=सब, ज्ञा=जानना) सब जाननेवाला, परमेश्वर, शिव.

सर्वत्र (सं. क्रि. वि.) (सर्व=सब, त्र=जगह अर्थमें प्रत्यय) सब जगह, सब ठौर, सब स्थानमें.

सर्वथा (सं. क्रि. वि.) (सर्व=सब, था=प्रकार अर्थमें प्रत्यय) सब प्रकारसे, सब भाँतसे, सब तरहसे, सब रीतसे, निश्चय करके, निःसन्देह, बिनचूक, सचमुच, अवश्य.

सर्वदा (सं. क्रि. वि.) (सर्व=सब, दा=समय अर्थमें प्रत्यय) सदा, सब समयमें, नित्य, दिनदिन.

सर्वनाम (सं. पु.) वह शब्द जो नामके बदलेमें बोला जाय, जैसे मैं, तू, वह आदि.

सर्बस } सर्बसु } (हि. पु.) (सं. सर्वस्व) सब धन, सब सम्पत्ति, सब चीज, सब कुछ.

सर्वेश } सर्वेश्वर } (सं. पु.) (सर्व=सब, ईश या ईश्वर=मालिक) सबका मालिक, परमेश्वर, विष्णु, शिव.

सर्सुराहट (हि. स्त्री.) खुजलाहट.

सलज्ज (सं. गु.) (स=साथ, लज्जा=लाज) लज्जासहित.

सलाई (हि. स्त्री.) (सं. शलाका) पतले तारका टुकडा जिससे आँखमें सुरमा डालते हैं और सलाई उस लोहेके पतले तारके टुकडेकोभी कहते हैं कि जिसको आगमें खूब लाल करके अपने वैरीकी आँखोंमें डालते हैं जिससे आँख फूटकर अंधा हो जाता है, सुरमई पेंसिल.

सलिल (सं. पु.) (सल्=जाना) पानी, जल.

सलूना } सलोना } (हि. गु.) (सं. सलक्षण) नमकीन, नोनसहित, सुस्वाद, मजेदार, सुन्दर, साँवला, सुहावना.

सलूनो (हि. स्त्री.) (सं. श्रावणी) राखी पूनौं, सावनकी पूनौं.

सवा (हि. गु.) (सं. सपाद, स=साथ, पाद=चौथा हिस्सा) एक और चौथाई, १।.

सवाई (हि. पु.) (सवा) जैपुरके राजाओंकी पदवी. (गु.) सवा, एक और चौथाई.

सवांग } स्वांग } (हि. पु.) (सं. स्वाङ्ग, स्व=अपना, अङ्ग=शरीर, अपने शरीरको और तरहसे बनाना) भँडैती, नकल बनाना, भेस बदलना, खेल, तमाशा.

सवांग लाना } स्वांग लाना } (हि. मुहा.) नकल बनाना, भेस बदलना.

सवाद (हि. पु.) (सं. स्वाद) रस, मजा, लज्जत, खुशी.

सवाया } सवैया } (हि. गु.) (सवा) एक और चौथाई, सवा, सवाका पहाडा.

सशङ्क (सं. गु.) (स=साथ, शङ्का=डर या सन्देह) डरा हुआ, सभय, जिसमें सन्देह हो.

सस्ता (हि. गु.) सोंधा, मन्दा.

सस्ताई (हि. स्त्री.) सोंधाई.

ससा (हि. पु.) (सं. शश) खर्गोश.

ससुर (हि. पु.) (सं. श्वशुर) पतिका या स्त्रीका बाप.

सह (सं. अव्यय.) (सह=सहना) साथ, सहित, संग, समेत, बराबर, एकही, वहीं.

सहगामिनी (सं. स्त्री.) (सह=साथ, गामिनी=जानेवाली, गम्=जाना) सती, अपने पतिके साथ जलनेवाली स्त्री.

सहचरी (सं. स्त्री.) (सह=साथ, चरी=चलनेवाली) साथ रहनेवाली, साथनी, संगिनी, सहेली, स्त्री, पत्नी, अपनी लुगाई.

सहज (सं. गु.) (सह=साथ, जन=पैदा होना) जो साथही पैदा हो, स्वाभाविक, जो स्वभावहीसे पैदा हो, सुगम, आसान, सहल.

सहदेव (सं. पु.) (सह=साथ, दिव=खेलना या चमकना) पाँच पांडवोंमें सबसे छोटा जो पांडुराजाकी दूसरी रानी माद्रीका बेटा था.

सहना (हि. क्रि. स.) (सं. सहन) भोगना, उठाना, पाना, भुगतना, संतोष करना.

सहनाई (हि. स्त्री.) बाँसुरीके ऐसा एक बाजा जिसको सुनाईभी कहते हैं.

सहमना (हि. क्रि. अ.) डरना, घबराना.

सहमरण (सं. पु.) (सह=साथ, मरण=मरना) पतिकी लाशके साथ जलना, सती होना.

सहराना } (हि. क्रि. अ.) सहलाना,
सहिराना } चुलचुलाना, धीरे २ मलना.

सहसा (सं. क्रि. वि.) (सह=साथ, सो=नाश करना, या सह=सहना) झटपट, बिना विचारे, एकाएकी, उतावलीसे.

सहस्र (सं. गु.) } एक हजार, दस
सहस हि. पु.) } सौ, १०००.

सहस्रनयन } (सं. पु.) (सहस्र=हजार,
सहस्रनेत्र } नयन वा नेत्र=आँख) देवताओंका राजा इन्द्र जिसकी हजार आँखें हैं.

सहस्रबाहु (सं. पु.) } (सहस्र=हजार
सहसबाहु (हि. पु.) } बाहु=भुजा) एक राजाका नाम जिसके हजार हाथ थे, जिसको परशुरामजीने मारा.

सहसाखी (हि. पु.) (सं. सहस्राक्ष) इन्द्र, देवताओंका राजा.

सहसानन (हि. पु.) (सं. सहस्रानन) शेषनाग जिसके हजार मुँह हैं.

सहस्राक्ष (सं. पु.) (सहस्र=हजार, अक्ष=आँख) इन्द्र, विष्णु, ईश्वर. (गु.) हजार आँखवाला.

सहाई (हि. स्त्री.) (सं. सहाय) सहायता, मदद. (गु.) मदद करनेवाला.

सहाय (सं. स्त्री.) (सह=साथ, इण्=जाना) मदद, सहारा, सहाई. (पु.) सहायक, मददगार, मदद करनेवाला.

सहायक (सं. पु.) (सह=साथ, इण्=जाना) मदद करनेवाला, मददगार, रक्षक, उपकार करनेवाला.

सहायता (सं. स्त्री.) मदद, सुहाय, सहारा.

सहारा (हि. पु.) (सं. सहायता) मदद, सहायता, आसरा.

सहित (सं.) (सह=साथ, इण्=जाना, अथवा सह=सहना) साथ, संग, समेत, संयुक्त, मेल.

सहिदानी (हि. स्त्री.) निशानी, चिह्न.

सही (हि. क्रि. वि.) सच, बहुत अच्छा, हां, निश्चय.

सहेली (हि. स्त्री.) (स=साथ, आली=सखी) साथ रहनेवाली, सखी, संगनी.

सहोदर (सं. पु.) (सह=एकही, उदर=पेट, जो एकही पेटसे पैदा हो) एकही मासे पैदा हुआ भाई, सगा भाई.

सह्य (सं. गु.) (सह=सहना) सहने योग्य, जो सहा जाय.

सा (हि.) (सं. समान या सदृश) बराबरीको जतलानेवाला अव्यय (जैसे तुमसा), कुछ, कुछेक, थोडा. (जैसे

कालासा=कुछेक काला), कभी २ इसका अर्थ कुछ नहीं दिखाई देता है पर कहीं २ जिस शब्दके साथ लगाया जाता है उसके अर्थमें अधिकता जतलाता है. (जैसे बहुतसा).

साईं (हि. पु.) (सं. स्वामी, मालिक.) नाथ, स्वामी, ईश्वर, परमेश्वर, प्रभु, फकीर.

साई (हि. पु.) हवाके धीरे २ चलनेका शब्द.

साँकर } (हि. स्त्री.) (सं. शृंखला)
साँकरी } सिकली, साँकल, कर्धनी. (सं. सङ्कीर्ण) सँकडी गली, नाका, घाटा, कठिनता, दुख, झंझट. (गु.) सँकडा, सकेत, तंग.

साँकल (हि. स्त्री.) (सं. शृंखला) सिकली, साँकली.

साखू (हि. पु.) पुल, सेत, एक तरहकी लकडी.

साँग } (हि. स्त्री.) (सं. शंकु या
साँगी } शक्ति) बर्छी, सेल.

साँग (हि.) सवाँग शब्दको देखो.

साँच (हि. स्त्री.) (सं. सत्य) सचाई, सचावट, सत्य. (गु.) ठीक, सही, सच.

साँचा (हि. पु.) मिट्टीकी एक चीज जिसमें कोई चीज ढाली जाती है या उसका रूप बनाया जाता है.

साँझ (हि. स्त्री.) (सं. सन्ध्या) शाम, सन्ध्या, सायंकाल.

साँझा } (हि. स्त्री.) (सं. सन्ध्या)
साँझी } गोबरकी मूरतें जिनको लडके लडकियाँ आश्विनके कृष्णपक्षमें भीतोंपर बनाते हैं.

साँड } (हि. पु.) (सं. षण्ड) बैल.
साँढ }

साँडनी (हि. स्त्री.) ऊँटनी. साँडनीसवार=ऊँटपर चढनेवाला.

साँडा (हि. पु.) एक जानवर जो छिपकिलीसा होता है और कहते हैं कि उसके तेलमें बहुत जोर होता है.

साँप (हि. पु.) (सं. सर्प) नाग, भुजंग.

साँभर (हि. पु.) (सं. शाकम्भरी) एक शहर जैपुर और जोधपुरके राजमें है और वहाँ एक झील या सर है जिसमें बहुत अच्छा निमक पैदा होता है और उसके पास एक पहाडपर शाकम्भरी देवीका मंदिर है.

साँवला (हि. गु.) (सं. श्यामल) कुछेक काला, श्यामवर्ण.

साँस (हि. पु.) (सं. श्वास) (स्त्री.) दम, प्राण.

साँस उलटी लेना (हि. मुहा.) हाँपना, दम नाकमें आना (जैसा मरनेके समयमें होता है).

साँस भरना (हि. मुहा) आह भरना, लम्बी साँस लेना, ठंढी साँस लेना, पछताया करना.

साँस रुकना (हि. मुहा.) दम बन्द होना, गला घुटना.

साँस रोकना (हि. मुहा.) गला घोंटना, दम बन्द करना, गला दाबना.

साँसा (हि. पु.) (सं. संशय) संदेह, शंका, डर, चिन्ता.

सांसारिक (सं. गु.) संसारका, संसारी, दुनियावी.

साकबनिक (हि. पु.) (सं. शाकवणिक) साग बेचनेवाला, कुंजडा.

साका (हि. पु.) (सं. शाक) संवत्.

साका करना (हि. मुहा.) नया सम्वत् चलाना, बहादुरीके काम करके नामी होना.

साकेबंध (हि. मुहा.) वह राजा जो नया संवत् जारी करता है.

साकार (सं. गु.) आकारसहित, मूर्त्तिमान, जिसकी मूरत हो.

साक्षात् (सं. क्रि. वि.) (स=साथ या सामने, अक्ष=आँख) साम्हने, आँखोंके आगे, प्रत्यक्ष, प्रगट, प्रसिद्ध. (गु.) आप, खुद, बराबर, समान.

साक्षी (सं. गु.) (स=साथ या सामने, अक्ष=आँख) गवाह, जिसने अपनी आँखोंसे देखा हो, साखी, शाहिद. (स्त्री.) गवाही, साख, शाहिदी.

साख (हि. स्त्री.) (सं. साक्ष्य) गवाही, शाहिदी, जस, कीरती, नाम, भरम. (सं. शाखा) ऋतु, फस्ल, अनाज काटनेका समय.

साखी (हि. स्त्री.) (सं. साक्षी) गवाही, साख. (गु.) गवाह, शाहिद.

साग (हि. पु.) (सं. शाक) हरी तरकारी, भाजी.

सागपात (हि. मुहा.) तरकारी.

सागर (सं. पु.) (सगर एक राजाका नाम) समुद्र, समंदर, हिन्दू सात समुद्र मानते हैं. १ निमकका, २ दूधका, ३ घीका, ४ दहीका, ५ शराबका, ६ ऊखके रसका, ७ शहदका).

सागू (हि. पु.) सागूदाना जो बहुत हल्का होता है इसलिये बीमारको बहुत बार दूधमें या पानीमें पकाकर खिलाते हैं.

सागून (सं. पु.) एक तरहकी लकडी.

सांख्य (सं. गु.) (सम्=अच्छी तरहसे, ख्या=प्रसिद्ध होना) संख्याका. (पु.) कपिलमुनिका बनाया हुआ एक दर्शन शास्त्र.

साज (हि. पु.) (सं. सज्ज. षसज्=जाना) सामान, तैयारी, सरंजाम.

साजन (हि. पु.) (सं. सज्जन) सजन, प्यारा, पति.

साजना (हि. क्रि. स.) (सं. सज्जन) तैयार करना, सजाना, सँवारना, पहनाना.

साझा (हि. पु.) (सं. सहाय्य) हिस्सा, शराकत, शामिलात.

साझी (हि. पु.) (साझा) साथी, हिस्सेदार, शरीक, संगी.

साठ (हि. गु.) (सं. षष्टि) छः गुना दस, ६०.

साठी (हि. पु.) (साठ) एक तरहके चाँवल जो बरसातके दिनोंमें पैदा होते हैं और बोनेके ६० दिन पीछे पक जाते हैं इसलिये साठी कहलाते हैं.

साडी (हि. स्त्री.) (सं. शाटी) लुगाइयोंके ओढनेका कपडा.

साढू (हि. पु.) (सं. श्यालीवोढा, श्याली=अपनी लुगाईकी बहन, वोढा=पति, वह्=लेजाना) सालीका पति.

साढे (हि. गु.) (सं. सार्द्ध, स=साथ, अर्द्ध=आधा) आधाके साथ, जैसे साढे तीन=तीन और आधा.

सात (हि. गु) (सं. सप्त) चार और तीन. सात पाँच करना (हि. मुहा.) दुबधामें होना. सात समुन्दर=एक खेलका नाम.

सात्त्विक (सं. पु.) (सं. सत्त्व, सतगुण) सतोगुणी, साधु, सीधा, सच्चा, सरल.

साथ (हि.) (सं. सार्थ अथवा सह) संग, सहित, समेत. (पु.) संग, संगति, सोहबत.

साथ देना (हि. मुहा.) मिलना, मेल रखना, शामिल होना.

साथवाला (हि. गु.) साथी, संगी.
साथरी (हि. स्त्री.) पत्तोंका बिछौना, चटाई, आसन.
साथिन (हि. स्त्री.) संगिनी, सहेली, सखी.
साथी (हि. गु.) सङ्गी, मेली, मिलापी, मित्र, दोस्त.
साद } (हि. स्त्री.) (सं. श्रद्धा) इच्छा,
साध } चाह, अभिलाषा.
सादर (सं. क्रि. वि.) (स=साथ, आदर=सन्मान) आदरसे, सन्मानसे.
सादृश्य (सं. पु.) बराबरी, समानता, तुल्यता.
साध (हि. पु.) (सं. साधु) सन्त, सत्पुरुष, सज्जन, भला आदमी, वैरागी.
साधक (सं. पु.) (साध्=सिद्ध करना, पूरा करना) साधनेवाला, अभ्यास करनेवाला, मंत्र साधनेवाला, तपस्वी.
साधन (सं. पु.) (साध्=सिद्ध करना, पूरा करना) उपाय, जतन, काम सिद्ध करनेकी तदबीर, अभ्यास, व्याकरणमें करणकारक.
साधना (हि. क्रि. स.) (सं. साधन) सिद्ध करना, पूरा करना, पक्का ठहराना, साबित करना, बनाना, ठीकठाक करना, अभ्यास करना, स्वभाव डालना, बान डालना, सीखना.
साधारण (सं. गु.) (स=साथ, धारण=रखना) सामान्य, सहज, बराबर, समान.
साधु (सं. गु.) (साध्=सिद्ध करना, पूरा करना) सन्त, उत्तम जन, सत्पुरुष, सज्जन, सीधा, सच्चा. (पु.) साध, वैरागी, भला आदमी.
साध्य (सं. गु.) (साध्=पूरा करना) पूरा होने जोग, सिद्ध होनेके योग्य, जो हो सके, सुगम, सहज, आसान, चंगा होनेके योग्य, इसका इलाज होसके. (पु.) जो बात सिद्ध की जाय, जो बात पक्की ठहराई जाय.
सान (हि. स्त्री.) (सं. शाण, शान या शो=तीखा करना) सिल्ली, पथरी, लोहेके हथियारोंपर धार चढानेका पत्थर.
सानन्द (सं. गु.) आनन्दके साथ, हर्षित, खुश.
सानुकूल (सं. गु.) कृपालु, दयालु, सहायक, मिहरबान.
सानना (हि. क्रि. स.) (सं. सन्धान) मिलाना, गूँदना. (सं. शानन, शान्=तीखा करना) चोखा करना, तीखा करना, तेज करना, सान लगाना.
साबर } (हि. पु.) (सं. शम्बर या
सांबर } शाम्बर) एक तरहका बारहसींगा, बारहसींगाका चमडा.
साम (सं. पु.) (सो=नाश करना पापोंका) तीसरा वेद, जिसकी ऋचा गाई जाती है.
सामग्री (सं. स्त्री.) (समग्र=सब) सामान, असबाब, चीजवस्त.
सामर्थ्य (सं. स्त्री.) } (समर्थ) बल,
सामर्थ (हि. स्त्री.) } शक्ति, पराक्रम, योग्यता.
सामर्थी (हि. गु.) (सं. समर्थ) बलवान, पराक्रमी, प्रतापी, योग्य.
सामा (हि. पु.) (सं. सामग्री) (स्त्री.) नाना प्रकारके भोजन, सामान, सामग्री.
सामान (फा. पु.) असबाब, अटाला, सामा, सामग्री.
सामान्य (सं. गु.) (समान) साधारण, चलनसार, चलनी, प्रचलित.
सामान्या (सं. स्त्री.) (सामान्य) साधारण नायिका, धनके लालचसे

पराये आदमीके पास जानेवाली वेश्या, व्यभिचारिणी, सामान्या नायिका तीन तरहकी हैं (१ अन्यसंभोगदुःखिता, २ वक्रोक्तिगर्विता, ३ मानवती).
सामीप्य (सं. पु.) (समीप) समीपता, समीपी, नजदीकी, निकटता, पडोस.
सामुद्रिक (सं. पु.) (स=साथ, मुद्रा=चिह्न) एक विद्या जिससे स्त्री पुरुषके हाथ पैरके चिह्नोंसे उनके भले बुरे भागको बतलाते हैं.
साम्ना } साम्हना (हि. पु.) (सं. सन्मुख) सन्मुख, आगा, अगवाडा.
साम्हना करना (हि. मुहा.) लडाई करना, लडना, चढाई करना, मुकाबला करना.
सायङ्काल (सं. पु.) (सायम्=साँझ, सो=नाश करना, काल=समय) साँझ, संध्याके समय, दिनका अन्त.
सायुज्य (सं. पु.) (स=साथ, युज्=मिलना) एक प्रकारकी मुक्ति, परमेश्वरमें मिल जाना, एक हो जाना, एकत्व, अभेद.
सार (सं. पु.) (सृ=जाना) गूदा, हीर, सत, सघ, रस, जल, मूल, बल, जोर, मलवात, असल मतलब, खुलासा, कीमत, मोल, खाद, खात, लोहा, धन, लाभ, फायदा, फल. (गु.) बहुत अच्छा, उत्तम, श्रेष्ठ.
सार (हि. स्त्री.)(सं. शार अथवा शारि, शृ=मारना) चौपडकी गोटी.
सारङ्ग (सं. पु.)(सृ=जाना) एक रागका नाम, मोर, साँप, बादल, मोरकी बोली, हरिन, पानी, एक देशका नाम, चातक, पपीहा, हाथी, राजहंस, सिंह, कोकिला, एक पेडका नाम, कामदेव, कई प्रकारके रंग, भौंरा, धनुष.
सारङ्गी (सं. स्त्री.) एक बाजेका नाम, किंगिरी.
सारण (सं. पु.) (सृ=जाना) रावणके एक मंत्रीका नाम, अतिसाररोग.
सारथि (सं. पु.) (सृ=जाना) रथवान्, रथके घोडे हाँकनेवाला.
सारदा (सं. स्त्री.) (सार=तत्व, दा=देनेवाली) सरस्वती. (गु.) सार देनेवाली.
सारना (हि. क्रि. स.) (सं. साधन) बनाना, करना, पूरा करना, सिद्ध करना.
सारस (सं. पु.) (सरस्=तालाव) एक तरहका पखेरू, चांद, कँवल, कमरमें पहननेका गहना. (गु.) सरोवरकी चीज.
सारस्वत (सं. पु.) (सरस्वती) एक देशका नाम, उस देशका मनुष्य, पंचगौड ब्राह्मणोंमें एक जात. (गु.) सरस्वती देवीका, सरस्वती नदीका.
सारा (हि. गु.) (सं. सर्व) पूरा, सम्पूर्ण, सब, समस्त. (सं. श्याल) (पु.) अपनी लुगाईका भाई.
सारिका (सं. स्त्री.) मैना पखेरू.
सारी (हि. स्त्री.) (सं. शाटी) साडी, स्त्रियोंके पहनने अथवा ओढनेका कपडा. (सं. सार) दूधका सार, मलाई.
सार्थक (सं. गु.) अर्थसहित, सफल, सिद्ध.
सार्वभौम (सं. पु.) (सर्वभूमि) सब संसारका राजा, चक्रवर्तीराजा, उत्तरदिशाका हाथी.
साल (सं. पु.) (सल्=जाना) एक पेड और उसकी लकडीका नाम.
साल (हि. पु.) (सं. शल्य) काँटा, शूल, छेद. (सं. शाला) (स्त्री.) जगह, घर. पाठशाला=स्कूल. (सं. शृगाल) (पु.) सियार, गीदड.

सालन } (हि. पु.) मांस, मांसकी तरकारी, साग, तरकारी.
सालना }

सालना (हि. क्रि. स.) (सं. शल्य, शल्य=जाना) छेदना, वेधना, धसाना, पैठाना, वर्मासे छेद करना, वर्माना, पार करना, चुभाना. (क्रि. अ.) दुखना पिराना, खटकना, दुख पाना.

सालसा (हि. पु.) एक तरहकी औषध जिसका अर्क पीनेसे शरीरका लोहू साफ होता है और इसको अरबीमें " उशवा " और अंगरेजीमें " सार्सापरिल्ला " (Sarsa Parila) कहते हैं.

साला (हि. पु.) (सं. श्याल) स्त्रीका भाई. (सं. शाला) जगह, घर.

साली (हि. स्त्री.) स्त्रीकी बहिन.

सालू (हि. पु.) एक तरहका लाल कपडा.

सालोतरी (हि. पु.) घोडोंका वैद्य.

सावक (हि. पु.) (सं. शावक) बच्चा, बालक.

सावकरन (हि. पु.) (सं. श्यामकर्ण) काला कानका घोडा.

सावकाश (सं. पु.) (स=साथ, अवकाश=अवसर) अवसर, अवकाश, समय, फुर्सत, छुट्टी, सुभीता.

सावधान (सं. गु.) (स=साथ, अवधान=चौकसी) चौकस, सचेत खबरदार, सुचेत, अग्रसोची, होशियार.

सावधानी (सं. स्त्री.) चौकसी, चौकसाई, सुचेती, सुरता, खबरदारी, होशियारी, चेतौनी, अग्रसोच.

सावन (हि. पु.) (सं. श्रावण) चौथा हिन्दी महीना.

सावन हरे न भादौं सूखे (मुहा.) सदा सरीखे, सदा एकसे.

सावन्त (हि. गु.) (सं. सामन्त) वीर, बहादुर, योद्धा, पराक्रमी.

सास } (हि. स्त्री.) (सं. श्वश्रू) पति या पत्नीकी मा.
सासू }

साह (हि. पु.) (सं. साधु) महाजन, बडा सौदागर, कोठीवाल, दूकानदार, भला आदमी.

साहस (सं. पु.) (सहसा) बल, जोर, वेग, ढारस, हिम्मत, वीरता, पराक्रम.

साहसी (सं. गु.) (साहस) तेज, प्रबल, हिम्मतवाला, निडर, पराक्रमी, वीर.

साहित्य (सं. पु.) (सहित=मेल) मेल, मिलान, साथ, एक विद्या जिससे बोलीके बोलने और लिखनेकी सुन्दरता जानी जाती है, और इस विद्याके अंग अर्थात् हिस्से अलंकार रस, छन्द आदि हैं और कवियोंके बनाये हुये काव्योंकोभी साहित्य कहते हैं जैसे भट्टी रघुवंश कुमारसंभव, माघ आदि.

साही (हि. स्त्री.) (सं. सल्लकी) कंटकी, एक जानवर जिसकी पीठपर कांटे कांटे होते हैं.

साहूकार (हि. पु.) (सं. साधुकार) महाजन, बैपारी, हुण्डीवाल, कोठीवाल, बडा दूकानदार, ईमानदार, सच्चा और भला आदमी.

साहूकारी (हि. स्त्री.) बैपारी, लेनदेन, सौदागरी, वाणिज, व्यवहार, हुण्डीका व्यवहार.

सिंगा (हि. पु.) (सं. शृंग) तुरही, रणसिंगा.

सिंगार (हि. गु.) (सं. शृङ्गार) शोभा, गहने कपडोंकी सजावट, नौ रसोंमेंका एक रस.

सिंगारना (हि. क्रि. स.) सजाना, सँवारना, शोभित करना.

सिंघाडा (हि. पु.) (सं. शृङ्गाट) एक तरहका फल जो पानीमें पैदा होता है, पानीफल.
सिंह (सं. पु.) (हिंस्=मारना) शेर, केशरी, मृगराज, मृगेन्द्र, पशुओंका राजा, पाँचवीं राशि, हिन्दुओंमें एक पदवी.
सिंहनाद (सं. पु. स्त्री.) शेरकी गर्जना, लडाईका शब्द, सिंहके ऐसा शब्द, भयानक शब्द.
सिंहनी (सं. स्त्री.) शेरनी, मादाशेर.
सिंहपौर (हि. स्त्री.) बडा दरवाजा या फाटक जहाँ बहुत बार सिंहकी मूरत रक्खी रहती है.
सिंहलद्वीप (सं. पु.) लङ्का, सीलोन.
सिंहासन (सं. पु.) राजाका आसन, तख्त, पाट.
सिकना (हि. क्रि. अ.) सैंका जाना, भूना जाना.
सिकरी (हि. स्त्री.) (सं. शृंखला) साँकल, संकल, सिकली.
सिख (हि. पु.) (सं. शिष्य) चेला, नानकके मतको माननेवाला.
सिखर (हि. पु.) (सं. शिखर) पहाडकी चोटी, मन्दिरोंके ऊपरका गुम्बज.
सिखरन (हि. पु.) (सं. शिखरिणी) दहीमें चीनी और किशमिश मिली हुई खानेकी चीज.
सिखाई (हि. स्त्री.) पढाई, शिक्षा.
सिखाना, सिखलाना (हि. क्रि. स.) (सं. शिक्षण शिक्ष्=सिखलाना) पढाना, बतलाना, शिक्षा देना, उपदेश देना, डाँटना, धमकाना, दंड देना, ताडना करना.
सिगरा, सिगरो, सगरा (हि. गु.) (सं. समग्र) सब, सारा, संपूर्ण, हरएक.
सिझाना (हि. क्रि. स.) (सिद्ध) पकाना, रींधना, उबालना.
सिठाई (हि. स्त्री.) फिकाई, मंदताई.
सिड (हि. स्त्री.) बौडाहट, बावलापन, पागलपन, उन्मत्तता.
सिडा, सिडी (हि. गु.) बावला, बौडहा, पागल, उन्मत्त, मस्त.
सित (सं. गु.) (सो=नाश करना) धौला, सफेद, श्वेत, शुक्लवर्ण.
सिद्ध (सं. पु.) (सिध्=सिद्ध करना) एक प्रकारके देवता, योगी, व्यास आदि मुनि, ऐसा मनुष्य जिसके वशमें अष्ट सिद्धि हों और जिसको भूत, वर्तमान, भविष्यकी बात मालूम हो, ज्ञानी, तपस्वी, सन्त, ज्योतिषमें एक योगका नाम. (गु.) पूरा, समाप्त, पक्का, बना, तैयार, प्रसिद्ध, विख्यात, जाहिर, सफल, साबित किया हुआ, पक्का ठहराया हुआ, सच्चा ठहराया हुआ, निश्चय किया हुआ, निर्णय किया हुआ.
सिद्धान्त (सं. पु.) सच ठहराई हुई बात, सिद्ध की हुई बात, तर्क अर्थात् दलीलसे जो बात सच ठहराई जाय, फल, परिणाम, सूर्यसिद्धान्त आदि ज्योतिषके शास्त्र.
सिद्धि (सं. स्त्री.) (सिध्=सिद्ध करना, पूरा करना) मनके मनोरथका पूरा होना, मनवांछित फलका मिलना, मनचाही बातका पूरा होना, अणिमा आदि आठ सिद्धि.
सिधारना (हि. क्रि. अ.) जाना, विदा होना, रवाने होना, चला जाना.

सिनकना (हि. क्रि. स.) नाक झाडना, नाक साफ करना.

सिन्दूर (सं. पु.) (स्यन्द्=चूना या टपकना) एक तरह लाल चूरण, जिससे स्त्रियाँ मांग भरती हैं.

सिन्धु (सं. पु.) (स्यन्द्=चूना या टपकना) समुद्र, समंदर, सागर, एक नदी, जिसको इंडस और अटकभी कहते हैं, सिंधका देश, हाथीका मद, एक रागिणीका नाम.

सिन्धुर (सं. पु.) हाथी, हस्ती.

सिन्धुरगामिनी (सं. स्त्री.) वह स्त्री जिसकी हाथीसी चाल हो, गजगमनी.

सिप्रा (सं. स्त्री.) (सप्=मिलाना) एक नदी जो उज्जैनके पास है.

सिमटना (हि. क्रि. अ.) सिकुडना, इकट्ठा होना, बटुरना.

सिय } (हि. स्त्री.) (सं. सीता) सीता,
सिया } जानकी, श्रीरामचन्द्रकी पत्नी और राजा जनककी बेटी.

सियपी (हि. पु.) (सं. सीताप्रिय) श्रीरामचन्द्र, रघुनाथ.

सियार } (हि. पु.) (सं. शृगाल)
सियाल } गीदड.

सिर (हि. पु.) (सं. शिर) माथा, मस्तक.

सिर उठाना (हि. मुहा.) अपने मालिकसे फिर जाना, बगावत करना.

सिर करना (हि. मुहा.) शुरू करना.

सिर काढना (हि. मुहा.) नामी होना, प्रसिद्ध होना, मशहूर होना.

सिरके जोर (हि. मुहा.) अपने सब बलसे.

सिरके भल (हि. मुहा.) औंधा सिर, मुँहभरा.

सिर खुजाना (हि. मुहा.) मार खाया चाहना, सजा चाहना, पिटना चाहना.

सिरचढा (हि. मुहा.) घमण्डी, अभिमानी.

सिर चढाना (हि. मुहा.) बढाई करना, बडा जानना, माथेपर रखना, पवित्र समझना, इतराना, घमण्डी होना, आदर मान करना.

सिर झुकाना (हि. मुहा.) नमस्कार करना, प्रणाम करना.

सिर डुलाना } (हि. मुहा.) दुखसे सिर
सिर धुनना } हिलाना, घबराना, दुखी होना.

सिर तोडना (हि. मुहा.) बसमें करना, अधीन करना, दबाना.

सिर धरना (हि. मुहा.) बसमें होना, अधीन होना, ताबे होना, आज्ञाकारी होना.

सिर नवाना (हि. मुहा.) गरीब होना, अधीन होना, बसमें होना, नमस्कार करना, प्रणाम करना, सिर झुकाना.

सिर पपोलना भेजा खाना (हि. मुहा.) जाहिरमें मित्राई दिखलाना और मनमें बडा वैर रखना.

सिरपर धूल डालना (हि. मुहा.) रोना, बिलाप करना.

सिरपर चढाना (हि. मुहा.) लडकेको बिगाडना, इतराना, छोटे आदमीको बडा करना, आदरमान करना.

सिर पीटना (हि. मुहा.) रोना, बिलाप करना, दुख करना.

सिर फिराना (हि. मुहा.) बेकायदह मिहनत करना, वृथा परिश्रम करना.

सिर फेरना (हि. मुहा.) हुकुम नहीं मानना, आज्ञा नहीं मानना.

सिर मारना (हि. मुहा.) बहुत मिहनत उठाना, मिहनतसे खोजना.

सिर मुँडाना (हि. मुहा.) सबसे मेल छोडकर फकीर बन जाना।
सिरकी (हि. स्त्री.) एक तरहका सरकंडा जिसकी चटाई बनती है और झोपडोंकी छावनी होती है, एक तरहकी चटाईसी चीज जिसको मेहकी बचावके लिये गाडीपर डालते हैं.
सिरजना (हि. क्रि. स.) (सं. सर्जन) पैदा करना, रचना, बनाना.
सिरसींग (हि. पु.) दगा करनेवाला, उपद्रवी, बागी, फसादी, बलवाई.
सिरहाना (हि. पु.) सिरकी ओर, सिरकी तरफ, तकिया.
सिरा (हि. पु.) सिर, नोक, अन्त.
सिराना (हि. क्रि. अ.) ठंढा होना, बीतना, चला जाना, बहना. (क्रि. स.) भेजना, पठाना.
सिरिस (हि. पु.) एक पेडका नाम अथवा उसका फूल.
सिल } सिला } (हि. स्त्री.) (सं. शिला) पत्थर, चट्टान, साफ और बराबर पत्थर जिसपर सिलबट्टेसे मसाले पीसे जाते हैं.
सिलपट (हि. पु.) चौपट, उजाड, चौरस बट्टाधार.
सिलबट्टा (हि. पु.) (सं. शिलापट्ट) सिललोढा.
सिली } सिल्ली } (हि. स्त्री.) (सं. शिला) लोहेके हथियारोंपर धार चढानेका पत्थर, पथरी, सान.
सिवाना (हि. पु.) (सं. सीमा) हद, सींव, सीमा, अन्त, छोर.
सिवार (हि. पु.) (सं. शैवाल, शी= सोना) हरी हरी काईसी चीज जो तलावोंके पेंदोंमें उगती है.
सिसकना (हि. क्रि. अ.) सिसकी भरना, ठुनकना, बिछुरना.
सिहरना (हि. क्रि. अ.) कांपना, थरथराना.
सिहरा (हि. पु.) मौर, मुकुट, माला, जो व्याहमें दुलहा और दुलहनके सिरपर पहराई जाती है.
सिहराना (हि. क्रि. अ.) थरथराना, सनसनाना, बालोंका खडा होना. (क्रि. स.) सहलाना, चुलचुलाना, धीरे २ मलना, थकाना, उचाटना.
सिहाना (हि. क्रि. अ.) देखके सन्तुष्ट होना, किसी अच्छी चीजको देखकर उसके मिलनेके लिये मन ललचाना, डाह करना.
सींक (हि. स्त्री.) एक तरहका घास जिसकी झाड बनती है.
सींग (हि. पु.) (सं. शृङ्ग) एक कडी चीज जो चौपायोंके सिरमें उगती है, शृङ्ग.
सींगडा (हि. पु.) (सं. शृङ्ग) बारूद रखनेका बरतन, बारूतदान.
सींगा (हि. पु.) नरसिंगा.
सींचना (हि. क्रि. स.) (सं. सेचन) पानी देना, पनियाना, पाटना.
सींव (हि. स्त्री.) (सं. सीमा) हद, सिवाना.
सीकर (सं. पु.) (सीक्=सींचना) जलकण, पानीके कण.
सीख } सीखावन } (हि. स्त्री.) (सं. शिक्षा) उपदेश, समझकी बात, नसीहत.
सीखना (हि. क्रि. स.) (सं. शिक्षण) पढना, विद्याका अभ्यास करना, पाना.
सीजना (हि. क्रि. अ.) (सं. स्विद्= पसीना होना) पसीजना, पसीना निकलना, उबलना गलना.
सीटी (हि. स्त्री.) मुँहसे सी सी ऐसा आवाज निकालना.

सीठा (हि. गु.) फीका, बेरस, असार.
सीढी (हि. स्त्री.) (सं. श्रेणि) निसेनी, जीना.
सीतला (हि. स्त्री.) (सं. शीतला, शीत=ठंढा, ला=लेना) माता, चहचक, गोटी.
सीता (सं. स्त्री.) (सि=बाँधना) जानकी, वैदेही, मिथिलाके राजा जनककी बेटी और श्रीरामचन्द्रकी पत्नी, हलके बीच एक लोहेका फल लगा रहता है उसेभी सीता कहते हैं (और जब राजा जनक यज्ञके लिये हल जोतकर धरतीको साफ कर रहे थे तब धरतीमेंसे एक घडा निकल उसीमेंसे एक लडकी निकली, इसी कारणसे इसका नाम सीता रक्खा.)
सीतापति (सं. पु.) श्रीरामचन्द्रजी.
सीताफल (हि. पु.) शरीफा, एक फलका नाम.
सीधा (हि. गु.) (सं. साधु) सोझा, सरल, साम्हने, सन्मुख, सादा, भोला, निष्कपट, शुद्ध, सच्चा, साधु, खरा, साफदिल, धर्मी, ईमानदार, नेक, दाहिना. (सं. सिद्ध) (पु.) कोरा अन्न.
सीना (हि. क्रि. स.) (सं. सीवन) टाँकना, टाँका लगाना, टाँका मारना, गाँठना.
सीप } सीपी } (हि. स्त्री.) समंदरमें एक जानवरकी हड्डी जिसमेंसे मोती निकलता है.
सीमा (सं. स्त्री.) (सि=बाँधना) सिवाना, हद्द, सींव, मर्यादा, अवधि.
सीय (हि. स्त्री.) (सं. सीता) जानकी, वैदेही.
सीरा (हि. पु.) मोहनभोग, हलवा.
सीरा } सीला } (हि. गु.) (सं. शीतल) ठंढा, शीतल, गीला.
सीस (हि.) शीस शब्दको देखो.
सीसा (हि. पु.) (सं. सीस या सीसक) एक धातुका नाम.
सीसों (हि. पु.) (सं. शिशम) शिशमका पेड या उसकी लकडी.
सु (सं. गु. उपस.) अच्छा, भला, सुन्दर, उत्तम, बहुत. (क्रि. वि.) अच्छी तरतरहसे, सुखसे, सुन्दरतासे, सुगमतासे, सहजमें, बेमिहनत, कभी कभी पूजा और आदर और संपदा आदि अर्थोंमेंभी बोला जाता है.
सुकचाना } सुकुचाना } (हि. क्रि. अ.) (सं. सङ्कोच) लजाना, शर्माना, डरना. (क्रि. स.) किसीको लजाना, चपाना.
सुकडना (हि. क्रि. अ.) सिमटना, इकट्ठा होना.
सुकण्ठ (सं. पु.) (सु=अच्छा, कण्ठ=गला) बानरोंका राजा सुग्रीव.
सुकाल (सं. पु.) (सु=अच्छा, काल=समय) अच्छा समय, अच्छी ऋतु, सौंधाई, सस्ताई, बहुतात.
सुकुमार (सं. गु.) (सु=सुन्दर, कुमार=बालक) कोमल, मनोहर, सुन्दर, नाजुक.
सुकृत (सं. पु.) (सु=भला, कृ=करना) धर्म, पुण्य, अच्छा काम, अच्छी करनी. (गु.) पुण्यात्मा, धर्मात्मा, सुशील, भाग्यवान.
सुकेतु (सं. पु.) (सु=अच्छा, केतु=झंडा) एक राक्षस या यक्षका नाम जो ताडकाका बाप था.
सुकेतुसुता (सं. स्त्री.) ताडका.
सुख (सं. पु.) (सुख=सुखी होना, अथवा सु=अच्छी तरहसे, खन खोदना) चैन, आनन्द, आराम, कल, शान्ति, हर्ष.

सुखचैन (हि. मुहा.) आराम.
सुख पाना (हि. मुहा.) आराम करना, चैन करना.
सुखद (सं. गु.) (सुख=चैन, द=देनेवाला) सुखदाई, सुख देनेवाला, सुखदायक.
सुखदाई (हि. गु.) } (सुख=चैन, दा=
सुखदायक (सं. गु.) } देना) सुख देनेवाला.
सुखधाम (सं. पु.) (सुख=चैन, धाम=घर) सुखके घर, सुखदाई.
सुखपाल (सं. पु.) (सुख=चैन ,पाल=पालना) पालकी, डोली.
सुखमा (सं. स्त्री.) (सुख=चैन, मा=नापना) परमशोभा, बहुतही सुन्दरता.
सुखारी (हि. गु.) सुखी.
सुखी (सं. गु.) सुख पानेवाला, सुख भोगनेवाला, सुखिया, सुखारी.
सुगति (सं. स्त्री.) (सु=अच्छी, गति=चाल) अच्छी गति, मुक्ति, छुटकारा.
सुगन्ध (सं. स्त्री.) (सु=अच्छी, गन्ध=वास) अच्छी वास, महक, खुशबू.
सुगन्धित (सं. गु.) जिसमें अच्छी वास हो, सुगंधवाला, खुशबूदार.
सुगम (सं. गु.) (सु=अच्छी तरहसे, गम्=जाना) सहज, आसान.
सुग्रीव (सं. पु.) (सु=सुन्दर, ग्रीवा=गरदन) वानरोंका राजा और सूरजका बेटा जो किष्किन्धापुरीका राजा और श्रीरामचन्द्रका मित्र और सहायक था, विष्णुके रथका घोडा.
सुघड (हि. गु.) (सुघट, सु=अच्छा, घट=बना हुआ) सुन्दर, सुडौल, सुथरा, मनोहर, बहुत अच्छा.
सुचकना (हि. क्रि. अ.) (सं. सुचाकित) अचंभा करना.
सुचित (सं. गु.) (सु=अच्छा, चित=मन) सुगम, आसान, निश्चिन्त, बेफिकर, निचिंत, चौकस, सावधान.
सुचेत (सं. गु.) (सु=अच्छी, चित=मन) चौकस, सावधान, होशियार.
सुजन (सं. गु.) (सु=अच्छा, जन=मनुष्य) साधु, सज्जन, भलमानस, भला आदमी.
सुजान (हि. गु.) (सं. सज्ञानी) चतुर, ज्ञानी, प्रवीण, बहुत अच्छा जाननेवाला.
सुझाना (हि. क्रि. स.) दिखाना, बताना, समझाना.
सुठि (हि. गु.) (सं. सुष्ठु, सु=अच्छी तरहसे, स्था=ठहरना) सुन्दर, उत्तम, बहुत, अत्यन्त.
सुडौल } (हि. गु.) (सु=अच्छा, डौल
सुढब } या ढब=रूप) सुघड, सुथरा, सुन्दर, मनोहर.
सुत (सं. पु.) (सु=पैदा होना, जनमना) बेटा, पुत्र, लडका.
सुता (सं. स्त्री.) बेटी, पुत्री, लडकी, कन्या.
सुतार (हि. पु.) (सं. सूत) बढई, खाती. (सं. सुतारा, सु=अच्छा, तारा=नक्षत्र) अच्छा समय, अवकाश, घात, दाँव.
सुथरा (हि. गु.) अच्छा, सुन्दर, सुडौल, सुहावना.
सुथरासाही (हि. पु.)नानकसाही फ़कीर.
सुदर्शन (सं. पु.) (सु=अच्छा, दर्शन=देखना) विष्णुका चक्र. (गु.) जो देखनेमें अच्छा हो, सुन्दर, सुहाना.
सुदामा (सं. पु.) (सु=अच्छा, दा=देना) एक मालीका नाम जिसने मथुरामें जाते समय श्रीकृष्णको माला

पहनाई थी, श्रीकृष्णके साथी एक ग्वालका नाम, श्रीकृष्णके एक गरीब मित्रका नाम जिसको फिर श्रीकृष्णने बहुतही धनवान् बना दिया, बादल, एक पहाडका नाम, समंदर.

सुदि (सं. अव्य.) (सु=अच्छी तरहसे, दिव्=चमकना) उजाला पख, शुक्लपक्ष.

सुदिन (सं. पु.) अच्छा दिन, अच्छी समय.

सुध } सुधि } (हि. स्त्री.) (सं. सुधी) चेत, याद, स्मरण, खबरदारी.

सुधबुध (हि. स्त्री.) (सं. शुद्धबुद्धि) समझ, बूझ, चेत शुद्धज्ञान.

सुध लेना (हि. मुहा.) खबर लेना.

सुधरना (हि. क्रि. अ.) (सं. सुधरण, सु=अच्छी तरहसे, धृ=रखना) सही होना, अच्छा होना, बनना, सफल होना, सँभलना.

सुधा (सं. पु.) (सु=अच्छी भाँतसे, धे=पीना या धा=रखना) अमृत, अमी, पीयूष, रस, जल.

सुधांशु (सं. पु.) (सुधा=अमृत, अंशु=किरण) चाँद, चन्द्रमा, कपूर.

सुधाकर (सं. पु.) (सुधा=अमृत, कर=किरण) चाँद, चन्द्रमा, कपूर.

सुधारना (हि. क्रि. स.) सँवारना, बनाना, अच्छा करना, सही करना, सजाना, ठीकठाक करना.

सुधी (सं. पु.) (सु=अच्छी, धी=बुद्धि) पंडित, बुद्धिमान्, विद्वान्, सुबुद्धि, विज्ञ.

सुन (हि. पु.) (सं. शून्य) बेहोश, मूर्च्छित, शीतांगी, खाली, छूछा, रीता.

सुनसान (हि. मुहा.) उजाड, चुपचाप, एकान्त, निराला.

सुनना (हि. क्रि. स.) (सं. श्रवण) कान देना, श्रवण करना.

सुनहरा } सुनहरी } (हि. पु.) (सोना) सोनहला, सोनाका या सोनासा.

सुनार (हि. पु.) (सं. स्वर्णकार, स्वर्ण=सोना, कार=करनेवाला, कृ=करना) सोने चाँदीकी चीज बनानेवाला.

सुनारिन } सुनारनी } (हि. स्त्री.) सुनारकी लुगाई.

सुनारी (हि. स्त्री.) सुनारका काम.

सुनावनी (हि. स्त्री.) (सुनाना) मरनेके समाचार, जो कोई आदमी परदेशमें मरजाय उसके मरनेकी खबर.

सुनासीर (सं. पु.) (सु=अच्छा, नासीर=सेनाका मुँह, अर्थात् जिसकी सेना अच्छी सजी हुई हो) इन्द्र, देवताओंका राजा.

सुन्दर (सं. पु.) (सु=अच्छी तरहसे, द=आदर करना) मनोहर, सुरूप, बहुत अच्छा, सुडौल, खूबसूरत.

सुन्दरता (सं. स्त्री.) मनोहरता, शोभा, छवि.

सुन्दरी (सं. स्त्री.) रूपवती, खूबसूरत स्त्री.

सुन्ना (हि. स्त्री.) (सं. शून्य) सिफर, बिन्दी.

सुपथ (सं. पु.) (सु=अच्छा, पथ=रास्ता) अच्छा रास्ता, सुमार्ग, अच्छी राह, अच्छा चलन.

सुपर्ण (सं. पु.) (सु=अच्छा, पर्ण=पत्ता या पंख) गरुड. (गु.) अच्छे पत्तेवाला.

सुपात्र (सं. पु.) योग्य, भलमानस, उत्तम जन. (पु.) अच्छा बरतन.

सुपारी (हि. स्त्री.) एक कडा फल जिसको पानके साथ खाते हैं, पूंगीफल.

सुपास (हिं. पु.) आराम, सुख, सुभीता.
सुपुत्र (सं. पु.) (सु=अच्छा, पुत्र=बेटा) सपूत, अच्छा लड़का.
सुफल (सं. गु.) सिद्ध, फलदायक, सफल, लाभकारी. (पु.) अच्छा फलवाला पेड़.
सुबुद्धि (सं. गु.) बुद्धिमान, अच्छी समझवाला, चतुर, प्रवीण.
सुभग (सं. गु.) (सु=अच्छा, भग=ऐश्वर्य) सुन्दर, मनोहर, प्यारा, सौभाग्यवान, ऐश्वर्यवान, प्रतापी, भागवाला.
सुभगा (सं. स्त्री.) सौभाग्यवती स्त्री, सुन्दर स्त्री, वह स्त्री जिसको उसका पति खूब चाहे.
सुभट (सं. पु.) (सु=अच्छा, भट=लड़ाका) वीर, बहादुर.
सुभद्रा (सं. स्त्री.) (सु=अच्छा, भद्र=कल्याणरूप) श्रीकृष्णकी बहन.
सुभाव (सं. पु.) अच्छा सुभाव, सुशीलता.
सुभीता (हिं. पु.) (सं. शुभहित, शुभ=अच्छा हित=जैसा चाहिये) अवकाश, अवसर, फुर्सत.
सुभुज (सं. पु.) सुबाहु नाम दैत्य.
सुमति (सं. स्त्री.) (सु=अच्छी, मति=बुद्धि) अच्छी बुद्धि, सुमत, भलमनसाई.
सुमन (हिं. पु.) (सं. सुमनस्, सु=अच्छा, मनस्=मन, अर्थात् जिससे मन प्रसन्न हो जाय) फूल, पुष्प. (गु.) सुंदर.
सुमन्त (हिं. पु.) (सं. सुमन्त्र, सु=अच्छी, मंत्र=सलाह देना) राजा दशरथका सारथि और मंत्री.
सुमरण, सुमिरण, सुमरन (हिं. पु.) (सं. स्मरण) याद, नाम लेना, स्मरण. (सं. स्मरणी) (स्त्री.) माला, जपमाला.
सुमरना, सुमिरना (हिं. क्रि. स.) (सं. स्मरण) याद करना, नाम लेना, स्मरण करना. (सं. स्मरणी) (स्त्री.) माला, जपमाला.
सुमित्रा (सं. स्त्री.) (सु=अच्छी तरहसे, मिद्=प्यार करना) राजा दशरथकी पत्नी और लक्ष्मणकी मा.
सुमुखी (सं. स्त्री.) (सु=सुन्दर, मुख=मुँह) सुन्दर मुँहवाली, सुन्दरी.
सुमेरु (सं. पु.) मेरु पहाड़ जिसको हिन्दू लोग सोनेका और रत्नोंका बना हुआ कहते हैं और जहाँ देवता रहते हैं, ज्योतिषमें उत्तर ध्रुव, जपमालाके सिरे परका दाना या मनका.
सुम्बा (हिं. पु.) बन्दूकका गज, ठसनी.
सुयश (सं. पु.) अच्छा यश, अच्छा नाम, नामवरी.
सुयोग (सं. पु.) अच्छी संगत, सुसंगति.
सुर (सं. पु.) (सु=अच्छा, रा=देना अर्थात् मनचाही चीजको देनेवाला, अथवा सुर्=ऐश्वर्य रखना वा चमकना, अथवा सु=बहुत बल रखना) देवता, देव, सूरज.
सुर (हिं. पु.) (सं. स्वर) ताल, तान, आवाज, राग.
सुर मिलाना (हिं. मुहा.) एक सुर करना, अच्छे सुरसे गाना.
सुरगुरु (सं. पु.) देवताओंके गुरु, बृहस्पति.
सुरङ्ग (सं. पु.) हिंगलू. (स्त्री.) जमीनके नीचे रास्ता. (गु.) लाल या तेलिया रंगका (जैसे सुरङ्गघोड़ा), सुन्दर, जिसका रंग अच्छा हो, चमकीला.
सुरत (सं. पु.) (सु=अच्छी तरहसे, रम्=खेलना) स्त्रीसंग, मैथुन.
सुरत, सुरता (हिं. स्त्री.) (सं. स्मृति) सुध, चेत, खबर, याद ध्यान.

सुरतरु (सं. पु.) देवताओंका वृक्ष, कल्पवृक्ष.
सुरता } (हि. गु.) (सं. स्मर्त्ता)
सुरतीला } सुचेत, सावधान.
सुरती (हि. स्त्री.) तमाकू, तम्बाकू.
सुरधेनु (सं. स्त्री.) कामधेनु, इन्द्रकी गाय.
सुरनदी (सं. स्त्री.) गंगा.
सुरपति (सं. पु.) देवताओंका राजा, इन्द्र.
सुरपुर (सं. पु.) } स्वर्ग, इन्द्रलोक, अम-
सुरपुरी (सं. स्त्री.) } रावती.
सुरभि (सं. पु.) (सु=अच्छी तरहसे, रभ्=बहुत चाहना या शब्द करना) सुगन्ध, वसन्तऋतु, जायफल चैतका महीना, सोना. (सुरभी) (स्त्री.) कामधेनु, गाय, धरती, जमीन. (गु.) सुगन्धित, विख्यात, सुंदर, मनोहर.
सुरलोक (सं. पु.) स्वर्ग, इन्द्रलोक, सुरपुरी.
सुरस (सं गु.) (सु=अच्छा, रस=स्वाद) मीठा, सुस्वाद.
सुरसरि } (हि. स्त्री.) (सं. सुरसरित्,
सुरसरिता } सुर=देवता, सरित्=नदी) गंगा.
सुरसा (सं. स्त्री.) नागोंकी माता.
सुरा (सं. स्त्री.) (सुर=चमकना या बहुत बल रखना) मदिरा, मद, दारू, शराब,
सुराङ्गना (सं. स्त्री.) (सुर=देवता, अङ्गना=स्त्री) देवताओंकी स्त्री, देवपत्नी, अप्सरा.
सुराचार्य (सं. पु.) देवताओंके गुरु, बृहस्पति.
सुरारि (सं. पु.) देवताओंके वैरी, असुर, राक्षस, दैत्य.
सुरूप (सं. गु.) सुन्दर, सुडौल, मनोहर.
सुरेन्द्र (सं पु.) देवताओंका राजा, सुरपति, इन्द्र.
सुरेश } (सं. पु.) (सुर+ईश या ईश्वर)
सुरेश्वर } इन्द्र, महादेव, शिव.
सुरेश्वरी (सं. स्त्री.) देवी, दुर्गा, महामाया, योगमाया.
सुरैत } (हि. स्त्री.) (सुरत) वह स्त्री
सुरैतिन } जिसके साथ व्याह नहीं हुआ हो और ऐसेही घरमें डाल ली जाय, रखनी, उपपत्नी.
सुलगना } (हि. क्रि. अ.) (सं. संलग्न)
सिलगना } जल उठना, लहरना, बलना, धुआँ निकलना.
सुलझना (हि. क्रि. अ.) खुलना, सुधरना.
सुलभ (सं. गु.) (सु=अच्छी तरहसे, लभ्=पाना) सहज, सुगम, आसान, सहल, जो सहजसे मिल जाय.
सुलोचना (सं. स्त्री.) (सु=अच्छी, लोचन=आँख) जिस स्त्रीकी आँखें अच्छी हों, सुन्दरी, मनोहर स्त्री, रावणके बेटे मेघनादकी स्त्रीका नाम.
सुवन (हि. पु.) (सं. सूनु) बेटा, पुत्र, लड़का.
सुवर्ण (सं. पु.) सोना, हरिचंदन, सोना-गेरूमिट्टी. (गु.) सुजात, अच्छी जातका, सुंदर, चमकीला, सुरंग, अच्छे रंगका.
सुवास (सं. पु.) अच्छा घर, अच्छा मकान. (स्त्री.) सुगन्ध, खुशबू.
सुवासिनी (सं. स्त्री.) (सु=सुखसे, वस्=रहना) सुहागिन, अपने बापके घर बहुत रहनेवाली स्त्री.
सुबाहु (सं. पु.) एक राक्षसका नाम.
सुबेल (सं. पु.) (सु=अच्छा, वेल=किनारा, जो समंदरके पास है) त्रिकूट पहाड़.
सुशील (सं. गु.) सुस्वभाव, अच्छी चालचलनवाला, सीधा, साधु.

सुसकारना (स. क्रि. अ.) फनफनाना, सिसकारी मारना.

सुसङ्ग (हि. पु.) अच्छी संगत, सुसंगति,

सुसताना (हि. क्रि. अ.) (सं. स्वास्थ्य) विश्राम लेना, ठहराना, साँस लेना, आराम करना.

सुसर } सुसरा } (हि. पु.) (सं. श्वशुर) पति या पत्नीका बाप.

सुसरार } सुसराल } (हि. स्त्री.) (सं. श्वशुरालय श्वशुर=ससुर, आलय=घर) ससुरका घर या घराना.

सुस्थ (सं. गु.) (सु=अच्छी तरहसे, स्था=ठहरना) भला, चंगा, निरोगी, सुखी, प्रसन्न, हर्षित.

सुस्थिर (सं. गु.) अटल, अचल, निश्चल, दृढ, ठहराऊ.

सुस्वाद (सं. गु.) जिसमें अच्छा स्वाद हो, सुरस, मधुर, मीठा.

सुहाग (हि. पु.) (सं. सौभाग्य) अच्छा भाग, पतिका प्यार, पतिके जीते रहनेकी दशा, स्त्रीका गहना अर्थात् काजल टीकी आदि जो पतिके जीनेका चिह्न है. (यह शब्द " रँडापा " का उलटा है.)

सुहागन } सुहागिन } (हि. स्त्री.) (सं. सौभागिनी) वह लुगाई जिसका पति जीता हो, सधवा स्त्री, सपतिका.

सुहाना } सुहावना } (हि. गु.) (सं. शोभन) सुंदर, मनभावन, मनोहर. (क्रि. अ.) अच्छा लगना, मन भाना, फबना.

सुहृद् (सं. गु.) (सु=अच्छा, हृद्=मन) मित्र, दोस्त, हितु, सखा.

सूअर (हि. पु.) (सं. सूकर) एक जंगली जानवरका नाम, वराह, शूकर.

सुआ } सूवा } सूगा } (हि. पु.) (सं. शुक) तोता, सुग्गा.

सूआ } सूवा } (हि. पु.) बडी सूई.

सूई (हि. स्त्री.) (सं. सूची, सूच्=जतलाना, या सिव्=सीना) कपडे सीनेकी चीज.

सूँघना (हि. क्रि. स.) (सं. सुघ्राण सु+घ्रा=सूँघना) बास लेना, महक लेना, सुगंध लेना.

सूँट (हि. स्त्री.) चुप, मौन.

सूँट भरना या मारना (हि. मुहा.) चुपचाप रहना.

सूँठ मारे जाना (हि. मुहा.) चुपचाप चला जाना.

सूँड (हि. स्त्री.) (सं. शुण्डा, शुण्=जाना) हाथीकी नाक.

सूँतना } सूँथना } (हि. क्रि. स.) तोडना (जैसे पेडसे पत्ते), खेंचना, (जैसे तलवार).

सूकी (हि. स्त्री.) चौअन्नी.

सूक्ष्म (सं. गु.) (सूच्=जतलाना) थोडा, छोटा, पतला, महीन, बारीक, पतील.

सूक्ष्मता (सं. स्त्री.) छोटापन, पतलाई, बारीकी, पतलापन.

सूक्ष्मदर्शी (सं. गु.) चतुर, प्रवीण, बुद्धिमान, तेज, जिसकी नजर तेज हो.

सूखना } सूकना } (हि. क्रि. अ.) (सं. शोषण) शुष्क होना, कडा होना, खुश्क होना, मरना, जलना (जैसे पेड आदि), उडना, हवा होना (जैसे अरक आदि); पचकना, टूटना (जैसे स्त्रीका अथवा गाय आदिका दूध), दुबला होना, बिगडना, गलना, खराब होना, कुम्हलाना, मुरझाना, बेरस होना.

सूखा (हि. गु.) (सं. शुष्क) बेरस, शुष्क, गला, सडा.

सूचक (सं. पु.) (सूच्=जतलाना) जतलानेवाला, बतलानेवाला, सिखानेवाला, बोधक.

सूचना (हि. स्त्री.) जतलाना, चिताना, इत्तिला.

सूचीपत्र (हि. पु.) (सूची=जतलाना, पत्र=कागज) फेहरिश्त, बीजक.

सूजना (हि. क्रि. अ.) (सं. शोथ या श्वयथु) फूलना, मोटा होना, बढना, किसी रोगसे देहका कोई अंग मोटा हो जाना.

सूजी (हि. पु.) (सं. सूचिक) दरजी, सीनेवाला. (सं. सूची) (स्त्री.) सूई.

सूजी (हि. स्त्री.) मोटा आटा, दरदरा आटा.

सूझना (हि. क्रि. अ.) दीखना, नजर आना, दिखाई देना, मालूम होना, प्रगट होना.

सूत (हि. पु.) (सं. सूत्र) डोरा, तागा, धागा, रूईका डोरा.

सूत (सं. पु.) (सू=चलाना, बहुत बल रखना, या पैदा होना) रथवान, सारथि, बढई, भाट, वर्णसंकर, दोगला, जिसका बाप राजपूत और मा ब्राह्मणी हो, पुराणोंका जाननेवाला, एक पंडित जिसका नाम लोमहर्षण था, जिसने नैमिषारण्यमें बहुतसे ऋषियोंको पुराण और महाभारतकी कथा सुनाई थी और इसको बलदेवजीने मार डाला था.

सूतक (सं. पु.) (सू=पैदा होना) लडकेके पैदा होनेसे, या गर्भके गिरनेसे या मौत हो जानेसे जो अपवित्रता होती है उसे सूतक कहते हैं.

सूतना (हि. क्रि. अ.) (सं. सुप्त.) सोना.

सूतली (हि. स्त्री.) (सं. सूत्र) सनकी डोरी, रस्सी.

सूती (सं. गु.) (सं. सूत्रीय) सूतसे बना हुआ.

सूत्र (सं. पु.) (सूत्र=गूँथना, या सिव्=सीना) सूत, डोरा, धागा, तागा, रीत, कायदा, ऐसा वाक्य जिसमें संक्षेपसे बहुतसे अर्थका ज्ञान हो, जैसे व्याकरण आदिके सूत्र.

सूथन (हि. स्त्री.) पायजामा, पाजामा, जाँघिया, सुथनी.

सूदन (सं. पु.) (सूद=मारना) मारना. (गु.) मारनेवाला.

सूधा (हि. गु.) (सं. शुद्ध) सीधा, भोला, निष्कपट, शुद्ध.

सूना (हि. गु.) (सं. शून्य) खाली, छूछा, रीता, उजाड.

सूनु (सं. पु.) (सू=पैदा होना) बेटा, पुत्र, लडका.

सूप (हि. पु.) (सं. सूर्प) छाज, अनाज पछाटनेकी चीज.

सूम (हि. पु.) कंजूस, मक्खीचूस, कृपण.

सूर (सं. पु.) (सू=चलाना) सूरज, सूरदास.

सूर (हि. पु.) (सं. शूर) वीर, बहादुर.

सूरज (हि. पु.) (सं. सूर्य) रवि, भानु, दिवाकर, आफताब.

सूरजगहन } (हि. पु.) (सं. सूर्यग्रहण)
सूरजग्रहण } सूरजका गहन.

सूरजमुखी (हि. पु.) (सं. सूर्यमुखी) एक फूलका नाम.

सूरदास (सं. पु.) एक हिन्दी कवि और गवैयेका नाम जो अंधा था, इसलिये अब हिन्दुओंमें अंधेको सूरदास कहते हैं.

सूरवीर (हि. पु.) (सं. शूरवीर) वीर, बहादुर सावन्त, योद्धा.
सूरमलार (हि. पु.) एक रागिणीका नाम.
सूरमा (हि. पु.) (सं. शूर) बहादुर, वीर, सावन्त, सूरवीर.
सूरमापन (हि. पु.) बहादुरी, वीरता.
सूरा (हि. पु.) (सं. शूर) बहादुर, योद्धा, सूरवीर.
सूर्य (सं. पु.) (सृ=चलना) सूरज.
सूर्योदय (सं. पु.) सूरजका निकलना, दिन चढना, सवेरा, तडका, भोर, विहान, प्रभात.
सूल (हि. पु.) (सं. शूल, शूल=बीमार होना) बावगोला, बावसूल, एक तरहकी बीमारी जिसके होनेसे पँसलियोंमें और पेटमें बहुत दर्द होता है, त्रिशूल, सेल, भालेकी नोक, काँटा.
सूल (हि. पु.) दशा, हाल, हालत.
सूली (हि. स्त्री.) एक तरहका काँटा जिसपर अपराधी लटकाया जाता है.
सूसी (हि. स्त्री.) एक तरहका कपडा.
सूहा (हि. पु.) (सं. शोण, शोण्=लाल होना) लाल, राता, किरमची. (पु.) एक रागका नाम.
सृष्टि (सं. स्त्री.) (सृज्=पैदा होना) उत्पत्ति, संसार, जगत्, दुनिया, स्वभाव, प्रकृति.
सेंकना (हि. क्रि. स.) गर्म करना, तत्ता करना, उष्ण करना, भूनना, भूजना, झुलसना.
सेंत } सेंतमेत } (हि. क्रि. वि.) मुफ्त, विना मोल.
सेंध (हि. पु.) (सं. सन्धि) छेद जिसको चोर चोरी करनेके समय दीवारमें करते हैं.
सेंधा (हि. पु.) (सं. सैन्धव) लाहोरी नमक.
सेंधिया (हि. पु.) (सिन्ध) ग्वालियरके महाराजाकी जात जो शायद सिन्धनदीके पासके देशसे फैले हों, जहर, विष. (सेंध) सेंध लगानेवाला, चोर, घर फोडनेवाला, सेंधमार, सेंधचोर.
सेचन (सं. पु.) (सिच्=सींचना) सींचना, छिडकाव.
सेज (हि. स्त्री.) (सं. शय्या) पलंग, बिछौना.
सेठ (हि. पु.) (सं. श्रेष्ठ) साहूकार, महाजन, हुण्डीवाल, धनवान्.
सेत (हि. पु.) (सं. श्वेत) धौला, सफेद, उजला.
सेतु (सं. पु.) (सि=बाँधना) (स्त्री.) पुल, बंध.
सेतुबन्ध (सं. पु.) वह जगह जहाँ श्रीरामचन्द्रने लंका जानेके लिये नल और नील वानरसे पुल बँधवाया था.
सेतुबन्धरामेश्वर (सं. पु.) महादेव जिनको श्रीरामचन्द्रने लंका जानेके समय सेतुबंधपर स्थापन किया था.
सेना (सं. स्त्री.) कटक, दल, फौज, लश्कर, सिपाह.
सेनापति (सं. पु.) फौजका सिरदार.
सेमल (हि. पु.) (सं. शाल्मली) एक पेडका नाम.
सेर (हि. पु.) सोलह छटाकका तोल.
सेल } सेला } (हि. पु.) (सं. शूल) बर्छी, बर्छा, बल्लम, भाला.
सेला (हि. पु.) एक तरहकी चद्दर, एक तरहका कपडा, एक तरहका बाघ.
सेली (हि. स्त्री.) बद्धी या जाली जिसको फकीर गलेमें पहने रहते हैं.

सेव (हि. स्त्री.) एक तरहका फल.
सेवक (सं. पु.) (सेव्=सेवा करना) सेवा करनेवाला, पूजा करनेवाला, पुजारी, नौकर, दास, चाकर.
सेवकाई (हि. स्त्री.) नौकरी, चाकरी, टहल, सेवा.
सेवडा (हि. पु.) एक तरहके हिन्दू फकीर, जैनमतका भिखारी.
सेवती (हि. स्त्री.) (सं. सेमन्ती, सिम्=नाश होना या तोडा जाना) एक फूलका नाम.
सेवना (हि. क्रि. स.) (सं. सेवन) सेवा करना, पालना, अंडा सेना, पोसना.
सेवा (सं. स्त्री.) (सेव्=सेवा करना) नौकरी, चाकरी, टहल, सेवकाई, पूजा सत्कार.
सेवित (सं. गु.) सेवा किया हुआ, पूजा किया हुआ.
सेवैं (हि. स्त्री. बहुव.) (सं. समिता, सम=साथ, इण्=जाना) मैदाकी बनी हुई खानेकी चीज.
सेव्य (सं. गु.) (सेव्=सेवा करना) सेवा करने योग्य, पूजा करने योग्य, सेने योग्य.
सैकडा (हि. गु.) (सं. शतक) सौ, शतकडा, १००.
सैंतालीस (हि. गु.) (सं. सप्तचत्वारिंशत्) चालीस और सात, ४७.
सैंतीस (हि. गु.) (सं. सप्तत्रिंशत्) तीस और सात, ३७.
सैन } सेन } (हि. स्त्री.) (सं. संज्ञा) संकेत, इशारा, चिह्न, आँखका या अंगुलीका इशारा. (सं. सैन्य) फौज, कटक, सेना. (सं. शयन) (पु.) सोना, नींद लेना.
सैनासैनी (हि. मुहा.) आपसमें आँखसे या अँगुलीसे इशारा करना.
सैन्धव (सं. गु.) (सिंध) सिंधनदीके पासके देशोंमें पैदा होनेवाला. (पु.) सधानिमक, लाहोरी निमक, घोडा.
सैन्य (सं. स्त्री.) सेना, फौज, कटक, दल.
सोअर (हि. पु.) (सं. सूतिकागृह, सू=पैदा होना, गृह=घर) कोठरी जिसमें वह स्त्री जिसके बच्चा पैदा हुआ है रहे.
सोआ (हि. स्त्री.) एक तरहका साग.
सोई (हि. सर्वना.) वही, आप.
सों (हि.) से, साथ.
सोंटा (हि. पु.) लाठी, लट्ठ.
सोंठ (हि. स्त्री.) (सं. शुण्ठि, शुण्ठ्=सूखना) सूखा अदरक.
सोंधा (हि. पु.) (सं. सुगन्ध) सुगंधित मसाला जिससे बाल धोये जाते हैं, सुगन्ध, बास, ऐसी बू जैसी कि मिट्टीके कोरे बरतनोंको भिगोनेसे या चने आदिके सेंकनेसे निकलती है.
सोंपना } सौंपना } (हि. क्रि. स.) (सं. समर्पण) दे देना, हवाले करना, सुपुर्द करना.
सोंह (हि. स्त्री.) (सं. शपथ) सोगंद, शपथ, किरिया.
सोंहीं (हि. क्रि. वि.) (सं. सन्मुख) साम्हने, आगे, सन्मुख.
सोखना (हि. क्रि. स.) (सं. शोषण) चूसना पीलेना, खींच लेना.
सोग (हि. पु.) (सं. शोक) चिन्ता, फिकर, सोच, उदासी, दुःख.
सोच (हि. पु.) (सोचना) ध्यान, खयाल, बिचार, चिन्ता, फिकर.
सोचना (हि. क्रि.) (सं. शोचन) खयाल करना, समझना, विचार करना, ध्यान करना.

सोझा (हि. गु.) सीधा, खडा.

सोत } (हि. गु.) (सं. स्रोत) धारा,
सोता } चश्मा, झर्ना.

सोध (हि. स्त्री.) (शोधना) शुद्ध करना, शोधन, खोज, पता, भेद, खबर.

सोधना (हि. क्रि. स.) (सं. शोधन) सही करना, गलती निकालना, शुद्ध करना, जाँचना, ऋण चुकाना, कर्ज चुकाना, धातुको साफ करना.

सोन (हि. पु.) (सं. शोण, शोण्=जाना) (स्त्री.) एक नदीका नाम.

सोनहरा } (हि. गु.) (सोना) सुनहरा,
सोनहला } सुनहरी, सोनेका या सोनेसा.

सोना (हि. पु.) (सं. स्वर्ण) बहुत मोलकी धातु, कनक, कंचन.

सोना } (हि. क्रि. अ.) (सं. शयन)
सोवना } नींद लेना, पौढना, सूतना.

सोपान (सं. स्त्री.) (स=साथ, उप=पास, अन्=जीना, पर " उप " उपसर्गके साथ आनेसे इसका अर्थ चढना हो जाता है) सीढी, निसेनी.

सोभना (हि. क्रि. अ.) (सं. शोभन) सोहना, अच्छा दिखाई देना.

सोम (सं. पु.) (सू=पैदा होना या फेंकना किरणको) चाँद, चन्द्रमा, अमृत, देवताओंका खजानची कुबेर, हवा, यमराज, कपूर, सोमलता नाम जडी और उसका रस. (स=साथ, उमा=पार्वती) शिव, महादेव.

सोमवार (सं. पु.) (सोम=चाँद, वार=दिन) चाँदका दिन, चन्द्रवार.

सोरठ (हि. स्त्री.) एक रागिणीका नाम.

सोरठा (हि. पु.) हिन्दी बोलीमें एक छन्द जिसके पहले पदमें ११ और दूसरेमें १३ फिर तीसरेमें ११ और चौथेमें १३ मात्रा होती हैं और यह छन्द दोहेका उलटा है.

सोरह } (हि. गु.) (सं. षोडश) दस
सोलह } और छः, १६.

सोहना (हि. क्रि. अ.) (सं. शोभन, शुभ्=चमकना) सोभना, अच्छा दिखाई देना, फबना, भला दीखना.

सौ (हि. गु.) (सं. शत) दस दहाई, १००.

सौ सिरका होना (हि. मुहा.) बहुत बलवान् या मगरा होना, बहुत सहना.

सौंघाई (हि. स्त्री.) (सं. स्वर्घता) सस्ती, सस्ताई.

सौंफ (हि. स्त्री.) एक ठंढी दवाई.

सौजन्य (सं. पु.) (सुजन) सुजनता, भलमनसहत, साधुपन.

सौत } (हि. स्त्री.) (सं. सपत्नी, स=
सौतन } एकही पति=भर्तार है जिसका)
सवति } एकही पतिकी दूसरी स्त्री, सौती.

सौतेला (हि. गु.) (सौत) सौतसे जन्मा हुआ.

सौदामनी } (सं. स्त्री.) (सुदामन्=
सौदामिनी } बादल अर्थात् बादलोंमें रहनेवाली) बिजली, दामिनी.

सौध (सं. पु.) (सुधा=पोतनेकी एक लाल चीज, उससे रंगा हुआ) महल, राजमंदिर.

सौन्दर्य (सं. पु.) सुन्दरता खूबसूरती, चमकदमक, रंगरूप.

सौभरि (सं. पु.) एक ऋषिका नाम जिसने मान्धाता राजाकी पचास लडकियोंसे व्याह किया था जिसकी कथा विष्णुपुराणमें है. ये ऋषि जमना नदीके तीरपर बैठे तप कर रहे थे. वहाँ गरुडने जाय मछली मार खाई, तब ऋषिने

गरुडको शाप दिया कि जो फिर इस जगह आवेगा तो जीता न बचेगा.

सौभाग्य (सं. पु.) (सुभग) भागवानी, अच्छा भाग, ज्योतिषमें चौथा योग.

सौमित्र (सं. पु.) (सुमित्रा) सुमित्राका बेटा, लक्ष्मण, श्रीरामचन्द्रका छोटा भाई.

सौर (सं. गु.) (सूर=सूरज) सूरजसम्बन्धी, सूरजका (महीना दिन आदि). (पु.) शनीचर.

सौरज (हि. पु.) (सं. शौर्य) सूरमापन, सूरवीरता, बहादुरी.

सौरभ (सं. पु.) (सुरभि) सुगन्ध, खुशबू, महक, केशर, आमका पेड.

स्कन्ध (सं. पु.) (स्कन्द्=ऊपर जाना) कंधा, काँधा, पेडकी धड, पुस्तकका एक भाग जिसमें कई अध्याय हों, बाणासुरका बेटा.

स्तन (सं. पु.) (स्तन्=शब्द करना) चूँची, छाती, पयोधर.

स्तब्ध (सं. गु.) (स्तम्भ्=रोकना) रुका हुआ, ठहरा हुआ, मूरख.

स्तम्भ (सं. पु.) (स्तम्भ्=ठहरना, रोकना) खंभा, थंभा, थंभ, थूनी, रुकाव, अटकाव.

स्तव (सं. पु.) (स्तु=सराहना) स्तुति, बडाई, प्रशंसा, तारीफ, सराह.

स्तुति (सं. स्त्री.) (स्तु=सराहना) सराह, बडाई, तारीफ, प्रशंसा, भजन.

स्तोत्र (सं. पु.) (स्तु=सराहना) सराह, बडाई, स्तुति.

स्त्री (सं. स्त्री.) (स्त्यै=इकट्ठा होना) नारी, लुगाई, औरत.

स्थल (सं. पु.) (स्थल्=ठहरना) सूखी धरती, खुश्की जगह.

स्थान (सं. पु.) (स्था=ठहरना) जगह, घर, ठौर, ठाँव, ठिकाना.

स्थापन (सं. पु.) (स्था=ठहरना) बैठाना, रखना, धरना, ठहराना, जमाना.

स्थापित (सं. गु.) (स्था=ठहरना) बैठाया हुआ, ठहराया हुआ, जमाया हुआ, स्थापन किया हुआ.

स्थावर (सं. गु.) (स्था=ठहरना) अचल, अटल, ठहरा हुआ, जो चले नहीं.

स्थिति (सं. स्त्री.) (स्था=ठहरना) ठहराव, टिकाव, बास, रहना.

स्थिर (सं. गु.) (स्था=ठहरना) ठहरा हुआ, अचल, अटल, दृढ, शांत, ठंढा.

स्थूल (सं. गु.) (स्थूल्=मोटा होना) मोटा, फूला हुआ, बडा.

स्नान (सं. गु.) (स्ना=नहाना) नहाना.

स्नेह (सं. पु.) (स्निह्=प्यार करना या चिकना होना) प्यार, छोह, मोह, प्रेम, नेह, मिताई, तेल आदि चिकनी चीज, चिकनाई.

स्पर्द्धा (सं. स्त्री.) (स्पर्ध्=डाह करना) डाह, जलन, हिरसा, द्वेष, विरोध, वैर, ईर्षा.

स्पर्श (सं. पु.) (स्पृश्=छूना) छूना, छुआवट, परसना, एक तरहकी बीमारी जो छूनेसे लगती है.

स्पष्ट (सं. गु.) (स्पश्=देखना या प्रगट होना) साफ, खुलाखुला, शुद्ध, सही, प्रकाशित, प्रगट.

स्पृहा (सं. स्त्री.) (स्पृह्=चाहना) चाह, इच्छा, वांछा, अभिलाष.

स्फटिक (सं. पु.) (स्फट्=फटना या खुलना) बिलौरका पत्थर.

स्फूर्त्ति (सं. स्त्री.) (स्फुर्=हिलना) हिलव, धडधडाहट, स्फुरन.

स्मर (सं. पु.) (स्मृ=याद रखना) कामदेव, याद, स्मरण.

स्मरण (सं. पु.) (स्मृ=याद करना) याद, सुध, चेत, स्मृति.

स्मरहर (सं. पु.) (स्मर=कामदेव, हर=नाश करनेवाला, हृ=नाश करना) शिव, महादेव.

स्मृति (सं. स्त्री.) (स्मृ=याद करना) याद, सुमिरन, स्मरण, धर्मशास्त्र, जैसे मनुस्मृति आदि.

स्यन्दन (सं. पु.) (स्यन्द्=जाना) रथ.

स्यानपन (हि. स्त्री.) बुद्धिमानी, चतुराई, निपुणता, प्रवीणता.

स्याना (हि.) सियाना शब्दको देखो.

स्यार } (हि. पु.) (सं. शृगाल)
स्याल } गीदड, सियार.

स्रवना (हि. क्रि. अ.) (सं. स्रवण, स्रु=बहना) चूना, बहना, गिरना.

स्रोत (सं. पु.) (स्रु=बहना) सोता, बहाव, धारा, नाला.

स्व (सं. सर्वना.) अपना, आप, आपका, निज, निजका. (पु.) धन, जाति.

स्वकीया (सं. स्त्री.) (स्व=अपना) अपनी व्याही हुई स्त्री.

स्वच्छ (सं. गु.) (सु=बहुत, अच्छ=साफ) निर्मल, शुद्ध, उज्वल, साफ.

स्वच्छता (सं. स्त्री.) निर्मलता, सफाई, उज्वलता.

स्वच्छन्द (सं. गु.) (स्व=अपनी, छन्द=इच्छा या मतलब) अपनी चाहके अनुसार चलनेवाला, आपमौजी, स्वाधीन.

स्वतन्त्र (सं. गु.) (स्व=अपने, तन्त्र=बस) स्वाधीन, आपबस.

स्वतन्त्रता (सं. स्त्री.) स्वाधीनता.

स्वतः (सं. क्रि. वि.) आपसे, आपसे आप, आपही, स्वभावसे.

स्वधर्म (सं. पु.) अपना धर्म, अपना काम (जैसे ब्राह्मणोंका धर्म वेदशास्त्र पढना, पढाना, क्षत्रीका धर्म, देशका प्रबंध करना, वैश्यका धर्म खेती बनिज करना और शूद्रका धर्म नौकरी चाकरी करना).

स्वधा (सं. अव्य.) (स्वद्=स्वाद लेना, या स्व=आप, धा=रखना, या धे=पीना) पितरोंको जब पिंड देते हैं तब यह शब्द बोलके पिंड देते हैं. (स्त्री.) दुर्गा, देवी, माया.

स्वप्न (सं. पु.) (स्वप्=सोना) सपना, नींदमें जो देखा जाय.

स्वभाव (सं. पु.) प्रकृति, बान, सुभाव.

स्वयम् (सं. अव्य.) (स्व या सु=अच्छी तरहसे, अय=जाना) आप, निज, अपना, आपसे.

स्वयंवर (सं. पु.) (स्वयम्=आपसे, वृ=पसंद करना) स्त्रीका आपसे पतिको पसंद करना.

स्वयम्भु } (सं. पु.) (स्वयम्=आपसे,
स्वयम्भू } भू=पैदा होना) ब्रह्मा, आपसे पैदा होनेवाला.

स्वयंसिद्ध (सं. गु.) (स्वयम्=आपसे, सिद्ध=बना हुआ) आपही सच, जो आपहीसे पक्का ठहराया जाय.

स्वर (सं. पु.) (स्वृ=शब्द करना) शब्द, आवाज, वे अक्षर जो आपसे बोले जाँय और जिनके मिलनेसे व्यंजनभी बोले जायँ, गानविद्यामें तानसुर आदि.

स्वर (सं. पु.) (स्वृ=शब्द करना) स्वर्ग, आकाश.

स्वरूप (सं. पु.) अपना रूप, छवि, शोभा, सुन्दरता.

स्वर्ग (सं. पु.) (स्वर, गै=गाना या कहलाना, अर्थात् जो स्वर कहलाता है या सु=अच्छी तरहसे, ऋज्=जाना, अर्थात् जहाँ अच्छी तरहसे जाते हैं या रहते हैं) इन्द्रलोक, देवताओंके रहनेकी जगह, आकाश.

स्वर्गीय } (सं. गु.) स्वर्गका.
स्वर्ग्य }

स्वर्ण (सं. पु.) (सु=अच्छा, अर्ण या वर्ण=रंग, जिसका रंग अच्छा है, या सु=अच्छी तरहसे, ऋण् या ऋ=जाना) सोना, कंचन, कनक, हेम, बहुत मोलकी धातु.

स्वल्प (सं. गु.) (सु=बहुत, अल्प=थोडा) बहुत थोडा, बहुत छोटा.

स्वस्ति (सं. अव्य.) (सु=अच्छा, भला, अस्=होना) कल्याण, मंगल, अच्छा हो, भला हो, ऐसाही हो, तथास्तु.

स्वस्तिवाचन (सं. पु.) (स्वस्ति=कल्याण, वाचन=कहना) किसी अच्छे कामके शुरूमें किसी तरहका बिगाड न होनेके लिये और देवताओंकी आशिष पानेके लिये ब्राह्मणोंसे वेदमंत्र पढवाना, शांति, मंगलाचार.

स्वांग (हि.) सर्वांगशब्दको देखो.

स्वागत (सं. पु.) (सु=अच्छी तरहसे, आगत=आया हुआ) आदर, सन्मान, सत्कार, कुशल, क्षेम.

स्वाति (सं. स्त्री.) (सु=अच्छी तरहसे, अत्=जाना) पन्द्रहवाँ नक्षत्र, सूरजकी एक स्त्री.

स्वाद (सं. पु.) रस, सवाद, चाट, मजा, लज्जत, मिठास, खुशी, प्यार, प्रीत.

स्वादु (सं. गु.) मीठा, रसीला, सुरस, मजेदार, चाहा हुआ.

स्वाधीन (सं. पु.) अपने वस, स्वतन्त्र.

स्वाभाविक (सं. गु.) जो स्वभावसे हो.

स्वामित्व (सं. पु.) (स्वामी) स्वामीपन, मालिकियत, अधिकार, प्रभुता.

स्वामी (सं. पु.) (स्व=धन या आप) मालिक, धनी, प्रभु, भर्त्ता, पति, राजा, गुरु, परमहंस.

स्वार्थ (सं. पु.) (स्व=अपना, अर्थ=मत, लब, अभिप्राय) अपना मतलब, अपना काम, अपने लाभकी चाह.

स्वार्थी (सं. गु.) (स्वार्थ) आपमतलबी, आपकाजी, आत्मपालक.

स्वाहा (सं. अव्य.) (सु=अच्छी तरहसे, आ=सब ओरसे, ह्व=बुलाना) होम या यज्ञ करते समय जब देवताओंको बलि देते हैं तब यह शब्द बोलते हैं. (स्त्री.) आगकी स्त्री, देवी, दुर्गा, माया.

स्वीकार (सं. पु.) (स्व=आप या अपना, कृ=करना) अंगीकार, मानना, हामी, हाँ, मंजूर, कबूल.

स्वेच्छा (सं. स्त्री.) अपनी चाह, स्वाधीनता.

स्वेद (सं. पु.) (स्विद्=पसीना होना) पसीना, पसेव, प्रस्वेद, ताप, गर्मी.

स्वेदज (सं. पु.) (स्वेद=पसीना या गर्मी, जन्=पैदा होना) जूँ आदि छोटे जानवर जो पसीनेसे या भाफ अथवा गर्मीसे पैदा हो जाते हैं.

ह.

ह (सं. पु.) (हा=छोडना या जाना) शिव, पानी, आकाश, स्वर्ग, मंगल, लोहू. (वि. बो.) हायहो, हाहा.

हँकाना (हि. क्रि. स.) निकाल देना, चलाना, हाँकना.

हङ्कार (सं. पु.) (हम्=ऐसा क्रोध का शब्द, कृ=करना) हाँक, पुकार, चिल्लाहट, निकालना, हाँकना.

हंडा (हि. पु.) (सं. हण्ड, हन्=मारना) ताँबे पीतल अथवा मिट्टीका बडा बरतन, कडाह.

हंडा फोडना (हि. मुहा.) भेद खोल देना.

हंस (सं. पु.) (हन्=मारना या जाना, अथवा हस्=हँसना) एक तरहके पखेरू, जो पानीके सरोवरोंमें रहते हैं, आत्मा, जीव, परमात्मा, ब्रह्म.

हंसगमनी, हंसगवनी (हि. स्त्री.) (सं. हंसगामिनी) जिस स्त्रीकी चाल हंसको ऐसी हो.

हँसना (हि. क्रि. अ.) (सं. हसन, हस=हँसना) हँसी करना, मुसकुराना, ठट्ठा करना.

हँसमुख (हि. गु.) (सं. हास्यमुख) जिसके मुँहपर हँसी खुशी जानी जाय, मगन, आनन्दी, हँसनेवाला.

हँसा (हि. पु.), हँसी (हि. स्त्री.) (सं. हास्य) हाँसी, मुसकुराहट, खुशी, खेल, विनोद.

हँसाई (हि. स्त्री.) (सं. हास्य) हँसी, ठट्ठा, ठठोली.

हँसिया, हँसुआ (हि. पु.) दराँती, दाँतदात्र.

हँकराना (हि. क्रि. स.) बुलाना, पुकारना, बुलवा लेना.

हकबकाना (हि. क्रि. अ.) घबराना, व्याकुल होना, हडबडाना.

हकला (हि. गु.) तोतला, लडबडा, जो तुतलाकर बोले.

हकलाना (हि. क्रि. अ) तुतलाना, हिचक २ के बोलना, अटक अटकके बोलना.

हक्काबक्का (हि. गु.) घबराया हुआ, परेशान, बेहोश, व्याकुल, अचंभेमें, चकित, विस्मित.

हगना (हि. क्रि. अ.) (सं. हद्=झाडा फिरना) झाडा फिरना, जंगल जाना, दिशा जाना, पखाने जाना.

हचका, हचकोला (हि. पु.) धक्का, झोंक, टक्कर.

हचरमचर (हि. पु.) वादविवाद, झूठा झगडा, आगापीछा, सोचविचार, पेशोपेश.

हटकना (हि. क्रि. अ.) रुकना, अटकना, छेंकना. (क्रि. स.) रोकना.

हटताल (हि. स्त्री.) (हट=हाट, ताल=ताला) किसी दुःख अथवा अन्याय होनेसे दुकानोंको ताला लगा देना, बजार बंध.

हटना (हि. क्रि. अ.) पीछे चला जाना, पीछे फिर जाना, टलना, चला जाना, अलग हो जाना, हार जाना.

हटवा (हि. पु.) (हाट) तौलनेवाला, कयाल, दूकानदार.

हटाना (हि. क्रि. स.) दूर करना, अलग करना, टाल देना, निकाल देना, सरकाना, पीछे खेंच लेना.

हट्ट (सं. स्त्री.) (हट्=चमकना) हाट, दूकान, बाजार.

हट्टाकट्टा (हि. गु.) बलवान और चालाक, संडमुसंड, मोटा, गाढा, धाकड, जोरावर.

हठ (सं. पु.) (हठ्=हठ करना) मगराई, मचलाई, अड, जिद्द, बलात्कार, जबरदस्ती.

हठ करना, हठकी टेकपर होना (हि. मुहा.) मगराईसे किसी बातको नहीं मानना, जिद्द करना.

हठधर्मी (हि. गु.) जिद्दी, हठीला.

हठात् (सं. क्रि. वि.) बलात्, बलसे, जबरन.

हठी } (हि. गु.) (हठ) मगरा,
हठीला } चिड़चिड़ा.

हडगिल्ला } (हि. पु.) (सं. हड्ड=हड्डी,
हडगीला } गृ=निगलना) एक पखेरूका नाम जो पाँच फुट ऊँचा होता है और उसके पंख फैलनेसे पन्द्रह फुटतक नापा गया है.

हडफूटन (हि. पु.) हड्डियोंमें दर्द.

हडबडाना (हि. क्रि. अ.) घबराना, व्याकुल होना, हकबकाना, जल्दी करना.

हडबडी (हि. स्त्री.) खलबली, हुल्लड, बलवा, हौरा.

हडहडाना (हि. क्रि. अ.) काँपना, थरथराना, खडखडाना, घडघडाना, आवाज होना.

हडहडाहट (हि. स्त्री.) खडखडाहट, आवाज.

हड्डी (हि. स्त्री.) (सं. हड्ड) हाड.

हत् (हि. वि. बो.) धुर, दुत.

हतना } (हि. क्रि. स.) (सं. हनन,
हनना } हन्=मारना) मारना, मार डालना.

हत (सं.) (हन्=मारना) मारा हुआ, नष्ट.

हति (सं. स्त्री.) (हन्=मारना) मारना, हनना, गुणना.

हत्या (सं. स्त्री.) (हन्=मारना) मारना, हिंसा, खून, पाप.

हताशा (सं. गु.) छिन्नाशा, नउम्मेद.

हत्यारा (हि. पु.) (सं. हत्याकार) हत्या करनेवाला, हिंसक, पापी, दुष्ट.

हथ (हि. पु.) (सं. हस्त) हाथ, दस्त.

हथकडी (हि. स्त्री.) हाथकी बेडी, एक बडा भारी लोहेका कडा जो कैदियोंके हाथमें डाल दिया जाता है.

हाथखण्डा (हि. पु.) (हथ=हाथ, खंडा=ढब) ढब, टेव, अभ्यास, करतब, चाल, बान, हथौटी.

हथनी (हि. स्त्री.) (सं. हस्तिनी) हस्तिनी.

हथफेर (हि. मुहा.) अदलाबदली, हेराफेरी, छल, फरेब, खोटे रुपयेको चालाकीसे अच्छे रुपयेसे बदल लेना.

हथलेवा (हि. पु.) (हथ=हाथ, लेवा=लेना) व्याहमें दुल्हा दुल्हनका हाथ मिला देना, व्याहकी एक रीति.

हथवासना (हि. क्रि. स.) हाथमें लेना, हाथमें पकडना.

हथवासे (हि. क्रि. वि.) हाथमें, अपने अधिकारमें.

हथा } (हि. पु.) (सं. हस्ते) बेंट,
हत्था } कबजा, बेलचा, खोदनी.

हथिया (हि. पु.) (सं. हस्त) ज्योतिषमें तेरहवाँ नक्षत्र.

हथियाना (हि. क्रि. स.) पकडना, हाथमें लेलेना.

हथियार (हि. पु.) शस्त्र, कलकाँटा, औजार.

हथेली (हि. स्त्री.) हाथमें बीचकी जगह.

हथौटी (हि. स्त्री.) चतुराई, प्रवीणता, होशियारी, गुण, हुनर.

हथौडा (हि. पु.) घन, बडा मारतौल.

हथौडी (हि. स्त्री.) छोटा हथौडा.

हनन (सं. पु.) मारना, घात, हिंसा.

हननीय (सं. गु.) मारने योग्य.

हनुमान् (सं. पु.) (हनु=हड्डी, मत्=वाला, या हन्=नाश करना) श्रीरामचन्द्रका दूत, पवनका पूत, हनुमंत, महावीर.

हलचल मचना (हि. मुहा.) हुल्लड हो जाना, गदर होना.
हलदिया (हि. पु.) (हलदी) एक तरहका जहर, कँवल रोग या पांडुरोग जिसमें सारा शरीर पीला पड जाता है, पीलिया रोग. (गु.) पीलारंग, हलदीसा रंग.
हलदी (हि. स्त्री.) (सं. हरिद्रा) एक तरहका मशाला.
हलधर (सं. पु.) (हल, धृ=रखना) बलदेव, बलराम.
हलपना (हि. क्रि. अ.) तडफडाना, तडफना, लोटपोट होना.
हलफल (हि. स्त्री.) शिष्टाचार, सन्मान, आदर, हडबडी, हलचल.
हलरावना (हि. क्रि. स.) बहलाना, बच्चेको खेलाना.
हलवाहा (हि. पु.) (सं. हल) जोता, हल जोतनेवाला.
हलहलाहट (हि. स्त्री.) डरसे जरसे काँपना.
हलायुध (सं. पु.) (हल+आयुध) बलराम जिनका हथियार हल है, बलदेव.
हलाहल (सं. पु.) विष, जहर, माहुर, बडा जहर.
हली (सं. पु.) बलराम, बलदेव, हलधर.
हलोरा } (हि. पु.) (सं. हिल्लोल, हिलोरा } हिल्लोल्=डोलना) लहर, मौज, तरंग.
हल्ला (हि. पु.) (अ. हमला) धावा, चढाई, रौला, हुल्लड.
हवन (सं. पु.) (हु=होम करना) होम, यज्ञ, आहुति.
हवि } (सं. पु. स्त्री.) (हु=होमना)
हविष्य } घी, तिल चावल आदि होमकी सामग्री.
हव्य (सं. पु.) (हु=होमना) देवताको बलि या भेंट, नैवेद्य.
हविष्पात्र (सं. पु.) तिल, चावल जवादि.
हविर्भुज (सं. पु.) देवता, अग्नि.
हस्त (सं. पु.) (हस्=हँसना) हाथ, हाथीकी सूँड, तेरहवाँ नक्षत्र, कोहनीसे लेकर बीचकी अंगुलीके सिरेतकका नाप.
हस्तगत (सं.) हाथमें आया.
हस्तामलक (सं. गु.) (हस्त=हाथ, आमलक=आँवला) हाथमें आँवलेके ऐसे अर्थात् बहुत सहज या हस्त=हाथ, अमल=निर्मल, क=पानी, अर्थात् हाथमें निर्मल पानीकी बूँदकी तरह. (गु.) सुगम, सहज, बेमिहनत. (पु.) एक ग्रन्थका नाम.
हस्तिदन्त (सं. पु.) हाथीदाँत.
हस्तिनापुर (सं. पु.) (हस्तिन्=एक राजा, पुर=नगर) पुरानी दिल्ली जिसको हस्तिन् नाम राजाने बसाई थी, और राजा युधिष्ठिर और उसके भाइयोंकी राजधानी थी, उसके खंडहरे और चिह्न दिल्लीसे ५७ मील ईशानको गंगाकी पुरानी नहरपर अबतक हैं.
हस्तिनी (सं. स्त्री.) (हस्तिन्) हथिनी.
हस्ती (सं. पु.) (हस्तिन्, हस्त=सूंड) हाथी, गज, मतंग, नाग.
हस्त्र (सं.) मूर्ख, अज्ञ.
हस्ली (हि. स्त्री.) गलेकी हड्डी, गलेमें पहननेका सोना या चाँदीका एक गहना.
हा (सं. वि. बो.) (हा=छोडना या जाना) हाय, आह, ओह, दुःख, शोक, पीडा, विषाद, प्रसिद्ध, पादपूरण, विस्मय, कुत्सा, निन्दा.
हाइकोर्ट (High Court) (अं.) बृहत् न्यायालय.

हाउस आफ लार्डस् (House of Lords) (अं.) महान राजप्रबन्धकोंकी सभा.

हाउस आफ कामनस् (House of Commons) (अं.) सर्व साधारण राज्य प्रबन्धकोंकी सभा.

हाँ (हि. क्रि. वि.) (सं. ओं, अम्=जाना) मान लेनेका शब्द, स्वीकार, अंगीकार, अंगेज, ठीक.

हाँक (हि. स्त्री.) (सं. हुङ्कार) पुकार, जोरसे पुकारना, ललकार, किलकारी, चिल्लाहट, गूँज, गर्ज, निकालना.

हाँक मारना (हि. मुहा.) जोरसे पुकारना, चिल्लाना, ललकारना.

हाँकना (हि. क्रि. स.) (सं. हुङ्कार) पुकारना, ललकारना, निकालना.

हाङ्गर (सं. पु.) (हा=दुःख, अङ्ग=शरीर, र=लेना, अर्थात जो दुःख देनेके लिये आदमीको ले लेता या पकड लेता है) मगरमच्छ.

हाँडी } (हि. स्त्री.) (सं. हण्डी) एक
हांडी } तरहकी मिट्टीका बरतन.

हाँपना } (हि. क्रि. अ.) हफहफाना,
हाफना } हाँफना, ऊंची साँस लेना.

हाँस (हि. पु.) (सं. हंस) हंस.

हाँसी (हि. स्त्री.) (सं. हास्य) हँसी, मसखरी, ठट्ठा.

हाँहाँ } (हि. क्रि. वि.) हाँ, ठीक, सच,
हाँहूं } सही.

हाट } (हि. स्त्री.) (सं. हट्ट) दूकान,
हाठ } लेन देनकी जगह, बाजार, चौक, चबूतरा.

हाटक (सं. पु.) (हट=चमकना) सोना, कंचन, धतूरा. (गु.) सोनेका बना हुआ, सोनेका.

हाटकपुर (सं. पु.) सोनेका नगर, लंका.

हाड (सं. पु.) (सं. हड्ड) हड्डी.

हात } (हि. पु.) (सं. हस्त) शरीरका
हाथ } एक अंग, हस्त, कर कोहनीसे लेकर बीच अंगुलीके सिरेतकका नाप, अधिकार, बस, कबजा.

हाथ आना } (हि. मुहा.) अपने
हाथमें आना } अधिकारमें आना, कबजेमें आना, मिलना, हाथ लगना.

हाथ उठाना (हि. मुहा.) छोड देना, किसी कामके करनेसे रुक जाना, हाथ सिरपर लगाके सलाम करना, मारना, भीख देना, खैरात बाँटना.

हाथ कमरपर रखना (हि. मुहा.) बहुत निर्बल होना, बहुत कमजोर होना.

हाथ कानोंपर रखना (हि. मुहा.) अचंभेमें होना, झटपट इनकार कर जाना.

हाथ खैंचना (हि. मुहा.) छोडना, मुँह फेरना, दूर भागना, किनारे होना, अलग होना.

हाथ चाटना (हि. मुहा.) किसी अच्छे खानेका बहुत स्वाद लेना, या अच्छे खानेको बहुत खुशीसे खाना.

हाथ जोडना (हि. मुहा.) बिनती करना, घिघियाना.

हाथ डालना (हि. मुहा.) किसी काममें अपना अधिकार करना, दस्तअन्दाजी करना, दखल करना, दबाना.

हाथ धोना (हि. मुहा.) निराश होना, नाउम्मेद होना.

हाथ पडना (हि. मुहा.) अपने अधिकारमें आना, कबजेमें आना, हाथ लगना.

हाथ पत्थर तले दबना (हि. मुहा.) बेबस होना, कुछ नहीं कर सकना.

हाथ पसारना (हि. मुहा.) माँगना, चाहना.
हाथ पाँव फूल जाना (हि. मुहा.) घबरा जाना, काम करनेसे हिकचिका जाना.
हाथ पाँव मारना (हि. मुहा.) मिहनत करना, कोशिश करना, घबरा जाना, वृथा परिश्रम करना.
हाथ फेंकना (हि. मुहा.) पटा या लकडी चलाना, मुफ्तका माल लेना.
हाथ फेरना (हि. मुहा.) प्यार करना, दुलार करना, छोह करना, गले लगाना, फुसलाना, शाबासी देना.
हाथ बंद होना (हि. मुहा.) काममें बहुत लगा रहना, कुछ फुर्सत नहीं होना, गरीब होना, खाली हाथ होना, तिही-दस्त होना.
हाथ बढाना (हि. मुहा.) किसी चीजके मिलनेके लिये कोशिश करना, दूसरे आदमीके माल असबाबपर दखल करना.
हाथ बाँधना (हि. मुहा.) हाथ जोडना, बिनती करना.
हाथ बैठना (हि. मुहा.) जमना, किसी हुनरमें खूब अभ्यास होना.
हाथ भरना (हि. मुहा.) हाथ थक जाना.
हाथ मलना (हि. मुहा.) पछतावा करना, सोच करना, फिकर करना.
हाथ मारना (हि. मुहा.) वचन देना, ताली मारना, पाना, लेलेना, छीन लेना, लूट लेना, तलवारसे घायल करना.
हाथ मिलाना (हि. मुहा.) बराबरीका दावा रखना, कुश्ती लडनेको तैयार होना.
हाथमें रखना (हि. मुहा.) अपने अधिकारमें रखना, वसमें होना.
हाथ लगना (हि. मुहा.) हाथ आना, मिलना, पाना, हासिल होना.
हाथ लगाना (हि. मुहा.) हाथ रखना, छूना, झिडकना, सजा देना, किसी काममें लगना, किसी कामको शुरू करना.
हाथ समेटना (हि. मुहा.) देनेसे हाथको रोक लेना.
हाथपाई करना } (हि. मुहा.) धक्कम-
हाथबाही करना } धक्का करना, धौलधप्पा चलाना, लातमुक्की मारना, आपसमें लडना.
हाथोंहाथ करना (हि. मुहा.) सब मिलके करना.
हाथोंहाथ (हि. मुहा.) झटपट, तुरंत, तुरतफुरत.
हाथोंहाथ ले जाना (हि. मुहा.) झटपट ले जाना, तुर्तफुर्त झटपट लेना.
हाथा (हि. पु.) (सं. हस्त) हाथ, अधिकार, बस.
हाथाजोडी (हि. स्त्री.) एक पौधेका नाम.
हाथी (हि. पु.) (सं. हस्ती) एक जानवरका नाम, मतंग, गज.
हाथीदाँत (हि. पु.) (सं. हस्तिदन्त) हाथीका दाँत.
हाथीवान् (हि. पु.) महावत.
हान (हि. स्त्री.) } (हा=त्यागना, छोड-
हानि (सं. स्त्री.) } ना) घटी, टोटा, नुकसान.
हाय } (हि. वि. बो.) (सं. हाहा)
हायहाय } आह, ओह. (स्त्री.) दुःख, पछतावा.
हायन (सं. पु. स्त्री.) वर्ष, वत्सर, वर्षका दिन.
हाय मारना (हि. मुहा.) पछताना, दुःख करना, आह मारना, आह भरना, किसीकी उन्नति देखकर कुढना.

हायहाय करना (हि. मुहा.) रोना, पीटना, दुःखसे रोना.

हार (सं. पु.) (हृ=लेना) मोती अथवा फूलोंकी माला.

हार (हि. स्त्री.) (सं. हारि, हृ=लेना) शिकस्त, पराजय, घटी. (पु.) बैलोंका झुण्ड, चरनेकी जगह, चरागाह.

हारक (सं. पु.) (हृ+अक, हृ=लेना) कितव, चोर, भाजकाङ्क, चुरानेवाला.

हारना (हि. क्रि. अ.) (सं. हारण) थकना, शिकस्त खाना, पराजित होना, खेल खोना, खेलमें मात होना.

हार मानना } (हि मुहा.) निरास
हार मानलेना } होके छोड़ देना.

हारित (सं.) हरगया, छीना गया, जबरदस्तीसे लिया गया.

हार्दिक दुःख (सं. पु.) चित्ताप, दिली सदमा.

हारी (सं. पु.) चोर, ठग.

हार्य (सं.) हर्त्तव्य, चुराने लायक.

हाव (सं. पु.) (ह्वे=बुलाना या कामदेवको उठाना) नखरा, चोंचला, हावभाव, रावचाव.

हावभाव (सं. पु.) रावचाव, रंगरस, दुलारप्यार, नखरा, चोंचला.

हास्य (सं. पु.) (हस्=हँसना) हँसी, हाँसी, खुशी, कौतुक, खेल, ठठ्ठा.

हाहा (सं. क्रि. वि.) (हा=छोड़ना सुखको) हायहाय, आह, ओह, अचंभा, वाहवाह.

हाहाकार (सं. पु.) हायहाय करना, घबराहट, लड़ाईका शब्द, हुल्लड़, कोलाहल, शोकका शब्द.

हाहाहीही (हि. स्त्री.) हँसी, हँसना.

हाहाहीही करना (हि. मुहा.) हँसना, दाँत निकालना.

हि (हि. अव्य.) हेतु, निश्चय, अवधारण, निकालना, विशेष, प्रश्न, सम्भ्रम, हेतु, उपदेश. शोक, असूया, निंदा.

हिंडोल (हि. स्त्री.) (सं. हिन्दोल, हिल्लोल्=हिलना) एक रागका नाम जो वसन्तऋतुमें भोरके समय गाया जाता है.

हिंडोला (हि. पु.) (सं. हिन्दोल) पलना, झूला, गीत जो झूलते समय गाया जाता है.

हिंसक } (सं. पु.) (हिंस्+अक)
हिंस्रक } मारनेवाला, हिंसा करनेवाला, घातक, वधिक, दुर्जन, दुष्ट, पापी, जंगली जानवर जैसे बाघ, भेड़िया चीता आदि.

हिंसन (सं. स्त्री.) वध करना, मारना.

हिंसा (सं. स्त्री.) (हिंस्=मारना) मारना, वध, घात, नुकसान.

हिक्का (सं. स्त्री.) हेचकी, हिचकी, रोगभेद.

हिंगु (सं. पु.) रामठ, हींग.

हिंगुल (सं. पु.) (हिंगु=एक लाल चीज, ला=लेना) सिंदूर ऐसी लाल चीज, शंगरफ.

हिचकना (हि. क्रि. स.) धक्का देना, झोका देना, दिल छोटा करना, हिम्मत पस्त करना.

हिचकाना (हि. क्रि. स.) धक्का देना, झोका देना, दिल छोटा करना, हिम्मत पस्त करना.

हिचकिचाना (हि. मुहा.) संदेहमें पड़ना, दुबधामें होना, आगा पीछा करना, हकलाना, लड़बड़ाना.

हिचकी (हि. स्त्री.) (सं. हिक्का) हिच ऐसा शब्द जो गलेमेंसे निकलता है.

हिजड़ा (हि. पु.) नपुंसक, नामर्द.

हित (सं. पु.) (हि=जाना या बढना अथवा धा=रखना) प्यार, मित्राई, उपकार, भलाई. (गु.) उचित, ठीक, योग्य, भला.

हितकार } हितकारी } (सं.) (हित=भला, कार या कारी=करनेवाला, कृ=करना) भला करनेवाला, मित्र, सज्जन, उपकारी.

हितू (हि.) मित्र, हितकारी.

हितैषी (सं. गु.) (हित=भला, इष=चाहना) दूसरेका भला चाहनेवाला, परोपकारी, हितकारी.

हितोपदेश (सं. पु.) (हित=भला, उपदेश=शिक्षा) भली शिक्षा, अच्छी सीख, संस्कृतमें विष्णुशर्माकी बनाई हुई एक पुस्तक जिसमें राजनीतिकी बातें लिखी हैं.

हिनहिनाना (हि. क्रि. अ.) घोडेका बोलना, हींसना.

हिन्द (हि. पु.) (यह शब्द सिन्धुसे निकला है क्योंकि पच्छिमी देशोंके लोग "स" की जगह "ह" बोलते हैं और जब सिकन्दर यहां आया तो उसने सिंधु नदीके इस पारके देशोंको हिन्द कहा और आजतक यूनानवाले इसे "इन्द" कहते हैं उसीसे "इण्डिया" शब्द बना है जिस नामसे अंगरेज हिन्दुस्थानको पुकारते हैं) भरतखण्ड, हिंदुस्तान.

हिंदी (हि. गु.) (हिन्द) हिन्दुस्तानका, हिन्दुस्तानी. (स्त्री.) हिन्दुस्तानकी बोली.

हिन्दू (हि. पु.) (हिन्द) हिन्दुस्थानके वासी जो वेदके मतको मानते हैं.

हिम (सं. पु.) (हि=जाना या बढना) पाला, बर्फ, शीत, तुषार. (गु.) ठंढा, जमा हुआ.

हिमऋतु (सं. स्त्री.) (हिम+ऋतु) जाडा, जाडेकी ऋतु, शीतकाल, सर्दीकी रुत.

हिमकर (सं. पु.) (हिम=ठंढी, कर=किरण) चाँद, कपूर.

हिमकूट (सं. पु.) शिशिरऋतु, जाडा.

हिमगिरि (सं. पु.) हिमालयपहाड.

हिमवत् (सं. पु.) (हिम्=बर्फ वत्=वाला) हिमालय पहाड. (गु.) बर्फवाला, बहुत ठंढा.

हिमांशु (सं. पु.) (हिम=ठंढी, अंशु=किरण) चाँद, कपूर.

हिमाद्रि (सं.) (हिम्=बर्फ, अद्रि=पहाड) हिमालय पहाड.

हिमालय (सं. पु.) (हिम=बर्फ, आलय=घर) हिन्दुस्थानका एक पहाड जो उत्तरमें है और संसारके सारे पहाडोंसे ऊँचा है और जिसको हिमाचल, हिमाद्रि, हिमगिरिभी कहते हैं.

हिय } हिया } हियो } (हि. पु.) (सं. हृद् या हृदय) हिरदा, मन, हृदय.

हियाव (हि. पु.) (सं. हृदय) शूरमापन, शूरवीरता, हिम्मत, साहस.

हियो (हि.) जब गाय गोरूको बुलाते हैं तब यह शब्द बोलते हैं.

हिरण } हिरण्य } (सं. पु.) (हृ=लेना, मनको) सोना, सुवर्ण.

हिरण्यकशिपु (सं. पु.) (हिरण्य=सोना, कशिपु=कपडा) एक दैत्यका नाम जो प्रह्लादका बाप था जिसको विष्णुने नृसिंहअवतार धरके मारा.

हिरण्यगर्भ (सं. पु.) (हिरण्य=सोना, गर्भ=पेट) जिसके पेटमें सुवर्ण हो शालग्रामकी मूर्ति, ब्रह्मा.

हिरण्याक्ष (सं. पु.) (हिरण्य=सोना, अक्ष=आँख, जिसकी आँखें सोनेसी लाल चमकती हों) हिरण्यकशिपुका भाई जो फिर कुम्भकरण और वक्रदन्त हुआ था.

हिरद } (हि. पु.) (सं. हृद् या हृदय)
हिरदा } हिया, हृदय, छाती, मन, अन्तःकरण.

हिरन (हि. पु.) (सं. हरिण) एक जानवरका नाम, मृग, मृगा.

हिराना (हि. क्रि. स.) खोना, रखकर भूल जाना.

हिलकना (हि. क्रि. अ.) दर्दसे ऐंठना.

हिलकोर (हि स्त्री.) } लहर, तरंग, मौज,
हिलकोरा (हि. पु.) } हिलाव, लहराव.

हिलकोरना (हि. क्रि. अ.) लहराना, मौज मारना, हिलाना.

हिलना (हि. क्रि. अ.) (सं. हिल्लोल) डोलना, काँपना, मिल जुल जाना, बस हो जाना.

हिलमिल जाना. (हि. मुहा.) मिलाजुला रहना, मिलजुल जाना.

हिलामिला (हि. मुहा.) मिला जुला.

हिलोरना (हि. क्रि. अ.) (हिल्लोल) लहराना, मौज मारना, हिलकोरना.

हिलोरा (हि. पु.) (हिल्लोल) लहर, तरंग, मौज, हिलकोरा.

हिस्का (हि. पु.) बराबरी, देखादेखी, बदाबदी, लाग.

हींग (हि. स्त्री.) (सं. हिंगु) एक सुगन्धित चीज जिसको घीमें गर्म करके दाल, तरकारी आदि बघार देते हैं.

हींसना (हि. क्रि. अ.) हिनहिनाना.

हीक (हि. स्त्री.) उबकाई, मतलाई.

हीन (सं. गु.) (हा=छोडना) विना, छोडा हुआ, रहित, कम, नीच, अधम, गरीब, दीन.

हीनजाति (सं. गु.) (हीन=नीच, जाति=जात) नीच जातका. (स्त्री.) गणितमें बडे नामके अंकको छोटे नामके अंकमें लाना, जैसे रुपयेको आनेके रूपमें लाना आदि.

हीनवर्ण (सं. गु.) नीच जातका, अधम, नीच.

हीर (सं. पु.) (हृ=लेना) सार, गूदा, वज्र, हीरा, शिव, साँप, हार, सिंह.

हीरा (हि. पु.) (सं. हीर) एक रत्नका, नाम.

हीरामन (हि. पु.) एक तरहका तोता, एक तरहका सुआ.

हीरावल } (हि. स्त्री.) (सं. हरि+आ-
हीरावली } वली, अर्थात् जिसपर हरि हरि ऐसा लिखा हो या हीरा=हीरा, आवली=पाँत) एक तरहका कम्बल जिसको योगी ओढते हैं.

हीही (हि. वि. बो.) हँसनेका शब्द, हाहाहीही, अचंभेका शब्द, आहा, वाहवाह.

हुङ्कार (सं. स्त्री.) (हुम्, ऐसा शब्द, कृ=करना) पुकार, गर्जन, डरानेका शब्द.

हुड़दंगा (हि. गु.) दंगैत, लडाक, उपद्रवी.

हुंडवी } (हि. स्त्री.) रुपयेके पहुँचानेकी
हुंडी } चिट्ठी.

हुंडाभाडा (हि. पु.) बीमा, जोखिम, पहुँचावन, किसी चीज या सोने चाँदी आदिके जेवरको एक जगहसे दूसरी जगह पहुँचा देनेके लिये जो कुछ

हुँडार (हि. पु.) भेड़िया.
हुंडावन } (हि. स्त्री.) हुण्डीका बट्टा,
हुँडियावन } हुण्डीके लिये जो कुछ दिया जाय.
हुँडीवाल (हि. पु.) कोठीवाल, वह महाजन जिसके हुण्डीका व्यवहार होता है.
हुत (सं.) (हु=होमना) होमी हुई. (पु.) होमनेकी चीज जैसे घी आदि.
हुतभुक् (सं. पु.) अग्निदेवता.
हुताश } (सं.) (हुत+अश्=भक्षण
हुताशन } करना) अग्नि, वह्नि.
हुमकना (हि. क्रि. अ.) उछलना.
हुलसना (हि. क्रि. अ.) (सं. उल्लसन, उत्, लस्=खेलना, आनन्द करना) खुश होना, प्रसन्न होना, आनन्दित होना.
हुलसी (हि. स्त्री.) हुलसी, खुशी, तुलसीदासकी माताका नाम.
हुलास (हि. पु.) (सं. उल्लास) आनन्द, हर्ष, खुशी, प्रसन्नता.
हुल्लड़ (हि. पु.) रौला, बखेड़ा, हलचल, होड़ा.
हूँ (हि. क्रि. वि.) हाँ, भी, सही, भला, ठीक, अच्छा, वर्तमान कालमें एक वचन उत्तम पुरुषका चिह्न.
हूहाँ (हि. पु.) धूमधाम, हुल्लड.
हूक (हि. स्त्री.) पीड़ा, टसक.
हूकहूकके रोना (हि. मुहा.) सिसकी भरके रोना, टसकटसकके रोना.
हूति (सं. स्त्री.) (ह्वे=बुलाना) बुलावा, आवाहन.
हून (सं. पु.) मदरासका सोनेका सिक्का.
हूलना (हि. क्रि. स.) पेल देना (जैसे हाथीको), चलना, चुभाना, खींचना, आँकुस मारना.
हृत (सं.) (हृ=लेना) लिया हुआ.
हृद् } (सं. पु.) (हृ=लेना) मन,
हृदय } दिल, कुण्ड, हिरदा, हिया, छाती.
हृषीकेश (सं. पु.) (हृषीक=इन्द्रय, ईश=मालिक) विष्णु, भगवान्, नारायण.
हृष्ट (सं.) (हृष=प्रसन्न होना) प्रसन्न, हर्षित, आनन्दित, मगन.
हृष्टपुष्ट (सं.) (हृष्ट=प्रसन्न, पुष्ट=मोटा ताजा) मोटा ताजा, प्रसन्न, संडमुसंड, मुटल्लड.
हे (सं. अव्य.) सम्बोधन, बुलाना, आवाहन करना, असूया करना, निन्दा करना.
हेठ (हि. क्रि. वि.) नीचे, तले, हेठे.
हेठा (हि. गु.) (सं. हेठ्=रोकना) डरपोकना, ढीला, आसकती, आलसी, नीच.
हेतु (सं. पु.) (हि=जाना या बढना) कारण, सबब, अर्थ, अभिप्राय, मतलब, फल.
हेम (सं. पु.) (हि=बढना) सोना, सुवर्ण, कंचन.
हेममाली (सं. पु.) सूर्य, आफताब.
हेमन्त (सं. पु.) (हि=जाना या बढना) जाडेकी ऋतु, एक ऋतु जो अगहन और पूसके महीनोंमें रहती है, सर्दी.
हेय (सं.) (हा=छोडना) त्याज्य, छोडने योग्य.
हेरना (हि. क्रि. स.) खोजना, ढूँढना, देखना, रगेदना, खदेडना.
हेरम्ब (सं. पु.) (हे=शिव, रबि=जाना) गणेश.
हेलना (हि. क्रि. अ.) पैरना, तैरना, पार होना.
हेला (सं. स्त्री.) (हेल्=अवज्ञा करना) खेल, क्रीडा, अवज्ञा, अनादर.

हौंकना (हि. क्रि. अ.) हाँपना, हफहफाना, ऊँचा साँस लेना.
हौंठ } (हि. पु.) (सं. ओष्ठ) मुँहके
होठ } बाहरका हिस्सा, ओष्ठ.
होड (हि. स्त्री.) पण, वचन, दाव, पेंच, शर्त.
होड बदना (हि. मुहा.) शर्त लगाना.
होड लगाना (हि. मुहा.) शर्त लगाना, वचन करना, पण करना, बाजी लगाना.
होड हारना (हि. मुहा.) बाजी हारना.
होत (हि. स्त्री.) (होना) बल, शक्ति, सामर्थ्य, पहुँच.
होतव (हि. पु.) (सं. भवितव्य) भाग, किस्मत, प्रारब्ध.
होतव्यता (हि. स्त्री.) (सं. भविष्यता) होनहार, संयोग, भाग, प्रारब्ध.
होता (सं. पु.) (हु=होमना) होम करनेवाला.
होना (हि. क्रि. अ.) (सं. भवन, भू=होना) रहना, विद्यमान रहना.
होआना (हि. मुहा.) जाके चला आना.
होचुकना } (हि. मुहा.) पूरा होना.
होलेना }
होजाना (हि. मुहा.) आपडना, संयोग बनना.
होतेहोते (हि. मुहा.) धीरे धीरे. क्रम क्रमसे.
होन्हार } (हि. गु.) (होना) होने-
होनहार } वाला, संभव, जो होगा.
होम (सं. पु.) (हु=होमना) हवन, यज्ञ, वेदके मंत्रोंसे देवताओंको बलि देनेके लिये घी आदिको आगमें डालना.
होमकुण्ड (सं. पु.) होम करनेके लिये आग रखनेका गढा.
होमना (हि. क्रि. स.) (होम) होम करना, घी आदि होमकी चीजको आगमें डालना.
होमी (सं. पु.) (हु=होमना) होम करनेवाला.
होला (हि. पु.) (सं. होलका, हु=खाना) कच्चे चने, या आगमें सेके हुये कच्चे चने, छोला, बूट.
होला (हि. पु.) एक तरहकी नाव.
होली (हि. स्त्री.) (सं. होला, अथवा होल्का, हु=होम करना या खाना) हिन्दुओंका एक बडा तिहवार जो फागुनके महीनेमें होता है.
हौंस (हि. स्त्री.) चाह, चौंप, इच्छा, उमंग, बढनेकी चाह.
हौले (हि. क्रि. वि.) धीरे, धीमे.
ह्रद (सं. पु.) (ह्राद्=शब्द करना) गहरी झील, सरोवर, दह, कुण्ड.
ह्रस्व (सं. पु.) (ह्रस्=छोटा होना) एक मात्राका स्वर, लघु. (गु.) छोटा, नाटा, बावना.
ह्रास (सं. पु.) (ह्रस्=छोटा होना या शब्द करना) घटी, कमी, क्षय, शब्द, आवाज.
ह्री (सं. स्त्री.) (ह्री=लजाना) लाज, लज्जा, शर्म.
ह्लाद (सं. पु.) आनन्द, हर्ष, संतोष, सुख.
ह्लादित (सं. पु.) आनन्दित, प्रसन्न, हर्षित,
ह्लादिनी (सं. स्त्री.) बिजली, वज्र, ईश्वरीशक्ति. (गु.) आनन्दयुक्त.
ह्वलन (सं. पु.) (ह्वल्=जाना) चलना, महादेव, ब्रह्मा, विष्णु, गणेश. (स्त्री). सरस्वती, दुर्गा, लक्ष्मी.

क्ष.

क्षई (हि. स्त्री.) (सं. क्षय) क्षयरोग, राजरोग, दमेकी बीमारी.
क्षण (सं. स्त्री.) (क्षण्=नाश करना) पल, दम, दश पलका समय, चार मिनटका समय.

क्षणिक (सं. पु.) थोडी देरका.
क्षत (सं. पु.) (क्षण्=नाश करना) घाव, चोट, चीरा, जखम, व्रण.
क्षत (सं. पु.) व्रण घाव, जखम, चोट, नष्ट, घातित, विदीर्ण, भग्न.
क्षति (सं. स्त्री.) (क्षण्=नाश करना) हानि, घटी, नुकसान, बिगाड, अपकार.
क्षत्र (सं. पु.) शरीर, जिस्म.
क्षत्रिय } (सं. पु.) (क्षत=घाव, त्रै=बचाना) राजपूत, दूसरा वर्ण, राजन्य.
क्षत्री }
क्षत्रीकुलद्रोही (सं. पु.) क्षत्रीकुलका वैरी, परशुराम.
क्षपण (सं. पु.) (क्षप्+अण, क्षप=फेंकना) निर्लज्ज, बेशरम, बेहया, प्रेरण, गैंडा, गिरगिट.
क्षमता (सं. स्त्री.) (क्षम्=सहना) सहनशीलता, सहना, योग्यता, सामर्थ्य.
क्षमना } (हि. क्रि. स.) (सं. क्षम्=सहना) माफ करना, सहना, छोडना.
क्षमा करना }
क्षमा (सं. स्त्री.) (क्षम्=सहना) माफी, माफ करना, माफ, संतोष, शान्ति, रहम, गम, बरदाश्त.
क्षमित } (सं. पु.) शान्त, क्षमाशील, गमख्वार.
क्षमी }
क्षय (सं. पु.) (क्षि=नाश करना) नाश, हानि, नुकसान, घटी, क्षयरोग, क्षयी.
क्षरण (सं. पु.) (क्षर्+अण) च्युत होना, गिरना.
क्षान्त (सं. गु.) (क्षम्=सहना) सहनेवाला, धीरजवान्, क्षमावान्, संतोषी,
क्षान्ति (सं. स्त्री.) (क्षम्=सहना) क्षमा, धीरज, संतोष.
क्षाम (सं. पु.) दुर्बल, क्षीण, झूरा.
क्षार (सं. स्त्री.) (क्षर्=गिरना, नाश होना) खार, राख, भस्म.
क्षालन (सं. पु.) (क्षल्=शुद्ध करना) धोना, पूँछना, साफ करना, खँगालना.
क्षालक (सं. पु.) धोनेवाला.
क्षालित (सं. पु.) धोया हुआ, धौत.
क्षिति (सं. स्त्री.) (क्षि=रहना, बसना) धरती, जमीन, पृथ्वी, धरणी.
क्षितिधर (सं. पु.) (क्षिति=पृथ्वी, धर=रखनेवाला) पहाड, पर्वत.
क्षितिप } (सं. पु.) (क्षिति=धरती, पा=बचाना) राजा, भूपति.
क्षितिपति }
क्षितिपाल (सं. पु.) (क्षिति=धरती, पाल=बचानेवाला) राजा, महाराज.
क्षिपक (सं. पु.) (क्षिप्+अक) योद्धा, बहादुर.
क्षिप्र (सं. गु.) (क्षिप्=फेंकना) जल्द, शीघ्र, तुरंत.
क्षीण (सं. गु.) (क्षि=नाश करना) दुबला, निर्बल, दुर्बल, गरीब.
क्षीर (सं. पु.) दूध, पानी.
क्षुण्ण (सं. पु.) (क्षुद्+त, क्षुद्=पीसना) पीसा हुआ, चूर्णीकृत.
क्षुद्र (सं. गु.) छोटा, नीच, अल्प, सूक्ष्म.
क्षुद्रा (सं. स्त्री.) वेश्या, नटी, मधुमक्षिका, भटकटैया.
क्षुधा (सं. स्त्री.) (क्षुध्=भूखा होना) भूख, खानेकी चाह.
क्षुधातुर (सं. पु.) भूखसे व्याकुल, भूखा.
क्षुधार्त्त (सं. गु.) (क्षुधा=भूख, आर्त्त=घबराया हुआ) भूखा, बहुतही भूखा.
क्षुधावन्त (सं. गु.) (क्षुधा=भूख, वत्=वाला) भूखा.
क्षुधित (सं. पु.) (क्षुधा=भूख) भूखा.

क्षुभित } (सं. पु.) (क्षुभ्=काँपना)
क्षुब्ध } डरा हुआ, घबराया हुआ, व्याकुल.

क्षुर (सं. पु.) (क्षुर्=काटना) उस्तुरा, छुरा, खुर.

क्षुरभाण्ड (सं. पु.) (क्षुरा=छुरा, भाण्ड=पिटारी) किसवत, नाइयोंका किसवत.

क्षेत्र (सं. पु.) (क्षि=बसना, रहना) खेत, पवित्र धरती, पुण्यभूमि, देह, शरीर, स्त्री, पत्नी, भार्या.

क्षेत्रज (सं. पु.) (क्षेत्र=स्त्रीउदर, जन्=पैदा करना) अपनी स्त्रीमें दूसरेसे पुत्र जन्माना, जारपुत्र, पाण्डव.

क्षेपक (सं. पु.) (क्षिप्=फैंकना) फैंका हुआ, फैंकनेवाला.

क्षेपण (सं. पु.) (क्षिप्=फैंकना) फैंकना, प्रेरण.

क्षेपणी (सं. स्त्री.) गुफनी, ढिलवासी.

क्षेम (सं. पु.) (क्षि=रहना) कुशल, कल्याण, चैन, बचाव, चैनचान.

क्षोणी } (सं. स्त्री.) (क्षु=शब्द करना)
क्षौणी } पृथ्वी, धरती, जमीन.

क्षोभक (सं. पु.) (क्षुभ्+अक) डरानेवाला, भयकर्ता.

क्षोभ (सं. पु.) (क्षुभ्=काँपना, डरना) डर, मोह, छोह, घबराहट, हडबडाहट, हिलाव, डुलाव.

क्षोभित (सं. पु.) डरा हुआ, खौफ खाया हुआ.

क्षौर (सं. स्त्री.) (क्षुर=उस्तरा) हजामत, मुण्डन, नाईका काम.

क्ष्मा (सं. स्त्री.) (क्षम्=सहना) पृथ्वी, धरती, जमीन.

इति रामगुलाम-शब्दकोष समाप्त.

पुस्तक मिलनेका ठिकाना-

गङ्गाविष्णु श्रीकृष्णदास,

"लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर" छापाखाना,

कल्याण.(जि॰ठाणा).

उपयोगी टिप्पणी।

अवस्था ४ हैं–जाग्रत्, स्वप्न, सुषुप्ति, तुरीय. इनके विभु ये हैं–जाग्रत्के विश्व, स्वप्नके तैजस, सुषुप्तिके प्राज्ञ और तुरीयके ब्रह्म.

अविद्या–जीवोंकी अल्पज्ञता.

अंग–वेदके अंग छः हैं–शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्ति, छंद और ज्योतिष. वेदके पढनेकी विधिको शिक्षा कहते हैं. कल्प उसे कहते हैं जिसमें सब कर्मोंके करनेकी रीति लिखी है. व्याकरण उसे कहते हैं जिससे शब्दोंकी शुद्धताका ज्ञान हो. जिसमें वेदके कठिन शब्दोंका अर्थ लिखा हुआ है उसे निरुक्ति कहते हैं. जिसमें अक्षर मात्रा वृत्तका ज्ञान हो उसे छंद कहते हैं. और जिससे राशि वर्गोंके शुभाशुभ फलका ज्ञान होता है उसे ज्योतिष कहते हैं.

आश्रम ४ हैं–ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास.

आकर ४ हैं–पिंडज अर्थात् जो देहके साथ उत्पन्न होते हैं जैसे मनुष्य पशु आदि; अंडज जो अंडेसे होते हैं जैसे पक्षी, सांप आदि; स्वेदज जो पसीनेसे उत्पन्न होते हैं जैसे चीलर ढील आदि; उद्भिज्ज जो पृथ्वीको फोडके होते हैं जैसे वृक्ष आदि.

आभरण १२ हैं–नूपुर, किंकिणी, हार, चूरी, मुंदरी, कंकन, बाजूबंद, कंठश्री, बेसर, बिरिया, टीका और शिरफूल.

उपवेद–सामवेदका गन्धर्ववेद अर्थात् संगीतशास्त्र, ऋग्वेदका उपवेद आयुर्वेद अर्थात् वैद्यक, यजुर्वेदका उपवेद धनुर्वेद, अथर्ववेदका उपवेद शिल्पविद्या वा वास्तु.

ऋतु ६ हैं–वसंत–चैत, वैशाख. ग्रीष्म–जेठ, आषाढ. पावस–श्रावण, भाद्र. शरद्–आश्विन, कार्तिक. हेमन्त–अगहन, पूस. शिशिर–माघ, फाल्गुन.

कल्प–चारों युगको चौकडी कहते हैं और हजार चौकडीका एक कल्प होता है.

गुण ३ हैं–रज, सत, तम. राजाके चार गुण-साम, दाम, दंड और भेद.

चतुरंगिनी सेना–जिस सेनाके चार अंग हैं–हाथी, घोडा, रथ और पैदल.

तत्व ५ हैं–पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश.

त्रिताप–दैहिक, दैविक और भौतिक.

त्रिदेव–ब्रह्मा, विष्णु और महेश.

त्रिविध कर्म–संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण.

दिक्पाल–पूर्वदिशाके इन्द्र, आग्नेयके अग्नि, दक्षिणके यम, नैर्ऋतके नैर्ऋत, पश्चिमके वरुण, वायव्यके वायु, उत्तरके कुबेर, ईशानके ईशान.

पुराण–जिसमें पांच वस्तुओंका वर्णन हो, सर्ग, प्रतिसर्ग, मन्वन्तर, वंश, वंशानुचरित. पुराण १८ हैं.

भक्त ४ प्रकारके होते हैं–आर्त, जिज्ञासु, अर्थार्थी और विज्ञाननिवास.

भक्ति ९ प्रकारकी है–श्रवण, कीर्तन, स्मरण, चरणसेवा, अर्चन, वंदन, आत्मनिवेदन, दासता और सख्य.

युग ४ हैं–सत्ययुग, त्रेता, द्वापर और कालियुग.

योनि चौरासी लाख हैं–नव लाख जलचर, सत्ताईस लाख स्थावर, ग्यारह लाख कृमि, दश लाख पक्षी, तेईस लाख चौपाया और चार लाख मनुष्य.

राम तीन हैं–परशुराम, बलराम और श्रीरामचन्द्र.

विद्या–ईश्वरकी सर्वज्ञताको विद्या कहते हैं.

शास्त्र ६ हैं–वेदांत, सांख्य, योग, मीमांसा, न्याय और वैशेषिक.

शृंगार १६ प्रकारके हैं–अंगशुचि, मज्जन, अमल वसन पहरना, जावक, केश संवारना, मांगमें सेंदुर लगाना, भालमें तिलक, चिबुकपर तिल बनाना, मेंहदी लगाना, अरगजा अंगमें लगाना, भूषण, पुष्प, सुगन्ध लगाना, मुखराग, दाँत रंगना, अधरराग, काजर लगाना.

सप्तऋषि–कश्यप, अत्रि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, भरद्वाज, जमदग्नि और गौतम.

समीर ३ प्रकार–शीतल, मंद और सुगन्ध.

सिद्धि ८ हैं–अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व.

अक्षौहिणीकी संख्याप्रमाण ।

संज्ञा.	रथ.	हाथी.	अश्व.	पदचर.	जोड.
पत्ती.	१	१	३	५	१०
सेनामुख.	३	३	९	१५	३०
गुल्म.	९	९	२७	४५	९०
गण.	२७	२७	८१	१३५	२७०
वाहिनी.	८१	८१	२४३	४०५	८१०
पृतना.	२४३	२४३	७२९	१२१५	२४३०
चमू.	७२९	७२९	२१८७	३६४५	७२९०
अनी.	२१८७	२१८७	६५६१	१०९३५	२१८७०
अक्षौहिणी.	२१८७०	२१८७०	६५६१०	१०९३५०	२१८७००